e-assuring iNDIA

53 वीं वार्षिक रिपोर्ट
53rd Annual Report 2017-18

India's No 1 E-Commerce Govt. Company

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED (A Govt. of India Enterprise)

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन

Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

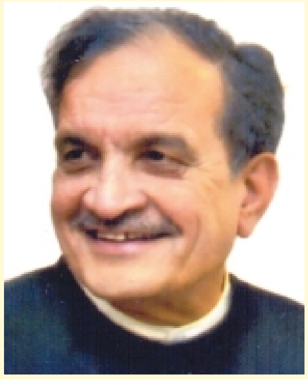

माननीय इस्पात मंत्री
चौधरी बीरेंद्र सिंह
Hon'ble Minister of Steel
Chaudhary Birender Singh

माननीय इस्पात राज्यमंत्री
श्री विष्णु देव साई
Hon'ble Minister of State for Steel
Shri Vishnu Deo Sai

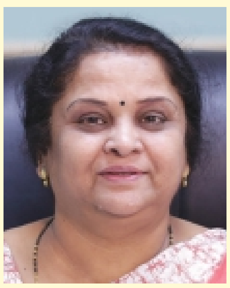

डॉ. अरुणा शर्मा
सचिव (इस्पात)
Dr. Aruna Sharma
Secretary (Steel)
(upto 31.08.18)
(31.08.18 तक)

श्री विनय कुमार
सचिव (इस्पात)
Shri Binoy Kumar
Secretary (Steel)
(from 01.09.18)
(01.09.18 से)

न्यू टाउन, कोलकाता में एमएसटीसी का निर्माणाधीन निगमित कार्यालय
MSTC's proposed Corporate Office Building being constructed at New Town, Kolkata

53वीं वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

विषय-सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
प्रबंधन दल / Management Team	3
दृष्टि एवं ध्येय / Vision & Mission	4
वर्तमान एमएसटीसी / MSTC at Present	5
अध्यक्षीय भाषण / Chairman's Statement	6
बोर्ड की रिपोर्ट / Board's Report	10
स्टैंडएलोन रिपोर्ट / Standalone Report	91
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	92
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report	105
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	106
घ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	107
ङ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	108
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	109
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	110
समेकित रिपोर्ट / Consolidated Report	171
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	172
ख) कैग रिपोर्ट / CAG Report	181
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	182
घ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	183
ङ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	184
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	185
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	186

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री बी. बी. सिंह
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
Shri B. B. Singh
Chairman-cum-Managing Director

श्री ए.के. बसु
निदेशक (वित्त)
Shri A. K. Basu
Director (Finance)

श्रीमती भानु कुमार
निदेशक (वाणिज्यिक)
Ms. Bhanu Kumar
Director (Commercial)

श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल
सरकारी नामांकित निदेशक
Ms. Ruchika Chaudhry Govil
Govt. Nominee Director

डॉ प्रमोदिता सतीश
सरकारी नामांकित निदेशक
Dr. Promodita Sathish
Govt. Nominee Director

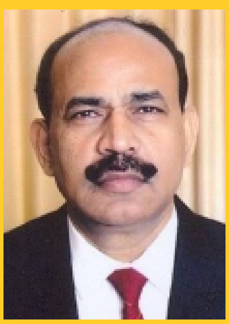

श्री जी.आर. अलोरिया
स्वतंत्र निदेशक
Shri G. R. Aloria
Independent Director

डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन
स्वतंत्र निदेशक
Dr. T. V. Muralivallabhan
Independent Director

डॉ. आर. एस. येली
स्वतंत्र निदेशक
Dr. R. S. Yeli
Independent Director

श्रीमती प्रभाती परिदा
स्वतंत्र निदेशक
Ms. Pravati Parida
Independent Director

प्रबंधन दल / Management Team

श्री एस. अम्बष्ठ
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri S. Ambastha
Chief Vigilance Officer
(Upto 25.08.2018)

श्री आर.के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक (वि व ले)
Shri R.K.Chaudhuri
CGM (F&A)

श्री सी.आर. गिरि
महाप्रबंधक (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्री सुब्रत कुमार राय
महाप्रबंधक एवं कंपनी सचिव
Shri Subrata Kumar Ray
GM & Company Secretary
(Upto 27.07.2018)

श्री एम.पी. श्रीवास्तव
महाप्रबंधक (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

श्रीमती वी. वसन्ती
महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के तकनीकी सचिव)
Smt. V. Vasanti
GM (TS to CMD)

श्री अजय कुमार राय
कंपनी सचिव
(27.07.2018 से)
Shri Ajay Kumar Rai
Company Secretary
(From 27.07.2018)

लेखा परीक्षक
डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स
बैंक ऑफ बरोदा
बैंक ऑफ इंडिया
एचडीएफसी बैंक
इंडियन बैंक
इण्डस इंड बैंक
पंजाब नैशनल बैंक
भारतीय स्टेट बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया
येस बैंक

Bankers
Bank of Baroda
Bank of India
HDFC Bank
Indian Bank
Indus Ind Bank
Punjab National Bank
State Bank of India
Union Bank of India
United Bank of India
Yes Bank

पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता :
सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड
पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता-700 019

Registrar and Transfer Agents :
C B Management Services (P) Ltd.
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700 019

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव

Secretarial Auditors
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यलय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड
कोलकाता -700 020
दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
फैक्स: (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल: mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627
Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य

दृष्टि

क) विश्व बाजार में ई-कॉमर्स की शीर्ष कंपनी बनना।

ख) ट्रेडिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख विश्वसनीय और पारदर्शी कंपनी बनना।

ग) अनुपयोगी सामग्री को टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगी सामग्री में बदलना।

ध्येय

क) ई-कॉमर्स के व्यापक उपयोग से पारदर्शिता और बेहतर कीमत सुनिश्चित करना।

ख) परेशानी मुक्त और निष्पक्ष ई-कॉमर्स से ट्रेडिंग को शक्ति-सम्पन्न बनाना।

ग) टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया को बल देना।

घ) निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से अपने सभी स्टेक होल्डरों को वांछित परिमाण देना।

ङ) निरंतर अपने कार्य-क्षेत्र में नए क्षेत्र की तलाश करना तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार वृद्धि करना।

लक्ष्य

क) ई-कॉमर्स की विश्वसनीय सुगम सेवा से विश्व स्तर पर सीमा पार व्यवसाय को शक्ति-सम्पन्न बनाते हुए भारत की हिस्सेदारी में वृद्धि करना।

ख) अपने व्यवसायिक सहयोगियों को त्वरित और कुशल सेवाएं प्रदान करते हुए अपने व्यवसाय के प्रति ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों की संतुष्टि में महत्वपूर्ण-सकारात्मक योगदान करना।

ग) भारत और अन्य देशों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों की लेनदेन एवं बेहतर कीमत पाने के लिए अपना सुरक्षित और पारदर्शी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना।

घ) सक्षम, समर्पित और उत्प्रेरित कार्यबल का विकास करना।

ङ) मेटल एवं ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग के क्षेत्र में तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भावी व्यवसाय-वृद्धि के लिए ऐसी कंपनियों से संयुक्त उद्यम की कंपनी बनाना, जो इन उपक्रमों में समन्वयक की भूमिका निभाए।

च) नियोजित पूंजी पर इष्टतम रिटर्न सुनिश्चित करने और नेट वर्थ पर 15% की वापसी हासिल करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों को शुरू करना।

छ) रिसाइक्लिंग क्षमता निर्माण में निवेश कर और स्क्रैप के सुनियोजित निपटान के लिए अपना पारदर्शी प्लेटफॉर्म देते हुए देश में पुनर्नवीनीकरण मेटल और ई-वेस्ट वस्तुओं की मांग बनाना और उनकी आपूर्ति में वृद्धि करना।

Vision, Mission and Objectives

Vision

a) To be the global market leader in e-commerce domain.

b) To emerge as a dominant player in secured and transparent trading.

c) Creating value from waste resources through sustainable and eco-friendly recycling.

Mission

a) To ensure transparency and better price discovery through extensive use of e-commerce.

b) To ensure hassle-free and fair e-commerce enabled trading.

c) To promote sustainable and eco-friendly recycling.

d) To strive for continuous innovation to deliver desired value to our stakeholders.

e) To penetrate and expand the markets we handle and enhance the value of services we render on sustained basis.

Objectives

a) To increase India's share in global cross border trade by facilitating reliable e-commerce enabled trading.

b) To improve customer experience and make a significant positive impact on customers' satisfaction by providing prompt and efficient services to business associates, driving improved loyalty to its business.

c) To provide a secure and transparent e-commerce platform enabling better price discovery and meet the transactional requirements of Indian and cross border public and private sector enterprises.

d) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

e) To, enter into joint ventures with enterprises offering synergy in the area of metal and e-waste recycling, prospective business on e-commerce platform.

f) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

g) To build demand and increase supply of recycled metal and e-waste commodities in the country by investing in recycling capacity building and providing a transparent platform for organized disposal of scrap.

वर्तमान एमएसटीसी

9 सितंबर, 2018 को एमएसटीसी ने अपने अस्तित्व के 53 वर्षों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और विकास की लंबी यात्रा के 54 वें वर्ष के लिए अपने रास्ते पर प्रशस्त है। एक छोटी सी कैनलाइजड एजेंसी से, यह अपने को ई-कॉमर्स की बी 2 बी सेक्टर की बड़ी कंपनी में तब्दील हो गई है और सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है।

एमएसटीसी आज कच्चे माल के समर्थन और सीमलेस ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए स्टील और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, केंद्र सरकार/राज्य सरकार और निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए अभिनव दृष्टिकोण है। कोयला ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी एमएसटीसी की एक और उपलब्धि है और एमएसटीसी आज पहले की तुलना में काफी बड़ा हुआ है। यह सबसे पसंदीदा सेवा प्रदाता और विभिन्न केंद्रीय पीएसयू, राज्य सरकारें एमएसटीसी को अपने मजबूत परिचय हेतु नामांकन आधार पर शामिल कर रही है।

एमएसटीसी आज श्रेणी-1 मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कंपनी है जो इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है।

1964 में एक छोटी सी ट्रेडिंग कंपनी के रूप में शामिल किया गया था, जिसमें 6 लाख रुपये की छोटी पूंजी थी। पिछले 53 वर्षों में यह एक बड़ी बहु-उत्पाद विविध कंपनी बन गई है। एमएसटीसी ने चार बार बोनस शेयर जारी किए हैं और शेयरधारकों के मूल्य में काफी बढ़ोतरी हुई है और एक मूल शेयर अब बत्तीस शेयर है। इसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी खज़ाने को काफी लाभांश दिया है।

एमएसटीसी कच्चे माल के संदर्भ में औद्योगिक उपयोग के लिए स्क्रैप के पुनर्चक्रण की सुविधा देता है और इससे इनपुट लागत में कमी, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और आखिरकार पर्यावरण को बचाता है इस प्रकार यह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में काफी योगदान देता है।

एमएसटीसी अपने सीएसआर पहल के तहत पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हाल ही में, महिंद्रा ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से एमएसटीसी ने एक ऑटो-श्रेडिंग प्लांट की स्थापना की है। यह भारत में अपनी तरह का एकमात्र संगठन है और ऐसी सामग्रियों के आयात के अलावा विशेष ग्रेड स्टील्स रिसाइक्लिंग करने में लंबा रास्ता तय करेगा।

एमएसटीसी आज अपने गौरवशाली अस्तित्व के 54 वें वर्ष में देश के लोगों, सरकार, हितधारकों के प्रति कंपनी में विश्वास रखने के लिए आभार व्यक्त करता है। हम अपनी व्यवसायिक गतिविधियों में नैतिक व्यवसायिक सिद्धांतों, वांछनीय शासन, प्रबंधन क्षमताओं, सामाजिक कारण, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

MSTC at Present

MSTC has successfully completed 53 years of its existence on 9th September 2018 and is moving on its way to 54th year of a long journey of growth. From being a small canalized agency, it has transformed itself into e-commerce giant in B2B sector and has the distinction of being only such company in public sector.

MSTC today is rendering its services to steel and petrochemical sectors for raw material support and seamless e-commerce services with innovative approach to various PSUs, Central Government/State Government and private sector companies. Successful e-auction of coal blocks is yet another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday. It is the most preferred service provider and various Central PSUs, State Governments are engaging MSTC on nomination basis based on its strong credentials.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964 as a small trading company with a meagre capital of ₹ 6 lakhs, in last 53 years it has grown into a large multi-product diversified company. MSTC has issued bonus shares four times and the shareholders' value has substantially being enhanced and one original share is now thirty-two shares. It has paid substantial dividends to the Government exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use in terms of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy & natural resources and ultimately protects the environment. Thus it contributes significantly to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR initiatives.

Recently, MSTC has set up an auto- shredding plant through a JV company with Mahindra Group. This is one of its own kind in India and will go a long way in recycling special grade steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 54th year of glorious existence expresses its gratitude to the people of the country, the Government, the stakeholders for reposing faith in the company. We reiterate our commitment to ethical business principles, desirable governance, management capabilities, social cause, transparency and fairness in all its business activities.

अध्यक्षीय संबोधन
Chairman's Statement

देवियो और सज्जनो,

मैं कंपनी की 53वीं वार्षिक साधारण सभा में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। इस मंच के माध्यम से अपने विचारों को आपसे बाँटते हुए मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है। चूँकि आवश्यक कोरम यहाँ उपस्थित है, इसलिए मैं इस सभा को खुली सभा के रूप में घोषित करता हूँ।

कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुपालन में आवश्यक कागजात/रजिस्टर सभा स्थल में रखे हुए हैं एवं सभा चलने के दौरान सभी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वार्षिक वित्तीय विवरण एवं बोर्ड की रिपोर्ट सभा की इस सूचना के साथ आपके पास भेज दिए गए हैं और हम समझते हैं कि आपने अपने कीमती समय में से कुछ समय निकाल कर इन्हें पढ़ा होगा।

हमारे कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

हालांकि मूल्य की दृष्टि से भौतिक कार्य-निष्पादन उत्साहवर्धक रहा था, पर विभिन्न कारणों से समानुपातिक राजस्व की उपलब्धि नहीं हुई थी। हमारे ग्राहकों की ओर से सेवा प्रभार में कमी लाने का दबाव, इसकी एक बड़ी वजह रही थी। इसके बावजूद आपकी कंपनी ने ₹ 111.59 करोड़ के कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) के साथ इस वित्तीय वर्ष को समाप्त किया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि ₹ 96.61 करोड़ रही थी।

एमएसटीसी के फायदे

ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में एमएसटीसी की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है और इसने बाजार में एक अग्रणी कंपनी के रूप में अपनी पहचान बनायी है। अधिकांश केन्द्रीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/राज्य सरकार के विभाग एवं निजी क्षेत्र के संस्थानों में अपने विभिन्न ग्राहकों को इसने अपनी विशिष्ट पारदर्शी, निष्पक्ष एवं अबाध ई-कॉमर्स सेवाएँ उपलब्ध करायी हैं।

श्रेडिंग प्लांट के लिए संयुक्त उद्यम

वर्ष के दौरान, एमएसटीसी ने भारत में प्रथम ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु महिन्द्रा इंटरट्रेड लि. के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी "महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि." का गठन किया है, जिसके लिए निविष्ट कच्चे सामान जैसे कि कॉण्डेम्ड (निराकृत) ऑटोमोबाइल, व्हाइट गुड्स आदि की जरूरत पड़ती है। प्रमुख ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए फीडस्टॉक उपलब्ध कराने हेतु ग्रेटर नोएडा में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की मदद से एक संग्रह एवं विघटन केन्द्र की स्थापना की गई है। प्लांट में शियरर-सह-बेलर के लिए बुनियादी कार्य पूरा हो चुका है। हाइड्रॉलिक सीज़र भी प्रस्तुत किया जाएगा।

Ladies and Gentlemen,

I heartily welcome you all to this 54th Annual General Meeting of the Company. I am privileged to share my thoughts with you through this forum. Since, the requisite quorum is present I hereby declare the meeting as open.

Necessary documents/ registers in compliance with the provisions of the Companies Act, 2013 are lying open at the meeting venue and shall remain open and accessible during the continuance of the meeting.

The Annual Financial Statement and the Board's Report have been sent along with the notice of the meeting and I presume that you have spared some part of your valued time to read it .

Performance Highlights

Though the physical performance in terms value was encouraging,the revenue generated was not proportionate due to various reasons. One of the reasons was pressure for reduction of service charges by our clients.In spite of the same the Company ended the financial year with PBT of ₹ 111.59 Crore compared to ₹ 96.61 Crore during the previous year.

MSTC Advantage

MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Departments and Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients.

Joint Venture for Shredding Plant

During the year MSTC has formed a Joint Venture Company "Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd." with Mahindra Intertrade Ltd., to set up the first Auto Shredding Plant in India for which input raw materials like condemned automobiles, white goods, etc. are required. A collection and dismantling centre with state-of-the-art technology has been set up in Greater Noida as a supply feedstock for the main Auto Shredding Plant. Foundation work for the shearer cum baler in the plant is completed. Hydraulic Scissor will also be ready.

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

दोस्तो, आपके अटूट भरोसे, प्रोत्साहन और सहयोग ने हमारे कार्यनिष्पादन को बेहतर बनाने के लिए हमें हमेशा अनुप्रेरित किया है। हम जन समुदाय एवं समाज के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में हमेशा प्रतिबद्ध रहे हैं। हमने विशेष रूप से ग्रामीण अंचलों में विभिन्न सामाजिक विकास परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देख-रेख, स्वच्छता एवं प्राथमिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया है एव भविष्य में भी समाज के उत्थान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगी।

प्रचालन संबंधी उत्कृष्टता

आप तो जानते ही हैं कि आपकी कंपनी देश की एक प्रमुख स्टैंडएलोन ई-कॉमर्स कंपनी है। इसके कार्यक्षेत्र में, सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, स्क्रैप एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट आदि शामिल है। अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान एमएसटीसी के प्रमुख व्यवसाय मॉडल के रूप में उभर कर सामने आए हैं। हमने पेट्रोलियम इंडस्ट्री के लिए एग्जिम पोर्टल, एलपीजी डीलरशिप के चयन के लिए ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम, ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि जैसी कुछ मार्गदर्शी पहल की है।

उत्तर प्रदेश में सैण्ड माइनिंग ब्लॉक एवं आईओसीएल के एग्जिम-प्रोडक्ट्स की ई-नीलामी हाल के दिनों के हमारे विशिष्ट कार्यकलाप रहे हैं।

हमारा ट्रेडिंग व्यवसाय आयात एवं बीजी समर्थित मॉडल के माध्यम से आयात वित्त पोषण से है जिसने कुल प्रचालनीय आय में 35% का योगदान दिया है। एमएसटीसी ने विद्युत उत्पादन कंपनियों को ₹ 272 करोड़ मूल्य के आयातित कोयले की भी आपूर्ति की है।

देवियो और सज्जनो, हम सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र वन सम्पदा से सम्पन्न क्षेत्र है, देश के कुल वन क्षेत्र में इसकी भागीदारी 22.21 प्रतिशत है। कृषि अनुकूलित जलवायु दशा ने विभिन्न प्रकार एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के फल, सब्जी, लकड़ी, मसाले और दूसरे उत्पादों के उत्पादन में सहयोग दिया है। भारत सरकार की ''लुक ईस्ट'' एवं ''एक्ट ईस्ट'' नीतियों के दृष्टिकोण के साथ, एमएसटीसी ने किसानों की मदद के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जिससे आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को फायदा प्राप्त होगा। एमएसटीसी एवं नाबार्ड, एनईआरएएमएसी, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ आदि समेत अन्य हितधारक एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं ताकि पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि-बागवानी ईको सिस्टम का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित हो पाए। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एमएसटीसी ने कृषि-बागवानी उत्पादों पर विशेष ध्यान देते हुए संपूर्ण ई-कॉमर्स समाधान प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के राज्य सरकार के साथ छतरी अनुबंध (अम्ब्रेला एग्रीमेंट) करने की योजना बनाई है।

ई-नीलामी के माध्यम से प्रमुख एवं लघु दोनों खनिज ब्लॉक की बिक्री हेतु सरकार की हाल की पहल एमएसटीसी के लिए एक अवसर लेकर आया है एवं इसने अधिकांश राज्य सरकार के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है, जिससे राज्य के खजाने को अच्छी आमदनी हो सकती है एवं एमएसटीसी के राजस्व में वृद्धि आएगी।

एमएसटीसी ने ई-नीलामी के जरिए देश के कई गोदामों में पड़े हुए खाद्यान्नों को बेचने के लिए नाफेड के साथ एक अनुबंध किया है। इसका क्रय भी ई-रिवर्स नीलामी के माध्यम से अनुबंध के दायरे में है। यह एमएसटीसी के लिए ई-कॉमर्स व्यवसाय में एक बहुत बड़ा अवसर लेकर आया है।

ई-प्रोक्योरमेंट एमएसटीसी के लिए संभावनाओं से भरा एक क्षेत्र है जिसके व्यवसाय को पकड़ने के लिए कंपनी तेज़ी से प्रयास कर रही है। ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय क्षेत्र में अपनी गहरी पहुँच बनाने के लिए एमएसटीसी ने मल्टी ब्राउजर सुविधा शुरू की है।

CSR

Friends, your continued trust, encouragement and support drive us to improve our performance. We are committed to participate in improving the livelihood of communities and societies at large. We take up various kinds of social development projects, mostly in rural areas. Your company has given special thrust in health care, cleanliness, and primary education and will continue to work for the upliftment of society at large in future.

Operational Excellence

As you know your company is a major standalone e-commerce Company in the country. The area includes selling agency business, e-sales of scrap and other commodities, e-procurement etc. Customized e-commerce solutions have emerged as major innovative business models of MSTC. Here we have developed Exim Portal for Petroleum Industry, Online Draw System for selection of LPG dealership, e-RaKAM (e-Rashtriya Kishan Agri Mandi) Portal etc., to name a few.

E-auction of sand Mining blocks in UP and exim-products of IOCL have been the signature events in the recent past.

The trading business, which comprise of import and import financing through BG backed model, contributed to 35% of the total operational income. MSTC also supplied imported coal worth ₹ 272 Crore to power generating companies.

Ladies & Gentlemen, we all know that North East Region is rich in forest wealth constituting 22.21 percent of total forest area in the country. Agro Climatic condition favors growth of niche variety of fruits, vegetables, timber, spices and other products.In line with the “Look East” and “Act East” policies of the Government of India, MSTC has taken many steps with a view to benefit the farmers which will subsequently benefit the entire North East Region. MSTC and other stakeholders including NABARD, NERAMAC, CRWC, FPOs, etc. are working together for overall development of the Agri-horti Eco-System in the North East Region. I am delighted to inform you that MSTC plans to enter into umbrella agreement with the State Government of the North East States for providing complete e-commerce solutions with a focus on Agri-horti products.

The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments, which may yield positive results to the exchequer of the states and fetch revenue to MSTC.

MSTC has signed an agreement with NAFED to sell the food grain lying with various godowns in the country through e-auction. Procurement of the same is also within the ambit of agreement through e-reverse auction. This offers a huge opportunity for MSTC for e-Commerce business.

E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi browser facility to make much deeper dent in the e-procurement domain of business.

आर्थिक एवं व्यवसाय परिवेश

प्रिय दोस्तो, एमएसटीसी के व्यवसाय में निम्नलिखित अवसर एवं संकट हैं :

अवसर

i) **ई–कॉमर्स :** एमएसटीसी देश में एक प्रमुख स्टैंडएलोन ई–कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत सरकार की मार्गदर्शी परियोजनाओं समेत कई नए एवं विविध व्यवसाय क्षेत्रों में प्रवेश करते हुए, एमएसटीसी ने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपनी संभावना को कई गुना बढ़ाया है।

ii) **पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) क्षेत्र :** एमएसटीसी पुनर्चक्रण नीति के निरूपण में कई बेहतरीन पहलों को नेतृत्व दे रही है, ऑटोमोबाइल क्षेत्र एवं ई–वेस्ट निपटान हेतु रिसाइक्लिंग प्लांट की स्थापना में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका ने एमएसटीसी के लिए कई नए अवसर उत्पन्न किए हैं, जिससे एमएसटीसी वृद्धि की मसाल पकड़ते हुए सबसे आगे रहेगी।

iii) **विदेशों में बढ़ते कदम :** पेट्रोलियम उत्पादों का आयात निर्यात : एमएसटीसी ने अपने पेट्रोलियम उत्पादों के लिए आईओसीएल हेतु आयात एवं निर्यात निविदाओं के लिए संपूर्ण प्रक्रियाओं को उसकी जटिलताओं के साथ डिजिटाइजेशन करते हुए एक विशिष्ट पोर्टल का विकास किया है और इस प्रकार अपनी उपलब्धियों में एक और रत्न विभूषित किया है। पोर्टल सेवाएँ इसके वैदेशिक संयुक्त उद्यम इकाइयों को उपलब्ध करायी जाएंगी, जो आने वाले दिनों में एमएसटीसी को उसके विदेशी व्यापार में और सशक्त बनाएंगी।

iv) **सूचीयन :** एमएसटीसी को इस वित्त वर्ष में सूचीबद्ध किया जाना अपेक्षित है, इससे अधिकाधिक लोग इसे जान पाएंगे और फिर व्यवसाय में वृद्धि आएगी।

संकट

i) **जीईएम पोर्टल :** अवस्थिति में अवसर की कमी : क्रय के लिए जीईएम पोर्टल का प्रयोग करने के सरकारी निर्देश के साथ, वस्तुओं का ई–प्रोक्योरमेंट व्यवसाय प्रभावित होगा। ई–प्रोक्योरमेंट की कार्य–परिधि में कमी आएगी, क्योंकि किसी भी निगम के व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा वस्तुओं के क्रय पर खर्च किया जाता है।

ii) **ट्रेडिंग व्यवसाय :** नीति के अंतर्गत, एमएसटीसी ने पारंपरिक ट्रेडिंग व्यवसाय में इसकी जोखिम अवस्थिति को देखते हुए सुरक्षित मार्ग अपनाया है। हालांकि यह इसके पुनरुत्थान का प्रयास कर रही है, परंतु आर्थिक वृद्धि की धीमी रफ्तार एवं एनपीए में जबरदस्त वृद्धि ने ऋण प्रणाली को अस्थिर कर दिया है। इसके फलस्वरूप एक मुश्किल परिस्थिति उत्पन्न हुई है।

निवेशक सेवाएँ

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस साल आगे की निरंतर कार्यवाहियों के साथ हमने शेयरधारकों के बैंक अकाउंट के विवरण को एकत्रित किया है और पहली बार, लाभांश सीधे बैंक अकाउंट में जमा किया जाएगा। 544 शेयरधारकों में से, लगभग 400 शेयरधारकों ने अपने बैंक का विवरण दिया है एवं उनके बैंक अकाउंट में हम लाभांश प्रदान करेंगे। शेष व्यक्तियों को लाभांश वारंट जारी किया जाएगा।

दोनों ही डिपॉजिटरी अर्थात् एनएसडीएल एवं सीडीएसएल में कंपनी के शेयर अभौतिकीकृत हुए हैं। 544 शेयरधारकों में से 335 शेयरधारक डिमैट रूप में शेयर धारण कर रहे हैं। मैं सभी शेयरधारकों से अनुरोध करता हूँ कि अपने शेयर को अभौतिकीकृत कराएं। शेयरधारकों से उनके बैंक अकाउंट भी कंपनी के साथ अद्यतन कराने का अनुरोध किया जाता है, ताकि लाभांश सीधे उनके अकाउंट में स्थानांतरित किया जा सके। पिछले दशक में हमारे यहाँ एक भी शेयरधारक की शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

जैसा कि पहले बताया गया है कि भारत सरकार ने आईपीओ के माध्यम से कंपनी में अपनी धारिता का लगभग 25% विनिवेश करने का निश्चय किया है।

Economic and Business Environment

Dear Friends, MSTC's business is having the following opportunities and threats:

Opportunities

i) **E-Commerce:** MSTC has emerged as a major standalone e-commerce service provider in the country. With its foray into new and diverse business verticals including the flagship projects of the Govt. of India, it has an immense potential to grow multifold in this arena.

ii) **Recycling Sector:** MSTC is spearheading the initiatives of framing a recycling policy, its pivotal role in setting up recycling plant in the automobile sector and e-waste throws open many opportunities for MSTC to be the front runner holding the torch for growth.

iii) **Foreign Footprints** – Exim of petroleum products: MSTC has added one more feather to its cap by developing an exclusive portal for the import and export tenders for IOCL for its petroleum products digitizing the entire process with its complexities. The portals services are to be extended to its overseas Joint Venture units empowering MSTC to make its footprints overseas in the days to come.

iv) **Listing** - MSTC is slated to be listed in this fiscal year which will increase its visibility and thereby its business.

Threats

i) **GeM portal** – reducing opportunity in exposure:
With the Govt.'s directive to use the GeM Portal for purchases, the business in e-procurement of goods will take a hit. The scope of work in e-procurement gets a bit downsized, as a major percentage of any Corporation's business is spent on procurement of goods.

ii) **Trading business**: As a policy matter, MSTC has decided to go safe in the traditional trading business due to the extent of risk involved. Though it is making efforts to resurrect the same, the slowness of the economic growth and the exponential increase in NPAs etc has destabilized the credit system and it poses a difficult scenario.

Investor Services

I am glad to inform you that this year, with continuous follow up, we have collected the bank accounts of shareholders and for the first time, dividend shall be credited to bank accounts. Out of 544 shareholders, around 400 have given bank details and we will issue dividend to their Bank Accounts, for the rest, we will issue dividend warrants.

The Company's shares have been dematerialised in both the depositories, i.e., NSDL and CDSL. 335 shareholders out of 544 are holding shares in demat mode. I would like to request all the shareholders to get their shares dematerialized. Shareholders are also requested to update their bank account with the company so that dividend can be transferred to their account directly. We do not have any record of a single shareholder grievance in the last decade.

As mentioned earlier, the Government of India has decided to disinvest around 25% of their holding in the Company through IPO. The Lead Manager & Legal advisors have already been appointed. We hope to enhance the shareholders value in the coming years too.

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी नैतिक एवं समुचित अभिशासित एक कंपनी है। हमारे सभी कार्य पारदर्शी हैं एवं वाजिब वजहों और हितधारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सारे कार्य किए गए हैं। हम सरकार के सभी दिशानिर्देशों एवं कानून का पालन करते हैं। डीपीई द्वारा प्रत्येक वर्ष की गई सीजी रेटिंग में हमें ''उत्कृष्ट'' का दर्जा दिया गया है। पिछले 10 वर्षों में किसी भी प्राधिकारी से हमें गैर-अनुपालन की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

आपके बोर्ड में नौ निदेशक हैं जिनमें दो सरकारी नामांकित एवं चार स्वतंत्र निदेशक हैं, जिससे बोर्ड की निर्णय लेने की प्रक्रिया ज़्यादा विश्लेषणात्मक, यथा उपयुक्त एवं सुसंगत हुई है।

मानव संसाधन

आपकी कंपनी एक कर्मचारी-अनुकूल कंपनी है एवं ''कार्य के लिए बेहतरीन जगह'' का पुरस्कार इसे प्राप्त हुआ है। इसके औद्योगिक संबंध बहुत ही सौहार्द भरे एवं सहभागी प्रकृति के रहे हैं। हमारे प्रिंसिपल एवं ग्राहकों तक आसानी से पहुँचने एवं ज़्यादा व्यापार हासिल करने के लिए हमने भारत के कई शहरों में नए कार्यालयों का उद्घाटन किया है। अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अधिकारियों को नियुक्त किया है।

प्रबंधन की ओर से मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूँ कि विवेकपूर्ण एवं अनुभवी बोर्ड सदस्यों, सुदक्ष एवं निष्ठावान कर्मचारियों और सुदृढ़ वित्तीय संसाधनों के साथ, हम हितधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए सर्वाधिक उपयुक्त तरीके से कंपनी के मामलों को कुशलता से संभाल रहे हैं।

आभारोक्ति

मैं पूरी कृतज्ञता के साथ माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय राज्य इस्पात मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नागरिक एवं विमानन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न अन्य मंत्रालयों के अधिकारियों, सभी राज्य सरकार, विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निजी क्षेत्र की कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रिंसिपल और अन्य व्यक्तियों को वर्ष के दौरान उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूँ। मैं कर्मचारियों द्वारा किए गए उनके ईमानदार प्रयासों के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिसने कंपनी को उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन में सक्षम बनाया है। मैं सभी हितधारकों, ग्राहकों एवं आपूर्तिकर्ताओं को साल-दर-साल कंपनी के प्रति उनके विश्वास और भरोसे के लिए भी अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ एवं आपको आश्वस्त करता हूँ कि हमारे हितधारकों के लिए और भी बेहतर मूल्य सृजन हेतु हम अपने प्रयास को निरंतर जारी रखेंगे।

दुर्गापूजा और दिवाली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

बी॰बी॰ सिंह

कोलकाता

26 सितम्बर, 2018

बी.बी. सिंह

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Corporate Governance

Your Company is an ethical and properly governed company. All actions are transparent and taken with reasons keeping in view the interest of the stakeholders. We follow all guidelines of the Government and also the law. We have been rated as "excellent" in the CG rating done by DPE every year. We have not received any notice of non-compliance from any authority in last 10 years.

Your Board has nine Directors, comprising of two Govt. Nominee and four Independent Directors, which makes the Board decision making process more analytical, reasonable and logical.

Human Resources

Your company is pro-employee company and has bagged award for "great place to work". The industrial relations have remained cordial and participative all along. We have opened offices in many cities in India so that we can reach out to our principals and customers easily and generate more business. Therefore we have recruited officers for expansion of business.

I can assure you, on behalf of the management that with prudent and experienced Board members, an efficient and loyal manpower and sound financial resources, we are managing the affairs in the most reasonable way keeping in view the interest of the stakeholders.

Acknowledgement

I would like to place on record my gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Hon'ble State Minster for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry, Mining Ministry, Civil & Aviation, Petroleum, Natural Gas Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central and State Public Sector Undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. I also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in excellent performance of the Company. I also express my gratitude to all stakeholders, customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company year after year and assure you that we shall continue to create more value for our stakeholders.

Best wishes for Durga Puja and Diwali.

Thanking you,

Jai Hind!

Kolkata

26th September, 2018

B. B. Singh

Chairman-cum-Managing Director

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकगण,

एमएसटीसी लिमिटेड

निदेशक मंडल को **31 मार्च, 2018** को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 53 वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि ₹ **36,39,015 लाख** है। पिछले वर्ष **2016-17** में ₹ **32,71,682 लाख** थी। वर्ष **2016-17** के समानांतर वर्ष **2017-18** का ब्रेक अप नीचे दिया जा रहा है :-

व्यवसाय क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)*	
	2017-18	2016-17
स्क्रैप निपटान	4,06,683	3,08,892
ई-विक्रय	15,51,469	14,12,712
कोयले की ई-नीलामी	9,95,887	10,16,623
लौह अयस्क की ई-नीलामी	6,84,976	5,33,455
कुल (क) :	**36,39,015**	**32,71,682**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यवसाय क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)*	
	2017-18	2016-17
ई-प्रोक्योरमेंट	36,26,896	14,04,149
कुल (ख) :	**36,26,896**	**14,04,149**
कुल (क+ख):	**72,65,911**	**46,75,831**

BOARD'S REPORT

To

The Shareholders

MSTC Limited

The Directors are pleased to present the 53rd Annual Report on the business and operation of the Company together with the Audited Accounts and the Auditor's Report for the year ended 31st March, 2018.

A) Agency Business

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ **36,39,015** lakh, against ₹ **32,71,682** lakh in **2016-17**. Break-up for the year **2017-18** vis-à-vis **2016-17** is as follows:

Business Segment	**Volume of Business (₹ in lakh)**	
	2017-18	2016-17
Scrap Disposal	4,06,683	3,08,892
e-Sale	15,51,469	14,12,712
Coal e-auction	9,95,887	10,16,623
Iron ore e-auction	6,84,976	5,33,455
Total (A) :	**36,39,015**	**32,71,682**

B) E- Procurement

Business Segment	**Volume of Business (₹ in lakh)**	
	2017-18	2016-17
e-Procurement	36,26,896	14,04,149
Total (B) :	**36,26,896**	**14,04,149**
Total (A+B):	**72,65,911**	**46,75,831**

कोलकाता में दिनांक 08 एवं 09 अप्रैल, 2017 को वार्षिक व्यवसाय समीक्षा सम्मेलन का आयोजन।

Annual Business Review Meeting held on 8th and 9th April, 2017 at Kolkata.

ग) व्यापार

वर्ष **2016-17** में ₹ **4,59,765 लाख** की तुलना में इस वर्ष व्यापार प्रभाग के व्यवसाय की कुल मात्रा ₹ **9,35,181 लाख** है। वर्ष **2016-17 के साथ वर्ष 2017-18** का ब्रेक अप नीचे दिया गया है :

व्यवसाय क्षेत्र	*व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)*	
	2017-18	2016-17
आयातित सामग्रियाँ	2,25,300	1,92,243
स्वदेशी सामग्रियाँ	7,09,881	2,67,522
कुल (ग) :	**9,35,181**	**4,59,765**
महायोग (क+ख+ग) :	**82,01,092**	**51,35,596**

कंपनी की वित्तीय खास बातें

विगत वर्ष ₹ **6,543 लाख** की तुलना में **वित्तीय वर्ष 2017-18** में करोपरांत लाभ ₹ **7,663 लाख** दर्ज किया गया है।

वर्ष **2017-18** एवं **2016-17** के लिए कंपनी के वित्तीय परिणाम नीचे दिए जा रहे हैं:-

(₹ *लाख में*)

	2017-18	**2016-17**
व्यवसाय की मात्रा	82,01,092	51,35,596
कर पूर्व लाभ (हानि)	11,159	9,661
कर	3,496	3,118
करोपरांत लाभ	7,663	6,543
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	3,520	1,760
आरक्षित	49,616	46,933
लाभांश (%)	74%	95 (अंतरिम)
		71 (अंतिम)
प्रति शेयर आय (₹)		
(अंकित मूल्य ₹ 10/-)	22	11
प्रति कर्मचारी पीबीटी (कर पूर्व लाभ)	11	31

लाभांश

आपकी कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 74% लाभांश का प्रस्ताव दिया है। आगे लाभांश, यदि आगामी वार्षिक साधारण सभा में घोषित किया जाता है तो शेयरधारकों को भुगतान किया जाएगा, जिनका नाम वार्षिक साधारण सभा की तारीख को सदस्यों के रजिस्टर में शामिल होगा।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने अधिकांश शेयरधारकों के बैंक खाते का संग्रह किया है। पहली बार हम शेयरधारक के बैंक खाते में लाभांश सीधे जमा करेंगे।

आरक्षित निधि

31 मार्च, 2017 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि ₹ **46,933 लाख** थी। वर्ष के दौरान ₹ **2,683 लाख** लाभ एवं हानि खाते से सामान्य आरक्षित खाते में अंतरण किया गया है। **31 मार्च, 2018** को सामान्य आरक्षित निधि ₹ **49,616** लाख है।

शेयर पूँजी

31 मार्च, 2018 को आपकी कंपनी की अधिकृत शेयर पूँजी ₹ 50,00,00,000 है जो ₹ 10 प्रत्येक के 50000000 इक्विटी शेयरों में विभाजित है। आपकी कंपनी ने 1:1 के अनुपात अर्थात एक शेयर के अनुपात में एक बोनस शेयर जारी किया है। फलस्वरूप, कंपनी की प्रदत्त शेयर पूँजी ₹ 10 प्रत्येक के 1,76,00,000 इक्विटी शेयरों में विभाजित ₹ 17,60,00,000 से बढ़कर ₹ 10 प्रत्येक के 35,20,00,000 इक्विटी शेयरों में विभाजित ₹ 3,52,00,000 पहुँच गई।

C) Trading

The performance of the Trading Division shows a total volume of business of ₹ **9,35,181** lakh, against ₹ **4,59,765** lakh in **2016-17**. Break-up for the year **2017-18** vis-à-vis **2016-17** is as follows:

Business Segment	**Volume of Business (₹ in lakh)**	
	2017-18	2016-17
Imported materials	2,25,300	1,92,243
Indigenous materials	7,09,881	2,67,522
Total (C) :	**9,35,181**	**4,59,765**
Grand Total (A+B+C) :	**82,01,092**	**51,35,596**

Financial Highlights of the Company

The Profit after Tax stands at ₹ **7,663** lakh in FY **2017-18** as against ₹ **6,543** lakh last year.

The Financial results of the Company for the year **2017-18** and **2016-17** are given below :-

(₹ in lakh)

	2017-18	**2016-17**
Volume of Business	82,01,092	51,35,596
Profit (Loss) before tax	11,159	9,661
Tax	3,496	3,118
Profit after tax	7,663	6,543
Paid up capital (Equity)	3,520	1,760
Reserves	49,616	46,933
Dividend (%)	74%	95 (Interim)
		71 (Final)
Earnings per share (₹)		
(Face value ₹ 10/-)	22	11
PBT Per Employee	11	31

Dividend

The Board of Directors of your Company has recommended a Dividend of 74% for the financial year ended 31st March, 2018. The Dividend, if declared by the members in ensuing AGM, shall be paid to the shareholders whose names will appear in the Register of Members on the date of AGM.

During the year under review your Company has collected the bank account of majority of the shareholders. For the first time, we would directly credit the dividend to the bank account of the shareholders.

Reserves

The General Reserves of the Company stood at ₹ **46,933 lakh** as on **31st March, 2017**. During the year ₹ **2,683 lakh** have been transferred to the General Reserve from the Profit & Loss Account. The General Reserves stand at ₹ **49,616 lakh** as on **31st March 2018**.

Share Capital

The authorized share capital of your Company as on 31st March, 2018 stands at ₹ 50,00,00,000, divided into 50000000 equity shares of ₹ 10 each. Your Company issued bonus shares in the ratio of 1:1 i.e. one bonus share in the ratio of one share. Consequently, the paid up share capital of the Company increased from ₹ 17,60,00,000 divided into 1,76,00,000 equity shares of ₹ 10 each to ₹ 35,20,00,000 divided into 3,52,00,000 equity shares of ₹ 10 each.

दिनांक 09.03.2018 को मुख्य सचिव, आंध्रप्रदेश सरकार से सीएमडी की मुलाकात।
CMD meeting Chief Secretary, Govt. of Andhra Pradesh on 09.03.2018.

दिनांक 27 मार्च, 2018 को त्रिपुरा के माननीय मुख्य मंत्री, श्री बिप्लब कुमार देब से सीएमडी की मुलाकात। CMD meeting Hon'ble Chief Minister of Tripura Shri Biplab Kumar Deb, on 27th March, 2018.

निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि में अंतरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 व्यक्त करती है कि कोई भी लाभांश जो अदत्त लाभांश खाते में अंतरण की तिथि से सात वर्षों के लिए अदत्त/दावारहित है, उसे केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) में अंतरित किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2009-10 के लिए दावारहित लाभांश 22 नवम्बर, 2017 को आईईपीएफ प्राधिकरण में अंतरित किया गया था।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) एवं इसके अंतर्गत बने नियम व्यक्त करते हैं कि सभी शेयर जिनके संबंध में लगातार सात या उससे अधिक वर्षों के लिए लाभांश का भुगतान नहीं किया गया है या दावारहित रहे है, वे कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा निधि के नाम में अंतरित किए जाएंगे।

आईईपीएफ नियमों के अनुपालन में, कंपनी ऐसे सभी शेयरधारकों को लाभांश पर दावा करने के अनुरोध के साथ अनुस्मारक पत्र भेजती है, जिनके लाभांश लगातार 7 वर्षों के लिए भुगतान नहीं किए गए हैं/दावारहित रहे हैं, ऐसा न करने पर, शेयर आईईपीएफ प्राधिकरण के पास नियत तिथि को अंतरित कर दिए जाएंगे।

तद्नुसार, ऐसे सारे शेयर जिनके संबंध में वित्त वर्ष 2009-10 से 2016-17 के लिए लाभांश दावारहित रहे थे, वे दिनांक 30.11.17 को आईईपीएफ प्राधिकरण के डिमैट खाते में अंतरित कर दिए गए थे। ऐसे शेयरों के विवरण कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर प्रदान किए गए हैं।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी, समावेशन एवं विदेशी मुद्रा आय एवं व्यय

कंपनी (लेखे) नियम 2014 के नियम 8 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एम) के प्रावधानों के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन एवं विदेशी मुद्रा आय एवं व्यय इस रिपोर्ट के अनुलग्नक-I में दिए गए हैं।

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट पर पृथक विवरण यहाँ अनुलग्नक-II के रूप में संलग्न है एवं निदेशक मंडल की रिपोर्ट का भाग है। निगमित अभिशासन पर अनुपालन प्रमाणपत्र निदेशक मंडल की रिपोर्ट में अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

वार्षिक विवरणी का निष्कर्ष

कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम 2014 के नियम 12(1) तथा अधिनियम की धारा 92(3) के अनुपालन में वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए एमजीटी-9 प्रारूप में वार्षिक रिपोर्ट का निष्कर्ष इस रिपोर्ट के साथ निर्धारित प्रारूप में अनुलग्नक III के रूप में संलग्न किया गया है।

Transfer to Investor Education and Protection Fund:

Section 124 of the Companies Act, 2013 provides that any dividend that has remained unpaid / unclaimed for a period of seven years from the date of transfer to unpaid dividend account shall be transferred to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established by Central Government.

Unclaimed dividend for the FY 2009-10 was transferred to the IEPF authority on 22nd November, 2017.

Section 124(6) of the Companies Act, 2013 read with rules made thereunder provide that all shares in respect of which dividend has not been paid or claimed for seven consecutive years or more shall be transferred by the Company in the name of Investor Education and Protection Fund.

In compliance of the IEPF Rules, the Company sends reminder letter to all such shareholders, whose dividends have remained unpaid /unclaimed for a consecutive period of 7 years with a request to claim the dividends, failing which the shares would be transferred to the IEPF Authority on the due date.

Accordingly, all such shares in respect of which dividends had remained unclaimed for the FY 2009-10 to 2016-17 were transferred to the demat account of the IEPF authority on 30.11.17. The details of such shares are hosted on the website of the company www.mstcindia.co.in

Conservation of Energy, Technology, Absorption and Foreign Exchange Earnings and Outgo

In accordance with the provisions of Section 134(3)(m) of the Companies Act, 2013 read with Rule 8 of the Companies(Accounts) Rules, 2014, the particulars relating to Conservation of Energy, Technology Absorption and Foreign Exchange Earnings and Outgo are given in Annexure-I to this Report

Corporate Governance & Management Discussion and Analysis Report

Separate details on Corporate Governance and Management Discussion and Analysis Report are attached herewith as Annexure II and form part of this Board's Report. Compliance Certificate on Corporate Governance is placed as Annexure to Board's Report.

Extract of Annual Return

In compliance with Section 92(3) of the Act and Rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules 2014, extract of Annual Return in format MGT-9 for the financial year 2017-18 has been enclosed with this report as Annexure III in the prescribed format.

सिस्टम्स

एमएसटीसी की आईटी संरचना विश्व के 90,000 से अधिक ग्राहकों के लिए देश में अत्याधुनिक और गतिशील ई-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी एवं ये सर्वर हमारे स्टेक धारकों मसलन प्रिंसिपल, बोलीदाताओं एवं अन्य उपयोगकर्ताओं को अनवरत सेवा प्रदान करने के लिए पर्याप्तता व उच्च उपलब्धता डिजास्टर रिकवरी पद्धति के साथ संचालन में है।

कोलकाता डाटा सेंटर के तर्ज पर समान रूप से मुंबई डिजास्टर रिकवरी साइट की भी स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा मसलों के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, इंट्रूशन प्रिवेंशन सिस्टम (आईपीएस), मैनेज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (एमडीडीओएस) आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

अत्यावश्यक सुरक्षा विशेषता 'राइट वन्स मीडिया' जो गैर-संपदानयोग्य मीडिया पर लेखा-परीक्षा प्रभावों को अभिग्रहीत करती है, एमएसटीसी की ई-कॉमर्स पद्धति की खास विशेषता रही है।

एसएसएल एन्क्रिप्शन

एसएसएल (सिक्योर सॉकेट लेयर) वेब सर्वर एवं ब्राउजर के बीच एक गूढ़ संबंध स्थापित करने के लिए एक मानक सुरक्षा तकनीक है। यह लिंक वेब सर्वर एवं ब्राउजरों के बीच आदान-प्रदान होने वाले सभी आंकड़ों को असार्वजनिक एवं मौलिक रखने की सुनिश्चितता प्रदान करती है। हमलोगों ने अपने वेब सर्वर में 256 बिट एसएसएल कार्यान्वित किया है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसलन, राउटर्स एवं स्वीच सिस्को से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णत: तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

पीरिऑडिकल अप्लिकेशन सिक्यूरिटी टेस्टिंग एसटीक्यूसी, भारत सरकार के एक विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। एमएसटीसी एसटीक्यूसी द्वारा अतिक्रमण, जोखिम तथा प्रदर्शन जांच के जरिए समयावधि सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

एमएसटीसी अपना व्यावसायिक परिचालन पूर्ण समार्पित 100 एमबीपीएस आईएलएल के जरिए करती है एवं भिन्न प्रदाता से गृहित एक अतिरिक्त आईएलएल कनेक्टिविटी भी है। एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रों एवं शाखाओं को वीपीएन के जरिए जोड़ दिया है। इसने केन्द्रीय आंतरिक एप्लिकेशनों को अतिरिक्त सक्षमता प्रदान की है, ताकि सबके द्वारा ज्यादा सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल हो सके। यूजर्स सिस्टम को बाहरी स्पैम एवं वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक यूटीएम की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी ने ई-टेंडरिंग, ई-रिवर्स ऑक्शन एल-1 मैचिंग एवं अन्य पद्धतियों के साथ एक इन-हाउस ई-प्रोक्योरमेंट विकसित किया है। सामान्य वित्तीय नियमों, सीवीसी दिशा-निर्देशों, आईटी अधिनियम 2000 एवं इसके वर्ष 2008 के संशोधन इस ई-प्रोक्योरमेंट एप्लिकेशन में शामिल किए गए है तथा उक्त सेवा को एसटीक्यूसी द्वारा प्रमाणित किया गया है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स सीएमएमआई लेवल 3 डेवलपमेंट से प्रशंसित किया गया है। वर्तमान सीएमएमआई लेवल 3 से सीएमएमआई लेवल 5 प्राप्त करने के लिए परामर्शदाता के चयन के लिए निविदा प्रक्रिया प्रगति में है।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम्स विभाग योग्यताप्राप्त पेशेवरों से सुसज्जित है, जो कि लगातार अद्यतन प्रौद्योगिकी के प्रशिक्षण के साथ अपनी दक्षता को उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2013 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता से प्रमाणित है।

Systems

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated and robust in the country to take up e-commerce services in a secure and transparent manner for more than 90,000 clients across the globe.

MSTC's IT Department is equipped with the powerful IBM Power Series 740 Servers having robust processing power and can serve thousands of concurrent hits. The servers are highly energy efficient leading to saving of power and these servers are in operation with redundancy & in high availability disaster recovery mode for providing uninterrupted services to our stakeholders like Principals, Bidders & other users.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC is concerned with information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, Intrusion Prevention System (IPS), Managed Distributed Denial of Service (MDDOS), etc.

The much needed security feature 'Write Once Media' which captures the Audit trails on a non-editable media, has been the hallmark of MSTC's e-Commerce system.

SSL Encryption

SSL (Secure Sockets Layer) is the standard security technology for establishing an encrypted link between a web server and a browser. This link ensures that all data passed between the web server and browsers remain private and integral. We have implemented 256-bit SSL in our web server.

All network equipments like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPv6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are in place to prevent unauthorized intrusion with latest signatures.

Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, a Govt. of India Department. MSTC ensures security through periodical penetration, vulnerability & performance testing by STQC.

MSTC conducts its business through a dedicated 100 Mbps ILL and has also a standby ILL connectivity taken from a different provider. MSTC has connected its regions and branches through VPN which enabled the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner. Moreover an UTM has been installed for protecting the users systems from outside spam and viruses.

MSTC has developed an in-house complete e-Procurement solution with e-tendering, e-reverse auction, e-reverse auction with L1 matching and many other modes. General Financial Rules, CVC guidelines, IT Act 2000 and its Amendment of 2008 have been adhered to in this e-Procurement application and the said service has been certified by STQC.

MSTC e-Commerce has been appraised to CMMI Level-3 Dev. For achieving CMMI Level 5 from existing CMMI Level 3, tendering for selection of consultant is under process.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2013 certified from STQC.

MSTC e-Commerce division is also ISO 9001:2015 Quality certified.

वर्ष 2017-18 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी का विकास

1) एसटीक्यूसी कोलकाता द्वारा संचालित लेखा परीक्षा के निष्पादन के पश्चात ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं पर एसटीक्यूसी प्रमाणन प्राप्त हुआ था जो अप्रैल, '18 तक वैध है, इसमें सभी परीक्षण जैसे कि कार्यात्मक परीक्षण, सीवीसी एवं आईटी अधिनियम अनुपालन लेखा परीक्षा, वेब अनुप्रयोग सुरक्षा परीक्षण, कार्य-निष्पादन परीक्षण, संवेदनशीलता आकलन एवं भेदनशीलता परीक्षण शामिल रहा था।
2) आईएसओ 27001:2013 प्रमाणन व्यवस्थित है एवं एसटीक्यूसी द्वारा पुन: प्रमाणन लेखा परीक्षा की स्वीकृति के उपरांत पुन: प्रमाणित किया गया था एवं यह प्रमाणपत्र 12 जून, 2020 तक वैध है और सर्वेक्षण लेखा परीक्षा हर वर्ष की जाती है।
3) मानकों के अनुसार आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन की भी व्यवस्था की गई है एवं यह प्रमाणपत्र 30 मई 2020 तक वैध है।
4) एमएसटीसी सिस्टम विभाग वर्ष 2013 से सीएमएमआई लेवल 3 मूल्यांकित है। इसे 27-06-2019 तक की वैधता के साथ अगले तीन वर्षों के लिए इस वर्ष नवीनीकृत किया गया।
5) 1 अगस्त, 2017 को माननीय केन्द्रीय मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं लोक वितरण, श्री राम विलास पासवान एवं माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने पूरे भारत में कृषि उत्पादों को बेचन के लिए किसानों एवं संस्थानिक विक्रेताओं हेतु ई-प्लेटफॉर्म के रूप में राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी (ई-रकम) का शुभारंभ किया।
6) राजस्थान/छत्तीसगढ़/उ. प्र. एवं अन्य राज्यों के लिए सर्वाधिक पारदर्शिता एवं मौद्रिक लाभ के साथ ऑनलाइन बृहद एवं लघु खनिज खंड की नीलामी का सफल संचालन किया गया है।
7) जैविक खाद्य उत्पादनों को ऑनलाइन बेचने हेतु कृषि एवं प्रक्रियागत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) के लिए तीन चरण बोली का वेब अनुप्रयोग।
8) वैश्विक भागीदारी के साथ बहु मुद्रा बहु चरण की गतिविधियाँ विकसित की गई हैं एवं 18 मई, 2017 को सफलता के साथ इसका कार्यान्वयन किया गया, जो एनएमडीसी के लिए 30.09.2017 के समझौता ज्ञापन (एमओयू) लक्ष्य से बहुत पहले हासिल हुआ है।
9) आईओसीएल निर्यात के लिए अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान का विकास किया गया है एवं बड़े स्तर पर वैश्विक भागीदारी होने पर प्रस्तुत किया।
10) स्कीम फॉर हार्नेसिंग एण्ड एलोकेटिंग कोयला (कोल) ट्रान्सपैरेंसी इन इंडिया (शक्ति) के नाम से एक नई नीति के रूप में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) को कोल लिंकेज की नीलामी हेतु एक कार्य प्रणाली निरुपित की है। इस योजना के ऑनलाइन निष्पादन हेतु एमएसटीसी ने आवश्यकता के अनुसार एक सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान किया है। इसके फलस्वरूप लिंकेज कोल से 47 बिलियन यूनिट प्रति वर्ष से अधिक के वार्षिक सृजन एवं 25 वर्षों तक की अवधि के लिए लगभग ₹ 125 करोड़/वर्ष के शुल्क में बचत होने की अपेक्षा की जाती है। एमएसटीसी ने पहले कार्यकलाप का सफलतापूर्वक संचालन किया जब दस विजेताओं को 27 एमएमटी कोयले का आबंटन किया गया है।
11) एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के आवंटन में विजेता के चयन हेतु तेल निर्माण कंपनियों जैसे कि आईओसीएल, बीपीसीएल एवं एचपीसीएल के लिए एनआईसी सर्वर में ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम का संचालन पूरे देश में व्यापक रूप से किया गया था।
12) सिस्टम विभाग के सहयोग से रिटेल सॉफ्टवेयर ग्रुप द्वारा इस्पात मंत्रालय के लिए डैशबोर्ड का विकास किया गया।
13) कर्नाटक वन विभाग के लिए अनुकूलित ई-नीलामी पोर्टल का विकास एवं कार्यान्वयन किया गया है।
14) एम्बी वैली सिटी नीलामी के लिए अनुकूलित ई-नीलामी पोर्टल का विकास एवं कार्यान्वयन किया गया है।

Developments of Information Technology during 2017-18

1) STQC Certification on e-Procurement services was received which is valid till April' 18 after clearing audit conducted by STQC Kolkata that included all the testing like Functional testing, CVC and IT Act compliance Audit, Web Application Security Testing, Performance Testing, Vulnerability Assessment & Penetration Testing.
2) ISO 27001:2013 certification is in place and was re-certified after clearance of recertification audit by STQC and this certificate is valid up to 12th June, 2020 and surveillance audit is carried out every year.
3) ISO 9001:2015 certification is also maintained as per standards and this certificate is valid up to 30th May, 2020.
4) MSTC Systems division is CMMI Level 3 appraised since 2013. The same was renewed this year for another three years with validity up to 27-06-2019.
5) On August 1, 2017, Hon'ble Union Minister for Consumer Affairs, Food and Public Distribution, Shri Ram Vilas Paswan and Hon'ble Union Steel Minister, Chaudhary Birender Singh, launched Rashtriya Kisan Agri Mandi (e-RaKAM), an e-platform for farmers and institutional sellers to sell agricultural produce on pan India basis.
6) Online Major & Minor Mineral Block auction for the states of Rajasthan/Chhattisgarh/UP & other States have been conducted successfully with utmost transparency and monetary gain.
7) Three stages bidding web application for Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA) has been developed for sale of Organic Food products online.
8) Multi currency multi stage events with global participation have been developed and successfully implemented on 18th May, 2017 which is well before the MoU Target of 30.09.2017 for NMDC.
9) Customized e-Commerce solution for IOCL Export has been developed and made live where global participation is seen in a big way.
10) As a follow up to the new policy called Scheme for Harnessing and Allocating Koyla (Coal) Transparently in India (SHAKTI), Coal India Limited (CIL) devised a mechanism for auction of Coal linkages to Independent Power Producers (IPPs). MSTC provided a tailor made software solution for execution of the scheme online. The exercise is expected to result in an annual generation of over 47 billion units per annum from the linkage coal and a savings in tariff of approx. ₹ 125 cr / annum for period up to 25 years. MSTC has successfully conducted the first event when 27MMT of coal was allotted to the ten winners.
11) Online Draw System at NIC Server for Oil Manufacturing Companies like IOCL, BPCL & HPCL for selection of winner in allocation of LPG Distributorship was conducted far & wide in the country.
12) DASHBOARD for Ministry of Steel was developed by Retail Software Group with the assistance of System department.
13) Customized e-Auction portal for Karnataka Forest Department has been developed & implemented.
14) Customized e-Auction portal for Aamby Valley City auction has been developed & implemented.

15) विद्युत मंत्रालय की ओर से मध्यावधि आधार पर विद्युत क्रय अनुबंध (पीपीए) के लिए राष्ट्रीय ई-बोली प्रक्रिया पोर्टल का विकास एवं कार्यान्वयन किया गया है।

16) बालू खनन ब्लॉक की सर्वप्रथम ई-नीलामी का आयोजन उत्तर प्रदेश में किया गया जिससे पूर्व-नीलामी युग की तुलना में राज्य के राजकोष में भारी राजस्व उपलब्ध हुआ।

17) क्रेताओं जैसे कि आरईसी ट्रान्समिशन प्रोजेक्ट्स कंपनी लि,, महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लिमिटेड, ओड़िशा पावर ट्रान्समिशन कॉर्पोरेशन लि.,ओड़िशा कोल एण्ड पावर लिमिटेड, टीएएनजीईडीसीओ आदि को अनुकूलित ई-प्रोक्योरमेंट समाधान प्रदान किए गए।

18) क्षेत्रीय संपर्क योजना : द्वितीय चरण की नई आवश्यकता के अनुसार नागरिक विमानन मंत्रालय के लिए उड़े देश का आम नागरिक (यूडीएएन) का विकास एवं कार्यान्वयन हमारी आंतरिक टीम द्वारा किया गया।

19) जीआईजीडब्ल्यू दिशानिर्देशों के अनुसार हमारे कॉर्पोरेट साइट अर्थात www.mstcindia.co.in में तथ्य प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) का कार्यान्वयन किया गया।

20) सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार सभी व्यवसाय लेनदेन में जीएसटी कार्यान्वयन पेश किया गया।

21) ऑनलाइन के माध्यम से पूर्व-बोली ईएमडी संग्रहण, सक्रियण एवं वापसी में स्वचालित यंत्र की शुरूआत ने हमारी ई-नीलामी पद्धति को और भी मित्रवत एवं पारदर्शी बनाया है। सिस्टम को सभी मामलों में 27.12.2017 को प्रचालन में लाया गया।

22) एमएसटीसी ने श्री विष्णु देव साय, माननीय केन्द्रीय इस्पात राज्य मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में पूर्वोत्तर क्षेत्र, विशेषकर कृषि-क्षेत्र में एमएसटीसी की दृष्टि (विज़न) का अनावरण किया।

23) ग्राहकों तक अपनी पहुँच में विस्तार लाने एवं संतुष्टि प्रदान करने हेतु एमएसटीसी ने आठ नई शाखा कार्यालय को आरंभ किया।

मानव संसाधन विकास (मा.सं.वि.)

नए वित्तीय वर्ष 2017-18 के आरंभ होने के साथ कंपनी ने व्यवसाय में महत्वाकांक्षी विविधीकरण किया है। कई नए व्यवसाय क्षेत्र मसलन ई-रकम, एम3 (एमएसटीसी मेटल मंडी), रिटेल सॉफ्टवेयर संयोजित किए गए हैं। विविधीकरण के कारण, कर्मचारियों के कौशल विकास की आवश्यकता महसूस की गई, अतएव, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया गया। कंपनी ने वर्ष के दौरान जानकारी, दक्षता एवं कौशल वृद्धि के उद्देश्य से अपने कर्मचारियों को विविध विषयों पर संस्थागत एवं विभिन्न अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम दोनों के जरिए ई-प्रोक्योरमेंट, प्रचालन एवं प्रणाली पर कुल 75 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया है।

15) National e-bidding portal for Power Purchase Agreement (PPA) on Medium term basis on behalf of Ministry of Power has been developed & implemented.

16) The first ever e-auction of sand mining block was held in Utter Pradesh which fetched hefty revenue to the exchequer of the state as compared to the pre-auction era.

17) Customized e-procurement solution have been provided to many Buyers like REC Transmission Projects Company Ltd., Mahindra MSTC Recycling Pvt. Limited, ORISSA POWER TRANSMISSION CORPORATION LTD, Odisha Coal and Power Limited, TANGEDCO etc.

18) Regional Connectivity Scheme – Ude Desh ka Aam Naagarik (UDAN) for Ministry of Civil Aviation developed & implemented by our in-house team as per new requirement for second tranche.

19) Content Management System was implemented in our corporate site i.e. www.mstcindia.co.in as per GIGW guidelines.

20) GST Implementation as per Govt. guideline was introduced in the all business transactions.

21) Automation in Pre-Bid EMD Collection, activation & refund through online, making our e-Auction system more user friendly & transparent. The system was made operational on 27.12.2017 in all aspects.

22) MSTC unveiled the MSTC's vision for North-East particularly in Agri-host sector in the august presence of Shri Vishnu Deo Sai, Union Minister of State for Steel.

23) MSTC opened eight new branch offices to increase outreach and for attainment of customer satisfaction.

Human Resource Development (HRD)

With the onset of the new financial year 2017-18, the Company has gone for aggressive diversification in business. Various new business verticals, namely, e-RaKAM, M3 (MSTC Metal Mandi), Retail Software, have been added to the existing catalogue. Owing to the diversification a need for development of skills of the employee was felt, therefore, various training Programmes were conducted. The company has trained a total of 75 employees on various topics through both institutional and various customized training programs on e-procurement, Operations and systems for its employees with an objective to enhance the knowledge, competencies and skill during the year.

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक द्वारा दिनांक 09.05.2017 को माननीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह का अभिवादन एवं नागालैंड से पहली बार अदरक की ई-नीलामी की वस्तुस्थिति का मूल्यांकन।
Hon'ble Minister of Agriculture Shri Radha Mohan Singh was greeted by CMD on 09.05.2017 and apprised the status of first ever e-auction of Ginger from Nagaland.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने 8 अगस्त, 2017 को मुख्य सचिव, असम सरकार से मुलाकात की।
CMD called on Chief Secretary, Govt. of Assam on 8th August, 2017.

सेवा उद्योग में होने के नाते, मानव संसाधन कंपनी के कार्यकलाप में बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मानव संसाधन के विकास से संबंधित विभिन्न समझौता ज्ञापन (एमओयू) लक्ष्यों को निर्धारित समयसीमा के अंदर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके अलावा, भारत के शीर्ष स्तरीय संस्थानों जैसे कि आईआईएम एवं इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन इंडस्ट्री में बेहतर शिक्षण के लिए विभिन्न विषयों पर एक सप्ताह व्यापी कुल 12 (बारह) प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया गया।

इसके साथ ही, सभी कर्मचारियों की मूल्यांकन प्रक्रिया, ऑनलाइन पोर्टल पर उनकी सतर्कता दर्जे का तिमाही अद्यतन एवं विभागीय पदोन्नति समिति का आयोजन निर्धारित समयसीमा में किया गया।

इसके अलावा, एमएसटीसी ने पारदर्शी एवं सुदक्ष चयन प्रक्रिया के लिए एक प्रतिष्ठित बाहरी एजेंसी द्वारा कार्यपालकों के लिए ऑनलाइन नियुक्ति शुरू की।

कमजोर वर्गों का कल्याण

वित्तीय वर्ष के दौरान, 25 प्रबंधन प्रशिक्षुओं एवं 6 सहायक प्रबंधक की नियुक्ति की गई; 9, 6 एवं 1 व्यक्ति क्रमशः, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित थे, जिनमें से 2 (दो) शारीरिक रूप से विकलांग (दृष्टिजनित विकलांगता) समुदाय से संबंधित थे। कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया गया है। कंपनी में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए सरकारी नीतियों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में समय-समय पर आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में अन्य दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं, जिनका विधिवत पालन होता है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति कमिटियों एवं चयन कमिटियों (नियुक्ति के मामले में) में अनु. जाति/अनु. जनजाति समुदाय का प्रतिनिधित्व था।

वर्ष के दौरान कंपनी के 9 अजा, 5 अजजा, 23 अ.पि.व. कर्मचारियों को आंतरिक एवं संस्थानिक दोनों तरफ के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भेजा गया था, जिनमें से 3 कर्मचारी पीडब्ल्यूडी एवं 3 कर्मचारी अल्पसंख्यक से थे।

इसके साथ ही एमएसटीसी अजा/अजजा इम्प्लाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को भी सभी तरह के सहयोग और सहायता दी गई।

नारी सशक्तीकरण

एमएसटीसी वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) मंच का एक आजीवन नैगमिक सदस्य है एवं महिला कर्मचारियों को डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नामित किया गया था। एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत कमिटियों का गठन किया गया है जो सफलतापूर्वक काम करती हैं। सावधिक बैठक के अलावा कमिटियों द्वारा शिकायत निवारण, जागरूकता कार्यक्रमों इत्यादि का भी विधिवत परिचालन किया जाता है।

वर्ष के दौरान, 16 महिला कर्मचारियों को कंपनी में उच्चतर जिम्मेवारियों को लेने में सक्षम बनाने के लिए बाह्य एवं आंतरिक दोनों तरफ के प्रशिक्षण में भेजा गया था।

कार्यस्थल पर महिला के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के अंतर्गत प्रकटीकरण

कार्यस्थल में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम एवं निवारण हेतु एमएसटीसी ने कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार एक तंत्र की स्थापना की है। कंपनी की सभी महिला कर्मचारियों की शिकायत, यदि कोई है, पर आवश्यक सहायता प्रदान करने एवं निपटाने के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का गठन किया गया है। सभी कर्मचारी (स्थायी, आउटसोर्स, प्रशिक्षु आदि) इस नीति के अंतर्गत शामिल हैं।

कैलेंडर वर्ष के दौरान प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायत एवं निपटान का सारांश निम्नलिखित है।

* प्राप्त शिकायतों की संख्या : शून्य
* शिकायतों के निपटान की संख्या : शून्य

Being in service industry, human resource has been a major thrust area in the performance of the Company. Various MOU targets pertaining to the development of the Human Resources were completed successfully within stipulated time period. Furthermore, 12(twelve) numbers of one week training programmes on various topics were conducted in the ace Institutes of India such as IIM's and Institute of Indian Industry for better learning.

Besides this, appraisal process of all the employees, quarterly updating of their vigilance status on online portal and holding of Departmental Promotion Committee took place within specified timeline.

Also MSTC introduced an online recruitment for executives by a reputed outside agency for a transparent and efficient selection process.

Welfare of Weaker Sections

25 Management Trainees and 6 Assistant Managers were recruited during the financial year; 9, 6 and 1 persons belonged to OBC, SC and ST category respectively; of which 2(two) belong to PWD (VH). The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. Other directives issued from time to time regarding reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government were duly observed. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community.

During the year, 9 SC, 5 ST and 23 OBC employees of the Company, were sponsored for training programs, both In-house and Institutional training programs, out of which 3 employees were PWDs and 3 belonged to Minority.

All possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

Empowerment of Women

MSTC is a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS) and women employees were nominated in the programs organized by WIPS. Internal Complaints Committees constituted in all the offices of MSTC have been functioning successfully. Periodical meetings and Complaint redressal, awareness programs, etc. are also duly conducted by the Committees.

During the year, 16 female employees were sponsored for training, both external and in-house, to enable them to undertake higher responsibilities in the Company.

Disclosure under section 22 of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

MSTC has in place a mechanism for prevention and redressal of sexual harassment of women employees at the workplace in accordance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Internal Complaints Committees (ICCs) have been set up in all the offices of the Company for rendering necessary assistance to and dealing with complaints, if any, of all the women employees of the Company. All employees (permanent, outsourced, trainees etc.) are covered under this policy.

The following is a summary of sexual harassment complaints received and disposed off during each calendar year.

* No. of complaints received: Nil.
* No. of complaints disposed off: Nil.

दिनांक 31-03-2018 को एमएसटीसी की जनशक्ति के आंकड़े
MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2018

	प्र.का. HO	पू.क्षे.का. ERO	उ.क्षे.का. NRO	प.क्षे.का. WRO	द.क्षे.का. SRO	जयपुर JAIPUR	त्रिवेन्द्रम TRIVANDRAM	विशाखापट्नम VIZAG	भोपाल BHOPAL	बड़ोदरा VADODARA	गुवाहाटी GUWAHATI	हैदराबाद HYDERABAD	भुवनेश्वर BHUBANESHWAR	लखनऊ LUKNOW	बैंगलोर BANGALORE	चंडीगढ़ CHANDIGARH	रायपुर RAIPUR	राँची RANCHI	कुल 31.3.18 को TOTAL As on 31.3.18	कुल 31.3.17 को TOTAL AS ON 31.3.17
कार्यपालक EX	85	11	16	14	10	6	4	10	5	8	5	7	4	6	9	6	4	3	213	188
गैर-कार्यपालक N-EX	36	9	17	13	6	0	2	10	1	8	0	2	0	1	8	0	0	0	113	121

31-03-2018 को अनु. जाति/अनु. जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग/भूतपूर्व सैनिक की वस्तुस्थिति
SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2018

समूह Group	कुल कर्मचारी Total Employee	अपिव OBC	सामान्य GENERAL	अजा SC	अजजा ST
समूह अ/Group A	213	52 (24.41%)	112(52.58%)	35(16.43%)	14(6.57%)
समूह ब/Group B	18	0 (0%)	11(61%)	6(33.33%)	1(5.55%)
समूह स/Group C	86	18(20.9%)	49(56.97%)	16(18.60%)	3(3.48%)
समूह द/Group D	9	0(0%)	5(55.55%)	4(44.44%)	0(0%)
कुल कर्मचारी/Total Employee	326	70(21.47%)	177(54.29%)	61(18.71%)	18(5.52%)

31-03-2018 को पुरुष/महिला की स्थिति / MALE/FEMALE AS ON 31-03-2018

	पुरुष/MALE	महिला/FEMALE	कुल/TOTAL
कार्यपालक/EX	173	40	213
गैर-कार्यपालक/N-EX	96	17	113
कुल/TOTAL	269	57	326

शिकायत निवारण तंत्र

कंपनी के पास शिकायत को ऑनलाइन दर्ज करने एवं निगरानी रखने हेतु कॉर्पोरेट वेबसाइट www.mstcindia.co.in से एकीकृत एक विशिष्ट पोर्टल है। शिकायत ऑनलाइन दर्ज करने एवं आगे की वस्तु-स्थिति को देखने के लिए यह पोर्टल शिकायतकर्ता को सिस्टम द्वारा तैयार एक यूनीक कोड प्रदान करता है। कुछ शिकायतें सीपीजीआरएएमएस साइट पर एवं डाक द्वारा भी प्राप्त होती हैं।

शिकायत समिति का गठन प्रधान कार्यालय में किया गया एवं शिकायत प्रकोष्ठ का गठन क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया है। शिकायत समिति द्वारा की गई संस्तुति पर सक्षम अधिकारी के अनुमोदन के पश्चात शिकायतों का निपटान/समाधान किया जाता है। शिकायत समिति शिकायत की जाँच-पड़ताल एवं संबंधित विभाग/क्षेत्र/शाखा से मत प्राप्त करने के बाद अपनी सलाह देती है।

शिकायत समिति मामलों के पुनरीक्षण के लिए आवधिक अंतराल पर बैठक करती है।

कंपनी की केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) एवं लोक शिकायत साइट की प्रधान कार्यालय द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाती है। प्रधान कार्यालय में एक नोडल अधिकारी एवं लोक शिकायत अधिकारी हैं।

Grievance Redressal Mechanism

The company has an exclusive portal integrated in to the corporate website www.mstcindia.co.in to register and monitor the grievances online. The portal provides an unique system generated code for the complainants to lodge and view the progress of the grievances registered online. Some grievances are also received at the CPGRAMS site and by post.

A Grievance Committee is constituted at Head Office and Grievance Cells have been constituted at the Regional and Branch Offices. The grievances are settled/resolved after the Competent Authority's approval on the recommendation made by the Grievance Committee. The Grievance Committee makes recommendations after examination of the grievances and obtaining comments of the concerned department/region/ branch.

The Grievance Committee meets at periodical intervals to review the cases.

The Centralized Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS) and Public Grievance site of the Company are monitored regularly by the Head Office. There are a Nodal officer and a Public Grievance officer in the Head Office.

दिनांक 01.4.2017 से 31.3.2018 तक की अवधि में कुल 51 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 49 शिकायतों का निवारण किया गया है एवं 02 शिकायतें प्रक्रियाधीन हैं।

दिनांक 01.04.2017 से 31.03.2018 तक की अवधि के लिए सार्वजनिक शिकायतें

दिनांक 01.04.2017 को शेष बची हुई शिकायतें	2017-18 में दर्ज की गई शिकायतें	2017-18 में निपटायी गई शिकायतें	31.03.2018 को शेष बची हुई शिकायतें
शून्य	51	49	2

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में प्राप्त आरटीआई आवेदन एवं अपील के प्रक्रियाकरण के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) 2005 के प्रावधानों का अनुपालन किया गया था। एमएसटीसी, प्रधान कार्यालय में एक पारदर्शिता अधिकारी, एक प्रथम अपीलेट अधिकारी, एक सीपीआईओ, एक नोडल अधिकारी हैं एवं प्रत्येक क्षेत्र/शाखा में कंपनी के विभिन्न स्थानों में प्राप्त आरटीआई आवेदन की प्रभावी कार्रवाई के लिए एक पीआईओ है।

सभी तिमाही रिपोर्ट ऑनलाइन जमा की गई हैं एवं रिपोर्ट सीआईसी साइट पर अपलोड की गई हैं। दिनांक 01.04.2017 से 31.03.2018 के दौरान, कुल 106 आरटीआई आवेदन एवं 30 प्रथम अपील ऑनलाइन के माध्यम से एवं डाक के द्वारा प्राप्त हुए हैं। इनमें से 102 आरटीआई आवेदन एवं 29 अपील निपटाए गए एवं 2 आरटीआई आवेदन रद्द किए गए थे।

शेष 2 आरटीआई आवेदन एवं 1 अपील प्रक्रियाधीन हैं। आरटीआई आवेदन/अपील आरटीआई वेब पोर्टल यथा https://rtionline.gov.in के माध्यम से प्राप्त करते एवं निपटाते हैं। ऑफलाइन एवं ऑनलाइन के माध्यम से आरटीआई आवेदन एवं अपील प्राप्त किए जाते हैं, जिन पर शीघ्रता से कार्रवाई की जाती है।

राजभाषा

एमएसटीसी ने कोलकाता में 11.01.2018 को 'भारतेन्दु की प्रासंगिकता, आज की हिन्दी एवं भविष्य में हिन्दी' पर राष्ट्रीय हिन्दी सेमिनार का आयोजन किया। माननीय इस्पात मंत्री, चौधरी बीरेन्द्र सिंह के द्वारा इस सम्मेलन का उद्घाटन किया गया, जिनके साथ इस अवसर पर माननीय इस्पात राज्य मंत्री, श्री विष्णु देव साई एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर, माननीय इस्पात मंत्री, चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने माननीय इस्पात राज्य मंत्री, श्री विष्णु देव साई एवं अन्य महानुभावों की उपस्थिति में एमएसटीसी की हिन्दी पत्रिका 'संगति' का लोकार्पण किया।

14 सितम्बर, 2017 को राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन किया गया। इस अवधि के दौरान, प्रधान, क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में हिन्दी प्रतियोगिताओं एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था। हिन्दी प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने एवं हिन्दी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर 36 कर्मचारी पुरस्कृत किए गए। इस वर्ष, हिन्दी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं में कुल 37 कर्मचारियों को नामित किया गया।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक नराकास की बैठक में शामिल हुए थे जिससे कंपनी में हिन्दी के अधिकाधिक कार्यान्वयन की प्रेरणा प्राप्त हुई।

Total 51 Grievances have been received during 01.4.2017 to 31.3.2018. Out of that 49 grievances have been redressed and remaining 02 are under process.

Statement of Public Grievances for the period of 01.04.2017 to 31.03.2018

Grievances outstanding as on 01.04.2017	Grievances registered in 2017-18	Grievances redressed in 2017-18	Grievances outstanding as on 31.03.2018
NIL	51	49	2

Right to Information Act 2005

Provisions of RTI Act 2005 were complied with for processing the RTI applications and appeals received in all offices of MSTC. There are one Transparency Officer, one First Appellate Authority, one CPIO, one Nodal Officer in MSTC Head office and every region/branch has one PIO for effectively processing the RTI applications received at various locations of the Company.

All quarterly reports have been submitted on-line and reports have been uploaded on CIC site. During 01.04.2017 to 31.3.2018, total 106 RTI applications and 30 First Appeals have been received through online and by post also. Out of that 102 RTI Applications and 29 Appeals have been disposed of and 2 RTI applications were rejected.

Remaining 2 RTI applications and 1 appeal are under process. RTI applications/appeals can be received and disposed of through RTI web portal namely https://rtionline.gov.in. RTI Applications and Appeals are received offline and online which are processed expeditiously.

Official Language

MSTC arranged National Hindi Seminar on Bhartendu Ki Prasangikta, Aaj Ki Hindi and Bhavisya Me Hindi on 11.01.2018 at Kolkata. The seminar was inaugurated by Hon'ble Minister of Steel, Chaudhary Birendra Singh in the presence of Hon'ble Minister of Steel for State, Shri Vishnu Deo Sai and other dignitaries. In this occasion, Hon'ble Minister of Steel, Chaudhary Birendra Singh unveiled MSTC's Hindi magazine "Sangati" along with Hon'ble Minister of Steel for State, Shri Vishnu Deo Sai and others dignitaries.

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 14th September 2017. During this period, Hindi competitions and workshops were organized in Head office as well in regional and branch offices. Total 36 employees were awarded for winning in Hindi competitions and for passing in Hindi examinations. In this year, total 37 employees were nominated in Hindi examinations conducted by Hindi Teaching Scheme, Department of Official Language, Govt. of India.

The Chairman-cum-Managing Director attended TOLIC meeting which inspired more and more implementation of Hindi in the Company.

राजभाषा नियम के प्रावधानों के अनुसार हिन्दी के प्रगतिशील प्रयोग का निरीक्षण, ऑनलाइन तिमाही रिपोर्ट जमा किया जाना, पदोन्नत कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशंसा पत्र जारी किया जाना एवं विभिन्न कागजातों का हिन्दी संस्करण का निष्पादन किया गया।

हिन्दी विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाणन को आईएसओ 9001:2015 में प्रोन्नत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया है। इस्पात मंत्रालय एवं इसकी हिन्दी सलाहकार समिति ने राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के बारे में अनवरत मार्गदर्शन प्रदान किया।

दिनांक 12.08.2017 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल द्वारा अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड को कंपनी में राजभाषा के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नराकास, कोलकाता के पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कार प्रदान किया गया।

As per provisions of Official Language Rule, inspection of progressive use of Hindi, submission of online Timahi report, issuance of appreciation letter in Hindi to the promoted employees and Hindi versions of different documents were done.

ISO 9001:2008 certification of Hindi department was upgraded to ISO 9001:2015. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.

On 12.08.2017, CMD MSTC Limited was awarded by the Governor in the Prize distribution ceremony of TOLIC, Kolkata for excellent performance in Official language implementation in the Company.

चौधरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात मंत्री ने 29 जून, 2018 को बैंगलोर के स्टील कंज्यूमर्स काउंसिल मीट में "एम3" एमएसटीसी मेटल मण्डी मोबाइल एप का शुभारंभ किया, इस अवसर पर उनके साथ माननीय इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साई, सीएमडी, एमएसटीसी, इस्पात मंत्रालय के वरिष्ठ कार्यपालक, इस्पात केन्द्रीय लोक क्षेत्र उद्यम के वरिष्ठ कार्यपालक एवं इस्पात उपभोक्ताओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

Chaudhary Birender Singh, Hon'ble Minister of Steel launched the "M3" MSTC Metal Mandi Mobile App at Steel Consumers' Council Meet at Bangalore on 29th June, 2018 in presence of Hon'ble Minister of State for Steel Shri Vishnu Deo Sai, CMD, MSTC, senior executives of Ministry of Steel, senior executives of Steel CPSEs and representatives of Steel Consumers.

एमएसटीसी ने दिनांक 21.06.2018 को स्वास्थ्य, शांति एवं समन्वय के लिए योग के महत्व पर बल देते हुए चौथे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया।

MSTC organised 4th International Yoga Day on 21.06.2018 with thrust on Yoga for Health, Peace and Harmony.

सतर्कता

मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) के नेतृत्व में एमएसटीसी की सतर्कता व्यवस्था मुख्य रूप से सिस्टम में सुधार, निवारक और अग्र सक्रिय सतर्कता के माध्यम से संगठन में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2017-18 के दौरान, ई-नीलामी कार्यकलापों के लिए जारी प्रक्रिया/चलन पर क्षेत्रीय/शाखा, साइट कार्यालयों में 9 नियमित निरीक्षण सम्पन्न किये गये। इसके अलावा, 2 आकस्मिक जाँच की गई थी, 1 विभागीय जांच का निपटान किया गया जिसके परिणामस्वरूप 1 अधिकारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। इस्पात मंत्रालय/सीवीसी तथा अन्य स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों की जांच की गई एवं समयबद्ध निपटान किया गया। ऐसी जांच/अन्वेषण के परिणामस्वरूप विभिन्न प्रणाली के सुधार उपायों की शुरुआत हुई है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2017 देश भर में एमएसटीसी लिमिटेड में 30.10.2017 से 04.11.2017 तक **"मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत"** विषय को बढ़ावा देने के लिए मनाया गया। सप्ताह के दौरान, भ्रष्टाचार के मूल कारण एवं आशंका को समाप्त करने एवं सुशासन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अधिकारियों/हितधारकों और साथ ही जनसाधारण में जागरूकता फैलाने, शिक्षित करने एवं पारदर्शिता पर चर्चा करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

Vigilance

The Vigilance setup of MSTC being headed by Chief Vigilance Officer (CVO) is committed to enhancing efficiency and transparency in the organization primarily through system improvements, preventive and proactive vigilance.

During the year 2017-18, 9 routine inspections were carried out in the Regional/Branch/Site offices on the ongoing procedure/practice of e-auction activities. In addition, 2 surprise checks were carried out. 1 Departmental Inquiry was disposed of, which resulted in punitive action against 1 official. Complaints as received from MOS/CVC as well as other sources were inquired and disposed off in time bound manner. Such examinations/investigations have resulted in initiation of various system improvement measures.

As per the directives of Central Vigilance Commission, Vigilance Awareness Week-2017 has been observed in MSTC Limited across the country w.e.f. 30.10.2017 to 04.11.2017 emphasizing the theme of **"My Vision-Corruption Free India"** . During the week, in order to generate awareness, educate and discuss transparency among officials/ stakeholders as well as general public to arrest the root cause & threat of corruption and to promote good governance, various activities were organized.

1. उद्‌घाटन – 30 अक्टूबर, 2017 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्‌घाटन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी के कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा संकल्प के साथ सप्ताह की शुरुआत की गई।

2. व्यापक प्रचार : • व्हिसल ब्लोअर तंत्र एवं अन्य भ्रष्टाचार रोधी उपायों पर सूचना प्रदान करते हुए 1000 पैम्फ्लेट एमएसटीसी कर्मचारियों, आगन्तुकों, अनुबंधित कामगारों एवं ग्राहकों/प्रिंसिपल में बाँटे गए एवं उन्हें ई-शपथ लेने का अनुरोध किया गया। • सतर्कता जागरूकता सप्ताह वीएडब्ल्यू – 2017 के लिए विशेष रूप से बने पोस्टर/बैनर पूरे कार्यालय के प्रमुख स्थानों में प्रदर्शित किए गए हैं। • सेवाओं की सुपुर्दगी में एकाधिकार एवं व्यक्तिगत स्वनिर्णय को रोकने हेतु एमएसटीसी द्वारा इस विषय में विवेचित ऑटोमेशन एवं लेवरेजिंग टेक्नोलॉजी जैसे निवारक सतर्कता साधनों से उल्लिखित एक विशेष ब्रोश्योर (पुस्तिका) का अनावरण किया गया। इस बारे में व्यापक प्रचार एवं जागरूकता के लिए कुल 600 ब्रोश्योर सरकारी विभागों, लोक क्षेत्र उद्यम (पीएसयू) एवं मंत्रालयों में प्रचारित किए गए। • इस सत्यनिष्ठा संकल्प को लेने के लिए समर्थन एवं वचनबद्धता को सूचीबद्ध करने के उद्देश्य से स्क्रैप एवं कोयला उपभोक्ताओं (लगभग 70000) को भारी तादाद में ई-मेल भेजे गए। साथ ही, जागरूकता फैलाने के लिए एमएसटीसी का वॉट्सएप एवं ट्विटर अकाउंट का भी बड़े स्तर पर उपयोग किया गया।

3. कर्मचारी में प्रतियोगिताएँ : i)''मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' विषय पर एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए स्लोगन प्रतियोगिता, ii) ''मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' विषय पर एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए निबंध प्रतियोगिता iii) सतर्कता, सीवीसी एवं एमएसटीसी के अन्य भ्रष्टाचार-रोधी विधियों, नीतियों, नियमावलियों एवं निर्देशावलियों जैसे मुद्दे पर एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता। iv) एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता।

4. विद्यालयों एवं कॉलेजों में प्रतियोगिताएँ – i) ''मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' विषय पर सेंट जेम्स स्कूल, कोलकाता की कक्षा XI से XII में पढ़ रहे छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता, सृजनशील लेखन प्रतियोगिता एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता। ii) इंटरनैशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, कोलकाता में बैच 2015-17 एवं 2016-18 के मैनेजमेंट छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता। iii) गवर्नमेंट सर्वोदय बाल विद्यालय, नई दिल्ली एवं श्री विश्वोदय एडुकेशन सोसाइटी, विशाखापत्तनम के छात्रों में कार्टून/पोस्टर प्रतियोगिता।

5. इंटिग्रिटी क्लब : स्कूल के छात्रों के मन में नैतिकता के मूल्यों को विकसित करने के एक नवीन प्रयास के साथ सेंट जेम्स स्कूल, एन्टाली, कोलकाता में इंटिग्रिटी क्लब का गठन किया गया है।

6. एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए अनुकूलन कार्यक्रम-सभी कार्यालयों में एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए एक दिन व्यापी अनुकूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लोक क्षेत्र उद्यम में सतर्कता प्रशासन, एमएसटीसी के आचरण, अनुशासन एवं अपील के नियमों और आम अनियमितताओं पर ध्यान आकर्षित किया।

7. कार्यशालाएँ/सुग्राहीकरण कार्यक्रम :

क) शक्तियों का प्रत्यायोजन वित्तीय अधिकारों एवं परियोजना/ठेका प्रबंधन पर एमएसटीसी मुख्यालय के मध्य स्तर एवं वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों के लिए कार्यशाला।

1. *Inauguration* - The Vigilance Awareness Week commenced with the administration of Integrity Pledge to the employees by CMD, MSTC while inaugurating the week on 30th October 2017.

2. *Wide Publicity* - • 1000 pamphlets distributed to MSTC Employees, Visitors, Contractual Workers and customers/principals with information on whistleblower mechanism and other anti-corruption measures and they were requested to take e-pledge. • The posters /banners specially designed for VAW-2017 has been displayed in prominent places across all offices. • A special brochure on the theme was unveiled highlighting the tool of preventive vigilance such as Automation and Leveraging technology, being envisaged by MSTC to remove the monopoly in delivery of services and personal discretion. A total of 600 brochures were circulated to Govt. Departments, PSUs, and Ministries for wider dissemination and awareness. • Bulk e-mail has been forwarded to the scrap and coal customers (70000 approx.) for enlisting support and commitment to take the Integrity Pledge. Also, WhatsApp and twitter account of MSTC has been extensively engaged for spreading awareness.

3. *Employees Competitions* – i. Slogan Competition for Employees of MSTC on the theme- “MY VISION-CORRUPTION FREE INDIA”. ii. Essay Competition for Employees of MSTC on the theme- “MY VISION-CORRUPTION FREE INDIA”. iii. Quiz Competition for Employees of MSTC on issues in Vigilance, CVC and other Anti-corruption Laws, Policies, manuals and guidelines of MSTC. iv. Elocution Competition for Employees of MSTC.

4. *Competitions in Schools and Colleges* – i. Elocution Competition, Creative writing competition and slogan writing competition for students of St. James’ School, Kolkata studying in Class XI to XII on topic “My Vision-Corruption free India”. ii. Elocution Competition for management students of batch 2015-17 & 2016-18 at International Management Institute, Kolkata. iii. Cartoon/Poster competition amongst the students of Govt. Sarvodaya Bal Vidyalaya, New Delhi and Sri Visvodaya Education Society, Visakhapatnam.

5. *Integrity Club* - Integrity Club has been constituted at St. James’ School, Entally, Kolkata with a novel initiative of ingraining the ethical values in the minds of school students.

6. *Orientation Program for employees of MSTC* - A one day orientation program for employees of MSTC was organized in all offices focusing on Vigilance Administration in PSUs, Conduct, Discipline & Appeal Rules of MSTC and Common Irregularities.

7. *Workshops / Sensitization programs:*

a. Workshop for middle level and senior level managers of MSTC HQ on Delegation of Powers, Financial Powers and Project/Contract Management.

ख) दिनांक 04.11.2017 के सप्ताह के दौरान सीवीसी के विषय ''मेरा लक्ष्य–भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' पर सेमिनार समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह एवं विजेताओं के लिए इनाम वितरण।

8. सीवीसी के संदेशों के प्रचार एवं नागरिकों को ई–संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु संगठन की वेबसाइट का प्रयोग किया गया है।

9. स्टेकधारक या हितधारक सम्मेलन – 1. सप्ताह के दौरान एमएसटीसी के कार्यालयों में ग्राहकों के साथ उनके मसलों के निवारण हेतु शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन। 2. शिविर में ग्राहक प्रत्युत्तर सर्वे का संचालन।

10. सत्यनिष्ठा समझौता बैठक – श्री अशोक कुमार सिन्हा, स्वतंत्र बाह्य प्रबोधक (आईईएम), एमएसटीसी की अध्यक्षता में दिनांक 04-11-2017 को प्रधान कार्यालय, एमएसटीसी, कोलकाता में सत्यनिष्ठा समझौता बैठक का आयोजन किया गया, इस अवसर पर अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त), सीवीओ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

✦ सतर्कता निवारक/प्रणाली सुधार

क) एमएसटीसी ने द्वितीयक सामानों/सामग्रियों जैसे कि कार्यालय की लेखन सामग्रियों एवं उपभोग्य वस्तुओं, कम्प्यूटर के बाह्य सामान जीईएम पोर्टल से क्रय करना शुरू किया है।

ख) जीईएम पोर्टल के माध्यम से नहीं पाए गए सामान, ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल के जरिये क्रय किए जा रहे हैं।

ग) टेक्नो–वाणिज्यिक एवं मूल्य बोली ऑनलाइन शुरू की गई है एवं यथा हस्ताक्षरित डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) के साथ बोलीदाताओं से प्राप्त की गई है। निविदा शुल्क एवं बोली गारंटी/ईएमडी ई–भुगतान प्रणाली से प्राप्त किए जा रहे हैं।

घ) ठेकेदारों के लम्बित बिलों की प्रदर्शनी/वस्तु–स्थिति के प्रयोजन हेतु पोर्टल पर बिल ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

ङ) नियुक्ति के लिए आवेदन ऑनलाइन प्राप्त किए जा रहे हैं। प्रवेश स्तर पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन परीक्षा शुरू की गई।

च) पूर्व–बोली ईएमडी/ईएमडी ऑनलाइन प्राप्त की जा रही हैं एवं तदुपरांत बैंक के सर्वर पर फाइल को सीधे अपलोड करते हुए कोयले की ई–नीलामी/स्क्रैप की ई–नीलामी के बोलीदाताओं को ईएमडी लौटायी जा रही है।

b. Seminar on CVC theme "My Vision-Corruption Free India", Concluding Ceremony and Prize distribution to winners of events organized during the week on 04.11.2017.

8. *Organization website* has been used to propagate the messages of CVC and encouraging citizens to take e-pledge.

9. *Stakeholders Meet* – 1. Grievance Redressal Camps organized with customers during the week at MSTC offices to redress their issue. 2. Customer feedback survey conducted in the camp.

10. *Integrity Pact Meeting* - A meeting on integrity pact was chaired by Shri Asok Kumar Sinha, Independent External Monitor (IEM), MSTC which was attended by CMD, Director (Finance), CVO and other senior officials held at the Head Office, MSTC, Kolkata on 04-11-2017.

✦ Preventive Vigilance/System Improvement

(a) MSTC has started procuring secondary items/materials such as office stationeries & consumables, computer peripherals through GEM portal.

(b) Purchases of items not offered through GEM portal are being procured through e-procurement portal.

(c) Techno-commercial and Price Bids are opened online and received from the bidders duly signed with digital signature certificate (DSC). Tender fee and Bid Guarantee/ EMD are being received through e-payment system.

(d) Bill Tracking System is being utilized for the purpose of display/status of pending bills of contractors on the portal.

(e) Applications for recruitment are being received online. Online examination introduced for recruitment to the entry level.

(f) Pre-bid EMD/EMD are being received online and subsequent refund of EMD to bidders of coal e-auctions/ scrap e-auctions through direct uploading of files on bank's server.

एमएसटीसी ने 11 जनवरी, 2018 को चौधुरी बीरेन्द्र सिंह, माननीय इस्पात मंत्री एवं श्री विष्णु देव साई, माननीय राज्य इस्पात मंत्री, सीएमडी, एमएसटीसी एवं अन्य महानुभावों की उपस्थिति में राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया।

MSTC organized National Hindi Congregation on 11th January, 2018 in presence of Chaudhary Birender Singh, Hon'ble Minister of Steel and Shri Vishnu Deo Sai, Hon'ble Minister of State for Steel, CMD, MSTC and other dignitaries.

इंडिया स्टील 2017 में ऑटो श्रेडिंग प्लांट पर सीएमडी, एमएसटीसी की प्रस्तुति।
Presentation by CMD, MSTC on Auto Shredding Plant at INDIA STEEL 2017.

छ) क्रय एवं सेवा संविदा नियमावली तैयार की गई।

ज) प्रभारी अधिकारी द्वारा प्रतिरक्षा के लिखित विवरण को जमा करने हेतु समयसीमा के निर्धारण द्वारा सीडीए के नियमों में संशोधन, जिससे अभिभावक(कों) द्वारा आईओ के समक्ष मांग-पत्र के प्राप्त होने के एक महीने के अंदर मांग-पत्र कागजात प्रदान किए गए और साथ ही नियुक्ति आदेश आदि के प्राप्त होने की तिथि से छह महीने की अवधि में आईओ द्वारा जाँच-पड़ताल का संचालन।

(i) बोली उपरांत चरण में लॉट की वस्तुस्थिति को बदलने हेतु सुपर एडमिन को दिए गए विशेषाधिकार का पुन: आकलन किया गया है।

✦ ***प्रणाली सुधार सुझाव*** : प्रणाली सुधार सुझाव संगठनात्मक कार्यकलापों के विभिन्न क्षेत्रों में किये गये है :

i. लेखा मैनुअल की समीक्षा।

ii. सविराम अंतराल पर जोखिम प्रबंधन नीति की समीक्षा

iii. ग्राहक के परिसर में पड़ी प्रतिभूत सामग्रियों के लिए स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा नियमित मात्रा एवं गुणवत्ता का आकलन।

iv. ठेकेदारों द्वारा जमा की गई बैंक गारंटी का यादृच्छिक आधार पर भौतिक सत्यापन।

v. विभिन्न विषयों जैसे कि बोलीदाताओं के पंजीकरण, सेलिंग एजेंसी एग्रीमेंट का नवीकरण ई-ऑक्शन सूची, ईएमडी की प्राप्ति, पूर्व-बोली ईएमडी करार, अनुमोदन के अधीन बोली की वैधता की निगरानी, लॉट्स का असंदिग्ध वर्गीकरण, स्वीकृति पत्र, डिलीवरी ऑर्डर आदि की प्रचालन विधि में बेहतर उपाय सुझाए गए।

(g) Purchase and Service Contract Manual formulated.

(h) Amendment of CDA Rules by prescribing timelines for submission of written statement of defense by the charged officer, providing requisitioned documents before the IO by the custodian(s) within one month of receipt of such requisition and also for conducting the inquiry by the IO within a period of six months from the date of receipt of appointment orders, etc.

(i) Privilege given to super admin for changing the status of the lot at post-bid stage has been reassessed.

✦ *System improvement suggestions*: System improvement suggestions were made in varied areas of organizational activities:

i. Review of Accounts Manual.

ii. Review of Risk Management Policy at intermittent intervals.

iii. Regular quantity and quality assessment by independent third party for pledged materials lying at customer's premises.

iv. Physical verification of Bank Guarantees submitted by the contractors at random basis.

v. Improvement suggested in the operation module in varied aspects such as registration of bidders, renewal of Selling Agency Agreements, e-auction catalogue, receipt of EMD, pre-bid EMD stipulation, monitoring the validity of bids under Subject to Approval, unambiguous categorization of lots, Acceptance Letter, Delivery Order, etc.

✦ **प्रणाली सुधार अध्ययन :** निम्नलिखित क्षेत्रों में अध्ययन किए गए :

क्रम अध्ययन के विषय

1. एमएसटीसी की अचल परिसंपत्ति का प्रबंधन
2. वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट की जाँच
3. एमएसटीसी की सीएसआर नीति एवं परियोजनाओं की निगरानी
4. एमएसटीसी की पदोन्नति एवं स्थानांतरण नीति
5. एनआईटी, बोली कागजातों आदि का मानकीकरण
6. एमएसटीसी में नियुक्ति प्रक्रिया
7. अनुचित विलंब के लिए ठेका प्रदान की निगरानी
8. ठेकेदारों को भुगतान
9. चक्रीय स्थानांतरण नीति
10. क्रय एवं सेवा ठेका मैनुअल

निदेशकों के दायित्वशीलता का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के प्रावधानों के अपेक्षानुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि :

वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय भारतीय लेखा मानकों (आइएनडीएएस) का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कार्रवाई की गई है वहाँ उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए हैं।

निदेशकों ने इस तरह की लेखा नीतियों को चुना है, जिनका बराबर अनुसरण किया है एवं इस तरह से निर्णय और प्राक्कलन तैयार किए हैं, जो युक्तिपूर्ण और तर्कसंगत हैं एवं जिनसे कंपनी तक के 31.03.2018 के कार्यकलापों एवं वित्त वर्ष 2017-18 के लिए कंपनी के लाभ की सही और सटीक तस्वीर प्रकट होती है।

निदेशकों ने कम्पनी की संपत्तियों की सुरक्षा हेतु एवं धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को रोकने व पता लगाने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्डों के अनुरक्षण हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान रखा है।

निदेशकों ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए जारी कारोबार के आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

✦ *System Improvement Studies* : Studies were taken in the following areas:

Sl. Subject of Study

1. Fixed Asset management of MSTC.
2. Examination of Audit Reports for the year 2014-15 and 2015-16.
3. CSR Policy of MSTC and monitoring of projects.
4. Promotion & Transfer Policy of MSTC.
5. Standardization of NITs, Bid Documents etc.
6. Recruitment process in MSTC.
7. Monitoring the award of contract for undue delay.
8. Payment to the contractors.
9. Rotational Transfer Policy
10. Purchase & Service Contract Manual.

Directors Responsibility Statement

As required under the provisions of Section 134(5) of the Companies Act, 2013, the Board of Directors state that:

In the preparation of the Annual Accounts the applicable Indian Accounting Standards (INDAS) have been followed along with proper explanation relating to material departures.

The Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company as at 31.03.2018 and of the profit of the Company for the financial year 2017-18.

The Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

The Directors have prepared the Annual Accounts for the year ended 31st March, 2018 on a going concern basis.

तिरुवनंतपुरम में 30 अगस्त, 2017 को एमएसटीसी के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन।
Inauguration of new Office premises of MSTC in Thiruvananthapuram on 30th August, 2017.

सीएमडी ने 9 अगस्त, 2017 को मुख्य सचिव, मेघालय सरकार से मुलाकात की।
CMD called on Chief Secretary, Govt. of Meghalaya on 9th August, 2017.

निदेशकों ने प्रयोज्य सभी कानूनी प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए उचित प्रणाली तैयार की है तथा इन सभी प्रणालियों ने उचित एवं प्रभावी ढंग से कार्य किया है।

निदेशकगण एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

श्री बी. बी. सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक) कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं। श्री बी. बी. सिंह फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) एवं महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. (एमएमआरपीएल) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। श्री ए.के. बसु फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) एवं महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. (एमएमआरपीएल) के निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं।

समीक्षाधीन वर्ष, के दौरान श्री सूरज भान एवं श्री सुनील बरथवाल कंपनी के निदेशक नहीं रहे हैं। उनके कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए बोर्ड ने अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती भानु कुमार दिनांक 10.10.2017 से निदेशक (वाणिज्यिक) नियुक्त की गईं।

डॉ. प्रमोदिता सतीश, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय एवं श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार क्रमश: दिनांक 15.06.2017 एवं 11.10.2017 को सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए थे।

श्री जी.आर. अलोरिया, भूतपूर्व मुख्य सचिव, गुजरात राज्य सरकार, डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन, सेवा निवृत्त शिक्षाविद दिनांक 06.09.2017 से कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए थे।

डॉ. आर. एस. येली, सेवा निवृत्त शिक्षाविद एवं श्रीमती प्रभाती परिदा, वकील एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिनांक 09.03.2018 से कंपनी के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए थे।

कंपनी ने सभी स्वतंत्र निदेशकगणों से आवश्यक घोषणा प्राप्त की है जो यह पुष्टि करती है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रयोज्य प्रावधानों एवं इसके अंतर्गत बने नियमों के तहत स्वतंत्र निदेशकों के लिए निर्धारित मानदंड को पूरा करते हैं।

एमएसटीसी एक सरकारी कंपनी होने के कारण निदेशकों की नियुक्ति एवं मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

आगामी वार्षिक साधारण बैठक (एजीएम) में नियुक्त किए जाने वाले प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त स्वरूप निगम अभिशासन रिपोर्ट खंड में दिया गया है।

इस रिपोर्ट की तिथि को कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) का विवरण निम्नवत है:

क्रम सं.	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	पदनाम
1.	श्री बी. बी. सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
2.	श्री ए. के. बसु	निदेशक (वित्त)
3.	श्रीमती भानु कुमार (10.10.2017 से प्रभावी)	निदेशक (वाणिज्यिक)
4.	श्री एस. के. राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव
5.	श्री अजय कुमार राय (27.07.2018 से प्रभावी)	कंपनी सचिव

The Directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

Directors & Key Managerial Personnel

Shri B.B. Singh, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) are whole time Directors of the Company. Shri B.B. Singh is also acting as Chairman of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) and Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL). Shri A. K. Basu is also acting as Director of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) and Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL).

During the year under review Shri Suraj Bhan and Shri Sunil Barthwal ceased to be the Directors of the Company. The Board places on its record their sincere gratitude for the valuable guidance and support rendered by them during their tenure.

Smt. Bhanu Kumar, was appointed as Director (Commercial) w.e.f 10.10.2017.

Dr. Promodita Sathish, Economic Advisor, Ministry of Steel and Smt. Ruchika Chaudhry Govil, Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India were appointed as Government Nominee Director w.e.f. 15.06.2017 and 11.10.2017 respectively.

Shri G. R. Aloria, Ex Chief Secretary, State Govt. of Gujarat, Dr. T. V. Muralivallabhan, retired academician were appointed as Independent Directors on the Board of the Company w.e.f 06.09.2017.

Dr. R. S. Yeli, retired academician and Smt. Pravati Parida, advocate and social activist were also appointed as Independent Directors on the Board of the Company w.e.f. 09.03.2018.

The Company has received the necessary declaration from all the Independent Directors confirming that they meet the criteria prescribed for Independent Directors under the applicable provisions of the Companies Act, 2013 and rules made thereunder.

MSTC being a Government Company, the appointment and evaluation of directors are done by Administrative Ministry.

A brief profile of the Directors proposed to be appointed at the ensuing AGM is provided in the Corporate Governance report section.

The details of the Key Managerial Personnel of the Company as on the date of this report are as follows;

Sl No.	KMP	Designation
1.	Shri B.B. Singh	Chairman-cum-Managing Director
2.	Shri A.K. Basu	Director (Finance)
3.	Smt. Bhanu Kumar (w.e.f. 10.10.2017)	Director (Commercial)
4.	Shri S. K. Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary
5.	Shri Ajay Kumar Rai (w.e.f. 27.07.2018)	Company Secretary

संबंधित पार्टी के लेनदेन

वित्तीय वर्ष के दौरान सभी संबंधित पार्टी के लेनदेन जो दर्ज हुए थे, वे असंबंधित पक्ष के आधार पर थे एवं व्यवसाय के सामान्य क्रम में रहे थे। अतएव, कंपनी अधिनियम 2013 में संशोधन के अनुसार धारा 188 का प्रावधान लागू नहीं है। इसलिए फॉर्म एओसी- 2 में प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं पड़ी है। इसके अलावा, निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) या अन्य निर्दिष्ट व्यक्तियों के साथ कोई संबंधित पार्टी के लेनदेन नहीं हुए थे, जिनका कंपनी के हित पर कोई संभावी संघर्ष हो सकता है।

संबंधित पक्ष के सारे लेनदेन अनुमोदन के लिए लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखे गए हैं।

नैगमिक सामाजिक दायित्व

सामाजिक विकास के लिए कंपनी गंभीर रूप से प्रतिबद्ध है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार तथा डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी की एक सीएसआर समिति है, जो सरकार के दिशानिर्देशों तथा कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार कार्य करती है। कंपनी की सीएसआर नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है एवं यह कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

कंपनी (निगमित सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 8 के अंतर्गत आवश्यक निगमित सामाजिक दायित्व पर वार्षिक रिपोर्ट अनुलग्नक IV के रूप में संलग्न है।

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय अनुपालन में नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम 2014 के नियम 9 के अनुसार श्री सौम्या ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव को वर्ष 2017-18 के लिए कंपनी के सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। सचिवीय लेखा परीक्षक की निर्धारित रिपोर्ट इस रिपोर्ट के अनुलग्नक V के रूप में संलग्न है।

लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने मेसर्स डी. के. छाजर एण्ड कं., सनदी लेखापाल को वर्ष 2017-18 हेतु कंपनी का वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्ति किया। लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट कंपनी के वार्षिक लेखों के साथ संलग्न है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणी/अवलोकन पर प्रबंधन के प्रत्युत्तर निदेशकों की रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक VI के साथ दिए गए हैं।

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कैग) के मत

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ख) के अनुसरण में कंपनी के वार्षिक लेखे पर कैग के मत निदेशक मंडल की रिपोर्ट का भाग माना जाएगा।

बोर्ड की बैठकों की संख्या

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बोर्ड की पाँच बैठकें हुई। वर्ष 2017-18 के दौरान आयोजित निदेशक मंडल की बैठकों की संख्या का विवरण निगम अभिशासन रिपोर्ट का भाग माना जाएगा।

Related Party Transactions

All Related Party Transactions that were entered into during the financial year were on an arm's length basis and were in the ordinary course of business. Hence, the provision of section 188 in the Companies Act, 2013, as amended are not attracted. Thus disclosures in Form AOC-2 are not required. Further there are no related party transactions with the directors and KMP or other designated persons, which may have a potential conflict with the interest of the Company.

All Related Party Transactions are placed before the Audit Committee for approval.

Corporate Social Responsibility

The Company is seriously committed to social upliftment. In line with the Companies Act, 2013 and also DPE guidelines, the Company has a CSR Committee which functions as per the Govt. guidelines and the Company CSR policy. The CSR Policy of the Company has been approved by the Board and is hosted on the website of the Company.

Annual Report on Corporate Social Responsibility as required under Rule 8 Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 is placed as Annexure IV.

Secretarial Audit

In compliance with Section 204(1) of the Companies Act, 2013 and Rule 9 of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014, Shri Saumayo Jyoti Seal, practicing Company Secretary has been appointed as the Secretarial Auditor for the year 2017-18. The Report of the Secretarial Auditor as prescribed is enclosed as Annexure V to this report.

Auditors

Pursuant to Section 139 of the Companies Act, 2013, the Comptroller and Auditor General of India, has appointed M/s. D. K. Chhajer & Co, Chartered Accountants, as Statutory Auditors of the Company for the year 2017-18. The report of the Auditors is attached to the Annual Accounts of the Company. Management replies on the comments/ observations of the Auditors are placed at Annexure VI to the Board's Report.

Comments by the Comptroller and Auditor General of India (CAG)

The comments of the CAG on the Annual Accounts of the Company in terms of Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013, shall be deemed as part of the Board's Report.

Number of Meetings of the Board

The Board met five times during the FY 2017-18. The details of the number of the meetings of the Board of Directors held during the year 2017-18 form a part of the Corporate Governance Report.

निदेशकों की अयोग्यता

अधिनियम की धारा 164(2) एवं कंपनी (निदेशकों की नियुक्ति एवं योग्यता) नियम, 2014 के नियम 14(1) के अनुसार, सभी निदेशकों ने सूचित किया है कि वे निदेशक होने की किसी भी अयोग्यता से मुक्त हैं।

निदेशकों द्वारा हित की सूचना

अधिनियम की धारा 184(1) एवं कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं इसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 9(1) के अनुसरण में, सभी निदेशकों ने निदेशक द्वारा हित की सूचना प्रदान की है।

बोर्ड की समितियाँ

एमएसटीसी ने बोर्ड की चार समितियों अर्थात लेखा परीक्षा समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति और शेयर अंतरण समिति का गठन किया है।

लेखा परीक्षा समिति

लेखा परीक्षा समिति में अध्यक्ष के रूप में श्री जी. आर. अलोरिया, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन, स्वतंत्र निदेशक एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकारी – नामित निदेशक शामिल हैं।

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 एवं कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं इसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 6 अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति अपेक्षित है। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते निदेशक का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति में अध्यक्ष के रूप में श्री जी. आर. अलोरिया, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन, स्वतंत्र निदेशक एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकारी, नामित निदेशक शामिल हैं।

निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति

कंपनी (सीएसआर नीति) नियम 2014 के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 135(1) के अनुपालन में, कंपनी ने अध्यक्ष के रूप में डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकारी नामित निदेशक के साथ सीएसआर समिति का गठन किया था।

शेयर अंतरण समिति

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने की वजह से अधिनियम की धारा 178(5) के अधीन स्टेकधारक संबंध समिति का गठन कंपनी के लिए लागू नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण समिति का गठन सदस्य के रूप में श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक) के साथ किया गया है।

बोर्ड रिपोर्ट के अंश निगमित अभिशासन भाग में उपरोक्त समितियों का विवरण दिया गया है।

Disqualification of Directors

Pursuant to Section 164(2) of the Act and Rule 14(1) of Companies (Appointment and Qualification of Directors) Rules, 2014, all the Directors have intimated that, they stand free from any disqualification from being a Director.

Notice of Interest by the Directors

Pursuant to Section 184(1) of the Act and Rule 9(1) of the Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules, 2014, all the Directors have given Notice of Interest by the Director.

Committees of the Board

MSTC has constituted four committees of the Board viz., Audit Committee, Nomination and Remuneration Committee, Corporate Social Responsibility (CSR) Committee and Share Transfer Committee.

Audit Committee

The Audit Committee comprises of Shri G. R. Aloria, Independent Director, as Chairman, Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

Nomination and Remuneration Committee

Pursuant to Section 178 of the Companies Act, 2013, read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014, the Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. of India Company, the nomination/appointment of Director is made by the Govt. of India. The Nomination and Remuneration Committee constitutes of Shri G. R. Aloria, Independent Director, as Chairman, Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

Corporate Social Responsibility (CSR) Committee

In compliance of Section 135(1) of the Act, read with Rule 5 of the Companies (CSR Policy) Rules 2014, the Company had constituted the CSR Committee of the Board with Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director as Chairman, Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

Share Transfer Committee

Constitution of the Stakeholder's Relationship Committee as provided under Section 178(5) of the Act, do not apply to the Company as the number of shareholders are below one thousand. However, the Share Transfer Committee is in place with Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) as members.

Details of the above Committees are provided under corporate governance section forming part of the Board's Report.

सहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यम

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड कंपनी की 100% सहायक कंपनी है। दो वर्षों का परिचालन परिणाम नीचे दिया जा रहा है :-

(₹ लाख में)

	2017-18	2016-17
कुल राजस्व	34,030	32,830
कर पूर्व लाभ/(हानि)	1,304	3,622
करोपरांत लाभ/(हानि)	807	2,375

कंपनी (लेखा) नियम के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 129(3) के अनुसार फॉर्म एओसी-1 में सहायक कंपनी से संबंधित विस्तृत जानकारी वार्षिक रिपोर्ट का भाग है।

महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि.

एमएसटीसी ने महिन्द्रा इंटरट्रेड लिमिटेड के साथ जेवीए की है एवं ''महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि.'' के रूप में एक संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया है।

समेकित वित्तीय परिणाम

कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों एवं भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार, आपके निगम ने समूह, इसकी सहायिकाओं एवं संयुक्त उद्यम के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार किया है एवं आपकी कंपनी की रिपोर्ट के साथ संलग्न किया है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन एवं वचनबद्धताएँ, यदि कोई है

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भौतिक परिवर्तन एवं वचनबद्धताएँ नहीं हैं जो 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष एवं बोर्ड की रिपोर्ट की तिथि के बीच घटी हैं।

नियामकों, अदालतों एवं न्यायाधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण एवं भौतिक आदेश का विवरण

नियामकों, अदालतों एवं न्यायाधिकरणों द्वारा कोई महत्वपूर्ण एवं भौतिक आदेश पारित नहीं हुआ है, जो चालू संस्था की वस्तुस्थिति एवं भविष्य में कंपनी के प्रचालन को प्रभावित करें।

ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों एवं इसके अधीन बने नियमों के अंतर्गत शामिल ऋण, गारंटी एवं निवेश के विवरण वित्तीय विवरणियों की टिप्पणियों में दिए गए हैं।

सार्वजनिक जमा

आपकी कंपनी ने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

डीपीई अनुदेशों एवं नीतियों का अनुपालन

लोक उद्यम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों एवं नीतियों का यथा पालन आपकी कंपनी द्वारा किया गया है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

आपके निगम ने भारतीय कंपनी सचिव (आईसीएसआई) द्वारा जारी लागू सचिवीय मानकों का पालन किया है।

Subsidiary Company and Joint Venture

Ferro Scrap Nigam Limited

Ferro Scrap Nigam Limited is the 100% Subsidiary of the Company. The Operational result of two years is given below:

(₹ in lakh)

	2017-18	2016-17
Total Revenue	34,030	32,830
Profit/(Loss) Before Tax	1,304	3,622
Profit/(Loss) After Tax	807	2,375

The detailed information relating to the subsidiary Company in form AOC-1 in compliance of Section 129(3) of the Companies Act, read with Rule 5 of Companies (Accounts) Rules forms part of Annual Report.

Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd

MSTC had entered into JVA with Mahindra Intertrade Limited and formed a Joint Venture Company “Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd.”.

Consolidated Financial Results

In accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India, your Corporation has prepared the Consolidated Financial Statement for the group, including its subsidiary and joint venture and attached with your Companies report.

Material Changes and Commitments, if any, affecting the Financial Position of the Company

There are no material changes and commitments affecting the financial position of the Company that have occurred between the close of the financial year ended 31st March 2018 and the date of Board’s Report.

Details of Significant and material order passed by the Regulators, Courts and Tribunals

No significant and material orders has been passed by the Regulators, Courts and Tribunals impacting the going concern status and the Company’s operation in future.

Particulars of Loans, Guarantees or Investments

Details of loan, Guarantees and Investments covered under the provisions of Section 186 of the Companies Act, 2013 and Rules made thereunder are given in the notes to the financial statements.

Public Deposits

Your company has not accepted any deposits under the Companies Act, 2013 during the financial year ended 31st March, 2018.

Compliance of DPE Guidelines and Policies

The guidelines and policies issued by the Department of Public Enterprise from time to time are duly complied with by the Company.

Compliance with Secretarial Standards

Your Corporation complies with the applicable Secretarial Standards issued by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI).

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

आपकी कंपनी के पास निर्धारित नीतियों के अनुपालन में इसके व्यवसाय के कुशल संचालन, इसकी परिसंपत्तियों की सलामती, धोखाधड़ी एवं त्रुटि की रोकथाम एवं पता लगाने, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता एवं संपूर्णता, तथा यथा समय विश्वसनीय वित्तीय सूचना प्रस्तुत करने की सुनिश्चितता हेतु पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की व्यवस्था है जो निगम के प्रचालनों के अनुरूप है।

मेसर्स एम. सी. भंडारी एण्ड कं., सनदी लेखापाल वर्ष के लिए कंपनी के आंतरिक लेखापरीक्षक थे एवं उनकी रिपोर्ट नियमित अंतराल पर प्रबंधन के समक्ष रखी जाती है और महत्वपूर्ण मसलों का सारबद्ध विवरण लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखा जाता है।

आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए मूल्यवान सहयोग एवं मार्ग दर्शन के लिए माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय इस्पात राज्य मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारियों, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नागरिक एवं विमानन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय एव विभिन्न अन्य केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केंद्र एवं राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रिंसिपल एवं अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। निदेशकगण अपने सभी स्टेकधारकों या हितधारकों, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा साल-दर-साल कंपनी के प्रति दिखाए गए भरोसे एवं विश्वास के लिए उनके आभारी हैं।

आपके निदेशकगण, कर्मचारियों की लगनशीलता और परिश्रम की भी हार्दिक सराहना करते हैं, जिसकी बदौलत कंपनी का उत्कृष्ट कार्य-निष्पादन सुनिश्चित हुआ है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

(बी. बी. सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Internal Financial Controls

Your Corporation has put in place adequate internal financial controls for ensuring the efficient conduct of its business in adherence with laid-down policies; the safeguarding of its assets; the prevention and detection of frauds and errors; the accuracy and completeness of the accounting records; and the timely preparation of reliable financial information, which is commensurate with the operations of the Corporation.

M/s. M.C. Bhandari & Co., Chartered Accountants was the Internal Auditor of the Company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee.

Acknowledgement

The Board of Directors wish to place on record their gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Hon'ble State Minister for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry, Mining Ministry, Civil & Aviation, Petroleum, Natural Gas Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central and State Public Sector Undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to all stake holders, customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by the employees which has resulted in excellent performance of the Company.

For & on behalf of the Board of Directors

(B.B. Singh)

Chairman-cum-Managing Director

वर्ष 2017-18 के लिए एमएसटीसी लिमिटेड को ''इस्पात राजभाषा विशिष्ट सम्मान'' प्रदान किया गया

MSTC Limited conferred with the "Ispat Rajbhasa Special Award" for the year 2017-18

एमएसटीसी में स्वच्छ भारत अभियान के दौरान 15 सितंबर से 05 अक्टूबर 2017 तक स्वच्छता कार्यक्रम

A Swachhata programme held at MSTC during the Swachh Bharat Drive from 15th September to 5th October 2017

अनुलग्नक : I

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समाविष्ट, विदेशी विनिमय आय एवं खर्चों का विवरण।

ऊर्जा संरक्षण तथा तकनीकी समाविष्ट

कंपनी ने अपने सर्वर को नवीनतम आईपीवी6 में उन्नत किया है जिसमें काफी कम मात्रा में विद्युत की खपत होती है एवं ऊर्जा का संरक्षण होता है। सूचना प्रौद्योगिकी उन्मुखी कंपनी होने के नाते, तकनीकी सुधार एमएसटीसी में एक नियमित प्रक्रिया है तथा आपकी कंपनी द्वारा इस लक्ष्य को पूरी तरह से हासिल किया गया है।

विदेशी मुद्रा आय एवं खर्च

वर्ष 2016-17 के ₹ 1,92,251 लाख की तुलना में वर्ष 2017-18 के दौरान सामानों एवं अन्य के आयात हेतु कुल विदेशी मुद्रा व्यय ₹ 2,25,303 लाख था। कंपनी ने वर्ष 2017-18 के दौरान विदेशी मुद्रा में ₹ 1.00 लाख अर्जित की है। विगत वर्ष अर्थात 2016-17 में विदेशी मुद्रा की आय ₹ 1.00 लाख थी।

अनुलग्नक : II

निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन पर एमएसटीसी की नीति

कंपनी के उद्देश्यों को हासिल करने का वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रभावशाली निगमित अभिशासन के अभ्यास आपकी कंपनी के बुनियादी प्रबंधन सिद्धांत रहे हैं।

स्टेकधारकों द्वारा कंपनी के प्रबंधन पर जताए गए भरोसे को बरकरार रखने के उद्देश्य से एमएसटीसी अपने प्रबंधन के हर स्तर पर पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के लिए संपूर्ण प्रयत्नशील रहता है।

Annexure: I

Annexure to Board's Report

Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per Section 134 of the Companies Act, 2013, as read with Rule 8(3) of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

Conservation of Energy and Technology Absorption

The Company has upgraded its Server to the latest IPV6 which consumes much less electrical power and conserves energy. Being IT oriented Company technological upgradation is a continuous process in MSTC and has been fully achieved by your Company.

Foreign Exchange Earnings & Outgo

The total foreign exchange outgo during the year 2**017-18** for import of goods and others was ₹ **2,25,303 lakh** as against ₹ **1,92,251 lakh** in the year **2016-17**. The Company has earned ₹ **1.00 lakh** in foreign exchange during the year **2017-18**. In the previous year i.e. **2016-17**, the foreign exchange earning was ₹ **1.00 lakh**.

Annexure: II

Corporate Governance

MSTC's Policy on Corporate Governance

Effective corporate governance practices to provide for an environment in achieving the objectives of the Company have been the basic management philosophy of your Company.

All out efforts are made for transparency and integrity at all levels of management in order to retain confidence reposed in its management by the stakeholders.

एमएसटीसी व्यवसाय के दौरान उच्च मूल्य मानदंड, मूल्य प्रतिबद्धता, पारदर्शिता तथा वाणिज्यिक संविदाओं के बीच उचित तत्परता एवं सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के अनुसरण की अभिलाषा रखता है। केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए निगमित अभिशासन पर मई, 2010 में जो दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अनुपालन वर्ष 2017-18 में किया गया तथा भविष्य में भी किया जाएगा।

निदेशक मंडल

निदेशक मंडल का गठन

एमएसटीसी के बोर्ड में कार्यपालक (पूर्णकालिक निदेशक) एवं गैर-कार्यपालक निदेशक (जिसमें शामिल हैं स्वतंत्र निदेशकगण एवं सरकारी नामित निदेशकगण) शामिल हैं। स्वतंत्र निदेशक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं जिनके पास अर्थव्यवस्था, प्रशासन आदि के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है।

31 मार्च, 2018 के अनुसार, एमएसटीसी के निदेशक मंडल में 9 निदेशक हैं जिनमें 3 कार्यपालक निदेशक (पूर्णकालिक निदेशक) एवं 6 गैर-कार्यपालक निदेशक शामिल हैं, जिनमें से 4 स्वतंत्र निदेशक एवं 2 सरकारी के नामित निदेशक हैं।

एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में वर्तमान में शामिल हैं श्री बी. बी. सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक), जो पूर्णकालिक निदेशक हैं। श्री बी.बी. सिंह फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) एवं महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. (एमएमआरपीएल) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। श्री ए.के. बसु भी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) एवं महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. (एमएमआरपीएल) के निदेशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्री, भारत सरकार एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, सरकारी नामित निदेशक हैं। श्री जी.आर. अलोरिया भूतपूर्व मुख्य सचिव, गुजरात राज्य सरकार, डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन एवं डॉ. आर.एस. येलि, सेवा निवृत्त शिक्षाविद एवं श्रीमती प्रभाती परिदा, वकील एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिनांक 31.3.2018 के अनुसार निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक हैं।

नव नियुक्त निदेशकों का संक्षिप्त परिचय

पूर्णकालिक निदेशकगण

वर्ष के दौरान, श्रीमती भानु कुमार, पूर्व में महाप्रबंधक, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय, एमएसटीसी दिनांक 10.10.2017 से कंपनी की निदेशक (वाणिज्यिक) नियुक्त की गई हैं।

सरकार नामित निदेशक

वर्ष के दौरान, श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार को दिनांक 11.10.2017 से श्री सुनील बरथवाल, पूर्व में संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान में सरकारी नामित निदेशक नियुक्त किया गया है। डॉ. प्रमोदिता सतीश, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार को दिनांक 15.06.2017 से श्री सूरज भान, पूर्व में आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान में सरकार की ओर से नामित निदेशक नियुक्त किया गया है।

MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency, conduct due diligence in commercial contracts and follows best governing practices. The guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises as issued on May 2010, have been complied with in the year 2017-18 and shall be complied with in future also.

Board of Directors

Composition of Board of Directors

The Board of MSTC comprises of combination of Executive (Whole Time Directors) and Non-Executive Directors (Which includes Independent Directors and Government Nominee Directors). Independent Directors are eminent persons having vast experience in the field of economics, administration etc.

As on 31st March, 2018, the Board of MSTC comprises of 9 Directors which includes 3 Executive Directors (Whole-Time Directors) and 6 Non–Executive Directors, out of which 4 are Independent Directors and 2 are Government Nominee Directors.

The Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri B. B. Singh, Chairman-cum-Managing Director, Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial), who are whole time Directors. Shri B. B. Singh is also acting as Chairman of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) and Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL). Shri A. K. Basu is also acting as Director of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) and Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL). Smt. Ruchika Chaudhry Govil, Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India and Dr. Promodita Sathish, Economic Advisor, Ministry of Steel, Govt. of India are Government nominee Directors. Shri G. R. Aloria, Ex Chief Secretary, State Govt. of Gujarat, Dr. T. V. Muralivallabhan & Dr. R. S. Yeli, retired academicians and Smt. Pravati Parida, Advocate and social activist are Independent Directors on the Board as on 31.3.2018.

Brief information of the newly appointed Directors

Whole time Directors

During the year, Smt. Bhanu Kumar, erstwhile General Manager, Northern Regional Office, MSTC has been appointed as Director (Commercial) of the Company w.e.f. 10.10.2017.

Govt. Nominee Directors

During the year, Smt. Ruchika Chaudhry Govil, Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India has been appointed as Govt. Nominee Director in place of Shri Sunil Barthwal, erstwhile Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India w.e.f. 11.10.2017. Dr. Promodita Sathish, Economic Adviser, Ministry of Steel, Govt. of India has been appointed as Govt. Nominee Director in place of Shri Suraj Bhan, erstwhile Economic Adviser, Ministry of Steel, Govt. of India w.e.f. 15.06.2017.

कोलकाता प्रधान कार्यालय में 31 अक्टूबर, 2017 को एमएसटीसी के निदेशकों, कार्यपालकों एवं कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।
Rashtriya Ekta Diwas - National Unity Day celebrated on 31st October, 2017 with the Directors, executives and employees of MSTC at Kolkata Head Office.

कोलकाता में दिनांक 21.09.2017 को एमएसटीसी लिमिटेड की 52वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन।
52nd Annual General Meeting of MSTC Limited held at Kolkata on 21.09.2017.

स्वतंत्र निदेशक

वर्ष के दौरान, श्री जी.आर. अलोरिया, भूतपूर्व मुख्य सचिव, गुजरात राज्य सरकार एवं डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन सेवानिवृत्त शिक्षाविद दिनांक 06.09.2017 से निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए हैं। डॉ. आर.एस. येली, सेवानिवृत्त शिक्षाविद एवं श्रीमती प्रभाती परिदा, वकील एवं सामाजिक कार्यकर्ता दिनांक 09.03.2018 से निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किए गए हैं।

निदेशकों को पारिश्रमिक

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं अन्य पूर्णकालिक निदेशक, पूर्णकालिक नियुक्ति में होने के कारण, भारत सरकार द्वारा जारी नियुक्ति की शर्तों के अनुसार पारिश्रमिक पाने के अधिकारी हैं। नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप पूर्णकालिक निदेशकों को देय निष्पादन संबंधित भुगतान निर्धारित करती है।

Independent Directors

During the year, Shri G. R. Aloria, Ex Chief Secretary, State Govt. of Gujarat and Dr. T. V. Muralivallabhan, retired academician, have been appointed as Independent Directors on the Board w.e.f. 06.09.2017. Dr. R. S. Yeli, retired academician and Smt. Pravati Parida, Advocate and social activist have been appointed as Independent Directors on the Board w.e.f. 09.03.2018.

Remuneration to the Directors

CMD, and other whole time Directors, being in whole time employment, are entitled to remuneration as per the terms of the appointment issued by the Govt. of India. The Nomination and Remuneration Committee determines the Performance Related Pay payable to whole time Directors in line with the Govt. guidelines.

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान पूर्णकालिक निदेशकों को भुगतान किया गया पारिश्रमिक निम्नानुसार है :

The Remuneration paid to the Whole Time Directors during the financial year 2017-18 is as under :

क्रम सं. सं. **Sl no.**	नाम **Name**	पदनाम **Designation**	वेतन, प्रोत्साहन एवं भत्ते **Salaries,Incentive & Allowances**	रोजगार पश्चात लाभ **Post-Employment Benefit**	अन्य दीर्घमियादी लाभ **Other Long term Benefit**	राशि ₹ में कुल **Amount in ₹ Total**
1	श्री बी. बी. सिंह Shri B.B.Singh	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक Chairman-cum-Managing Director	4200000	1000000	900000	6100000
2.	श्री ए. के. बसु Shri A.K. Basu	निदेशक (वित्त) Director (Finance)	4000000	1000000	400000	5400000
3.	श्रीमती भानु कुमार Smt. Bhanu Kumar	निदेशक (वाणिज्य) Director (Commercial)	1200000	900000	700000	2800000

स्वतंत्र निदेशक बोर्ड और समिति बैठकों में उपस्थित होने के लिए बैठक शुल्क के अलावा कोई अन्य पारिश्रमिक पाने के अधिकारी नहीं हैं। बैठक शुल्क सरकार के नामित निदेशकों को नहीं दिया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान किए गए बैठक शुल्क का विवरण निम्नवत है :

क्रम सं.	नाम	राशि ₹ में
1.	श्री जी. आर. अलोरिया **	1,05,000
2	डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन **	1,65,000
3.	डॉ. आर.एस. येली *	---
4.	श्रीमती प्रभाती परिदा*	---

** दिनांक 06.09.2017 से प्रभावी

* दिनांक 09.03.2018 से प्रभावी

बोर्ड की बैठकें

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, बोर्ड की 5 बैठकें हुई थीं। बोर्ड की बैठकों की तिथि काफी पहले से तय की गई थी एवं निदेशक मंडल के सदस्यों को सूचित की गई थी ताकि निदेशकगण इसी अनुसार अपनी योजना तैयार कर सकें। मसौदे के कागजात बैठक से काफी पूर्व निदेशकों को भेज दिए गए थे। तथापि, बोर्ड की बैठक में अध्यक्ष के अनुमोदन एवं निदेशकों की सहमति से कुछ प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए थे। अन्य बातों के साथ-साथ निदेशक मंडल के समक्ष निम्नलिखित मसौदे रखे गए थे :

- वार्षिक प्रचालन योजनाएँ एवं बजट और कोई अद्यतन।
- पूँजी बजट और कोई अद्यतन।
- कंपनी और इसके प्रचालन-विभागों या व्यवसाय खंडों के लिए वित्तीय परिणाम।
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति एवं अन्य समितियों की बैठकों के विवरण।
- निदेशक मंडल से ठीक नीचे स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक पर सूचना जिसमें मुख्य वित्तीय अधिकारी एवं कंपनी सचिव की नियुक्ति या बरखास्तगी शामिल है।
- कारण बताओ, मांग अभियोजन सूचनाएँ एवं दंड सूचनाएँ जो भौतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं।
- घातक या गंभीर दुर्घटनाएँ, खतरनाक घटनाएँ, कोई महत्त्वपूर्ण बहि:स्रावी या प्रदूषण समस्याएँ।
- कंपनी को एवं कंपनी के द्वारा वित्तीय दायित्वों में कोई भौतिक चूक, या कंपनी द्वारा बेची गई वस्तुओं के लिए पर्याप्त रूप से गैर-भुगतान।
- कोई मसला जिसमें वास्तविक प्रकृति के संभावी सार्वजनिक या उत्पाद देयता के दावे हैं, जिसमें कोई निर्णय या आदेश शामिल है, जिससे कंपनी के संचालन पर बाध्यताएँ पारित हुई हों या अन्य उद्यमों के विषय में प्रतिकूल दृष्टिकोण लिए गए हों, जिनका कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

The Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees for attending Board and Committee Meetings. Sitting fees are not given to Government nominee Directors

Details of sitting fees paid to Independent Directors during the financial year 2017-18 are:

Sl No.	Name	Amount in ₹
1.	Shri G. R. Aloria **	1,05,000
2	Dr. T. V. Muralivallabhan **	1,65,000
3.	Dr. R. S. Yeli *	---
4.	Smt. Pravati Parida*	---

** w.e.f. 06.09.2017

* w.e.f. 09.03.2018

Board Meetings

During the financial year 2017-18, 5 Board meetings were held. The dates of Board meeting are fixed well in advance and intimated to the Board members so as to enable the directors to plan their schedule accordingly. The Agenda papers are circulated to the Directors well in advance before the meeting. However, certain important proposals are also tabled at the Board meeting with the approval of the Chairman and consent of Directors. The agenda placed before the Board inter-alia includes the following;

- Annual operating plans and budgets and any updates.
- Capital budgets and any updates.
- Financial results for the Company and its operating divisions or business segments.
- Minutes of meetings of Audit committee and other committees of the Board.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the Board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.
- Show cause, demand prosecution notices and penalty notices which are materially important.
- Fatal or serious accidents, dangerous occurrences, any material effluent or pollution problems.
- Any material default in financial obligations to and by the Company, or substantial non-payment for goods sold by the Company.
- Any issue, which involves possible public or product liability claims of substantial nature, including any judgment or order which, may have passed strictures on the conduct of the Company or taken an adverse view regarding other enterprises that can have negative implications on the Company.

- किसी संयुक्त उद्यम या सहयोग अनुबंध का विवरण।
- लेनेदेन जिसमें साख, ब्राण्ड, इक्विटी, या बौद्धिक संपत्ति बाबत उल्लेखनीय भुगतान शामिल है।
- महत्वपूर्ण श्रम समस्याएँ एवं उनके प्रस्तावित समाधान। मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध मोर्चे में कोई महत्वपूर्ण विकास जैसे कि मजदूरी अनुबंध पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का कार्यान्वयन आदि।
- भौतिक प्रकृति के निवेश, सहायिकाओं, परिसंपत्तियों की बिक्री, जो व्यवसाय के सामान्य क्रम में नहीं हैं।
- विदेशी मुद्रा उपस्थिति का विवरण एवं प्रतिकूल मुद्रा दर संचलन, यदि भौतिक है, के जोखिमों को कम करने में प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम।
- कोई नियामक, सांविधिक आवश्यकताओं और शेयरधारक की सेवाओं का गैर–अनुपालन जैसे कि लाभांश का भुगतान नहीं, शेयर अंतरण में विलंब, आदि।

निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2017-18 में आयोजित एमएसटीसी लि. की बोर्ड बैठकों के दौरान निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड।

बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री बी.बी. सिंह	श्री ए.के. बसु	श्रीमती भानु कुमार
275	19.05.2017	उप	उप	X
276	28.07.2017	उप	उप	X
277	08.11.2017	उप	उप	उप
278	12.12.2017	उप	अनु	उप
279	06.02.2018	उप	उप	उप

बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड बैठक की तिथि	श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल	डॉ. प्रमोदिता सतीश	श्री जी.आर. अलोरिया
275	19.05.2017	X	X	X
276	28.07.2017	X	उप	X
277	08.11.2017	उप	उप	उप
278	12.12.2017	उप	उप	उप
279	06.02.2018	उप	अनु	उप

बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड बैठक की तिथि	डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन	डॉ. आर.एस. येली	श्रीमती प्रभाती परिदा
275	19.05.2017	X	X	X
276	28.07.2017	X	X	X
277	08.11.2017	उप	X	X
278	12.12.2017	उप	X	X
279	06.02.2018	उप	X	X

- Details of any joint venture or collaboration agreement.
- Transactions that involve substantial payment towards goodwill, brand equity, or intellectual property.
- Significant labour problems and their proposed solutions. Any significant development in Human Resources/ Industrial Relations front like signing of wage agreement, implementation of Voluntary Retirement Scheme, etc.
- Sale of material nature, of investments, subsidiaries, assets, which is not in normal course of business.
- Details of foreign exchange exposures and the steps taken by management to limit the risks of adverse exchange rate movement, if material.
- Non-compliance of any regulatory, statutory requirements and shareholders service such as non-payment of dividend, delay in share transfer, etc.

Directors' Attendance Record

Record of Attendance of the Directors during the Board Meetings of MSTC Ltd. held in the F.Y. 2017-18.

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri B.B. Singh	Shri A.K. Basu	Smt. Bhanu Kumar
275	19.05.2017	P	P	X
276	28.07.2017	P	P	X
277	08.11.2017	P	P	P
278	12.12.2017	P	A	P
279	06.02.2018	P	P	P

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Smt. Ruchika Chaudhry Govil	Dr. Promodita Sathish	Shri G. R. Aloria
275	19.05.2017	X	X	X
276	28.07.2017	X	P	X
277	08.11.2017	P	P	P
278	12.12.2017	P	P	P
279	06.02.2018	P	A	P

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Dr. T. V. Muralivallabhan	Dr. R. S. Yeli	Smt. Pravati Parida
275	19.05.2017	X	X	X
276	28.07.2017	X	X	X
277	08.11.2017	P	X	X
278	12.12.2017	P	X	X
279	06.02.2018	P	X	X

बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड बैठक की तिथि	श्री सुनील बरथवाल 10.10.17 तक	श्री सूरज भान 14.06.17 तक
275	19.05.2017	उप	उप
276	28.07.2017	उप	X
277	08.11.2017	X	X
278	12.12.2017	X	X
279	06.02.2018	X	X

उप – उपस्थित, अनु – अनुपस्थित एवं X – कार्यालय में नहीं

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं भारत के राष्ट्रपति के नामित के अलावा, कोई अन्य निदेशक 21 सितम्बर, 2017 को आयोजित अंतिम वार्षिक साधारण बैठक में उपस्थित नहीं हुए थे।

हमारे निदेशकों द्वारा धारित निदेशक पद

श्री बी.बी. सिंह, सीएमडी, एमएसटीसी महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (एमएमआरपीएल) एवं फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) के भी अध्यक्ष पद पर हैं। श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त) एमएमआरपीएल एवं एफएसएनएल में भी निदेशक हैं। श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल, सरकार की नामित निदेशक, राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) एवं दिल्ली जिमखाना क्लब लिमिटेड में भी निदेशक हैं। श्रीमती प्रभाती परिदा, स्वतंत्र निदेशक, प्राचुर्य इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. की भी निदेशक हैं।

बोर्ड की समितियाँ

एमएसटीसी ने बोर्ड की चार समितियों अर्थात लेखा परीक्षा समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति एवं शेयर अंतरण समिति का गठन किया है।

Board Meeting No.	Board Meeting Date	Shri Sunil Barthwal Upto 10.10.17	Shri Suraj Bhan Upto 14.06.17
275	19.05.2017	P	P
276	28.07.2017	P	X
277	08.11.2017	X	X
278	12.12.2017	X	X
279	06.02.2018	X	X

P – present, A – absent and X – not in office

Apart from CMD, Director (Finance) and Nominee of President of India none of the Directors had attended the last AGM held on 21st September 2017.

Directorship held by the Directors

Shri B.B. Singh, CMD, MSTC, is also holding Chairmanship of Mahindra MSTC Recycling Private Limited (MMRPL) and Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL). Shri A.K. Basu, Director (Finance) is also Director in MMRPL and FSNL. Smt. Ruchika Chaudhry Govil, Govt. nominee Director is also Director in Rashtriya Ispat Nigam Limited (RINL) and Delhi Gymkhana Club Limited. Smt. Pravati Parida, Independent Director is also Director of Prachurya Infra Projects Pvt. Ltd.

Committees of the Board

MSTC has constituted four committees of the Board viz, Audit Committee, Nomination and Remuneration Committee, Corporate Social Responsibility (CSR) Committee and Share Transfer Committee.

एमएसटीसी ने मणिपुर के इम्फाल में 31 अगस्त, 2018 को ''ई-कॉमर्स के माध्यम से मूल्य अनावरण एवं ई-रकम के माध्यम से कृषि-बागवानी क्षेत्र को सहयोग'' देने पर एक कार्यशाला का संचालन किया, जहाँ माननीय केन्द्रीय राज्य इस्पात मंत्री, श्री विष्णु देव साई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे।

MSTC conducted a Workshop on "Unlocking value through e-Commerce & supporting Agri-Horti sector through e-RaKAM" on 31st August, 2018 in Imphal, Manipur, where the Hon'ble Union Steel Minister of State, Shri Vishnu Deo Sai was the Chief Guest.

ऑर्गेनिक वर्ल्ड काँग्रेस 2017 में जैव उत्पादों की बिक्री हेतु एपीईडीए के सहयोग से एमएसटीसी द्वारा विकसित ई–पोर्टल को लॉन्च करते हुए श्री राधा मोहन सिंह, माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार, इस अवसर पर उनके साथ उपस्थित हैं सिक्किम के माननीय मुख्य मंत्री एवं माननीय कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार।

Launch of the e-portal developed by MSTC in association with APEDA for sale of organic produce, by Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Minister of Agriculture, Govt. of India, in presence of Hon'ble Chief Minister of Sikkim and Agriculture Minister, Govt. of UP at Organic World Congress 2017.

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 एवं कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं उसके अधिकार) नियम 2014 के नियम 6 के अनुसार कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति होनी चाहिए। भारत सरकार की एक कंपनी होने के नाते, निदेशक का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 135(1) के अनुपालन में कंपनी के बोर्ड की सीएसआर समिति का गठन किया गया है।)

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने के कारण अधिनियम की धारा 178(5) के अधीन प्रावधानों के अनुसार स्टेकधारकों की संबंध समिति का गठन कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है। हालांकि, शेयर अंतरण समिति का गठन किया गया है।

i) लेखा परीक्षा समिति

लेखा परीक्षा समिति में अध्यक्ष के रूप में श्री जी.आर. अलोरिया, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन, स्वतंत्र निदेशक एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकार के नामित निदेशक शामिल हैं।

लेखा परीक्षा समिति से संबंधित निगम अभिशासन पर डीपीई द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन लेखा परीक्षा समिति करती है।

लेखा परीक्षा समिति के संदर्भ की शर्तें अन्य बातों के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 में वर्णित सभी विषय वस्तुओं को निम्नलिखित रूप में सम्मिलित करती हैं :

1. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया एवं इसकी वित्तीय सूचना के प्रकटन से निरीक्षण ताकि सुनिश्चित हो पाए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त एवं विश्वसनीय हैं।

Pursuant to Section 178 of the Companies Act, 2013, read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014, the Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. of India Company, the nomination/appointment of Director is made by the Govt. of India.

In compliance of Section 135(1) of the Act, read with Rule 5 of the Companies (CSR Policy) Rules 2014, Company has constituted CSR Committee of the Board.

Constitution of Stakeholder's Relationship Committee as provided under Section 178(5) of the Act, do not apply to the Company as number of shareholders is below one thousand. However, the Share Transfer Committee is in place.

i) Audit Committee

The Audit Committee comprises of Shri G. R. Aloria, Independent Director, as Chairman, Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

The Audit Committee complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance relating to Audit Committee.

The Terms of Reference of Audit Committee covers all matters specified in the Companies Act, 2013 which inter-alia includes the following:

1. Oversight of the company's financial reporting process and the disclosure of its financial information to ensure that the financial statement is correct, sufficient and credible;

2. निदेशक मंडल के पास जमा करने से पूर्व, प्रबंधन के साथ संबंधित पार्टी के लेनदेन समेत तिमाही एवं वार्षिक वित्तीय विवरण का पुनरीक्षण।
3. सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई किसी अन्य सेवा के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों के भुगतान का अनुमोदन।
4. संबंधित पार्टी के साथ कंपनी के लेनदेन का अनुमोदन या कोई तत्पश्चात रूपांतरण।
5. आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता का प्रबंधन एवं सांविधिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ पुनरीक्षण।
6. वार्षिक वित्तीय विवरणियों एवं उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का प्रबंधन के साथ पुनरीक्षण।
7. कंपनी की वित्तीय एवं जोखिम प्रबंधन नीतियों का पुनरीक्षण।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में आयोजित एमएसटीसी लि. की लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

बैठक की संख्या	बैठक की तिथि	श्री जी.आर. अलोरिया	डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन	डॉ. प्रमोदिता सतीश
45	31.10.2017	उप	उप	उप
46	27.02.2018	उप	उप	अनु

उप – उपस्थित, अनु – अनुपस्थित एवं X – कार्यालय में नहीं

2. Reviewing with management the quarterly and annual financial statements alongwith related party transactions, if any, before submission to the Board;
3. Approval of payment to statutory auditors for any other services rendered by the statutory auditors;
4. Approval or any subsequent modification of transactions of the Company with related parties;
5. Reviewing with the management and statutory and internal auditors, the adequacy of internal control systems;
6. Reviewing, with the management, the annual financial statements and auditor's report thereon;
7. Reviewing the Company's financial and risk management policies.

Attendance of the Directors in the Audit Committee Meetings of MSTC Ltd. held in the F.Y. 2017-18.

Meeting No.	Meeting Date	Shri G. R. Aloria	Dr. T. V. Muralivallabhan	Dr. Promodita Sathish
45	31.10.2017	P	P	P
46	27.02.2018	P	P	A

P – present, A – absent and X – not in office

दिनांक 18.05.2018 को मुख्य सचिव, ओड़िशा सरकार से अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की मुलाकात।
CMD meeting Chief Secretary, Govt. of Odisha on 18.05.2018.

दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह में निदेशकों, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कार्यपालकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में एमएसटीसी के श्री ए.के. सिन्हा, स्वतंत्र बाह्य पर्यवेक्षक द्वारा ब्रोश्योर (पुस्तिका) का अनावरण।
Unveiling of Brochure by Shri A. K. Sinha, Independent External Monitor of MSTC in the presence of Directors, CVO, executives and employees at Vigilance Awareness Week celebrated w.e.f. 30.10.2017 to 04.11.2017.

ii) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

कंपनी (बोर्ड की बैठक और इसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 6 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 के अनुसरण में, कंपनी के पास एक नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का होना अपेक्षित है। भारत सरकार की कंपनी होने के नाते, निदेशक का नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार के द्वारा की जाती है। नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति में अध्यक्ष के रूप में श्री जी.आर. अलोरिया, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लवन, स्वतंत्र निदेशक एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकारी नामित निदेशक शामिल हैं।

यह समिति मई 2010 में जारी निगम अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कार्य करती है एवं निदेशकों समेत पूर्णकालिक कर्मचारियों को पीआरपी की सिफारिश करती है। इसमें कंपनी (बोर्ड की बैठक एवं इसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 6 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 का अनुपालन शामिल है।

भारत सरकार की कंपनी होने के नाते, नामांकन/नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कर्मचारियों का पारिश्रमिक डीपीई, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में आयोजित एमएसटीसी लि. की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति :

बैठक की सं.	बैठक की तिथि	श्री जी.आर. अलोरिया	डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लवन	डॉ. प्रमोदिता सतीश
11	30.10.2017	उप	उप	उप
12	27.02.2018	उप	उप	अनु

उप – उपस्थित, अनु – अनुपस्थित एवं X – कार्यालय में नहीं

iii) निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति

कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 135(1) के अनुपालन में कंपनी ने अध्यक्ष के रूप में डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लवन, स्वतंत्र निदेशक, सदस्य के रूप में श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं डॉ. प्रमोदिता सतीश, सरकारी नामित निदेशक के साथ बोर्ड की सीएसआर समिति का गठन किया है।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में आयोजित एमएसटीसी लि. की सीएसआर समिति बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति

बैठक की सं.	बैठक की तिथि	डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लवन	श्री ए.के. बसु	डॉ. प्रमोदिता सतीश	श्री सूरज भान 14.06.17 तक	श्री बी.बी. सिंह
16	05.05.2017	X	उप	X	उप	उप
17	12.10.2017	उप	उप	उप	X	X
18	30.10.2017	उप	उप	उप	X	X
19	27.12.2017	उप	उप	उप	X	X
20	22.03.2018	उप	उप	अनु	X	X

उप – उपस्थित, अनु – अनुपस्थित एवं X – कार्यालय में नहीं

ii) Nomination and Remuneration Committee

Pursuant to Section 178 of the Companies Act, 2013, read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014, the Company is supposed to have a Nomination and Remuneration Committee. Being a Govt. of India Company, the nomination/appointment of Director is made by the Govt. of India. The Nomination and Remuneration Committee constitutes of Shri G. R. Aloria, Independent Director, as Chairman, Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

The Committee functions as per DPE guidelines on Corporate Governance issued in May 2010 and recommends PRP to whole time employees including Directors. This complies with section 178 of the Companies Act, 2013 read with Rule 6 of the Companies (Meeting of Board and its Powers) Rules, 2014.

Being a Government of India Company nomination/ appointment is made by the Government of India. Remuneration of the employees is as per DPE, Government of India guidelines.

Attendance of the Directors in the Nomination and Remuneration Committee Meetings of MSTC Ltd. held in the F.Y. 2017-18.

Meeting No.	Meeting Date	Shri G. R. Aloria	Dr. T. V. Muralivallabhan	Dr. Promodita Sathish
11	30.10.2017	P	P	P
12	27.02.2018	P	P	A

P – present, A – absent and X – not in office

iii) Corporate Social Responsibility (CSR) Committee

In compliance of Section 135(1) read with Rule 5 of the Companies (CSR Policy) Rules 2014, the Company had constituted the CSR Committee of the Board with Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director as Chairman, Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

Attendance of the Directors in the CSR Committee Meetings of MSTC Ltd. held in the F.Y. 2017-18.

Meeting No.	Meeting Date	Dr. T. V. Muralivallabhan	Shri A. K. Basu	Dr. Promodita Sathish	Shri Suraj Bhan Upto 14.06.17	Shri B. B. Singh
16	05.05.2017	X	P	X	P	P
17	12.10.2017	P	P	P	X	X
18	30.10.2017	P	P	P	X	X
19	27.12.2017	P	P	P	X	X
20	22.03.2018	P	P	A	X	X

P – present, A – absent and X – not in office

iv) शेयर अंतरण समिति

शेयरधारकों की संख्या एक हजार से कम होने के कारण अधिनियम की धारा 178(5) के अधीन प्रदत्त स्टेकधारक संबंध समिति का गठन कंपनी पर लागू नहीं होता है, तथापि सदस्य के रूप में श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक) के साथ शेयर अंतरण समिति की व्यवस्था है।

बोर्ड द्वारा गठित सारी समितियों के लिए सचिव के रूप में कंपनी सचिव कार्य करते हैं।

आचार संहिता

डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुकूल एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल के सभी सदस्यों एवं निर्दिष्ट वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता बनायी गई है। यह आचार संहिता कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। बोर्ड के सभी सदस्यों और निर्दिष्ट वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की सहमति दी है। इससे संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

iv) Share Transfer Committee

Constitution of the Stakeholder's Relationship Committee as provided under Section 178(5) of the Act, do not apply to the Company as the number of shareholders are below one thousand. However, the Share Transfer Committee is in place with Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) as members.

The Company Secretary acts as the Secretary to all the Committees constituted by the Board.

Code of Conduct

A Code of Conduct for all Board members and designated senior Management of MSTC Ltd. have been laid down in accordance with the Guidelines on Corporate Governance by DPE. The Code of Conduct is available on the website of the Company www.mstcindia.co.in. All the Board members and designated senior Management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration signed by the Chief Executive Officer (CEO) to this effect is enclosed at the end of this report.

साधारण निकाय बैठकें / General Body Meetings

अंतिम तीन वार्षिक साधारण बैठकों के दिन, तिथि, स्थान और समयसूची का विवरण निम्नानुसार है:

The details of day, date, venue and timings of the last three Annual General Meetings held are as follows:

साधारण बैठक General Meeting	स्थान Venue	दिन और तिथि Day and date	समय Time	पारित हुए विशेष प्रस्तावों की सं. No. of special resolutions passed
52 वीं वार्षिक साधारण बैठक	225सी,आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता-700 020	21सितम्बर, 2017 बृहस्पतिवार	11.00 बजे	
52nd Annual General Meeting	225C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata-700 020	21st September, 2017 Thursday	11.00 A.M	----
51 वीं वार्षिक साधारण बैठक	225सी,आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता-700 020	28सितम्बर, 2016 बुधवार	11.00 बजे	
51st Annual General Meeting	225C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata-700 020	28thSeptember, 2016, Wednesday	1.00 A.M	1
50 वीं वार्षिक साधारण बैठक	225सी,आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता-700 020	14सितम्बर, 2015 सोमवार	11.00 बजे	
50th Annual General Meeting	225C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata-700 020	14th September, 2015 Monday	11.00 A.M	----

कंपनी के सदस्यों की 53 वीं वार्षिक साधारण बैठक का आयोजन 26 सितंबर,2018 को सुबह 11.00 बजे 225 सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता–700 020 स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में होगी।

रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट

कंपनी ने भौतिक एवं अभौतिकीकृत दोनों रूप में शेयरों से संबंधित सभी विषयवस्तुओं के लिए मेसर्स सी बी मैनेजमेंट सर्विसेस (प्रा.) लि. को अपना रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट नियुक्त किया है। तथापि, शेयरों से संबंधित कागजात 225 सी, ए.जे.सी. बोस रोड, कोलकाता -700020 स्थित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में भी ग्रहण किए जाते हैं।

शेयर अंतरण प्रणाली

भौतिक रूप में शेयरों का अंतरण मेसर्स सी.बी. मैनेजमेंट सर्विसेस (प्रा.) लि. द्वारा प्राप्त होने की तिथि से 15 दिनों के अंदर प्रक्रियागत एवं पूरी की जाती है, बशर्तें सारे कागजात क्रम में रहें। इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयर रहने पर, शेयरों के अंतरण की कार्यवाही एनएसडीएल/सीडीएसएल द्वारा उनके संबंधित डिपॉजिटरी पर्टिसिपेंट्स के माध्यम से की जाती है।

31.03.18 की स्थिति को कोई शिकायत लम्बित नहीं है।

कॉर्पोरेट आइडेन्टिटी नम्बर (सीआईएन) :

कंपनी पश्चिम बंगाल राज्य, भारत में कंपनी के रजिस्ट्रार (आरओसी) के साथ पंजीकृत है। निगमित मामले मंत्रालय (एमसीए) द्वारा कंपनी को आवंटित कॉर्पोरेट आइडेन्टिटी नम्बर (सीआईएन) है U27320WB1964GOI026211

एनएसडीएल एवं सीडीएसएल के लिए इक्विटी शेयरों की डिमैट आईएसआईएन संख्या :

कंपनी के शेयर एनएसडीएल एवं सीडीएसएल के साथ अभौतिकीकृत है। एनएसडीएल एवं सीडीएसएल के लिए आईएसआईएन सं. है INE255X01014

जोखिम प्रबंधन नीति

विपणन एवं ई–कॉमर्स के लिए निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक पृथक जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर की जाती है।

धोखाधड़ी रोकथाम नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक धोखाधड़ी रोकथाम नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर की जाती है। यह नीति कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

व्हिसल ब्लोअर नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक व्हिसल ब्लोअर नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय–समय पर की जाती है। संबंधित योजना कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

नागरिक चार्टर

कंपनी के पास निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक नागरिक चार्टर है जिसकी समीक्षा समय–समय पर बोर्ड द्वारा की जाती है। यह चार्टर कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

निगम अभिशासन के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रकटीकरण

1. संबंधित पार्टी का ऐसा कोई महत्वपूर्ण लेनदेन नहीं है, जिसका कंपनी के हित के साथ कोई संभावी विरोध हो सकता है।

53rd Annual General Meeting of the members of the Company will be held on 26th September, 2018 at 11.00 A.M. at the registered office of the Company at 225 C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata-700 020.

Registrar and Share Transfer Agent

The Company has appointed M/s. C. B. Management Services (P) Ltd. as its Registrar and Share Transfer Agent for all matters relating to shares both in physical as well in dematerialised mode. However, documents relating to shares are also received at the Company's registered office at 225-C, A.J.C. Bose Road, Kolkata-700020.

Share Transfer System

The transfer of shares in physical form is processed and completed by M/s. C B Management Services (P) Ltd. within a period of 15 days from the date of receipt thereof, provided all the documents are in order. In case of shares in electronic form, the transfers are processed by the NSDL/CDSL through respective depository participants.

There were no complaints pending as on 31.03.18.

Corporate Identity Number (CIN):

The Company is registered with the Registrar of Companies (RoC) in the State of West Bengal, India. The Corporate Identity Number (CIN) allotted to the Company by the Ministry of Corporate Affairs (MCA) is U27320WB1964GOI026211.

Demat ISIN Number of Equity Shares for NSDL and CDSL :

The Company's shares are dematerialized with NSDL and CDSL. The ISIN no. for NSDL and CDSL is INE255X01014.

Risk Management Policy

The Company has separate Risk Management Policy for Marketing and e-Commerce, approved by the Board of Directors, which are reviewed from time to time by the Board.

Fraud Prevention Policy

The Company has a Fraud Prevention Policy approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the Company website.

Whistle Blower Scheme

The Company has a Whistle Blower Scheme approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The scheme is available at the Company website.

Citizen's Charter

The Company has a Citizen's Charter approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The charter is available at the Company website.

Disclosures as per Corporate Governance Guidelines

1. There is no materially significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the Company.

2. कंपनी द्वारा कोई गैर–अनुपालन अनुसरित/रिपोर्ट नहीं की गई है। गत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा जारी किसी भी दिशानिर्देश से संबंधित किसी भी विषय में किसी सांविधिक प्राधिकारी द्वारा न कोई बाध्यता जारी की गई है और न ही दंड आरोपित किया गया है।
3. कंपनी ने बोर्ड द्वारा यथा अनुमोदित सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप एक व्हिसल ब्लोअर स्कीम तैयार की है। किसी भी व्यक्ति को लेखा परीक्षा समिति के कार्यवृत्तों की व्यक्तिगत उपलब्धता से रोका नहीं गया है एवं कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर को प्रतिकूल व्यक्तिगत प्रभाव से सुरक्षित रखा है।
4. निगमित अभिशासन दिशानिर्देशों का पालन किया गया है एवं निगमित अभिशासन पर एक पृथक अनुपालन रिपोर्ट निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अनुलग्नक में प्रदान किया गया है।
5. इस वर्ष एवं गत 3 वर्षों के दौरान भी कंपनी द्वारा राष्ट्रपति से संबंधित सभी दिशा निर्देशों का अनुपालन किया गया है।
6. ऐसे खर्च को जो व्यवसाय से संबंधित नहीं है उन्हें खाता–बहियों में नहीं लिया गया है।
7. निदेशक मंडल एवं उच्च प्रबंधन के लिए कोई भी व्यक्तिगत प्रकृति का खर्च नहीं हुआ है।
8. प्रशासनिक खर्च कुल खर्च का 27% है।
9. कंपनी की वेबसाइट अर्थात www.mstcindia.co.in में वित्तीय परिणाम उपलब्ध हैं। समय–समय पर इन्हें निगम के विज्ञापनों में भी प्रकाशित किया जाता हैं।

पत्राचार के लिए पता :

कंपनी सचिव
एमएसटीसी लिमिटेड
225–सी, ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता–700020
दूरभाष – (033) 2287-9627
फैक्स : (033) 2287-8547

2. No non-compliance by the Company has been observed/reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matter related to any guidelines issued by the Government during last three years.
3. The Company has formulated a whistle blower scheme in line with Government guidelines duly approved by Board. No person has been denied personal access to Audit Committee Minutes and Company has protected whistle blower from adverse personal action.
4. The Corporate Governance guidelines have been complied with and a separate Compliance Report on Corporate Governance is placed as Annexure to Board's Report.
5. All Presidential guidelines have been complied with by the Company for the year and also during last 3 years.
6. No items of expenditure have been debited in books of accounts, which are not for the purpose of business.
7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and top Management.
8. The Administrative expenses are 27% of the Total expenses.
9. The financial results are available in the website of the Company i.e. www.mstcindia.co.in. From time to time they are also published in corporate advertisements.

Address for Correspondence:
Company Secretary
MSTC Limited
225-C, AJC Bose Road
Kolkata-700020
Tel. No. : (033) 2287-9627
Fax : (033) 2287-8547

सीएसआर पहल 2017-18 के अंतर्गत हावड़ा, पश्चिम बंगाल में एक प्राथमिक विद्यालय में एमएसटीसी द्वारा ट्यूबवेल की स्थापना।
Installation of Tubewell by MSTC at a primary school in Howrah, West Bengal under CSR initiative 2017-18.

एमएसटीसी ने सीएसआर पहल 2017-18 के अंतर्गत पूर्व मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के सुदूर गाँवों में निर्धन रोगियों को नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने हेतु मोबाइल मेडिकल वैन के लिए वित्त पोषण का प्रबंध किया।
MSTC funded Mobile Medical Van to render free medical service to poor patients in remote villages of East Midnapore, West Bengal under CSR initiative 2017-18.

एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता को इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 'इस्पात राजभाषा विशिष्ट सम्मान' दिया गया।
MSTC Limited Kolkata has been conferred with the "Ispat Rajbhasa Special Award" by Ministry of Steel, Govt. Indian for excellent work in Hindi Language.

वर्ल्ड एचआरडी कॉंग्रेस द्वारा एमएसटीसी को ''कोलकाता का श्रेष्ठ नियोक्ता ब्राण्ड पुरस्कार 2017'' का सम्मान दिया गया।
MSTC has been conferred the "Kolkata Best Employer Brand Awards 2017" by World HRD Congress.

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी के दो प्रमुख व्यवसाय है – पहला ई–कॉमर्स और दूसरा ट्रेडिंग। ई–कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है तथा इस क्षेत्र में यह सबसे अग्रणी है। अपने ग्राहकों को पारदर्शी, उचित एवं निरंतर सेवाएं प्रदान करने जैसी वजह से इसे केंद्र/पीएसयू/राज्य सरकार के विभागों तथा कुछ निजी प्रतिष्ठानों में भी सेवा प्रदान करने का गौरव प्राप्त है।

हाल के दिनों में एमएसटीसी ने रिसाइक्लिंग यानी पुनर्चक्रण क्षेत्र में कदम रखा है एवं महिन्द्रा इंट्राट्रेड लिमिटेड के साथ सृजित संयुक्त उद्यम इस दिशा में एक शुरुआती कदम है।

क) ई–कॉमर्स व्यवसाय

एमएसटीसी देश में वृहद् स्टैंडएलोन ई–कॉमर्स सेवा प्रदाता बन चुकी है। एमएसटीसी नये एवं विविध कारोवार के क्षेत्रों में प्रयास कर रही है यथा चाय, सागा, मखाना, काली मिर्च, अनारस, कृषि उत्पाद में हिल ग्रास, तेंदू पत्ता, लकड़ी, वन उत्पाद में साल बीज, मानव केश, फ्लाई ऐस आदि। इसके अलावा भूमि, अपार्टमेंट, बैंक के एनपीए एवं टीआरटी के अधीन सम्पत्तियां आदि के ई–ऑक्शन का कार्य प्रारम्भ किया गया है।

हाल के समय में उ. प्र. में बालू खनन ब्लॉक की ई–नीलामी एवं आईओसीएल के एग्जिम–प्रोडक्ट्स इस दिशा में महत्वपूर्ण गतिविधियाँ रही है।

Management Discussion and Analysis

Company's Business

MSTC has two core business segments namely e-commerce & trading. MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Departments and a few Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients.

Of late, MSTC has forayed into Recycling Sector and Joint Venture formation with Mahindra Intertrade Limited is a step in that directions.

A. E-Commerce Business

MSTC has become a major standalone e-commerce service provider in the country. MSTC is attempting new and diverse lines of business such as tea, sago, gorgon nut (makhana), black-pepper, pineapple, hill-grass in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly-ash etc. Apart from this MSTC has also undertaken the e-auction of land, apartment, banks' NPAs and also assets under DRT etc.

E-auction of sand Mining blocks in UP and exim-products of IOCL have been the signature events in the recent past.

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय

दीर्घ समयावधि हेतु अब एमएसटीसी बड़ी संख्या में सरकारी विभागों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के स्क्रैप, अधिशेष भंडारों, पुराने संयंत्र एवं मशीनरी, ई-वेस्ट, जोखिम सामग्रियों, परित्यक्त सामग्रियों के निपटान हेतु सेलिंग एजेंट के रूप में कार्य कर रही है। एमएसटीसी की प्रक्रिया विक्रेताओं को ऐसे निपटान की गतिविधियों से उनके वार्षिक राजस्व सृष्टि के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए समर्थ कराती है। एमएसटीसी ऑक्शन कैटेलॉग के तैयार करने से डेलीवरी आर्डर के जारी करने तक सेवाओं का परिपूर्ण पैकेज ऑफर करता है।

ई-सेल्स

2004 में पुन: ई-ऑक्शन के जरिए कोयला की बिक्री प्रारम्भ हुई है। एमएसटीसी ने सामग्रियों के विभिन्न विक्रेताओं की विविध आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए ई-ऑक्शन के विभिन्न मॉड्यूल विकसित किए हैं। कोयला के साथ ही एमएसटीसी अन्य खनियों यथा मैंग्नीज अयस्क, लौह अयस्क, लिग्नाइट, क्रोम अयस्क आदि तथा विविध अन्य उत्पादों, रॉ पेट कोक, पेट कोक, मानव केश आदि की बिक्री कर रही है। एमएसटीसी कुछ राज्यों में सभी प्रमुख खनिज ब्लॉक एवं लघु खनिज ब्लॉक के लिए मनोनीत एजेंसी है।

ई-प्रोक्योरमेंट

ई-प्रोक्योरमेंट में, एमएसटीसी गुणमान आवश्यकताओं के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र के समर्थन के साथ ई-निविदा एवं ई-रिवर्स नीलामी सेवाएँ प्रदान करती हैं। हालांकि, वित्त वर्ष 2013-14 में एमएसटीसी ने मामूली शुरुआत की, परंतु तदुपरांत वर्ष में इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। यह पद्धति गुणवत्ता एवं सुरक्षा जाँचों के लिए एसटीक्यूसी द्वारा गठित दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है।

ई-समाधान

वर्ष 2017-18 के दौरान, एमएसटीसी ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के लिए कुछ प्रमुख ई-बोली पैकेज प्रदान किया है। मध्यावधि पीपीए के लिए डीईईपी पोर्टल पूर्ण रूप से प्रचालन में है एवं एक लाख एम डब्ल्यू से अधिक मूल्य के पीपीए को इस पोर्टल से निपटाया गया। एमएसटीसी ने देश भर में विविध डीआईएससीओएम के लिए ट्रान्सफॉर्मर, कंडक्टर एवं केबल के थोक क्रय हेतु डीडीयूजीजेवाई योजना के अंतर्गत शेष लेनदेन पूरा कर लिया है। गत वित्त वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने अंतर राज्यीय पारेषण सेवा प्रदाता चयन हेतु शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के लिए ई-बोली मंच की शुरुआत की है। एमएसटीसी ने पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के लिए अन्वेषित लघु ऑयल एवं गैस फील्ड के लिए बोली सफलतापूर्वक विकसित की एवं इसका निष्पादन किया।

एमएसटीसी ने उड़े देश का आम नागरिक (यूडीएएन) के रूप में भारत सरकार की मार्गदर्शी योजना के लिए विशिष्ट पोर्टल सेवाएँ विकसित की जिस पर नागरिक उड्डयन क्षेत्र में सरकार की ओर से सराहना प्राप्त हुई है।

क) पेट्रोलियम उद्योग के लिए एग्जिम पोर्टल

पेट्रोलियम कंपनियों के लिए एक यथा कार्यक्षम बाजार निर्दिष्ट मूल्य उपलब्ध प्रणाली का अभाव मुख्य समस्या रही है। उत्पादों के निर्यात एवं आपात के पारंपरिक तरीके में, प्रतियोगिता की सृष्टि नहीं हो पाती है और इसलिए सही बाजार मूल्य पता नहीं चल पाता है। इसके फलस्वरूप पेट्रोलियम कंपनियों के वित्तीय संसाधन बाहर निकलते जा रहे हैं।

Selling Agency Business

For a long period of time now, MSTC is acting as the selling agent of a large number of government departments/PSUs for disposal of scrap, surplus stores, old Plant & Machinery, e-waste, hazardous items, obsolete items, etc. MSTC's processes enable the sellers to achieve their annual revenue generation target from such disposal activities. MSTC offers complete package of services from preparation of the auction catalogue to the issuance of delivery order.

E-Sales

Starting with sale of coal through e-auction way back in 2004, MSTC has been developing different modules of e-auction to cater to the various needs of different sellers of items. Besides coal, MSTC is selling other minerals like manganese ore, iron ore, lignite, chrome ore etc. and various other products, raw pet coke, pet coke, human hair etc. MSTC is a nominated agency for all major mineral blocks and minor mineral blocks in few states.

E-Procurement

In e-procurement, MSTC provides e-Tender and e-Reverse auction services backed by mandatory STQC certificate for quality requirements. Although, MSTC made a modest beginning in FY 2013-14, it has made a significant growth in the subsequent years and is poised for exponential growth in future. The system complies with the guidelines framed by STQC for quality and security checks.

E-Solutions

During 2017-18, MSTC has delivered certain key e-bidding packages for various Ministries of Government of India. The DEEP portal became fully operational for medium term PPA and PPAs worth more than one lakh MW was settled through this portal. MSTC completed the balance transaction under DDUGJY scheme for bulk procurement of transformers, conductors and cables for various DISCOMs all over the country. During the last fiscal, MSTC introduced the e-bidding platform for tariff based competitive bidding for selection of inter-state transmission service provider. MSTC also successfully developed and executed the bidding for discovered small oil & gas fields for Ministry of Petroleum & Natural Gas.

MSTC developed specialized portal services for a flagship scheme of Govt. Of India as Ude Desh ka Aam Naagrik (UDAN) which has brought laurels for the Govt. in Civil Aviation Sector.

a. EXIM Portal for Petroleum Industry

The main problem faced by the petroleum companies is the lack of a well-functioning market-determined price discovery system. In the traditional mode of export & import of products, the competition is not getting generated and therefore the fair market price is not discovered. This results in the draining out of financial resources of the petroleum companies.

बेहतर मूल्य अभिज्ञान के लिए, आईओसीएल ने अपनी निर्यात एवं आयात गतिविधियों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड को नियुक्त किया है। निर्यात मॉड्यूल में ई-निविदा प्रक्रिया एवं फॉरवर्ड ऑक्शन शामिल है। बोलीदाता पहले अपने निविदा मूल्य जमा करते हैं, जो आईओसीएल द्वारा खोला जाता है एवं तदुपरांत मूल्य में और बेहतरी लाने के लिए फारवर्ड ऑक्शन शुरू किया जाता है। इसी प्रकार, आयात में, ई-रिवर्स ऑक्शन द्वारा ई-निविदा प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

यह निर्यात एवं आयात मॉड्यूल, भारत में इस प्रकार की पहली शुरुआत है, जो कि पेट्रोलियम उद्योगों के लिए आईओसीएल के सहयोग से विकसित उत्कृष्ट दर्जे का उत्पाद है जो एमएसटीसी द्वारा अभिकल्पित है एवं विकसित किया गया है। पेट्रोलियम उत्पादों के आयात एवं निर्यात के लिए इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की संपूर्ण प्रक्रिया बहुत जटिल है एवं निर्यात एवं आयात के हर पहलू का पूरा ख्याल रखती है। यह प्लेटफॉर्म या मंच विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों जैसे कि एचएसडी, गैसोलाइन, बेन्जिन, बिटुमेन, नेप्था आदि के निर्यात एवं आयात के संचालन के लिए तैयार किया गया है।

ख) ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल

एमएसटीसी ने कृषि उत्पादों में व्यवसाय के लिए देशव्यापी एक इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल - ई-रकम को आरंभ किया है। यह ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जो मूल रूप से खाद्यान्नों, सब्जियों, फलों, मसालों एवं सभी कृषि संबंधी उत्पादों को देखती है एवं किसानों को ग्राहकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जोड़ा है। अनन्नास, अदरक एवं ऐसी कई अन्य द्रव्यों में फॉरवर्ड ट्रेडिंग शुरू किया है, ताकि इस प्लेटफॉर्म को सफल बनाया जा सके। इस पोर्टल के माध्यम से अनन्नास, अदरक, दाल, लीची आदि जैसे कई कृषि उत्पाद सफलतापूर्वक नीलाम किए गए।

ग) एलपीजी डीलरशिप के चयन के लिए ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम

ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम सुरक्षित एवं पारदर्शी तरीके से, बिना किसी मानव हस्तक्षेप के योग्य आवेदकों में से आवेदकों के चयन की प्रक्रिया है। वर्तमान प्रणाली में, इच्छुक आवेदक से ऑनलाइन आवेदन का अनुरोध किया जाता है और फिर इन उम्मीदवारों में से योग्य उम्मीदवारों को ड्रॉ में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। यह सॉफ्टवेयर ऑनलाइन ड्रॉ के संचालन के कार्यकलापों में उपयोग किया जाता है एवं स्क्रीन पर विजेताओं के नाम की घोषणा करती है। यह प्रणाली इस्तेमाल में बहुत आसान है एवं और भी जटिल ड्रॉ के लिए तैयार है। कुल योग्य आवेदकों में से प्रत्येक बार केवल एक योग्य आवेदक के चयन द्वारा ऑनलाइन कम्प्यूटरीकृत लॉगिन के ड्रॉ (ऑनलाइन कम्प्यूटरीकृत ड्रॉ सिस्टम) के संचालन हेतु यादृच्छिक नम्बर देने वाली कलन गणित (एल्गोरिथम) के साथ इस अनुप्रयोग को विकसित किया गया है। एक बटन को दवाने से यादृच्छिक क्रय में पूरे विवरण के साथ आवेदकों के नाम के प्रदर्शन के लिए शफलिंग की जाएगी। शफलिंग (उलट-पलट) करने की प्रक्रिया का विज्युलाइजेशन प्रदर्शनी स्क्रीन पर की जाती है)।

एमएसटीसी ने ई-प्रोक्योरमेंट सेवाएँ विकसित करते हुए एनटीपीएल को कोयले की उनकी खरीद के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करते हैं। इसके अलावा, एमएसटीसी ने आयातित तापाज कोयले के लिए ई-रिवर्स ऑक्शन पोर्टल विकसित किया है एवं इसे कार्यान्वित किया है। जिससे कोयले का आयात आसान, परेशानी-मुक्त एवं किफायती हुआ है। एनटीपीएल ने इस पद्धति का उपयोग करते हुए 2.4 मिलियन टन कोयला क्रय किया है एवं उन्हें सामग्री के लागत के कम होने का जबरदस्त फायदा पहुँचा है। इस प्रयास से प्रेरणा लेते हुए दूसरे ग्राहकों ने भी एमएसटीसी से ऐसी समरूपी सेवाओं की मांग की है।

For better price discovery, IOCL has appointed MSTC Limited for developing online platform for their Export & Import activities. The export module consists of the e-tendering and forward auction. The bidders first submit their tender price, which is opened by IOCL and subsequently the forward auction is triggered for further improvement in price. Likewise in the import the e-tendering is followed by e-reverse auction.

This export and import module, which is first of its kind in India, is a niche product developed in collaboration of IOCL, for the petroleum industries designed & developed by MSTC. The entire process of this online platform for Export & Import of petroleum products is very complex and the same takes care of every aspect of the export & import. This platform has been designed to handle export & import of various petroleum products like HSD, gasoline, benzene, bitumen, Naphtha, etc.

b. e-RaKAM (e-Rastriya Kishan Agri Mandi) Portal

MSTC Ltd has launched a nationwide electronic portal – eRAKAM for trading in the agriculture produces. The online trading platform which primarily deals in food grains, vegetables, fruits, spices and all agriculture related commodities and connected farmers directly with consumers, has launched forward trading in pineapple, ginger among a number of other such commodities to make the platform successful. Various agricultural produces like pineapple, ginger, pulses, litchi, etc. have been auctioned successfully through this portal.

c. Online Draw System for selection of LPG Dealership

Online Draw System is the process to select the applicants out of the eligible applicants, in secured and transparent manner, without any human intervention. The current system, online applications are requested from the interested candidate and then from these candidates, eligible candidates are allowed to take part in the draw. This software is used in events to conduct online draws and display the names of the winners on the screen. The system is easy to use and ready for more complex draws. The application is developed with random number generation algorithm for conducting on-line computerized draw of lots (Online Computerized Draw System) by selecting only one eligible candidate at each time out of the total eligible applicants. Shuffling will occur for the names of the applicants along with their details in random order at the press of a button. Visualization of the shuffling process for display on the screen is there.

MSTC has developed e-procurement services providing end-to-end solution to NTPL for their purchases of coal. In addition, MSTC has developed and implemented e-reverse auction portal for imported Thermal Coal which has made import of coal easy, hassle free and economical. NTPL has utilized the system for procurement of 2.4 million tons of coal and immensely benefited by reducing their cost of material. Taking a cue from this, other clients have also sought for the similar services of MSTC.

ई-कॉमर्स व्यवसाय वित्तीय वर्ष **2017-18** के दौरान कंपनी के कुल व्यवसाय परिमाण का लगभग **89%**(**2016-17** में **91%**) रहा है एवं बहुत अधिक बढ़ने की संभावना है। इसने कुल प्रचालन आय में **65%**(**2016-17** में **74%**) का योगदान दिया है।

ख) ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग व्यवसाय में, वित्तीय वर्ष **2017-18** के दौरान व्यवसाय के कुल परिमाण का **11%** (**2016-17** में **9%**) की भागीदारी के साथ एमएसटीसी क्रेताओं की ओर से गौण स्टील उत्पादकों एवं पेट्रोलियम इंडस्ट्री के लिए कच्ची सामग्री के क्रय हेतु एक सुगमकर्ता (फेसीलिटेटर) के रूप में कार्य करता है एवं प्रतिशत आधार पर बढ़े मूल्य पर शुल्क प्रभारित करता है।

इस व्यवसाय से कंपनी के कुल प्रचालन आय में **35%** (**2016-17** में **26%**) का योगदान हुआ है।

ट्रेडिंग डिवीजन में मुख्यतय: वास्तविक उपयोगकर्ताओं एवं व्यापारियों के लिए थोक औद्योगिक कच्ची सामग्रियों के आयात एवं घरेलू प्राप्ति शामिल है। यह डिवीजन विविध उद्योगों की ओर से औद्योगिक कच्ची सामग्रियों यथा हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटालार्जिकल कोक, एचआर क्वायल, नेफ्था, क्रूड ऑयल, कोकिंग कोल, स्टीम कोल आदि की सोर्सिंग, क्रय एवं विक्रय को ध्यान देता है। हालांकि एमएसटीसी निकट भविष्य में एक पूर्ण व्यापार हाउस बनने की इच्छुक है, लेकिन इसकी गतिविधियों को इस समय मुख्य रूप से व्यापारिक वित्तपोषण तक सीमित रखा गया है।

एमएसटीसी द्वारा अनुसरित व्यापार मॉड्यूल जिसमें शामिल है संगठन (ग्राहक) के साथ समझौते में शामिल होना, सामग्रियों/कच्ची समाग्रियों को निर्दिष्ट करना जो एमएसटीसी आयात या स्वदेशी स्रोतों से खरीद करेगी। जमानत जमा ग्राहक से संग्रह किया जाता है एवं वास्तविक प्रोक्योरमेंट मूल्य के प्रतिशत के अनुसार सेवा प्रभार भी संग्रह किया जाता है। समझौते के हस्ताक्षर पर ग्राहक अपने अपेक्षितता की मांग करते हैं एवं वास्तविक सोर्सिंग की जाती है। सामग्री इस प्रकार आयात या स्वदेशी पद्धति से प्राप्त किया जाता है जो एमएसटीसी को प्रतिभूत किया जाता है और जिसे किसी तीसरे पक्ष के अभिरक्षक की अभिरक्षा में रखा जाता है। तदुपरांत ग्राहक कस्टोडियन या अभिरक्षक को एमएसटीसी द्वारा अधिकृत करने के उपरान्त नकद एवं वहन आधार पर सामग्रियों को उठाता है।

एमएसटीसी ने नकद प्रोक्योरमेंट के लिए नई योजना का प्रारम्भ किया है जो ग्राहक के बीजी द्वारा समर्थित है। ग्राहक जिसके बीजी सीमाओं की स्वीकृति मिली है अपने परियोजनाओं या व्यापार के लिए कच्ची सामग्रियों/सामग्रियों की खरीद के लिए उसका उपयोग कर सकता है। इस मॉडल में सुरक्षा जमा (एसडी) के उपरान्त ग्राहक के साथ एमओए हस्ताक्षरित किया जाता है। किसी अनुसूचित बैंक पर खोले गये 110 प्रतिशत बीजी द्वारा समर्थित ग्राहकों की ओर से क्रय किया जाता है। आयात का घरेलू प्रोक्योरमेंट हेतु सुविधा पद्धति में एलसी/आरटीजीएस के माध्यम से आपूर्तिकर्ता को भुगतान किया जाता है। सामग्री सीधे ग्राहक को भेज दी जाती है जिसके चलते भंडारण की आवश्यकता नहीं होती है परिणामस्वरूप वेयरहाउस एवं कस्टोडियन प्रभार की बचत होती है।

ट्रेडिंग डिवीजन ने शीर्ष से लेकर निचले तबके तक में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष के दौरान इस क्षेत्र से सेवा प्रभार ₹ **10,540** लाख अर्जित किया गया था।

E-Commerce business constitutes about **89% (91% in 2016-17)** of the total volume of business of the Company during **FY 2017-18** and has the potential to grow exponentially. It contributed **65% (74% in 2016-17)** of the total operational income.

B. Trading Business

In trading business, which constituted **11% (9% in 2016-17)** of the total volume of business during **FY 2017-18, MSTC** acts as a facilitator for procurement of raw material for secondary steel producers and petrochemical industry on behalf of buyers and charge mark-up on percentage basis.

This business contributed **35% (26% in 2016-17)** of the total operational income of the Company.

The trading division is engaged in import as well as domestic sourcing of bulk industrial raw material for actual users as well as traders. This division looks after sourcing, purchase and sale of industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Naptha, Crude Oil, Coking Coal, Steam Coal etc. on behalf of various industries. Though its activities are confined to mainly Trade Financing at the moment, MSTC aspires to become a full-fledged Trading House in the near future.

The business module followed by MSTC involves entering into an Agreement with the Organisation (Customer) specifying the commodities/raw materials which MSTC will import or procure from indigenous sources. Security Deposit is collected from the Customer. The Service Charge collected is a percentage of the actual procurement value. On signing the agreement, the Customer indents its requirements and the actual sourcing is done. The material thus procured either by way of import or indigenous mode is pledged back to MSTC and is kept in the custody of a third party custodian. Thereafter, the Customer lifts the material on cash and carry basis after due authorization by MSTC to the custodian.

MSTC has also developed another scheme under which procurement is done backed by BG from the Customer. Customers who have sanctioned BG limits can use the same to procure raw materials / commodities for their projects or for trading. In this model, MOA is signed with the Customer after collecting SD. Procurement is done on behalf of the Customers backed by 110% BG opened on any Scheduled Bank. The payment is released to the Supplier by way of LC/RTGS in facilitator mode for import or domestic procurement. The material is directly shipped to the customer thereby eliminating the need for storage which results in saving on account of warehouse and custodian charges.

Trading division has contributed significantly to the top line as well as the bottom line. The Service charge earned from this segment was ₹ **10,540** lakh during the year.

थर्मल कोल का आयात

भारत के विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती हुई आयातित थर्मल कोल की पूर्ति के आशय से एमएसटीसी ने इस व्यवसाय में कदम रखा है, एमएसटीसी दहलीज पर पहुँचाने के आधार पर ऐसे क्रेताओं को आयातित थर्मल कोल की आपूर्ति कर रही है। एमएसटीसी अपने व्यावसायिक सहयोगियों के माध्यम से बैक-टू-बैट के आधार पर आयातित थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए क्रेताओं द्वारा जारी टेंडरों में शामिल होता है। एमएसटीसी ने इस वर्ष ₹ **27,215** लाख कीमत का 5.61 लाख एमटी आयातित थर्मल कोल की सफलतापूर्वक आपूर्ति की, जो पिछले वर्ष के दौरान ₹ **77,260** लाख की आपूर्ति 21.2 लाख मीलियन टन है।

घरेलू उत्पादन में वृद्धि के कारण धन में आयातित थर्मल कोल की मांग में कमी आयी है। परिणामस्वरूप वर्ष के दौरान आयातीत कोल की मात्रा में कमी आयी है। चूंकि एमएसटीसी का मार्कअप आयातित कोल के मूल्य के प्रतिशत पर आधारित है। आयात के परिमाण में गिरावट के कारण सेवा प्रभार आय में कमी आयी थी।

वित्तीय वर्ष **2017-18** के दौरान ट्रेडिंग डिवीजन का कुल निष्पादन ₹ **9,35,181** लाख है।

ग) पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) :

एमएसटीसी ने रिसाइक्लिंग यानी पुनर्चक्रण क्षेत्र में कदम रखा है एवं भारत में प्रथम ऑटो ट्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु एक संयुक्त उद्यम कंपनी ''महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि.'' का गठन महिन्द्रा इंटरट्रेड लि. के साथ किया है जो महिन्द्रा एस्सेलो के नाम से जाना जाता है, जिसके लिए निविष्ट कच्ची सामग्री जैसे कि परित्यक्त ऑटोमोबाइल, व्हाइट गुड्स आदि की आवश्यकता पड़ती है।

मुख्य ऑटो श्रेडिंग प्लांट के लिए फीडस्टॉक की आपूर्ति हेतु ग्रेटर नोएडा में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के सहयोग से एक संग्रह एवं विघटन केन्द्र की स्थापना की गई है। प्लांट में शियरर सह बेलर के लिए नींव कार्य समाप्त होने के चरण में हैं। नोएडा पावर कंपनी लि. का विद्युत संयोजन कार्य चल रहा है। व्यक्तिगत ग्राहकों, ओईएल, सरकारी नीलामियों एवं संस्थानों से वाहन पहले से ही प्राप्त किए जा रहे हैं एवं प्लांट में डिस्मैंटल यानी विछरित किए गए है। सभी वाहनों के लिए ग्राहक को विध्वंस प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इन वाहनों के लिए अपंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

एमएसटीसी संग्रह केन्द्र में प्रत्यादित स्क्रैप वस्तुओं के लिए नीलामी का भी संचालन कर रही है।

समृद्धि एवं भावी विकास का विविधीकरण :

अन्य विकसित एवं विकासशील देशों में लागू नियमों के अनुसार वाहनों की वैधता समय के समाप्त होने पर स्क्रैपिंग की अनिवार्यता को प्रोत्साहित करने के कानून लागू करने के लिए एमएसटीसी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (एसआईएएम) तथा इस तरह के अन्य निकायों से चर्चा शुरू कर चुकी है। भारत सरकार इस संबंध में शीघ्र ही एक नीति निर्धारण करने वाली है।

भावी संवृद्धि एवं विकास

एमएसटीसी ने ''एम3'' एमएसटीसी मेटल मंडी नामक अपना ई-शॉपिंग पोर्टल विकसित किया है, यह एक वर्चुल मार्केट प्लेस है जो मेटल उत्पादों की बिक्री एवं क्रय हेतु बी2बी सुविधा प्रदान करता है।

Import of Thermal Coal

This line of business was started in order to meet the demand for imported thermal coal by the various power utilities in India. MSTC has been supplying imported thermal coal to such buyers on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of imported thermal coal through its business associates on back-to-back basis. The business associates are empanelled through an open tender by MSTC. MSTC has successfully supplied 5.61 lakhs MT of imported thermal coal valued at ₹ **27,215 lakh** this year against 21.2 lakh MT valued at ₹ **77,260 lakh** in the previous year.

The demand for imported thermal coal has shrunk in recent times due to increased domestic production. This has resulted in reduction in the quantity of Coal imported during the year. Since MSTC's markup is based on percentage basis of the price of imported coal, there was reduction in the service charge income due to the fall in the quantum of imports.

The total performance of Trading Division during **FY 2017-18** stands at ₹ **9,35,181** lakh.

C. Recycling:

MSTC's foray into recycling sector has formed a Joint Venture Company "Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd." with Mahindra Intertrade Ltd., now known as Mahindra Accello to set up the first Auto Shredding Plant in India, for which input raw materials like condemned automobiles, white goods, etc. are required.

A collection and dismantling centre with state of the art technology has been set up in Greater Noida as a supply feedstock for the main auto shredding plant. Foundation work for the shearer cum baler in the plant is nearing completion. Power connection of Noida Power Company Ltd. is going on. Vehicles are already procured from individual customers, OEMs, Government auctions and institutions and dismantled in plant. Certificate of Destruction has been issued to the customer for all the vehicles. Deregistration process has started for these vehicles.

MSTC is also conducting auctions for scrap goods generated in the collection centre.

Diversification of Growth and future developments

MSTC in association with the Ministry of Road Transport and Highways, Ministry of Heavy Industries, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) and other such bodies has taken up for enactment of a Law for incentivizing compulsory scrapping of End of Life Vehicles as existing in other developed and developing countries. In the near future, Govt. of India is coming up with a policy in this regard.

Future Growth and Development

MSTC has developed its e- shopping portal namely -"M3" MSTC Metal Mandi a virtual market place providing B2B & B2C facility for sale and purchase of Metal products.

एम 3 पोर्टल 24×7 आधार पर धात्विक उत्पादों एवं कच्ची सामग्रियों के विक्रेताओं एवं क्रेताओं को अपने रोज-ब-रोज व्यापार सम्पन्न करने के लिए परेशानी मुक्त पारदर्शी डिजिटल प्लेटफार्म में अनूठी सुविधा प्रदान करता है। पोर्टल को व्यापक प्रचार देने के लिए देश के विभिन्न भागों में एआईआईएफए एमआरएआई एवं बीएआई आदि जैसे संगठनों के सहयोग के साथ एमएसटीसी द्वारा कई रोड शो एवं क्रेता-विक्रेता बैठकों का आयोजन किया गया।

एम3 पोर्टल विक्रेताओं को उनको अपने बाजार स्थल को बड़ा करने में व्यापक पहुँच प्रदान करता है एवं क्रेतागण सर्वोच्य मूल्य प्राप्त करने हेतु खुले प्रतियोगितामूलक एवं पूर्णतया पारदर्शी डिजिटल वातावरण में शॉपिंग का प्लेटफार्म पाते हैं। एम3 पोर्टल विक्रेताओं एवं क्रेताओं दोनों के लिए एक वन स्टॉप शॉप प्रदान करता है। विक्रेताओं एवं क्रेताओं का पंजीयन पोर्टल पर अनवरत चल रहा है एवं यह प्रारंभिक प्रोत्साहन के रूप में पूर्णतया नि:शुल्क है।

इसके अतिरिक्त पोर्टल को आरआईएनएल की अपेक्षितानुसार स्थिर मूल्य बिक्री मॉडल हेतु संभावित क्रेताओं से कोटेशन प्राप्त करने के लिए एक अतिरिक्त विशेषता मसलन पूछताछ आधारित प्रणाली से संयोजित किया गया है। विभिन्न अन्य विक्रेताओं जैसे कि एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड, सेल आदि को भी यह प्रणाली प्रदान किया गया है।

लेनदेन पहले से ही पोर्टल पर प्रारंभ हो गये है एवं हाई कार्बन फेरो क्रोम, हाई कार्बन फेरो मैंगनीज, एमएस चैनल, एमएस बिलेट, आईएसएचबी एवं फेरो सिलिकन जैसे उत्पाद ''एम3'' पोर्टल के जरिए पहले ही बिक्री की गई है। इस पोर्टल के जरिए लेनदेन किए गए व्यवसाय का आंकड़ा वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ 130 करोड़ पार कर चुका है।

भविष्य की रूपरेखा

1. पूर्वोत्तर क्षेत्र कृषि एवं वन उत्पादों में धनी है यथा अदरक, अनानास, काली मिर्च, इलायची, आवंला, नारंगी, किसमिस, ऑर्किड आदि। लेकिन उत्पादकों के पास अपने उत्पादों के लिए कोई बाजार तक पहुँच एवं लॉजिस्टक सुविधा नहीं है। यह उन्हें न्यूनतम पारिश्रमिक पाने से वंचित करता है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की विशाल क्षमता को देखते हुए एमएसटीसी ने पूर्वोत्तर क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लि. (एनईआरएएमएसी) के एक एग्रेगेटर के रूप में, लॉजिस्टिक सुविधा के लिए सेंट्रल रेल साइड वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन (सीआरडब्ल्यूसी) जैसे सभी सक्षम साझेदारों को लेकर एक ईको सिस्टम विकसित किया है।

यह इको सिस्टम केवल उत्पादकों की वित्तीय स्थिति को ही नहीं सुधारेगा बल्कि फसलों को भारी अपव्यय के रोकेगा तथा देश के बाकी क्षेत्र को उम्दा उत्पाद उपलब्ध कराएगा। यह सहयोगी प्रयास पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास हेतु सरकारी नीति में परिकल्पित एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है।

2. एमएसटीसी भारत के लिए रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) नीति को तैयार करने की पहल का नेतृत्व कर रहा है, जो वर्तमान में असंगठित क्षेत्र को एक पर्यावरणीय संवेदिक रीसाइक्लिंग क्षेत्र में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आगे बढ़ रहे ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग संयंत्र की संस्थापना के लिए प्रस्ताव भी एक व्यापारिक अवसर है, जिस पर एमएसटीसी की नजर है। प्रस्तावित ऑटो श्रेडिंग प्लांट के साथ ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग प्लांट को शामिल करने की संभावना का पता लगाने के लिए प्रयास किया जा रहा है जो ई-वेस्ट में उपलब्ध कीमती धातुओं की उपलब्धता को निकाल एवं पुनर्प्राप्त भी कर सकता है।

"M3" portal provides an unique facility to Sellers and Buyers of metallic products and raw materials to carry out their day to day business in a hassle free and transparent digital platform on 24×7 basis. Several Road shows and buyer-seller meets have been organized by MSTC in association with organizations like AIIFA, MRAI and BAI etc. in different parts of the country to give wide publicity to the portal.

The "M3" portal provides sellers a wider exposure thereby enabling them to enlarge their market place and the buyers get a platform to shop in an open, competitive and fully transparent digital environment to get the best price. The M3 portal provides a one stop shop for both sellers and buyers. Registration of Sellers and Buyers on the portal is continuously going on and the same is being offered totally free of cost as an early bird incentive.

In addition to the fixed price sale model, as per requirement of RINL, an additional feature namely: "Enquiry Based System" has been incorporated on the portal to obtain quotations from prospective buyers. The same has also been extended to various other sellers like Essar Steel India Limited, SAIL etc.

Transactions have already started taking place on the portal and products like High Carbon Ferro Chrome, High Carbon Ferro Manganese, MS Channel, MS Billet, ISHB, and Ferro Silicon have already been sold through "M3" portal and the business transacted through the portal has crossed ₹ 130 crore mark during the financial year.

Future Outlook

1. North East Region is rich in agri and forest produce such as ginger, pineapple, black pepper, cardamom, amla, orange, kismis, orchid, etc. But the growers do not have any market access for their produces and the logistic support, which renders them hapless for their minimal remuneration.

Looking at the vast potential of North Eastern Region, MSTC has embarked upon developing eco system, bringing all the enabling partners such as North Eastern Regional Agricultural Marketing Corporation Ltd (NERAMAC) as an aggregator, Central Rail side Ware housing Corporation (CRWC), for logistic support.

This eco system will not only improve the financial status of the growers but also prevent the crops from colossal wastage and make available niche products to the rest of the country. This collaborative effort may play an important role as envisaged in the Government policy for the development of the North East Region.

2. MSTC is spearheading the initiatives of framing a recycling policy for India which will pave the path of converting presently an unorganized sector into an environmentally sensitive recycling sector.

Going forward a proposal for setting up of an e-Waste recycling Plant is also a business opportunity that MSTC is looking into. Efforts are on to explore the possibility of inclusion of e-Waste recycling plant with the proposed Auto Shredding Plant which can also extract & recover precious metals available in the e-Waste.

एमएसटीसी खनन ब्लाकों (कोयला और गैर-कोयला दोनों), खनिजों, कृषि एवं वन उत्पाद की ई-नीलामी तथा ई-प्रोक्योरमेंट पर ध्यान केंद्रीत करते हुए उपलब्ध क्षमता का लाभ उठाने के लिए ई-कॉमर्स व्यवसाय तेजी से बढ़ा रहा है। एमएसटीसी ने विभिन्न राज्यों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्प, परिधानों, पेंटिंग आदि के लिए ई-शॉपिंग मॉल प्रारम्भ करने की योजना बनायी है।

3. एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट हर प्रकार के व्यवसाय, विशेष रूप से ई-कॉमर्स के लिए निजी क्षेत्र के उपयोक्ताओं पर ध्यान केन्द्रित करती है।

कतिपय प्रमुख अवसर जिस पर एमएसटीसी प्रयास कर रही है

1. एमएसटीसी एनटीपीसी और सीआरडब्ल्यूसी के साथ कतिपय विद्युत संयंत्रों में पड़े हुए प्रचुर फ्लाई ऐश को निकालने के लिए कार्य कर रही है जहाँ आस-पास में मांग बहुत ही कम है। इन संयंत्रों से फ्लाई ऐश को विशेष रूप से डिजाइन किये गए वैगनों में पहुँचाया जाएगा जो सीमेंट बनाने के लिए कच्ची सामग्री की अपनी अपेक्षिता को पूरा करने के लिए फ्लाई ऐश को उच्चतर दरों (एमएसटीसी द्वारा संचालित ई-ऑक्शन में उपलब्ध किया हुआ) में खरीदते हैं।
2. हाल ही में ई-ऑक्शन के जरिए दोनों बड़े एवं लघु खनिज ब्लॉकों की बिक्री हेतु सरकार की पहल भी एमएसटीसी के लिए अवसर की खुली खिड़की है एवं अधिकांश राज्य सरकारों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए जो एमएसटीसी के राजस्व के लिए सकरात्मक परिणाम दे सकता है।
3. एमएसटीसी 110% बैंक गारंटी आधारित प्रोक्योरमेंट व्यापार मॉडल बना कर कम हो रहे ट्रेडिंग व्यापार सुदृढ़ करने के लिए प्रयास कर रही है। इसके साथ ही एमएसटीसी ई-कामर्स सक्षम ट्रेडिंग व्यापार शुरू करने पर जोर दे रही है जो वर्तमान ट्रेडिंग व्यापार मॉडल की अपेक्षा कम जोखिम व्यापार होगा। यह शुद्ध ट्रेडिंग व्यापार होने के कारण कंपनी के टर्नओवर में काफी बढ़ोतरी करेगा।
4. एमएसटीसी ने ई-ऑक्शन के जरिए देश के विभिन्न गोदामों में पड़े हुए खाद्यान्नों की बिक्री करने के लिए एनएएफईडी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया है। उसका प्रोक्योरमेंट भी ई-रिवर्स ऑक्शन के जरिए समझौते के दायरे में है।
5. ई-प्रोक्योरमेंट एक और संभावित क्षेत्र है जिसमें एमएसटीसी व्यापार को पकड़ने के लिए तेजी से प्रगति कर रही है। ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय क्षेत्र में गहन प्रवेश के लिए एमएसटीसी ने बहु ब्रोकर सुविधा शुरू की है।
6. राजस्थान सरकार ने रॉयल्टी संग्रह ठेका, अतिरिक्त रॉयलटी संग्रह ठेका (ईआरसीसी), संभावित लाइसेंस-सह-खनन लीज (पीएल कम एमएल) एवं लघु खनिजों हेतु खनन लीज के ई-ऑक्शन के लिए एमएसटीसी को नियुक्त किया है।
7. भारत सरकार ने एमएसटीसी को उसके ई-कॉमर्स पोर्टल के जरिए अपने विविध महत्वपूर्ण अभिनव योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु कार्य में शामिल किया है, कुछ कार्यान्वित हो चुके हैं तथा कुछ आनेवाले है। ऐसी ही एक योजना है ई-कॉमर्स के जरिए सीपीएसई का निवेश एवं डीआईपीएएम द्वारा इसका नेतृत्व दिया जा रहा है।
8. एमएसटीसी ने सीमेंट, इस्पात, स्पंज आयरन आदि जैसे गैर-नियमित क्षेत्र हेतु कोल लिंकेज का ई-ऑक्शन सफलतापूर्वक संचालित किया। कोल लिंकेज का ई-ऑक्शन कोयला मंत्रालय द्वारा शक्ति योजना के अधीन निहितार्थ है।
9. आईओसीएल के लिए एग्जिम उत्पादों हेतु सफल पोर्टल अन्य ओएमसी, सार्वजनिक एवं गैर सार्वजनिक - दोनों को दिया जा सकता है।

MSTC is increasing the e-commerce Business exponentially to exploit the available potential with a focus on e-auction of mining blocks (both coal & non-coal), minerals, agri & forest produce and e-procurement. MSTC has plans to launch e-shopping malls for handicrafts, apparels, painting, etc. in various States to promote Cottage Industries.

3. MSTC e-procurement focuses on private customers for all types of business particularly E-commerce.

Some of the major opportunities MSTC is pursuing:

1. MSTC is working with NTPC & CRWC for evacuating the abundant fly ash lying with some of the Power plants where demand in the vicinity is very scanty. The fly ash from these Power plants will be transported in a specially designed wagons to the Cement plants which may buy fly ash at much higher rates (achieved in e-auction conducted by MSTC) to meet its requirement of raw material to make cement.
2. The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments which may yield positive results to the revenue of MSTC.
3. MSTC is making efforts to resurrect the dwindling trading business by ramping up the 110% Bank Guarantee based procurement business model. Besides this, MSTC is gearing up to take up e-commerce enabled trading business which will be less risky business than the existing trading business model. It will jack up the turnover of the Company significantly due to pure trading business.
4. MSTC has signed an agreement with NAFED to sell the food grain lying with various godowns in the country through e-auction. Procurement of the same is also within the ambit of agreement through e-reverse auction.
5. E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi broker facility to make much deeper dent in the e-procurement domain of business.
6. Govt. of Rajasthan has appointed MSTC for e-Auction of Royalty Collection Contract, Excess Royalty Collection Contract (ERCC), Prospective License-cum-Mining Lease (PL cum ML) and Mining Lease for minor minerals.
7. Govt. of India has engaged MSTC for implementation of its various flagship Innovative schemes through its e-Commerce portal, some are already implemented and some are upcoming. One such scheme is disinvestment of CPSE through e-commerce route and is being spearheaded by DIPAM.
8. MSTC has successfully conducted e-auction of coal linkages for unregulated sector such as cement, steel, sponge iron, etc. The e-auction of coal linkage is on the anvil under Shakti scheme by Ministry of Coal.
9. The successful portals for exim products for IOCL may be extended to other OMC's both public and private.

सचेतक अभियुक्ति

"प्रबंधन चर्चा तथा विश्लेषण" कंपनी के प्रक्षेपण तथा आंकलन के तहत अभियुक्ति है। वास्तविक परिणाम ऐसी परिक्षेपण से भिन्न हो सकते हैं तथा यह आर्थिक स्थिति तथा संबंधित देशीय एवं अंतर्देशीय बाजार में उद्योग मांग पर निर्भर करती है। प्रक्षेपण तथा आंकलन को सरकार के विनियम, जिसमें वित्तीय नियमन तथा अन्य आकस्मिक कारक है, में भी प्रभावित कर सकती है।

प्रचालन एवं निष्पादन से संबंधित वित्तीय मानदंडों पर चर्चा

कार्य निष्पादन

क) एजेंसी व्यवसाय

इस वर्ष एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि ₹ **36,39,015** लाख है, जबकि वर्ष **2016-17** में यह राशि ₹ **32,71,682** लाख थी। वर्ष **2016-17** की तुलना में वर्ष **2017-18** का विवरण नीचे दिया जा रहा है।

व्यवसाय क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)	
	2017-18	**2016-17**
स्क्रैप की बिक्री	4,06,683	3,08,892
ई-बिक्री	15,51,469	14,12,712
कोयले की ई-निलामी	9,95,887	10,16,623
लौह अयस्क की ई-निलामी	6,84,976	5,33,455
कुल (क) :	**36,39,015**	**32,71,682**

व्यवसाय क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)	
	2017-18	**2016-17**
स्क्रैप की बिक्री	19,58,152	17,21,604
कोयले की बिक्री	9,95,887	10,16,623
लौह अयस्क	6,84,976	5,33,455
कुल (क) :	**36,39,015**	**32,71,682**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यवसाय क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)	
	2017-18	**2016-17**
ई-प्रोक्योरमेंट	36,26,896	14,04,149
कुल (ख) :	**36,26,896**	**14,04,149**
कुल (क + ख) :	**72,65,911**	**46,75,831**

ग) व्यापार

इस वर्ष व्यापार विभाग के निष्पादन की कुल राशि ₹ **9,35,181** लाख है जबकि वर्ष **2016-17** में यह राशि ₹ **4,59,765** लाख थी। वर्ष **2016-17** की तुलना में वर्ष **2017-18** का विवरण नीचे दिया जा रहा है :

व्यवसाय क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹ लाख में)	
	2017-18	**2016-17**
आयातित सामग्रियाँ	2,25,300	1,92,243
स्वदेशी सामग्रियाँ	7,09,881	2,67,522
कुल (ग) :	**9,35,181**	**4,59,765**
महायोग (क + ख + ग) :	**82,01,092**	**51,35,596**

Cautionary Statement

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on Company's projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

DISCUSSION ON FINANCIAL PARAMETERS WITH RESPECT TO OPERATIONS AND PERFORMANCE

Performance

A) Agency Business

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ **36,39,015 lakh**, against ₹ **32,71,682 lakh** in **2016-17**. Break-up for the year **2017-18** vis-à-vis **2016-17** is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in lakh)	
	2017-18	**2016-17**
Scrap Disposal	4,06,683	3,08,892
e-Sale	15,51,469	14,12,712
Coal e-auction	9,95,887	10,16,623
Iron ore e-auction	6,84,976	5,33,455
Total (A) :	**36,39,015**	**32,71,682**

Business Segment	Volume of Business (₹ in lakh)	
	2017-18	**2016-17**
Sale of Scrap	19,58,152	17,21,604
Sale of Coal	9,95,887	10,16,623
Iron ore	6,84,976	5,33,455
Total (A) :	**36,39,015**	**32,71,682**

B) E-Procurement

Business Segment	Volume of Business (₹ in lakh)	
	2017-18	**2016-17**
e-Procurement	36,26,896	14,04,149
Total (B) :	**36,26,896**	**14,04,149**
Total (A+B) :	**72,65,911**	**46,75,831**

C) Trading

The performance of the Trading Division shows a total volume of business of ₹ **9,35,181 lakh**, against ₹ **4,59,765 lakh** in **2016-17**. Break-up for the year **2017-18** vis-à-vis **2016-17** is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in lakh)	
	2017-18	**2016-17**
Imported materials	2,25,300	1,92,243
Indigenous materials	7,09,881	2,67,522
Total (C) :	**9,35,181**	**4,59,765**
Grand Total (A+B+C) :	**82,01,092**	**51,35,596**

जोखिम एवं चिन्ताएँ

एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय में पारंपरिक जोखिम रहता है, क्योंकि प्रिंसिपल किसी भी समय अपना माल खुद बेचने का निर्णय ले सकता है। प्रिंसिपल टेंडर का सहारा ले रहे हैं और छोटी कंपनियां कम सेवा प्रभार मांग रही हैं क्योंकि उनकी संरचना में निवेश कम है और सीवीसी के दिशा-निर्देश और आईटी एक्ट 2000 के प्रति उनका कोई दायित्व नहीं है। बहरहाल, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वजह से एमएसटीसी इस क्षेत्र में अपने अधिकांश व्यवसाय को कायम रखे हुए है।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एमएसटीसी के लिए यह अनिवार्य है कि वह सीवीसी के दिशा-निर्देशों, आईटी एक्ट, 2000 के निर्देशों का तथा एसटीक्यूसी के लेखा परीक्षण की आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें। इसेक लिए एमएसटीसी को सिस्टम की संरचना में बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है, लेकिन निजी कंपनियों के ऊपर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है, अगर सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने टेंडर दस्तावेज में सेवा प्रदाता के लिए सीवीसी के दिशा-निर्देशों के पालन की अनिवार्यता का प्रावधान नहीं करते हैं तो एमएसटीसी के लिए आदेश पाना क्रमश: कठिन होता जाएगा, क्योंकि निजी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके लिए कम सेवा दर कोट करना मुमकिन होता है।

ट्रेडिंग व्यवसाय (आयात एवं निर्यात)

इस क्षेत्र में मुख्यत: उद्योगों के लिए आयात या देशीय स्रोतों से कच्चे माल की व्यवस्था करने का कार्य करते हैं। सामग्रियां एमएसटीसी के प्रतिभूत में रहता है तथा भुगतान के आधार पर सुपुर्दगी की जाती है। ग्राहकों के नियत उत्पादन में परिवर्तन एवं बाजार में अस्थिरता के कारण उनके द्वारा बनाए गए समय सारणी के अनुसार सामग्रियों को न उठाने का जोखिम रहता है। तथापि, ग्राहकों से मूल्य के 110% की बैंक गारंटी की रसीद के तहत सामग्रियों को प्राप्त करने से जोखिम कम हो जाता है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स समर्थित व्यवसाय में प्रयासरत है। इसमें मौजूदा ट्रेडिंग व्यवसाय मॉडल की तुलना में न्यूनतम जोखिम रहता है।

जोखिम, आंतरिक नियंत्रण एवं उनकी पर्याप्तता

वर्ष 2008-09 में जोखिम प्रबंधन नीति को एमएसटीसी में लागू किया गया। 05.04.2018 में यह नीति अंतिम बार संशोधित किया गया था। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करती है कि कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली जोखिम लेने की क्षमताओं के अन्दर कार्य करे एवं इसे और बेहतर एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल करे।

व्यापार के अन्य क्षेत्रों अर्थात ई-कॉमर्स के लिए जोखिम प्रबंधन नीति 2015-16 में प्रारंभ किया गया है ताकि इस व्यापार में आवश्यक सुरक्षा दी जा सके।

मेसर्स एम.सी. भंडारी एंड कं. सनदी लेखापाल को इस वर्ष के लिए कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षण के लिए नियुक्त किया गया था और उनके प्रतिवेदन को प्रबंधन के समक्ष नियमित अंतराल पर रखा जाता है एवं महत्वपूर्ण मुद्दों का संक्षिप्त विवरण को लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखा जाता है। लेखा समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों की समीक्षा करती है और समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष पेश किया जाता है और निदेशक मंडल के विवेचना के अनुसार लागू करते हैं। लेखा परीक्षा समिति विभिन्न वित्तीय विवरणों के भी जोखिम विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए कार्य करती है।

Risks and Concerns

Agency Business

The Selling Agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late, principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investment in infrastructure and nil obligations towards CVC guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, regulation of IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systems infrastructure, whereas, the private players are not under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providers in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

Trading Business (Import & Export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given to the customers on payment basis. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market. However, the risk is substantially reduced for sourcing materials against receipt of Bank Guarantee for 110% of value from the customers.

MSTC is pursuing e-commerce enabled trading business which has minimum risk involved as compared to existing trading business model.

Risks, Internal Control Systems and their adequacy

Risk Management Policy in MSTC for trading was introduced in the year 2008-09. The policy has been last revised on 05.04.2018. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the Company and is being fine-tuned to include more safeguards for being more effective.

Risk Management Policy for another segment of business i.e. e-commerce has also been introduced in 2015-16 to have necessary safeguards in this business too.

M/s. M.C. Bhandari & Co., Chartered Accountants was assigned with the Internal Audit function of the Company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The Audit Committee analyses the functions of the internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

ऊर्जा एवं संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्यत: विभिन्न ग्राहकों के लिए स्क्रैप सामग्री विशेषत: फेरस स्क्रैप तथा इन स्क्रैप की रीसाइक्लिंग के लिए व्यापार करती है। इस तरह एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने में, दोबारा इस्तेमाल के योग्य फेरस स्क्रैप के पुन: चक्रण द्वारा ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में काम करती है एवं ग्राहक द्वारा प्रक्रिया के बाद पुन: व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के स्क्रैप की नीलामी करती है।

मानव संसाधन के विकास पर सूचनाएं, औद्योगिक संबंध और निगमित सामाजिक दायित्व का उल्लेख निदेशक मंडल की रिपोर्ट में किया गया है।

एमएसटीसी द्वारा नियोजित ऑटो श्रेडिंग संयंत्र भारत में अपने तरह का प्रथम संयंत्र होगा। यह आईएफ एवं ईएएफ रूटों के इस्तेमाल द्वारा भारत में सेकेंडरी स्टील के निर्माण को बढ़ावा देगी। इस प्रक्रिया में कम ऊर्जा की खपत होती है एवं बीएफ एवं कनवर्टरों इत्यादि के प्रयोग करने की प्राथमिक प्रक्रिया की तुलना में कम प्रदूषण फैलाती है।

इस मार्ग (रूट) के अधीन उत्पादकता भी पारम्परिक विधि की तुलना में अधिक है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से

(बी. बी. सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Conservation of Energy and Resources

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, especially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling Company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

Information on development of HR, Industrial Relations and Corporate Social Responsibility is mentioned in the Directors' Report.

The Auto Shredding Plant being planned by MSTC will be first of its kind in India, will promote Secondary Steel making in India using IF and EAF routes. These processes consume less energy and pollute less than primary process of utilizing BFs and Convertors etc.

The productivity under this route is also much higher than the conventional methods.

For & on behalf of the Board of Directors

(B. B. Singh)

Chairman-cum-Managing Director

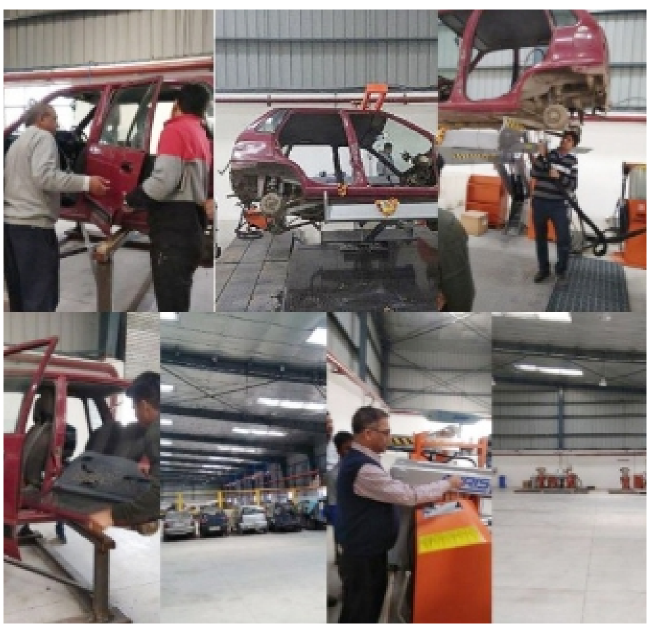

वाहनों एवं व्हाइट गुड्स के अंतिम पड़ाव पर पहुंचे सुगठित रिसाइक्लिंग एवं श्रेडिंग हेतु ऑटो श्रेडिंग प्लाटं की स्थापना के लिए एमएसटीसी द्वारा गठित एक संयुक्त उद्यम कंपनी, एमएमआरपीएल के संग्रह एवं विघटन केन्द्र (उत्तरप्रदेश के नोएडा में) के संयंत्र कार्य-प्रचालनों की कुछ तस्वीरें।

Some of the pictures of plant operations of Collection & Dismantling Center (at Noida, UP) of MMRPL, a Joint Venture Company formed by MSTC for setting up Auto Shredding Plant for organised recycling and shredding of End of Life vehicles and white goods.

एमएसटीसी द्वारा शाही लीची की ई-नीलामी की गई, जिसकी बिक्री कोलकाता में स्पेन्सर्स की एक दुकान से हो रही है।

Shahi Litchi e-auctioned by MSTC being sold at one of the Spencer's outlet at Kolkata.

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का प्रमाणीकरण

मैं यह घोषणा करता हूँ कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जून, 2008 को अपनी 229वीं बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसारित व्यावसायिक आचार संहिता एवं नैतिक मूल्यों के मॉडल कोड को ग्रहण किया है एवं सभी बोर्ड सदस्य एवं सभी वरिष्ठ प्रबंधकों ने इस वर्ष के लिए इस आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते एवं निदेशक मंडल कीओर से

बी० बी० सिंह

(बी. बी. सिंह)

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the company in its 229th meeting held on 27-06-08 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

For & on behalf of Board of Directors

(B. B. Singh)

Chairman-cum-Managing Director

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
*Phone : 9038065836
8100909418*

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala Chinsurha
Hooghly-712101. W. B.

निगमित अभिशासन अनुपालन प्रमाणपत्र

कॉरपोरेट आईडेंटिफिकेशन नंबर : **U27320WB1964GOI026211**

अधिकृत पूंजी : ₹. 50,00,00,000/-

सेवा में,

एमएसटीसी के सदस्यगण

225/सी, एजेसी बोस रोड

कोलकाता - 700020

मैंने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन के अभिप्रमाणन के उद्देश्य के लिए समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2018 हेतु एमएसटीसी लि. के सभी सम्बद्ध रिकॉर्डों की जांच की है। मैंने सभी सूचनाएं एवं व्याख्या प्राप्त किये जो प्रमाणीकरण के उद्देश्य हेतु मेरे ज्ञान एवं विश्वास से आवश्यक थे।

निगमित अभिशासन के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। मेरी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी ने निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन की सुनिश्चितता के लिए अपनाया था।

प्रस्तुत किए गए रिकॉर्डों एवं व्याख्या तथा सूचनाओं की जांच पर मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कम्पनी ने समुचित रिकॉर्डों का अनुरक्षण किया है और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों हेतु निगमित अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देश 2010 में निर्धारित निगमित अभिशासन की शर्तों का अनुपालन किया है।

KOLKATA

स्थान : कोलकाता

दिनांक : 27/07/2018

सौम्यो ज्योति सील

पेशेवर कम्पनी सचिव

सी. पी. नं. : 11169

ई-मेल :seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
*Phone : 9038065836
8100909418*

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala Chinsurha
Hooghly-712101. W. B.

CORPORATE GOVERNANCE COMPLIANCE CERTIFICATE

CORPORATE IDENTIFICATION NUMBER : **U27320WB1964GOI026211**

Authorized Capital : ₹ **50,00,00,000/-**

To,

The Members of

MSTC Ltd.

225/C, A J C Bose Road

Kolkata - 700020

I have examined all the relevant records of MSTC Ltd. for the year ended 31st March, 2018 for the purpose of certifying compliance of the conditions of Corporate Governance as stipulated in Department of Public Enterprises (DPE) Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises. I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of certification.

The compliance of Corporate Governance is the responsibility of the management. My examination was limited to the procedure and implementation process adopted by the Company for ensuring the compliance of conditions of Corporate Governance.

On the basis of my examination of the records produced and the explanations and information furnished, I certify that the Company has maintained proper records and complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated In DPE Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises for the financial year ending 31st March, 2018

Place : Kolkata

Date : 27/07/2018

SAUMAYO JYOTI SEAL
Practicing Company Secretary
C.P. No. : 11169

email : seal.saumayo@gmail.com

अनुलग्नक – III

प्रपत्र सं. एमजीटी-9

वार्षिक रिटर्न का सारांश 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष

[कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 92(3) एवं कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 12(1) के तहत]

I. प्रपत्र पंजीयन एवं अन्य विवरण :

i) सी आई एन :	U27320WB1964GOI026211
ii) पंजीयन की तारीख :	09/09/1964
iii) कंपनी का नाम	एमएसटीसी लिमिटेड
iv) कंपनी की श्रेणी / उप–श्रेणी	शेयरों द्वारा कम्पनी लिमिटेड / सरकारी कंपनी
v) पंजीकृत कार्यालय का पता एवं सम्पर्क विवरण	225/सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700020 पश्चिम बंगाल
vi) क्या यह सूचीबद्ध कंपनी है / नहीं	नहीं
vii) रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट, यदि कोई है, का नाम, पता एवं सम्पर्क विवरण	सी बी मैनेजमेंट सर्विसेस (पी) लिमिटेड सीआईएन : U74140WB1994PTC062959 पी-22, बोंडेल रोड, कोलकाता – 700019 दूरभाष : 40116700 फैक्स : 40116739 ई–मेल : rta@cbmsl.com

Annexure - III

Form No. MGT-9

EXTRACT OF ANNUAL RETURN as on the financial year ended on 31st March, 2018

[Pursuant to section 92(3) of the Companies Act, 2013 and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

I. REGISTRATION AND OTHER DETAILS

i) CIN:-	U27320WB1964GOI026211
ii) Registration Date	09/09/1964
iii) Name of the Company	MSTC Limited
iv) Category / Sub-Category of the Company	Company limited by shares/ Government Company
v) Address of the registered office and contact details	225/C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700020 West Bengal
vi) Whether listed company Yes / No:-	NO
vii) Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any	C B Management Services (P) Limited CIN: U74140WB1994PTC062959 P-22, Bondel Road, Kolkata – 700019 Telephone No: 40116700 Fax: 40116739 e-mail: rta@cbmsl.com

II. कंपनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ

कंपनी के कुल टर्नओवर के 10 % या अधिक का अंशदान करनेवाली सभी व्यवसायी गतिविधियों का वर्णन नीचे दिया गया है :-

क्र. सं.	मुख्य उत्पादों / सेवाओं का नाम एवं विवरण	उत्पाद / सेवा का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल टर्नओवर का %
1	एजेंसी व्यापार	लागू नहीं	14.61
2	विपणन	लागू नहीं	85.39

III. नियंत्रक, सहायक एवं सहयोगी कंपनियों का ब्यौरा

क्र. सं.	कंपनी का नाम एवं पता	सीआईएन / जीएलएन	नियंत्रक / सहायक सहयोगी	धारित शेयरों का %	लागू धारा
1.	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	U27102CT1989GOI005468	सहायक	100	2(87)
2.	महिंद्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड	U37100MH2016PTC288535	संयुक्त उद्यम	50	2(6)

IV. शेयर धारण करने की पद्धति (कुल इक्विटी के प्रतिशत के अनुसार इक्विटी शेयर पूंजी का विभाजन)

i) श्रेणीवार शेयर धारिता

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	
क. प्रोमोटर्स									
(1) भारतीय									
(क) व्यक्तिगत / एचयूएफ	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ख) केन्द्रीय सरकार	0	15812800	15812800	89.8455	0	31625600	31625600	89.8455	0.0000
(ग) राज्य सरकार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(घ) निकाय निगम	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ङ) बैंक / वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(च) कोई अन्य	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
उप-योग (क) (1)	**0**	**15812800**	15812800	89.8455	**0**	**31625600**	31625600	89.8455	0.0000
(2) विदेशी									
(क) एनआरआई - व्यक्तिगत	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ख) अन्य - व्यक्तिगत	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ग) निकाय निगम	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(घ) बैंक / वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ङ) कोई अन्य	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
उप-योग (क) (2)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.00
प्रमोटर की कुल शेयरधारिता (क) =									
(क)(1)+(क)(2)	0	**15812800**	15812800	89.8455	0	**31625600**	31625600	89.8455	0.0000

II. PRINCIPAL BUSINESS ACTIVITIES OF THE COMPANY

All the business activities contributing 10 % or more of the total turnover of the company shall be stated:-

Sl. No.	Name and Description of main products / services	NIC Code of the Product/ service	% to total turnover of the company
1	Agency Business	NA	14.61
2	Marketing	NA	85.39

III. PARTICULARS OF HOLDING, SUBSIDIARY AND ASSOCIATE COMPANIES

Sl. No.	NAME AND ADDRESS OF THE COMPANY	CIN/GLN	HOLDING/ SUBSIDIARY/ ASSOCIATE	% of shares held	Applicable Section
1.	Ferro Scrap Nigam Limited	U27102CT1989GOI005468	Subsidiary	100	2(87)
2.	Mahindra MSTC Recycling Pvt Ltd	U37100MH2016PTC288535	Joint Venture	50	2(6)

IV. SHARE HOLDING PATTERN (Equity Share Capital Breakup as percentage of Total Equity)

i) Category-wise Share Holding

Category of Shareholder	Number of shares held at the beginning of the year				Number of shares held at the end of the year				% change during the year
	Demat	Physical	Total	% of total shares	Demat	Physical	Total	% of total shares	
A. Promoters									
(1) Indian									
(a) Individual/ HUF	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(b) Central Government	0	15812800	15812800	89.8455	0	31625600	31625600	89.8455	0.0000
(c) State Government(s)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(d) Bodies Corporate	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(e) Banks/FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(f) Any Other	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
Sub Total(A)(1)	**0**	**15812800**	15812800	89.8455	**0**	**31625600**	31625600	89.8455	0.0000
(2) Foreign									
(a) NRIs-Individuals	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(b) Other - Individuals	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(c)Bodies Corporate	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(d) Banks/FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(e) Any Other	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
Sub Total(A)(2)	**0**	**0**	**0**	**0.0000**	**0**	**0**	**0**	**0.0000**	**0.00**
Total Shareholding of Promoter (A) = (A)(1)+(A)(2)	0	**15812800**	15812800	89.8455	0	**31625600**	31625600	89.8455	0.0000

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	
ख. सार्वजनिक शेयरधारिता									
1. संस्थान									
(क) म्यूचुअल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ख) बैंक / वित्तीय संस्थान	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ग) केन्द्रीय सरकार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(घ) राज्य सरकार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ङ) वेंचर कैपिटल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(च) इंश्योरेन्स कम्पनियां	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(छ) एफआईआई	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ज) विदेशी वेंचर कैपिटल फंड्स	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(झ) अन्य (निर्दिष्ट) करें	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
उप – योग (ख) (1)	**0**	**0**	**0**	**0.0000**	**0**	**0**	**0**	**0.0000**	**0.0000**
2. गैर–संस्थान									
(क) निकाय निगम									
(i) भारतीय	0	559875	559875	3.1811	39217	1022775	1061992	3.0170	-0.1641
(ii) समुद्रीयपार	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ख) व्यक्तिगत									
(i) व्यक्तिगत शेयरधारक रु. 1 लाख तक नॉमिनल शेयर पूंजी धारित कर रहे हैं	0	383585	383585	2.1795	226500	380952	607452	1.7257	-0.4537
(ii) व्यक्तिगत शेयरधारक रु. 1 लाख से अधिक नॉमिनल शेयर पूंजी धारित कर रहे हैं	0	839740	839740	4.7713	583280	1146076	1729356	4.9129	0.1417
(ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)									
(i) योग्य विदेशी निवेशक	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ii) ट्रस्ट और फाउंडेशन	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(iii) अनिवासी व्यक्तियों	0	4000	4000	0.0227	15600	8000	23600	0.0670	0.0443
(iv) निवेशक शिक्षण एवं संरक्षण निधि	0	0	0	0.0000	152000	0	152000	0.4318	0.4318
उप – योग (ख) (2)	**0**	**1787200**	**1787200**	10.1545	**1016597**	**2557803**	**3574400**	10.1545	0.0000
कुल सार्वजनिक शेयरधारिता (ख) = (ख)(1)+(ख)(2)	**0**	**1787200**	**1787200**	10.1545	**1016597**	**2557803**	**3574400**	10.1545	0.0000
(ग) जीडीआर एवं एडीआर हेतु अभिरक्षक द्वारा धारित शेयर	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ख)कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**0**	**17600000**	**17600000**	100.0000	**1016597**	**34183403**	**35200000**	100.0000	0.0000

Category of Shareholder	Number of shares held at the beginning of the year				Number of shares held at the end of the year				% change during the year
	Demat	Physical	Total	% of total shares	Demat	Physical	Total	% of total shares	
B. Public shareholding									
1. Institutions									
(a) Mutual Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(b) Banks/FI	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(c) Central Government	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(d) State Government(s)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(e) Venture Capital Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(f) Insurance Companies	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(g) FIIs	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(h) Foreign Venture Capital Funds	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(i) Other (specify)	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
Sub-Total (B)(1)	**0**	**0**	0	0.0000	**0**	**0**	0	0.0000	0.0000
2. Non-institutions									
(a) Bodies Corporate									
(i) Indian	0	559875	559875	3.1811	39217	1022775	1061992	3.0170	-0.1641
(ii) Overseas	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(b) Individuals									
(i) Individual shareholders holding nominal share capital up to ₹ 1 lakh	0	383585	383585	2.1795	226500	380952	607452	1.7257	-0.4537
(ii) Individual shareholders holding nominal share capital in excess of ₹ 1 lakh.	0	839740	839740	4.7713	583280	1146076	1729356	4.9129	0.1417
(c) Others (specify)									
(i) Qualified Foreign Investor	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(ii) Trust & Foundations	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
(iii) Non-Resident Individuals	0	4000	4000	0.0227	15600	8000	23600	0.0670	0.0443
(iv) Investor Education & Protection Fund	0	0	0	0.0000	152000	0	152000	0.4318	0.4318
Sub-Total (B)(2)	**0**	**1787200**	**1787200**	10.1545	**1016597**	**2557803**	**3574400**	10.1545	0.0000
Total Public Shareholding (B)= (B)(1)+(B)(2)	**0**	**1787200**	**1787200**	10.1545	**1016597**	**2557803**	**3574400**	10.1545	0.0000
C. Shares held by Custodians for GDRs & ADRs	0	0	0	0.0000	0	0	0	0.0000	0.0000
GRAND TOTAL (A)+(B)+(C)	**0**	**17600000**	**17600000**	100.0000	**1016597**	**34183403**	**35200000**	100.0000	0.0000

(ii) प्रमोटरों की शेयरधारिता

क्र.सं.	शेयरधारकों के नाम	वर्ष के प्रारम्भ शेयरधारिता शेयरों की संख्या	में कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में प्रतिज्ञित/भारित शेयरों का %	वर्ष के अंत मे शेयरधारिता शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में प्रतिज्ञित/भारित शेयरों का %	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में % परिवर्तन
1	भारत के राष्ट्रपति	15812600	89.85	शून्य	31625200	89.85	शून्य	शून्य
2	श्री सूरज भान *	40	0	शून्य	80	0	शून्य	शून्य
3	श्री एस के त्रिपाठी *	40	0	शून्य	80	0	शून्य	शून्य
4	श्री बी. बी. सिंह *	40	0	शून्य	80	0	शून्य	शून्य
5	श्री ए. के. बसु *	40	0	शून्य	80	0	शून्य	शून्य
6	श्री सुब्रत कुमार राय *	40	0	शून्य	80	0	शून्य	शून्य
	कुल	**15812800**	**89.85**	शून्य	**31625600**	**89.85**	शून्य	शून्य

* भारत के राष्ट्रपति के नामांकित के रूप में

(iii) प्रमोटरों की शेयरधारिता में परिवर्तन (कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई परिवर्तन नहीं है) :

क्र. सं.	फोलियो सं.	नाम	टिप्पणियाँ	वर्ष के प्रारम्भ में शेयरधारिता: शेयरधारिता / लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता: शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	पी000003	भारत के राष्ट्रपति	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	15812600	44.92	15812600	44.92
			वृद्धि	14/07/2017	15812600	44.92	31625200	89.84
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			31625200	89.84
2.	बी000010	बी बी सिंह	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			वृद्धि	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80	0.00
3.	सी000002	ए के बसु	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			वृद्धि	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80	0.00
4.	आर000003	सुब्रत कुमार राय	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			वृद्धि	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80	0.00
5	एस000040	सूरज भान	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			वृद्धि	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80	0.00
6.	टी000016	एस के त्रिपाठी	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			वृद्धि	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80	0.00

(ii) Shareholding of Promoters

Sl No.	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Shareholding at the end end of the year			% change shareholding
		No. of Shares	% of total shares of the company	% of Shares Pledged / encumbered to total shares	No. of Shares of the company	% of total shares encumbered to total shares	% of Shares Pledged /	the year shares
1	President of India	15812600	89.85	NIL	31625200	89.85	NIL	NIL
2	Shri Suraj Bhan *	40	0	NIL	80	0	NIL	NIL
3	Shri S.K. Tripathi *	40	0	NIL	80	0	NIL	NIL
4	Shri B. B. Singh *	40	0	NIL	80	0	NIL	NIL
5	Shri A. K. Basu *	40	0	NIL	80	0	NIL	NIL
6	Shri Subrata Kumar Ray *	40	0	NIL	80	0	NIL	NIL
	Total	**15812800**	**89.85**	**NIL**	**31625600**	**89.85**	**NIL**	**NIL**

* As nominee of President of India

(iii) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change):

Sl No.	Folio No.	Name	Remarks	Sharehold ing/ Trans action Date	Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
					No. of Shares	% of total Shares of The Company	% of Shares Shares	% of Total Shares of The Company
1.	P000003	President of India	At the begining of the year	01/04/2017	15812600	44.92	15812600	44.92
			Increase	14/07/2017	15812600	44.92	31625200	89.84
			At the end of the year	31/03/2018			31625200	89.84
2.	B000010	B. B. Singh	At the begining of the year	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			Increase	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			At the end of the year	31/03/2018			80	0.00
3.	C000002	A. K. Basu	At the begining of the year	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			Increase	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			At the end of the year	31/03/2018			80	0.00
4.	R000003	Subrata Kumar Roy	At the begining of the year	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			Increase	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			At the end of the year	31/03/2018			80	0.00
5.	S000040	Suraj Bhan	At the begining of the year	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			Increase	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			At the end of the year	31/03/2018			80	0.00
6.	T000016	Shri S. K. Tripathi	At the begining of the year	01/04/2017	40	0.00	40	0.00
			Increase	14/07/2017	40	0.00	80	0.00
			At the end of the year	31/03/2018			80	0.00

(iv) शीर्ष के दस शेयरधारकों की शेयरधारिता का स्वरूप (निदेशक, प्रमोटर्स एवं जीडीआर और एडीआर के धारकों के अलावा) :

क्र. सं.	फोलियो सं.	नाम	टिप्पणियाँ	वर्ष के प्रारम्भ में शेयरधारिता			वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
				शेयरधारिता / लेनदेन की तारीख	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	एस 000036	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि.	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	160000	0.45	160000	0.45
			वृद्धि	14/07/2017	160000	0.45	160000	0.91
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			160000	0.91
2.	टी000008	टेक्समैको लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	120000	0.34	120000	0.34
			वृद्धि	14/07/2017	120000	0.34	240000	0.68
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			240000	0.68
3.	जे000001	जे के ट्रेडर्स लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	96000	0.27	96000	0.27
			वृद्धि	14/07/2017	96000	0.27	192000	0.55
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			192000	0.55
4.	यू000001	अनुसूया उदानी	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	45600	0.13	45600	0.13
			वृद्धि	14/07/2017	45600	0.13	91200	0.26
			कमी	02/02/2018		0.25	2500	0.01
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			2500	0.01
5.	सी000001	केनरा वर्कशॉप लि.	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40000	0.11	40000	0.11
			वृद्धि	14/07/2017	40000	0.11	80000	0.23
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80000	0.23
6.	टी000005	टाटा मोटर्स लिमिटेड	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	40000	0.11	40000	0.11
			वृद्धि	14/07/2017	40000	0.11	80000	0.23
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			80000	0.23
7.	एन000003	श्रीमती सईदा इकबाल नथानी	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	36800	0.10	36800	0.10
			वृद्धि	14/07/2017	36800	0.10	73600	0.21
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			73600	0.21
8.	के000006	श्री मुकुन्द खैतान	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	32000	0.09	32000	0.09
			वृद्धि	14/07/2017	32000	0.09	64000	0.18
			कमी	22/09/2017	64000	0.18	0	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			0	0.00
9.	के000015	जी कुमारसन	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	31700	0.09	31700	0.09
			कमी	11/08/2017	31700	0.09	0	0.00
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			0	0.00
10.	एस000030	श्रीमती कल्पना शर्मा	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	25800	0.07	25800	0.07
			वृद्धि	14/07/2017	25800	0.07	51600	0.15
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			51600	0.15
11.	एएजीपीयू6165एन	इशिता टोडी	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			वृद्धि	02/02/2018	88700	0.25	88700	0.25
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			88700	0.25
12.	एएनजेडपीके0563ए	मुकुंद खैतान	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			वृद्धि	29/09/2017	64000	0.18	64000	0.18
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			64000	0.18
13.	एबीवीपीके3515ए	जी कुमारसन	वर्ष के प्रारम्भ में	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			वृद्धि	12/05/2017	31700	0.09	31700	0.09
			वृद्धि	18/18/2017	31700	0.09	63400	0.18
			वर्ष के अंत में	31/03/2018			63400	0.18

(iv) Shareholding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs):

Sl No.	Folio No.	Name	Remarks	Shareholding/ Transaction Date	Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
					No. of Shares	% of total Shares of The Company	% of Shares Shares	% of Total Shares of The Company
1.	S000036	Steel Authority of India Limited	At the begining of the year	01/04/2017	160000	0.45	160000	0.45
			Increase	14/07/2017	160000	0.45	160000	0.91
			at the end of the year	31/03/2018			160000	0.91
2.	T000008	Texmaco Limited	At the begining of the year	01/04/2017	120000	0.34	120000	0.34
			Increase	14/07/2017	120000	0.34	240000	0.68
			at the end of the year	31/03/2018			240000	0.68
3.	J000001	J. K. Traders Ltd.	At the begining of the year	01/04/2017	96000	0.27	96000	0.27
			Increase	14/07/2017	96000	0.27	192000	0.55
			at the end of the year	31/03/2018			192000	0.55
4.	U000001	Anasuya Udani	At the begining of the year	01/04/2017	45600	0.13	45600	0.13
			Increase	14/07/2017	45600	0.13	91200	0.26
			Decrease	02/02/2018		0.25	2500	0.01
			at the end of the year	31/03/2018			2500	0.01
5.	C000001	Canara Workshop Ltd.	At the begining of the year	01/04/2017	40000	0.11	40000	0.11
			Increase	14/07/2017	40000	0.11	80000	0.23
			at the end of the year	31/03/2018			80000	0.23
6.	T000005	Tata Motors Ltd.	At the begining of the year	01/04/2017	40000	0.11	40000	0.11
			Increase	14/07/2017	40000	0.11	80000	0.23
			at the end of the year	31/03/2018			80000	0.23
7.	N000003	Mrs. Saida Ikbal Nathani	At the begining of the year	01/04/2017	36800	0.10	36800	0.10
			Increase	14/07/2017	36800	0.10	73600	0.21
			at the end of the year	31/03/2018			73600	0.21
8.	K000006	Shri Mukund Khaitan	At the begining of the year	01/04/2017	32000	0.09	32000	0.09
			Increase	14/07/2017	32000	0.09	64000	0.18
			Decrease	22/09/2017	64000	0.18	0	0.00
			at the end of the year	31/03/2018			0	0.00
9.	C000001	G. Kumaresan	At the begining of the year	01/04/2017	31700	0.09	31700	0.09
			Decrease	11/08/2017	31700	0.09	0	0.00
			at the end of the year	31/03/2018			0	0.00
10.	S000030	Mrs. Kalpana Sharma	At the begining of the year	01/04/2017	25800	0.07	25800	0.07
			Increase	14/07/2017	25800	0.07	51600	0.15
			at the end of the year	31/03/2018			51600	0.15
11.	AAGPU6165N	Ishita Todi	At the begining of the year	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			Increase	02/02/2018	88700	0.25	88700	0.25
			at the end of the year	31/03/2018			88700	0.25
12.	ANZPK0563A	Mukund Khaitan	At the begining of the year	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			Increase	29/09/2017	64000	0.18	64000	0.18
			at the end of the year	31/03/2018			64000	0.18
13.	ABVPK3515A	G Kumaresan	At the begining of the year	01/04/2017	0	0.00	0	0.00
			Increase	12/05/2017	31700	0.09	31700	0.09
			Increase	18/18/2017	31700	0.09	63400	0.18
			at the end of the year	31/03/2018			63400	0.18

(v) निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता :

क्र सं.		वर्ष के प्रारम्भ में शेयरधारिता		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
1.	निदेशकों एवं केएमपी हेतु	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
	वर्ष के प्रारम्भ में	200	0	200	0
	वर्ष के दौरान धारित शेयरों में तारीख वार वृद्धि / ह्रास – वृद्धि / ह्रास हेतु कारणों को निर्दिष्ट करते हुए (यथा : आबंटन / हस्तांतरण / बोनस / उद्यमी इक्विटी आदि) : दिनांक 14/07/2017 को बोनस इश्यू	200	0	200	0
	वर्ष के अंत में	400	0	400	0

V. ऋणभार :

बकाया / अर्जित ब्याज सहित कंपनी का ऋणभार परन्तु भुगतान हेतु बकाया नहीं है

(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	सुरक्षित ऋण जमा की छोड़कर	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणभार
1.	**वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ में ऋणभार**				
i)	प्रमुख राशि	44473	24362	0	68835
ii)	बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया	0	10	0	10
iii)	अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं	0	7889	0	7889
	योग (i+ii+iii)	44473	32261	0	76734
2.	**वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणभार में परिवर्तन**				
	i) संयोजन	17329	0	0	17329
	ii) कटौती	0	17892	0	17892
	शुद्ध परिवर्तन	**17329**	**(17892)**	**0**	**(563)**
3.	**वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणभार**				
	i) प्रमुख राशि	61802	14362	0	76164
	ii) बकाया ब्याज परन्तु चुकता नहीं किया गया	0	7	0	7
	iii) अर्जित ब्याज परन्तु बकाया नहीं	0	0	0	0
	योग (i+ii+iii)	**61802**	**14369**	**0**	**76171**

VI. निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक का पारिश्रमिक :

(क) प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशकों और / या प्रबंधक को पारिश्रमिक :

(रु. लाख में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/प्रबंधक के नाम	कुल राशि
		श्री बी. बी. सिंह अध्यक्ष सह प्रबंधक निदेशक	श्री ए. के. बसु निदेशक (वित्त)	श्रीमती भानु कुमार निदेशक (वाणिज्यिक) दिनांक 12.10.17 से प्रभावी	
1	सकल वेतन	51	44	19	114
2	विकल्प स्टॉक	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
3	उद्यमी इक्विटी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
4	कमीशन	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें :				
	सीपीएफ को कंपनी का योगदान	10	10	9	29
	कुल (क)	61	54	28	143
	अधिनियम के अनुसार सीलिंग				

(v) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel:

Sl No.		Shareholding at the beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
1.	For Directors and KMP	No. of Shares	% of total shares of the company	No. of Shares	% of total shares of the company
	At the beginning of the year	200	0	200	0
	Date wise Increase / Decrease in Shareholding during the year specifying the reasons for increase / decrease (e.g. allotment / transfer / bonus/ sweat equity etc.): Bonus issue on 14/07/2017	200	0	200	0
	At the End of the year	400	0	400	0

V. INDEBTEDNESS

Indebtedness of the Company including interest outstanding/accrued but not due for payment

(₹ in lakh)

Sl. No.	Particulars	Secured Loans excluding deposits	Unsecured Loans	Deposits	Total Indebtedness
1.	**Indebtedness at the beginning of the financial year**				
i)	Principal Amount	44473	24362	0	68835
ii)	Interest due but not paid	0	10	0	10
iii)	Interest accrued but not due	0	7889	0	7889
	Total (i+ii+iii)	44473	32261	0	76734
2.	Change in Indebtedness during the financial year				
	i) Addition	17329	0	0	17329
	ii) Reduction	0	17892	0	17892
	Net Change	**17329**	**(17892)**	**0**	**(563)**
3.	**Indebtedness at the end of the financial year**				
	i) Principal Amount	61802	14362	0	76164
	ii) Interest due but not paid	0	7	0	7
	iii) Interest accrued but not due	0	0	0	0
	Total (i+ii+iii)	**61802**	**14369**	**0**	**76171**

VI. REMUNERATION OF DIRECTORS AND KEY MANAGERIAL PERSONNEL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager:

(₹ in lakh)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of MD/WTD/ Manager: Shri B. B. Singh, Chairman cum Managing Director	Name of MD/WTD/ Manager: Shri A. K. Basu, Director (Finance)	Name of MD/WTD/ Manager: Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) Wef 12.10.17	Total Amount
1	Gross salary	51	44	19	114
2	Stock Option	NIL	NIL	NIL	NIL
3	Sweat Equity	NIL	NIL	NIL	NIL
4	Commission	NIL	NIL	NIL	NIL
5	Others, please specify:				
	Company's contribution to CPF	10	10	9	29
	Total (A)	61	54	28	143
	Ceiling as per the Act				

ख. अन्य निदेशकों को पारिश्रमिक :

क्र सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा	निदेशक का नाम श्री जी. आर. अलोरिया	निदेशक का नाम डॉ टी. वी. मुरलीवल्लवन	कुल राशि (रु. में)
1.	स्वतंत्र निदेशकगण			
	बोर्ड / कमिटी बैठक में शामिल होने के लिए शुल्क			
	कमीशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	1,05,000	1,65,000	2,70,000
	कुल (1)	1,05,000	1,65,000	2,70,000
2.	गैर कार्यपालक निदेशकगण			
	बोर्ड / कमिटी बैठक में शामिल होने के लिए शुल्क			
	कमीशन			
	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	शून्य	शून्य	शून्य
	कुल (2)	शून्य	शून्य	शून्य
	कुल (ख) =(1+2)	1,05,000	1,65,000	2,70,000
	कुल प्रबंधकीय पारिश्रमिक			
	अधिनियम के अनुसार सम्पूर्ण सीलिंग			

ग. प्रबंध निदेशक / पूर्णकालिक निदेशक / प्रबंधक के अलावा प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक को पारिश्रमिक :

(₹ लाख में)

क्र सं.	पारिश्रमिक का ब्यौरा		प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक		
		सीईओ	कंपनी सचिव	सीएफओ	योग
1	सकल वेतन	0	30	0	30
2	स्टॉक विकल्प	0	0	0	0
3	उद्यमी इक्विटी	0	0	0	0
4	कमीशन	0	0	0	0
5	अन्य कृपया निर्दिष्ट करें :				
	सीपीएफ को कंपनी योगदान	0	1	0	1
	योग	**0**	**31**	**0**	**31**

VII. जुर्माना / सजा / अपराधों का मिश्रण : शून्य

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	जुर्माना / सजा / शमन शुल्क का विवरण	प्राधिकारी [आरडी / एनसीएलटी / कोर्ट]	यदि कोई अपील किया गया (विवरण का उल्लेख करें)
क. कंपनी					
जुर्माना					
सजा					
मिश्रित					
ख. निदेशक					
जुर्माना					
सजा					
मिश्रित					
ग. अन्य दोषी अधिकारी					
जुर्माना					
सजा					
मिश्रित					

B. Remuneration to other directors:

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of Director Shri G. R. Aloria	Name of Director Dr. T. V. Muralivallabhan	Total Amount (In Rs.)
1.	Independent Directors			
	Fee for attending board / committee meetings			
	Commission			
	Others, please specify	1,05,000	1,65,000	2,70,000
	Total (1)	1,05,000	1,65,000	2,70,000
2.	Other Non-Executive Directors			
	Fee for attending board / committee meetings			
	Commission			
	Others, please specify	NIL	NIL	NIL
	Total (2)	NIL	NIL	NIL
	Total (B)=(1+2)	1,05,000	1,65,000	2,70,000
	Total Managerial Remuneration			
	Overall Ceiling as per the Act			

C. REMUNERATION TO KEY MANAGERIAL PERSONNEL OTHER THAN MD/WTD/MANAGER

(₹ in lakh)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Key Managerial Personnel			
		CEO	Company Secretary	CFO	Total
1	Gross salary	0	30	0	30
2	Stock Option	0	0	0	0
3	Sweat Equity	0	0	0	0
4	Commission	0	0	0	0
5	Others, please specify:				
	Company's Contribution to CPF	0	1	0	1
	Total	**0**	**31**	**0**	**31**

VII. PENALTIES / PUNISHMENT/ COMPOUNDING OF OFFENCES: NIL

Type	Section of the Companies Act	Brief Description	Details of Penalty/ Punishment/ Compounding fees imposed	Authority [RD / NCLT/ COURT]	Appeal made, if any (give Details)
A. COMPANY					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
B. DIRECTORS					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
C. OTHER OFFICERS IN DEFAULT					
Penalty					
Punishment					
Compounding					

अनुलग्नक – IV

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कम्पनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा :

(क) कम्पनी ने कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार सीएसआर एवं स्थायी विकास नीति का गठन किया है जो बोर्ड की विधिवत संगठित सीएसआर कमिटी द्वारा अभिस्तावित एवं बोर्ड द्वारा अनुमोदित है। नीति कम्पनी की वेबसाइट : www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। यह नीति वर्ष 2018 में संशोधित हुई है जो बोर्ड की दिनांक 05.04.2018 को आयोजित 280वीं बैठक में यथा अनुमोदित हुई है।

(ख) नीति का लक्ष्य है पर्यावरण की सुरक्षा, संसाधनों के संरक्षण एवं मानव स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार लाने हेतु समावेशित वृद्धि एवं संधारणीय विकास के साथ दायित्वशील व्यवसाय करना।

(ग) बोर्ड अध्यक्ष्य के रूप में एक स्वतंत्र निदेशक के साथ सीएसआर कमिटी का गठन करेगा। नोडल अधिकारी कमिटी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेगा। कम्पनी सचिव कमिटी के सचिव होंगे।

(घ) कमिटी बजट की जाने वाली परियोजना एवं कार्यान्वयन की पद्धति को अनुमोदित करेगी। कमिटी एवं बोर्ड सुनिश्चित करेंगे कि चालू वर्ष हेतु बजट विगत 3 वर्षों के औसत कर पूर्व लाभ (पीबीटी) का कम से कम 2% हो।

(ङ) कार्यकलापों में कम्पनी की सीएसआर नीति के अनुलग्नक के अधीन सम्मिलित सभी गतिविधियां होंगी जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ, कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII के अधीन प्रदत्त मदें एवं डीपीई दिशानिर्देश शामिल होगा। इसके अतिरिक्त कमिटी / बोर्ड द्वारा सरकारी दिशानिर्देश / अनुदेश पर विचार किया जाएगा।

(च) एमएसटीसी अन्य पीएसयू, सरकारी एजेंसी, एनजीओ के साथ, अगर अपेक्षित हो, परियोजना के मेरिट के आधार पर संयुक्त परियोजनाओं के लिए भी प्रोत्साहित करेगा

2. सीएसआर कमिटी का गठन

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 एवं सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश के तहत बोर्ड स्तर पर सीएसआर कमिटी का गठन किया गया है, जिसमे. श्री सूरज भान, नामांकित निदेशक, अध्यक्ष के रूप में, श्री ए. के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) सदस्य के रूप में शामिल हैं। श्री भान के स्थान पर डॉ. प्रमोदिता सतीश को लिया गया जिनको वर्तमान सदस्यों के साथ सीएसआर कमिटी की अध्यक्ष नियुक्त किए गए। डॉ टी. वी. मुरलीवल्लवन स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति पर कमिटी का पुनर्गठन डॉ. मुरलीवल्लवन, अध्यक्ष के रूप मे एवं डॉ प्रमोदिता सतीश एवं श्री ए. के बसु, सदस्यों के साथ किया गया। यह कमिटी कम्पनी की सीएसआर नीति के अनुसार कम्पनी की सीएसआर गतिविधियों पर नजर रखेगी। कम्पनी के निर्दिष्ट अधिकारी कमिटी द्वारा लिये गये निर्णय को कार्यान्वित करेंगे।

3. विगत तीन वित्तीय वर्ष (2014-15, 2015-16, 2016-17) हेतु कम्पनी का औसत कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रु. 106.58 करोड़ है।

4. वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु निर्धारित सीएसआर व्यय बजट (उपरोक्त राशि का दो प्रतिशत) रु. 214.00 लाख है।

ANNUAL REPORT ON CSR ACTIVITIES

1. Brief outline of the Company's CSR Policy:

(A) Company has formulated a CSR and Sustainable Development Policy in line with the Companies Act, 2013 which has been recommended by duly constituted CSR Committee of the Board and approved by the Board. The policy is available at Company's website www.mstcindia.co.in. The policy has been revised in 2018 which has been duly approved by the Board in its 280th meeting held on 05.04.2018.

(B) The vision of the Policy is blending responsible business with inclusive growth and Sustainable Development for protecting environment, conserving resources and improving human health and education.

(C) Board shall constitute a CSR Committee with an Independent Director as Chairman. Nodal officers shall implement the decisions taken by the Committee. Company Secretary shall be secretary to the Committee.

(D) The Committee shall recommend budget, the projects to be taken up, and the method of implementation. The Committee and the Board shall ensure that at least 2% of the average Profit Before Tax (PBT) of preceding 3 years is the budget for the current year.

(E) Activities shall include all activities covered under Annexure to the CSR Policy of the Company which includes inter alia, items as provided under Schedule VII of the Companies Act, 2013 and DPE guidelines. Additionally, any Govt. guidelines/ instructions shall be considered by the Committee/Board.

(F) MSTC shall also encourage collaborative projects with other PSUs, Govt. agencies, NGOs, if required, on the basis of merit of the project.

2. Composition of the CSR Committee:

Pursuant to section 135 of the Companies Act, 2013 and Department of Public Enterprises (DPE) guidelines, a Board level CSR Committee was Constituted with Shri Suraj Bhan, Nominee Director, as Chairman, Shri A. K. Basu, Director (Finance) and Shri B. B. Singh, Director (Commercial) as members. Shri Bhan was replaced by Dr. Promodita Sathish, who was appointed as Chairman of the CSR Committee with the existing members. On the appointment of Dr. T. V. Muralivallabhan, Independent Director, the committee was reconstituted with Dr. Muralivallabhan as Chairman and Dr. Promodita Sathish and Shri A. K. Basu as members. This committee oversees the CSR activities of the Company as per Company's CSR policy. Designated officers of the Company implement the decisions taken by the Committee.

3. Average Profit Before Tax (PBT) of the Company for last three Financial Years (2014-15, 2015-16, 2016-17):

₹ 106.58 Crore.

4. Prescribed CSR expenditure budget for FY 2017-18 (two percent of the above amount):

₹ 214.00 Lakh.

5. वित्तीय वर्ष **2017-18** के दौरान सीएसआर व्यय का विवरण

(क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि : रु 215.39 लाख (बजट का 100.65 %)

(ख) व्यय नहीं की गई राशि के यदि कोई है : शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष की दौरान खर्च की गई राशि के तरीके निम्न रूप में वर्णित है :

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर परियोजना या चिह्नित गतिविधियाँ	परियोजनाएं जिस क्षेत्र में शामिल है	परियोजनाएं या प्रोग्राम **1.** स्थानीय क्षेत्र या अन्य **2.** राज्य या जिले का नाम बताएं जहाँ परियोजनाएं या प्रोग्राम कार्य में शामिल किए गए	व्यय राशि (बजट) परियोजना या प्रोग्राम वार (रु. लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक संचयी व्यय (रु. लाख)	परियोजना या प्रोग्राम पर व्यय की गई राशि, उपशीर्षक : (1) परियोजना या प्रोग्राम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय की गई राशि : प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन एर्जेसी के माध्यम से
1	2 एफपीएस विद्यालयों में ट्यूबवेल का संस्थापन	पेयजल	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	4.61	4.61	प्रत्यक्ष - 4.61लाख ओवरहेड - शून्य	शुभमय समिति (एनजीओ)
2	नलबाग एफ.पी. स्कूल का पुनर्निर्माण	शिक्षा	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.91	9.91	प्रत्यक्ष - 9.91 लाख ओवरहेड - शून्य	एगराग्राम सोशनल वेलफेयर सोसाइटी (एनजीओ)
3	सरकारी सहायतायुक्त शिशु शिक्षा केन्द्र एफपीएस का नवीकरण	शिक्षा	काकद्वीप, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	4.85	4.85	प्रत्यक्ष - 4.85 लाख ओवरहेड - शून्य	शिवकालीनगर पल्ली उन्नयन समिति (एनजीओ)
4	गरीब और अधिकारहीन बच्चों के लिए स्कूल भवन का निर्माण	शिक्षा	पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	6.49	6.49	प्रत्यक्ष - 6.49 लाख ओवरहेड - शून्य	चैपलिन क्लब (एनजीओ)
5	10 ब्रेल कम्प्यूटर के क्रय हेतु	शिक्षा	पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	निम्बार्क मठ सेवा समिति ट्रस्ट (एनजीओ)
6	मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए अतिरिक्त स्कूल भवन के भूतल का निर्माण	शिक्षा	हावड़ा, पश्चिम बंगाल	8.00	8.00	प्रत्यक्ष - 8.00 लाख ओवरहेड - शून्य	राजापुर सेवा निकेतन (एनजीओ)
7	प्राइमरी स्कूल के भूतल एवं प्रथम तल भवन का निर्माण	शिक्षा	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.00	9.00	प्रत्यक्ष - 9.00 लाख ओवरहेड - शून्य	हरिणडांगा रामकृष्ण विवेकानंद संघ (एनजीओ)
8	उच्च माध्यमिक स्कूल के लिए छत के निर्माण के साथ अर्ध-निर्मित क्लास रूम को पूरा किया जाना	शिक्षा	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.78	9.78	प्रत्यक्ष - 9.78 लाख ओवरहेड - शून्य	विवेकानंद शिक्षा निकेतन ट्रस्ट (एनजीओ)

5. Details of CSR expenditure during the Financial Year 2017-18 :

(a) Total amount spent for the financial year: ₹ 215.39 Lakh (100.65 % of budget)

(b) Amount unspent, if any : Nil

(c) Manner in which the amount spent during the financial year is detailed below:

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	**CSR project or activity identified**	**Sector in which the project is covered**	**Projects or programs 1.Local area or other 2. Specify the State & district where projects or programs were undertaken**	**Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)**	**Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)**	**Amount spent on the projects or programs Sub heads : (1) Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads**	**Amount spent : Direct or through implementing agency**
1	Installation of Tube Wells at 2 FPS Schools	Drinking Water	South 24 Parganas, West Bengal	4.61	4.61	Direct – 4.61 Lakh Overheads – Nil	Subhamay Samity (NGO)
2	Reconstruction of Nalbagh F.P. School	Education	South 24 Parganas, West Bengal	9.91	9.91	Direct – 9.91 Lakh Overheads – Nil	Egaragram Social Welfare Society (NGO)
3	Renovation of a Govt. aided Sishu Siksha Kendra FPS	Education	Kakdwip, South 24 Parganas, West Bengal	4.85	4.85	Direct – 4.85 Lakh Overheads – Nil	Shibkalinagar Palli Unnayan Samity (NGO)
4	Construction of School Building for the poor and marginalised children	Education	West Midnapore, West Bengal	6.49	6.49	Direct – 6.49 Lakh Overheads – Nil	Chaplin Club (NGO)
5	For purchase of 10 nos of Braille Computers	Education	West Midnapore, West Bengal	5.00	5.00	Direct – 5.00 Lakh Overheads – Nil	Nimbark Math Seva Samiti Trust (NGO)
6	Construction of ground floor of additional school building for mentally challenged	Education	Howrah, West Bengal	8.00	8.00	Direct – 8.00 Lakh Overheads – Nil	Rajapur Seva Niketan (NGO)
7	Construction of ground floor and first floor building of primary school	Education	South 24 Parganas, West Bengal	9.00	9.00	Direct – 9.00 Lakh Overheads – Nil	Harindanga Ramkrishna Vivekananda Sangha (NGO)
8	Completion of half constructed class room with roof construction for Higher Secondary School	Education	South 24 Parganas, West Bengal	9.78	9.78	Direct – 9.78 Lakh Overheads – Nil	Vivekananda Siksha Niketan Trust (NGO)

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर परियोजना या चिह्नित गतिविधियाँ	परियोजनाएं जिस क्षेत्र में शामिल हैं	परियोजनाएं या प्रोग्राम 1. स्थानीय क्षेत्र या अन्य 2. राज्य या जिले का नाम बताएं जहाँ परियोजनाए या प्रोग्राम कार्य में शामिल किए गए	व्यय राशि (बजट) परियोजना या प्रोग्राम वार (रु. लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक संचयी व्यय (रु. लाख)	परियोजना या प्रोग्राम पर व्यय की गई राशि, उपशीर्षक : (1) परियोजना या प्रोग्राम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय की गई राशि : प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से
9	छतना ब्लॉक के अंतर्गत "छचनपुर आदिवासी प्राथमिक विद्यालय" का नवीकरण	शिक्षा	बांकुड़ा, पश्चिम बंगाल	9.68	9.68	प्रत्यक्ष - 9.68 लाख ओवरहेड - शून्य	छचनपुर आदिवासी महिला विकास समिति (सीएएमवीएस) (एनजीओ)
10	विकलांग बच्चों के लिए टीएलएम एवं रिसोर्स रूम इक्विपमेंट	शिक्षा	हुगली, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	डानकुनी आश्वास इंस्टीट्यूट फॉर दि डिजेबल्ड (एनजीओ)
11	दो तल्ले के स्कूल भवन के भूतल के एक अंश का निर्माण	शिक्षा	कृष्णपुर, बर्दवान, पश्चिम बंगाल	4.98	4.98	प्रत्यक्ष - 4.98 लाख ओवरहेड - शून्य	स्वामी देवानंद मिशन (एनजीओ)
12	स्थानीय क्षेत्र के रोगियों के लिए एम्बुलेंस का क्रय	स्वास्थ्य देखरेख	पूर्व मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	9.84	9.84	प्रत्यक्ष - 9.84 लाख ओवरहेड - शून्य	बराबारी श्रीकृष्ण सेवा संघ (एनजीओ)
13	काकद्वीप ब्लॉक में नि:शुल्क प्राथमिक विद्यालयों में डीप ट्यूबवेल का संस्थापन	पेयजल	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	4.43	4.43	प्रत्यक्ष - 4.43 लाख ओवरहेड - शून्य	अक्षयनगर पल्लीश्री संघ (एनजीओ)
14	विद्यालयों में डीप ट्यिूबवेल का संस्थापन	पेयजल	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	2.15	2.15	प्रत्यक्ष - 2.15 लाख ओवरहेड - शून्य	बोरल सारदापाड़ा मातृ-ओ-शिशु कल्याण सम्सद (एनजीओ)
15	बुजुर्ग नागरिकों के लिए सेवा घर का संस्थापन	आवास घर	पूर्व मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	10.00	10.00	प्रत्यक्ष - 10.00 लाख ओवरहेड - शून्य	कंटाई श्री रामकृष्ण सारदा आश्रम (एनजीओ)
16	अनाथ स्कूल भवन का निर्माण	शिक्षा	हावड़ा, पश्चिम बंगाल	10.00	10.00	प्रत्यक्ष - 10.00 लाख ओवरहेड - शून्य	इंटररिलिजियस सेंटर ऑफ डेवलपमेंट (एनजीओ)
17	जंगलमहल के विद्यालयों में डीप ट्यूबवेल का संस्थापन	पेयजल	पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	5.86	5.86	प्रत्यक्ष - 5.86 लाख ओवरहेड - शून्य	मिदनापुर वेस्ट सिस्टर निवेदिता वेलफेयर सोसाइटी (एनजीओ)
18	4 विद्यालयों में डीप ट्यूबवेल का संस्थापन	पेयजल	बाँकुड़ा, पश्चिम बंगाल	9.20	9.20	प्रत्यक्ष - 9.20 लाख ओवरहेड - शून्य	बाहरा सिधापाड़ा आदिवासी महिला समिति (एनजीओ)

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	**CSR project or activity identified**	**Sector in which the project is covered**	**Projects or programs 1.Local area or other 2. Specify the State & district where projects or programs were undertaken**	**Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)**	**Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)**	**Amount spent on the projects or programs Sub heads : (1) Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads**	**Amount spent : Direct or through implementing agency**
9	Renovation of "Chhachanpur Adibasi Prathamik Vidyalaya" under Chatna Block	Education	Bankura, West Bengal	9.68	9.68	Direct – 9.68 Lakh Overheads – Nil	Chhachanpur Adibasi Mahila Vikas Samity (CAMVS) (NGO)
10	TLM & Resource Room equipment for Disabled Child	Education	Hooghly, West Bengal	5.00	5.00	Direct – 5.00 Lakh Overheads – Nil	Dankuni Ashwash Insitute for the Disabled (NGO)
11	Construction of a portion of ground floor of two storied school building	Education	Krishnapur, Burdwan, West Bengal	4.98	4.98	Direct – 4.98 Lakh Overheads – Nil	Swami Debananda Mission (NGO)
12	Purchase of an Ambulance for patients of the local area	Healthcare	East Midnapore, West Bengal	9.84	9.84	Direct – 9.84 Lakh Overheads – Nil	Barabari Srikrishna Seva Sangha (NGO)
13	Installation of deep tube wells at free primary schools at Kakdwip Block	Drinking Water	South 24 Parganas, West Bengal	4.43	4.43	Direct – 4.43 Lakh Overheads – Nil	Akshaynagar Pallisri Sangha (NGO)
14	Installation of Deep Tubewell at school	Drinking Water	South 24 Parganas, West Bengal	2.15	2.15	Direct – 2.15 Lakh Overheads – Nil	Boral Sarodapara Matri-O-Sishu Kalyan Samsad (NGO)
15	Establishment of a home of services for Elder Citizens	Shelter Home	East Midnapore, West Bengal	10.00	10.00	Direct – 10.00 Lakh Overheads – Nil	Contai Sri Ramakrishna Sarada Ashram (NGO)
16	Construction of orphan school building	Education	Howrah, West Bengal	10.00	10.00	Direct – 10.00 Lakh Overheads – Nil	Interreligious Centre of Development (NGO)
17	Installation of Deep Tubewells at schools at Jangalmahal	Drinking Water	West Midnapore, West Bengal	5.86	5.86	Direct – 5.86 Lakh Overheads – Nil	Midnapore West Sister Nivedita Welfare Society (NGO)
18	Installation of deep tube wells at 4 schools	Drinking Water	Bankura, West Bengal	9.20	9.20	Direct – 9.20 Lakh Overheads – Nil	Bahara Sidhapara Adibasi Mahila Samity (NGO)

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर परियोजना या चिह्नित गतिविधियाँ	परियोजनाएं जिस क्षेत्र में शामिल हैं	परियोजनाएं या प्रोग्राम 1. स्थानीय क्षेत्र या अन्य 2. राज्य या जिले का नाम बताएं जहाँ परियोजनाए या प्रोग्राम कार्य में शामिल किए गए	व्यय राशि (बजट) परियोजना या प्रोग्राम वार (रु. लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक संचयी व्यय (रु. लाख)	परियोजना या प्रोग्राम पर व्यय की गई राशि, उपशीर्षक : (1) परियोजना या प्रोग्राम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय की गई राशि : प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से
19	4 विद्यालयों में डीप ट्यूबवेल	पेयजल	हावड़ा, पश्चिम बंगाल	8.60	8.60	प्रत्यक्ष – 8.60 लाख ओवरहेड – शून्य	बालीचक योगा व्यायाम मंदिर (एनजीओ)
20	विद्यालय में डीप ट्यूबवेल का संस्थानपन	पेयजल	बाँकुड़ा, पश्चिम बंगाल	2.50	2.50	प्रत्यक्ष – 2.50 लाख ओवरहेड – शून्य	खायराबोनी ग्राम उन्नयन समिति (एनजीओ)
21	"III बेबी केयर सेंटर"का निर्माण	स्वास्थ्य देखरेख	पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल	9.99	9.99	प्रत्यक्ष – 9.99 लाख ओवरहेड – शून्य	निवेदिता ग्रामीण कर्म मंदिर (एनजीओ)
22	2 सरकारी मान्यताप्राप्त विद्यालयों में डीप बोरवेल का संस्था पक्ष	पेयजल	पूर्व सिंहभूम, झारखंड	3.99	3.99	प्रत्यक्ष – 3.99 लाख ओवरहेड – शून्य	बाग–ए–अजीजी महिला संस्था (एनजीओ)
23	2 सरकारी प्रमाणित विद्यालयों में डीप बोर–वेल का संस्थापन	पेयजल	पूर्व सिंहभूम, झारखंड	3.99	3.99	प्रत्यक्ष – 3.99 लाख ओवरहेड – शून्य	बजरंग परिषद सेवा सदन (एनजीओ)
24	2 सरकारी पोषित विद्यालयों में डीप बोर–वेल का संस्थापन	पेयजल	जमशेदपुर, झारखंड	3.95	3.95	प्रत्यक्ष – 3.95 लाख ओवरहेड – शून्य	झारखंड ज्योति (एनजीओ)
25	2 सरकारी स्वीकृत विद्यालयों में डीप बोर–वेल का संस्थापन	पेयजल	पूर्व सिंहभूम, झारखंड	3.99	3.99	प्रत्यक्ष – 3.99 लाख ओवरहेड – शून्य	रूरल आउटराइट डेवलपमेंट सोसाइटी (एनजीओ)
26	3 सरकारी अनुमोदित विद्यालयों में डीप बोर–वेल का संस्थापन	पेयजल	पूर्व सिंहभूम, झारखंड	6.13	6.13	प्रत्यक्ष – 6.13 लाख ओवरहेड – शून्य	टीईएमएसईसीए (एनजीओ)
27	4 नि:शुल्क प्राथमिक विद्यालयों में डीप ट्यूबवेल का संस्थापन	पेयजल	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.48	9.48	प्रत्यक्ष – 9.48 लाख ओवरहेड – शून्य	इंद्रपुर द्वीपांचल आदर्श सेवा समिति (एनजीओ)
28	बहु विकलांग लोगों के लिए फिजियो एवं न्यूरो डेवलपमेंट ब्लॉक का निर्माण	स्वास्थ्य देखरेख	नेल्लोर, आंध्र प्रदेश	10.00	10.00	प्रत्यक्ष – 10.00 लाख ओवरहेड – शून्य	वसंत लक्ष्मी चैरिटेबल ट्रस्ट एण्ड रिसर्च सेंटर (एनजीओ)

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	**CSR project or activity identified**	**Sector in which the project is covered**	**Projects or programs 1.Local area or other 2. Specify the State & district where projects or programs were undertaken**	**Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)**	**Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)**	**Amount spent on the projects or programs Sub heads : (1) Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads**	**Amount spent : Direct or through implementing agency**
19	Installation of deep tube wells at 4 schools	Drinking Water	Howrah, West Bengal	8.60	8.60	Direct – 8.60 Lakh Overheads – Nil	Balichak Yoga-Byayam Mandir (NGO)
20	Installation of Deep Tubewell at school	Drinking Water	Bankura, West Bengal	2.50	2.50	Direct – 2.50 Lakh Overheads – Nil	Khayeraboni Gram Unnayan Samity (NGO)
21	Construction of "Ill Baby Care Centre"	Healthcare	West Midnapore, West Bengal	9.99	9.99	Direct – 9.99 Lakh Overheads – Nil	Nivedita Gramin Karma Mandir (NGO)
22	Installation of Deep Bore-wells at 2 Govt. accredited schools	Drinking Water	East Singhbhum, Jharkhand	3.99	3.99	Direct – 3.99 Lakh Overheads – Nil	Bagh-e-Azizi Mahila Sanstha (NGO)
23	Installation of Deep Bore-wells at 2 Govt. certified schools	Drinking Water	East Singhbhum, Jharkhand	3.99	3.99	Direct – 3.99 Lakh Overheads – Nil	Bajrang Parishad Seva Sadan (NGO)
24	Installation of Deep Bore-wells at 2 Govt. endorsed schools	Drinking Water	Jamshedpur, Jharkhand	3.95	3.95	Direct – 3.95 Lakh Overheads – Nil	Jharkhand Jyoti (NGO)
25	Installation of Deep Bore-wells at 2 Govt. recognised schools	Drinking Water	East Singhbhum, Jharkhand	3.99	3.99	Direct – 3.99 Lakh Overheads – Nil	Rural Outright Development Society (NGO)
26	Installation of Deep Bore-well at 3 Govt. sanctioned schools	Drinking Water	East Singhbhum, Jharkhand	6.13	6.13	Direct – 6.13 Lakh Overheads – Nil	TEMSECA (NGO)
27	Installation of Deep Tubewells at 4 free Primary Schools	Drinking Water	South 24 Parganas, West Bengal	9.48	9.48	Direct – 9.48 Lakh Overheads – Nil	Indrapur Dwipanchal Adarsha Seva Samity (NGO)
28	Construction of physio & neuro development block for multiple disabled	Healthcare	Nellore, Andhra Pradesh	10.00	10.00	Direct – 10.00 Lakh Overheads – Nil	Vasantha Lakshmi Charitable Trust & Research Centre (NGO)

1	2	3	4	5	6	7	8
क्र. सं.	सीएसआर परियोजना या चिह्नित गतिविधियाँ	परियोजनाएं जिस क्षेत्र में शामिल हैं	परियोजनाएं या प्रोग्राम 1. स्थानीय क्षेत्र या अन्य 2. राज्य या जिले का नाम बताएं जहाँ परियोजनाए या प्रोग्राम कार्य में शामिल किए गए	व्यय राशि (बजट) परियोजना या प्रोग्राम वार (रु. लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक संचयी व्यय (रु. लाख)	परियोजना या प्रोग्राम पर व्यय की गई राशि, उपशीर्षक : (1) परियोजना या प्रोग्राम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय की गई राशि : प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से
29	एकलव्य मॉडल स्कूल के लिए विज्ञान प्रयोगशाला हेतु अपरेटस एवं इक्विपमेंट	शिक्षा	झाड़ग्राम, पश्चिम बंगाल	4.99	4.99	प्रत्यक्ष – 4.99 लाख ओवरहेड – शून्य	रामकृष्ण मिशन आश्रम (एनजीओ)
30	निर्धन बच्चों एवं युवाओं के लिए पुस्तकालय सह सेमिनार हॉल	शिक्षा	पाला कोट्टायम, केरल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष – 5.00 लाख ओवरहेड – शून्य	रामकृष्ण मठ (एनजीओ)
31	स्वतंत्रता सेनानी के सम्मान में कम्यूनिटी हॉल का निर्माण	स्वतंत्रता सेनानी विकास	लखनऊ, उत्तर प्रदेश	9.00	9.00	प्रत्यक्ष – 9.00 लाख ओवरहेड – शून्य	रूरल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (उ. प. सरकार) कार्यान्वयन एजेंसी)
32	युवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी कौशल विकास कार्यक्रम	कौशल विकास	कोलकाता, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष – 5.00 लाख ओवरहेड – शून्य	सिंथी शिखा वेलफेयर सोसाइटी (एनजीओ)
	कुल			**215.39**	**215.39**		

6. एतद्द्वारा व्यक्त किया जाता है कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं निगरानी कंपनी के सीएसआर उद्देश्य एवं नीति के अनुपालन में है।

बी० बी० सिंह

बी. बी. सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

टी. वी. मुरलीवल्लवन
अध्यक्ष, सीएसआर कमिटी

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	**CSR project or activity identified**	**Sector in which the project is covered**	**Projects or programs 1.Local area or other 2. Specify the State & district where projects or programs were undertaken**	**Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)**	**Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)**	**Amount spent on the projects or programs Sub heads : (1) Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads**	**Amount spent : Direct or through implementing agency**
29	Apparatus and equipments for science laboratory for Ekalavya Model school	Education	Jhargram, West Bengal	4.99	4.99	Direct – 4.99 Lakh Overheads – Nil	Ramakrishna Mission Ashrama (NGO)
30	Library cum seminar Hall for poor children and youth	Education	Pala, Kottayam, Kerala	5.00	5.00	Direct – 5.00 Lakh Overheads – Nil	Ramkrishna Math (NGO)
31	Construction of Community Hall in honour of freedom fighter	Freedom Fighters' Development	Lucknow, Uttar Pradesh	9.00	9.00	Direct – 9.00 Lakh Overheads – Nil	Rural Engineering Department (Govt. of UP) (Implementing Agency)
32	IT Skill Development Programme for youth	Skill Development	Kolkata, West Bengal	5.00	5.00	Direct – 5.00 Lakh Overheads – Nil	Sinthee Sikha Welfare Society (NGO)
	TOTAL			**215.39**	**215.39**		

6. It is stated herewith that the implementation and monitoring of CSR Policy is in compliance with CSR Objective and Policy of the Company.

B. B. Singh
Chairman-cum-Managing Director

T. V. Muralivallabhan
Chairman, CSR Committee

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala Chinsurha
Hooghly-712101. W. B.

अनुलग्नक – V

प्रपत्र सं. – एमआर-3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वित्त वर्ष हेतु

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम, 2014 की नियम सं. 9 के तहत)

सेवा में,

सदस्यगण,

एमएसटीसी लि.

मैंने एमएसटीसी लि. (तत्पश्चात कंपनी के रूप में उल्लिखित) द्वारा किए गए अच्छे निगमित कार्यों के प्रयोज्य वैधानिक प्रावधान और उसके अनुपालन की सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय लेखा परीक्षा निगमित संचालन/वैधानिक अनुपालन के मूल्यांकन हेतु उचित आधार प्रदान करता है जिसके अनुसार मैं अपने विचार व्यक्त कर रहा हूँ।

सचिवीय लेखा परीक्षा के संचालन के दौरान एमएसटीसी लि. की पुस्तकों, कार्यवृत्त पुस्तिका, प्रपत्रों एवं दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों जिन्हें कम्पनी ने तैयार किया है, उनकी जांच और कंपनी, इसके अधिकारियों, एजेंटों व अधिकृत प्रतिनिधियों से मिली जानकारियों और प्रबंधन द्वारा दी गयी जानकारी व अपनी जांच के आधार पर मैं यहां कंपनी के 31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वित्त वर्ष की लेखा परीक्षा अवधि के बारे में अपनी राय व्यक्त कर रहा हूं जो आमतौर पर यहां सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधान के अनुपालन में है एवं कंपनी के पास बोर्ड की प्रक्रिया और अनुपालन की पद्धति उचित सीमा एवं तरीके में है एवं यहां दी गयी रिपोर्ट के अधीन है :

मैंने कंपनी की पुस्तकों एवं कागजात, कार्यवृत्त पुस्तिका, प्रपत्रों, दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों की जिन्हें एमएसटीसी लि. ने 31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के लिए मुझे उपलब्ध कराया है, एवं उनका रखरखाव किया है उनकी इन लागू प्रावधानों के अनुसार मैंने जांच की है :

I. कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) और उसमें तैयार नियम, जैसे लागू हों :
ii. प्रतिभूति अनुबंध विनियम अधिनियम, 1956 (एससीआरए) व वहां बने नियम;
iii. डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 एवं नियमन तथा उसमें तैयार किए गए उप कानूनों के अनुसार;

लागू नहीं

KOLKATA

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala Chinsurha
Hooghly-712101. W. B.

Annexure - V

FORM NO. MR-3

SECRETARIAL AUDIT REPORT

FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31ST MARCH,2018

(Pursuant to Section 204 (1) of the Companies Act, 2013 and rule No. 9 of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personel) Rules, 2014)

To,

The Members

MSTC Ltd.

I have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provision and the adherence to good corporate practices by MSTC Limited (Hereinafter called the Company). Secretarial Audit was conducted in a manner that provides me a reasonable basis for evaluating the corporate conducts / statutory compliances and expressing my opinion thereon.

Based on my verification of the MSTC Limited's books, papers, minute books, forms, and returns filed and other records maintained by the Company and also the information provided by the Company, its officers, agents and authorized representative during the conduct of secretarial audit and as per the explanations given to me and the representation made by the management, I hereby report that in my opinion, the Company has, during the audit period covering the financial year ended on 31st March, 2018 generally complied with the statutory provisions listed hereunder and also that the Company has proper Board process and compliance mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made herein after :

I have examined books, papers, minute books, forms and returns filed and other records made available to me ane maintained by the MSTC Limited for the financial year ended on 31st March,2018 according to the applicable provision of :

i. The Companies Act, 2013 ('The Act) and the rules made there under, as applicable
ii. The Securities Contract (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made there under;
iii. The Depository Act, 1996 and the Regulations and Bye-Laws framed there under;

NOT APPLICABLE

email : seal.saumayo@gmail.com

iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रीयपार प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधारी के तहत बने नियमों एवं विनियम,

अप्रयोज्य

v. **भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित नियमावली एवं दिशा–निर्देश :**

क. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पर्याप्त शेयरों का अधिग्रहण व अधीनीकरण) विनियम, 2011;

अप्रयोज्य

ख. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (भीतरी ट्रेडिंग पाबंदी) विनियम, 1992;

अप्रयोज्य

ग. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूंजी एवं प्रकटीकरण आवश्यकताओं का मुद्दा) विनियम, 2009 एवं

अप्रयोज्य

vi. **प्रबंधन द्वारा किये गये अभ्यावेदन के अनुसार कम्पनी में प्रयोज्य अन्य कानून**

मैंने निम्न प्रयोज्य खंडों के अनुपालन की भी जांच की है :

i. निर्दिष्ट बोर्ड एवं साधारण सभाओं के सम्बन्ध में इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सचिवीय मानकों के इंस्टीट्यूट के अधिनियम के अधीन अभी निर्दिष्ट किया जाना बाकी है।

ii. कंपनी द्वारा बीएसई लि. व नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. के साथ की गई सूचीबद्धता संबंधी समझौते

अप्रयोज्य

समीक्षाधीन की अवधि में कंपनी द्वारा मुझे दी गई जानकारी व स्पष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा किए गए निरुपण के अनुसार आमतौर पर कंपनी ने अधिनियम के प्रावधान, नियमों नियमनों, दिशा–निर्देशों आदि का पालन किया है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। **तथापि, कंपनी के रजिस्ट्रार के प्रपत्रों को भरने के संबंध में कतिपय प्रपत्र निर्धारित तारीख के उपरांत भरे गये थे।**

इस अधिनियम के प्रावधान के अनुपालन में समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन किए गए थे। सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठक निर्धारित करने के लिए अग्रिम में कम से कम सात दिन पहले पर्याप्त नोटिस दिए गए थे। कार्यसूची एवं कार्यसूची पर विस्तृत नोट्स अग्रिम में भेजे गए थे और बैठक में अर्थपूर्ण भागीदारी के लिए बैठक से पहले कार्यसूची पर अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रणाली मौजूद है।

प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई गयी जानकारी के अनुसार बोर्ड की बैठकों में आम सहमति में निर्णय लिए गए।

मैं आगे प्रबंधन की तरफ से मुझे दिये गए स्पष्टीकरण एवं किए गये प्रतिनिधित्व के अनुसार प्रतिवेदन करता हूं तथा उन पर मेरे विश्वास के अनुसार कंपनी के पास अपने आकार व परिचालन के अनुसार सभी लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशा–निर्देशों के अनुपालन की निगरानी एवं सुनिश्चितता हेतु उपयुक्त पद्धति व प्रक्रिया मौजूद है।

मैं यह भी कहना चाहता हूं कि लेखा परीक्षा की अवधि में ऐसी कोई निर्दिष्ट घटना/कार्रवाई नहीं हुई जिसका कंपनी के मामलों पर उपरोक्त कानूनों, नियमों, नियामकों, मानकों, दिशा निर्देशों आदि जैसा कि ऊपर उल्लेख है, के अनुसार कोई असर पड़ा है।

यह रिपोर्ट मेरे समदिनांकित पत्र, जो अनुलग्नक क है और इस रिपोर्ट का अभिन्न भाग है, के साथ पढ़ी जाए।

अनुलग्नक क

सेवा में

सदस्यगण

एमएसटीसी लिमिटेड

मेरी समदिनांकित रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय रिकॉर्ड रखने की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है और मेरा कार्य इन सचिवीय रिकॉर्डो पर मेरी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।
2. सचिवीय रिकॉर्डो के तथ्यों की सटीकता से जुड़े उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने की दिशा मैंने उपयुक्त लेखा परीक्षा कार्य व प्रक्रिया का पालन किया है। परीक्षण आधार पर सत्यापन किया गया ताकि सुनिश्चित हो सके कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हो। मैंने जो प्रक्रिया व पद्धति अपनायी है वो मेरे विचार व्यक्त करने के पर्याप्त आधार हैं।
3. मैंने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्डो और खाता–बही की सत्यता व उपयुक्तता की जांच नहीं की है।
4. जब भी जरूरत पड़ी, मैंने कंपनी के प्रतिनिधियों से कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन तथा घटनाओं आदि के बारे में जानकारी ली है।
5. निगम के प्रावधान व अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के अनुपालन की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। मेरी जांच इनकी परीक्षण प्रक्रिया की जांच तक सीमित है।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी के भविष्य की संभाव्यता का है और न ही कंपनी के मामलों में प्रबंधन के आचरण की दक्षता या प्रभाविकता का आश्वासन है।

सीएस सौम्यो ज्योति सील

स्थान : कोलकाता — एफसीएस : 9766

दिनांक : 27.07.2018 — सी.पी. नं. : 11169

iv. Foreign Exchange Management Act. 1999 and the rules and regulations made there under the extent of Foreign Director investment, Overseas direct Investment and External Commercial borrowing;

NOT APPLICABLE

v. The following regulations and guidelines prescribe under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ('SEBI Act')

a) The Securities and Exchanges Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;

NOT APPLICABLE

b. The Securities and Exchanges Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulation, 1992;

NOT APPLICABLE

c. The Securities and Exchanges Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulation, 2009; and

NOT APPLICABLE

vi. Other laws applicable to the Company as per the representations made by the Management.

I have also examined compliance with applicable clauses of the following:

I. Secretarial Standards of the Institute of Company Secretaries of India with respect to Board and General Meeting are yet to be specified under the Act by the Institute.

ii. The Listing agreements entered into by the Company with BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited.

NOT APPLICABLE

During the period under review and as per the explanations and clarification given to me and the representation made by management, the Company has generally complied with the provision of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, etc. mentioned above. ***However, with respect to filling of forms to Registrar of Companies, some forms were filed after the due dates.***

The changes in the composition of the Board of Directors that took place during the period under review were carried out in compliance with the provision of the Act. Adequate notice was given to all Directors at least seven days in advance to schedule the Board Meetings. Agenda and detailed notes on agenda were sent in advance, and a system exists for seeking and obtaining further information and clarifications in the agenda items before the meeting and for meaningful paticipation at the meeting.

Decisions at the Board Meeting, as represented by the management, were taken unanimously.

I further report as per the explanation given to me and the representation made by the management and relied upon by me there are adequate systems and processes in the Company commensurate with the size and operations of the Company to monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

I further report that during the audit period, no such specific events / actions having a major bearing in the Company's affairs in pursuance of the above referred laws, rules, regulations, guidelines, standards, etc. referred to above, have taken place.

This report is to be read with my letter of even date which is Annexure A and forms an integral part of this report

Annexure A

To,

The Members,

MSTC Limited

My report of even date is to be read along with this letter.

1. Maintenance of secretarial records is the responsibility of the management and my duty is to express an opinion on these secretatial records based on my audit.

2. I have followed the audit practices and process as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the Secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. I believe that the process and practices, I followed, provide a reasonable basis for my opinion.

3. I have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of accounts of the Company.

4. Whatever requited, I have obtained the management representative about the compliance of laws, rules and regulations and happening of events etc.

5. The compliance of the provision of corporate and other applicable laws, rules, regulation, standards is the responsibility of management. My examination was limited to the verification of procedure on test basis.

6. The secretarial audit report is neither an assurance as to the future viability of the Company nor of the efficacy of effectiveness with which the management has conducted the affairs of the company.

CS SAUMAYO JYOTI SEAL

Place : Kolkata — FCS : 9766

Date : 27/07/2018 — C. P. No. 11169

अनुलग्नक-VIक Annexure-VIA

31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु एमएसटीसी लि. के स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Standalone Ind AS Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending on 31st March, 2018

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
I.	व्यापार प्राप्य में पार्टी को सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स एसपीएस रोलिंग मिल्स लि. से ₹ 19544.01 लाख की बकाया राशि शामिल है जो अब पाँच वर्ष से अधिक हो चुकी है। अतएव, बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आयी है एवं अनुमापी विश्लेषण के अनुसार बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 6230 लाख आ गया है। पार्टी ने बंधक रखी गई सामग्री के वसूलीयोग्य शुद्ध मूल्य ₹ 6230 लाख भुगतान करने में चूक की। पार्टी ने विवाचन निर्णय की शर्तों के अनुसार भुगतान करने में चूक की है। दिनांक 01.12.2017 को किए गए अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र में रहने के बावजूद पार्टी द्वारा ₹ 6543 लाख मूल्य के बंधक रखे हुए स्टॉक अनधिकृत रूप से उठा लिए गए थे। लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने हेतु एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख की भी वसूली हुई है। खाता-बही में ₹ 1500 लाख की राशि प्रदान की गई है। वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 17393.01 लाख की और राशि कंपनी द्वारा दी जानी चाहिए थी। इसका प्रावधान न किए जाने के फलस्वरूप वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 17393.01 लाख लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्शाया गया है - स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4 (क) देखें।	एमएसटीसी ने कंपनी के लिए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति के साथ ब्याज सहित कुल ₹ 29736 लाख का दावा दायर किया है। एमएसटीसी को वस्तुओं के बंधक द्वारा संरक्षित एक प्रचालनीय लेनदार के रूप में लिया गया है। कंपनी के लिए रिजॉल्यूशन प्लान अभी एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है। इसे विचाराधीन देखते हुए ₹ 1500 लाख की तदर्थ राशि पर्याप्त सावधानी उपाय के तौर पर खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के रूप में बहियों में प्रदान की गई है।
	Trade Receivables includes ₹ 19544.01 lakh due from M/s SPS Rolling Mills Ltd. for procurement and supply of materials to the party which is now more than five years old. Thus with the passage of time, quality of materials has deteriorated and as per the volumetric analysis the net realizable value of pledge raw materials comes to ₹ 6230 lakhs. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration Award. As per the volumetric analysis done on 01.12.2017, pledged stock worth ₹ 6543 lakh was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. The creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company. The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakh from the party during the financial year 2018-19. An amount of 1,500 lakh have been provided for in the books of accounts. The Company should have provided a further amount of ₹ 17393.01 lakh against this debt during the year. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 17393.01 lakh – Refer Note no.9.4(a) of notes to the Standalone Ind AS financial	MSTC has filed a total claim of ₹ 29736 lakh including interest with the Resolution Professional appointed for the Company. MSTC has been treated as an operational creditor secured by pledge of goods. Resolution Plan is yet to be approved by NCLT for the Company. Pending this, an adhoc amount of ₹ 1500 lakh has been provided in the books as Bad and Doubtful Advances as a measure of abundant precaution.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
ii.	व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124.13 लाख की बकाया राशि शामिल है। बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है जिससे वसूली योग्य मूल्य कम हुआ है। दिनांक 03.05.2018 को संचालित अनुमापी विश्लेषण की रिपोर्ट के अनुसार, अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र के अधीन रहने के बावजूद पार्टी द्वारा बाँकुड़ा यूनिट में बंधक रखे स्टॉक का कुछ भाग अनधिकृत रूप से उठा लिया गया था। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी विश्लेषण एमएसटीसी द्वारा नहीं किया जा सका था। अतएव, इस यूनिट में बंधक रखे स्टॉक के ₹ 108 लाख का बही मूल्य संदिग्ध है। एनसीएलटी में लेनदारों द्वारा दायर किए गए दिवालियापन के मामले के दाखिले के अनुसार, एमएसटीसी ने एनसीएलटी के अधीन इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री की खरीद की है, जिसके विरूद्ध केवल ₹ 9088 लाख की उन्हें वसूली हुई। सामग्री के अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹ 3000 लाख का प्रावधान किया है। अतएव, कंपनी को वर्तमान वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 19084.13 लाख की और राशि प्रदान करनी थी। इस सभी का प्रावधान न किए जाने के कारण वर्ष 2017-18 में ₹ 19804.13 लाख लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्शाया गया है – स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4(ख) का संदर्भ लें।	प्रचालन लेनदार द्वारा दायर की गई एक याचिका पर कंपनी के विरूद्ध इन्सॉल्वेंसी एण्ड बैंक्रप्सी कोड, 2016 के अधीन कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं एवं वर्तमान में अधिस्थगन आदेश प्रभावी है। एमएसटीसी ने एनसीएलटी द्वारा नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास ब्याज समेत ₹ 30071 लाख का दावा दायर किया है। प्रस्तावित रिजॉल्यूशन प्लान के अधीन संरक्षित प्रचालन लेनदार के रूप में एमएसटीसी को लिए जाने से संबंधित विषयवस्तु भी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के साथ लिया गया है, क्योंकि एमएसटीसी के पास वस्तुओं के बंधक के रूप में प्रतिभूति ब्याज है। तथापि, रिजॉल्यूशन प्लान पर अंतिम निर्णय लेने/अनुमोदन पर विचाराधीन स्थिति को देखते हुए पर्याप्त सावधानी उपाय के तौर पर, खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के लिए बहियों में तदर्थ आधार पर ₹ 3,000 लाख का प्रावधान किया गया है।
	Trade receivables include ₹ 22124.13 lakh due from M/s Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. With the passage of time, quality of materials has deteriorated resulting in lower realizable value. As per the report of volumetric analysis conducted on 03.05.2018, part of pledged stock at Bankura unit was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. Volumetric analysis at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC.Thus the book value of ₹108 lakh of the pledged stock in this unit is doubtful. Pursuant to admission of case of insolvency filed by creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year procured materials on behalf of the party for ₹ 9206 lakh against which they realized only ₹ 9088 lakh. As per the volumetric analysis of the materials, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. The Company has made a provision of ₹ 3000 lakh during the year. The Company therefore should have provided a further amount of ₹ 19084.13 lakh against this debt during the current year. This non-provision of the shortfall has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 19804.13 lakh – Refer Note No.9.4(b) of notes to the Standalone Ind AS financial statement	Proceedings under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 has started against the Company on a petition filed by an Operational Creditor and presently order of moratorium is in force. MSTC has filed its claim of ₹ 30071 Lakh including interest with the Resolution Professional appointed by NCLT. Matter regarding treating MSTC as a secured operational creditor under the proposed Resolution Plan has also been taken up with Resolution Professional as MSTC has a security interest in the form of pledge of goods. However, pending finalization/ approval of the Resolution Plan, a provision of ₹ 3000 lakh has been made on adhoc basis in the books for Bad and Doubtful Advances as a measure of abundant precaution.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
	अन्य नियामक आवश्यकताएँ (सीएआरओ)	
I ग)	निम्नलिखित अचल परिसंपत्तियों के अधिकार पत्र कंपनी के नाम में नहीं हैं। मामलों की कुल संख्या — 14 क्या पट्टायुक्त/पुर्ण स्वामित्व की हैं — पुर्णस्वामित्व सकल ब्लॉक (तुलन पत्र की तिथि को) — ₹ 105 लाख शुद्ध ब्लॉक (तुलन पत्र की तिथि को) — ₹ 97.07 लाख	सवाल की गई परिसंपत्तियों पर कंपनी के पास स्पष्ट अधिकार है। बहुत पुरानी प्रकृति का होने के कारण, लेखा परीक्षा के दौरान संबंधित कागजात दर्शाये नहीं जा सके थे। तबसे कंपनी ने मुंबई में 11 में से 10 परिसंपत्तियों एवं कोलकाता में 3 में से 1 परिसंपत्ति के संबंध में अधिकार पत्र पुन: प्राप्त किया है। शेष 3 परिसंपत्तियों के लिए अधिकार पत्र की पुन: प्राप्ति के प्रयास जारी हैं।
	Other Regulatory Requirement (CARO)	
I c)	The title deeds of the following immovable properties are not held in the name of the Company. Total No. of cases — 14 Whether leasehold/freehold — Freehold Gross Block (as at Balance Sheet date) — ₹ 105 lakh Net Block (as at Balance Sheet date) — ₹ 97.07 lakh	Company holds clear title over all the assets in question. Due to very old in nature the relevant papers could not be shown during audit. Company has since retrieved title deeds in respect of 10 properties in Mumbai out of 11 and 1 property in Kolkata out of 3. Efforts are on to retrieve title deeds for the remaining 3 properties.
VIII	हमारी राय में एवं हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों में टिप्पणी सं. 20 (क) एवं 20 (ख) में वर्णित अनुसार ऋणों को छोड़कर बैंक के बकायों के भुगतान में चूक नहीं की है एवं एतद्द्वारा वर्णित है। **बैंक का नाम — मूलधन — ब्याज** इंडियन ओवरसीज बैंक — ₹ 138 लाख — - स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक — ₹ 14362 लाख — ₹ 7889 लाख	दोनों ही मामले विचाराधीन हैं एवं खातों की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 20 में पर्याप्त रूप से प्रकट किए गए हैं।
	In our opinion and according to the information and explanation given, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loans as mentioned in Note No.20(a) and 20(b) to the notes of the Standalone Ind AS financial statement and detailed here under : **Name of Bank — Principal — Interest** Indian Overseas Bank — ₹ 138 lakh — - Standard Chartered Bank — ₹14362 lakh — ₹ 7889 lakh	Both the matters are subjudice and have been adequately disclosed in Note No.20 of the Notes on Accounts.
	अन्य नियामक आवश्यकता पार्ट-1 (अनुलग्नक-क)	
Pt 1	कंपनी के पास कोई पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि नहीं है एवं पट्टायुक्त भूमि के संबंध में कंपनी के पास स्पष्ट पट्टा अधिकार पत्र है। तथापि, कोलकाता में 3 फ्लैट एवं मुंबई में 11 फ्लैट के विषय में कंपनी के पास स्पष्ट अधिकार पत्र नहीं है।	कंपनी ने तब से मुंबई में 11 में से 10 परिसंपत्तियों एवं कोलकाता में 3 में से 1 परिसंपत्ति के संबंध में अधिकार पत्र पुन: प्राप्त किया है। शेष 3 परिसंपत्तियों के लिए अधिकार पत्र प्राप्त करने का प्रयास जारी है।
	Other Regulatory Requirement Pt 1(Annexure A)	
Pt 1	The Company does not have any freehold land and in respect of leasehold land the Company has a clear lease deed. However in respect of 3 flats in Kolkata and 11 flats in Mumbai, the Company does not have clear title deeds.	Company has since retrieved title deeds in respect of 10 properties in Mumbai out of 11 and 1 property in Kolkata out of 3. Efforts are on to retrieve title deeds for the remaining 3 properties.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
	अन्य नियामक आवश्यकता पार्ट 3 (छ) (अनुलग्नक–ग)	
Pt (a)	कंपनी के पास ग्राहक की स्वीकृति, ऋण के मूल्यांकन एवं बिक्री के लिए ऋण सीमाओं की स्थापना हेतु कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है जो कंपनी में अंतिम संग्रह की यथा उपयुक्त सुनिश्चितता स्थापित किए बिना राजस्व की स्वीकृति का संभावी परिणाम दे सकता है। बकायों की वसूली के लिए ग्राहकों के साथ तदुपरांत गतिविधियों पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त है।	जोखिम प्रबंधन नीति की व्यवस्था है जो अन्य बातों के साथ–साथ ग्राहक चयन, ऋण मूल्यांकन एवं ग्राहकों के लिए ऋण सीमाएं स्थापित करने हेतु दिशानिर्देश प्रदान करती है एवं समय–समय पर इसकी समीक्षा एवं रूपांतरण भी की जाती है। इसके अलावा, एक मार्केटिंग मैनुअल भी है जो दैनंदिन परिचालनों के संचालन हेतु निर्दिष्ट नियमों एवं पद्धतियों की सूचना देता है एवं जिसमें विपणन प्रचालन से जुड़े अन्य पहलू है। साथ ही सामग्री के 110% मूल्य के लिए बैंक गारंटी स्वीकार करते हुए केवल नए ग्राहकों के साथ ट्रेडिंग व्यवसाय शुरू करते हुए कंपनी ने डिफॉल्ट जोखिम को उल्लेखनीय रूप से रोधित किया है। साथ ही, कंपनी 'नकद एवं वहन' मॉडल के अंर्तगत ग्राहकों के साथ धीरे–धीरे व्यवसाय समाप्त कर रही है। बकायों की यथा समय वसूली के लिए ग्राहकों के साथ नियमित कार्यवाही हेतु एक तंत्र व्यवस्थित है। किसी भी चूक की घटना घटने पर अनुस्मारक भेजे जाते हैं एवं आगे का क्रय रोक दिया जाता है। फोन के माध्यम से अनुवर्ती का कार्य किया जाता है एवं आवधि के अंतराल पर निदेशक/सीएमडी से मिलने के लिए पार्टी के प्रतिनिधियों को बुलाया जाता है। अन्य बातों के साथ–साथ महीना वार रिपोर्ट तैयार की जाती है जिसमें लेनदेन, वसूली, बकाया एवं उस पर समयवार विश्लेषण दर्शाया गया है। इस विषय में मासिक रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय के पास भेजी जाती है।
	Other Regulatory Requirement Pt 3(g) (Annexure C)	
Pt (a)	The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.	There is a Risk Management Policy in place which inter alia provides guidelines for customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for customers etc. and the same is also reviewed and modified from time to time. Moreover, there is a Marketing Manual which describes the set of rules and procedures for handling day-to-day operations and which covers other relevant aspects of Marketing operations. Besides, Company has insulated default risk significantly by introducing trading business with new customers only by accepting Bank Guarantee for 110% of value of materials. Simultaneously, Company is gradually closing business with customers under the 'Cash and Carry' model. There is a system of regular follow up with customers for timely realization of dues. Reminders are sent in case of occurrence of any default and further procurements are stopped. Follow up is also done over phone and representatives from the parties are called to meet directors/CMD at periodical intervals. Month wise reports are generated inter alia showing transactions, realizations, outstanding and age wise analysis thereof. Monthly reports are sent to Ministry of Steel in this regard

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies

अन्य नियामक आवश्यकताएँ (सीएआरओ)

Pt (b) कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से क्रय की गई कच्ची सामग्रियों के बंधक रखे एवं कंपनी द्वारा नियुक्त अभिरक्षक के नियंत्रण में रखे स्टॉक के संबंध में कंपनी के पास कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिसके फलस्वरूप गोदामों से सामग्री अनधिकृत रूप से उठाई जाती हैं।

कंपनी ने सभी साइट में बंधक रखी गई सामग्री के अभिरक्षक के तौर पर अपनी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लि. को नियोजित किया है। समुचित निगरानी सुनिश्चित करने हेतु अभिरक्षक भौतिक स्टॉक के साथ साप्ताहिक/मासिक स्टॉक संचालन रिपोर्ट भेजते थे। सेवा में कमी रहने के कारण कंपनी ने हाल ही में उनकी जगह सेन्ट्रल रेल साइड वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन लि., एक सीपीएसई को लिया है। इसके अलावा, आवधिक अंतराल पर तीसरे पक्ष की जाँच एजेंसी द्वारा स्टॉक के भौतिक सत्यापन हेतु एक प्रणाली है एवं इसे सुदृढ़ किया जा रहा है। तथापि, उक्त प्रमाणन के फलस्वरूप उत्पन्न कोई भी कमी, यदि है, को तुरंत यथा उपयुक्त वसूल करते हुए इसका समाधान किया जाता है, अन्यथा चूक किए ग्राहक के विरूद्ध तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करायी जाती है।

Other Regulatory Requirement (CARO)

Pt (b) The Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

Company had engaged its own subsidiary company Ferro Scrap Nigam Ltd. as custodian of pledged materials in all the sites. The custodian used to send weekly/ monthly stock movement report vis-a-vis physical stock, to ensure proper monitoring. Due to deficiency of service, Company has very recently replaced them with Central Railside Warehousing Corporation Ltd., a CPSE. Further, there is a system of physical verification of stock through third party inspection agency at periodic intervals and same is being strengthened. However, shortages, if any, arising out of the said verification are immediately addressed by recovering the same wherever feasible else police complaints are lodged immediately against the defaulting customer.

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से
For and on behalf of the Board of Directors

बी०बी० सिंह

बी.बी. सिंह
B. B. Singh

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
Chairman and Managing Director

अनुलग्नक–VIख Annexure-VIB

31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु एमएसटीसी लि. के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Consolidated Ind AS Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending on 31st March, 2018

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
I.	होल्डिंग कंपनी के मामले में, व्यापार प्राप्य में पार्टी को सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स एसपीएस रोलिंग मिल्स लि. से ₹ 19544.01 लाख की बकाया राशि शामिल है जो अब पाँच वर्ष से अधिक हो चुकी है। अतएव, बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आयी है एवं अनुमापी विश्लेषण के अनुसार बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 6230 लाख आ गया है। पार्टी ने बंधक रखी गई सामग्री के वसूलीयोग्य शुद्ध मूल्य ₹ 6230 लाख भुगतान करने में चूक की है। पार्टी ने विवाचन निर्णय की शर्तों के अनुसार भुगतान करने में चूक की है। दिनांक 01.12.2017 को किए गए अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, अभिक्षक के न्यायक्षेत्र में रहने के बावजूद पार्टी द्वारा ₹ 6543 लाख मूल्य के बंधक रखे हुए स्टॉक अनधिकृत रूप से उठा लिए गए थे। लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने हेतु एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख की भी वसूली हुई है। खाता–बही में ₹ 1500 लाख की राशि प्रदान की गई है। वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 17393.01 लाख की और राशि कंपनी द्वारा दी जानी चाहिए थी। इसका प्रावधान न किए जाने के फलस्वरूप वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 17393.01 लाख लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्शाया गया है – समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 8.4 (क) देखें।	एमएसटीसी एक होल्डिंग कंपनी ने कंपनी के लिए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति के साथ ब्याज सहित कुल ₹ 29736 लाख का दावा दायर किया है। एमएसटीसी को वस्तुओं के बंधक द्वारा संरक्षित एक प्रचालनीय लेनदार के रूप में लिया गया है। कंपनी के लिए रिजॉल्यूशन प्लान अभी एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित किया जाना बाकी है। इसे विचाराधीन देखते हुए ₹ 1500 लाख की तदर्थ राशि पर्याप्त सावधानी उपाय के तौर पर खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के रूप में बहियों में दर्शाया गया है।
	In respect of Holding Company,Trade Receivables includes ₹ 19544.01 lakh due from M/s SPS Rolling Mills Ltd. for procurement and supply of materials to the party which is now more than five years old. Thus with the passage of time, quality of materials has deteriorated and as per the volumetric analysis the net realizable value of pledge raw materials comes to ₹ 6230 lakh. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration Award. As per the volumetric analysis done on 01.12.2017, pledged stock worth ₹ 6543 lakh was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. The creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company. The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakh from the party during the financial year 2018-19. An amount of ₹ 1,500 lakh have been provided for in the books of accounts. The Company should have provided a further amount of ₹ 17393.01 lakh against this debt during the year. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 17393.01 lakh – Refer Note no.8.4(a) of notes to the Consolidated Ind AS financial statement.	MSTC, the Holding Company, has filed a total claim of ₹ 29736 lakh including interest with the Resolution Professional appointed for the Company. MSTC has been treated as an operational creditor secured by pledge of goods. Resolution Plan is yet to be approved by NCLT for the Company. Pending this, an adhoc amount of ₹ 1500 lakh has been provided in the books as Bad and Doubtful Advances as a measure of abundant precaution.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
(ii)	होल्डिंग कंपनी के मामले में, व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124.13 लाख की बकाया राशि शामिल है। बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है जिससे वसूली योग्य मूल्य कम हुआ है। दिनांक 03.05.2018 को संचालित अनुमापी विश्लेषण की रिपोर्ट के अनुसार, अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र के अधीन रहने के बावजूद पार्टी द्वारा बाँकुड़ा यूनिट में बंधक रखे स्टॉक का कुछ भाग अनधिकृत रूप से उठा लिया गया था। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी विश्लेषण एमएसटीसी द्वारा नहीं किया जा सका था। अतएव, इस यूनिट में बंधक रखे स्टॉक के ₹ 108 लाख का बही मूल्य संदिग्ध है। एनसीएलटी में लेनदारों द्वारा दायर किए गए दिवालियापन के मामले के दाखिले के अनुसार, एमएसटीसी ने एनसीएलटी के अधीन इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री की खरीद की है, जिसके विरूद्ध केवल ₹ 9088 लाख की उन्हें वसूली की। सामग्री के अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। वर्ष के दौरान कंपनी ने ₹ 3000 लाख का प्रावधान किया है। अतएव, कंपनी को वर्तमान वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 19084.13 लाख की और राशि प्रदान करनी थी। इस कमी का प्रावधान न किए जाने के कारण वर्ष 2017-18 में ₹ 19804.13 लाख लाभ में अधिक एवं प्रावधान में कम दर्शाया गया है – समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणी की टिप्पनी सं. 8.4(ख) का संदर्भ लें।	प्रचालन लेनदार द्वारा दायर की गई एक याचिका पर कंपनी के विरूद्ध इन्सॉल्वेंसी एवं बैंकक्रप्सी कोड, 2016 के अधीन कार्यवाहियाँ शुरू की गई हैं एवं वर्तमान में अधिस्थगन आदेश प्रभावी है। एमएसटीसी होल्डिंग कंपनी ने एनसीएलटी द्वारा नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास ब्याज समेत ₹ 30071 लाख का दावा दायर किया है। प्रस्तावित रिजॉल्यूशन प्लान के अधीन संरक्षित प्रचालन लेनदार के रूप में एमएसटीसी को भी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के साथ लिया गया है, क्योंकि एमएसटीसी के पास वस्तुओं के बंधक के रूप में प्रतिभूत ब्याज है। तथापि, रिजॉल्यूशन प्लान पर निर्णय/अनुमोदन लंबित होने के कारण पर्याप्त सावधानी उपाय के तौर पर, खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के लिए बहियों में तदर्थ आधार पर ₹ 3,000 लाख का प्रावधान किया गया है।
	In respect of Holding Company, Trade receivables include ₹ 22124.13 lakh due from M/s Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. With the passage of time, quality of materials has deteriorated resulting in lower realizable value. As per the report of volumetric analysis conducted on 03.05.2018, part of pledged stock at Bankura unit was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. Volumetric analysis at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC. Thus the book value of ₹ 108 lakh of the pledged stock in this unit is doubtful. Pursuant to admission of case of insolvency filed by creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year procured materials on behalf of the party for ₹ 9206 lakh against which they realized only ₹ 9088 lakh. As per the volumetric analysis of the materials, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. The Company has made a provision of ₹ 3000 lakh during the year. The Company therefore should have provided a further amount of ₹ 19084.13 lakh against this debt during the current year. This non-provision of the shortfall has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 19804.13 lakh – Refer Note No.8.4(b) of notes to the Consolidated Ind AS financial statement	Proceedings under the Insolvency and Bankruptcy Code, 2016 has started against the company on a petition filed by an Operational Creditor and presently order of moratorium is in force. MSTC , the holding company has filed its claim of ₹ 30071 Lakh including interest with the Resolution Professional appointed by NCLT. Matter regarding treating MSTC as a secured operational creditor under the proposed Resolution Plan has also been taken up with Resolution Professional as MSTC has a security interest in the form of pledge of goods. However, pending finalization/ approval of the Resolution Plan, a provision of ₹ 3000 lakh has been made on adhoc basis in the books for Bad and Doubtful Advances as a measure of abundant precaution.

क्रम सं. — योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन — प्रबंधन के जवाब

Sl. No. — Qualified Opinion/ Observation — Management's Replies

अन्य नियामक आवश्यकता पार्ट–1 (अनुलग्नक–क)

Pt 1 **होल्डिंग कंपनी के मामले में :**
कंपनी के पास कोई पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि नहीं है एवं पट्टायुक्त भूमि के संबंध में कंपनी के पास स्पष्ट पट्टा अधिकार पत्र है। तथापि, कोलकाता में 3 फ्लैट एवं मुंबई में 11 फ्लैट के विषय में कंपनी के पास स्पष्ट अधिकार पत्र नहीं है।

होल्डिंग कंपनी ने तब से मुंबई में 11 में से 10 परिसंपत्तियों एवं कोलकाता में 3 में से 1 परिसंपत्ति के संबंध में अधिकार पत्र पुन: प्राप्त किया है। शेष 3 परिसंपत्तियों के लिए अधिकार पत्र प्राप्त करने का प्रयास जारी है।

Other Regulatory Requirement Pt 1(Annexure A)

Pt 1 **In Case of Holding Company :**
The Company does not have any freehold land and in respect of leasehold land the Company has a clear lease deed. However in respect of 3 flats in Kolkata and 11 flats in Mumbai, the Company does not have clear title deeds.

The holding Company has since retrieved title deeds in respect of 10 properties in Mumbai out of 11 and 1 property in Kolkata out of 3. Efforts are on to retrieve title deeds for the remaining 3 properties.

अन्य नियामक आवश्यकता (अनुलग्नक–ख)

Pt (a) होल्डिंग कंपनी के पास ग्राहक की स्वीकृति, ऋण के मूल्यांकन एवं बिक्री के लिए ऋण सीमाओं की स्थापना हेतु कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है जो कंपनी में अंतिम संग्रह की यथा उपयुक्त सुनिश्चितता स्थापित किए बिना राजस्व की स्वीकृति का संभावी परिणाम दे सकता है। बकायों की वसूली के लिए ग्राहकों के साथ तदुपरांत गतिविधियों पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त है।

होल्डिंग कंपनी के मामले में, जोखिम प्रबंधन नीति की व्यवस्था है जो अन्य बातों के साथ–साथ ग्राहक चयन, ऋण मूल्यांकन एवं ग्राहकों के लिए ऋण सीमाएं स्थापित करने हेतु दिशानिर्देश प्रदान करती है एवं समय–समय पर इसकी समीक्षा एवं रूपांतरण भी की जाती है। इसके अलावा, एक मार्केटिंग मैनुअल भी है जो दैनंदिन परिचालनों के संचालन हेतु निर्दिष्ट नियमों एवं पद्धतियों की सूचना देता है एवं जिसमें विपणन प्रचालन से जुड़े अन्य पहलू है। साथ ही सामग्री के 110% मूल्य के लिए बैंक गारंटी स्वीकार करते हुए केवल नए ग्राहकों के साथ ट्रेडिंग व्यवसाय शुरू करते हुए कंपनी ने डिफॉल्ट जोखिम को उल्लेखनीय रूप से रोधित किया है। साथ ही, कंपनी 'नकद एवं वहन' मॉडल के अंर्तगत ग्राहकों के साथ धीरे–धीरे व्यवसाय समाप्त कर रही है।

बकायों की यथा समय वसूली के लिए ग्राहकों के साथ तदुपरांत नियमित कार्यवाही हेतु एक तंत्र व्यवस्थित है। किसी भी चूक की घटना घटने पर अनुस्मारक भेजे जाते हैं एवं आगे का क्रय रोक दिया जाता है। फोन के माध्यम से तदुपरांत का कार्य किया जाता है एवं आवधिक अंतराल पर निदेशक/सीएमडी से मिलने के लिए पार्टी के प्रतिनिधियों को बुलाया जाता है। अन्य बातों के साथ–साथ महीना–वार रिपोर्ट तैयार की जाती है जिसमें लेनदेन, वसूली, बकाया एवं उस पर समय–वार विश्लेषण दर्शाया गया है। इस विषय में मासिक रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय के पास भेजी जाती है।

Other Regulatory Requirement (Annexure B)

Pt (a) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

In Case of Holding Company,there is a Risk Management Policy in place which inter alia provides guidelines for customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for customers etc. and the same is also reviewed and modified from time to time. Moreover, there is a Marketing Manual which describes the set of rules and procedures for handling day-to-day operations and which covers other relevant aspects of Marketing operations. Besides, Company has insulated default risk significantly by introducing trading business with new customers only by accepting Bank Guarantee for 110% of value of materials. Simultaneously, Company is gradually closing business with customers under the 'Cash and Carry' model.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
		There is a system of regular follow up with customers for timely realization of dues. Reminders are sent in case of occurrence of any default and further procurements are stopped. Follow up is also done over phone and representatives from the parties are called to meet directors/CMD at periodical intervals. Month wise reports are generated inter alia showing transactions, realizations, outstanding and age wise analysis thereof. Monthly reports are sent to Ministry of Steel in this regard
Pt (b)	कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से क्रय की गई कच्ची सामग्रियों के बंधक रखे एवं कंपनी द्वारा नियुक्त अभिरक्षक के नियंत्रण में रखे स्टॉक के संबंध में होल्डिंग कंपनी के पास कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिसके फलस्वरूप गोदामों से सामग्री अनधिकृत रूप से उठायी जाती हैं।	होल्डिंग कंपनी ने सभी साइट में बंधक रखी गई सामग्री के अभिरक्षक के तौर पर अपनी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लि. को नियोजित किया है। अभिरक्षक समुचित निगरानी सुनिश्चित करने हेतु भौतिक स्टॉक के समान साप्ताहिक/मासिक स्टॉक संचालन रिपोर्ट भेजते थे। सेवा में कमी रहने के कारण कंपनी ने हाल ही में उनकी जगह सेन्ट्रल रेल साइड वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन लि., एक सीपीएसई को लिया है। इसके अलावा, आवधिक अंतराल पर तीसरे पक्ष की जाँच एजेंसी द्वारा स्टॉक के भौतिक सत्यापन हेतु एक प्रणाली है एवं इसे सुदृढ़ किया जा रहा है। तथापि, उक्त प्रमाणन के फलस्वरूप उत्पन्न कोई भी कमी, यदि है, को तुरंत यथा उपयुक्त वसूल करते हुए इसका समाधान किया जाता है, अन्यथा चूक किए ग्राहक के विरूद्ध तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज करायी जाती है।
	The Holding Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.	The Holding Company had engaged its own subsidiary company Ferro Scrap Nigam Ltd. as custodian of pledged materials in all the sites. The custodian used to send weekly/ monthly stock movement report vis-a-vis physical stock, to ensure proper monitoring. Due to deficiency of service, Company has very recently replaced them with Central Railside Warehousing Corporation Ltd., a CPSE. Further, there is a system of physical verification of stock through third party inspection agency at periodic intervals and same is being strengthened. However, shortages, if any, arising out of the said verification are immediately addressed by recovering the same wherever feasible else police complaints are lodged immediately against the defaulting customer.

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

For and on behalf of the Board of Directors

बी.बी. सिंह

B. B. Singh

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Chairman and Managing Director

स्टैंडएलोन रिपोर्ट

STANDALONE REPORT

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणियों पर रिपोर्ट

हमने एमएसटीसी लिमिटेड (''कंपनी'') के स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार तुलन पत्र, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय समेत), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण एवं नकद प्रवाह विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य व्याख्यात्मक सूचना (तदुपरांत स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण) शामिल है।

स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन का दायित्व

कंपनी का निदेशक मंडल इन स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (5) (अधिनियम) में व्यक्त मामलों के लिए जिम्मेदार है जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत, इसके उपरांत कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पठित निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों (इंड एएस) समेत भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, अन्य विशद आय सहित वित्तीय निष्पादन, नकद प्रवाह तथा इक्विटी में परिवर्तन का सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करता है। इस दायित्व में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का व्यवस्थापन शामिल है जो कंपनी की संपत्तियों की हिफाजत हेतु एवं धोखाधड़ियों और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए, उपयुक्त लेखांकन नीतियों के चयन एवं प्रयोग के लिए, तर्क एवं आकलन देने जो यथासंगत एवं विवेकपूर्ण हैं, एवं पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की रूपरेखा तैयार करने, कार्यान्वयन एवं रखरखाव के लिए, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता एवं संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं प्रस्तुत करने के लिए संगत थे, जो सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते हैं एवं भौतिक गलत बयानों से मुक्त हैं, चाहे वे जालसाजी या चूक के कारण हो।

लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है। हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखांकन एवं लेखापरीक्षण मानकों और विषयवस्तुओं का ध्यान रखा है, जिन्हें अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बने नियमों के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल किया जाना अपेक्षित है।

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षण के मानकों के अनुसार स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की है। उन मानकों में अपेक्षित है कि नीतिपरक आवश्यकताओं का पालन करें एवं उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना करें एवं निष्पादन करें कि स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण गलत बयानों से मुक्त है।

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Standalone Ind AS Financial Statements

We have audited the accompanying Standalone Ind AS Financial Statements of MSTC LIMITED ("the Company"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2018, the Statement of Profit and Loss (Including Other Comprehensive Income), the Statement of Changes in Equity and the Statement of Cash Flows for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as 'Standalone Ind AS financial statements').

Management's Responsibility for the Standalone Ind AS Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in Section 134 (5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation of these Standalone Ind AS financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance (including other comprehensive income), changes in equity and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Indian Accounting Standards specified under section 133 of the Act, read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of Standalone Ind AS financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these Standalone Ind AS financial statements based on our audit. We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made thereunder.

We conducted our audit of the Standalone Ind AS financial statements in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the Standalone Ind AS financial statements are free from material misstatement.

लेखापरीक्षा में राशियों के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने एवं स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों में प्रकट करने की निष्पादन प्रक्रियाएँ शामिल हैं। चयनित प्रक्रिया लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती है, जिसमें स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों की भौतिक गलत बयानों के जोखिमों का आकलन शामिल है चाहे जालसाजी या चूक के कारण हो। उन जोखिम आकलनों को तैयार करते समय, लेखापरीक्षक कंपनी के स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है जो लेखापरीक्षा की प्रक्रिया को निरूपित करने के सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों में उपयुक्त है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता एवं कंपनी के निदेशकों द्वारा किए गए लेखांकन आकलन के औचित्य और साथ ही स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों के संपूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमें जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, वो स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा पर राय देने के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

योग्यता प्राप्त राय के आधार

i) व्यापार प्राप्य में मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से ₹ 19544.01 लाख की बकाया राशि शामिल है जो कि पार्टी को सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए है जो अब पाँच वर्ष से अधिक हो चुकी है। अतएव, बीतते समय के साथ, सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है एवं अनुमापी विश्लेषण के अनुसार बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूली मूल्य ₹ 6230 लाख आ गया है। विवाचन निर्णय की शर्तों के अनुसार पार्टी ने भुगतान करने में चूक की है। दिनांक 01.12.2017 को किए गए अनुमापी विश्लेषण के अनुसार ₹ 6543 लाख मूल्य के बंधक रखे स्टॉक को पार्टी ने अनधिकृत रूप से उठा लिया था, हालांकि यह स्टॉक अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र में रहा था लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने हेतु एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख प्राप्त किया है। खाता बहियों में ₹ 1500 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान इस ऋण के बाबत ₹ 17393.01 लाख की और भी राशि प्रदान की जानी थी। इसके गैर-प्रावधानीकरण से वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 17393.01 लाख का लाभ अधिक दर्शाया गया है एवं प्रावधान कम दिखाया गया है। स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4 (क) देखें।

ii) व्यापार प्राप्य में मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124.13 लाख की बकाया राशि शामिल है जो सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए है। बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है जिससे वसूलीयोग्य मूल्य कम हुआ है। दिनांक 03.05.2018 को संचालित अनुमापी विश्लेषण की रिपोर्ट के अनुसार, बाँकुड़ा यूनिट में बंधक में रखे स्टॉक का कुछ हिस्सा, अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र में रहने के बावजूद पार्टी द्वारा अनधिकृत रूप से उठा लिया गया था। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी विश्लेषण एमएसटीसी द्वारा नहीं किया जा सका था। अतएव, इस यूनिट में ₹ 108 लाख के बंधक रखे स्टॉक का बही मूल्य संदिग्ध है। एनसीएलटी में लेनदारों द्वारा दायर किए गए दिवालियेपन के मामले को दाखिल किए जाने के अनुसार, एमएसटीसी ने एनसीएलटी के अंतर्गत इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the Standalone Ind AS financial statements. The procedures selected depend on the auditors' judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the Standalone Ind AS financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Company's preparation of the Standalone Ind AS financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Company's Directors, as well as evaluating the overall presentation of the Standalone Ind AS financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the Standalone Ind AS financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i) Trade Receivables includes ₹ 19544.01 lakh due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd for procurement and supply of materials to the party which is now more than five years old. Thus with the passage of time, quality of materials has deteriorated and as per the volumetric analysis the net realizable value of pledged raw materials comes to ₹ 6230 lakh. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration award. As per the volumetric analysis done on 01.12.2017, pledged stock worth ₹ 6543 lakh was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. The creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company. The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakh from the party during the financial year 2018-19. An amount of ₹ 1500 lakh have been provided for in the books of accounts. The Company should have provided a further amount of ₹ 17393.01 lakh against this debt during the year. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 17393.01 lakh - Refer Note no. 9.4 (a) of notes to the Standalone Ind AS financial statements.

ii) Trade Receivables includes ₹ 22124.13 lakh due from M/S Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. With the passage of time, quality of materials has deteriorated resulting in lower realisable value. As per the report of volumetric analysis conducted on 03.05.2018, part of pledged stock at Bankura unit was unauthorisedly lifted by the party inspite of the same being under the jurisdiction of a Custodian. Volumetric analysis at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC. Thus the book value of ₹ 108 lakh of the

अपना दावा दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री का क्रय किया है जिसके लिए केवल ₹ 9088 लाख प्राप्त हुए हैं। सामग्री के अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 3000 लाख का प्रावधान किया है। कंपनी द्वारा अतएव वर्तमान वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 19084.13 लाख की और भी राशि प्रदान किया जाना था। इस कमी के गैर-प्रावधानीकरण से वर्ष 2017-18 में ₹ 19084.13 लाख की राशि द्वारा लाभ अधिक दर्शाया गया है एवं प्रावधान कम दिखाया गया है - स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4 (ख) देखें।

योग्यताप्राप्य विचार

हमारे विचार में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, योग्यताप्राप्य विचार के लिए आधार के कंडिका (I) एवं (ii) में वर्णित विषयवस्तु के प्रभावों को छोड़कर, जिसका समग्र प्रभाव ₹ 36477.14 लाख का अधिक लाभ दिखाना एवं कम प्रावधान करना है, उक्त स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की अपेक्षा के अनुसार यथा अपेक्षित जानकारी देते हैं एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूपता में 31 मार्च, 2018 की स्थिति को कंपनी के मामलों की यथा स्थिति एवं उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए इसके लाभ, अन्य व्यापक आय, इसके नकद प्रवाह एवं इक्विटी में परिवर्तन का सही एवं उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

मामलों पर ध्यानाकर्षण

हम निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित करते हैं :

i) स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4 (ग) का संदर्भ आकर्षित किया जाता है, जहाँ यह वर्णित है कि व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से ₹11484.29 लाख की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। पार्टी विवाचन निर्णय के अनुसार भुगतान कर रही है एवं वर्तमान वर्ष में केवल ₹ 482 लाख का समायोजन ₹ 11937 लाख बकाया के प्रारंभिक प्राप्य के लिए किया गया है। एक स्वतंत्र मूल्यांकक की अनुमापी विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, चूंकि बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 14185.21 लाख (पिछले वर्ष ₹ 6870 लाख) के साथ अधिक है, अतएव, वर्तमान वर्ष में प्रबंधन द्वारा कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ii) स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 9.4(घ) का संदर्भ आकर्षित किया जाता है, जहाँ यह वर्णित है कि व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स ग्लोबल कोक लि. से ₹ 2831.52 लाख की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। बंधक रखी सामग्री की खपत द्वारा बकायों के अपेक्षित तरलीकरण के मद्देनजर एवं एक स्वतंत्र मूल्यांकक द्वारा अनुमापी विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 5311 लाख (पिछले वर्ष : ₹ 1250 लाख) के मुकाबले अधिक रहने के कारण, वर्तमान वर्ष में प्रबंधन द्वारा कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

pledged stock in this unit is doubtful. Pursuant to admission of a case of insolvency filed by creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year procured materials on behalf of the party for ₹ 9206 lakh against which they realized only ₹ 9088 lakh. As per the volumetric analysis of the materials, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. The Company has made a provision of ₹ 3000 lakh during the year. The Company therefore should have provided a further amount of ₹ 19084.13 lakh against this debt during the current year. This non-provision of the shortfall has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 19084.13 lakh - Refer Note no. 9.4 (b) of notes to the Standalone Ind AS financial statements.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, except for the effects of the matter described in paragraph (i) and (ii) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 36477.14 lakh, the aforesaid standalone Ind AS financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at 31st March 2018, and its profit, other comprehensive income, its cash flows and changes in equity for the year ended on that date.

Emphasis of matters

We draw attention to the following matters:

i) Reference is invited to Note no. 9.4 (c) of notes to the Standalone Ind AS financial statements wherein it is stated that Trade Receivables include ₹11484.29 lakh due from M/s Jai Balaji Industries Ltd for procurement and supply of materials which are more than three years old. The party is making payment as per the Arbitration award and in the current year only ₹ 482 lakh have been adjusted against outstanding opening receivable of ₹ 11937 lakh. Since as per the Volumetric Analysis Report by an independent valuer, the net realizable value of the pledged stock is higher at ₹ 14185.21 lakh (Previous year: ₹ 6870 lakh), no provision has been considered necessary by the Management in the current year.

ii) Reference is invited to Note no. 9.4 (d) of notes to the Standalone Ind AS financial Statements wherein it is stated that Trade Receivables include ₹ 2831.52 lakh due from M/s Global Coke Ltd for procurement and supply of materials which are more than three years old. In view of the expected liquidation of dues by way of consumption of pledged materials and also net realizable value of the pledged stock is higher at ₹ 5311 lakh (Previous year : ₹ 1250 lakh) as per the Volumetric Analysis Report by an independent valuer, no provision has been considered necessary by the Management in the current year.

iii) व्यापार प्राप्यों एवं व्यापार देयों की शेष राशियों के लंबित पुष्टीकरण/पुनर्मिलान एवं इसके प्रभाव समायोजन से संबंधित स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 42 का संदर्भ आकर्षित किया जाता है जो पुनर्मिलान पर उत्पन्न हो सकते हैं।

iv) कंपनी ने चार स्वतंत्र निदेशकों को नियुक्त किया था, जिनमें से दो दिनांक 06.09.2017 को एवं शेष दो दिनांक 09.03.2018 को नियुक्त हुए थे। वर्ष के दौरान लेखा परीक्षा समिति की दो बैठकें हुईं थी। स्वतंत्र निदेशकों की अनुपस्थिति में, सितंबर 2017 से पहले लेखा परीक्षा समिति की कोई बैठक का आयोजन नहीं हो पाया था।

इन विषयवस्तुओं के संबंध में हमारी राय में कोई परिवर्तन नहीं है।

अन्य विषयवस्तुएँ

स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण में संलग्न 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय सूचना कंपनी (लेखांकन मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए पूर्व में जारी सांविधिक वित्तीय विवरण के आधार पर हैं जो कि पूर्ववर्ती लेखापरीक्षक, मेसर्स राय एण्ड कं. द्वारा लेखापरीक्षित है, जिनकी 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए दिनांक 07 अगस्त, 2017 की रिपोर्ट ने उन स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण पर परिवर्तित मत व्यक्त किया है।

अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143(5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कैग) के अनुदेशों के पालन में एवं भारत में समान्यतया स्वीकृत सिद्धांतों के अनुसार निष्पादित कंपनी की बहियों एवं रिकार्ड की हमारी जाँच पर एवं हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में सम्मिलित किये जाने हेतु अन्य विषयवस्तुओं के संबंध में कैग के अनुदेशों में वर्णित विषयवस्तुओं पर एक विवरण अनुलग्नक क में देते हैं।
2. अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (11) के अनुसार भारत के केन्द्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षक की रिपोर्ट) आदेश , 2016 (''आदेश'') की अपेक्षानुसार, आदेश के अनुच्छेद 3 एवं 4 में विनिर्दिष्ट विषयवस्तुओं पर इस रिपोर्ट के अनुलग्नक ख में एक विवरण देते हैं।
3. अधिनियम की धारा 143 (3) की अपेक्षानुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि :

   (क) हमने वे सभी जानकारी और व्याख्या मांगी हैं एवं प्राप्त की हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थी।

   (ख) हमारी राय में, जैसा कि इन बाहियों की हमारी जाँच से प्रतीत होता है, कानून की अपेक्षानुसार कंपनी द्वारा यथोचित लेखा-बहियों का रखरखाव किया गया है।

   (ग) इस रिपोर्ट से सम्बंधित तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि विवरण (अन्य व्यापक आय समेत), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण एवं नकद प्रवाह विवरण लेखा बहियों के सुसंगत हैं।

iii) Reference is invited to Note no. 42 of notes to the Standalone Ind AS financial Statements relating to pending confirmation/reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential impact that may arise on reconciliation.

iv) The Company had appointed four Independent Directors, two on 06.09.2017 and the remaining two on 09.03.2018. Two Audit Committee meetings were held during the year. In absence of the Independent Directors, no Audit Committee meetings could be held before September 2017.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Other Matters

The comparative financial information of the Company for the year ended 31st March, 2017 included in the Standalone Ind AS financial statements are based on the previously issued statutory financial statements prepared in accordance with the Companies (Accounting Standards) Rules, 2006 audited by the predecessor auditor, M/s Ray & Co., whose report dated 07th August, 2017 for the year ended 31st March, 2017 expressed a modified opinion on those standalone financial statements.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the Company carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions of CAG.
2. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2016 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of Section 143 of the Act, we give in the Annexure B, a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the said order.
3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that :
   a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.
   b. In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.
   c. The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss (including Other Comprehensive Income), Statement of Changes in Equity and the Cash Flow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(घ) हमारी राय में, उपर्युक्त स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 एवं कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015, संशोधन के अनुसार बने संबंधित नियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का पालन करते हैं।

(ङ) हमारी राय में, उपरोक्त अनुच्छेद में योग्यता प्राप्त राय के लिए आधार में वर्णित विषयवस्तुओं का कंपनी के कार्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं भी पड़ सकता है।

(च) निगमित मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. जी. एस. आर. 463(ई) दिनांक 05.06.2015 के अनुसार अधिनियम की धारा 164(2) कंपनी पर प्रयोज्य नहीं है।

(छ) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता एवं ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन संबंधी प्रभावकारिता के सूचनार्थ अनुलग्नक "ग" में हमारी पृथक रिपोर्ट देखें।

(ज) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षकों) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में शामिल की जानेवाली अन्य विषयवस्तुओं के मामले में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार :

i. कंपनी ने अपने स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण में अपनी वित्तीय स्थिति पर लम्बित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया है - स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं **34** देखें।

ii. कंपनी के पास व्युत्पन्न संविदाओं समेत कोई दीर्घमियादी संविदाएँ नहीं हैं, जिसके लिए पहले से ही भौतिक पूर्वाभासी क्षतियाँ थीं।

iii. निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में कंपनी द्वारा कोई राशि अंतरित किए जाने में कोई देर नहीं हुई है।

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

d. In our opinion, the aforesaid standalone Ind AS financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended.

e. The matters described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may not have an adverse effect on the functioning of the Company.

f. As per notification No. GSR 463(E) dated 5th June, 2015 issued by the Ministry of Corporate Affairs, Government of India, Section 164(2) of the Act is not applicable to the Company.

g. With respect to the adequacy of the internal financial control over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in Annexure C.

h. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its standalone Ind AS financial statements – Refer Note no. 34 of notes to the Standalone Ind AS financial statements.

ii. The Company did not have any such long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.

iii. There has been no delay in transferring amounts, required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक–क

ANNEXURE A TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(समदिनांकित हमारी रिपोर्ट के "अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" शीर्षक के अनुच्छेद 1 से संदर्भित)

(Referred to in paragraph 1 under the heading "Report on other Legal and Regulatory Requirements" of our report of even date)

कंपनी के रिकॉर्ड के सत्यापन के आधार पर एवं हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप धारा 5 के अंतर्गत भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी दिशानिर्देश के तहत हम निम्नानुसार रिपोर्ट करते हैं :

Directions issued by the Comptroller and Auditor General of India under sub section 5 of Section 143 of the Companies Act, 2013, based on the verification of records of the Company and according to information and explanations given to us, we report as under :

क्रम सं. **Sl. No.**	निदेश **Direction**	लेखापरीक्षक के जवाब **Auditor's Reply**
1.	क्या कंपनी के पास क्रमशः पूर्ण स्वामित्व एवं पट्टायुक्त भूमि के लिए स्पष्ट अधिकार/पट्टा अधिकार पत्र है? यदि नहीं, तो कृपया पूर्ण स्वामित्व एवं पट्टायुक्त भूमि के क्षेत्रफल के बारे में बताएं, जिनके बारे में कोई अधिकार/ पट्टा अधिकार पत्र नहीं है। Whether the company has clear title/lease deeds for freehold and leasehold respectively? If not please state the area of freehold and leasehold land for which title/lease deeds are not available.	कंपनी के पास कोई पूर्ण स्वामित्व भूमि नहीं है एवं पट्टायुक्त भूमि के संबंध में, कंपनी के पास एक स्पष्ट पट्टा अधिकार पत्र है। हालांकि कोलकाता में 3 फ्लैट एवं मुंबई 11 फ्लैट के संबंध में, कंपनी के पास कोई स्पष्ट अधिकारी पत्र नहीं है। The Company does not have any freehold land and in respect of leasehold land, the Company has a clear lease deed. However, in respect of 3 flats in Kolkata and 11 flats in Mumbai, the Company does not have clear title deeds.
2.	क्या कोई ऋण / कर्ज / ब्याज आदि की छूट / बट्टे पर डालने का कोई मामला है, यदि हाँ, इसके कारण और सम्मिलित राशि बताएं। Whether there are any cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc., if yes, the reasons there for and amount involved.	एनसीएलटी, मुंबई द्वारा निदिष्ट प्रस्ताव योजना के आधार पर वर्ष के दौरान ₹ 859.39 लाख के अशोध्य ऋण को बट्टे खाते में डाला गया था एवं पीएमए के अंतर्गत विवाचन के आदेश के आधार पर ₹ 45081.10 लाख के प्राप्य दावे को बट्टे खाते में डाला गया था, जिसमें इन कार्यवाहियों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है, जब तक कि इस विषय में सीबीआई मामले के निपटारे को दर्ज नहीं किया गया। Bad Debt amounting to ₹ 859.39 lakh was written off during the year based on the Resolution plan finalized by NCLT, Mumbai and Claims receivable of ₹ 45081.10 lakh was written off during the year based on the order of the Arbitrator under PMA whereby proceedings have been adjourned sine die, till disposal of CBI case is filed in this regard.
3.	क्या तीसरे पक्ष के पास पड़ी हुई मालसूची एवं सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार / अनुदान के रूप में प्राप्त संपत्तियों का समुचित रखरखाव किया गया है। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift/grant(s) from Government or other authorities.	तीसरे पक्ष के पास कोई मालसूची नहीं पड़ी हुई थी एवं सरकार या किसी अन्य अधिकारी से उपहार / अनुदान के रूप में कंपनी को कोई संपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। There were no inventories lying with third parties and the Company has not received any assets as gift/grant from Government or any other authorities.

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक ख

(समदिनांकित हमारी रिपोर्ट के "अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" प्रभाग के अंतर्गत अनुच्छेद 2 से संदर्भित)

I. क) कंपनी ने अचल परिसंपत्तियों के मात्रात्मक विवरण एवं स्थिति समेत संपूर्ण विवरण दर्शानेवाले समुचित रिकार्डों का रखरखाव किया है।

ख) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी अचल परिसंपतियों की भौतिक रूप से जाँच की है। हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, ऐसे सत्यापन पर कोई भौतिक विसंगतियाँ अवलोकित नहीं हुई थी।

ग) निम्नलिखित अचल संपत्तियों का अधिकार पत्र कंपनी के नाम में नहीं है :

मामले की संख्या	14
क्या पट्टायुक्त / पूर्ण स्वामित्व की है	पूर्ण स्वामित्व
सकल ब्लॉक / तुलन पत्र की तिथि के अनुसार	₹ 105 लाख
शुद्ध ब्लॉक (तुलन पत्र की तिथि के अनुसार)	₹ 97.07 लाख

ii. वर्ष के अंत में कंपनी ने कोई इन्वेन्टरी (मालसूची) नहीं रखी है। अतएव, आदेश के खंड 3(ii) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।

iii. कंपनी ने अधिनियम की धारा 189 के अंतर्गत अनुरक्षित रजिस्टर में सम्मिलित कंपनियों सीमित देयता साझेदारों संस्थाओं या अन्य पार्टियों को कोई ऋण, संरक्षित या असंरक्षित प्रदान नहीं किया है। अतएव, आदेश के खंड 3(iii) [क, (ख) एवं (ग)] के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं हैं।

iv. कंपनी ने कोई ऋण नहीं दिया है, कोई गारंटी / सिक्योरिटी प्रदान नहीं की है, अतएव अधिनियम की धारा 185 लागू नहीं है। कंपनी द्वारा किया गया निवेश अधिनियम की धारा 186 के अनुपालन में है।

v. कंपनी ने अधिनियम की धारा 73 से 76 एवं कंपनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम 2014 (संशोधित अनुसार) के अभिप्राय में जनसाधारण से कोई जमाराशि स्वीकार नहीं की है। अतएव, आदेश के खंड 3(v) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

vi. भारत के केन्द्र सरकार ने अधिनियम की धारा 148 की उपधारा (1) के अंतर्गत लागत रिकॉर्ड का रखरखाव निर्धारित नहीं किया है। अतएव, आदेश के खंड 3(vi) का प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

vii. (क) कंपनी प्रयोज्य अनुसार भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, बिक्री एवं सेवा कर, उपकर एवं अन्य सांविधिक देय सहित अविवादित सांविधिक देय उपयुक्त प्राधिकारियों के पास आमतौर पर नियमित रूप से जमा करती है। हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च, 2018 को देय तिथि से छह महीने से अधिक अवधि के लिए उपर्युक्त बकाया के संबंध में कोई अविवादित देय बकाया नहीं है।

(ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार एवं हमारे द्वारा कंपनी के रिकॉर्डों की जाँच के आधार पर, 31 मार्च, 2018 को आय कर, बिक्री कर, मूल्य वर्धित कर, सीमा शुल्क, सेवा कर आदि के बकाये का विवरण जो विवाद के कारण जमा नहीं किए गये हैं, निम्नानुसार है :

ANNEXURE B TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 2 under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date)

i. (a) The Company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets;

(b) The Company has physically verified its fixed assets during the year. According to the information and explanations given to us, no material discrepancies were noticed on such verification.

(c) The title deeds of the following immovable properties are not held in the name of the Company:

Total No. of Cases	14
Whether leasehold/freehold	Freehold
Gross Block (as at Balance Sheet date)	₹ 105 lakh
Net Block (as at Balance Sheet date)	₹ 97.07 lakh

ii. The Company does not hold any inventory as at the year end. Therefore, the provisions of Clause 3(ii) of the Order are not applicable to the Company.

iii. The Company has not granted any loan, secured or unsecured, to companies, Limited Liability Partnerships, firms or other parties covered in the register maintained under Section 189 of the Act. Therefore, the provisions of Clause 3(iii) [(a), (b) and (c)] of the Order are not applicable to the Company.

iv. The Company has not granted any loan, provided any guarantee/ security and hence Section 185 of the Act is not applicable. The investment made by the Company is in compliance of section 186 of the Act.

v. The Company has not accepted any deposits from the public within the meaning of Sections 73 to 76 of the Act and the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 2014 (as amended). Therefore, the provision of clause 3(v) of the order is not applicable on the Company.

vi. The Central Government of India has not prescribed the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act. Therefore, the provision of clause 3(vi) of the order is not applicable on the Company.

vii. (a) The Company is generally regular in depositing the undisputed statutory dues including provident fund, employees' state insurance, income tax, goods and service tax, cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities. According to the information and explanations given to us, no undisputed amounts payable in respect of the aforesaid dues were outstanding as at 31st March 2018 for a period of more than six months from the date of becoming payable.

(b) According to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the particulars of dues of income-tax, sales-tax, value added tax, custom duty, service tax, etc as at 31st March 2018 which have not been deposited on account of a dispute, are as follows:

क्रम सं.	संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	जिस अवधि से राशि संबंधित है (वित्तीय वर्ष)	राशि (लाख ₹ में)	फोरम जहाँ विवाद लम्बित है
1	उत्तर प्रदेश वैट अधिनियम 2008	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2001-02	1.93	उच्च न्यायालय, इलाहाबाद
			2004-05	1.67	वाणिज्यिक कर न्यायाधिकरण पीठ, गाजियाबाद
2	जम्मू व कश्मीर बिक्री कर अधिनियम 1962	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009-10	1.50	वाणिज्यिक कर मंडल, जम्मू
			2010-11	0.66	वाणिज्यिक कर मंडल, जम्मू
3	पश्चिम बंगाल वैट अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009-10	332.75	अपीलेट रिविजन बोर्ड, कोलकाता
			2012-13	314.42	आयुक्त, कोलकाता
4	आंध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1998-99	22.53	सेल्स टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (एसटीएटी) विशाखापटनम
			1999-00	44.42	मूल्यांकन अधिकारी अर्थात वाणिज्यिक कर अधिकारी/ सूर्य बाग सर्कल, विशाखापटनम
			2004-05	9.08	सेल्स टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (एसटीएटी) विशाखापटनम
			2005-06	3.70	सेल्स टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (एसटीएटी) विशाखापटनम
			2006-07	0.76	सेल्स टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (एसटीएटी) विशाखापटनम
			2008-13	79.35	हैदराबाद में हाई कोर्ट ऑफ जुडिकेचर
			2007-08	27.46	उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश
5	केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम (सीएसटी)	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009-10	249.00	सेल्स टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (एसटीएटी) विशाखापटनम
			2011-12	82.32	अपीलीय उपायुक्त (अपील्स), विजयवाडा
			2015-16	14.28	अपीलीय उपायुक्त (अपील्स), विजयवाडा
6	उड़ीसा बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1986-87	269.00	उच्च न्यायालय, उड़ीसा
7	गुजरात वैट अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2002-03	52.25	पूर्व-लेखा परीक्षा विभाग, अहमदाबाद
			2003-04	369.45	पूर्व-लेखा परीक्षा विभाग, अहमदाबाद
			2004-05	217.99	डीसी (अपील ऑर्डर) के विरूद्ध न्यायाधिकरण में दायर की गई अपील
	कुल बिक्री कर बकाया राशि			**2094.52**	
8	सीमा शुल्क अधिनियम 1962	सीमा शुल्क विभाग द्वारा दावा	1995-96	240.00	सीमा शुल्क आयुक्त, चेन्नई
			2001-02	203.81	उच्च न्यायालय, कोलकाता
			2012-13	1542.49	सीईएसटीएटी, बैंगलोर
			2013-14	83.55	सीईएसटीएटी, बैंगलोर
	कुल सीमा शुल्क बकाया राशि		**2069.85**		
9	वित्त अधिनियम 1994 (सेवा कर)	सेवा कर मांग	2002-05	73.02	उच्च न्यायालय, दिल्ली
			2005-07	1490.10	सीईएसटीएटी, कोलकाता
			2003-05	22.02	अपील आयुक्त, कोलकाता
	कुल सेवा कर बकाया राशि		**1585.14**		
10	आयकर अधिनियम 1961	आयकर मांग	2002-03	51.56	उच्च न्यायालय, कोलकाता
			2004-05	1.06	सीआईटी अपील्स, कोलकाता
			2006-07	11.64	सीआईटी अपील्स, कोलकाता
			2008-09	67.62	आयकर अपीलीय ट्रिब्यूनल, कोलकाता
			2011-12	21.34	अपील आयुक्त, कोलकाता
			2012-13	275.73	अपील आयुक्त, कोलकाता
			2013-14	100.05	अपील आयुक्त, कोलकाता
			2014-15	176.75	अपील आयुक्त, कोलकाता
	कुल आयकर बकाया राशि			**705.75**	
	कुल कर बकाया राशि			**6455.26**	

Sl. No.	Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates (F.Y)	Amount (₹ in Lakh)	Forum where dispute is pending
1	UP VAT Act 2008	Claim by Sales Tax Authority	2001-02	1.93	High Court Allahabad
			2004-05	1.67	Commercial Tax Tribunal Bench, Ghaziabad.
2	J&K Sales Tax Act 1962	Claim by Sales Tax Authority	2009-10	1.50	Commercial taxes Circle, Jammu
			2010-11	0.66	Commercial taxes Circle, Jammu
3	WB VAT Act 2003	Claim by Sales Tax Authority	2009-10	332.75	Appellate Revision Board, Kolkata
			2012-13	314.42	Commissioner, Kolkata
4	AP VAT Act 2005	Claim by Sales Tax Authority	1998-99	22.53	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
			1999-00	44.42	Assessing Authority i.e Commercial Tax Officer / Surya Bagh Circle, Visakhapatnam
			2004-05	9.08	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT) , Visakhapatnam
			2005-06	3.70	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
			2006-07	0.76	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT) , Visakhapatnam
			2008-13	79.35	High Court of Judicature at Hyderabad
			2007-08	27.46	High Court. Andhra Pradesh
5	Central Sales Tax Act (CST)	Claim by Sales Tax Authority	2009-10	249.00	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT) , Visakhapatnam
			2011-12	82.32	Appellate Deputy Commissioner (Appeals), Vijayawada
			2015-16	14.28	Appellate Deputy Commissioner (Appeals), Vijayawada
6	Orissa Sales Tax Act	Claim by Sales Tax Authority	1986-87	269.00	High Court, Orissa
7	Gujarat VAT Act 2003	Claim by Sales Tax Authority	2002-03	52.25	Pre-Audit Dept. Ahmedabad
			2003-04	369.45	Pre-Audit Dept. Ahmedabad
			2004-05	217.99	Appeal filed in Tribunal against DC (Appeal Order)
	Total of Sales Tax Dues			**2094.52**	
8	Customs Act 1962	Claim by Custom Department	1995-96	240.00	Commissioner Customs, Chennai
			2001-02	203.81	High Court, Calcutta
			2012-13	1542.49	CESTAT, Bangalore
			2013-14	83.55	CESTAT, Bangalore
	Total of Custom Dues		**2069.85**		
9	Finance Act 1994 (Service Tax)	Service Tax Demand	2002-05	73.02	High Court, Delhi
			2005-07	1490.10	CESTAT, Kolkata
			2003-05	22.02	Commissioner Appeals, Kolkata
	Total of Service Tax Dues		**1585.14**		
10	Income Tax Act 1961	Income Tax Demand	2002-03	51.56	High Court, Calcutta
			2004-05	1.06	CIT Appeals, Kolkata
			2006-07	11.64	CIT Appeals, Kolkata
			2008-09	67.62	Income tax Appellate Tribunal, Kolkata
			2011-12	21.34	Commissioner Appeals, Kolkata
			2012-13	275.73	Commissioner Appeals, Kolkata
			2013-14	100.05	Commissioner Appeals, Kolkata
			2014-15	176.75	Commissioner Appeals, Kolkata
	Total of Income Tax Dues			**705.75**	
	TOTAL TAX DUES			**6455.26**	

viii हमारी राय में एवं हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, स्टैंडलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 20(क) एवं 20(ख) में वर्णित ऋणों को छोड़कर बकाया राशि की चुकौती में कंपनी ने कोई डिफॉल्ट या चूक नहीं की है एवं विवरण निम्नानुसार है :

बैंक का नाम	मूलधन	ब्याज
इंडियन ओवरसीज बैंक	₹ 138 लाख	-
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	₹ 14362 लाख	₹ 7889 लाख

कंपनी के पास किसी वित्तीय संस्थान या सरकार से कोई ऋण या उधार नहीं हैं एवं कोई डिबेंचर या बंधक पत्र जारी नहीं किया गया है।

ix. कंपनी ने प्रारंभिक जन प्रस्ताव/आगे जन प्रस्ताव (ऋण पत्रों) समेत/मियादी ऋण के रूप में कोई राशि जारी नहीं की है। इसी अनुसार, आदेश के खंड 3(ix) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

x. भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा अभ्यासों के निष्पादन के तहत कंपनी की बहियों एवं रिकॉर्ड की हमारी जाँच के दौरान एवं हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी पर कोई धोखाधड़ी या इसके अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कोई धोखाधड़ी वर्ष के दौरान अवलोकित नहीं हुई है या रिपोर्ट की गई है और न ही प्रबंधन द्वारा हमें ऐसे किसी मामले की सूचना दी गई है।

xi. अधिनियम की अनुसूची V के साथ पठित धारा 197 के प्रावधानों द्वारा अधिदेशित अपेक्षित अनुमोदनों के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है/ प्रदान किया गया है।

xii. कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। इसी अनुसार, आदेश का अनुच्छेद 3(xii) कंपनी पर लागू नहीं है।

xiii. संबंधित पार्टी के साथ सभी लेनदेन अधिनियम की धारा 177 एवं 188 के अनुपालन में हुए हैं एवं प्रयोज्य लेखांकन मानकों की अपेक्षा के अनुसार स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों में प्रकट किए गए हैं।

xiv. वर्ष के दौरान शेयरों या आंशिक/पूर्ण परिवर्तनीय ऋणपत्रों (डिबेंचर) का अधिमान्य आबंटन/गैर सरकारी व्यवस्थापन के माध्यम से कोई राशि नहीं ली गई है और अतएव, आदेश का खंड 3(xiv) का प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

xv. हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जाँच के अनुसार कंपनी ने अधिनियम की धारा 192 में संदर्भित अनुसार किसी निदेशक या उससे जुड़े किसी व्यक्ति के साथ कोई गैर–नकद लेनदेन नहीं किया है। इसी अनुसार, आदेश का अनुच्छेद 3(xv) लागू नहीं है।

xvi. कंपनी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 45-IA के अधीन पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है।

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

viii. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loans as mentioned in Note No. 20(a) and 20(b) of the notes to the Standalone Ind AS financial statements and detailed here under:

Name of Bank	Principal	Interest
Indian Overseas Bank	₹ 138 lakh	-
Standard Chartered Bank	₹ 14362 lakh	₹ 7889 lakh

The Company did not have any loans or borrowings from financial institutions or government and has not issued any debentures.

ix. The Company has not raised any money by way of initial public offer/further public offer (including debt instruments)/term loans. Accordingly, the provisions of Clause 3(ix) of the Order are not applicable to the Company.

x. During the course of our examination of the books and records of the Company, carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India, and according to the information and explanations given to us, we report that no fraud on the Company or no fraud by the officers and employees of the Company has been noticed or reported during the year, nor have we been informed of any such case by the management.

xi. The managerial remuneration has been paid/provided in accordance with the requisite approvals mandated by the provisions of Section 197 read with Schedule V of the Act.

xii. The Company is not a Nidhi company. Accordingly, paragraph 3(xii) of the Order is not applicable to the Company.

xiii. All the transactions with related parties are in compliance with section 177 and 188 of the Act and the details have been disclosed in the notes to the Standalone Ind AS financial statements as required by the applicable accounting standards.

xiv. No money was raised through preferential allotment/ private placements of shares or fully/partly convertible debentures during the year and hence, the provision of Clause 3(xiv) of the Order is not applicable to the Company.

xv. According to the information & explanation given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not entered into any non-cash transactions with directors or persons connected with them as referred to in Section 192 of the Act. Accordingly, paragraph 3(xv) of the Order is not applicable

xvi. The Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक ग

(समदिनांकित हमारी रिपोर्ट की "अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के अधीन अनुच्छेद 3 (छ) के संदर्भ में)

कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2018 की स्थिति को एमएसटीसी लिमिटेड ("कम्पनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए कम्पनी के स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के साथ-साथ की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान (अनुदेश टिप्पणी) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी में व्यक्त आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य पहलुओं पर विचार करते हुए कम्पनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग के तहत आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना एवं बनाए रखना कम्पनी के प्रबधंन की जिम्मेदारी है। इन जिम्मेदारियों में, अधिनियम के अधीन अपेक्षानुसार पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की रूपरेखा तैयार करना, कार्यान्वित करना एवं बनाए रखना जो कम्पनी की नीतियों के पालन सहित इसके व्यवसाय के क्रमबद्ध एवं दक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, इसकी परिसंपत्तियों की हिफाजत, धोखाधड़ियों और चूक का निवारण एवं पता लगाना, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता एवं संपूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को यथा समय तैयार करना शामिल है।

लेखापरीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के बारे में राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षण मानकों एवं वित्तीय रिपोर्टिंग के बारे में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी ("अनुदेश टिप्पणी") के अनुसार आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की प्रयोज्य सीमा में हमारी लेखापरीक्षा की है, दोनों ही भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी किए गए हैं। इन मानकों एवं अनुदेश टिप्पणी में अपेक्षित है कि हम नीतिपरक अपेक्षाओं का पालन करें एवं सुसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना एवं निष्पादन करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की स्थापना की गई थी एवं अनुरक्षित हुई थी और क्या ये नियंत्रण सभी भौतिक पहलुओं में प्रभावी रूप से संचालित थे।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता एवं इनकी प्रचालनीय प्रभावकारिता के बारे में, लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्यपद्धतियों का निष्पादन करना है। वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की व्याख्या प्राप्त करना, जोखिम का आकलन कि भौतिक दुर्बलता विद्यमान है एवं आकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की

ANNEXURE C TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 3(g) under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date)

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED ("the Company") as at 31st March, 2018 in conjunction with our audit of the standalone Ind AS financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India (the "Guidance Note"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Act.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed under section 143(10) of the Act and Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note"), to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of

रूपरेखा एवं प्रचालनीय प्रभावकारिता का परीक्षण एवं मूल्यांकन शामिल है। चयनित कार्यपद्धतियाँ लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें स्टैंडएलोन इंड एएस वित्तीय विवरणों की भौतिक गलत बयानबाजी के जोखिम का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या चूक के कारण हो।

हम विश्वास करते हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में हमारी लेखापरीक्षा की राय के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु हमें जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त हुआ, वो पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का आशय

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक कार्यपद्धति है जो सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करने के लिए निरुपित है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वो नीतियाँ एवं कार्यपद्धतियाँ शामिल हैं जो :

(क) रिकॉर्ड के रखरखाव के सम्बन्ध में हैं जो सुसंगत विस्तार में कम्पनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन एवं स्थिति को सटीक रूप से एवं सही रूप से प्रदर्शित करती हैं

(ख) यथासंगत आश्वासन प्रदान करती हैं कि लेनदेन को रिकॉर्ड किया गया है जैसा कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धातों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति के लिए अपेक्षित है एवं कम्पनी की प्राप्तियाँ एवं व्यय केवल कम्पनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं, और

(ग) कम्पनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, प्रयोग या स्थितियों के निवारण या यथा समय पता लगाने के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करती हैं, जिनका वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता था।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाबद्धताएँ

नियंत्रण का अतिक्रमण करने वाली मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना समेत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाबद्धताओं के कारण चूक या धोखाधड़ी की वजह से महत्वपूर्ण गलत बयानबाजी घट सकती है एवं पता नहीं चल सकता है। साथ ही, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन की प्रायोजना जोखिम के अधीन है कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है ये फिर नीतियों या पद्धतियों के साथ अनुपालन के स्तर में कमी आ सकती है।

योग्यताप्राप्त राय

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार एवं हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर 31 मार्च, 2018 के अनुसार निम्नलिखित भौतिक कमजोरी चिह्नित की गई है:

internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditors' judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the standalone Ind AS financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A Company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that:

(a) Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;

(b) Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the company; and

(c) Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial controls over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Qualified Opinion

According to the information and explanations given to us and based on our audit, the following material weakness have been identified as at 31st March 2018:-

(क) कंपनी के पास ग्राहक की स्वीकृति, ऋण मूल्यांकन और बिक्री के लिए ऋण सीमा की स्थापना हेतु कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है जो अंत में संग्रह की तर्कसंगत सुनिश्चितता किए बिना कंपनी की राजस्व पहचान में संभावी परिणाम हो सके। बकाया राशि की वसूली के लिए ग्राहकों से तदुपरांत कार्यवाहियों के लिए आंतरिक नियंत्रण पर्याप्त नहीं है।

(ख) कंपनी के पास अपने ग्राहक की ओर से कंपनी द्वारा संग्रह की गई कच्ची सामग्री के बंधक रखे स्टॉक एवं कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए अभिरक्षक के नियंत्रण के अधीन रखे स्टॉक के विषय में कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे गोदामों से सामग्रियाँ अनधिकृत रूप से ले जायी गई हैं।

'भौतिक कमजोरी' वस्तुत : वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में इस तरह की एक कमी या कमियों का संयोजन है कि एक यथा संगत संभावना रहती है कि कंपनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरण की भौतिक गलत बयानबाजी को समयाधार पर रोका नहीं जा सकेगा या पता नहीं चल पाएगा।

हमारी राय में, नियंत्रण मानदंड के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ऊपर वर्णित भौतिक कमजोरी के संभावी प्रभावों को छोड़ कर, कंपनी ने सभी भौतिक पहलुओं में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली का रखरखाव किया है एवं भारतीय सनदी लेखापाल संस्था द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी में व्यक्त आंतरिक नियंत्रण की अनिवार्य विषयवस्तुओं को विचार में लेते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2018 को प्रभावी रूप से प्रचालित थे।

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

(a) The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

(b) The Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the Custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

A 'material weakness' is a deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the company's annual or interim financial statements will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Company has maintained, in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31st March 2018, based on the internal financial control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता के 31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 143 (6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम)के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय रिपोर्ट के अधीन प्रदान रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 139(7) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 27 जुलाई, 2018 के अनुसार उनके द्वारा किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की अधिनियम की धारा 129 (4) के साथ पठित धारा 143(6) (क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। हमने उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखा परीक्षा की है। इसके अलावा, अधिनियम की धारा 139(5) और 143(6)(क), संयुक्त उद्यम कंपनी महिंद्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड पर निजी क्षेत्र की संस्था होने के कारण वैधानिक लेखापरीक्षक की नियुक्ति के लिए और इस कंपनी के अनुपूरक लेखापरीक्षा संचालन के लिए लागू नहीं है। तदनुसार नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक ने वैधानिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति नहीं की है और न ही इस कंपनी की पूरक लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यकारी कागजात को देखे बगैर यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यत: सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है।

मेरी अनुपूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया है, जिससे कि अधिनियम की धारा 143 (6) (ख) के अधीन सांविधिक लेखा परीक्षक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक

और उनकी ओर से

(सुपर्णा देव)

वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के महा निदेशक और

पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पर्षद- ।

स्थान : कोलकाता

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED, KOLKATA FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2018

The preparation of consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March 2018 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the Company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(7) read with section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 27th July 2018.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2018 under Section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC Limited and its subsidiary company Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended on that date. **Further, section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to its Joint Venture Company Mahindra MSTC Recycling Private Limited being private entity for appointment of their Statutory Auditor nor for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller & Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditors nor conducted the supplementary audit of this company.** This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to Statutory Auditors' Report under section 143 (6) (b) of the Act.

For and on behalf of the

Comptroller & Auditor General of India

(Suparna Deb)

Director General of Commercial Audit &

Ex-officio Member, Audit Board-I,

Kolkata

Place : Kolkata

Date : 14.09.2018

(₹ लाख में Amount in ₹ lakh)

स्टैंडएलोन तुलन पत्र : 31 मार्च 2018 / Standalone Balance Sheet as at 31st March 2018

विवरण	Particulars	Notes टिप्पणियां	As at 31st Mar 2018	As at 31st Mar 2017
परिसंपत्तियां	**ASSETS**			
1. गैर - मौजूदा परिसंपत्तियां	(1) Non-current assets			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	(a) Property, Plant and Equipment	2	309	357
(ख) प्रगति में पूंजीगत कार्य	(b) Capital Work in Progress	2	648	-
(ग) अमूर्त संपत्तियां	(c) Intangible assets	2	90	143
			1,047	**500**
(घ) वित्तीय संपत्तियां	(d) Financial assets			
(i) निवेश	(i) Investments			
(क) सहायक कंपनी में	(a) In Subsidiary	3	1,581	1,581
(ख) संयुक्त उपक्रम में	(b) In Joint Venture	3	1,060	310
(ii) अन्य वित्तीय संपत्तियां	(ii) Other financial assets	4	573	652
(ङ) गैर-मौजूदा कर संपत्ति	(e) Non-Current tax assets	5	1,713	459
(च) आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	(f) Deferred tax assets (net)	6	29,721	31,078
(छ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(g) Other non current assets	7	1,039	392
कुल गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां	**Total non- current assets**		**36,734**	**34,972**
2. मौजूदा परिसंपत्तियां	(2) Current assets			
(क) इंवेंटरी (मालसूची)	(a) Inventories	8	-	7,074
(ख) वित्तीय संपत्तियां	(b) Financial assets			
(i) व्यापार प्राप्य	(i) Trade receivables	9	3,84,221	3,61,887
(ii) नकद और नकद समकक्ष	(ii) Cash and cash equivalents	10	17,574	7,178
(iii) अन्य बैंक शेष	(iii) Other Bank Balances	11	33,010	37,680
(iv) अन्य वित्तीय संपत्तियां	(iv) Other financial assets	12	3,942	6,252
(ग) अन्य मौजूदा संपत्तियां	(c) Other current assets	13	477	843
कुल मौजूदा संपत्ति	**Total current assets**		**4,39,224**	**4,20,914**
कुल परिसंपत्तियां	**TOTAL ASSETS**		**4,75,958**	**4,55,886**
इक्विटी एवं देयता	EQUITY AND LIABILITIES			
(1) इक्विटी	(1) Equity			
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	(a) Equity Share Capital	14	3,520	1,760
(ख) अन्य इक्विटी	(b) Other equity	15	52,756	49,941
कुल इक्विटी	**Total equity**		**56,276**	**51,701**
(2) गैर-मौजूदा देयता	(2) Non-current liabilities			
(क) वित्तीय देयता	(a) Financial liabilities			
(i) व्यापार देय	(i) Trade payables	16	26	26
(ii) अन्य वित्तीय देयता	(ii) Other financial liabilities	17	94	68
(ख) प्रावधान	(b) Provisions	18	1,664	1,281
(ग) अन्य गैर मौजूदा देयता	(c) Other non-current liabilities	19	737	568
कुल गैर मौजूदा देयता	**Total non- current liabilities**		**2,521**	**1,943**
(2) मौजूदा देयता	(3) Current liabilities			
(क) वित्तीय देयता	(a) Financial liabilities			
(i) ऋण	(i) Borrowings	20	76,164	68,835
(ii) व्यापार देय	(ii) Trade payables	21	2,55,237	2,52,630
(iii) अन्य वित्तीय देयता	(iii) Other financial liabilities	22	84,174	79,795
(ख) अन्य मौजूदा देयता	(b) Other current liabilities	23	1,586	982
कुल मौजूदा देयता	Total current liabilities		4,17,161	4,02,242
कुल देयता	**Total liabilities**		**4,19,682**	**4,04,185**
कुल इक्विटी एवं देयता	**TOTAL EQUITY AND LIABILITIES**		**4,75,958**	**4,55,886**

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्सा मानी जाएंगी।

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.
In terms of our report of even date.

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

आर.के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

(₹ लाख में Amount in ₹ lakh)

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का स्टैंडएलान विवरण
Standalone Statement of Profit & Loss for the period 31st March 2018

विवरण	Particulars	टिप्पणी Note	वर्तमान वर्ष Current year 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष Previous year 31.03.2017
परिसंपत्तियां	**ASSETS**			
I परिचालन से राजस्व	I Revenue from operations	24	1,94,627	1,42,869
II अन्य आय	II Other Income	25	51,323	6,883
III कुल राजस्व (I + II)	**III Total Revenue (I + II)**		**2,45,950**	**1,49,752**
IV व्यय	IV EXPENSES			
(क) व्यापारगत माल की खरीदारी	(a) Purchases of Stock-in-Trade	26	1,47,896	1,24,247
(ख) तैयार वस्तुओं के स्टॉक में बदलाव कार्य प्रगति और व्यापारगत माल	(b) Changes in stock of finished goods, work-in-progress and stock-in-trade		7,074	(5545)
(ग) कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	(c) Employee benefit expense	27	8,740	5,006
(घ) वित्तीय व्यय	(d) Finance costs	28	6,729	6,699
(ङ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	(e) Depreciation and amortisation expense	2	145	142
(च) अन्य व्यय	(f) Other expenses	29	64,207	9,542
कुल व्यय	**Total Expenses**		**2,34,791**	**1,40,091**
V कर से पूर्व लाभ (III- IV)	V Profit before tax (III- IV)		11,159	9,661
VI कर व्यय	VI Tax Expense	36		
(क) वर्तमान कर	(a) Current tax		2,225	3,388
(ख) आस्थगित कर	(b) Deferred tax		1,271	(270)
कुल कर व्यय	**Total tax expense**		**3,496**	**3,118**
VII वर्ष के लिए लाभ (V- VI)	VII Profit for the year (V- VI)		7,663	6,543
VIII अन्य व्यापक आय	VIII Other comprehensive income			
(क) वस्तु जो लाभ या हानि के लिए पुनवर्गीकरण परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन नहीं किया गया	(a) Items that will not be reclassified to profit or loss Remeasurement of Defined Benefit Plan	40	(119)	(916)
(ख) उपरोक्त पर आय कर	(b) Income tax on above		(86)	317
			(205)	**(599)**
IX वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (VII + VIII)	IX Total comprehensive income for the year (VII + VIII)		7,458	5,944
X प्रति इक्विटी शेयर अर्जन (अंकित मूल्य ₹ 10 प्रत्येक)	X Earnings per equity share (face value ₹ 10 each):	37		
(क) बेसिक (₹ में.)	(a) Basic (in ₹)		22	19
(ख) डायल्यूटेड (₹ में.)	(b) Diluted (in ₹)		22	19

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी।

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.
In terms of our report of even date.

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : **304138E**

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

आर.के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

(₹ लाख में Amount in ₹ lakh)

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का स्टैंडएलोन विवरण
Standalone Statement of Changes in Equity for the year ended 31st March 2018

विवरण		Particulars	सं. Nos.	आंकित मूल्य (₹) Face Value (₹)	₹ लाख (₹ Lakhs)
क इक्विटी शेयर ₹ 10 प्रत्येक जारी, सबस्क्राइब्ड एवं पूर्णतया प्रदत्त	A	Equity shares of ₹10 each issued, subscribed and fully paid			
शेष राशि 31 मार्च, 2016 को		**Balance as at March 31, 2016**	**88,00,000**	**10**	**880**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी		Bonus Shares issued in the ratio 1:1	88,00,000	10	880
शेष राशि 1 अप्रैल, 2017 को		**Balance as at April 01, 2017**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी		Bonus Shares issued in the ratio1:1	1,76,00,000	10	1,760
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को		**Balance as at March 31, 2018**	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**

विवरण		Particulars	सामान्य आरक्षण General Reserve	प्रतिधारित आय Retained Earnings	कुल Total
ख अन्य इक्विटी	B.	Other Equity			
शेष राशि 31 मार्च, 2016 को		**Balance as at March 31, 2016**	**46,730**	**2,171**	**48,901**
वर्ष के लाभ		Profit for the year		6,543	6,543
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय		Other Comprehensive Income for the year		(599)	(599)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से) प्रतिधारित आय		Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning	203	(203)	-
अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 15-16		Final Dividend FY 15-16		(1,804)	(1,804)
अंतिम लाभांश पर लाभाश वितरण कर वित्तीय वर्ष 15-16		Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 15-16		(361)	(361)
वित्तीय वर्ष 16-17 के लिए अंतरिम लाभांश		Interim Dividend for FY 16-17		(1,672)	(1,672)
अंतरिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 16-17		Dividend Distribution Tax on Interim Dividend FY 16-17		(187)	(187)
बोनस शेयर जारी करना		Issue of Bonus Shares		(880)	(880)
शेष राशि 1 अप्रैल, 2017 को		**Balance as at April 01, 2017**	**46,933**	**3,008**	**49,941**
वर्ष के लाभ		Profit for the year		7,663	7,663
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय		Other Comprehensive Income for the year		(205)	(205)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से) प्रतिधारित आय		Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning	2,683	(2,683)	-
अंतरिम डिविडेंट वित्तीय वर्ष 16-17		Final Dividend FY 16-17		(2,499)	(2,499)
अंतिम लाभांश पर लाभाश वितरण कर वित्तीय वर्ष 16-17		Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 16-17		(384)	(384)
बोनास शेयर का जारी किया जाना		Issue of Bonus Shares		(1,760)	(1,760)
भुगतान शेष 31 मार्च, 2018		**Balance as at March 31, 2018**	**49,616**	**3,140**	**52,756**

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी।

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.
In terms of our report of even date.

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

आर.के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

(₹ लाख में Amount in ₹ lakh)

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह का स्टैंडएलोन का विवरण
Standalone Statement of Cash Flows for the Year ended 31st March 2018

विवरण		Particulars	As at 31st Mar 2018	As at 31st Mar 2017
क. परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	**A.**	**CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES**		
वर्ष के लिए कर से पूर्व लाभ		Profit Before Tax for the year	11,159	9,661
समायोजन :		Adjustments for:		
मूल्यह्रास / परिशोधन व्यय		Depreciation /Amortisation Expenses	145	142
लाभांश से आय		Dividend Income	(617)	(888)
ब्याज से आय		Interest Income	(1,891)	(3,535)
वित्तीय लागत		Finance Cost	6,729	6,699
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री से हानि		Loss on sale of Property Plant and Equipments	2	-
आवश्यक नहीं रह गए प्रावधान पुनरांकित किए गए		Provision no Longer Required Written Back	(45,952)	(2,418)
खराब ऋण बट्टे खाता में डाला गया		Bad Debt Witten Off	45,941	2,418
खराब एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान		Provision for Bad and Doubtful Advances	13,881	3,122
देयता पुनरांकित की गई		Liability written Back	(2,817)	-
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ		**Operating profit before Working Capital changes**	**26,580**	**15,201**
परिचालन संपत्ति एवं दायित्व में परिवर्तन हेतु समायोजन		Adjustments for changes in Operating Assets & Liabilities		
परिसंपत्ति संपत्ति में (वृद्धि)/कमी हेतु समायोजन		Adjustments for (increase) / decrease in Operating Assets:		
कार्यशील पूंजी में गति		Movement in working capital:		
व्यापार एवं अन्य प्राप्ति में (वृद्धि)/कमी		(Increase)/decrease in Trade and Other Receivables	(33,751)	(87,274)
अन्य परिसम्पत्तियों में (वृद्धि)/कमी		(Increase)/decrease in Other Assets	(281)	462
मालसूची में (वृद्धि)/कमी		(Increase)/ decrease in Inventories	7,074	(5,545)
परिचालन दायित्व में वृद्धि/(कमी) हेतु समायोजन		Adjustments for increase / (decrease) in Operating Liabilities:		
व्यापार भुगतान एवं अन्य वित्तीय दायित्व में वृद्धि/(कमी)		Increase/ (decrease) in Trade Payables & Others Financial Liabilities	9,832	32,286
अन्य दायित्व में वृद्धि/(कमी)		Increase/ (decrease) in Other Liabilities	773	(463)
प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)		Increase/ (decrease) in Provisions	264	365
परिचालन से नकद की सृष्टि		Cash generated from Operations	10,491	(44,968)
प्रत्यक्ष कर भुगतान (शुद्ध वापसी)		Direct Taxes Paid (Net of Refund)	(3,480)	(4,041)
परिचालन कार्यकलाप से शुद्ध नकद		**Net cash from Operating Activities**	**7,011**	**(49,009)**
ख) निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह :	**B.**	**CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों पर प्राप्ति (शुद्ध)		Proceeds of Property Plant and Equipment (Net)	(695)	(207)
मियादी जमा में निवेश		Investment In Fixed Deposits	4,670	26,411
संयुक्त उद्यम में निवेश		Investment in Joint Venture	(750)	(310)
ब्याज प्राप्त		Interest received	1,828	3,687
लाभांश आय		Dividend Income	617	888
निवेश कार्यकलाप में शुद्ध नकद		**Net cash used in Investing Activities**	**5,670**	**30,469**
(ग) वित्तीय कार्यकलाप से नकद प्रवाह	**C.**	**CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES**		
अल्पमियादी उधारी पर प्राप्ति/(चुकौती)		Proceeds/(Repayment) of Short Term Borrowings	(151)	12,170
ब्याज भुगतान		Interest Paid	(6,731)	(6,689)
लाभांश भुगतान		Dividend Paid	(2,499)	(3,476)
लाभांश पर कर		Tax on Dividends	(384)	(548)
वित्तीय कार्यकलाप में व्यवहृत शुद्ध नकद		**Net cash used in Financing Activities**	**(9,765)**	**1,457**
नकद एवं नकद समकक्ष (क+ख+ग) में शुद्ध वृद्धि/(कमी)		**Net increase/(decrease) in Cash & Cash equivalents(A+B+C)**	**2,916**	**(17,083)**
वर्ष के प्रारम्भ में नकद एवं नकद के समकक्ष		**Cash and Cash equivalents at the beginning of the Year**	**(5,738)**	**11,345**
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद के समकक्ष		**Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	**(2,822)**	**(5,738)**

ध्यान दें : (1) कोष्टक में शामिल अंक बहिर्वाह दर्शाते हैं
(2) **नकद एवं नकद समतुल्य दर्शाने वाले विवरण**

Note : (1) Figures in brackets indicate outflows.
(2) **Statement Showing Cash and Cash Equivalents**

विवरण	Particulars	As at 31st Mar 2018 ₹ in lakh	As at 31st Mar 2017 ₹ in lakh
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	17,574	7,178
घटाएं : वर्ष के अंत में ओवरड्राफ्ट बैलेंस	Less : Over Draft Balances at the end of the year	(20,396)	(12,916)
वर्ष के अंत में शुद्ध नकद एवं नकद समकक्ष	**Net Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	**(2,822)**	**(5,738)**

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला साझेदार एम नं. : 057170	**CA Niraj K. Jhunjhunwala** Partner M. No : 057170	**(बी.बी. सिंह)** अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डीआईएन - 03212787	**(B.B Singh)** CHAIRMAN-CUM- MANAGING DIRECTOR DIN- 03212787	**(ए.के. बसु)** निदेशक वित्त डीआईएन- 03102901	**(A. K. Basu)** DIRECTOR FINANCE DIN- 03102901
दिनांक : 27.07.2018 स्थान : कोलकाता	Dated : 27.07.2018 Place : Kolkata	**आर.के. चौधुरी** मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा	**(R K Chaudhuri)** CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS	**(अजय कुमार राय)** कंपनी सचिव	**(Ajay Kumar Rai)** COMPANY SECRETARY

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु स्टैंडएलोन वित्तीय विवरण की टिप्पणियाँ

1.क) सामान्य जानकारी

एमएसटीसी लिमिटेड एक मिनीरत्न श्रेणी–II कंपनी, 9 सितंबर, 1964 को कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत गठित हुई थी। कंपनी व्यापारिक गतिविधियों, ई–कॉमर्स और फेरस और गैर–फैरस स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादन आदि का निपटान करती है, जो ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों के हैं। कंपनी की मुख्य गतिविधि दो संचालन प्रभागों में विभाजित की गई है, अर्थात ई–कॉमर्स और ट्रेडिंग। ई–कॉमर्स डिवीजन ई–नीलामी के माध्यम से स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादों का निपटान करता है। प्रिंसिपल की सूची में शामिल हैं – रक्षा मंत्रालय, पीएमओ, एनसीटी/दिल्ली सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम यथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि., ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लि., राज्य विद्युत बोर्ड, भारत संचार निगम लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. आदि। निपटान की पद्धति में शामिल है – ई–ऑक्शन, ई–टेंडर, ई–रिवर्स ऑक्शन आदि। साथ ही, एमएसटीसी कोल इंडिया लि., सिंगरेनी कोलफील्ड्स लि. आदि से कोयला भी ई–ऑक्शन करती है। इसके अलावा एमएसटीसी ई–प्रोक्योरमेंट समाधान भी प्रदान करती है। ट्रेडिंग डिवीजन आयात/निर्यात एवं घरेलू व्यापार का मुख्यतया थोक औद्योगिक कच्ची सामग्रियों के परिचालन करता है। यह भारतीय उद्योगों की आपूर्ति के लिए औद्योगिक कच्ची सामग्रियां यथा हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटालर्जिकल कोक, एचआर क्वायल, क्रूड ऑयल, नैप्था, कोकिंग कोल, स्टीम कोल आदि के उपलब्धता स्रोत, क्रय एवं बिक्री को देखती है। कोयला/इस्पात उद्योग, तेल क्षेत्र, राज्य की स्वामित्ववाली विद्युत कंपनियाँ आदि अंतिम ग्राहक हैं।

1.ख) हाल के लेखांकन विकास : मानक जारी किए गए परंतु अभी तक प्रभावी नहीं हुए

निगमित मामले मंत्रालय (एमसीए) ने इंड एएस 115–ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व अधिसूचित किया है एवं दिनांक 28.03.2018 को वर्तमान इंड एएस में कुछ संशोधन निम्नानुसार हैं ।

(क) इंड एएस 115 - ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व : यह इंड एएस 11 निर्माण संविदा, इंड एएस 18 राजस्व एवं संबंधित व्याख्याओं सहित वर्तमान राजस्व मान्यता मार्गदर्शन के स्थान पर लागू रहेगा।

(ख) वर्तमान इंड एस में संशोधन :

- (i) इंड एएस 21 – विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव
- (ii) इंड एएस 40 –निवेश संपत्ति
- (iii) इंड एएस 12 –आय कर
- (iv) इंड एएस 28 – सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश, और
- (v) इंड एएस 112 – अन्य संस्थानों में हितों का प्रकटन

कंपनी इंड एएस 115 के विस्तृत प्रभाव के मूल्यांकन की प्रक्रिया में है। वर्तमान में, कंपनी प्रभाव के युक्ति संगत आकलन में सक्षम नहीं है जो कि इसके वित्तीय विवरणों पर इंड एएस 115 के अनुप्रयोग से अपेक्षित है, सिवाय इसके कि इंड एएस 115 का अंगीकरण से कंपनी की राजस्व स्वीकृति के समय में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन अपेक्षित नहीं है।

NOTES TO STANDALONE FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2018

1.A .General Information

MSTC Limited a Miniratna Category-II Company was incorporated under the Companies Act, 1956 on 9th September, 1964. The Company undertakes trading activities, e-commerce and also disposal of ferrous and non-ferrous scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces etc. mostly from Public Sector Undertakings and Govt. Departments. The core activity of the Company has been divided into two Operational Divisions, i.e. e-Commerce and Trading. The e-Commerce division undertakes disposal of Scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces through e-Auction. The list of Principals includes Ministry of Defence, PMO, Govt. of NCT/Delhi, PSUs like Indian Oil Corporation Ltd., Oil and Natural Gas Corporation Ltd, State Electricity Boards, Bharat Sanchar Nigam Ltd, Hindustan Petroleum Corporation Ltd. etc. The mode of disposal includes e-auction, e-tender, e-reverse auction etc. Besides, MSTC also e-auctions coal from Coal India Ltd, Singareni Coalfields Ltd etc.Apart from these MSTC also provides e-procurement solution. The trading division handles import/export and domestic trade of mainly bulk industrial raw material. It looks after sourcing, purchase and sales of industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Crude Oil, Naptha, Coking Coal, Steam Coal etc. for supply to Indian industries. The end customers are Coal/Steel Industries, Oil sector, State owned Power Companies etc.

1.B. Recent Accounting Developments: Standards issued but not yet effective

Ministry of Corporate Affairs (MCA) has notified Ind AS 115- Revenue from Contract with Customers and certain amendment to existing Ind ASs, on 28.03.2018 as narrated below:

(a) Ind AS 115- Revenue from Contract with Customers: This will supersede the current revenue recognition guidance including Ind AS 11 Construction Contract, Ind AS 18 Revenue and related interpretations.

(b) Amendment to existing Ind AS:

- (i) Ind AS 21- The effect of Changes in Foreign Exchange Rates
- (ii) Ind AS 40 - Investment Property.
- (iii) Ind AS 12- Income Taxes
- (iv) Ind AS 28- Investment in Associates and Joint Ventures,and
- (v) Ind AS 112- Disclosure of Interests in other entities

The Company is in the process of assessing the detailed impact of Ind AS 115. Presently, the Company is not able to reasonably estimate the impact that application of Ind AS 115 is expected to have on its financial statements, except that adoption of Ind AS 115 is not expected to significantly change the timing of the Company's revenue recognition.

सूचित अनुसार उपर्युक्त परिवर्तन दिनांक 01.04.2018 से कंपनी पर लागू रहेगा। कंपनी रूपांतरित पूर्व-प्रभावी दृष्टिकोण का इस्तेमाल करते हुए मानक को अपनाने की इच्छा रखती है, इसका अभिप्राय है कि इस अंगीकरण के संचयी प्रभाव को दिनांक 1 अप्रैल 2018 की स्थिति को प्रतिधारित आय में मान्यता दी जाएगी एवं आपेक्षिकों का पुन:उल्लेख नहीं किया जाएगा।

1. ग) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. ग) 1 तैयारी के आधार

वित्तीय विवरण को कुछ संपत्ति और देनदारियों के अपवाद के साथ ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत तैयार किया गया है, जिन्हें इंड-एएस द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर मापा जाना अपेक्षित है। कंपनी के वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों ('इंड एएस') और साथ ही कंपनी अधिनियम 2013 के संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत सूचित नियमों के अनुपालन हेतु तैयार किये गए हैं।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त की जाती है या मापन तिथि पर बाजार सहभागियों के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में देयता को हस्तांतरित करने के लिए भुगतान किया जाता है, भले ही उस कीमत को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है या किसी मूल्यांकन तकनीक के प्रयोग से अनुमान लगाया जा सकता है। किसी परिसंपत्ति या दायित्व के उचित मूल्य के आकलन में, कंपनी परिसंपत्ति या देनदारी की विशेषताओं को ध्यान में रखती है, अगर बाजार के प्रतिभागियों ने उन विशेषताओं को माप की तारीख में परिसंपत्ति या दायित्व के मूल्य निर्धारण में लिया है।

कार्यवाहक मुद्रा एवं प्रस्तुतीकरण मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (₹) में तैयार किए जाते हैं, जो कि कंपनी के सभी प्रचालनों के लिए इसकी कार्यवाहक मुद्रा है। भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय सूचना निकटतम लाख में पूर्ण राशि में दी गई है, यदि अन्यथा उल्लेख नहीं है।

चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

कंपनी चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलन पत्र में परिसंपत्ति एवं देनदारी प्रस्तुत करती है। सभी परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को कंपनी के आम प्रचालन चक्र एवं कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची ।।। और इंड एएस 1- वित्तीय विवरणियों के प्रस्तुतीकरण में निर्धारित अन्य मानदंड के अनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

प्रचालन चक्र कार्य-प्रक्रिया हेतु परिसंपत्तियों के अधिग्रहण एवं नकद और नकद समतुल्य में इनकी वसूली के बीच का समय है। कंपनी ने अपने प्रचालन चक्र के रूप में बारह महीने चिह्नित किए हैं।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को गैर-चालू परिसंपत्तियों और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

अनुमान एवं महत्वपूर्ण न्याय का उपयोग

इंड एएस के अनुसार खातों की तैयारी के लिए प्रबंधन को परिसंपत्तियों और दायित्वों की रिपोर्ट की गई राशि, लेखा की तारीख को आकस्मिक संपत्तियों एवं दायित्वों का प्रकटीकरण एवं अवधि के दौरान आय एवं व्यय की रिपोर्ट राशि के प्रभाव का अनुमान एवं आकलन करना अपेक्षित है।

The above changes as notified shall be applicable to the Company w.e.f from 01.04.2018. The Company intends to adopt the standard using the modified retrospective approach which means that the cumulative impact of the adoption will be recognised in retained earnings as of 1st April 2018 and that comparatives will not be restated.

1.C Significant Accounting Policies

1.C.1 Basis of Preparation

The financial statements have been prepared under the historical cost convention with the exception of certain assets and liabilities that are required to be measured at fair value at the end of each reporting period by Ind ASs. The financial statements of the Company have been preapared to comply with the Indian Accounting Standards ('Ind ASs'), including the rules notified under the relevant provisions of the Companies Act 2013.

Fair value is the price that would be received to sell an asset or paid to transfer a liability in an orderly transaction between market participants at the measurement date, regardless of whether that price is directly observable or estimated using another valuation technique. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Company takes into account the characteristics of the asset or liability if market participants would take those characteristics into account when pricing the asset or liability at the measurement date.

Functional Currency and Presentation Currency

The financial statements are prepared in Indian Rupees (₹) which is the Company's functional currency for all its operations. All financial information presented in Indian Rupees (₹) has been rounded to the nearest lakhs, unless otherwise stated.

Current and Non-Current Classification

The Company presents assets and liabilities in the balance sheet based on current/ non-current classification. All assets and liabilities have been classified as current or non-current as per the Company's normal operating cycle and other criteria set out in the schedule III to the Companies Act, 2013 and Ind AS 1 – 'Presentation of Financial Statements'.

The operating cycle is the time between the acquisition of assets for processing and their realisation in cash and cash equivalents. The Company has identified twelve months as its operating cycle.

Deferred tax assets and liabilities are classified as non-current assets and liabilities.

Use of estimates and critical judgements

The preparation of accounts in accordance with Ind ASs requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities, disclosure of contingent assets and liabilities at the date of the accounts and reported amounts of income and expenses during the period.

वास्तविक परिमाण उनके अनुमान से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान के लिए सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों को नीचे लेखांकन नीतियों में वर्णित किया गया है। महत्वपूर्ण लेखांकन फैसले और कंपनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने में अनिश्चितता या आकलन के महत्वपूर्ण स्रोत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, वर्तमान परिसंपत्ति प्रावधान, आस्थगित कर, सेवानिवृत्ति लाभ के संबंध में उत्पन्न होते हैं। इनमें से प्रत्येक मद के लिए अंतर्निहित निर्णय और अनुमानों की विधियों सहित विस्तृत लेखा नीतियां नीचे चर्चा की गई हैं। इन सभी महत्वपूर्ण कारकों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखा अनुमानों के लिए संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है जिसमें अनुमान संशोधन किए गए हैं और किसी भी भविष्य की अवधि जो प्रभावित होती है।

1.ग)2 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

कंपनी के वित्तीय विवरण को तैयार करते समय, कार्यात्मक मुद्रा को छोड़कर अन्य मुद्राओं में लेनदेन, लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा दर पर दर्ज की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित दरों पर पुन: रूपांतरित किया जाता है। विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित, उचित मूल्य पर गैर–मौद्रिक मद इस तिथि पर प्रचलित दरों पर पुन: रूपांतरित होते हैं जिस पर उचित मूल्य का निर्धारण किया गया था। कोई भी गैर मौद्रिक मद जो किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत की शर्तों में मापे जाते हैं, का रूपांतरण नहीं किया जाता है।

मौद्रिक मदों के निपटारे पर एवं मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित किए गए हैं। उचित मूल्य पर लिए गए गैर–मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित हैं, जिसमें गैर–मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न अंतर शामिल नहीं है जिसके लिए लाभ और हानि को अन्य व्यापक आय में प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया जाता है।

जहाँ कहीं भी, ग्राहकों को उनके साथ अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा की अस्थिरता वहन करनी पड़ती है, कंपनी की बहियों में विदेशी मुद्रा लाभ/हानि की स्वीकृति नहीं दी गई है।

1.ग)3 (क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के मद एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है यदि यह संभव है, कि मद के साथ जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी के पास आएंगे और इसकी लागत को विश्वास से मापा जा सकता है। यह मान्यता सिद्धांत संपत्ति, संयंत्र, और उपकरणों के मद को प्राप्त करने के लिए शुरू में किए गए खर्चों के लिए लागू किया जाता है और बाद में खर्च किए गए खर्चों को भी शामिल करने, किसी अंश को बदलने या सेवा देने के लिए किया जाता है। नियमित सर्विसिंग सहित सभी अन्य मरम्मत और रखरखाव लागत, लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृत है। जब कोई प्रतिस्थापन होता है, तो प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि को मान्यता नहीं दी जाती है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण संचित ह्रास एवं न्यूनता हानि को घटाकर लागत पर व्यक्त किये जाते है। लागत में प्रत्यक्ष लागत एवं व्यय शामिल है जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए कार्यकारी स्थिति एवं स्थान पर लाने के लिए खर्च किए जाते है।

Actual results could differ from those estimates. The most significant techniques for estimation are described in the accounting policies below. Critical accounting judgments and the key sources of estimation or uncertainty in applying the Company's accounting policies arise in relation to property, plant and equipment, current asset provisions, deferred tax, retirement benefits. The detailed accounting policies, including underlying judgments and methods of estimations for each of these items are discussed below. All of these key factors are reviewed on a continuous basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which estimates are revised and any future periods affected.

1.C.2 Foreign Currency Translation

In preparing the financial statements of the Company, transactions in currencies other than the functional currency are recorded at the rates of exchange prevailing on the date of the transaction. At the end of each reporting period, monetary items denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing at the end of the reporting period. Non-monetary items carried at fair value that are denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing on the date when the fair value was determined. Non-monetary items that are measured in terms of historical cost in a foreign currency are not translated.

Exchange differences arising on the settlement of monetary items, and on retranslation of monetary items are included in the Statement of Profit and Loss for the period. Exchange differences arising on retranslation on non-monetary items carried at fair value are included in statement of profit and loss for the period except for differences arising on the retranslation of non-monetary items in respect of which gains and losses are recognised directly in other comprehensive income.

Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognised in the books of the Company.

1.C.3 (a) Property, Plant and Equipment

An item of property, plant and equipment is recognised as an asset if it is probable that future economic benefits associated with the item will flow to the company and its cost can be measured reliably. This recognition principle is applied to the costs incurred initially to acquire an item of property, plant and equipment and also to costs incurred subsequently to add to, replace part of, or service it. All other repair and maintenance costs, including regular servicing, are recognised in the Statement of Profit and Loss as incurred. When a replacement occurs, the carrying amount of the replaced part is derecognised.

Property, plant and equipment are stated at cost, less accumulated depreciation and impairment losses. Cost includes all direct costs and expenditures incurred to bring the asset to its working condition and location for its intended use.

किसी परिसंपत्ति के निपटान पर होने वाले लाभ या हानि को बिक्री आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में शामिल हैं – खुले संयंत्र और औजार जो कि उनके अपेक्षित उपयोगी जीवन और अनुमानित स्क्रैप मूल्य और साथ ही स्पेयर से संबंधित बट्टे राशि को निकालकर लागत पर बताए गए हैं, जिसके विरूद्ध जहाँ भी आवश्यक है क्षति प्रावधान दिए गए हैं, ताकि धीमी गति वाले एवं अप्रचलित मदों को उपलब्ध किया जा सके।

1.ग)3 (ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यह्रास

मूल्यह्रास को सीधी रेखा पर बट्टा खाता के रूप में संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य पर प्रावधान किया जाता है। यह प्रभार संपत्ति की तारीख से प्रारम्भ किये जाते हैं, जब से इच्छित उपयोग के लिए उपलब्ध होती है तथा उनके अनुमानित उपयोगी आर्थिक जीवन पर लिया जाता है। सम्पत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन एवं अवशिष्ट मूल्य की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है एवं जब आवश्यकता होती है, संशोधन किया जाता है। उन सम्पत्तियों के संबंध में आगे कोई प्रभार नहीं दिया जाता है जो पूर्णतया अवलेखित हो चुकी है, परन्तु अभी भी उपयोग में है।

निर्माणाधीन परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास संपत्ति के अभीष्ट उपयोग के लिए प्रस्तुत होने पर शुरू होता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत को उनके उपयोगी जीवनकाल पर आवंटित करने हेतु उनके अवशिष्ट मूल्यों को छोड़कर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

प्रमुख श्रेणी की संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का अपेक्षित उपयोगी जीवन :

परिसंपत्ति का प्रकार	अनुमानित उपयोगी जीवन (वर्ष)
कार्यालय उपकरण	5
वाहन	8
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	10
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स	10
बिल्डिंग	60
एयर कंडिशनर्स	10
कम्प्यूटर्स	3
सर्वर्स	6

1.ग)3 (ग) अमूर्त संपत्तियां

सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्तियां जो अलग–अलग अधिगृहित की गई है, उन्हें संचित परिशोधन एवं संचित न्यूनता हानि को घटाकर लागत पर लिया जाता है। परिशोधन को अपने अनुमानित उपयोगी जीवन पर एक सीधी रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है। अनुमानित उपयोगी जीवन और परिशोधन विधि को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है, जिसमें किसी भावी आधार पर, अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को लिया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति निपटान पर गैर–स्वीकृति दी जाती है, या जब उपयोग या निपटान पर कोई भावी आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं रहता है। इसके अलावा, प्रबंधन अनुमान लगाती है कि अमूर्त परिसंपत्ति का उसके उपयोगी जीवनकाल के अंत में शून्य वहन लागत है अर्थात शून्य अवशिष्ट मूल्य है।

The gain or loss arising on disposal of an asset is determined as the difference between the sale proceeds and the carrying amount of the asset, and is recognised in the Statement of Profit and Loss.

Included in property, plant and equipment are loose plant and tools which are stated at cost less amounts written off related to their expected useful lives and estimated scrap value and also spares, against which impairment provisions are made where necessary to cover slow moving and obsolete items.

1.C.3(b) Depreciation of Property, Plant and Equipment

Depreciation is provided so as to write off, on a straight-line basis, the cost of property, plant and equipment to their residual value. These charges are commenced from the date the assets are available for their intended use and are spread over their estimated useful economic lives. The estimated useful lives of assets and residual values are reviewed regularly and, when necessary, revised. No further charge is provided in respect of assets that are fully written down but are still in use.

Depreciation on assets under construction commences only when the assets are ready for their intended use.

Depreciation is provided to allocate the costs of property, plant and equipment, net of their residual values, over their useful life as specified in Schedule II of the Companies Act, 2013. The estimated useful lives for the main categories of property, plant and equipment are:

Type of Asset	*Estimated Useful life (Years)*
Office Equipment	5
Vehicles	8
Furnitures and Fixtures	10
Partition and Cubicles	10
Building	60
Air Conditioners	10
Computers	3
Servers	6

1.C.3 (c) Intangible Assets

Intangible assets with finite useful lives that are acquired separately are carried at cost less accumulated amortization and accumulated impairment losses. Amortization is recognised on a straight-line basis over their estimated useful lives. The estimated useful life and amortization method are reviewed at the end of each reporting period, with the effect of any changes in estimate being accounted for on a prospective basis.

An intangible asset is de-recognised on disposal, or when no future economic benefits are expected from use or disposal. Further, the management estimates that the intangible assets are having zero carrying cost at the end of its useful life i.e. zero residual value.

1.ग)4 गैर वित्तीय संपत्तियों की क्षीणता

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी सुनिश्चित करने के लिए संपत्तियों, संयंत्र एवं उपकरणों की तथा अमूर्त संपत्तियों की वहन कीमत की समीक्षा करती है, क्या उन संपत्तियों की वहन कीमत निरंतर उपयोग के जरिए वसूलीयोग्य नहीं हो सकती है, का कोई संकेत तो नहीं है। यदि ऐसा कोई संकेत मिलता है, तो सम्पत्ति की वसूलीयोग्य कीमत की क्षीणता हानि (यदि कोई है) के निर्धारण हेतु समीक्षा की जाती है।जहाँ सम्पत्ति से नगद प्रभाव की सृष्टि नहीं होती है जो अन्य सम्पत्ति से स्वतंत्र है, कंपनी नगद सृष्टिकारी इकाई जिससे सम्पत्ति का संबंध है, की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। अनिर्दिष्ट उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्ति की क्षीणता वार्षिक रूप से जांच की जाती है एवं जहाँ उसका कोई संकेत मिलता है, संपत्ति क्षीणता को प्राप्त कर सकती है।

वसूलीयोग्य राशि बिक्री मूल्य को घटाकर प्राप्त उचित मूल्य एवं उपयोग मूल्य में से अधिक वाली राशि होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने के लिए अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य से पूर्व कर छूट दर का उपयोग करते हुए छूट दी जाती है, जो राशि के समय आधारित मान के चालू बाजार आकलन एवं संपत्ति के विशिष्ट जोखिमों को प्रतिबिंबित करती है जिसके लिए भावी नकद प्रवाह के अनुमान का समायोजन नहीं किया गया है। क्षीणता हानि को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति की वहन कीमत वसूली योग्य राशि से अधिक हो।

जब कोई क्षीणता हानि तत्पश्चात व्युत्क्रमित होती है, तो परिसंपत्ति की वहन राशि (या नकद सृजन इकाई) अपनी वसूली योग्य राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ती है, पर इतना कि वर्धित वहन राशि उस वहन राशि से अधिक न हो, जो निर्धारित किया गया होता, अगर पूर्व के वर्षों में क्षीणता हानि परिसंपत्ति (या नकद सृजन इकाई) के लिए स्वीकृति नहीं दी गई होती । क्षीणता हानि की विपरीत स्थिति को तुरंत लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.5 सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश

सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश लागत पर किया जाता है। जहाँ नुकसान का संकेत दिखता है, निवेश की धारित राशि का आकलन किया जाता है एवं तुरंत उसे वसूलीयोग्य राशि में लिख लिया जाता है। सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश के निपटान पर शुद्ध निपटान प्रक्रिया एवं धारित राशि के बीच का अंतर लाभ एवं हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

1.ग.6 वित्तीय लेखपत्र

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को तब मान्यता दी जाती है जब कंपनी वित्तीय लेखपत्र के संविदागत प्रावधानों के लिए एक पार्टी बन जाती है। वित्तीय संपत्तियां एवं दायित्व प्रारम्भ में उचित मूल्य में मापे जाते हैं। लेनदेन की लागतें जो वित्तीय संपत्तियों और वित्तीय देयताओं (वित्तीय संपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के अलावा) के अधिग्रहण या निर्गम के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोपित हैं, उन्हें वित्तीय संपत्तियों या वित्तीय दायित्वों के प्रारम्भिक मान्यता पर मापे गए निष्पक्ष मूल्य से जोड़ा या घटाया जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के अधिग्रहण पर सीधे आरोप्य लेनदेन लागत को लाभ और हानि के विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

1.C.4 Impairment of non-financial assets

At the end of each reporting period, the Company reviews the carrying amounts of its property, plant and equipment and intangible assets to determine whether there is any indication that the carrying amount of those assets may not be recoverable through continuing use. If any such indication exists, the recoverable amount of the asset is reviewed in order to determine the extent of impairment loss (if any). Where the asset does not generate cash flows that are independent from other assets, the Company estimates the recoverable amount of the cash generating unit to which the asset belongs. Intangible assets with an indefinite useful life are tested for impairment annually and whenever there is an indication, the asset may be impaired.

Recoverable amount is the higher of fair value less costs to sell and value in use. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the asset for which the estimates of future cash flows have not been adjusted. An impairment loss is recognised in the Statement of Profit and Loss as and when the carrying amount of an asset exceeds its recoverable amount.

Where an impairment loss subsequently reverses, the carrying amount of the asset (or cash generating unit) is increased to the revised estimate of its recoverable amount, but so that the increased carrying amount does not exceed the carrying amount that would have been determined had no impairment loss been recognised for the asset (or cash generating unit) in prior years. A reversal of an impairment loss is recognised in profit or loss immediately.

1.C.5 Investment in Subsidiaries and Joint Venture

Investment in subsidiaries and Joint venture are carried at cost. Where an indication of impairment exists, the carrying amount of the investment is assessed and written down immediately to its recoverable amount. On disposal of investments in subsidiaries and joint venture, the difference between net disposal proceeds and carrying amounts are recognised in Statement of Profit and Loss.

1.C.6 Financial Instruments

Financial assets and financial liabilities are recognised when the Company becomes a party to the contractual provisions of the instrument. Financial assets and liabilities are initially measured at fair value. Transaction costs that are directly attributable to the acquisition or issue of financial assets and financial liabilities (other than financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss) are added to or deducted from the fair value measured on initial recognition of financial asset or financial liability. The transaction costs directly attributable to the acquisition of financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss are immediately recognised in the Statement of Profit and Loss.

क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ

I. परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को तदुपरांत परिशोधित लागत पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों के नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलत: बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

प्रारंभिक माप के पश्चात ऐसी वित्तीय संपत्तियाँ तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि के प्रयोग द्वारा परिशोधित लागत पर मापी जाती हैं।

प्रभावी ब्याज विधि वित्तीय साधन की परिशोधित लागत के निर्धारण एवं संबंधित अवधि पर ब्याज आय या व्यय के आवंटन की विधि है। प्रभावी ब्याज वह दर है जो वित्तीय साधन के अपेक्षित जीवन या जहाँ उपयुक्त हो, कम अवधि के माध्यम से ठीक उतनी ही भावी नकद प्राप्ति या भुगतान की छूट देती है।

II. अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने या इन वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों को नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलत: बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

इन मानदंडों को पूरा करने वाली वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्रारंभ में उचित मूल्य और साथ में लेनदेन लागत पर मापी जाती हैं। ये तदुपरांत अन्य व्यापक आय में स्वीकृत पुन:मापन पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। तथापि, ब्याज आय, हानियाँ एवं उत्क्रमण तथा विदेशी मुद्रा लाभ एवं हानि की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में दी जाती है।

III. लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत या उचित मूल्य में नहीं मापी गई परिसंपत्ति लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ली जाती हैं।

वित्तीय परिसंपत्ति की क्षीणता

अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए हानि भत्ते को अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत एवं उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए स्वीकृति दी जाती है।

जीवनभर के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को तब स्वीकृति दी जाती है जब वित्तीय साधनों पर क्रेडिट जोखिम में प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय साधन जिनके क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से नहीं बढ़े हैं, तो बारह महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को स्वीकृति दी जाती है।

a) Financial assets

I. Financial assets at amortised cost

Financial assets are subsequently measured at amortised cost if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

After initial measurement, such financial assets are subsequently measured at amortised cost using the Effective Interest Rate (EIR) method.

The effective interest rate method is a method of calculating the amortised cost of a financial instrument and of allocating interest income or expense over the relevant period. The effective interest rate is the rate that exactly discounts future cash receipts or payments through the expected life of the financial instrument, or where appropriate, a shorter period.

II. Financial assets measured at fair value through Other comprehensive income

Financial assets are measured at fair value through other comprehensive income if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows or to sell these financial assets and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

Financial assets meeting these criteria are measured initially at fair value plus transaction costs. They are subsequently measured at fair value with any gains or losses arising on remeasurement recognised in other comprehensive income. However, the interest income, losses & reversals, and foreign exchange gains and losses are recognised in the Statement of Profit and Loss.

III. Financial assets measured at fair value through profit or loss

Financial asset not measured at amortised cost or at fair value through other comprehensive income is carried at fair value through profit or loss.

Impairment of financial assets

Loss allowance for expected credit losses is recognised for financial assets measured at amortised cost and fair value through other comprehensive income.

Loss allowance equal to the lifetime expected credit losses is recognised if the credit risk on the financial instruments has significantly increased since initial recognition. For financial instruments whose credit risk has not significantly increased since initial recognition, loss allowance equal to twelve months expected credit losses is recognised.

वित्तीय परिसंपत्तियों का गैर-मान्यताकरण

कंपनी किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब स्वीकृति नहीं देती है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के अनुबंधित अधिकार खत्म हो जाते हैं या वित्तीय संपत्ति और साथ ही परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से किसी दूसरी संस्था को स्नानांतरित करती है। यदि कंपनी पर्याप्त रूप से स्वामित्व के सभी जोखिम एवं पुरस्कार को न तो स्थानांतरित करती है और न ही बरकरार रखती है एवं हस्तांतरित परिसंपत्ति का नियंत्रण जारी रखती है, तब कंपनी परिसंपत्तियों में बरकरार रखे अपने हित एवं उस राशि के लिए किसी संबंधित की देनदारी जिसका भुगतान करना पड़ सकता है, को स्वीकृति देती है। यदि कंपनी किसी हस्तांतरित वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों एवं पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से बरकरार रखती है, तो कंपनी वित्तीय परिसंपत्ति की स्वीकृति जारी रखती है एवं प्राप्त कार्यवाहियों के सहवर्तित उधारी को भी स्वीकृति देती है।

ख) वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी लेखपत्र

वर्गीकरण

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी लेखपत्र को निष्पादित अनुबंधित व्यवस्थाओं के सार एवं किसी वित्तीय देनदारी एवं इक्विटी लेखपत्र की परिभाषाओं के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है।

इक्विटी लेखपत्र

इक्विटी लेखपत्र एक संविदा है जो सभी देनदारियों को घटाने के बाद कंपनी की परिसंपत्तियों में अवशिष्ट ब्याज का साक्ष्य प्रस्तुत करती है। इक्विटी लेखपत्र को प्रत्यक्ष जारी मूल्य को छोड़कर प्राप्त अर्जनों पर दर्ज किया जाता है।

वित्तीय देनदारियाँ

कंपनी की वित्तीय देनदारियों में व्यापार एवं अन्य देय तथा उधारी और साथ ही बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं जिन्हें प्रारंभ में लेनदेन मूल्य को छोड़कर, उचित मूल्य पर मापा जाता है एवं तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

वित्तीय देनदारियों की गैर-मान्यता

कंपनी वित्तीय देनदारियों को केवल तब गैर-मान्यता देती है, जब कंपनी के दायित्व पूरे हो जाते हैं, रद्द हो जाते हैं या वे समाप्त हो जाते हैं।

वित्तीय लेखपत्र की क्षतिपूर्ति या समायोजन

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस समय क्षतिपूरित हो उठती हैं एवं शुद्ध राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती हैं, जब स्वीकृत राशियों की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य कोई अधिकार है एवं शुद्ध आधार पर निपटाने या परिसंपत्ति को प्राप्त करने एवं देनदारी निपटाने की कोई इच्छा है। कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार भावी गतिविधियों पर आकस्मिक नहीं होना चाहिए एवं व्यवसाय के सामान्य प्रचालन और प्रतिपक्ष की चूक, दिवालियापन, दिवाला की स्थिति में निश्चित रूप से लागू योग्य हो।

1.ग.7 नकद एवं नकद समतुल्य

नकद प्रवाह के विवरण में प्रस्तुत करने के प्रयोजन से नकद और नकद समतुल्य में हाथ में नकद, तीन महीने की मूल या उससे कम परिपक्वता वाले उच्च रूप से तरल निवेश जो ज्ञात नकद राशि में तुरंत परिवर्तन योग्य हैं, बैंक में नकद एवं बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं और जो मूल्य में गैर-उल्लेखनीय परिवर्तन जोखिम के अधीन हैं। बैंक ओवरड्राफ्ट को तुलनपत्र में चालू देनदारियों में उधारी के अंदर दिखाया गया है।

Derecognition of financial assets

The Company derecognizes a financial asset only when the contractual rights to the cash flows from the asset expire, or it transfers the financial asset and substantially all risks and rewards of ownership of the asset to another entity. If the Company neither transfers nor retains substantially all the risks and rewards of ownership and continues to control the transferred asset, the Company recognizes its retained interest in the assets and an associated liability for amounts it may have to pay. If the Company retains substantially all the risks and rewards of ownership of a transferred financial asset, the Company continues to recognize the financial asset and also recognizes a collateralised borrowing of the proceeds received.

b) Financial liabilities and equity instruments

Classification

Financial liabilities and equity instruments issued by the Company are classified according to the substance of the contractual arrangements entered into and the definitions of a financial liability and an equity instrument.

Equity instruments

An equity instrument is any contract that evidences a residual interest in the assets of the Company after deducting all of its liabilities. Equity instruments are recorded at the proceeds received, net of direct issue costs.

Financial Liabilities

The Company's financial liabilities include Trade and other payables and borrowings including bank overdrafts are initially measured at fair value, net of transaction costs, and are subsequently measured at amortised cost, using the effective interest rate method.

Derecognition of financial liabilities

The Company derecognizes financial liabilities when, and only when, the Company's obligations are discharged, cancelled or they expire.

Offsetting financial instruments

Financial assets and liabilities are offset and the net amount reported in the Balance Sheet when there is a legally enforceable right to offset the recognised amounts and there is an intention to settle on a net basis or realize the asset and settle the liability simultaneously. The legally enforceable right must not be contingent on future events and must be enforceable in the normal course of business and in the event of default, insolvency or bankruptcy of the counterparty.

1.C.7 Cash and Cash Equivalents

For the purpose of presentation in the statement of cash flows, cash and cash equivalent includes cash in hand, highly liquid investments with original maturities of three months or less that are readily convertible to known amounts of cash, cash at bank, and bank overdraft which are subject to an insignificant risk of changes in value. Bank overdrafts are shown within borrowings in current liabilities in the Balance Sheet.

1.ग.8 माल सूची

मार्गस्थ सामग्री समेत व्यापारित स्टॉक लागत पर या अनुमानित शुद्ध वसूलीयोग्य लागत, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित होती है।

1.ग.9 राजस्व की मान्यता

निम्नलिखित मदों को छोड़ कर उपचय आधार पर राजस्व स्वीकार किया जाता है जो वास्तविक वसूली पर लेखाकृत किया जाता है, चूंकि ऐसी सामग्रियों की वसूली क्षमता लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार अनिश्चित है:

I) निष्पादन/विवादास्पद बकाये एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, हेतु विचाराधीन निर्णय।

ii) अतिदेय वसूलीयोग्य पर ब्याज जहां वसूली क्षमता अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्ताओं या ठेकेदारों पर निर्णित हर्जाना।

iv) आयकर/बिक्री कर/वैट की पुन:प्राप्ति एवं इस पर ब्याज।

v) लाभांश आय की स्वीकृति दी जाती है जब भुगतान प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होता है।

बिक्री

I) उच्च समुद्री बिक्री (हाई सी सेल्स) की बुकिंग हाई सी सेल पत्र जारी करने की तिथि के आधार पर की जाती है। मूल्य के संबंध में, बिक्री यदि बुक की गई हो, तो अनुबंधित फारवर्ड मुद्रों दरों पर या फिर प्रावधानिक रूप से वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट मुद्रा दरों के आधार पर की जाती है, जहाँ फारवर्ड कवर नहीं लिया गया था, जिसमें सी एवं एफ/सीआईएफ मूल्य, मियादी ब्याज, तदुपरांत वित्तीय वर्ष में भुगतान की नियत तिथि को अंतिम समायोजन शामिल है।

ii) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, परिवहन दस्तावेजों की तिथि के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में चालान के मूल्य के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। दरवाजे पर डिलीवरी के आधार पर की गई बिक्री के मामले में बिक्री बिल की तिथि पर बुक की जाती है।

iii) निर्यात के मामले में, शिपमेंट की तारीख के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, बिक्री अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों पर बुक किए जाने पर या सीमा शुल्क अनुमत दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख को एफईडीएआई दर पर बुक की जाती है जिसके बाद निर्यात की प्राप्ति की वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन किया जाता है।

सेवा प्रभार :

सरलीकरण पद्धति के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन हेतु एवं नीलामी, निविदाओं या किसी अन्य साधन द्वारा प्रिन्सिपल की ओर से विक्रय/क्रय के संचालन हेतु पारिश्रमिक को सेवा प्रभार के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

क) निम्नलिखित पर सेवा प्रभार को अनुबंधित दरों पर आय के रूप में खाते में लिया जाता है :

i. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से बिक्री आदेश/सुपुर्दगी आदेश के जारी करने पर निविदा/ऑक्शन बिक्री।

1.C.8 Inventories

Stock in trade including material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less.

1.C.9 Revenue Recognition

Revenue is recognised on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordance with the provisions of the accounting standards:

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Dividend income is recognised when right to receive payment is established

Sales

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realisation of export proceeds.

Service Charges

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i. Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii. ई–बिक्री को संतोषजनक पूरा करने पर।

(i) एवं (ii) के संबंध में, सेवा प्रभार प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक सुपुर्दगी के आधार पर समायोजन के साथ, यदि कोई है, ऑक्शन की बोली मूल्य पर लिया जाता है, यदि सेवा प्रभार प्रतिशत आधार पर भुगतानयोग्य है।

iii. गतिविधि के आधार पर सेवा ठेका के मामले में, गतिविधि के घटने पर।

iv. ई–प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा प्रभार तब बुक किया जाता है, जहाँ सेवा प्रभार गतिविधि की समाप्ति पर प्रिन्सिपल से संग्रह योग्य है।

(ख) बोलीदाताओं से एकत्रित ई–प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गतिविधि के सफलतापूर्वक संचालित होने पर हिसाब में लिया जाता है।

(ग) सुगमकर्ता के रूप में क्रय के संबध में प्रोद्भूत सेवा प्रभार बिल ऑफ लैडिंग रेलवे रसीद/लॉरी रसीद जैसे भी मामले हो, की तारीख के आधार पर संविदागत दर पर खाते में लिया जाता है। आयातीत सामग्रियों हेतु, वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को प्रचलित फॉरवर्ड कवर रेट पर या एफईडीएआई स्पॉट दर पर मूल्य सुनिश्चित किया जाता है। वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन किया जाता है। स्वदेशी सामग्रियों में मूल्य ठेकागत दर में वास्तविक भुगतान के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है।

ई–ऑक्शन पंजीकरण

विक्रेताओं से संग्रहित ई–ऑक्शन पंजीयन शुल्क चालू वर्ष के आय के रूप में विचार किया जाता है, यदि पंजीकरण की वैधता एक वर्ष तक है। जीवन भर के पंजीयन के मामले में संग्रहित राशि पांच वर्षों में समान रूप से वितरित की जाती है।

क्रय

(i) आयातित सामग्रियों को बिल ऑफ लैडिंग (लदान पत्र) की तिथि के आधार पर क्रय के रूप में खाते में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, क्रय को वास्तविक धन प्रेषण के आधार पर बुक किया जाता है एवं जहाँ ऐसे प्रेषण वर्ष की समाप्ति पर बकाया रहते हैं, तब बुक किए जाने पर, अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों या वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों पर, यदि फारवर्ड कवर नहीं लिया गया है, जैसे मामले हो, के आधार पर क्रय को बुक किया जाता है। क्रय मूल्य में, सामग्री मूल्य के भाड़े, बीमा आदि एवं मियादी ब्याज और तत्पश्चात तदुपरांत वित्तीय वर्ष में वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन शामिल है।

(ii) देशी सामग्रियों के मामले में, क्रय को परिवहन कागजातों के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में बिलों के मूल्य के आधार पर बुक किया जाता है।

1.ग.10 उधार–लागत

अर्हक परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन में प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य उधारी लागत, जो ऐसी परिसंपत्ति हैं जो अपने अभीष्ट उपयोग या विक्रय के लिए तैयार होने में पर्याप्त रूप से समय लेती हैं, को उनके अभीष्ट उपयोग या बिक्री के लिए पर्याप्त रूप से तैयार होने की अवधि तक इन परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा जाता है।

विशिष्ट उधारी के अस्थायी निवेश पर अर्जित अन्य आय जो अर्हक परिसंपत्तियों पर अपने व्यय को लम्बित करती है, पूँजीकरण के लिए योग्य उधारी लागत से घटायी जाती है।

सभी अन्य उधारी लागत को उस अवधि में लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है, जिनमें ये घटित होती हैं।

ii. On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals, in case service charges are payable on percentage basis.

iii. On occurrence of event, in case of service contract on event basis.

iv. In case of e-Procurement Service charges are booked, where service charges are collectable from the Principal, on completion of event.

(b) E-Procurement transaction fees collected from bidders are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

E-Auction Registration

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

Purchases

(i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover is not taken, as the case may be. Purchase value includes material value freight, insurance etc. and usance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

(ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

1.C.10 Borrowing Cost

Borrowing costs directly attributable to the acquisition, construction or production of qualifying assets, which are assets that necessarily take a substantial period of time to get ready for their intended use or sale, are added to the cost of those assets, until such time as the assets are substantially ready for their intended use or sale.

Other income earned on the temporary investment of specific borrowings pending their expenditure on qualifying assets is deducted from the borrowing costs eligible for capitalisation.

All other borrowing costs are recognised in profit or loss in the period in which they are incurred.

1.ग.11 कर्मचारी लाभ

(क) अल्पमियादी लाभ

अल्पमियादी कर्मचारी लाभ लेखांकन अवधि जिसमें कर्मचारियों द्वारा सेवा दी जाती है, में उनकी गैर–छूट प्राप्त राशि पर हिसाब में लिया जाता है एवं अवधि जिसमें कर्मचारी ने संबंधित सेवा दी है, के दौरान लाभ एवं हानि के विवरण में व्यय के रूप में स्वीकृति दी जाती है।

(ख) अवकाश नकदीकरण

अर्जित छुट्टी एवं रूपांतरित छुट्टी के लिए देयताएँ अवधि की समाप्ति जिसमें कर्मचारियों ने संबंधित सेवा दी है, के पश्चात 12 महीने के अंदर संपूर्ण रूप से निपटाया जाना अपेक्षित नहीं है। इसलिए ये निर्धारित यूनिट क्रेडिट पद्धति के प्रयोग से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भावी भुगतानों के वर्तमान मूल्य के रूप में मापी जाती हैं।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणाम का प्रयोग करते हुए लाभ पर छूट दिए गये हैं जिनमें संबंधित दायित्वों की शर्तों की अनुरूपी शर्तें हैं। बीमांकिक प्राक्कलनों में हुए अनुभव समायोजन एवं परिवर्तन के परिणामस्वरूप पुन:मापन को लाभ या हानि में मान्यता दी गई है। यह सुविधा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा वित्तपोषित है।

(ग) रोजगार के उपरांत दायित्व

परिभाषित योगदान योजना – भविष्य निधि

भविष्य निधि को आयकर अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रस्ट द्वारा प्रशासित किया जाता है और इस निधि में योगदान राजस्व में प्रभारित होता है। पेंशनरों के लाभ कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के माध्यम से सुरक्षित है।

परिभाषित लाभ योजना –

(क) सेवा ग्रैच्युटी

परिभाषित ग्रैच्युटी योजना के संबंध में तुलन पत्र में स्वीकृत देनदारी या परिसंपत्ति योजना संपत्ति के उचित मूल्य से कम किया हुआ, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान मूल्य है। परिभाषित लाभ दायित्वों को प्रति वर्ष अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमांकक द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य, सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार के परिणाम के संदर्भ द्वारा अनुमानित भावी नगदी बहिर्वाहों को छोड़ कर निर्धारित किया जाता है, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों की अनुरूपी शर्तें है।

शुद्ध ब्याज लागत की गणना परिमाणित लाभ दायित्व और योजना संपत्तियों के उचित मूल्य के शुद्ध शेष पर छूट प्राप्त दर लागू करके की जाती है। लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय में यह लागत शामिल है ।

अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक आकलनों में परिवर्तन से होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि उन समयावधि में माने जाते हैं, जिनमें वे अन्य व्यापक आय में सीधे घटते हैं। इक्विटी में बदलाव और तुलनपत्र के विवरण में प्रतिधारित आय में इन्हें रखा गया है।

1.C.11 Employee Benefits

(a) *Short term benefits*

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered by the employees are recognised as an expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service.

(b) *Leave encashment*

The liabilities for earned leave and commuted leave are not expected to be settled wholly within 12 months after the end of the period in which the employees render related service. They are therefore measured as the present value of expected future payments to be made inrespect of services provided by employees up to the end of the reporting period based on actuarial valuation using the projected unit credit method.

The benefits are discounted using the market yield at the end of the reporting period that have terms of approximating to the terms of related obligations. Remeasurement as a result of experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in profit or loss.The facility is funded through LIC of India.

(c) *Post-employment obligation*

Defined Contribution Plan- Provident Fund

Provident Fund is administered by a Trust recognised by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioner's Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

Defined Benefit Plan-

(a) Service Gratuity

The liabilities or assets recognised in the Balance Sheet in respect of defined gratuity plan is the present value of the defined benefits obligation at the end of the reporting period less the fair value of plan assets. The defined benefits obligations are calculated annually by actuaries using projected unit credit method. The present value of defined benefits obligations is determined by discounting the estimated future cash outflows by reference to market yields at the end of the reporting period on Government bonds that are terms approximating to the terms of the related obligations.

The net interest cost is calculated by applying the discounted rate to the net balance of defined benefit obligation and the fair value of plan assets. This cost is included in employee benefit expense in the statement of profit and loss.

Remeasurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in the period in which they occur, directly in other comprehensive income. They are included in retained earnings in the statement of changes in equity and in the balance sheet.

संशोधन एवं कटौतियों के फलस्वरूप उत्पन्न परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में संशोधन पिछली सेवा लागत के रूप में तुरंत लाभ या हानि में पहचाने जाते हैं। ग्रैच्युटी दायित्व को भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप ग्रैच्युटी लाइफ एश्योरेंस योजना के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए कंपनी द्वारा बनाई गई एक अलग अपरिवर्तनीय ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

(ख) सेवानिवृत्ति उपरान्त चिकित्सा लाभ :

कंपनी अपने अवकाशप्राप्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरान्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इन लाभों का अधिकार आमतौर पर सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में रत कर्मचारी और न्यूनतम सेवा अवधि की समाप्ति पर सशर्त है। परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए इस्तेमाल की गई उसी लेखा पद्धति के उपयोग से इन लाभों की अपेक्षित लागत रोजगार की अवधि में अर्जित की गई है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुन:मापन लाभ व हानि उत्पन्न होने वाली अवधि में अन्य व्यापक आय में प्रभारित या जमा किये जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए सृजित एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से निधि को प्रशासित किया जाता है।

1.ग.12 कराधान

वर्ष हेतु कर–व्यय में शामिल है चालू एवं आस्थगित कर।

(I) **चालू कर**

वर्तमान में भुगतानयोग्य कर वर्ष के करयोग्य लाभ पर आधारित है। करयोग्य लाभ वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ से अलग है जैसा कि लाभ और हानि के विवरण में दिया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय की सामग्रियों को छोड़ दिया जाता है जो अन्य वर्षों में करयोग्य या घाटवयोग्य है एवं आगे उन सामग्रियों का छोड़ा जाता है जो कभी करयोग्य या घाटवयोग्य नहीं है। वर्तमान कर के लिए कंपनी के दायित्व की गणना कर दरों या कर कानूनों के उपयोग से की जाती है जो देश में अधिनियमित हुए हैं या पर्याप्त रूप से अधिनियमित हुए हैं जहाँ कंपनी रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति तक संचालित है।

(ii) **आस्थगित कर**

आस्थगित कर वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि एवं कर योग्य लाभ के निर्धारण में प्रयुक्त अनुरूपी कर आधार के बीच के अंतर पर भुगतानयोग्य या वसूली योग्य के लिए अपेक्षित है एवं तुलन पत्र की देनदारी विधि के प्रयोग हेतु खाते में लिया जाता है। आस्थगित कर देयताएँ साधारणतया सभी करयोग्य अस्थायी अंतरों के लिए स्वीकृत हैं। इसके विपरित, आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ उस सीमा तक स्वीकृत हैं कि यह संभावना है कि भावी कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट आस्थगित कर परिसंपत्ति के रूप में केवल तब एवं उस सीमा तक स्वीकृत होती है, जब विश्वसनीय साक्ष्य हो कि कंपनी निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आय कर का भुगतान करेगी। ऐसी परिसंपत्ति की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि को की जाती है एवं मैट क्रेडिट परिसंपत्ति की वहन राशि उसी सीमा तक पुनरांकित होती है, जिसके लिए विश्वसनीय साक्ष्य नहीं रह गया है कि कंपनी निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आयकर का भुगतान करेगी।

Changes in the present value of defined benefit obligation resulting from amendments and curtailments are recognised immediately in profit or loss as past service cost. The Gratuity obligation is funded through Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose.

(b) Post Retirement medical benefit

The Company provides post retirement healthcare benefits to its retirees. The entitlement to these benefits is usually conditional on the employee remaining in service up to the retirement age and the completion of minimum service period. The expected cost of these benefits is accrued over the period of employment using the same accounting methodology as used for defined benefit plans. Re-measurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are charged or credited in other comprehensive income in the period in which they arise. The fund is administered through a separate trust created for this purpose.

1.C.12 Taxation

Tax expense for the year comprises current and deferred tax.

(i) *Current tax*

The tax currently payable is based on taxable profit for the year. Taxable profit differs from profit before tax for the year as reported in the Statement of Profit and Loss because it excludes items of income or expense that are taxable or deductible in other years and it further excludes items that are never taxable or deductible. The Company's liability for current tax is calculated using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted in the country where the Company operates by the end of the reporting period.

(ii) *Deferred tax*

Deferred tax is the tax expected to be payable or recoverable on differences between the carrying amounts of assets and liabilities in the financial statements and the corresponding tax bases used in the computation of taxable profit, and is accounted for using the balance sheet liability method. Deferred tax liabilities are generally recognised for all taxable temporary differences. In contrast, deferred tax assets are recognised to the extent that it is probable that future taxable profits will be available against which the deferred tax assets can be utilised.

Minimum Alternate Tax credit is recognised as deferred tax asset only when and to the extent there is convincing evidence that the Company will pay normal income tax during the specified period. Such asset is reviewed at each Balance Sheet date and the carrying amount of the MAT credit asset is written down to the extent there is no longer a convincing evidence to the effect that the Company will pay normal income tax during the specified period.

आस्थगित कर परिसंपत्ति की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है एवं इस सीमा तक कम हो जाती है कि कोई संभावना नहीं रहे कि आस्थगित कर परिसंपत्ति के संपूर्ण या भाग के इस्तेमाल के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध हो पाएगा।

आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस सीमा तक क्षतिपूरित होती हैं जिससे वे वही कर प्राधिकारी द्वारा प्रभारित कर से संबंधित हैं एवं उस न्यायक्षेत्र के अधीन चालू कर परिसंपत्तियों एवं चालू कर देनदारियों को छोड़ने के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार है।

चालू एवं आस्थगित कर को लाभ एवं हानि के विवरण में व्यय या आय के रूप में स्वीकृति दी जाती है सिवाय उस स्थिति के, जब ये अन्य व्यापक आय में या प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में जोड़े गए या घटाए गए मदों से संबंधित हैं, इस मामले में कर को अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में भी स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.13 प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ एवं आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

प्रावधानों को तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है जब एक पिछली घटना के परिणाम स्वरूप कंपनी का एक वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है, जिसके परिणामस्वरूप अपेक्षित संसाधनों के बहिर्वाह से आर्थिक लाभ मिलते हैं जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है। प्रत्येक प्रावधान तुलन पत्र की तारीख में मौजूदा दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक व्यय के सर्वोत्तम अनुमान पर आधारित है। जब उपयुक्त होता है, तो प्रावधान छूट आधार पर मापा जाता है।

संरचनात्मक जिम्मेदारी एक ऐसा दायित्व है जो प्रतिष्ठान के कार्यों से प्राप्त होता है जिसमें पिछले अभ्यास, प्रकाशित नीतियों या पर्याप्त रूप से एक विशिष्ट वर्तमान विवरण की एक स्थापित पद्धति से संस्थानों ने अन्य पार्टियों को संकेत दिया है कि वह कुछ जिम्मेदारियों को स्वीकार करेगी, परिणामस्वरूप संस्था ने उन अन्य पार्टियों के लिए एक वैध अपेक्षा का सृजन करेगी कि वह उन जिम्मेदारियों को पूरा करेगी।

टिप्पणी के माध्यम से आकस्मिक देयता प्रकट की जाती है जिसका प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख में समीक्षा की जाती है और प्रबंधन के वर्तमान अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजन किया जाता है।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरण में स्वीकृति नहीं दी जाती है, परंतु प्रकट की जाती है, जब आर्थिक लाभ के अंत:प्रवाह की संभावना रहती है।

1.ग.14 सेगमेंट रिपोर्टिंग

इंड एएस 108 मानकों को उस तरीके में स्थापित करता है कि लोक व्यवसाय उद्यम प्रचालन क्षेत्रों एवं संबंधित प्रकटीकरण के बारे में जानकारी की रिपोर्ट करे। कंपनी व्यापारिक कार्यकलापों का काम करती है एवं ई-कॉमर्स सेवा-प्रदाता के रूप में भी कार्य करती है। इंड एस 108 में परिभाषित अनुसार 'प्रबंधन दृष्टिकोण' के आधार पर, मुख्य प्रचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) कंपनी के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करते हैं एवं प्रचालन सेगमेंट (क्षेत्रों) के विभिन्न निष्पादन सूचकों के विश्लेषण पर संसाधनों को आवंटित करते हैं। उपर्युक्त शर्तों के तहत, कंपनी ने मार्केटिंग यानी विपणन और ई-कॉमर्स को दो प्राथमिक रिपोर्टयोग्य व्यवसाय क्षेत्र के रूप में पहचान की है। सेगमेंट से संबंधित राजस्व एवं पहचानयोग्य प्रचालन व्यय को सेगमेंट में पृथक रूप से पहचान योग्य मदों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। राजस्व एवं व्यय के शेष मद, जिन्हें विशिष्ट सेगमेंट के अंतर्गत विशेष रूप से आबंटित नहीं किया जा सकता है, को अनाबंटित के रूप में पृथक रूप से प्रकट किया गया है।

The carrying amount of deferred tax assets is reviewed at the end of each reporting period and reduced to the extent that it is no longer probable that sufficient taxable profits will be available to allow all or part of the deferred tax asset to be utilised.

Deferred tax assets and liabilities are offset to the extent that they relate to taxes levied by the same tax authority and there are legally enforceable rights to set off current tax assets and current tax liabilities within that jurisdiction.

Current and deferred tax are recognised as an expense or income in the Statement of Profit and Loss, except when they relate to items credited or debited either in other comprehensive income or directly in equity, in which case the tax is also recognised in other comprehensive income or directly in equity.

1.C.13 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

Provisions are recognised in the Balance Sheet when the Company has a present obligation (legal or constructive) as a result of a past event, which is expected to result in an outflow of resources embodying economic benefits which can be reliably estimated. Each provision is based on the best estimate of the expenditure required to settle the present obligation at the Balance Sheet date. When appropriate, provisions are measured on a discounted basis.

Constructive obligation is an obligation that derives from an entity's actions whereby an established pattern of past practice, published policies or a sufficiently specific current statement, the entity has indicated to other parties that it will accept certain responsibilities; and as a result, the entity has created a valid expectation on the part of those other parties that it will discharge those responsibilities.

Contingent liabilities are disclosed by way of notes. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

Contingent assets are not recognised but disclosed in the financial statements when an inflow of economic benefit is probable.

1.C.14 Segment Reporting

Ind AS 108 establishes standards for the way that public business enterprises report information about operating segments and related disclosures. The Company undertakes trading activities, and also acts as e-commerce service provider. Based on the 'management approach' as defined in Ind AS 108, the Chief Operating Decision Maker (CODM) evaluates Company's performance and allocates resources on an analysis of various performance indicators by operating segments. In terms of above the Company has identified Marketing and e-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. Revenue and identifiable operating expenses in relation to segments are categorised based on items that are individually identifiable to that segment. Rest of the items of revenue and expenses,which cannot be specifically allocated under specific segments are separately disclosed as unallocated.

1.ग.15 महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान, प्राक्कलन एवं निर्णय

इंड एएस की अनुरूपता में वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, आकलन एवं प्राक्कलन की आवश्यकता इस प्रकार पड़ती है कि लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग एवं वित्तीय विवरणों की तारीख को परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय, व्यय की सूचित राशियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों एवं देनदारियों के तथा रिपोटिंग अवधि के दौरान प्रचालनों के परिणामों पर प्रभाव पड़े। हालांकि ये आकलन प्रबंधन द्वारा वर्तमान गतिविधियों एवं कार्यों की सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर किए जाते हैं, फिर भी वास्तविक परिणाम इन आकलनों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमान एवं अंतर्निहित धारणाएँ सतत आधार पर पुनरीक्षित होती हैं। लेखांकन अनुमानों में संशोधन को उस अवधि में मान्यता दी जाती है, जिसमें ये संशोधित हुए हैं एवं कोई भावी अवधि जो प्रभावित हुआ है।

अनुमान एवं धारणाएँ जिसमें अगले वित्तीय वर्ष के अंदर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की वहन राशि के भौतिक समायोजन का कारण बनने का महत्वपूर्ण जोखिम रहता है, उसके बारे में नीचे के अनुच्छेदों में चर्चा की गई है :

(i) **उपयोगी आर्थिक जीवन एवं अन्य परिसंपत्तियों की हानि**

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) और अमूर्त परिसंपत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवन कई घटकों पर निर्भर रहता है, जिसमें शामिल है अप्रचलन के प्रभाव, परिसंपत्ति एवं अन्य आर्थिक कारकों का प्रयोग (जैसे कि ज्ञात प्रौद्योगिकीजनित उन्नति)।

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत में पीपीई एवं अमूर्तों के उपयोगी जीवन की समीक्षा करती है एवं कोई भी परिवर्तन मूल्यह्रास दरों को भावी रूप से प्रभावित कर सकता है।

कंपनी अपनी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की संभावी क्षति की भी समीक्षा करती है कि क्या कोई गतिविधि है या परिस्थितियों में परिवर्तन है जो परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली न होने पाने का संकेत देते हैं। संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की क्षति के आकलन में, लाभ में उल्लेखनीय घटाव लाने वाले कारकों जैसे कि कंपनी की व्यवसाय योजनाएँ एवं नियामक पर्यावरण में परिवर्तन को विवेचना में लिया जाता है।

(ii) **आकस्मिकताएँ एवं वचनबद्धताएँ**

व्यवसाय के सामान्य प्रचलन में, आकस्मिक देयताएँ मुकदमे, कराधान एवं कंपनी के विरूद्ध अन्य दावे से उत्पन्न हो सकती हैं। जहाँ निधियों का बहिर्भाव संभाव्य है एवं प्रत्येक मतभेद की विशिष्ट परिस्थितियों का प्रबंधन के आकलन एवं संबंधित बाहरी सलाह के आधार पर मतभेद के परिणाम का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है, तब प्रबंधन ऐसी देनदारी का सर्वोत्तम अनुमान प्रदान करती है। ऐसी देनदारियों को टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है, परंतु वित्तीय विवरणों में नहीं दिए जाते हैं।

हालांकि कानूनी कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम के बारे में कोई आश्वासन नहीं मिल सकता है, परंतु कंपनी की वित्तीय स्थिति या लाभकारिता पर कंपनी इसके महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव की अपेक्षा नहीं करती है।

1.C.15 Critical Accounting Estimates, Assumptions and Judgments

The preparation of the financial statements in conformity with Ind AS requires management to make judgements, estimates and assumptions that affect the application of accounting policies and the reported amounts of assets, liabilities, income, expenses, and disclosures of contingent assets and liabilities at the date of the financial statements and the results of operations during the reporting period. Although these estimates are based upon management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

Estimates and underlying assumptions are reviewed on an ongoing basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which the estimates are revised and in any future periods affected.

The estimates and assumptions that have a significant risk of causing a material adjustment to the carrying amounts of assets and liabilities within the next financial year are discussed in the paragraphs that follow.

(i) *Useful economic lives and impairment of other assets*

The estimated useful life of property, plant and equipment (PPE) and intangible asset is based on a number of factors including the effects of obsolescence, usage of the asset and other economic factors (such as known technological advances).

The Company reviews the useful life of PPE and intangibles at the end of each reporting date and any changes could affect the depreciation rates prospectively.

The Company also reviews its property, plant and equipment for possible impairment if there are events or changes in circumstances that indicate that the carrying value of the assets may not be recoverable. In assessing the property, plant and equipment for impairment, factors leading to significant reduction in profits, such as the Company's business plans and changes in regulatory environment are taken into consideration.

(ii) *Contingencies and commitments*

In the normal course of business, contingent liabilities may arise from litigation, taxation and other claims against the Company. Where an outflow of funds is believed to be probable and a reliable estimate of the outcome of the dispute can be made based on management's assessment of specific circumstances of each dispute and relevant external advice, management provides for its best estimate of the liability. Such liabilities are disclosed in the notes but are not provided for in the financial statements.

Although there can be no assurance regarding the final outcome of the legal proceedings, the Company does not expect them to have a materially adverse impact on the Company’s financial position or profitability.

(iii) बीमांकिक मूल्यांकन

कर्मचारियों को परिभाषित लाभ दायित्व के बारे में कंपनी की देनदारी का निर्धारण स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है जिसमें लाभ एवं हानि के विवरण एवं अन्य व्यापक आय में स्वीकृति दी जाने वाली राशि का निर्धारण शामिल है। यह मूल्यांकन मुद्रा स्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य संबंधित कारकों जैसे कि रोजगार बाजार में आपूर्ति एवं मांग कारकों को विचार में लेने के बाद निर्धारित धारणाओं पर निर्भर करता है।

(iv) उचित मूल्य मापन एवं मूल्यांकन पद्धतियाँ

कंपनी की कुछ परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को वित्तीय रिपोर्टिंग के प्रयोजन से उचित मूल्य पर मापा जाता है। किसी परिसंपत्ति या देनदारी के उचित मूल्य के आकलन में, कंपनी बाजार के अवलोकन योग्य डेटा का उसकी उपलब्ध सीमा में उपयोग करती है। जहाँ लेवल 1 निविष्टि उपलब्ध नहीं हैं, कंपनी वहाँ आवश्यक मूल्यांकन कार्य को पूरा करने के लिए तीसरे पक्ष के मूल्यांकक को नियोजित करती है। विभिन्न परिसंपत्तियों एवं देनदारियों के उचित मूल्य के निर्धारण में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीकों एवं निविष्टियों की सूचना वित्तीय विवरण की टिप्पणियों में प्रकट की गई है।

(v) आगे ले ली गई कर हानियों एवं उपयोग नहीं किए गए कर घटाव के लिए आस्थगित कर संपत्तियों की मान्यता

जिस सीमा तक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को स्वीकृति दी जा सकती है, वह कंपनी की भावी कर योग्य आय की संभाव्यता के आकलन पर आधारित होती है, जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, किसी कानूनी या आर्थिक सीमाओं के प्रभाव के आकलन में महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता पड़ती है।

(iii) *Actuarial Valuation*

The determination of Company's liability towards defined benefit obligation to employees is made through independent actuarial valuation including determination of amounts to be recognised in the Statement of Profit and Loss and in other comprehensive income. Such valuation depend on assumptions determined after taking into account inflation, seniority, promotion and other relevant factors such as supply and demand factors in the employment market.

(iv) *Fair Value measurements and valuation processes*

Some of the Company's assets and liabilities are measured at fair value for financial reporting purposes. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Company uses market-observable data to the extent it is available. Where Level 1 inputs are not available, the Company engages third party valuers, where required, to perform the valuation. Information about the valuation techniques and inputs used in determining the fair value of various assets and liabilities are disclosed in the notes to the financial statements.

(v) *Recognition of deferred tax assets for carried forward tax losses and unused tax credit*

The extent to which deferred tax assets can be recognised is based on an assessment of the probability of the Company's future taxable income against which the deferred tax assets can be utilised. In addition significant judgement is required in assessing the impact of any legal or economic limits.

2 क. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

राशि लाख ₹ में

विवरण	पूर्वस्वामित्व के भवन	कार्यालय उपकरण	कार्यालय के एयर कंडीशनर	फर्नीचर एवं फिक्सचर	कार्यालय के पार्टिशन्स एवं क्यूबिकल्स	ईडीपी उपकरण	पट्टे में उन्नयन	वाहन	कुल मूर्त परिसंपत्तियाँ
31 मार्च, 2016 को सकल ब्लॉक	105	17	37	119	105	189	0	10	582
संयोजन	0	1	4	10	8	38	0	11	72
निपटान	0	0	0	0	0	20	0	1	21
01अप्रैल, 2017 को सकल ब्लॉक	105	18	41	129	113	207	0	20	633
संयोजन	0	0	5	5		40			50
निपटान	0	0	0	0	20	5			25
31 मार्च, 2018 को सकल ब्लॉक	105	18	46	134	93	242	0	20	658
31 मार्च, 2016 को मूल्यह्रास	2	2	12	47	46	46	0	1	156
वर्ष में प्रभार	3	4	9	31	22	71	0	2	142
निपटान	0	0	0	0	0	21	0	1	22
31 मार्च, 2018 को मूल्यह्रास	5	6	21	78	68	96	0	2	276
वर्ष में प्रभार	3	3	5	12	3	63		3	92
निपटान		0		0	15	4			19
31 मार्च, 2018 को मूल्यह्रास	8	9	26	90	56	155	0	5	349
31 मार्च, 2016 को निवल बही मूल्य	103	15	25	72	59	143	0	9	426
31 मार्च, 2017 को निवल बही मूल्य	100	12	20	51	45	111	0	18	357
31 मार्च, 2018 को निवल बही मूल्य	97	9	20	44	37	87	0	15	309

2 ख. प्रगति पर पूँजी कार्य

	1 अप्रैल 2016 को मूल्य	**संयोजन**	**विलोपन**	**31 मार्च 2018 को मूल्य**	**01 अप्रैल 2017 को मूल्यह्रास**	**संयोजन**	**समायोजन**	**31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास**	**31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य**
पूँजी डब्ल्यूआईपी	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	0	0	0	0	0	0	0	0

	1 अप्रैल 2016 को मूल्य	**संयोजन**	**विलोपन**	**31 मार्च 2017 को मूल्य**	**01 अप्रैल 2016 को मूल्यह्रास**	**संयोजन**	**समायोजन**	**31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास**	**31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य**
पूँजी डब्ल्यूआईपी	0	648	0	648	0	0	0	0	648
कुल	0	648	0	648	0	0	0	0	648

राशि न्यू टाउन, कोलकाता में नए कार्यालय भवन के निर्माण बाबत एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को किए गए अग्रिम भुगतान को प्रस्तुत करती है।

2 ग. अमूर्त परिसंपत्ति

	1 अप्रैल 2016 को मूल्य	**संयोजन**	**विलोपन**	**31 मार्च 2017 को मूल्य**	**01 अप्रैल 2016 को मूल्यह्रास**	**संयोजन**	**समायोजन**	**31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास**	**31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य**
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	0	143	0	143	0	0	0	0	143
कुल	0	143	0	143	0	0	0	0	143

	1 अप्रैल 2017 को मूल्य	**संयोजन**	**विलोपन**	**31 मार्च 2018 को मूल्य**	**01 अप्रैल 2017 को मूल्यह्रास**	**संयोजन**	**समायोजन**	**31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास**	**31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य**
ट्रेड मार्क	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	143	0	0	143	0	0	0	53	90
कुल	143	0	0	143	0	0	0	53	90

2 a. Property, Plant and Equipment

Amount in ₹ lakhs

Particulars	Freehold Buildings	Office Equipment	Office Air Conditioner	Furniture and fixtures	Office Partition & Cubicles	EDP Equipments	Leasehold Improvements	Vehicles	Total Tangible Assets
Gross Block as at March 31, 2016	105	17	37	119	105	189	0	10	582
Additions	0	1	4	10	8	38	0	11	72
Disposals	0	0	0	0	0	20	0	1	21
Gross Block as at April 01, 2017	105	18	41	129	113	207	0	20	633
Additions	0	0	5	5		40			50
Disposals	0	0	0	0	20	5			25
Gross Block as at March 31, 2018	105	18	46	134	93	242	0	20	658
Depreciation as at March 31, 2016	2	2	12	47	46	46	0	1	156
Charge for the year	3	4	9	31	22	71	0	2	142
Disposals	0	0	0	0	0	21	0	1	22
Depreciation as at April 01, 2017	5	6	21	78	68	96	0	2	276
Charge for the year	3	3	5	12	3	63		3	92
Disposals		0		0	15	4			19
Depreciation as at March 31, 2018	8	9	26	90	56	155	0	5	349
Net book value as at March 31, 2016	103	15	25	72	59	143	0	9	426
Net book value as at March 31, 2017	100	12	20	51	45	111	0	18	357
Net book value as at March 31, 2018	97	9	20	44	37	87	0	15	309

2 b. Capital Work in Progress

	Cost as at April 01,2016	Addition	Deletion	Cost as at at March 31,2017	Depreciation as at April 01,2016	Addition	Adjustment	Depreciation as at March 31,2017	Net Book Value as at March 31,2017
Capital WIP	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	0	0	0	0	0	0	0	0	0

	Cost as at April 01,2017	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2018	Depreciation as at April 01,2017	Addition	Adjustment	Depreciation as at March 31,2018	Net Book Value as at March 31,2018
Capital WIP	0	648	0	648	0	0	0	0	648
Total	0	648	0	648	0	0	0	0	648

Amount represents advance payment made to NBCC(India) Limited towards construction of New Office Building at Newtown,Kolkata.

2 c. Intangible assets

	Cost as at April 01,2016	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2017	Depreciation as at April 01,2016	Addition	Adjustment	Depreciation as at March 31,2017	Net Book Value as at March 31,2017
Software Licence	0	143	0	143	0	0	0	0	143
Total	0	143	0	143	0	0	0	0	143

	Cost as at April 01,2017	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2018	Depreciation as at April 01,2017	Addition	Adjustment	Depreciation as at March 31,2018	Net Book Value as at March 31,2018
Trade Mark	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Software Licence	143	0	0	143	0	0	0	53	90
Total	143	0	0	143	0	0	0	53	90

3. लागत पर लिए गए अनुद्धृत इक्विटी शेयर, पूर्ण प्रदत्त में निवेश

राशि लाख ₹ में

विवरण	शेयरों की संख्या		राशि (लाख ₹ में)	
	2018	**2017**	**2018**	**2017**
क) पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी में निवेश				
फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रत्येक)	3,20,00,000	3,20,00,000	1,581	1,581
ख) 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश				
महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रत्येक)	1,06,00,000	31,00,000	1,060	310

टिप्पणियाँ

1) वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, एफएसएनएल, पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी ने दो वित्तांशों में ₹ 10 प्रत्येक के कुल 3,00,00,000 शेयरों का बोनस शेयर जारी किया है।
2) वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान, एमएसटीसी लिमिटेड एवं महिन्द्रा इंटरट्रेड लि. ने ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु 16 दिसंबर, 2016 को महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लि. के नाम में एक 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी का गठन किया है।
3) वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, एमएसटीसी लिमिटेड ने महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड में इक्विटी अंशदान बाबत ₹ 7,50,00,000 का निवेश किया है।

4 . अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सुरक्षित जमा	86	101
(ख) अन्य ऋण एवं अग्रिम कर्मचारियों को ऋण	480	543
(ग) कर्मचारियों के ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	3	4
(घ) अनुसूचित बैंकों के जमा खातों में शेष		
12 महिने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ मियादी जमा	4	4
कुल	**573**	**652**

4.1 तिमाही जमा ओवरड्राफ्ट सुविधा एवं गारंटी के लिए मार्जिन हेतु बैंक के पास बंधक रखे हुए हैं।

5 . गैर-चालू कर परिसंपत्तियाँ

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
करों का अग्रिम भुगतान	60,699	57,220
घटाएं : कराधान के लिए प्रावधान	58,986	56,761
कुल	**1,713**	**459**

3. Investment in Unquoted Equity Shares, fully paid up-carried at cost.

Amount (₹ in lakhs)

Particulars	No. of Shares		Amount (₹ in lakhs)	
	2018	2017	2018	2017
a) Investment in Wholly Owned Subsidiary Company				
Ferro Scrap Nigam Limited (Face Value ₹ 10/- each)	3,20,00,000	3,20,00,000	1,581	1,581
b) Investment in 50:50 Joint Venture Company				
Mahindra MSTC Recycling Private Limited (Face Value ₹ 10/- each)	1,06,00,000	31,00,000	1,060	310

Notes :

1) During the financial year 2016-17, FSNL, the wholly owned subsidiary company has issued bonus shares aggregating to 3,00,00,000 shares of ₹ 10/- each, in two tranches.
2) During F.Y. 2016-17 MSTC Limited and Mahindra Intertrade Ltd have formed a 50:50 Joint Venture Company named Mahindra MSTC Recycling Private Ltd on 16th December 2016 for setting up of Auto shredding plant.
3) During F. Y. 2017-18 MSTC Limited have invested ₹ 7,50,00,000 towards equity contribution in Mahindra MSTC Recycling Private Limited.

4 . Other Financial Assets (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Security deposits	86	101
(b) Other loans and advances Loans to employees	480	543
(c) Interest accrued on loans to employees	3	4
(d) Balance with scheduled banks in deposit accounts		
Term Deposits with original maturity of more than 12 months	4	4
Total	**573**	**652**

4.1 The term deposits are pledged with banks against over draft facility and margin for guarantee.

5 . Non-Current Tax Assets

Particulars	**As at March 31, 2018**	**As at March 31, 2017**
Advance payment of Taxes	60,699	57,220
Less: Provision for Taxation	58,986	56,761
Total	**1,713**	**459**

6 . आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

राशि (लाख रु. में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) लाभ या हानि के माध्यम से		
आस्थगित कर (देनदारियाँ)/परिसंपत्तियाँ		
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों के बही मूल्य एवं कर शेष के बीच अंतर पर	-	6
अन्य	(9)	8
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव	**(9)**	**14**
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों के बही मूल्य एवं कर शेष के बीच अंतर पर	7	-
संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए भत्ते	18,573	29,494
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 40(क)(i), 43(ख) के अंतर्गत अस्वीकृति	1,644	1,281
अनावशोषित व्यवसाय हानि	7050	-
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	2225	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव	**29,499**	**30,775**
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**29,490**	**30,761**
(ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से		
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन	231	317
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**231**	**317**
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**29,721**	**31,078**

7 . अन्य परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

विवरण **असुरक्षित, अच्छा माना गया**	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
बिक्री कर	296	308
(ख) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान लागत*	723	-
(ग) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(I) पूर्व प्रदत्त व्यय	4	8
(ii) अन्य	1	11
(घ) सेवानिवृत्ति लाभ परिसंपत्तियाँ	-	65
(ङ) भवन निर्माण के लिए अग्रिम	15	-
कुल	**1,039**	**392**

* डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ से पट्टेयुक्त भूमि के अधिग्रहण बाबत किया गया भुगतान

8 . मालसूची

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
मार्गस्थ स्टॉक	-	7,074
कुल	**-**	**7,074**

6 . Deferred Tax Assests (Net)

Amount in ₹ lakhs

Particulars		As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	**Through Profit or Loss**		
	Deferred tax (liabilities) / assets:		
	Tax effect of items constituting deferred tax liabilities		
	On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment & Intangible assets	-	6
	Others	(9)	8
	Tax effect of items constituting deferred tax liabilities	**(9)**	**14**
	Tax effect of items constituting deferred tax assets		
	On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment & Intangible assets	7	-
	Allowances for doubtful debts / advances	18,573	29,494
	Disallowances under Section 40(a)(i), 43B of the Income Tax Act, 1961	1,644	1,281
	Unabsorbed Business loss	7050	
	MAT credit Entitlement	2225	
	Tax effect of items constituting deferred tax assets	**29,499**	**30,775**
	Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**29,490**	**30,761**
(b)	**Through Other Comprehensive Income**		
	Tax effect of items constituting deferred tax assets		
	Remeasurement of Defined Benefit Plan	231	317
	Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**231**	**317**
	Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**29,721**	**31,078**

7 . Other Assets (Non Current)

Particulars	**Unsecured, Considered Good**	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Advance with public bodies Sales Tax	296	308
(b)	Prepaid Lease Payments Cost*	723	-
(c)	Other loans and advances		
	(i) Prepaid expenses	4	8
	(ii) Others	1	11
(d)	Post Retirement benefit assets	-	65
(e)	Advance for Building Construction	15	-
	Total	**1,039**	**392**

* Amount paid towards acquisition of Leasehold Land from WBHIDCO.

8 . Inventories

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Stock in transit	-	7,074
Total	**-**	**7,074**

9 . व्यापार प्राप्य (चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
(क) सुरक्षित, अच्छा माना गया	3,49,739	3,15,842
(ख) असुरक्षित, अच्छा माना गया	34,482	46,045
(ग) असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	53,150	40,140
घटाएं : संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के लिए भत्ते	53,150	40,140
कुल	**3,84,221**	**3,61,887**

टिप्पणियाँ :

9.1 व्यापार प्राप्य

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से अधिक समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	85,900	44,137
असुरक्षित, अच्छा माना गया	30,761	42,941
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	53,150	40,140
घटाएं : संदिग्ध ऋण के लिए भत्ते	53,150	40,140
कुल	**1,16,661**	**87,078**
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से कम समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	2,63,839	2,71,705
असुरक्षित, अच्छा माना गया	3,721	3,104
	2,67,560	2,74,809
कुल	**3,84,221**	**3,61,887.00**

9.2: व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 के दौरान सोने के गहने के निर्यात पर ₹ 14782 लाख की राशि शामिल है। उक्त प्राप्य को एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अंतर्गत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा क्रय किया गया था। उक्त अनुबंध के अनुसार, एससीबी विदेशी खरीदारों पर एमएसटीसी द्वारा जारी बिलों का क्रय करेंगे एवं 95% राशि एमएसटीसी को भुगतान करेंगे और विदेशी खरीदार बिल की संबंधित नियत तिथियों को बिल के एवज में एससीबी को सीधे भुगतान करेंगे। उक्त निर्यात लेनदेन का आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एससीबी द्वारा बीमा भी किया गया था। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी से राशि का दावा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार किया। इसके बाद एससीबी ने प्राप्य को ऋण में परिवर्तित किया एवं डेब्ट् रिकवरी ट्रिब्यूनल, मुंबई में एक मामला दर्ज किया। एससीबी के उक्त दावे के विरूद्ध डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों में एमएसटीसी मामले को चुनौती दे रही है। एससीबी ने वसूली नहीं हुए बकाये की उक्त राशि के लिए बीमा कंपनी के विरूद्ध एक मुकदमा भी दायर किया है, जिसे निपटाया जाना अभी शेष है। मामलों के लम्बित निपटान को देखते हुए एमएसटीसी उक्त प्राप्य (निर्यात बिल) के क्रय के विरूद्ध एससीबी द्वारा एमएसटीसी को दी गई राशि के लिए बिना समायोजित किए प्राप्य के रूप में राशि को दर्शित कर रही है, जो कि टिप्पणी सं. 20 के माध्यम से उधार (चालू) के रूप में पृथक रूप में बहियों में दर्शित है।

9.3: व्यापार प्राप्य के कंपनी के पास ग्राहकों द्वारा बंधक रखे स्टॉक द्वारा या बैंक गारंटी द्वारा या देनदारी द्वारा आमतौर पर सुरक्षित रखा जाता है, जहाँ सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं से एक के बाद एक व्यवस्था रहती है। अनुरूपी प्राप्यों के बही मूल्य की तुलना में ऐसे बंधक रखे स्टॉक की वसूली योग्य मूल्य में कोई महत्वपूर्ण क्षीणता रहने पर, अंतर आई राशि को 'असुरक्षित' के अंतर्गत दर्शाया गया है।

9.4(क): व्यापार प्राप्य में, लगभग साढ़े पाँच वर्ष पहले, अक्टूबर, 2012 तक तीसरे पक्ष की सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से बकाया राशि ₹19544 लाख (पिछले वर्ष ₹ 19544 लाख) शामिल है। स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा संचालित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य ₹ 6230 लाख आया है। मध्यस्थता निर्णय की शर्तों के अनुसार पार्टी ने भुगतान करने में चूक की है। वित्तीय लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने के लिए एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख की भी वसूली हुई है। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) के पास अपना दावा किया है। एमएसटीसी के दावे को लेनदारों की समिति के द्वारा सुरक्षित प्रचालनीय लेनदार के रूप में स्वीकार किया गया है। ₹ 1500 लाख का तदर्थ प्रावधान लेखा बहियों में प्रस्तुत किया गया है।

9 . Trade Receivables (Current)

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Trade receivables		
(a) Secured considered good	3,49,739	3,15,842
(b) Unsecured, considered good	34,482	46,045
(c) Unsecured, considered doubtful	53,150	40,140
Less: Allowance for Doubtful trade receivables	53,150	40,140
Total	**3,84,221**	**3,61,887**

Notes:

9.1: Trade Receivables

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Trade Receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment:		
Secured, Considered good	85,900	44,137
Unsecured, Considered good	30,761	42,941
Unsecured, Considered Doubtful	53,150	40,140
Less: Allowance for doubtful debts	53,150	40,140
Total	**1,16,661**	**87,078**
Trade Receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment:		
Secured, Considered good	2,63,839	2,71,705
Unsecured, Considered good	3,721	3,104
	2,67,560	2,74,809
Total	**3,84,221**	**3,61,887.00**

9.2: Trade Receivables include an amount of ₹ 14782 lakh on account of export of gold jewellery during 2008-09. The said receivables were purchased by Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement . As per the said agreement, SCB would purchase the bills raised by MSTC on foreign buyers and pay 95% of the amount to MSTC and foreign buyers would be paying against the bills directly to SCB on respective due dates of the bills. The said export transactions were also insured by SCB with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from the foreign buyers, SCB claimed the amount from the insurance company. The Insurance company repudiated the claim of SCB. Thereafter SCB converted the receivables into debt and filed a case in Debt Recovery Tribunal, Mumbai. MSTC has been contesting the case in DRT and other forums against the said claim of SCB. SCB has also filed a suit against the insurance company for the said amount of unrealized dues which is yet to be disposed off. Pending disposal of the cases, MSTC has been showing the amount as receivables without adjusting the same against the amount paid by SCB to MSTC against purchase of the said receivables(export bills) which is being shown in books separately as Borrowing(Current) vide Note No. 20.

9.3: Trade receivables are generally secured either by way of stocks pledged by the customers with the Company or Bank Gurantees or by liability where there is back to back arrangement with the associate suppliers. In case there is a significant depletion in realizable value of such pledged stock against the book value of the corresponding receivables, the differential amount has been shown under 'Unsecured'.

9.4(a): Trade Receivables includes ₹ 19544 lakh (Previous Year ₹ 19544 lakh) due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. for procurement and supply of materials to the party up to October, 2012, almost five and half years ago. As per the volumetric analysis conducted by independent inspection agency, the net realizable value of pledged raw materials comes to ₹ 6230 lakh. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration award. The financial creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company.The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakh from the party during the financial year 2018-19. MSTC has filed its claim with the Resolution Professional (RP). MSTC's claim has been admitted by the Committee of Creditors as a secured operational creditor. An ad-hoc provision of ₹ 1500 lakh have been created in the books of accounts.

9.4(ख): व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124 लाख (पिछले वर्ष ₹ 22006 लाख) की बकाया राशि शामिल है। स्वतंत्र जाँच एजेंसी के माध्यम से निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का वसूलीयोग्य मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी आकलन एमएसटीसी द्वारा निष्पादित नहीं किया जा सका था। एनसीएलटी में वित्तीय लेनदारों द्वारा दर्ज किए गए दिवालियापन के मामले की स्वीकृति के अनुसार एमएसटीसी के एनसीएलटी के अधीन इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष दावा किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख की प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री प्राप्त की गई एवं ₹ 9088 लाख की वसूली हुई थी। ₹ 3000 लाख का तदर्थ प्रावधान लेखा बहियों में प्रस्तुत किया गया है।

9.4(ग): व्यापार प्राप्य में मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से ₹ 11484 लाख (पिछले वर्ष ₹ 11937) की बकाया राशि शामिल है। बकाये की संपूर्ण राशि तीन वर्षों से अधिक समय के लिए अतिदेय है। समझौता शर्तों के अनुसार, एमएसटीसी केवल अग्रिम भुगतान के विरूद्ध पार्टी के लिए कच्ची सामग्री प्राप्त करेगी। अग्रिम भुगतान में से, पुराने प्राप्य के लिए 10 % का समायोजन किया जाएगा एवं शेष 90 % का एमएसटीसी द्वारा फिर से क्रय किया जाएगा। फिर से किए गए क्रय में से, 50 % सामग्री जारी की जा रही है एवं शेष 50 % बंधक रखे स्टॉक के रूप में रखी जाती है। इस प्रकार प्राप्त भुगतान के 90% के विरूद्ध, 50% सामग्री नए स्टॉक एवं शेष 50% पुराने स्टॉक के विरूद्ध जारी की जाती है। इस प्रकार पुरानी सामग्री को नई सामग्री से बदली जाएगी। इस प्रक्रिया में सुरक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया है। परिणामस्वरूप, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य दिनांक 31.03.2017 के अनुसार ₹ 6870 लाख से बढ़कर 31.03.2018 को ₹14185 लाख पहुँच गया है(स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार), जो कि बकाया शेष की तुलना में बहुत अधिक है। इसके मद्देनजर और साथ ही बाजार की बेहतर स्थिति के कारण, वर्तमान वर्ष में कोई प्रावधान किया जाना आवश्यक नहीं समझा गया था।

9.4(घ): व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स ग्लोबल कोक लि. (जीसीएल) से ₹ 2831 लाख (पिछले वर्ष : ₹ 3031 लाख) की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। बकाये की पूरी राशि तीन वर्षों से अधिक के लिए अतिदेय है। पार्टी को एनसीएलटी के पास संदर्भ किया गया है एवं कंपनी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। पार्टी ने लेनदारों की समिति के अनुमोदन के साथ हाल ही में कार्य के आधार पर अपना सिंधुदुर्ग प्लांट शुरु किया है। पार्टी अपने जामनगर संयंत्र के लिए कार्यनीतिक निवेशक की तलाश कर रही है, ताकि निर्दिष्ट कार्य–आधार पर इसे शुरू किया जा सके, जहाँ कंपनी की बंधक रखी सामग्री पड़ी हुई हैं। यह आशा की जाती है कि यह संयंत्र एक बार प्रचालन में आने पर बंधक रखी सामग्री की खपत द्वारा कंपनी की संपूर्ण बकाया राशि का ऋणशोधन हो पाएगा। इसके अलावा, रखे हुए स्टॉक के स्वरूप की गुणवत्ता सुरक्षा में बाजार की प्रचलित उन्नत स्थिति के कारण उल्लेखनीय सुधार आया है, जिससे शुद्ध वसूली योग्य मूल्य 31.03.2017 के ₹ 1250 लाख से बढ़कर 31.03.2018 को ₹ 5311 लाख पहुँच गया है (स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार) जो कि बकाया शेष से बहुत अधिक है। ₹1030 लाख की राशि पहले ही 31 मार्च 2017 तक के लिए प्रावधान किया गया है। इसके मद्देनजर तथा स्टॉक में पड़ी सामग्री की उन्नत बाजार–स्थिति के ऋण वर्तमान वर्ष में कोई प्रावधान किया जाना आवश्यक नहीं समझा गया था।

9.5 व्यापार प्राप्य में सुगमीकरण (facilitator) माध्यम में किए गए व्यवसाय के लिए (प्रावधान छोड़कर) ₹ 293979 लाख की राशि शामिल है (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 275490 लाख)।

10 . नकद एवं नकद समतुल्य

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) हाथ में नकद	1	1
(ख) बैंक में शेष :		
चालू खाता में	17,573	7,177
कुल	**17,574**	**7,178**

11 . नकद एवं नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
बैंक के पास निर्दिष्ट शेष:		
(i) दावारहित लाभांश खाता में	99	86
(ii) 3 महीने के अधिक मगर 12 महीने से कम से मूल परिपक्वता के साथ जमा	32,911	37,594
कुल	**33,010**	**37,680**

11.1 उपर्युक्त जमा राशि में ओवरड्राफ्ट सुविधा के लिए बैंक में बंधक रखे ₹ 31,828 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 36,117 लाख) एवं गारंटी के विरुद्ध मार्जिन ₹ 955 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 953 लाख) शामिल है।

9.4(b): Trade Receivables includes ₹ 22124 lakh (Previous Year ₹ 22006 lakh) due from M/S Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. As per the volumetric analysis carried out by independent inspection agency, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. Volumetric assessment at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC. Pursuant to admission of a case of insolvency filed by financial creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year, procured materials on behalf of the party for ₹ 9206 lakh and realization was ₹ 9088 lakh. An ad-hoc provision of ₹ 3000 lakh have been created in the books of accounts.

9.4(c): Trade Receivable includes ₹ 11484 lakh (Previous year: ₹ 11937 lakh) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. Entire amount of outstanding is overdue for a period of more than three years. As per the settlement terms, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. Out of the advance payment, 10 % will be adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement will be made by MSTC. Out of the fresh procurement, 50% of material is being issued and balance 50% is kept as pledged stock. Thus against 90% of payment received, 50% of material is issued against fresh stock and balance 50% is issued against old stock, thereby replacing the old materials with the new one. In the process the quality of the security has improved significantly. As a result, net realizable value of the pledged stock has increased from ₹ 6870 lakh as on 31.03.2017 to ₹ 14185 lakh as on 31.03.2018 (as per the Volumetric Analysis carried out by independent inspection agency), which is much higher than the outstanding balance. In view of this and also due to improved market condition, no provision was considered necessary to be made in the current year.

9.4(d): Trade Receivables include ₹ 2831 lakh (Previous year: ₹ 3031 lakh) due from M/s Global Coke Ltd (GCL) for procurement and supply of materials which are more than three years old. Entire amount of outstanding is overdue for more than three years. The party has been referred to NCLT and the Company has filed its claim before Resolution Professional. The party, with the approval of Committee of Creditors, has recently started their Sindhudurg plant on job work basis. The party is also looking for a strategic investor for its Jamnagar plant to start on job work basis where the Company's pledged materials are lying. It is expected that the entire dues of the Company will be liquidated by way of consumption of pledged materials once this plant becomes operational. Further, the quality of security in the form of stock lying has improved significantly due to prevailing improved market condition, that resulted in increase in net realizable value from ₹ 1250 lakh as on 31.03.2017 to ₹ 5311 lakh as on 31.03.2018 (as per the Volumetric Analysis carried out by independent inspection agency), which is much higher than the outstanding balance. An amount of ₹ 1030 lakh has already been provided for upto 31st March, 2017. In view of this and also due to improved market condition of the material in stock, no provision was considered necessary to be made in the current year.

9.5: Trade Receivables include ₹ 293979 lakh, against business done in facilitator mode (net of provision) (P.Y 2016-17 ₹ 275490 lakh)

10 . Cash and Cash Equivalents

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Cash in hand	1	1
(b) Balances with banks:		
In Current Account	17,573	7,177
Total	**17,574**	**7,178**

11 . Bank balances other than cash & cash equivalents

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Earmarked Balances with banks:		
(i) In Unclaimed dividend account	99	86
(ii) Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	32,911	37,594
Total	**33,010**	**37,680**

11.1 The above deposits include ₹ 31,828 lakh pledged with banks against over draft facility (P.Y2016-17 ₹ 36,117 lakh).and margin against guarantee ₹ 955 lakh (P.Y 2016-17 ₹ 953 lakh).

12. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सुरक्षित जमा	3,525	5,131
(ख) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(i) कर्मचारियों को ऋण	62	74
(ii) कर्मचारियों को अग्रिम	17	18
(iii) तीसरे पक्ष से प्राप्य	54	978
(iv) दावे प्राप्य	-	45,081
(v) अन्य अग्रिम	185	14
(ग) निम्नोक्त पर प्रोद्भूत ब्याज		
(i) मियादी जमा	98	36
(ii) कर्मचारियों को ऋण	1	1
	3,942	**51,333**
घटाएं : खराब एवं संदिग्ध अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए भत्ते	-	45,081
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**3,942**	**6,252**
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों (चालू) का वर्गीकरण :		
असुरक्षित, अच्छा माना गया	3,942	6,252
संदिग्ध	-	45,081
घटाएं : खराब एवं संदिग्ध वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए भत्ते	-	45,081
कुल	**3,942**	**6,252**

13. अन्य परिसंपत्तियाँ (चालू)

विवरण (असुरक्षित, अच्छा माना गया)	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
जीएसटी, सेवा कर एवं बिक्री कर	372	29
(ख) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान	7	-
(ग) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(i) कर्मचारियों को ऋण	60	78
(ii) पूर्व प्रदत्त व्यय	5	28
(iii) अन्य	33	708
कुल	**477**	**843**

14. शेयर पूँजी

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अधिकृत :		
₹ 10 प्रत्येक के 5,00,00,000 सामान्य शेयर	5,000	5,000
कुल	**5,000**	**5,000**
निर्गत, अभिदत्त एवं पूर्ण प्रदत्त :		
₹ 10 प्रत्येक के 3,52,00,000 सामान्य शेयर	3,520	1,760
कुल	**3,520**	**1,760**

12 . Other Financial Assets (Current)

Amount in ₹ lakh

Particulars			As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Security deposits		3,525	5,131
(b)	Other loans and advances			
	(i)	Loans to employees	62	74
	(ii)	Advances to employees	17	18
	(iii)	Receivable from third party	54	978
	(iv)	Claims Receivable	-	45,081
	(v)	Other Advances	185	14
(c)	Interest accrued on			
	(i)	Term deposits	98	36
	(ii)	Loans to employees	1	1
			3,942	**51,333**
	Less: Allowance for bad & doubtful other financial assets		-	45,081
	Other financial assets		**3,942**	**6,252**
	Classification of other financial assets (Current):			
	Unsecured, considered good		3,942	6,252
	Doubtful		-	45,081
	Less: Allowance for bad and doubtful financial assets		-	45,081
	Total		**3,942**	**6,252**

13 . Other Assets (Current)

Particulars (Unsecured, considered good)			As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Advance with public bodies			
		GST , Service Tax & Sales Tax	372	29
(b)	Prepaid Lease Payments		7	-
(c)	Other loans and advances			
	(i)	Advances to employees	60	78
	(ii)	Prepaid expenses	5	28
	(iii)	Others	33	708
	Total		**477**	**843**

14 . Share Capital

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Authorised:		
5,00,00,000 Ordinary Shares of ₹ 10 each	5,000	5,000
Total	**5,000**	**5,000**
Issued, Subscribed and fully paid up :		
352,00,000 Ordinary Shares of ₹ 10 each	3,520	1,760
Total	**3,520**	**1,760**

14(क)(i) बकाये शेयरों के पुनर्मिलान का विवरण

राशि लाख ₹ में

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	सुरक्षित जमा	3,525	5,131
(ख)	अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(i)	कर्मचारियों को ऋण	62	74
(ii)	कर्मचारियों को अग्रिम	17	18
(iii)	तीसरे पक्ष से प्राप्य	54	978
(iv)	दावे प्राप्य	-	45,081
(v)	अन्य अग्रिम	185	14
(ग)	निम्नोक्त पर प्रोद्भूत ब्याज		

14(क)(i) बकाये शेयरों के पुनर्मिलान का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार			31 मार्च, 2017 के अनुसार		
	संख्या	अंकित मूल्य (रु.)	मूल्य (रु. लाख)	संख्या	अंकित मूल्य (रु.)	मूल्य (रु. लाख)
प्रारंभिक शेयर बकाया	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
जोड़ें :						
बोनस शेयर जारी करना	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
अंतिम शेयर बकाया :	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**

इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकार, अधिमान्य एवं प्रतिबंध।

14(क)(ii) कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के सामान्य शेयर (''इक्विटी शेयर'') है जिनका सममूल्य ₹ 10 प्रत्येक है। सामान्य शेयारों के प्रत्येक धाकर (''इक्विटी शेयरधारक'') एक वोट प्रति शेयर का अधिकारी है एवं लाभांश पाने एवं अधिशेष में भाग लेने के अधिकारी हैं, यदि समापन की स्थिति उत्पन्न होती है।

14(क)(iii) वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

14(क)(iv) वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 1:1 के अनुपात में 88,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

14(क)(v) 5% से अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

शेयरधारक का नाम	31 मार्च 2018 के अनुसार		31 मार्च 2017 के अनुसार	
	धारित शेयरों की सं.	शेयरधारिता का %	धारित शेयरों की सं.	शेयरधारिता का %
भारत के राष्ट्रपति	31625600	89.85%	15812800	89.85%

15 . अन्य इक्विटी

राशि लाख ₹ में

	विवरण	31 मार्च 2018 के अनुसार	31 मार्च 2017 के अनुसार
(1)	सामान्य आरक्षित निधि		
	प्रारंभिक शेष	46,933	46,730
	जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	2,683	203
	अंतिम शेष	**49,616**	**46,933**

14(a)(i) Statement of Reconciliation of Shares Outstanding

Amount in ₹ lakh

Particulars		As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Security deposits	3,525	5,131
(b)	Other loans and advances		
	(i) Loans to employees	62	74
	(ii) Advances to employees	17	18
	(iii) Receivable from third party	54	978
	(iv) Claims Receivable	-	45,081
	(v) Other Advances	185	14
(c)	Interest accrued on		

14(a)(i) Statement of Reconciliation of Shares Outstanding

Particulars	As at March 31, 2018			As at March 31, 2017		
	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Lakhs)	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Lakhs)
Opening Shares Outstanding	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
Add:						
Issue of Bonus Shares	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
Closing Shares Outstanding	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**

Rights, preferences and restrictions attached to equity shares.

14(a)(ii)The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

14(a)(iii) 66,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2012-13 in the ratio of 3:1

14(a)(iv) 88,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2016-17 in the ratio of 1:1

14(a)(v) Details of shareholders holding more than 5% of share holding

Name of the Shareholder	As at 31st March 2018		As at 31st March 2017	
	No. of shares held	% of holding	No. of shares held	% of holding
President of India	31625600	89.85%	15812800	89.85%

15 . Other Equity

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(1) General Reserve		
Opening balance	46,933	46,730
Add: Transfer from Retained Earnings	2,683	203
Closing Balance	**49,616**	**46,933**

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(2) प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक शेष	3,008	2,171
जोड़ें : वर्ष के लिए लाभ	7,663	6,543
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	(205)	(599)
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 15-16	-	(1,804)
घटाएं : अंतरिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 2016-17	-	(1,672)
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 16-17	(2,499)	-
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 15-16 (अंतिम लाभांश पर)	-	(361)
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतरिम लाभांश पर)	-	(187)
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतिम लाभांश पर)	(384)	-
घटाएं : बोनस शेयर जारी किया जाना	(1,760)	(880)
घटाएं : सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	(2,683)	(203)
अंतिम शेष	3,140	3,008
कुल अन्य इक्विटी (1+2)	**52,756**	**49,941**

16 . व्यापार देय (गैर चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
आपूर्तियों एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	26	26
कुल	**26**	**26**

17 . अन्य वित्तीय देनदारियाँ (गैर-चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
ईएफबीएस योजना के अधीन देनदारी		
- उधार पर प्रोद्भूत ब्याज एवं देय	94	68
कुल	**94**	**68**

18 . प्रावधान (गैर-चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा योजना के लिए प्रावधान	636	1,023
(ख) अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	342	258
(ग) उपदान के लिए प्रावधान	686	-
कुल	**1,664**	**1,281**

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(2) Retained Earnings		
Opening balance	3,008	2,171
Add: Profit for the year	7,663	6,543
Other Comprehensive income for the year	(205)	(599)
Less: Final Dividend: FY 15-16	-	(1,804)
Less: Interim Dividend FY 2016-17	-	(1,672)
Less: Final Dividend: FY 16-17	(2,499)	-
Less: Dividend Distribution Tax: FY 15-16 (on final dividend)	-	(361)
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on interim dividend)	-	(187)
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on final dividend)	(384)	-
Less: Issue of Bonus Shares	(1,760)	(880)
Less: Transfer to General Reserve	(2,683)	(203)
Closing Balance	3,140	3,008
Total Other Equity(1+2)	**52,756**	**49,941**

16 . Trade payables (Non Current)

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	26	26
Total	**26**	**26**

17 . Other financial liabilities (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Liability under EFBS Scheme		
- Interest accrued and due on borrowings	94	68
Total	**94**	**68**

18 . Provisions (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Provision for Post Retirement Medical Scheme	636	1,023
(b) Provision for Leave Encashment	342	258
(c) Provision for Gratuity	686	-
Total	**1,664**	**1,281**

19 . अन्य देनदारियाँ (गैर चालू)

राशि लाख ₹ में

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	ग्राहकों से अग्रिम	577	408
(ख)	अन्य	160	160
	कुल	**737**	**568**

20 - उधार (चालू)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क.	**सुरक्षित उधार**		
	मांग पर देय योग्य		
	बैंकों से		
	(i) कार्यशील पूंजी मांग ऋण #	41,406	31,557
	(ii) एफडीआर पर ग्रहणाधिकार (लियन) के विरूद्ध ओवरड्राफ्ट*	20,396	12,916
	कुल सुरक्षित उधार	**61,802**	**44,473**
ख.	**असुरक्षित उधार**		
	मांग पर देय योग्य		
	बैंकों से	14,362	24,362
	कुल असुरक्षित उधार	**14,362**	**24,362**
	कुल (क+ख)	**76,164**	**68,835**

क) इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) से ₹ 138 लाख का ऋण : (19.9.2011 से पड़ा हुआ) यह राशि बैंक द्वारा अपने दावे की प्रतिरक्षा में भुगतान किए गए कानूनी शुल्क को प्रस्तुत करता है जिस पर कंपनी ने बैंक पर एक विरोध दायर किया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरूद्ध ₹ 3,656 लाख के लिए कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है (जिसमें एलसी मूल्य के ऋण बाबत ₹ 2,798 लाख एवं कानूनी व्यय बाबत ऋण के रूप में ₹ 858 लाख शामिल है)

ख) उपरोक्त राशि प्राप्य क्रय अनुबंध के तहत 2008-09 के दौरान सोने के गहनों के लिए निर्यात बिलों के क्रय बाबत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा एमएसटीसी को भुगतान पर ₹ 14,362 लाख को प्रस्तुत करता है। उक्त अनुबंध के अंतर्गत, एससीबी निर्यात बिलों के मूल्य का 95% भुगतान एमएसटीसी को करेगी एवं विदेशी खरीदार बिल का भुगतान बिल की संबंधित नियत तिथियों को सीधे एससीबी को करेंगे। ये लेनदेन आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एक बीमा नीति के माध्यम से एससीबी द्वारा सुरक्षित रखे गए थे। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी के पास दावा जमा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार दिया। इसके पश्चात, एससीबी ने प्राप्य को ऋण में रूपांतरित किया एवं एमएसटीसी से राशि के लिए दावा किया और वर्ष 2012 में डीआरटी, मुंबई में एक मामला दायर किया। तदुपरांत एससीबी ने बीमा कंपनी के विरूद्ध बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया है जिसका निपटारा होना अभी शेष है। एमएसटीसी डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों में एसटीबी के दावे को चुनौती दे रही है। मामले के लम्बित निपटान को देखते हुए एमएसटीसी ने बेहतर प्रस्तुतीकरण हेतु टिप्पणी सं. 9 के अंतर्गत उधार एवं प्राप्य के रूप में एक साथ राशि को दर्शाया है। इंड एएस 37 के अनुसार उपरोक्त दावा राशि पर एससीबी द्वारा दावा किए गए ब्याज के लिए, आकस्मिक देनदारियों के रूप में उपरोक्त प्रकटन किए गए है।

चालू परिसंपत्तियों के विरूद्ध सुरक्षित

* एफडीआर वर्तमान वर्ष पर लियन द्वारा सुरक्षित ₹ 31,828 लाख, पिछला वर्ष ₹ 36,117 लाख

21 . व्यापार देय (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
आपूर्ति एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	2,50,976	2,50,534
- मजदूरी एवं वेतन प्रोद्भूत*	4,261	2,096
कुल	**2,55,237**	**2,52,630**

* इसमें कर्मचारी पेंशन लाभ, योजना के तहत लम्बित अनुमोदन हेतु प्रावधान बाबत ₹ 1,582 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 ₹ 1,322 लाख) एवं 01.01.2017 से देय कर्मचारियों के मजदूरी संशोधन बाबत ₹ 1,077 लाख (पिछले वर्ष ₹ 270 लाख) शामिल है।

19 . Other liabilities (Non Current)

Amount in ₹ lakh

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Advance from customers	577	408
(b)	Others	160	160
	Total	**737**	**568**

20 - Borrowings (Current)

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
A.	**Secured Borrowings**		
	Repayable on Demand		
	From Banks		
	(i) Working Capital Demand Loans#	41,406	31,557
	(ii) Overdraft against lien on FDR*	20,396	12,916
	Total Secured Borrowings	**61,802**	**44,473**
B.	**Unsecured Borrowings**		
	Repayable on Demand		
	From Banks	14,362	24,362
	Total Unsecured Borrowings	**14,362**	**24,362**
	Total(A+B)	**76,164**	**68,835**

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹138 lakh (lying since 19.9.2011)This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3,656 lakh (which includes ₹ 2,798 lakh towards debit of LC value & ₹ 858 lakh as debit towards legal expenses).

b) The above amount represents ₹ 14,362 Lakh on account of payment by Standard Chartered Bank(SCB) to MSTC towards purchase of exports bills for gold jewllery during 2008-09, under a Receivable Purchase Agreement. Under the said agreement SCB would be paying 95% of the value of export bills to MSTC and foreign buyers would be paying for the bill directly to SCB on respective due dates of the bills. The same transactions were covered by SCB through an insurance policy with ICICI Lombard General Insurance Company. On non-receipt of proceeds from foreign buyers, SCB submitted claims with the insurance company.The Insurance company repudiated the claim of SCB. There after, SCB converted the receivables into loan, claimed the amount from MSTC and filed a case in DRT, Mumbai in 2012. Subsequently SCB also filed a suit in Bombay High Court against the insurance company which is yet to be disposed off. MSTC has been contesting the claim of SCB in DRT and other forums. Pending disposal of the cases, MSTC has shown the amount simultaneously as Borrowing and Receivables under Note No. 9 for better presentation. Appropriate disclosure has been made as contingent liabilities for the interest claimed by SCB on the above mentioned amount of claim as per Ind AS 37.

Secured against Current Assets.

* Secured by lien on FDR current year ₹ 31,828 lakh, preivious year ₹ 36,117 lakh.

21 .Trade payables (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	2,50,976	2,50,534
- Accrued wages and salaries*	4,261	2,096
Total	**2,55,237**	**2,52,630**

*Includes ₹ 1,582 lakh (previous year 2016-17 ₹ 1,322 lakh) towards provision for pension benefit of employees,pending approval of the scheme and ₹ 1,077 lakh (previous years ₹ 270 lakh) towards wage revision of the employees due from 01.01.2017.

राशि लाख ₹ में

22 . अन्य वित्तीय देनदारियाँ (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) ब्याज देय		
(I) उधार पर ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	7	10
(ii) उधार पर ब्याज प्रोद्भूत मगर देय नहीं	7,889	7,889
(ख) दावारहित लाभांश	99	86
(ग) अन्य देनदारियों के लिए लेनदार		
(I) सुरक्षित जमा राशि/ईएमडी	37,486	59,223
(ii) ग्राहकों से प्राप्त राशि	38,463	12,444
(iii) ईएफबीएस के अंतर्गत जमा	132	74
(iv) ईएफबीएस जमा योजनाओं के अंतर्गत देय	31	22
(v) अन्य	67	47
कुल	**84,174**	**79,795**

23 . अन्य देनदारियाँ (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) वैधानिक देय		
(I) बिक्री कर एवं वैट देय	0	251
(ii) सेवा कर एवं जीएसटी देय	770	196
(iii) स्रोत पर कर कटौती एवं एकत्रित	498	298
(ख) ग्राहकों से अग्रिम	318	237
कुल	**1,586**	**982**

24 . प्रचालनों से राजस्व

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) वस्तुओं की बिक्री	1,56,524	1,19,550
(ख) सेवा प्रभार	27,563	20,280
(ग) अन्य प्रचालन राजस्व	10,540	3,039
कुल	**1,94,627**	**1,42,869**

(क) वर्ष के दौरान, ई–नीलामी पंजीकरण बाबत ₹ 608 लाख की राशि (पिछले वर्ष ₹ 346 लाख) एकत्रित की गई। वर्तमान वर्ष के कुल संग्रह में से ₹ 487 लाख की राशि (पिछले वर्ष ₹ 276 लाख) देनदारियों में रखी गई है जो तदुपरांत चार वर्षों में वितरित की जाएगी क्योंकि संबंधित पंजीकरण जीवन भर के लिए वैध है। दिनांक 31.03.2018 के अनुसार, संचित अवितरित शेष ₹ 895 लाख (पिछले वर्ष ₹ 645 लाख) है। शेष राशि जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष तक के लिए वैध है, को वर्तमान वर्ष के दौरान आय के रूप में हिसाब में लिया गया है।

(ख) अन्य प्रचालन राजस्व में ग्राहकों से ब्याज बाबत ₹ 9,673 लाख भी शामिल है। (पिछले वर्ष ₹ 2,424 लाख)

(ग) सेवा प्रभार एवं ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती ₹ 1,806 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2,129 लाख) है।

Amount in ₹ lakh

22 . Other Financial Liabilities (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Interest payable		
(i) Interest accrued and due on borrowings	7	10
(ii) Interest accrued but not due on borrowings	7,889	7,889
(b) Unclaimed dividends	99	86
(c) Creditors for other liabilities		
(i) Security deposits/EMD	37,486	59,223
(ii) Deposits received from customers	38,463	12,444
(iii) Deposit under EFBS	132	74
(iv) Payable under EFBS Deposit schemes	31	22
(v) Others	67	47
Total	**84,174**	**79,795**

23 . Other Liabilities (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Statutory Dues		
(i) Sales tax and VAT payable	0	251
(ii) Service Tax & GST payable	770	196
(iii) Tax deducted and collected at source	498	298
(b) Advance from customers	318	237
Total	**1,586**	**982**

24 . Revenue from operations

Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a) Sale of Goods	1,56,524	1,19,550
(b) Service Charges	27,563	20,280
(c) Other Operating Revenues	10,540	3,039
Total	**1,94,627**	**1,42,869**

(a) During the year, an amount of ₹ 608 lakh (previous year ₹ 346 lakh) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 487 lakh (previous year ₹ 276 lakh) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since related registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2018 is ₹ 895 lakh (previous year ₹ 645 lakh). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues also include Interest from customers ₹ 9,673 lakh (previous yr. ₹ 2,424 lakh).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1,806 lakh (previous year ₹ 2,129 lakh).

राशि लाख ₹ में

25. अन्य आय

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) ब्याज आय		
(1) एफडीआर पर ब्याज	1,891	3,535
(2) कर्मचारी अग्रिमों पर ब्याज	39	41
(ख) लाभांश आय		
सहायिकाओं में किए निवेशों से	617	888
(ग) देनदारी बट्टा पुनरांकित की गई	2,817	0
(घ) प्रावधान जो आवश्यक नहीं रहा, बट्टा पुनरांकित किया गया	45,952	2,418
(ङ) विविध आय	7	1
कुल	**51,323**	**6,883**

बैंक जमा पर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती ₹ 189 लाख (पिछले वर्ष ₹ 345 लाख) है

26 . स्टॉक-इन-ट्रेड का क्रय

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
स्टॉक-इन-ट्रेड का क्रय	1,47,896	1,24,247
कुल	**1,47,896**	**1,24,247**

27 . कर्मचारी लाभ व्यय

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) वेतन एवं मजदूरी	7,102	4,377
(ख) भविष्य एवं अन्य निधियों में अंशदान	1,170	289
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	468	340
कुल	**8,740**	**5,006**

(I) कोलकाता के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में, इस्पात मंत्रालय के आदेशानुसार, कार्यपालक कर्मचारियों का वेतन संशोधन दिनांक 01.04.1999 से प्रभावी हुआ था। इसका प्रभाव ₹ 1,574 लाख है जो उपर्युक्त में शामिल है।

(II) दिनांक 29/03/2018 की राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1420 (ङ) के अनुसार उपदान की उच्चतम सीमा को ₹ 10 लाख से बढ़ाकर ₹ 20 लाख किया गया है। इस परिवर्तन के बाबत ₹ 702 लाख की राशि को विगत सेवा लागत के रूप में स्वीकृति दी गई है।

28. वित्त लागत

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
ब्याज व्यय		
(I)बैंकों से अल्पकालिक उधारों पर ब्याज	1,926	4,935
(ii) ग्राहकों को भुगतान किया गया ब्याज	4,803	1,758
(iii) ईएफबीएस जमा राशियों के खाते पर ब्याज	-	6
कुल	**6,729**	**6,699**

Amount in ₹ lakh

25 . Other income

	Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a)	Interest income		
	(1) Interest on FDR	1,891	3,535
	(2) Interest on Employee Advances	39	41
(b)	Dividend Income		
	From investment in subsidiaries	617	888
(c)	Liability written back	2,817	0
(d)	Provision no longer required written back	45,952	2,418
(e)	Miscellaneous income	7	1
	Total	**51,323**	**6,883**

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 189 lakh (previous year ₹ 345 lakh).

26 . Purchases of Stock-in-Trade

Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
Purchases of Stock-in-Trade	1,47,896	1,24,247
Total	**1,47,896**	**1,24,247**

27 . Employee Benefit Expense

	Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a)	Salaries and Wages	7,102	4,377
(b)	Contribution to Provident and other funds	1,170	289
(c)	Staff welfare expenses	468	340
	Total	**8,740**	**5,006**

(I) In pursuant to Ministry of Steel's Order , complying the directive of Honble High Court of Kolkata, pay correction of Executive employees was effected w.e.f. 01.04.1999. The impact of this is ₹ 1,574 lakhs which is included in the above.

(II) As per Gazette Notification S.O 1420(E) dated 29/03/2018 the ceiling of Gratuity has been enhanced from ₹ 10 lakhs to ₹ 20 Lakhs. ₹ 702 lakhs towards the impact of this charge has been recognised as Past Service Cost.

28 . Finance costs

Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
Interest expense		
(i) Interest on Short term borrowings from Banks	1,926	4,935
(ii) Interest Paid to Customers	4,803	1,758
(iii) Interest on account of EFBS Deposits	-	6
Total	**6,729**	**6,699**

राशि लाख ₹ में

29 . अन्य व्यय

	विवरण		वर्तमान वर्ष 31.03.2018		पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क)	मरम्मत एवं रखरखाव		258		191
(ख)	ईडीपी व्यय		150		271
(ग)	बीमा शुल्क		2		2
(घ)	किराया		366		343
(ङ)	दर एवं कर		198		596
(च)	बैंक शुल्क		1,799		1,069
(छ)	यात्रा व्यय		348		327
(ज)	विदेशी यात्रा व्यय		8		11
(झ)	गाड़ी भाड़ा शुल्क		123		122
(ञ)	बैठक एवं सम्मेलन		110		183
(ट)	प्रशिक्षण		48		15
(ठ)	निदेशकों का बैठक शुल्क		3		2
(ड)	सांविधिक लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक				
	(i) लेखा परीक्षा शुल्क	6		6	
	(ii) कर लेखा परीक्षा शुल्क	1		1	
	(iii) फुटकर व्यय	6		4	
			13		11
(ढ)	स्टॉक यार्ड व्यय		57		5
(ण)	टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम		48		49
(त)	बिजली		119		119
(थ)	मुद्रण एवं लेखन सामग्री		33		45
(द)	मनोरंजन		22		20
(ध)	टेलीफोन शुल्क		38		44
(न)	विज्ञापन		89		164
(प)	कानूनी व्यय		138		173
(फ)	परामर्श शुल्क		87		86
(ब)	आंतरिक लेखापरीक्षा शुल्क		2		2
(भ)	फुटकर व्यय (आंतरिक लेखापरीक्षक)		4		4
(म)	कर्मचारी नियुक्ति व्यय		28		2
(य)	समाचारपत्र, पुस्तक एवं पत्रिकाएँ		5		3
(कक)	निगमित सामाजिक दायित्व (टिप्पणी सं.41 देखें)		215		80
(कख)	नीलामी निविदा व्यय		53		51
(कग)	खराब ऋण बट्टे में डाला गया		45,941		2,418
(कघ)	खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ते		13,881		3,122
(कङ)	विविध व्यय		14		12
(कच)	प्लॉट किराया		7		-
	कुल		**64,207**		**9,542**

Amount in ₹ lakh

29 . Other expenses

	Particulars		Current year 31.03.2018		Previous year 31.03.2017
(a)	Repairs and Maintainance		258		191
(b)	EDP Expenses		150		271
(c)	Insurance charges		2		2
(d)	Rent		366		343
(e)	Rates and taxes		198		596
(f)	Bank Charges		1,799		1,069
(g)	Travelling Expenses		348		327
(h)	Foreign Travelling Expenses		8		11
(i)	Car Hire Charges		123		122
(j)	Meeting and Conference		110		183
(k)	Training		48		15
(l)	Directors' Sitting Fees		3		2
(m)	Statutory Auditor's Remuneration				
	(i) Audit Fees	6		6	
	(ii) Tax Audit Fees	1		1	
	(iii) Out-of-Pocket Expenses	6		4	
			13		11
(n)	Stock Yard Expenses		57		5
(o)	Telex, Postage and Telegram		48		49
(p)	Electricity		119		119
(q)	Printing and Stationery		33		45
(r)	Entertainment		22		20
(s)	Telephone Charges		38		44
(t)	Advertisement		89		164
(u)	Legal Expenses		138		173
(v)	Consultancy Charges		87		86
(w)	Internal Audit fees		2		2
(x)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)		4		4
(y)	Staff Recruitment Expenses		28		2
(z)	Newspaper, Books and Periodicals		5		3
(aa)	Corporate Social Responsibility (Refer Note No- 41)		215		80
(ab)	Auction Tender Expenses		53		51
(ac)	Bad Debts Written off		45,941		2,418
(ad)	Allowance for Bad and Doubtful Advances		13,881		3,122
(ae)	Miscellaneous Expenses		14		12
(af)	Plot Rent		7		-
	Total		**64,207**		**9,542**

टिप्पणी 30 : 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्रारंभिक स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं अंतिम स्टॉक का विवरण

Note 30 : STATEMENT OF OPENING STOCK, PURCHASES, SALES AND CLOSING STOCK FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2018

(विगत वर्ष) (मात्रा '000 एमटी) (₹ लाख में)

(Previous Year) / (Qty '000 MT) / (Amount ₹ in lakh)

सामग्री का विवरण Description of materials	शुरूआती स्टॉक Opening Stock		क्रय Purchases		विक्रय Sales		अंतिम स्टॉक Closing Stock	
	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value	मात्रा Qty	मूल्य Value
कच्चा तेल Crude Oil	0	0	0	0	0	0	0	0
	0	0	(1170)	(34620)	(1170)	(34974)	0	0
कोक /कोल Coke / Coal	104	7074	2533	137306	2637	145847	0	0
	(40)	(1529)	(2291)	(89552)	(2227)	(84292)	(104)	(7074)
पाइपस एवं ट्यूबस Pipes & Tubes	0	0	31	7574	31	7622	0	0
	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
लौह अयस्क Iron Ore	0	0	63	3027	63	3072	0	0
	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)	(0)
				147907		156541		
				(124172)		(119266)		
जोड़ें : Add : अंतिम बिल समायोजन Final Bill Adj.				(11)		(17)		
				(51)		(284)		
जोड़ें : Add : अन्य प्रत्यक्ष व्यय Other Direct Expenses				0		0		
				(24)		(0)		
कुल : Total :				**147896**		**156524**		
				(124247)		**(119550)**		

टिप्पणी 31 : टिप्पणी सं. 30 के अलावा, कंपनी ने सुगमकर्ता (फेसिलिटेटर) के रूप में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सामग्री का भी क्रय किया है:

Note 31 : In addition to Note no. 30, the Company have also purchased materials as facilitator as per details below:

(विगत वर्ष) (मात्रा '000 एमटी) (₹ लाख में)

(Previous Year) / (Qty '000 MT) / (Amount ₹ in lakh)

सामग्री का विवरण **Description of materials**	मात्रा **Qty**	खरीद मूल्य **Purchase Value**	अर्जित सेवा प्रभार **Service Charges Earned**
एच आर क्वॉयल H R Coil	10	4766	45
	(1)	(313)	(3)
कोक / कोल Coke / Coal	1650	132223	1847
	(1052)	(77891)	(1603)
बिलेट्स Billets	25	7797	77
	(53)	(12785)	(139)
नेप्था Naptha	109	33972	378
	(267)	(79880)	(873)
लौह अयस्क / पेलेट Iron Ore / Pellete	12222	317029	3848
	(3884)	(49076)	(819)
मैंगनीज अयस्क Manganese Ore	55	6633	66
	(3)	(546)	(9)
डीआरआई DRI	318	12531	168
	(25)	(3709)	(56)
विविध सामग्रियां Misc Items	1625	21543	295
	(116)	(42639)	(477)
टीएमटी बार TMT Bar	290	127258	1194
	(85)	(32756)	(309)
क्रोम ओर Chrome Ore	23	2550	25
	(127)	(9272)	(114)
चैनल Channel	0	0	0
	(63)	(21865)	(206)
विद्युत उपकरण Electrical Equipment	0	162547	1475
	(0)	(4786)	(74)
कुल Total	**16327**	**828849**	**9418**
	(5676)	**(335518)**	**(4682)**

टिप्पणी 32 : इंड एएस 108 के अनुसार सेगमेंट–वार रिपोर्टिंग :
Note 32 : Segmental Reporting as per INDAS 108:

(₹ लाख में) (Amount ₹ in lakh)

इंड एएस 108 के अनुसार, कंपनी ने मार्केटिंग एवं ई–कॉमर्स को अपने दो प्राथमिक रिपोर्ट योग्य व्यवसाय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है।

In terms of INDAS 108 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments.

विवरण **Particulars**	विपणन **Marketing**	ई–कॉमर्स **E-Commerce**	अन्य (अनावंटित) **Others (unallocated)**	कुल **Total**
कुल राजस्व Total Revenue	226275 (132610)	19006 (16188)	669 (954)	245950 (149752)
कुल व्यय Total expenses	223320 (131991)	256 (332)	11215 (7768)	234791 (140091)
परिणाम (लाभ/हानि(–) कर पूर्व) Result (Profit/Loss(-) before Tax)	2955 (619)	18750 (15856)	(10546) (-6814)	11159 (9661)
कर व्यय Tax expenses				3496 (3118)
अवधि के लिए लाभ/हानि (–) Profit/ Loss(-) for the period				7663 (6543)

कंपनी के व्यवसाय में प्रयुक्त परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को किसी भी रिपोर्ट योग्य सेगमेंट या खंड में चिह्नित नहीं किया गया है, क्योंकि ये खंडों के मध्य अंतर–परिवर्तन के रूप में प्रयोग किए गए हैं। इसलिए प्रबंधन को विश्वास है कि परिसंपत्तियों एवं देनदारियों से संबंधित खंड का प्रकटन व्यवहारयोग्य नहीं है।

Assets and liabilities used in the Company's business are not identified to any of the reportable segments,as these are used interchangably between the segments. Hence the Management believes, that it is currently not practicable to provide segment disclosure related to assets and liabilities.

प्रमुख ग्राहकों के बारे में सूचना Information about major customers

संस्था के राजस्व के 10 प्रतिशत या अधिक की राशि वाले एकल बाह्य ग्राहक के साथ लेनदेन से प्राप्त राजस्व नीचे दिए गए हैं :
The revenues from tranactions with a single external customer amounting to 10 per cent or more of the entity's revenues are given below:-

(₹ लाख में) (Amount in ₹ lakh)

प्रमुख ग्राहक (10% से अधिक राजस्व रखने वाले ग्राहक) **Major Customer (Customer having more than 10% revenue)**	**2017-18**	**2016-17**
कुल राजस्व Total Revenue	148901	89524
ग्राहक की सं. No. of Customers	3	3
कुल राजस्व का % % of Total Revenue	77	62
उत्पाद खंड Product Segment	Marketing	Marketing

(रु. लाख में) (Amount in ₹ lakh)

33 (क) विदेशी मुद्रा में व्यय :
(a) Expenditure incurred in Foreign Currency :

विवरण Particulars	**2017-18**	**2016 - 2017**
सामानों का आयात Import of Goods	225300	192243
यात्रा खर्च एवं अन्य Travelling Expenses & other	3	8
कुल Total	**225303**	**192251**

33 (ख) विदेशी मुद्रा में आय :
(b) Earnings in Foreign Currency :

विवरण Particulars	**2017-18**	**2016 - 2017**
ई–नीलामी पंजीयन शुल्क E auction Registration fees	1	1
कुल Total	**1**	**1**

(₹ लाख में) Amount in ₹ lakhs

34. आकस्मिक देनदारियाँ एवं प्रतिबद्धताएँ Contingent Liabilities and Commitments

विवरण Particulars	31 मार्च, 2018 के अनुसार As at March 31, 2018	31 मार्च, 2017 के अनुसार As at March 31, 2017
(क) आकस्मिक देनदारियाँ Contingent Liabilities		
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क Sales Tax & Customs	4164	4784
मुद्रा मामले Money Suits	14522	16729
पंचाट Arbitration	30	44
आय कर Income Tax	706	529
सेवा कर Service Tax	1585	1596
कुल Total	**21007**	**23682**

(ख) प्रतिबद्धताएँ Commitments

विवरण Particulars	31 मार्च, 2018 के अनुसार As at March 31, 2018	31 मार्च, 2017 के अनुसार As at March 31, 2017
न्यू टाउन कोलकाता में नये कार्यालय भवन का निर्माण Construction of New Office Building at New Town Kolkata	2651	-
कुल Total	**2651**	**-**

35 . सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम Micro Small And Medium Enterprises

एमएसएमई की देय राशि (टिप्पणी सं. 22 में प्रकट किए अनुसार) ऐसे उपक्रमों की चिह्नित सीमा तक है। कंपनी ने सामान्यतया एमएसएमई इकाइयों को नियत समय में भुगतान किया है एवं ब्याज या अतिदेय भुगतान के लिए पार्टियों से कोई दावा नहीं है। कंपनी सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसएमई) आदेश 2012 के लिए सार्वजनिक क्रय नीति के दिशानिर्देशों का पालन कर रही है।

The amount due to MSME (as disclosed in note no 22) is to the extent such undertakings have been identified. The Company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment. The Company is following the guidelines of Public Procurement Policy for Micro & Small Enterprises (MSMEs) Order 2012.

36 . कर व्यय Tax Expenses

(I) लाभ या हानि में आय कर की मान्यता Income Tax Recognised in Profit or Loss

विवरण Particulars	31 मार्च, 2018 के अनुसार As at March 31, 2018	31 मार्च, 2017 के अनुसार As at March 31, 2017
(1) चालू कर Current tax		
- वर्ष के लिए For the year	2,225	3,329
- पूर्व के वर्षों के लिए For earlier years	-	59
	2,225	3,388
(2) आस्थगित कर Deferred tax	1,271	(270)
चालू वर्ष में कुल आयकर व्यय की मान्यता Total income tax expense recognised in the current year	**3,496**	**3,118**

(₹ लाख में)

(II) वर्ष के लिए आय कर व्यय को लाभ (हानि) के लेखाकरण में निम्नानुसार सामंजस्य किया जा सकता है :

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ	11,159	9,661
आय कर व्यय की गणना 34.608 % पर (2016-17: 34.608 %)	3,862	3,344
व्यय का प्रभाव जो करयोग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य नहीं है	(7202)	21
आय का प्रभाव जो कर से मुक्त है	(214)	(306)
अग्रेनीत व्यवसाय हानि	7,050	-
	3,496	3,059
पूर्व वर्षों के चालू कर के संबंध में समायोजन	-	59
चालू वर्ष में मान्य कुल आय कर व्यय	**3,496**	**3,118**

उपर्युक्त के मिलान में वर्ष 2017-18 एवं 2016-17 के लिए प्रयुक्त कर दर भारतीय कर कानून के अंतर्गत कर योग्य लाभों पर भारत में निगमित संस्थाओं द्वारा देय 34.608% की निगमित कर दर है (30% के साथ अधिकर 12% की दर से एवं शिक्षा प्रभार 3 % की दर से)। वित्तीय वर्ष 2017-18 की आस्थगित कर गणना के लिए, वित्तीय वर्ष 2018-19 के संबंध में 34.944% की आय कर दर (30% के साथ 12% अधिकार एवं 4% की दर से शिक्षा प्रभार) को विवेचित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्रभावी कर दर है 31.329% (वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु 31.272%)।

व्यवसाय हानि एवं मूल्यह्रास बाबत कुल ₹ 20178 लाख की अग्रेनीत राशि है। तथापि, कंपनी के पास ₹ 2225 लाख की एमएटी देनदारी है जिसके लिए कंपनी के पास अगले आकलन वर्षों में उन वर्षों के लिए आय पर देय कर के विरूद्ध क्रेडिट पाने का अधिकार है। कंपनी को लगता है कि आनेवाले वर्षों में पर्याप्त लाभ प्राप्त होगा जो न केवल अग्रेनीत, हानि को क्षतिपूरित करेगा, बल्कि कर योग्य लाभ प्राप्त होगा। तदनुसार, आस्थगित कर परिसंपत्तियों को अग्रेनीत व्यवसाय हानि,मूल्य ह्रास एवं एमएटी क्रेडिट अधिकार के लिए मान्यता दी गई है।

(III) आस्थगित कर में बदलाव

विवरण	31 मार्च, 2017 के अनुसार	वर्ष के लिए प्रभार (क्रेडिट)	31 मार्च, 2018 के अनुसार
लाभ या हानि के माध्यम से			
आस्थगित कर देनदारियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ	14.00	(5.00)	9.00
कुल	**14.00**	**(5.00)**	**9.00**
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	7.00	7.00
अन्य व्यय के बाबत प्रावधान	1,281.00	363.00	1,644.00
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए भत्ते	13,892.00	4,681.00	18,573.00
संदिग्ध प्राप्य दावे के लिए भत्ते	15,602.00	(15,602.00)	-
अनाव्शोषित व्यवसाय हानि	-	7,050.00	7,050.00
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	-	2,225.00	2,225.00
शुद्ध आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**30,775.00**	**(1,276.00)**	**29,499.00**
कुल आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**30,761.00**	**(1,271.00)**	**29,490.00**
अन्य व्यापक आय के माध्यम से			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ			
परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन	317.00	(86.00)	231.00
सकल आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**31,078.00**	**(1,357.00)**	**29,721.00**

(Amount in ₹ lakh)

(II) The income tax expense for the year can be reconciled to the accounting profit (loss) as follows:

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Profit before tax for the year	11,159	9,661
Income tax expense calculated at 34.608 % (2016-17: 34.608 %)	3,862	3,344
Effect of expenses that are not deductible in determining taxable profit	(7202)	21
Effect of income that is exempt from tax	(214)	(306)
Carry Forward of Business Loss	7,050	-
	3,496	3,059
Adjustment in respect of current tax of prior years	-	59
Total income tax expense recognised in the current year	**3,496**	**3,118**

The tax rate used for the year 2017-18 and 2016-17 in the reconciliations above is the corporate tax rate of 34.608% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 3 %) payable by corporate entities in India on taxable profits under the Indian Tax Law. For Deferred Tax calculation of financial year 2017-18, Income Tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %) pertaining to financial year 2018-19 has been considered.The effective tax rate for F.Y. 2017-18 is 31.329% (For P.Y. 2016-17 is 31.272%).

There is carry forward of business loss and depreciation agrregating to ₹ 20178 lakh. However the Company has a MAT liability of ₹ 2225 lakh for which Company is entitled to credit in next asseessment years against tax payable on income for those years.The Company feels that it will earn sufficient profit in coming years,not only to offset the carry forward loss but also will have taxable profit. Accordingly deferred tax assets has been recognised for carry forward of business loss,depreciation and MAT credit entitlement.

(III) Movement in Deferred Tax

Particulars	As at March 31, 2017	Charge/ (credit) for the Year	As at March 31, 2018
Through Profit or Loss			
Deferred Tax Liabilities			
Property, Plant & Equipment and Intangible Assets	14.00	(5.00)	9.00
Total	**14.00**	**(5.00)**	**9.00**
Deferred Tax Assets			
Property, Plant & Equipment and Intangible Assets	-	7.00	7.00
Provison against other expenses	1,281.00	363.00	1,644.00
Allowance for Doubtful Debts & Advances	13,892.00	4,681.00	18,573.00
Allowance for Doubtful Claims Receivable	15,602.00	(15,602.00)	-
Unabsorbed business loss	-	7,050.00	7,050.00
MAT Credit Entitlement	-	2,225.00	2,225.00
Net Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**30,775.00**	**(1,276.00)**	**29,499.00**
Total Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**30,761.00**	**(1,271.00)**	**29,490.00**
Through Other Comprehensive Income			
Deferred Tax Assets			
Remeasurement of Defined Benefit Plan	317.00	(86.00)	231.00
Gross Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**31,078.00**	**(1,357.00)**	**29,721.00**

(₹ लाख में)

37 . प्रति शेयर आय

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के लिए लाभ	7,663	6,543
शेयरधारकों को आरोप्य लाभ	7,663	6,543
मूल ईपीएस के लिए शेयरों की भारित औसत सं. *	3,52,00,000	3,52,00,000
सामान्य शेयरों का आम मूल्य (₹)	10.00	10.00
प्रति शेयर मूल/मिश्रित आय (₹ प्रति शेयर)	22	19

* 2017-18 के दौरान 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए जाने के कारण देय पुन: व्यक्त किए गए

38 . वित्तीय लेखपत्र पर प्रकटन

यह प्रभाग कंपनी के वित्तीय साधनों के महत्व का अवलोकन प्रस्तुत करता है एवं वित्तीय साधनों से संलग्न तुलनपत्र के सामानों पर अतिरिक्त सूचना प्रदान करता है।। महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के साथ परिसंपत्ति मान्यता के लिए मानदंड,वित्तीय संपत्ति, वित्तीय देयता एवं इक्विटी साधन की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में मापन के आधार एवं आय और व्यय को जिस आधार पर मान्यता दी गई है, का विवरण स्टैंडएलोन वित्तीय विवरणियों की टिप्पणियों में प्रकट किये गए हैं।

(1) वित्तीय लेखपत्र की श्रेणियाँ

निम्नलिखित तालिका वर्ष के अंत में प्रत्येक श्रेणी की वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की अग्रेनीत राशि एवं उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। उचित मूल्य अग्रेनीत मूल्य के समकक्ष है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ	31 मार्च, 2018 के अनुसार (₹ लाख में)	31 मार्च, 2017 के अनुसार (₹ लाख में)	जिस पर मापे गए
व्यापार प्राप्य	3,84,221	3,61,887	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	4,515	6,904	परिशोधित लागत
नकद एवं नकद समकक्ष	17,574	7,178	परिशोधित लागत
अन्य बैंक शेष	33,010	37,680	परिशोधित लागत
निवेश	2641	1,891	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**4,41,961**	**4,15,540**	
वित्तीय देनदारियाँ			
उधार	76,164	68835	परिशोधित लागत
व्यापार देय	2,55,263	2,52,656	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	84,268	79,862	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय देनदारियाँ	**4,15,695**	**4,01,354**	

(2) पूंजी प्रबंधन

कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करती है कि कंपनी ऋण और इक्विटी शेष के अनुकूलन के माध्यम से शेयरधारकों को रिटर्न के अधिकतम करते हुए कंपनी जारी रहती है। कंपनी किसी भी बाहरी रूप से नियोजित पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है।

(3) वित्तीय जोखिम प्रबंधन के उद्देश्य

कंपनी के कॉर्पोरेट ट्रेजरी कार्य व्यापार के लिए सेवाएं प्रदान करता है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक पहुंच का समन्वय, कंपनी के संचालन से जुड़े वित्तीय जोखिमों का प्रबंधन और निगरानी करता है। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (जैसे–मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम), क्रेडिट जोखिम और तरलता जोखिम शामिल है। नीतियों और उपस्थिति सीमाओं के अनुपालन की निरंतर आधार पर आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा समीक्षा की जाती है। कंपनी अव्यवहार्य के प्रयोजनों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों समेत वित्तीय साधनों में शामिल नहीं होती है और न ही व्यापार करती है।

(क) बाजार जोखिम

कंपनी की गतिविधियां, मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को प्रदर्शित करती है। मामले के आधार पर, विनिमय दर जोखिम का बचाव करने के लिए कंपनी फॉरवर्ड विदेशी मुद्रा अनुबंधों को अपनाती है।

Amount in ₹ lakhs

37 . Earnings Per Share

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Profit for the year	7,663	6,543
Profit attributable to Shareholders	7,663	6,543
Weighted average No. of Shares for Basic EPS*	3,52,00,000	3,52,00,000
Nominal value of Ordinary Shares (₹)	10.00	10.00
Basic/Diluted Earnings per Share (₹ Per Share)	22	19

* Restated due to issue of bonus share during 2017-18 in the ratio of 1:1

38 . Disclosures on Financial Instruments

This section gives an overview of the significance of financial instruments for the Company and provides additional information on balance sheet items that contain financial instruments.The details of significant accounting policies, including the criteria for recognition, the basis of measurement and the basis on which income and expenses are recognized, in respect of each class of financial asset, financial liability and equity instrument are disclosed in notes to the standalone financial statements.

(1) Categories of Financial Instruments

The following table presents carrying amount and fair value of each category of financial assets and liabilities as at the year end. The Fair value is equivalent to the Carrying value.

Financial assets	As at March 31, 2018 ₹ In lakh	As at March 31, 2017 ₹ In lakh	Measured at
Trade Receivables	3,84,221	3,61,887	Amortised cost
Other Financial Assets	4,515	6,904	Amortised cost
Cash and Cash Equivalents	17,574	7,178	Amortised cost
Other Bank Balances	33,010	37,680	Amortised cost
Investments	2641	1,891	Amortised cost
Total Financial Assets	**4,41,961**	**4,15,540**	
Financial Liabilities			
Borrowings	76,164	68835	Amortised cost
Trade Payables	2,55,263	252656	Amortised cost
Other Financial Liabilities	84,268	79862	Amortised cost
Total Financial Liabilities	**415695**	**401354**	

(2) Capital Management

The Company manages its capital to ensure that the Company is able to continue as going concern while maximising the return to shareholders through the optimisation of the debt and equity balance.The Company is not subject to any externally imposed capital requirements.

(3) Financial Risk Management objectives

The Company's Corporate Treasury function provides services to the business, co-ordinates access to domestic and international financial markets , monitors and manages the fianancial risks relating to the operations of the Company. These risks include market risk (like- currency risk, interest rate risk and other price risk), credit risk and liquidity risk. Compliance with policies and exposure limits is reviewed by the internal auditors on a continuous basis. The Company does not enter into or trade in financial instruments, including derivative financial instruments, for speculative purposes.

(a) Market Risk

The Company's activities exposes it ,primarily to the financial risks of changes in foreign currency exchange rates . On a case to case basis, the Company enters into Forward foreign exchange contracts to hedge the exchange rate risk.

(i) ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

वर्तमान मे कंपनी ने अपने अधिकतम ऋण को एमसीएलआर के आधार पर परिवर्तित किया है, इसलिए दर अनुबंध अवधि के लिए आम तौर पर एक वर्ष के लिए स्थिर है। ओवरड्राफ्ट सुविधा पर और ब्याज सावधि जमा के ब्याज के साथ जुड़ा हुआ है, जो आम तौर पर एक वर्ष के लिए निर्दिष्ट है।

(ii) विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

कंपनी का विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आयात देयताओं के कारण होता है। लेनदेन ग्राहकों के साथ एक के बाद एक के आधार पर है। लाभ और हानि अगर हो तो ग्राहक को उपलब्ध कराया जाता है। ग्राहकों के साथ चर्चा कर विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को बचाने के लिए कभी–कभी फॉरवार्ड कवर लिया जाता है। जहां भी विदेशी मुद्रा में उतार–चढ़ाव हो, ग्राहकों द्वारा उनके साथ समझौता के अनुसार वहन किया जाता है, विदेशी मुद्रा लाभ / हानि को पुस्तकों में मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटरपार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को नुकसान होता है। कंपनी ने जहां उपयुक्त हो, चूक से वित्तीय नुकसान के जोखिम को कम करने के एक साधन के रूप में केवल ऋणयोग्य काउंटार पार्टी के साथ काम करने की नीति अपनाई है, कंपनी केवल ऐसी संस्थाओं से लेनदेन करती है, जो उपलब्ध एर्जेंसियों द्वारा रेट किए गए हैं और अगर उपलब्ध नहीं है तो कंपनी अपने प्रमुख ग्राहकों को रेट करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वित्तीय जानकारी और अपने पिछले रिकॉर्ड का उपयोग करती है। कंपनी के जाखिम और उसके प्रतिपक्षों की क्रेडिट रेटिंग पर नजर रखी जाती है और निष्कर्ष निकाले गए लेनदेन का एकत्रित मूल्य अनुमोदित काउंटरपार्टी मै प्रसारित किया जाता है। क्रेडिट एक्सपोजर को काउंटरपार्टी का सीमाओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो वरिष्ठ प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा की जाती है और उन्हें अनुमोदित किया जाता है।

(ग) तरलता जोखिम प्रबंधन

कंपनी लगातार भविष्य की और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और दायित्वों की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करने पर्याप्त भंडार, बैंकिंग सुविधाएं और आरक्षित उधार सुविधा बनाए रखने के तरलता जोखिम का प्रबंध करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च, 2018 के अनुसार अनुमानित ब्याज भुगतान सहित वित्तीय देनदारियों की संविदागत छूट रहित नकद दायित्वों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

वित्तीय देयताएं	**31, मार्च 2018 के अनुसार**				
	आगे लायी गई राशि (₹ लाख में)	ठेकागत नकद प्रवाह (₹ लाख में)	1 वर्ष से कम (₹ लाख में)	1 - 5 वर्ष के बीच (₹ लाख में)	5 वर्ष से अधिक (₹ लाख में)
उधार	76,164	76,164	76,164	-	-
व्यापार देय	2,55,263	2,55,263	2,55,237	26	-
अन्य वित्तीय देयताएं	84,268	84,295	84,175	83	37
कुल	**4,15,695**	**4,15,722**	**4,15,576**	**109**	**37**

वित्तीय देयताएं	**31, मार्च 2017 के अनुसार**				
	आगे लायी गई राशि (₹ लाख में)	ठेकागत नकद प्रवाह (₹ लाख में)	1 वर्ष से कम (₹ लाख में)	1 - 5 वर्ष के बीच (₹ लाख में)	5 वर्ष से अधिक (₹ लाख में)
उधार	68,835	68,835	68,835	-	-
व्यापार देय	2,52,656	2,52,656	2,52,630	26	-
अन्य वित्तीय देयताएं	79,862	79,886	79,794	61	31
कुल	**4,01,354**	**4,01,378**	**4,01,260**	**87**	**31**

(घ) उचित मूल्य माप

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं में से कोई भी उचित मूल्य पर मापा नहीं जाता है।

(i) Interest Rate Risk Management

At present company has converted maximum of its loan to MCLR based, hence the rate is firm for a contract period usually for a year. Further Interest on Overdraft facility is linked with interest of Fixed deposits, which are usually firm for one year.

(ii) Foreign Currency Risk Management

The foreign currency exposure of the Company is due to import liabilities. Transactions are on back to back basis with customers . The gain and loss if any is passed on to the customers. Some times forward cover is taken to hedge the related foreign currency exposure in terms of discussion with the customers.Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

(b) Credit Risk Management

Credit risk refers to the risk that a counterparty will default on its contractual obligations resulting in fianacial loss to the Company . The Company has adopted a policy of only dealing with creditworthy counterparties , where appropriate, as a means of mitigating the risk of financial loss from defaults. The Company only transact with entities that are rated by agencies where available and if not available , the company uses other publicly available financial information and its own past records to rate its major customers. The Company's exposure and the credit ratings of its counterparties are monitored and the aggregated value of transactions concluded is spread amongst approved counterparties. Credit exposure is controlled by counterparty limits that are reviewed and approved by the Senior Management Committee.

(c) Liquidity Risk Management

The Company manages liquidity risk by maintaining adequate reserves, banking facilities and reserve borrowing facilities, by continuously monitoring forecast and actual cash flows,and by matching the maturity profiles of financial assets and liablities.

The table below provides details regarding the contractual undiscounted cash obligations of financial liabilities including estimated interest payments as at 31st March 2018.

Financial Liabilities	**As at March 31, 2018**				
	Carrying amount (₹ In lakh)	**Contractual cash flows (₹ In lakh)**	**less than 1 year (₹ In lakh)**	**between 1 - 5 years (₹ In lakh)**	**More than 5 years (₹ In lakh)**
Borrowings	76,164	76,164	76,164	-	-
Trade payables	2,55,263	2,55,263	2,55,237	26	-
Other financial liabilities	84,268	84,295	84,175	83	37
Total	**4,15,695**	**4,15,722**	**4,15,576**	**109**	**37**

Financial Liabilities	**As at March 31, 2017**				
	Carrying amount (₹ In lakh)	**Contractual cash flows (₹ In lakh)**	**less than 1 year (₹ In lakh)**	**between 1 - 5 years (₹ In lakh)**	**More than 5 years (₹ In lakh)**
Borrowings	68,835	68,835	68,835	-	-
Trade payables	2,52,656	2,52,656	2,52,630	26	-
Other financial liabilities	79,862	79,886	79,794	61	31
Total	**4,01,354**	**4,01,378**	**4,01,260**	**87**	**31**

(d) Fair Value Measurement

None of the Company's financial assets and financial liabilities are measured at fair value at the end of the reporting period.

39 . संबंधित पार्टी के लेनदेन

(क) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक को पारिश्रमिक

		पारिश्रमिक (लाख ₹ में)			
विवरण	संबंधित पार्टी का स्वरूप/संबंध	अल्पकालिक लाभ	नियुक्ति उपरान्त लाभ	अन्य दीर्घावधि लाभ	कुल
31 मार्च, 2018 के रूप में वर्तमान वर्ष					
श्री बमबहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	42	10	9	61
श्री ए.के. बसु	निदेशक (वित्त)	40	10	4	54
श्रीमती भानु कुमार (12.10.2017 से 31.03.2018 तक)	निदेशक (वाणिज्य)	12	9	7	28
श्री एस.के. राय	कंपनी सचिव	30	1	-	31
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	1*	-	-	1
श्री टी.वी. मुरलीवल्लवन	स्वतंत्र निदेशक	2*	-	-	2
31 मार्च, 2017 के रूप में पूर्ववर्ती वर्ष					
श्री बमबहादुर सिंह (01.06.2016 से 31.03.2017 तक)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	36	3	-	39
श्री एस. के. त्रिपाठी (01.04.2016.से 31.05.2016 तक)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	29	1	-	30
श्री ए. के. बसु	निदेशक (वित्त)	40	2	-	42
श्री एस. के. राय	कंपनी सचिव	28	1	-	29
श्री अजय कुमार गोयल	स्वतंत्र निदेशक	2*	-	-	2

टिप्पणी : *यह निदेशक के बैठक शुल्क का सूचक है।

(i) चूंकि कंपनी द्वारा निदेशकों को सीमित दूरी के लिए निजी इस्तेमाल हेतु कार की सुविधा दी जाती है इसलिए ऐसी सुविधा को लाभ/परिलाभ विवेचित नहीं किया गया है।

(ii) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान आधार पर निष्पादन संबंधी भुगतान शामिल है।

(ख) एफएसएनएल के साथ लेनदेन (100% सहायिका)

(₹ लाख में)

विवरण	2017-18	2016-17
मालगोदाम प्रबंधन के लिए अभिरक्षण सेवा का भुगतान	230	176
ई–नीलामी सेवा प्रदान करने के लिए प्राप्त राशि	1	1

(ग) महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ लेनदेन (50:50 संयुक्त उद्यम)

(₹ लाख में)

विवरण	2017-18	2016-17
संयुक्त उद्यम में निवेश	750	310
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए प्राप्त राशि	8	7
निदेशक की नियुक्ति के जमा राशि का भुगतान	1	-
निदेशक की नियुक्ति के लिए जमा राशि वापस ली गई	1	-

39 . **Related Party Transaction**

(a) **Compensastion to Key Managerial Personnel**

Particulars	Nature of related party / relationship	Remuneration (₹ in lakhs) Short Term Benefit	Post Employment Benefits	Other Long Term Benefits	Total
Current Year as at March 31st 2018					
Sri Bambahadur Singh	Chairman cum Managing Director	42	10	9	61
Sri A.K Basu	Director (Finance)	40	10	4	54
"Smt Bhanu Kumar (From -12.10.2017 to 31.03.2018)"	Director (Commercial)	12	9	7	28
Sri S.K Ray	Company Secretary	30	1	-	31
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	1*	-	-	1
Sri T V Muralivallabhan	Independent Director	2*	-	-	2
Previous Year as at March 31st 2017					
Sri Bambahadur Singh (From 01.06.2016-31.03.2017)	Chairman cum Managing Director	36	3	-	39
Sh. S.K Tripathi (From 01.04.2016.-31.05.2016)	Chairman cum Managing Director	29	1	-	30
Sri A.K Basu	Director (Finance)	40	2	-	42
Sri S.K Ray	Company Secretary	28	1	-	29
Sri Ajay Kumar Goyal	Independent Director	2*	-	-	2

Note :* It indicate Director's Sitting Fees.

(i) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the company to the Directors, such facility has not been considered as benefit/perquisite.

(ii) The above includes Performance related pay on actual payment basis.

(b) Transaction with FSNL (100% Subsidiary)

(₹ in lakh)

Particulars	2017-18	2016-17
Payment of Custodian Service for the Warehouse Management	230	176
Amount Received for providing E-Auction Service	1	1

(c) Transaction with Mahindra MSTC Recycling Private Limited (50:50 Joint Venture)

(₹ in lakh)

Particulars	2017-18	2016-17
Investment in Joint Venture	750	310
Amount received towards reimbursement of expenditure	8	7
Deposit for Appointment of Director paid	1	-
Deposit for Appointment of Director received back	1	-

40 . कर्मचारी लाभ

परिभाषित योगदान योजनाएं

भविष्य निधि

मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 12% कंपनी द्वारा भविष्य निधि न्यास में योगदान दिया गया

परिभाषित लाभ योजनाएं

1. उपदान (ग्रैच्युटी) :

ग्रैच्युटी 15 दिनों के भुगतान की दर से पृथक रूप से पात्र कर्मचारियों के लिए प्रत्येक पूर्ण वर्ष की सेवा के लिए देय है, जो न्यूनतम 5 वर्ष तक सतत सेवा प्रदान करते हैं। गैर-कार्यकारी अधिकारियों के मामले में 30 वर्ष से अधिक के प्रत्येक पूर्ण लेखा वर्ष के लिए कर्मचारी द्वारा एक महीने की अंतिम आहरित मजदूरी की दर पर ग्रैच्युटी की गणना की जाती है। कर्मचारी को देय अधिकतम ग्रैच्युटी ₹ 20 लाख है। गैर कार्यपालक जो 01.07.2014 को या उससे पहले सेवा से जुड़े हैं, ग्रेच्युटी सीमा से कम है। ग्रैच्युटी को भारत के एलआईसी के साथ वित्त घोषित किया जाता है। कंपनी भारत में एलआईसी द्वारा की गई मांग के आधार पर हर साल प्रीमियम के रूप में योगदान करती है।

2. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ :

सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति या पत्नी के लिए एक चिकित्सा लाभ है। सदस्यों को बीमा कंपनी के मेडिक्लेम बीमा के माध्यम से कवर किया जाएगा। यह मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी के तहत किसी भी अस्पताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त घरेलू चिकित्सा में किए गए खर्चों को भी निर्धारित सीमा के अनुसार प्रतिपूर्ति की जाती है। लाभ इस उदेश्य के लिए एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है। कंपनी इसके लिए कोष प्रदान करती है। किसी भी कमी को कंपनी द्वारा मुआवजा दिया जा रहा है।

निवेश जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य एक छूट दर का उपयोग करके गणना किया जाता है जो कि सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार के परिणामों के संदर्भ से निर्धारित होता है। अन्य परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए, ऐसे बॉण्ड के लिए एक गहन बाजार होने पर उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की उपज के संदर्भ में छूट की दर निर्धारित की जाती है, यदि योजना संपत्ति पर रिटर्न इस दर से कम है, तो यह एक योजना घाटे को बनाएगा। वर्तमान में, भारत की योजना के लिए, इसमें सरकारी प्रतिभूतियों और अन्य ऋण साधन में निवेश का अपेक्षाकृत संतुलित मिश्रण है, इसके अलावा, विदेशी योजना में इक्विटी प्रतिभूतियों, ऋण साधनों और रियल एस्टेट में अपेक्षाकृत संतुलित निवेश है। योजना देनदारियों की दीर्घकालिक प्रकृति के कारण, विदेशी बोर्ड फंड इसे उचित मानता है कि योजना संपत्तियों का एक उचित हिस्सा इक्विटी प्रतिभूतियों और रियल एस्टेट में फंड द्वारा उत्पन्न रिटर्न का लाभ उठाने के लिए निवेश किया जाना चाहिए।
ब्याज जोखिम	बांड की ब्याज दर में कमी से योजना की देनदारी बढ़ जाएगी। हालांकि,आंशिक रूप से योजना के ऋण पर रिटर्न में वृद्धि द्वारा इसकी भरपाई की जाएगी।
दीर्घायु जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना योजना के प्रतिभागियों की मृत्यु दर का सबसे अच्छा अनुमान के अनुसार उनके रोजगार के दौरान और बाद में की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता बढ़ जाएगी।
वेतन जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयताएं के वर्तमान मूल्य की गणना योजना के प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ द्वारा की जाती है। ऐसे में योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देनदारी बढ़ेगी।

(क) कंपनी ने परिभाषित योगदान योजनाओं के तहत वर्ष के लिए (₹ 246 लाख) व्यय के लिए लाभ और हानि के विवरण में ₹ 280 लाख की राशि (पिछले वर्ष ₹. 246 लाख) व्यय को मान्यता दी है।

लाभ (योगदान)	चालू वर्ष 31.03.2018 (₹ लाख में)	विगत वर्ष 31.03.2017 (₹ लाख में)
भविष्य निधि	280	246
कुल	**280**	**246**

(ख) कंपनी सेवानिवृत्ति उपरांत परिभाषित लाभ योजनाओं को निम्नानुसार संचालित करती है :

वित्त पोषित

i. उपदान (ग्रैच्युटी)

ii. सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना

40. Employee Benefits

Defined Contribution Plans

Providend Fund

12% of Basic Pay and Dearness Allowance contributed to the Providend Fund Trust by the Company.

Defined Benefits Plans

1. Gratuity:

The Gratuity is payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continious service for a minimum period of 5 years.The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years in case of non executives only. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 20 lakh. In case of non executive joining on or before 01.07.2014, the gratuity is celing less.The Gratuity is funded with LIC of India.The Company contributes in the fund every year as premium on the basis of demand raised by LIC of India.

2. Post Retirement Medical Benefit:

The Post Retirement Medical Benefit is a medical benefit to the superannuated employees and their spouse. The members will be covered through Mediclaim Insurance of the Insurance Company. This is available to superannuated employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy.In addition to this expenses incurred in domicilliary treatment is also reimbursed as per prescribed ceiling.The benefits are funded through a separate trust formed for this purpose.The Company provides the corpus for this. Deficit, if any, is being compensated by the Company.

Investment risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated using a discount rate which is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on government bonds. For other defined benefit plans, the discount rate is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on high quality corporate bonds when there is a deep market for such bonds; if the return on plan asset is below this rate, it will create a plan deficit. Currently, for the plan in India, it has a relatively balanced mix of investments in government securities, and other debt instruments. Further, the overseas plan has a relatively balanced investment in equity securities, debt instruments and real estates. Due to the long-term nature of the plan liabilities, the board of the overseas Fund considers it appropriate that a reasonable portion of the plan assets should be invested in equity securities and in real estate to leverage the return generated by the fund.

Interest risk A decrease in the bond interest rate will increase the plan liability; however, this will be partially offset by an increase in the return on the plan's debt investments.

Longevity risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the best estimate of the mortality of plan participants both during and after their employment. An increase in the life expectancy of the plan participants will increase the plan's liability.

Salary risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the future salaries of plan participants. As such, an increase in the salary of the plan participants will increase the plan's liability.

(a) The company has recognised an amount of ₹ 280 lakh in Statement of Profit and Loss for the year (previous year ₹ 246 lakh) expenses under defined contribution plans.

Benefit (Contribution to)	**Current Year 31.03.2018** ₹ in Lakh	**Previous Year 31.03.2017** ₹ in Lakh
Provident Fund	280	246
Total	**280**	**246**

(b) The company operates post retirement defined benefit plans as follows :

Funded

i. Gratuity

ii. Post Retirement Medical Benefit Scheme

ग. उपदान (ग्रेच्युटी) योजना का विवरण निम्नानुसार है :

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च, 2018	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च, 2017
1. धारणाएँ		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
ख. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अनुमानित दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
ग. वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	8.00%	8.00%

2. ग्रेच्युटी के अंतर्गत परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में स्वीकृत राशि निम्नानुसार है:

	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
क. वर्तमान सेवा लागत	744	38
ख. सेवा लागत	744	38
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(5)	(0)
घ. लाभ व हानि में स्वीकृत लागत	**739**	**38**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / परिसंपत्ति पर पुनर्माप		
क. डीबीओ के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	81	(173)
ख. डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(56)	40
ग. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	25	(133)
घ. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/कम की तुलना में	-	33
ङ. ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ)/हानि	25	(100)
च. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	**25**	**(100)**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय इंड एएस 19 के अंतर्गत बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वित्तीय वर्ष 2017-18 से प्रभावी लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' वाले मदों में सम्मिलित है।
4. शुद्ध परिभाषित लाभ देनदारी का पुनर्माप अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।
5. परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

	31 मार्च, 2018 के अनुसार (₹ लाख में)	31 मार्च, 2017 के अनुसार (₹ लाख में)
क. वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	1,171	1,297
ख. वर्तमान सेवा लागत	41	38
ग. डीबीओ पर ब्याज लागत	77	99
घ. पिछली सेवा लागत – योजना संशोधन	702	-
ङ. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	(56)	40
च. अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) एवं हानि	81	(173)
छ. योजना परिसंपत्ति से लाभ का भुगतान	(119)	(130)
ज. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**1,897**	**1,171**

6. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

	31 मार्च, 2018 के अनुसार (₹ लाख में)	31 मार्च, 2017 के अनुसार (₹ लाख में)
क. पूर्वावधि की समाप्ति पर परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,236	1,297
ख. योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	82	99
ग. नियोक्ता अंशदान	12	3
घ. छूट दर से अधिक / (कम) पर योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न	-	(33)
ङ. लाभ का भुगतान	(119)	(130)
च. चालू अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1,210**	**1,236**

(c) Details of the Gratuity Plan are as follows :

Description		For the year ended March, 31st 2018	For the year ended March, 31st 2017
1.	**Assumptions**		
a.	Discount rate (per annum)	7.40%	6.90%
b.	Estimated rate of return on plan assets (per annum)	7.40%	6.90%
c.	Rate of escalation in salary (per annum)	8.00%	8.00%

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Gratuity are as follows:

		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Current service cost	744	38
b.	Service Cost	744	38
c.	Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	(5)	(0)
d.	**Cost recognized in P&L**	**739**	**38**
	Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
a.	Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	81	(173)
b.	Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	(56)	40
c.	Actuarial (gain)/loss arising during period	25	(133)
d.	Return on plan assets (greater)/less than discount rate	-	33
e.	Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	25	(100)
f.	**(Income)/Cost recognized in OCI**	**25**	**(100)**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss w.e.f F.Y 2017-18 on the basis of actuarial valuation under IndAS 19.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows

		March, 31st 2018 ₹ In lakh	March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Obligation as at the beginning of the year	1,171	1,297
b.	Current Service Cost	41	38
c.	Interest Cost on DBO	77	99
d.	Past Service Cost- Plan Ammendment	702	-
d.	Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(56)	40
e.	Actuarial (gains) and losses arising from experience adjustments	81	(173)
f.	Benefits paid from plan asset	(119)	(130)
g.	**Closing defined benefit Obligation**	**1,897**	**1,171**

6. Movements in the fair value of the plan assets are as follows

		March, 31st 2018 ₹ In lakh	March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Fair value of the assets at end of prior period	1,236	1,297
b.	Interest Income on plan assets	82	99
c.	Employer Contributions	12	3
d.	Return on plan assets greater/(lesser) than discount rate	-	(33)
e.	Benefits paid	(119)	(130)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**1,210**	**1,236**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छूट दर में **1%** परिवर्तन का प्रवाह	**31 मार्च, 2018** (₹ लाख में)	**31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(102)	(64)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,795	1,107
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	115	73
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	2,012	1,244

वेतन वृद्धि दर में **1%** परिवर्तन का प्रभाव	**31 मार्च, 2018** (₹ लाख में)	**31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	49	18
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,946	1,189
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(55)	(20)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,842	1,151

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक-दूसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएँ सह-संबंधित हो सकती हैं।

(घ) सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना का विवरण :

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2018**	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2017**
1. धारणाएँ		
(क) छूट दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
(ख) चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	5.00%	5.00%

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और वृद्धि के स्टैंडएलोन विवरण में स्वीकृत राशियाँ निम्नानुसार हैं:

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2018** (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
(क) वर्तमान सेवा लागत	47	45
(ख) सेवा लागत	-	-
(ग) शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	51	2
(घ) लाभ व हानि में स्वीकृत लागत	**98**	**47**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / परिसंपत्ति पर पुन: मापन		
(ङ) डीबीओ के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	259	880
(च) डीबीओ धारणाओं में परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	(108)	140
(छ) अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	151	1,020
(ज) छूट दर से (अधिक)/ कम योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न	(57)	(4)
(झ) ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ) / हानि	94	1,016
(ञ) शुद्ध परिसंपत्तियों पर सीमा के लिए समायोजन	-	-

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

Effect of a 1% change in discount rate	March, 31st 2018 ₹ In lakh	March, 31st 2017 ₹ In lakh
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(102)	(64)
(ii) closing balance of obligation	1,795	1,107
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	115	73
(ii) closing balance of obligation	2,012	1,244

Effect of a 1% change in salary escalation rate	March, 31st 2018 ₹ In lakh	March, 31st 2017 ₹ In lakh
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	49	18
(ii) closing balance of obligation	1,946	1,189
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	(55)	(20)
(ii) closing balance of obligation	1,842	1,151

7. The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.

(d) Details of the Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows :

Description	For the year ended March, 31st 2018	For the year ended March, 31st 2017
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.40%	6.90%
b. Medical Inflation (per annum)	5.00%	5.00%

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows:

Description	For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakhs	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakhs
a. Current service cost	47	45
b. Service Cost	-	-
c. Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	51	2
d. Cost recognized in P&L	**98**	**47**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
e. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	259	880
f. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	(108)	140
g. Actuarial (gain)/loss arising during period	151	1,020
h. Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(57)	(4)
i. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	94	1,016
j. Adjustments for limit on net assets	-	-

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय लाभ एवं हानि के स्टैंडएलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' अनुरूपी मदों में सम्मिलित है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुनर्माप अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।

5. परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
(क) वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	1,514	477
(ख) वर्तमान सेवा लागत	47	45
(ग) ब्याज लागत	101	34
(घ) वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	(108)	140
(ङ) अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	259	880
(च) कंपनी द्वारा सीधे भुगतान दिये गए लाभ	(90)	(62)
(छ) अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**1,724**	**1,514**

6. योजना संपत्तियों के उचित मूल्य में बदलाव निम्नरूप है

	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
(क) पूर्वावधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	491	377
(ख) योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	51	32
(ग) नियोक्ता अंशदान	579	140
(घ) छूट दर से अधिक / (कम) पर योजना परिसंपत्तियों पर रिर्टन	57	4
(ङ) लाभ का भुगतान	(90)	(62)
(च) चालू अवधि की समाप्ति पर परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1,088**	**491**

7. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित धारणाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के अनुसार नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छूट दर में **1%** परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(186)	(171)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,539	1,343
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	228	212
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,953	1,726

चिकित्सा स्फीति दर में **1%** परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	156	135
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,880	1,649
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(126)	(108)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	1,598	1,406

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows

		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Obligation as at the beginning of the year	1,514	477
b.	Current Service Cost	47	45
c.	Interest Cost	101	34
d.	Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(108)	140
e.	Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	259	880
f.	Benefits paid directly by the Company	(90)	(62)
g.	**Closing defined benefit Obligation**	**1,724**	**1,514**

6. Movements in the fair value of the plan assets are as follows

		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Fair value of the assets at end of prior period	491	377
b.	Interest Income on plan assets	51	32
c.	Employer Contributions	579	140
d.	Return on plan assets greater/(lesser) than discount rate	57	4
e.	Benefits paid	(90)	(62)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**1,088**	**491**

7. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analyses below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

Effect of a 1% change in discount rate	**March, 31st 2018 ₹ In lakh**	**March, 31st 2017 ₹ In lakh**
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(186)	(171)
(ii) closing balance of obligation	1,539	1,343
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	228	212
(ii) closing balance of obligation	1,953	1,726

Effect of a 1% change in medical inflation rate	**March, 31st 2018 ₹ In lakh**	**March, 31st 2017 ₹ In lakh**
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	156	135
(ii) closing balance of obligation	1,880	1,649
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	(126)	(108)
(ii) closing balance of obligation	1,598	1,406

41 . निगमित सामाजिक दायित्व गतिविधियों पर किए गए व्यय

(क) वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्यय किए जाने के लिए आवश्यक सकल राशि ₹ 214 लाख।

(ख) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के अनुसार कंपनी ने सीएसआर व्यय पर ₹ 215 लाख (पिछले वर्ष ₹ 80 लाख खर्च किया है।

विवरण	(₹ लाख में)	(₹ लाख में)
	2017-18	**2016-17**
(1) परिसंपत्तियों का निर्माण / नवीकरण	116	46
(2) ट्यूब वेल	69	8
(3) अन्य	30	26
कुल	**215**	**80**

उपर्युक्त आंकड़े टिप्पनी सं. 29(कक) में पृथक रूप से प्रकट किए गए हैं।

42 . व्यापार प्राप्तियों, व्यापार देय एवं अग्रिमों की शेष राशि में पुष्टि / पुनर्मिलान एवं परिणामी समायोजन यदि कोई है, के अधीन शेष राशि शामिल है। पुनर्मिलान निरंतर आधार पर किया गया है। प्रावधान जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, किए गये हैं।

43 . अनुरूपी पिछले वर्ष के आँकड़ों को तुलना योग्य बनाने के लिए जहाँ भी आवश्यक हुए हैं, पुनर्व्यवस्थित/पुनवर्गीकृत किए गए हैं।

44 . कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जुलाई, 2018 को आयोजित अपनी 281 वीं बैठक में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के संबंध में इक्विटी शेयर पूँजी पर 74% की दर पर अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो निर्दिष्ट तिथि को ₹ 3520 लाख है। लाभांश का भुगतान वार्षिक साधारण बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के आधीन है। यदि अनुमोदित होता है, तो इससे ₹ 535 लाख के लाभांश वितरण कर समेत ₹ 3140 लाख का नकद बहिर्वाह होगा।

45 . वित्तीय विवरण कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा जारी करने हेतु दिनांक 27 जुलाई, 2018 को अनुमोदित किए गए थे।

हमारी सम दिनांक रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन नं. : 304138E

कृते **एमएसटीसी लिमिटेड**

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन - 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(अजय कुमार रॉय)
कंपनी सचिव

41 . Expenditure Incurred on Corporate Social Responsibility Activities

(a) Gross amount required to be spent by the company during the year - ₹ 214 lakh

(b) In accordance to section 135 of Companies Act 2013, the company has incurred ₹ 215 lakh (Previous Year ₹ 80 lakh) as CSR expenditure.

Particulars	₹ in lakh 2017-18	₹ in lakh 2016-17
(1) Construction/ Rennovation of assets	116	46
(2) Tube Wells	69	8
(3) Other	30	26
Total	**215**	**80**

Above figures are disclosed seperately in Note No. 29(aa)

42 . Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances includes balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconcilliations are carried out on on-going basis. Provisions,wherever considered necessary, have been made.

43 . The figures for the corresponding previous years have been regrouped/reclassified wherever necessary to make them comparable.

44 . The Board of Directors of the Company in its 281st Meeting held on 27th July 2018, has proposed a final dividend in respect of the year ended 31st March 2018, @74% on equity share capital which is ₹ 3520 lakh as on date. The payment of dividend is subject to approval of shareholders at annual general meeting.If approved it will result in cash outflow of ₹ 3140 lakh inclusive of dividend distribution tax of ₹ 535 lakh.

45 . The Finanacial Statements were approved for issue by the Board of Directors of the Company on 27th July 2018.

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

For MSTC LIMITED

(CA Niraj K. Jhunjhunwala)
Partner
M. No : 057170

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(A K Basu)
DIRECTOR
(FINANCE)
(DIN- 03102901)

Dated : 27.07.2018
Place Kolkata

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
(FINANCE & ACCOUNTS)

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

समेकित रिपोर्ट

CONSOLIDATED REPORT

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणियों पर रिपोर्ट

हमने एमएसटीसी लिमिटेड (इसके पश्चात ''होल्डिंग कंपनी'') के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें दिनांक 31 मार्च, 2018 के अनुसार समेकित तुलन पत्र, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए समेकित लाभ एवं हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय समेत), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण एवं नकद प्रवाह का समेकित विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश एवं अन्य व्याख्यात्मक सूचना (तदुपरांत समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण) शामिल है।

समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन का दायित्व

होल्डिंग कंपनी का निदेशक मंडल इन समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 (इसके पश्चात ''अधिनियम'') में व्यक्त मामलों के लिए जिम्मेदार है जो अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत, इसके उपरांत कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पठित निर्धारित लेखांकन मानकों समेत भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार समूह की समेकित वित्तीय स्थिति, अन्य विशद आय सहित समेकित वित्तीय निष्पादन, समेकित नकद प्रवाह तथा इक्विटी में समेकित परिवर्तन का सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करता है। समूह में सम्मिलित कंपनियों एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के संबंधित निदेशक मंडल के इस दायित्व में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों का व्यवस्थापन शामिल है जो समूह की संपत्तियों की हिफाजत हेतु एवं धोखाधड़ियों और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए, उपयुक्त लेखांकन नीतियों के चयन एवं प्रयोग के लिए, तर्क एवं आकलन देने जो यथासंगत एवं विवेकपूर्ण हैं, एवं पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की रूपरेखा तैयार करने, कार्यान्वयन एवं रखरखाव के लिए, लेखांकन अभिलेखों की सटीकता एवं संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं प्रस्तुत करने के लिए संगत थे, जो सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते हैं एवं भौतिक गलत बयानबाजी से मुक्त हैं, चाहे वे जालसाजी या चूक के कारण हो, जो कि उपर्युक्त अनुसार होल्डिंग कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण तैयार करने के प्रयोजन से प्रयोग किए गए हैं।

लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर अपनी राय देना है। हमने अधिनियम के प्रावधानों, लेखांकन एवं लेखापरीक्षण मानकों और विषयवस्तुओं का ध्यान रखा है, जिन्हें अधिनियम के प्रावधानों और उसके तहत बने नियमों के अंतर्गत लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल किया जाना अपेक्षित है।

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखा परीक्षण के मानकों के अनुसार लेखापरीक्षा की है। उन मानकों में अपेक्षित है कि नीतिपरक आवश्यकताओं का पालन करें एवं उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना करें एवं निष्पादन करें कि समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण गलत बयानबाजी से मुक्त है।

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

Report on the Consolidated Ind AS Financial Statements

We have audited the accompanying Consolidated Ind AS financial statements of MSTC LIMITED (hereinafter referred to as "the Holding Company"), its subsidiary (the Holding Company and its subsidiary together referred to as "the Group") and jointly controlled entity, comprising the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2018, the Consolidated Statement of Profit and Loss (including Other Comprehensive Income), the Consolidated Statement of changes in Equity and the Consolidated Statement of Cash Flows for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as "the Consolidated Ind AS Financial Statements").

Management's Responsibility for the Consolidated Ind AS Financial Statements

The Holding Company's Board of Directors is responsible for the preparation of these Consolidated Ind AS financial statements in terms of the requirement of the Companies Act, 2013 (hereinafter referred to as "the Act") that give a true and fair view of the consolidated financial position, consolidated financial performance (including the other comprehensive income), consolidated changes in equity and consolidated cash flows of the Group in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended. The respective Board of Directors of the companies included in the Group and of the jointly controlled entity are responsible for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding the assets of the Group and for preventing and detecting frauds and other irregularities; the selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the Consolidated Ind AS financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error, which have been used for the purpose of preparation of the Consolidated Ind AS financial statements by the Directors of the Holding Company, as aforesaid.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these Consolidated Ind AS financial statements based on our audit. We have taken into account the provisions of the Act, the accounting and auditing standards and matters which are required to be included in the audit report under the provisions of the Act and the Rules made there under.

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing specified under Section 143(10) of the Act. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the Consolidated Ind AS financial statements are free from material misstatement.

लेखापरीक्षा में राशियों के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने एवं समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों में प्रकट करने की निष्पादन प्रक्रियाएँ शामिल हैं। चयनित प्रक्रिया लेखापरीक्षक के निर्णय कर निर्भर करती है, जिसमें समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की भौतिक गलत बयानबाजी के जोखिमों का आकलन शामिल है चाहे जालसाजी या चूक के कारण हो। उन जोखिम आकलनों को तैयार करते समय, लेखापरीक्षक होल्डिंग कंपनी के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों को तैयार करने में संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार करता है जो लेखापरीक्षा की प्रक्रिया को निरूपित करने के लिए सही एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करता है जो परिस्थितियों में उपयुक्त है। मगर जो यह मत व्यक्त करने के प्रयोजन से नहीं है कि क्या होल्डिंग कंपनी के पास वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था है एवं ये नियंत्रण प्रभावी रूप से संचालित है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता एवं होल्डिंग कंपनी के निदेशकों द्वारा किए गए लेखांकन आकलन के औचित्य और साथ ही समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों के संपूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन शामिल है।

हमारा विश्वास है कि हमें जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, एवं अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा नीचे अनुच्छेद अन्य विषयवस्तुओं में वर्णित उनकी रिपोर्ट के अनुसार जो लेखा साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, वो समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखापरीक्षा पर राय देने के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

योग्यता प्राप्त राय के आधार

i) होल्डिंग कंपनी के मामले में व्यापार प्राप्य में मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से ₹ 19544.01 लाख की बकाया राशि शामिल है जो कि पार्टी को सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए है जो अब पाँच वर्ष से अधिक हो चुकी है। अतएव, बीतते समय के साथ, सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है एवं अनुमापी विश्लेषण के अनुसार बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूली मूल्य ₹ 6230 लाख आ गया है। विवाचन निर्णय की शर्तों के अनुसार पार्टी ने भुगतान करने में चूक की है। दिनांक 01.12.2017 को किए गए अनुमापी विश्लेषण के अनुसार ₹ 6543 लाख मूल्य के बंधक रखे स्टॉक को पार्टी ने अनधिकृत रूप से उठा लिया था, हालांकि यह स्टॉक अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र में रहा था। लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेन्सी रिज़ॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने हेतु एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख प्राप्त किया है। खाता बहियों में ₹ 1500 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान इस ऋण के बाबत ₹ 17393.01 लाख की और भी राशि प्रदान की जानी थी। इसके गैर–प्रावधानीकरण से वर्ष 2017-18 के लिए ₹ 17393.01 लाख का लाभ अधिक दर्शाया गया है एवं प्रावधान कम दिखाया गया है। समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 8.4 (क) देखें।

ii) होल्डिंग कंपनी के मामले में व्यापार प्राप्य में मेसर्स कॉनकास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124.13 लाख की बकाया राशि शामिल है जो सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए है। बीतते समय के साथ सामग्री की गुणवत्ता में क्षीणता आई है जिससे वसूलीयोग्य मूल्य कम हुआ है। दिनांक 03.05.2018 को संचालित अनुमापी विश्लेषण की रिपोर्ट के अनुसार, बाँकुड़ा यूनिट में बंधक में रखे स्टॉक का कुछ हिस्सा, अभिरक्षक के न्यायक्षेत्र में रहने के बावजूद पार्टी द्वारा अनधिकृत रूप से उठा लिया गया था। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी विश्लेषण एमएसटीसी द्वारा नहीं किया जा सका था। अतएव, इस यूनिट में ₹ 108 लाख के बंधक रखे स्टॉक का बही मूल्य संदिग्ध है। एनसीएलटी में लेनदारों द्वारा दायर किए गए दिवालियेपन के मामले को दाखिल किए जाने के अनुसार, एमएसटीसी ने एनसीएलटी के अंतर्गत इन्सॉल्वेन्सी रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष अपना दावा दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the Consolidated Ind AS financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the Consolidated Ind AS financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Holding Company's preparation of the consolidated Ind AS financial statements that give a true and fair view in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purpose of expressing an opinion on whether the Holding Company has an adequate internal financial controls system over financial reporting in place and the operating effectiveness of such controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Holding Company's Board of Directors, as well as evaluating the overall presentation of the Consolidated Ind AS financial statements.

We believe that the audit evidence obtained by us and audit evidence obtained by the other auditors in terms of their report referred to in the Other Matters paragraph below, are sufficient and appropriate to provide a basis for our qualified audit opinion on the Consolidated Ind AS financial statements.

Basis for Qualified Opinion

i. In respect of the Holding Company, Trade Receivables includes ₹ 19544.01 lakh due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. for procurement and supply of materials to the party which is now more than five years old. Thus with the passage of time, quality of materials has deteriorated and as per the volumetric analysis the net realizable value of pledged raw materials comes to ₹ 6230 lakh. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration award. As per the volumetric analysis done on 01.12.2017, pledged stock worth ₹ 6543 lakh was unauthorisedly lifted by the party in spite of the same being under the jurisdiction of a custodian. The creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company. The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakhs from the party during the financial year 2018-19. An amount of ₹ 1500 lakh have been provided for in the books of accounts. The Company should have provided a further amount of ₹ 17393.01 lakh against this debt during the year. Non-provision of the same has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 17393.01 lakh - Refer Note no. 8.4 (a) of notes to the Consolidated Ind AS financial statements.

ii. In respect of the Holding Company, Trade Receivables includes ₹ 22124.13 lakh due from M/s Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. With the passage of time, quality of materials has deteriorated resulting in lower realisable value. As per the report of volumetric analysis conducted on 03.05.2018, part of pledged stock at Bankura unit was unauthorisedly lifted by the party in spite of the same being under the jurisdiction of a custodian. Volumetric analysis at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC. Thus the book value of ₹ 108 lakh of the pledged stock in this unit is

ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री का क्रय किया है जिसके लिए केवल ₹ 9088 लाख प्राप्त हुए हैं। सामग्री के अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 3000 लाख का प्रावधान किया है। कंपनी द्वारा अतएव वर्तमान वर्ष के दौरान इस ऋण के लिए ₹ 19084.13 लाख की और भी राशि प्रदान किया जाना था। इस कमी के गैर–प्रावधानीकरण से वर्ष 2017-18 में ₹ 19084.13 लाख की राशि द्वारा लाभ अधिक दर्शाया गया है एवं प्रावधान कम दिखाया गया है – समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 8.4 (ख) देखें।

योग्यताप्राप्य विचार

हमारे विचार में एवं हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, तथा सहायक एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के पृथक वित्तीय विवरण पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की विवेचना के आधार पर योग्यताप्राप्य विचार के लिए आधार के कंडिका (i) एवं (ii) में वर्णित विषयवस्तु के प्रभावों को छोड़कर, जिसका समग्र प्रभाव ₹ 36477.14 लाख का अधिक लाभ दिखाना एवं कम प्रावधान करना है, उक्त समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की अपेक्षा के अनुसार यथा अपेक्षित जानकारी देते हैं एवं भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों की अनुरूपता में 31मार्च, 2018 की स्थिति को समूह एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के मामलों की समेकित स्थिति एवं उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए इसके समेकित लाभ, अन्य व्यापक आय, इसके समेकित नकद प्रवाह एवं इक्विटी में समेकित परिवर्तन का सही एवं उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

मामलों की प्रमुखता

हम निम्नलिखित मामलों पर ध्यान आकर्षित करते हैं :

क) समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 8.4 (ग) का संदर्भ आकर्षित किया जाता है, जहाँ यह वर्णित है कि होल्डिंग कंपनी के व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से ₹ 11484.29 लाख की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। पार्टी विवाचन निर्णय के अनुसार भुगतान कर रही है एवं वर्तमान वर्ष में केवल ₹ 482 लाख का समायोजन ₹ 11937 लाख बकाया के प्रारंभिक प्राप्य के लिए किया गया है। एक स्वतंत्र मूल्यांकक की अनुमापी विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, चूंकि बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 14185.21 लाख (पिछले वर्ष ₹ 6870 लाख) के साथ अधिक है, अतएव, वर्तमान वर्ष में प्रबंधन द्वारा कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ख) समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 8.4(घ) का संदर्भ आकर्षित किया जाता है, जहाँ यह वर्णित है कि होल्डिंग कंपनी के व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स ग्लोबल कोक लि. से ₹ 2831.52 लाख की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। बंधक रखी सामग्री की खपत द्वारा बकायों के अपेक्षित तरलीकरण के मद्देनजर एवं एक स्वतंत्र मूल्यांकक द्वारा अनुमापी विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य ₹ 5311 लाख (पिछले वर्ष : ₹ 1250 लाख) के मुकबले अधिक रहने के कारण, वर्तमान वर्ष में प्रबंधन द्वारा कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

ग) होल्डिंग कंपनी के व्यापार प्राप्यों एवं व्यापार देयों की शेष राशियों के लंबित पुष्टीकरण/पुनर्मिलान एवं इसके प्रभाव समायोजन से संबंधित समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 44 का संदर्भ आकर्षित किया जाता है जो पुनर्मिलान पर उत्पन्न हो सकते हैं।

doubtful. Pursuant to admission of a case of insolvency filed by creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year procured materials on behalf of the party for Rs. 9206 lakhs against which they realized only ₹ 9088 lakh. As per the volumetric analysis of the materials, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. The Company has made a provision of ₹ 3000 lakh during the year. The Company therefore should have provided a further amount of ₹ 19,084.13 lakh against this debt during the current year. This non-provision of the shortfall has resulted in overstatement of profit and understatement of provision for the year 2017-18 by ₹ 19084.13 lakh - Refer Note no. 8.4 (b) of notes to the Consolidated Ind AS financial statements.

Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us and based on the consideration of reports of other auditors on separate financial statements of the subsidiary and jointly controlled entity, except for the effects of the matter described in paragraph (i) and (ii) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is overstatement of profit and understatement of provision by ₹ 36477.14 lakh, the aforesaid Consolidated Ind AS financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India, of the consolidated state of affairs of the Group and jointly controlled entity as at 31st March, 2018 and their consolidated profit including other comprehensive income, their consolidated cash flows and the consolidated changes in equity for the year ended on that date.

Emphasis of matters

We draw attention to the following matters:

a) Reference is invited to Note no. 8.4 (c) of notes to the Consolidated Ind AS financial statements wherein it is stated that Trade Receivables of the Holding Company include ₹ 11484.29 lakh due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. for procurement and supply of materials which are more than three years old. The party is making payment as per the Arbitration award and in the current year only ₹ 482 lakh have been adjusted against outstanding opening receivable of ₹ 11937 lakh. Since as per the Volumetric Analysis Report by an independent valuer, the net realizable value of the pledged stock is higher at ₹ 14185.21 lakh (Previous year: ₹ 6870 lakh), no provision has been considered necessary by the management in the current year.

b) Reference is invited to Note no. 8.4 (d) of notes to the Consolidated Ind AS financial statements wherein it is stated that Trade Receivables of the Holding Company include ₹ 2831.52 lakh due from M/s Global Coke Ltd. for procurement and supply of materials which are more than three years old. In view of the expected liquidation of dues by way of consumption of pledged materials and also net realizable value of the pledged stock is higher at ₹ 5311 lakh (Previous year: ₹ 1250 lakh) as per the Volumetric Analysis Report by an independent valuer, no provision has been considered necessary by the management in the current year.

c) Reference is invited to Note no. 44 of notes to the Consolidated Ind AS financial statements relating to pending confirmation/ reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables of the Holding Company and its consequential adjustment that may arise on reconciliation.

घ) होल्डिंग कंपनी ने चार स्वतंत्र निदेशकों को नियुक्त किया था, जिनमें से दो दिनांक 06.09.2017 को एवं शेष दो दिनांक 09.03.2018 को नियुक्त हुए थे। वर्ष के दौरान दो लेखा परीक्षा समिति बैठकें हुई थी। स्वतंत्र निदेशकों की अनुपस्थिति में, सितंबर 2017 से पहले होल्डिंग कंपनी द्वारा लेखा परीक्षा समिति की कोई बैठक का आयोजन नहीं किया गया था।

ङ) सहायक कंपनी के मामले में, कंपनी द्वारा ग्रहीत गैर–चल मालसूचियों की मूल्यांकन विधि मालसूचियों के मूल्यांकन पर इंड एएस 2 के अनुसार नहीं है – सहायक कंपनी के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 4.8 देखें।

च) सहायक कंपनी के मामले में, सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण के नोट से 37 वित्तीय उपकरण ₹ 1788.62 लाख की परिभाषित लाभ देयता, जो लाभ एवं हानि खाता में घटाया गया है, की राशि पर ग्रेचुइटी की उच्चतम सीमा (गजट अधिसूचना सं. एस.ओ 1420(ङ), दिनांक 29.03.2018 के अनुसार 10 लाख भारतीय रुपये से 20 लाख भारतीय रुपये तक) में वृद्धि से उत्पन्न पिछली सेवा लागत के प्रभाव को दर्शाता है।

इन विषय वस्तुओं के संबंध में हमारी राय में कोई परिवर्तन नहीं है।

अन्य विषय वस्तुएँ

(i) समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में संलग्न 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी की तुलनात्मक वित्तीय सूचना कंपनी (लेखांकन मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए पूर्व में जारी सांविधिक वित्तीय विवरण के आधार पर हैं जो कि पूर्ववर्ती लेखापरीक्षक, मेसर्स राय एण्ड कं. द्वारा लेखापरीक्षित है, जिनकी 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए दिनांक 07 अगस्त, 2017 की रिपोर्ट ने उन समेकित वित्तीय विवरण पर परिवर्तित मत व्यक्त किया है।

(ii) हमने एक पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी के इंड एएस वित्तीय विवरण एवं अन्य वित्तीय सूचना की लेखा परीक्षा नहीं की है, जिनका इंड एएस वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2018 के तहत ₹ 36066 लाख की कुल संपत्ति, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 34030 लाख का कुल राजस्व एवं ₹ 1834 लाख का शुद्ध नकद प्रवाह व्यक्त करता है, जैसा कि समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में विवेचित है। समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में विवेचित के अनुसार 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए एक सहायक कंपनी के संबंध में ₹ 683 लाख के लाभ का अंश एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के संबंध में ₹ 132 लाख के हानि का अंश शामिल है, जिसकी लेखा परीक्षा हमारे द्वारा नहीं की गई है। ये इंड एएस वित्तीय विवरण एवं अन्य वित्तीय सूचना की लेखापरीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है एवं वित्तीय विवरण अन्य वित्तीय सूचना एवं लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रदान की गई हैं। समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर हमारी राय, जहाँ तक सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के संबंध में सम्मिलित राशि एवं प्रकटन से संबंधित है एवं अधिनियम की धारा 143 की उपधाराएँ (3) एवं (11) के अनुपालन में हमारी रिपोर्ट जहाँ तक उपर्युक्त सहायक कंपनी एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था के संबंध में है, पूर्णतया ऐसे अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा निष्पादित कार्य एवं रिपोर्ट पर हमारी निर्मता के संबंध में उपर्युक्त विषय वस्तुओं के सिलसिले में, समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर हमारी राय एवं नीचे वर्णित अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

d) The Holding Company had appointed four Independent Directors, two on 06.09.2017 and the remaining two on 09.03.2018. Two Audit Committee meetings were held during the year. In absence of the Independent Directors, no Audit Committee meetings could be held before September 2017 by the Holding Company.

e) In the case of the subsidiary Company, the valuation method of non-moving inventories adopted by the Company is not in accordance with Ind AS 2 on valuation of inventories- Refer Note no. 4.8 of notes to the Consolidated Ind AS financial statements of the subsidiary Company.

f) In the case of the subsidiary company, Note no. 37 to the financial statements of the subsidiary Company describes the impact of the past service cost resulting from the increase in gratuity ceiling limit (from 10 lakh INR to 20 lakh INR, as per Gazette Notification No. S.O 1420 (E), Dt. 29/03/2018) on the amount of defined benefit obligation of ₹ 1788.62 lakh, which is debited to profit & loss account.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Other Matters

(i) The comparative financial information of the Company for the year ended 31st March, 2017 included in the Consolidated Ind AS financial statements are based on the previously issued statutory financial statements prepared in accordance with the Companies (Accounting Standards) Rules, 2006 audited by the predecessor auditor, M/s Ray & Co., whose report for the year ended 31st March, 2017 dated 7 August, 2017 expressed a modified opinion on those Consolidated financial statements.

(ii) We did not audit the Ind AS financial statements and other financial information of one wholly owned subsidiary, whose Ind AS financial statements reflect total assets of ₹ 36066 lakh as at 31st March 2018, total revenue of ₹ 34030 lakh and net cash flows of ₹ 1834 lakh for the year ended on that date, as considered in the consolidated Ind AS financial statements. The consolidated Ind AS financial statements also include the share of profit of ₹ 683 lakhs in respect of one subsidiary and share of loss of ₹ 132 lakh in respect of jointly controlled entity for the year ended 31st March, 2018 as considered in the Consolidated Ind AS financial statements which have not been audited by us. These Ind AS financial statements and other financial information has been audited by other auditors, and the financial statements, other financial information and auditors' reports have been furnished to us by the management. Our opinion on the Consolidated Ind AS financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of this subsidiary and jointly controlled entity and our report in terms of sub-sections (3) and (11) of Section 143 of the Act, in so far as it relates to the aforesaid subsidiary and jointly controlled entity, is based solely on the reports of such other auditors.

Our opinion on the Consolidated Ind AS financial statements, and our report on Other Legal and Regulatory Requirements below, is not modified in respect of the above matters with respect to our reliance on the work done and the report of the other auditors.

अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143(5) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक (कैग) के अनुदेशों के पालन में एवं भारत में समान्यतया स्वीकृत सिद्धांतों के अनुसार निष्पादित कंपनी की बहियों एवं रिकार्ड की हमारी जाँच पर एवं हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में सम्मिलित किये जाने हेतु अन्य विषय वस्तुओं के संबंध में कैग के अनुदेशों में वर्णित विषय वस्तुओं पर एक विवरण अनुलग्नक 'क' में देते हैं।
2. अधिनियम की धारा 143 (3) की अपेक्षानुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि :
   (क) हमने सभी जानकारी और व्याख्या मांगी हैं एवं प्राप्त की हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थी।
   (ख) हमारी राय में, जैसा कि इन बाहियों की हमारी जाँच से प्रतीत होता है, कानून की अपेक्षानुसार समूह द्वारा यथोचित लेखा–बहियों का रखरखाव किया गया है।
   (ग) इस रिपोर्ट से संबंधित समेकित तुलन–पत्र, समेकित लाभ एवं हानि विवरण (अन्य व्यापक आय समेत), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण एवं नकद प्रवाह का समेकित विवरण लेखा बहियों के सुसंगत हैं।
   (घ) हमारी राय में, उपर्युक्त समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 एव कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015, संशोधित अनुसार बने संबंधित नियमों के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का पालन करते हैं।
   (ङ) हमारी राय में, उपरोक्त अनुच्छेद में योग्यता प्राप्त राय के लिए आधार में वर्णित विषय वस्तुओं का समूह के कार्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं भी पड़ सकता है।
   (च) निगमित मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. जी. एस. आर. 463(ङ) दिनांक 05.06.2015 के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 164(2) समूह पर प्रयोज्य नहीं है।
   (छ) समूह की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता एवं ऐसे नियंत्रणों के प्रचालन संबंधी प्रभावकारिता के सूचनार्थ अनुलग्नक "ख" में हमारी पृथक रिपोर्ट देखें, जो कि भारत में निगमित कंपनी एवं इसकी सहायक कंपनी की लेखा परीक्षक रिपोर्ट पर आधारित है। संयुक्त नियंत्रित संस्था को आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता एवं ऐसे नियंत्रण की प्रचालन प्रभावकारिता पर रिपोर्टिंग की आवश्यकता से मुक्त रखा गया है।
   (ज) कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षकों) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में शामिल की जानेवाली अन्य विषय वस्तुओं के मामले में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दी गई व्याख्या के अनुसार :
      i. कंपनी ने अपने समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण में अपनी वित्तीय स्थिति पर लम्बित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया है – समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणियों की टिप्पणी सं **35** देखें।
      ii. समूह एवं इसकी संयुक्त नियंत्रित संस्था के पास व्युत्पन्न संविदाओं समेत कोई दीर्घमियादी संविदाएँ नहीं हैं, जिसके लिए पहले से ही भौतिक पूर्वाभासी क्षतियाँ थी।
      iii. निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि में समूह द्वारा कोई राशि अंतरित किए जाने में कोई देर नहीं हुई है।

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in terms of the directions of the Comptroller and Auditor General of India (CAG) under Section 143(5) of the Act, and on the basis of our examination of the books and records of the company carried out in accordance with the generally accepted principles in India and according to the information and explanations given to us, we give in the Annexure A, statement on the matters specified in the directions of CAG.
2. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that :
   a. We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.
   b. In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Group so far as it appears from our examination of those books.
   c. The Consolidated Balance Sheet, the Consolidated Statement of Profit and Loss (Including Other Comprehensive Income), Consolidated Statement of Changes in Equity and the Consolidated Statement of Cash Flow dealt with by this report are in agreement with the books of account.
   d. In our opinion, the aforesaid Consolidated Ind AS financial statements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act, read with Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended.
   e. The matters described in the Basis for Qualified Opinion paragraph above, in our opinion, may not have an adverse effect on the functioning of the Group.
   f. As per notification No. GSR 463(E) dated 5th June, 2015 issued by the Ministry of Corporate Affairs, Government of India, Section 164(2) of the Companies Act, 2013 is not applicable to the Group.
   g. With respect to the adequacy of the internal financial control over financial reporting of the Group and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate report in Annexure B which is based on the Auditor's Reports of the Company and its subsidiary incorporated in India. The jointly controlled entity has been exempted from the requirement of reporting on adequacy of internal financial control and the operating effectiveness of such control.
   h. With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:
      i. The Group and its jointly controlled entity have disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its Consolidated Ind AS financial statements – Refer Note no. 35 of notes to the Consolidated Ind AS financial statements.
      ii. The Group and its jointly controlled entity did not have any such long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses.
      iii. There has been no delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Group.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accounants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक–क

ANNEXURE A TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(समदिनांकित हमारी रिपोर्ट के "अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" शीर्षक के अनुच्छेद 1 से संदर्भित)

(Referred to in paragraph 1 under the heading "Report on other Legal and Regulatory Requirements" of our report of even date)

कंपनी के रिकॉर्ड के सत्यापन के आधार पर एवं हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप धारा 5 के अंतर्गत भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी दिशानिर्देश के तहत हम निम्नानुसार रिपोर्ट करते हैं :

Directions issued by the Comptroller and Auditor General of India under sub section 5 of Section 143 of the Companies Act, 2013, based on the verification of records of the Company and according to information and explanations given to us, we report as under :

क्रम सं. **Sl. No.**	निदेश **Direction**	लेखापरीक्षक के जवाब **Auditor's Reply**
1.	क्या कंपनी के पास क्रमश: पूर्ण स्वामित्व एवं पट्टायुक्त भूमि के लिए स्पष्ट अधिकार/पट्टा अधिकार पत्र है? यदि नहीं, तो कृपया पूर्ण स्वामित्व एवं पट्टायुक्त भूमि के क्षेत्रफल के बारे में बताएं, जिनके बारे में कोई अधिकार/ पट्टा अधिकार पत्र नहीं है। Whether the company has clear title/lease deeds for freehold and leasehold respectively? If not please state the area of freehold and leasehold land for which title/lease deeds are not available.	**होल्डिंग कंपनी के मामले में :** कंपनी के पास कोई पूर्ण स्वामित्व भूमि नहीं है एवं पट्टायुक्त भूमि के संबंध में, कंपनी के पास एक स्पष्ट पट्टा अधिकार पत्र है। हालांकि कोलकाता में 3 फ्लैट एवं मुंबई 11 फ्लैट के संबंध में, कंपनी के पास कोई स्पष्ट अधिकारी पत्र नहीं है। **सहायक कंपनी के मामले में :** कंपनी के पास 33 वर्षों के स्थायी पट्टे पर एसएआईएल–बीएसपी से अर्जित एक पट्टायुक्त भूमि है जिसके अधिकार पत्र की जाँच की गई है। **In case of Holding Company :** The Company does not have any freehold land and in respect of leasehold land, the Company has clear lease deed. However, in respect of 3 flats in Kolkata and 11 flats in Mumbai, the Company does not have clear title deeds. **In case of Subsidiary Company :** The Company is having a leasehold land acquired from SAIL-BSP on perpetual lease of 33 years whose title deed is verified.
2.	क्या कोई ऋण / कर्ज / ब्याज आदि की छूट / बट्टे पर डालने का कोई मामला है, यदि हाँ, इसके कारण और सम्मिलित राशि बताएं। Whether there are any cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc., if yes, the reasons therefor and amount involved.	**होल्डिंग कंपनी के मामले में :** एनसीएलटी, मुंबई द्वारा निर्दिष्ट प्रस्ताव योजना के आधार पर वर्ष के दौरान ₹ 859.39 लाख के अशोध्य ऋण को बट्टे खाते में डाला गया था एवं पीएमए के अंतर्गत विवाचन के आदेश के आधार पर ₹ 45081.10 लाख के प्राप्य दावे को बट्टे खाते में डाला गया था, जिसमें इन कार्यवाहियों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है, जब तक कि इस विषय में सीबीआई मामले के निपटारे को दर्ज नहीं किया गया। **सहायक कंपनी के मामले में** कंपनी ने कोई ऋण/कर्ज/ब्याज आदि की छूट नहीं ही है/बट्टे पर डाला है। **In case of Holding Company :** Bad Debt amounting to ₹ 859.39 lakh was written off during the year based on the Resolution plan finalized by NCLT, Mumbai and Claims Receivable of ₹ 45081.10 lakh was written off during the year based on the order of the Arbitrator under PMA whereby proceedings have been adjourned sine die, till disposal of CBI case is filed in this regard. **In case of Subsidiary Company :** The Company had not waived/written off any debts/loan/ interest etc.
3.	क्या तीसरे पक्ष के पास पड़ी हुई मालसूची एवं सरकार या अन्य प्राधिकारियों से उपहार / अनुदान के रूप में प्राप्त संपत्तियों का समुचित रखरखाव किया गया है। Whether proper records are maintained for inventories lying with third parties & assets received as gift/grant(s) from Government or other authorities.	होल्डिंग कंपनी और सहायक कंपनी दोनों के मामले में, तीसरे पक्ष के पास कोई मालसूची नहीं पड़ी हुई थी एवं सरकार या किसी अन्य अधिकारी से उपहार / अनुदान के रूप में कंपनी को कोई संपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। In case of both holding and subsidiary company, there were no inventories lying with third parties and the Companies have not received any assets as gift/grant from Government or any other authorities.

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का अनुलग्नक ख

(31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति समदिनांकित हमारी रिपोर्ट की "अन्य कानूनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के अधीन अनुच्छेद 2 (छ) के संदर्भ में)

कम्पनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए, एमएसटीसी लिमिटेड ("होल्डिंग कम्पनी") और इसकी सहायक कंपनी (होल्डिंग कंपनी एवं इसकी सहायक कंपनी जो समूह के रूप में संदर्भित है) एक संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था जो उस तिथि के तहत भारत में निगमित कंपनी है, की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के साथ-साथ की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान (अनुदेश टिप्पणी) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी में व्यक्त आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य पहलुओं पर विचार करते हुए आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की स्थापना एवं बनाए रखना भारत में निगमित समूह के निदेशक मंडल की जिम्मेदारी है। इन जिम्मेदारियों में, अधिनियम के अधीन अपेक्षानुसार पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की रूपरेखा तैयार करना, कार्यन्वित करना एवं बनाए रखना जो कम्पनी की नीतियों के पालन सहित इसके व्यवसाय के क्रमबद्ध एवं दक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित थे, इसकी परिसंपत्तियों की हिफाजत, धोखाधड़ियों और चूक का निवारण एवं पता लगाना, लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता एवं संपूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को यथा समय तैयार करना शामिल है।

लेखापरीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर समूह के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के बारे में राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखापरीक्षण मानकों एवं वित्तीय रिपोर्टिंग के बारे में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी (''अनुदेश टिप्पणी'') के अनुसार आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की प्रयोज्य सीमा में हमारी लेखापरीक्षा की है, दोनों ही भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी किए गए हैं। इन मानकों एवं अनुदेश टिप्पणी में अपेक्षित है कि हम नीतिपरक अपेक्षाओं का पालन करें एवं सुसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना एवं निष्पादन करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की स्थापना की गई थी एवं अनुरक्षित हुई थी और क्या ये नियंत्रण सभी भौतिक पहलुओं में प्रभावी रूप से संचालित थे।

ANNEXURE B TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 2(g) under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date to the members of MSTC Limited on the Consolidated Ind AS Financial Statements for the year ended 31st March 2018).

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

In conjunction with our audit of the Consolidated Ind AS financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March 2018, we have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED ("the Holding Company") and its subsidiary company (the Holding Company and its subsidiary together referred to as "the Group") and jointly controlled entity, which is a Company incorporated in India as of that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The respective Board of Directors of the Group incorporated in India are responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Group considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India (the "Guidance Note"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Act.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Group's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed under section 143(10) of the Act and Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note"), to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता एवं इनकी प्रचालनीय प्रभावकारिता के बारे में, लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्यपद्धतियों का निष्पादन करना है। वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की व्याख्या प्राप्त करना, जोखिम का आकलन कि भौतिक दुर्बलता विद्यमान है एवं आकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा एवं प्रचालनीय प्रभावकारिता का परीक्षण एवं मूल्यांकन शामिल है।

चयनित कार्यपद्धतियाँ लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें समेकित इंड एएस वित्तीय विवरणों की भौतिक गलत बयानबाजी के जोखिम का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या चूक के कारण हो।

हम विश्वास करते हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर समूह की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में हमारी लेखापरीक्षा की राय के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु हमें जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त हुए, एवं नीचे वर्णित अनुच्छेद अन्य विषय वस्तुओं से संदर्भित अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा उनकी रिपोर्ट के अनुसार जो साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, वो पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का आशय

वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक कार्यपद्धति है जो सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करने के लिए निरुपित है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वो नीतियाँ एवं कार्य पद्धतियाँ शामिल हैं जो :

(1) रिकॉर्ड के रखरखाव के सम्बन्ध में हैं जो कम्पनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन एवं स्थिति को सुसंगत विस्तार में सटीक रूप से एवं सही रूप से प्रदर्शित करती हैं

(2) यथासंगत आश्वासन प्रदान करती हैं कि लेनदेन को रिकॉर्ड किया गया है जैसा कि सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धातों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति के लिए अपेक्षित है एवं कम्पनी की प्राप्तियाँ एवं व्यय केवल कम्पनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं, और

(3) कम्पनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, प्रयोग या स्थितियों के निवारण या यथा समय पता लगाने के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करती हैं, जिनका वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव पड़ सकता था।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाबद्धताएँ

नियंत्रण का अतिक्रमण करने वाली मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन की संभावना समेत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाबद्धताओं के कारण चूक या धोखाधड़ी की वजह से महत्वपूर्ण गलत बयानबाजी घट सकती है एवं पता नहीं चल सकता है। साथ ही, भावी अवधियों के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी मूल्यांकन की प्रायोजना जोखिम के अधीन है कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है ये फिर नीतियों या पद्धतियों के साथ अनुपालन के स्तर में कमी आ सकती है।

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditors' judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the Consolidated Ind AS financial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained and the audit evidence obtained by other auditors in terms of their reports referred to in the Other Matter paragraph below, is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Group's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A Company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that;

1. Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the company;
2. Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the Company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the company; and
3. Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the Company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial controls over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

योग्यताप्राप्त राय

हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार एवं हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर 31 मार्च, 2018 के अनुसार निम्नलिखित भौतिक कमजोरी चिह्नित की गई है:

(क) होल्डिंग कंपनी के पास ग्राहक की स्वीकृति, ऋण मूल्यांकन और बिक्री के लिए ऋण सीमा की स्थापना हेतु कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है जो अंत में संग्रह की तर्कसंगत सुनिश्चितता किए बिना कंपनी की राजस्व पहचान में संभावी परिणाम हो सके। बकाया राशि की वसूली के लिए ग्राहकों से तदुपरांत कार्यवाहियों के लिए आंतरिक नियंत्रण पर्याप्त नहीं है।

(ख) होल्डिंग कंपनी के पास अपने ग्राहक की ओर से कंपनी द्वारा संग्रह की गई कच्ची सामग्री के बंधक रखे स्टॉक एवं कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए अभिरक्षक के नियंत्रण के अधीन रखे स्टॉक के विषय में कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे गोदामों से सामग्रियाँ अनधिकृत रूप से ले जायी गई हैं।

'भौतिक कमजोरी' वस्तुत: वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में इस तरह की एक कमी या कमियों का संयोजन है कि एक यथा संगत संभावना रहती है कि कंपनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरण की भौतिक गलत बयानबाजी को समयाधार पर रोका नहीं जा सकेगा या पता नहीं चल पाएगा।

हमारी राय में, नियंत्रण मानदंड के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ऊपर वर्णित भौतिक कमजोरी के संभावी प्रभावों को छोड़ कर, समूह ने सभी भौतिक पहलुओं में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली का रखरखाव किया है एवं भारतीय सनदी लेखापाल संस्था द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर अनुदेश टिप्पणी में व्यक्त आंतरिक नियंत्रण की अनिवार्य विषय वस्तुओं को विचार में लेते हुए समूह द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण 31 मार्च 2018 को प्रभावी रूप से प्रचालित थे।

अन्य विषय वस्तुएँ

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता एवं प्रचालन प्रभावकारिता पर अधिनियम की धारा 143(3)(i) के अन्तर्गत हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट, जहाँ तक एक सहायक कंपनी, जो कि भारत में निगमित कंपनी है, के संबंध में है, भारत में निगमित उस सहायक कंपनी के लेखापरीक्षक की अनुरूपी रिपोर्ट पर आधारित है।

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
साझेदार
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
तारीख : 27.07.2018

Qualified Opinion

According to the information & explanations given to us and based on our audit, the following material weaknesses have been identified as at 31st March 2018:-

a) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

b) The Holding Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

A 'material weakness' is a deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the Company's annual or interim financial statements will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Group, has maintained in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31st March 2018, based on the internal financial control over financial reporting criteria established by the Group considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

Other Matters

Our aforesaid report under Section 143(3)(i) of the Act on the adequacy and operating effectiveness of the internal financial controls over financial reporting in so far as it relates to one subsidiary company, which is a company incorporated in India, is based on the corresponding report of the auditor of that subsidiary Company incorporated in India.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accounants
FRN 304138E

Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date : 27.07.2018

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता के वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6)(ख) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणी

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्ट की रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण को तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त किये गये सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143 (10) के अधीन निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143 के अधीन इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेवार है। यह उनकी लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 27 जुलाई, 2018 के तहत किया हुआ बताया गया है।

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की ओर से मैंने 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के अधिनियम की धारा 143(6)(क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा संचालित किया है। अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यरत कागजों की प्राप्ति के बगैर सम्पन्न किया गया है तथा सांविधिक लेखा परीक्षक एवं कंपनी कार्मिक तथा कतिपय लेखा रिकॉर्ड्स की चयनित परीक्षा की जांच के अनुसार प्राथमिक रूप से सीमित है।

मेरी अनुपूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया है जिसे अधिनियम के धारा 143 (6)(ख) के अंतर्गत असांविधिक लेखा परीक्षक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक
और उनकी ओर से

(सुपर्णा देव)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के महा निदेशक और
पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पर्षद- I
कोलकाता

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 14 सितम्बर 2018

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED, KOLKATA FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2018

The preparation of financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March 2018 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The Statutory Auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 27th July 2018.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2018 under Section 143(6) (a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to Statutory Auditors' Report under section 143 (6) (b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(Suparna Deb)
Director General of Commercial Audit &
Ex-officio Member, Audit Board-I,
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 14.09.2018

₹ लाख में Amount in ₹ lakhs

31 मार्च 2018 के अनुसार समेकित तुलन पत्र Consolidated Balance Sheet as at 31st March 2018

विवरण		टिप्पणी Notes	31 मार्च के अनुसार 2018 As at 31st Mar 2018	31 मार्च के अनुसार 2017 As at 31st Mar 2017
परिसंपत्तियाँ	**ASSETS**			
1. गैर - मौजूदा परिसंपत्तियां	(1) Non-current assets			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	(a) Property, Plant and Equipment	2	6,771	6,419
(ख) प्रगति में पूंजीगत कार्य	(b) Capital Work in Progress	2	1,044	218
(ग) अमूर्त संपत्तियां	(c) Intangible assets	2	133	164
			7,948	**6,801**
(घ) वित्तीय संपत्तियां	(d) Financial assets			
(i) निवेश	(i) Investments			
संयुक्त उपक्रम में	In Joint Venture	42	880	263
(ii) व्यापार प्राप्य	(ii) Trade receivables	15	44	5
(iii) अन्य वित्तीय संपत्तियां	(iii) Other financial assets	3	5,556	692
(ङ) गैर-मौजूदा कर संपत्ति	(e) Non-Current tax assets	4	3,490	1,517
(च) आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	(f) Deferred tax assets (net)	6	30,383	31,705
(छ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(g) Other non-current assets	5	1,040	393
कुल गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां	**Total non- current assets**		**49,341**	**41,376**
(2) **मौजूदा परिसंपत्तियां**	(2) Current assets			
(क) इंवेंटरी (मालसूची)	(a) Inventories	7	416	7,439
(ख) वित्तीय संपत्तियां	(b) Financial assets			
(i) व्यापार प्राप्य	(i) Trade receivables	8	3,98,153	3,74,088
(ii) नकद और नकद समकक्ष	(ii) Cash and cash equivalents	9	17,586	9,024
(iii) अन्य बैंक शेष	(iii) Other Bank Balances	10	37,894	47,217
(iv) अन्य वित्तीय संपत्तियां	(iv) Other financial assets	11	5,177	6,962
(ग) अन्य मौजूदा संपत्तियां	(c) Other current assets	12	1,436	1,718
			4,60,662	**4,46,448**
बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत संपत्तियाँ	Assets classified as held for sale	25	259	264
कुल मौजूदा संपत्ति	Total current assets		4,60,921	4,46,712
कुल परिसंपत्तियां	**TOTAL ASSETS**		**5,10,262**	**4,88,088**
इक्विटी एवं देयता	**EQUITY AND LIABILITIES**			
(1) इक्विटी	(1) Equity			
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	(a) Equity share capital	13	3,520	1,760
(ख) अन्य इक्विटी	(b) Other equity	14	69,573	66,950
कुल इक्विटी	Total equity		73,093	68,710
(2) गैर-मौजूदा देयता	(2) Non-current liabilities			
(क) वित्तीय देयता	(a) Financial liabilities			
(i) व्यापार देय	(i) Trade payables	16	26	26
(ii) अन्य वित्तीय देयता	(ii) Other financial liabilities	17	94	68
(ख) प्रावधान	(b) Provisions	18	8,933	6,529
(ग) अन्य गैर मौजूदा देयता	(c) Other non-current liabilities	19	737	568
कुल गैर मौजूदा देयता	**Total non- current liabilities**		**9,790**	**7,191**
(3) **मौजूदा देयता**	**(3) Current liabilities**			
(क) वित्तीय देयता	(a) Financial liabilities			
(i) ऋण	(i) Borrowings	20	76,618	68,835
(ii) व्यापार देय	(ii) Trade payables	21	2,60,382	2,55,968
(iii) अन्य वित्तीय देयता	(iii) Other financial liabilities	22	85,569	81,053
(ख) अन्य मौजूदा देयता	(b) Other current liabilities	24	2,658	1,644
(ग) प्रावधान	(c) Provisions	23	2,127	4,680
			4,27,354	**4,12,180**
बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत देयताएँ	Liabilities classified as held for sale	25	25	7
कुल मौजूदा देयता	**Total current liabilities**		**4,27,379**	**4,12,187**
कुल देयता	**Total liabilities**		**4,37,169**	**4,19,378**
कुल इक्विटी एवं देयता	**TOTAL EQUITY AND LIABILITIES**		**5,10,262**	**4,88,088**

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B. Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R. K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

₹ लाख में Amount in ₹ lakhs

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Profit & Loss for the period 31st March 2018

विवरण	Particulars	टिप्पणी Note	वर्तमान वर्ष Current year 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष Previous year 31.03.2017
परिसंपत्तियां	**ASSETS**			
I परिचालन से राजस्व	I Revenue from operations	26	2,26,540	1,73,922
II अन्य आय	II Other Income	27	52,775	7,767
III कुल राजस्व (I + II)	**III Total Revenue (I + II)**		**2,79,315**	**1,81,689**
IV व्यय	IV EXPENSES			
(क) व्यापारगत माल की खरीदारी/ प्रचालनीय कंज्यूमेबल्स एवं स्पेयर्स	(a) Purchases of Stock-in-Trade/Operational Consumables & Spares	28	1,51,928	1,28,261
(ख) तैयार वस्तुओं के स्टॉक में बदलाव, कार्य प्रगति और व्यापारगत माल	(b) Changes in stock of finished goods, work-in-progress and stock-in-trade		7074	(5,545)
(ग) कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	(c) Employee benefit expense	29	21,149	14,915
(घ) वित्तीय व्यय	(d) Finance costs	30	6,736	6,772
(ङ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	(e) Depreciation and amortisation expense	2	1,239	1,213
(च) अन्य व्यय	(f) Other expenses	31	79,343	23,673
V कुल व्यय	**V Total Expenses**		**2,67,469**	**1,69,289**
VI अपवादिक मद और कर पूर्व लाभ (III- IV)	VI Profit before exceptional items and tax (III - V)		11,846	12,400
VII अपवादिक मदें	VII Exceptional Items	32	-	5
VIII संयुक्त उद्यमों के लाभ/हानि के अंश एवं कर पूर्व लाभ (VI - VII)	VIII Profit before share of profit/(loss) of Joint Ventures and tax (VI - VII)		11,846	12,395
IX संयुक्त उद्यमों के लाभ/हानि के अंश	IX Share of profit/(loss) of Joint Ventures		(131)	(47)
X कर से पूर्व लाभ (VIII + IX)	X Profit before tax (VIII + IX)		11,715	12,348
XI कर व्यय	XI Tax Expense			
(क) वर्तमान कर	(a) Current tax	37	2,758	4,510
(ख) आस्थगित कर	(b) Deferred tax		1235	(146)
कुल कर व्यय	**Total tax expense**		**3,993**	**4,364**
XII वर्ष के लिए लाभ (X - XI)	XII Profit for the period (X - XI)		7,722	7,984
XIII अन्य व्यापक आय	XIII Other comprehensive income			
(क) (i) वस्तु जो लाभ या हानि में पुनवर्गीकरण नहीं किया जाएगा	A (i) Items that will not be reclassifed to profit or loss	41	(308)	(878)
(ii) उपरोक्त पर आय कर	(ii) Income tax on above		(21)	304
(ख) संयुक्त उद्मों के अन्य व्यापक आय के अंश	B Share of Other Comprehensive Income of Joint Venture		(2)	0
			(331)	(574)
XIV अवधि के लिए कुल व्यापक आय (XII + XIII)	**XIV Total comprehensive income for the period (XII + XIII)**		**7,391**	**7,410**
XV प्रति इक्विटी शेयर अर्जन (अंकित मूल्य रु.10 प्रत्येक):	XV Earnings per equity share (face value ₹ 10 each):	38		
(क) बेसिक (₹ में.)	(a) Basic (in ₹)		22	23
(ख) डायल्यूटेड (₹ में.)	(b) Diluted (in ₹)		22	23

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी
हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.
In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : **304138E**

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B. Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R. K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

₹ लाख में Amount in ₹ lakhs

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Changes in Equity for the year ended 31st March 2018

विवरण	Particulars	न. Nos	अंकित मुल्य (₹) Face Value (₹)	राशि ₹ लाख में Amount (₹ Lakhs)
क इक्विटी शेयर पूंजी	**A Equity Share Capital**			
शेष राशि 31 मार्च, 2016 को	**Balance as at March 31, 2016**	88,00,000	10	880
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	88,00,000	10	880
शेष राशि 31 मार्च, 2017 को	**Balance as at March 31, 2017**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	1,76,00,000	10	1,760
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**

ख अन्य इक्विटी **B. Other Equity**

		पूँज आरक्षण Capital Reserve	सामान्य आरक्षण General Reserve	प्रतिधारित आय Retained Earnings	कुल Total
शेष राशि 31 मार्च, 2016 को	**Balance as at March 31, 2016**	**3,416**	**59,037**	**2,172**	**64,625**
वर्ष के लाभ	Profit for the year		-	7,984	7,984
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year		-	(574)	(574)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से)प्रतिधारित आय	Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning		1,489	(1,489)	-
घटाएं: अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 15-16	Less:Final Dividend FY 15-16		-	(1,804)	(1,804)
घटाएं: अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 15-16	Less:Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 15-16		-	(368)	(368)
घटाएं: वित्तीय वर्ष 16-17 के लिए अंतरिम लाभांश	Less:Interim Dividend FY 16-17		-	(1,672)	(1,672)
घटाएं: अंतरिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 16-17	Less:Dividend Distribution Tax on Interim Dividend FY 16-17	-	(361)	(361)	
घटाएं: बोनस शेयर जारी करना	Less:Issue of Bonus Shares		-	(880)	(880)
शेष राशि 31 मार्च, 2017 को	**Balance as at March 31, 2017**	**3,416**	**60,526**	**3,008**	**66,950**
वर्ष के लाभ	Profit for the year		-	7,722	7,722
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year		-	(331)	(331)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से)प्रतिधारित आय	Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning		4,251	(4,251)	-
घटाएं: अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 16-17	Less:Final Dividend FY 16-17		-	(2,499)	(2,499)
घटाएं: अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 16-17 एवं अंतरिम लाभांश वित्तीय वर्ष 17-18 पर	Less:Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 16-17 & Interim Dividend FY 17-18		-	(509)	(509)
घटाएं: बोनस शेयर का जारी किया जाना	Less:Issue of Bonus Shares		(1,760)	-	(1,760)
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	**3,416**	**63,017**	**3,140**	**69,573**

संलग्न टिप्पणियाँ वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार। In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : **304138E**

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B. Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R. K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

₹ लाख में Amount in ₹ lakhs

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Cash Flows for the Year ended 31st March 2018

विवरण	Particulars	31 मार्च 2018 के अनुसार As at 31st Mar 2018	31 मार्च 2018 के अनुसार As at 31st Mar 2017
क. परिचालन कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES**		
वर्ष के लिए लाभ	Profit for the year	11,715	12,348
समायोजन :	Adjustments for:		
गैर-मौजूदा संपत्तियों का मूल्यह्रास / परिशोधन	Depreciation / Amortisation of non-current assets	1,239	1,213
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के निपटान पर हानि/(लाभ)	Loss/(Gain) on disposal of Property Plant and Equipment	(5)	57
वित्त लागत	Finance Cost	6,736	6,772
लाभ एवं हानि में स्वीकृत ब्याज आय	Interest Income recognised in profit & loss	(2,673)	(4,401)
आवश्यक नहीं रह गए प्रावधान बट्टा खाता में डाले गए	Provision no Longer Required Written Back	(47,182)	(2,978)
खराब ऋण बट्टा खाता में डाला गया	Bad Debt Witten Off	45,941	2,418
खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों/ऋणों के लिए प्रावधान	Provision for Bad and Doubtful Advances/Debts	13,881	3,122
देयता पुनरांकित की गई	Liability written Back	(2,817)	-
कार्यशील पूँजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating profit before Working Capital changes**	**26,835**	**18,551**
परिचालन संपत्तियों एवं देयताओं में परिवर्तन के लिए समायोजन	Adjustments for changes in Operating Assets & Liabilities		
परिचालन संपत्तियों में वृद्धि/कमी के लिए समायोजन	Adjustments for (increase) / decrease in Operating Assets:		
कार्यशील पूँजी में संचार :	Movement in working capital:		
व्यापार एवं अन्य प्राप्यों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Trade and Other Receivables	(36,416)	(82,954)
अन्य परिसंपत्तियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Other Assets	(360)	237
इंवेन्टरीज (मालसूची) में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/ decrease in Inventories	7,023	(5,522)
परिचालन देयताओं में (वृद्धि)/कमी के लिए समायोजन:	Adjustments for increase / (decrease) in Operating Liabilities:		
व्यापार देय एवं अन्य वित्तीय देयताओं में (वृद्धि)/कमी	Increase/ (decrease) in Trade Payables & Others Financial Liabilities	8,959	31,404
अन्य देयताओं में (वृद्धि)/कमी	Increase/ (decrease) in Other Liabilities	1,201	(502)
प्रावधान में (वृद्धि)/कमी	Increase/ (decrease) in Provisions	(457)	(467)
परिचालन से नकद की सृष्टि	Cash generated from Operations	6,785	(39,253)
प्रत्यक्ष कर भुगतान (शुद्ध वापसी)	Direct Taxes Paid (Net of Refund)	(4,666)	(5,328)
परिचालन कार्य कलापों से शुद्ध नकद	**Net cash from Operating Activities**	**2,119**	**(44,581)**
ख) निवेश कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के लिए भुगतान	Payment for Property, Plant & Equipment	(2,629)	(1,938)
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के निपटान से प्राप्ति	Proceeds from disposal of Property Plant & Equipment	248	447
मियादी जमा में निवेश	Investment In Fixed Deposits	9,323	27,896
संयुक्त उद्यम में निवेश	Investment in Joint Venture	(617)	(263)
प्राप्त ब्याज	Interest received	2,082	4,217
निवेश गतिविधियों में शुद्ध नकद (प्रयुक्त)	**Net cash (used) in Investing Activities**	**8,407**	**30,359**
ग) वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES**		
अल्प मियादी उधारी से प्राप्ति	Proceeds from Short term borrowings	303	12,171
ब्याज भुगतान	Interest Paid	(6,739)	(6,762)
लाभांश भुगतान	Dividend Paid	(2,499)	(3,476)
लाभांश भुगतान पर कर	Tax on Dividends Paid	(509)	(729)
वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त शुद्ध नकद	**Net cash used in Financing Activities**	**(9,444)**	**1,204**
नकद एवं नकद समकक्ष में शुद्ध वृद्धि/(कमी) (क+ख+ग)	Net increase/(decrease) in Cash & Cash equivalents(A+B+C)	1,082	(13,018)
वर्ष के प्रारंभ में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the beginning of the Year	(3,892)	9,126
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	(2,810)	(3,892)

टिप्पणी: (1) कोष्ठक में शामिल अंक बहिर्वाह दर्शाते हैं। **Note :** (1) Figures in brackets indicate outflows.

(2) **नकद एवं नकद समकक्ष दर्शानेवाले विवरण** (2) **Statement Showing Cash and Cash Equivalents**

विवरण	Particulars	As at 31st Mar 2018 ₹ in lakh	As at 31st Mar 2017 ₹ in lakh
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	17,586.00	9,024
घटाएं : वर्ष के अंत में ओवरड्राफ्ट बैलेंस	Less : Over Draft Balances at the end of the year	20,396.00	12,916
वर्ष के अंत में शुद्ध नकद एवं नकद समकक्ष	**Net Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	**(2,810.00)**	**(3,892)**

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC LIMITED**

कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K. Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B. Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक वित्त
डीआईएन- 03102901

(A. K. Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R. K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणियाँ

1.क) सामान्य जानकारी

एमएसटीसी लिमिटेड, एक मिनीरत्न श्रेणी–I कंपनी, 9 सितंबर, 1964 को कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत गठित हुई थी। कंपनी व्यापारिक गतिविधियों, ई–कॉमर्स और फेरस और गैर–फैरस स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादन आदि का निपटान करती है, जो ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों के हैं। कंपनी की मुख्य गतिविधि दो संचालन प्रभागों में विभाजित की गई है, अर्थात ई–कॉमर्स और ट्रेडिंग। ई–कॉमर्स डिवीजन ई–नीलामी के माध्यम से स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादों का निपटान करता है। प्रधानों (प्रिंसिपल) की सूची में शामिल हैं रक्षा मंत्रालय, पीएमओ, एनसीटी/दिल्ली सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम यथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि., ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लि., राज्य विद्युत बोर्ड, भारत संचार निगम लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. आदि। निपटान की पद्धति में शामिल है ई–नीलामी, ई–निविदा, ई–रिवर्स ऑक्शन आदि। साथ ही, एमएसटीसी कोल इंडिया लि., सिंगरेनी कोलफील्ड्स लि. आदि से कोयला भी ई–नीलामी करती है। इसके अलावा एमएसटीसी ई–प्रोक्योरमेंट समाधान भी प्रदान करती है। व्यापार प्रभाग आयात/निर्यात एवं मुख्यतया थोक औद्योगिक कच्ची सामग्रियों के घरेलू व्यापार का परिचालन करता है। यह भारतीय उद्योगों की आपूर्ति के लिए औद्योगिक कच्ची सामग्रियां यथा हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटालर्जिकल कोक, एचआर क्वायल, क्रूड ऑयल, नैप्था, कोकिंग कोल, स्टीम कोल आदि के उपलब्धता स्रोत, क्रय एवं बिक्री को देखती है। कोयला/इस्पात उद्योग, तेल क्षेत्र, राज्य की स्वामित्ववाली विद्युत कंपनियाँ आदि अंतिम ग्राहक हैं।

इसके पास पूर्ण स्वामित्व की एक सहायक कंपनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) है जो 28 मार्च, 1979 को निगमित हुई थी। एफएसएनएल इस्पात संयंत्रों में लोहा एवं इस्पात बनाए जाने के दौरान उत्पन्न स्लैग एवं परित्यक्त से स्क्रैप को पुनः प्राप्त करने एवं प्रसंस्करण का कार्य करती है। ये ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार ब्लास्ट फर्नेस का उत्खनन एवं ढुलाई, स्लैग यार्ड में स्टील मेल्टिंग शॉप स्लैग एवं लौह एवं इस्पात अवशेष, मिल के परित्यक्त का प्रक्रियाकरण एवं स्क्रैप के रखरखाव के लिए विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करती है। एफएसएनएल सिन्टर संयंत्र, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप एवं रेल बैलस्ट में प्रयोग किए जाने हेतु स्लैब की परत चढ़ाने, एलसी स्लैग को कुचलने एवं निरीक्षण की सेवा भी प्रदान करती है। यह स्लज कम्पार्टमेंट (पंक कक्ष) एवं राख के तालाबों से पंक एवं राख के जमाव को भी हटाती है। ये ओपन हार्थ मक डम्प में एसिड स्लज के संचालन एवं निष्प्रभावन का भी कार्यभार संभालते हैं। एफएसएनएल निम्न सेवाएँ भी प्रदान करती है – (क) एमएसटीसी लिमिटेड के ग्राहकों को गोदाम प्रबंधन के लिए अभिरक्षण सेवा एवं (ख) संयंत्र एवं मशीनरी/स्क्रैप, चल एवं अचल सामग्री/संपत्तियों के लिए मूल्यांकन सेवाएँ।

1.ख) हाल के लेखांकन विकास : मानक जारी किए गए परंतु अभी तक प्रभावी नहीं हुए

निगमित मामले मंत्रालय (एमसीए) ने इंड एएस 115–ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व अधिसूचित किया है एवं दिनांक 28.03.2018 को वर्तमान इंड एएस में कुछ संशोधन निम्नानुसार हैं :

NOTES TO CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2018

1.A .General Information

MSTC Limited, a Mini Ratna Category-I Company, was incorporated under the Companies Act, 1956 on 9th September, 1964. The Company undertakes trading activities, e-commerce and also disposal of ferrous and non-ferrous scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces etc. mostly from Public Sector Undertakings and Govt. Departments. The core activity of the Company has been divided into two Operational Divisions, i.e. e-Commerce and Trading. The e-Commerce division undertakes disposal of Scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces through e-Auction. The list of Principals includes Ministry of Defence, PMO, Govt. of NCT/Delhi, PSUs like Indian Oil Corporation Ltd, Oil and Natural Gas Corporation Ltd, State Electricity Boards, Bharat Sanchar Nigam Ltd, Hindustan Petroleum Corporation Ltd. etc. The mode of disposal includes e-auction, e-tender, e-reverse auction etc. Besides, MSTC also e-auctions coal from Coal India Ltd, Singareni Coalfields Ltd etc. Apart from these MSTC also provides e-procurement solution. The trading division handles import/export and domestic trade of mainly bulk industrial raw material. It looks after sourcing, purchase and sales of industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Crude Oil, Naptha, Coking Coal, Steam Coal etc. for supply to Indian industries. The end customers are Coal/Steel Industries, Oil sector, State owned Power Companies etc.

It is having a wholly owned subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL), which was incorporated on 28th March 1979. FSNL undertakes the job of recovery and processing of scrap from slag and refuse generated during iron and steel making at Steel Plants. They offer specialised services for Dig and Haul of Blast Furnaces and Steel Melting Shop Slag at slag yards, processing of iron and steel skulls, Mill rejects and Maintenance scrap as per customer's requirement. FSNL also offers scarfing of slabs, crushing and screening of LC slag to be used in sinter plant, blast furnace, steel melting shop and rail ballast. It removes sludge and ash deposit from sludge compartments and ash ponds. They also handle and neutralise Acid Sludge in open Hearth Muck Dump. FSNL is also providing (a) Custodian service for warehouse management to the clients of MSTC Limited and (b) Valuation services for plant and machinery/scrap, movable and immovable material/ properties.

1.B. Recent Accounting Developments: Standards issued but not yet effective

Ministry of Corporate Affairs (MCA) has notified Ind AS 115-Revenue from Contract with Customers and certain amendment to existing Ind ASs, on 28.03.2018 as narrated below:

(क) इंड एएस 115 - ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व : यह इंड एएस 11 निर्माण संविदा, इंड एएस 18 राजस्व एवं संबंधित व्याख्याओं सहित वर्तमान राजस्व मान्यता मार्गदर्शन के स्थान पर लागू रहेगा।

(ख) वर्तमान इंड एस में संशोधन :

(i) इंड एएस 21 – विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव

(ii) इंड एएस 12 –आय कर

(iii) इंड एएस 40 –निवेश संपत्ति

(iv) इंड एएस 28 – सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश, और

(v) इंड एएस 112 – अन्य संस्थानों में हितों का प्रकटन

समूह इंड एएस 115 के विस्तृत प्रभाव के मूल्यांकन की प्रक्रिया में है। वर्तमान में, समूह प्रभाव के युक्ति संगत आकलन में सक्षम नहीं है जो कि इसके वित्तीय विवरणों पर इंड एएस 115 के अनुप्रयोग से अपेक्षित है, सिवाय इसके कि इंड एएस 115 का अंगीकरण से समूह की राजस्व स्वीकृति के समय में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन अपेक्षित नहीं है।

सूचित अनुसार उपर्युक्त परिवर्तन दिनांक 01.04.2018 से समूह पर लागू रहेगा। समूह रूपांतरित पूर्व–प्रभावी दृष्टिकोण का इस्तेमाल करते हुए मानक को अपनाने की इच्छा रखता है, इसका अभिप्राय है कि इस अंगीकरण के संचयी प्रभाव को दिनांक 1 अप्रैल 2018 की स्थिति को प्रतिधारित आय में मान्यता दी जाएगी एवं आपेक्षिकों का पुन:उल्लेख नहीं किया जाएगा।

1. ग) महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. ग) 1 (क) तैयारी के आधार

वित्तीय विवरण को कुछ संपत्ति और देनदारियों के अपवाद के साथ ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत तैयार किया गया है, जिन्हें इंड–एएस द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर मापा जाना अपेक्षित है। समूह के वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों (‘इंड एएस’) और साथ ही कंपनी अधिनियम 2013 के संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत सूचित नियमों के अनुपालन हेतु तैयार किये गए हैं।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त की जाती है या मापन तिथि पर बाजार सहभागियों के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में देयता को हस्तांतरित करने के लिए भुगतान किया जाता है, भले ही उस कीमत को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है या किसी मूल्यांकन तकनीक के प्रयोग से अनुमान लगाया जा सकता है। किसी परिसंपत्ति या दायित्व के उचित मूल्य के आकलन में, समूह परिसंपत्ति या देनदारी की विशेषताओं को ध्यान में रखती है, अगर बाजार के प्रतिभागियों ने उन विशेषताओं को माप की तारीख में परिसंपत्ति या दायित्व के मूल्य निर्धारण में लिया है।

कार्यवाहक मुद्रा एवं प्रस्तुतीकरण मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (₹) में तैयार किए जाते हैं, जो कि समूह के सभी प्रचालनों के लिए इसकी कार्यवाहक मुद्रा है। भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय सूचना निकटतम लाख में पूर्ण राशि में दी गई है, यदि अन्यथा उल्लेख नहीं है।

(a) *Ind AS 115- Revenue from Contract with Customers :* This will supersede the current revenue recognition guidance including Ind AS 11 Construction Contract, Ind AS 18 Revenue and related interpretations.

(b) *Amendment to existing Ind AS:*

(i) Ind AS 21- The effect of Changes in Foreign Exchange Rates

(ii) Ind AS 12- Income Taxes

(iii) Ind AS 40- Investment Property

(iv) Ind AS 28- Investment in Associates and Joint Ventures, and

(v) Ind AS 112- Disclosure of Interests in other entities

The Group is in the process of assessing the detailed impact of Ind AS 115. Presently, the Group is not able to reasonably estimate the impact that application of Ind AS 115 is expected to have on its financial statements, except that adoption of Ind AS 115 is not expected to significantly change the timing of the Group’s revenue recognition.

The above changes as notified shall be applicable to the Group w.e.f from 01.04.2018. The Group intends to adopt the standard using the modified retrospective approach which means that the cumulative impact of the adoption will be recognised in retained earnings as of 1st April 2018 and that comparatives will not be restated.

1.C Significant Accounting Policies

1.C.1 (a) Basis of preparation

The financial statements have been prepared under the historical cost convention with the exception of certain assets and liabilities that are required to be measured at fair value at the end of each reporting period by Ind ASs. The financial statements of the Group have been preapared to comply with the Indian Accounting Standards (‘Ind ASs’), including the rules notified under the relevant provisions of the Companies Act 2013.

Fair value is the price that would be received to sell an asset or paid to transfer a liability in an orderly transaction between market participants at the measurement date, regardless of whether that price is directly observable or estimated using another valuation technique. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Group takes into account the characteristics of the asset or liability if market participants would take those characteristics into account when pricing the asset or liability at the measurement date.

Functional Currency and Presentation Currency

The financial statements are prepared in Indian Rupees (₹) which is the Group's functional currency for all its operations. All financial information presented in Indian Rupees (₹) has been rounded to the nearest lakh, unless otherwise stated.

चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

समूह चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलन पत्र में परिसंपत्ति एवं देनदारी प्रस्तुत करती है। सभी परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को समूह के आम प्रचालन चक्र एवं कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची ।।। और इंड एएस 1- वित्तीय विवरणियों के प्रस्तुतीकरण में निर्धारित अन्य मानदंड के अनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

प्रचालन चक्र कार्य-प्रक्रिया हेतु परिसंपत्तियों के अधिग्रहण एवं नकद और नकद समतुल्य में इनकी वसूली के बीच का समय है। समूह ने अपने प्रचालन चक्र के रूप में बारह महीने चिह्नित किया है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को गैर-चालू परिसंपत्तियों और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

अनुमान एवं महत्वपूर्ण न्याय का उपयोग

इंड एएस के अनुसार खातों की तैयारी के लिए प्रबंधन को परिसंपत्तियों और दायित्वों की रिपोर्ट की गई राशि, लेखा की तारीख को आकस्मिक संपत्तियों एवं दायित्वों का प्रकटीकरण एवं अवधि के दौरान आय एवं व्यय की रिपोर्ट राशि के प्रभाव का अनुमान एवं आकलन करना अपेक्षित है।

वास्तविक परिमाण उनके अनुमान से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान के लिए सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों को नीचे लेखांकन नीतियों में वर्णित किया गया है। महत्वपूर्ण लेखांकन फैसले और समूह की लेखांकन नीतियों को लागू करने में या आकलन अनिश्चितता के महत्वपूर्ण स्रोत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, वर्तमान परिसंपत्ति प्रावधान, आस्थगित कर, सेवानिवृत्ति लाभ के संबंध में उत्पन्न होते हैं। इनमें से प्रत्येक मद के लिए अंतर्निहित निर्णय और अनुमानों की विधियों सहित विस्तृत लेखा नीतियां नीचे चर्चा की गई हैं। इन सभी महत्वपूर्ण कारकों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखा अनुमानों के लिए संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है जिसमें अनुमान संशोधन किए गए हैं और किसी भी भविष्य की अवधि जो प्रभावित होती है।

1.ग.1 (ख) समेकन के सिद्धांत

समेकित वित्तीय विवरण एमएसटीसी लि. (''कंपनी'') और इसकी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लि. एवं संयुक्त उद्यम महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. से संबंधित है। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं :

क. कंपनी और इसकी सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण इंट्रा-ग्रुप शेष राशि एवं इंट्रा-ग्रुप लेनदेन को संपूर्ण रूप से हटाने के बाद परिसंपत्तियों, देयताओं, इक्विटी, आय, व्यय एवं नकदी प्रवाह जैसे मदों को जोड़ते हुए रेखा दर रेखा आधार पर संयोजित किया गया है।

ख. इंट्रा-ग्रुप लेनदेनों से उत्पन्न लाभ या हानि जो परिसंपत्तियों जैसे कि मालसूची एवं संपत्ति, संयंत्र व उपकरण में स्वीकृत हैं, को पूर्णतया हटा लिया गया है।

ग. प्रत्येक सहायक कंपनी की इक्विटी के मूल कंपनी के अंश एवं प्रत्येक सहायक कंपनी में मूल कंपनी के निवेश की वहन राशि को ऑफसेट (समाप्त) करना।

Current and Non-Current Classification

The Group presents assets and liabilities in the balance sheet based on current/ non-current classification. All assets and liabilities have been classified as current or non-current as per the Group's normal operating cycle and other criteria set out in the schedule III to the Companies Act, 2013 and Ind AS 1 – 'Presentation of Financial Statements'.

The operating cycle is the time between the acquisition of assets for processing and their realisation in cash and cash equivalents. The Group has identified twelve months as its operating cycle.

Deferred tax assets and liabilities are classified as non-current assets and liabilities.

Use of estimates and critical judgements

The preparation of accounts in accordance with Ind ASs requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities, disclosure of contingent assets and liabilities at the date of the accounts and reported amounts of income and expenses during the period.

Actual results could differ from those estimates. The most significant techniques for estimation are described in the accounting policies below. Critical accounting judgments and the key sources of estimation or uncertainty in applying the Group's accounting policies arise in relation to property, plant and equipment, current asset provisions, deferred tax, retirement benefits. The detailed accounting policies, including underlying judgments and methods of estimations for each of these items are discussed below. All of these key factors are reviewed on a continuous basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which estimates are revised and any future periods affected.

1.C.1(b) Principles of consolidation

The consolidated financial statements relate to MSTC Ltd ('the Company') and its subsidiary company Ferro Scrap Nigam Ltd. and joint venture Mahindra MSTC Recycling Pvt Ltd. The consolidated financial statements have been prepared on the following basis:

A. The financial statements of the Company and its subsidiary has been combined on a line by line basis by adding together like items of assets, liabilities, equity, incomes, expenses and cash flows, after fully eliminating intra-group balances and intra-group transactions.

B. Profits or losses resulting from intra-group transactions that are recognised in assets, such as inventory and property, plant and equipment, are eliminated in full.

C. Offset (eliminate) the carrying amount of the parent's investment in each subsidiary and the parent's portion of equity of each subsidiary.

घ. सहायक कंपनी में निवेश के निपटान से प्राप्त आमदनी और निपटान की तिथि को इसकी परिसंपत्तियों से देनदारियों को हटाने के बाद वहन राशि के बीच अंतर को सहायक कंपनी में निवेश के निपटान पर लाभ या हानि होने के कारण समेकित लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृति दी गई है।

ङ. वर्ष के लिए समेकित सहायक कंपनियों के लाभ/हानि के गैर-नियंत्रणकारी ब्याज अंश की पहचान की जाती है एवं कंपनी के शेयरधारकों से संबंधित शुद्ध आय पर निर्धारण हेतु समूह की आय के विरुद्ध समायोजन किया जाता है।

च. समेकित सहायक कंपनी की शुद्ध परिसंपत्तियों के गैर-नियंत्रणकारी ब्याज अंश की पहचान की जाती है एवं कंपनी के शेयरधारकों की देयताओं एवं इक्विटी से पृथक समेकित तुलनपत्र में प्रस्तुत किया जाता है।

छ. संयुक्त उद्यम में निवेश को इंड एएस-28-सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश के अनुसार इक्विटी विधि के अंतर्गत खाते में लिया गया है।

इक्विटी विधि

इक्विटी विधि के अंतर्गत, निवेश को प्रारंभ में लागत पर मान्यता दी जाती है एवं इसके बाद लाभ या हानि में निवेशी के अधिग्रहण उपरांत लाभ या हानि के समूह के अंश एवं निवेशी की अन्य व्यापक आय के समूह के अंश की मान्यता हेतु समायोजित होती है। संयुक्त उद्यम से लाभांश निवेश की वहन राशि में घटाव के रूप में स्वीकृति दी जाती है।

जब इक्विटी-परिकलित निवेश में समूह के हानि का अंश संस्था में उसके हित के समान या अधिक होता है, जिसमें कोई अन्य असुरक्षित दीर्घमियादी प्राप्य शामिल है, को समूह आगे की हानियों में मान्यता नहीं देती है, सिवाय इसके कि इसने दूसरी संस्था की ओर से कोई देयता व्यय किया है या भुगतान किया है।

कंपनी और इसके संयुक्त उद्यम के बीच लेनदेनों पर वसूल नहीं हुए लाभ इन संस्थाओं में समूह के हित की सीमा तक हटा दिए जाते हैं। वसूल नहीं हुई हानि को भी हटा दिया जाता है, सिवाय इसके कि लेनदेन स्थानांतरित परिसंपत्ति की क्षीणता का साक्ष्य प्रदान करता है। इक्विटी परिकलित निवेशी की लेखांकन नीतियों को समूह द्वारा अपनाई गई नीतियों के साथ अनुरूपता सुनिश्चित करने हेतु जहाँ भी आवश्यक हो, बदलाव किए गए हैं।

इक्विटी परिकलित निवेश की वहन राशि की जाँच नीति के अनुसार क्षीणता के लिए की गई है।

1.ग.2 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

समूह के वित्तीय विवरण को तैयार करते समय, कार्यात्मक मुद्रा को छोड़कर अन्य मुद्राओं में लेनदेन, लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा दर पर दर्ज की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित दरों पर पुन: रूपांतरित किया जाता है। विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित, उचित मूल्य पर गैर-मौद्रिक मद इस तिथि पर प्रचलित दरों पर पुन: रूपांतरित होते हैं जिस पर उचित मूल्य का निर्धारण किया गया था। कोई भी गैर मौद्रिक मद जो किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत की शर्तों में मापे जाते हैं, का रूपांतरण नहीं किया जाता है।

D. The difference between the proceeds from disposal of investment in subsidiary and the carrying amount of its assets less liabilities as on the date of disposal is recognised in the Consolidated Statement of Profit and Loss being the profit or loss on disposal of investment in subsidiary.

E. Non Controlling Interest's share of profit / loss of consolidated subsidiaries for the year is identified and adjusted against the income of the group in order to arrive at the net income attributable to shareholders of the Company.

F. Non Controlling Interest's share of net assets of consolidated subsidiary is identified and presented in the Consolidated Balance Sheet separate from liabilities and the equity of the Company's shareholders.

G. Investment in Joint Venture has been accounted under the equity method as per Ind AS 28 - Investments in Associates and Joint Ventures.

Equity method

Under the equity method, the investments are initially recognised at cost and adjusted thereafter to recognise the Group's share of the post-acquisition profits or losses of the investee in profit or loss, and the Group's share of other comprehensive income of the investee. Dividends from joint venture are recognised as a reduction in the carrying amount of the investment.

When the Group's share of losses in an equity-accounted investment equals or exceeds its interest in the entity, including any other unsecured long-term receivables, the Group does not recognise further losses, unless it has incurred obligations or made payments on behalf of the other entity.

Unrealised gains on transactions between the Company and its joint venture are eliminated to the extent of the Group's interest in these entities. Unrealised losses are also eliminated unless the transaction provides evidence of an impairment of the asset transferred. Accounting policies of equity accounted investees have been changed where necessary to ensure consistency with the policies adopted by the Group.

The carrying amount of equity accounted investments is tested for impairment in accordance with the policy.

1.C.2 Foreign currency translation

In preparing the financial statements of the Group, transactions in currencies other than the functional currency are recorded at the rates of exchange prevailing on the date of the transaction. At the end of each reporting period, monetary items denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing at the end of the reporting period. Non-monetary items carried at fair value that are denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing on the date when the fair value was determined. Non-monetary items that are measured in terms of historical cost in a foreign currency are not translated.

मौद्रिक मदों के निपटारे पर एवं मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित किए गए हैं। उचित मूल्य पर लिए गए गैर-मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित हैं, जिसमें गैर-मौद्रिक मदों के पुन: रूपांतरण पर उत्पन्न अंतर शामिल नहीं है जिसके लिए लाभ और हानि को अन्य व्यापक आय में प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया जाता है।

जहाँ कहीं भी, ग्राहकों को उनके साथ अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा की अस्थिरता वहन करनी पड़ती है, समूह की बहियों में विदेशी मुद्रा लाभ/हानि की स्वीकृति नहीं दी गई है।

1.ग 3 (क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के मद को एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है यदि यह संभव है कि मद के साथ जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ समूह के पास आएंगे और इसकी लागत को विश्वास से मापा जा सकता है। यह मान्यता सिद्धांत संपत्ति, संयंत्र, और उपकरणों के मद को प्राप्त करने के लिए शुरू में किए गए खर्चों के लिए लागू किया जाता है और बाद में खर्च किए गए खर्चों को भी शामिल करने, किसी अंश को बदलने या सेवा देने के लिए किया जाता है। नियमित सर्विसिंग सहित सभी अन्य मरम्मत और रखरखाव लागत, लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृत है। जब कोई प्रतिस्थापन होता है, तो प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि को मान्यता नहीं दी जाती है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण संचित मूल्य ह्रास एवं क्षीनता हानि को घटाकर लागत पर व्यक्त किये जाते हैं। लागत में सभी प्रत्यक्ष लागत एवं व्यय शामिल है जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए कार्यकारी स्थिति एवं स्थान पर लाने के लिए खर्च किए जाते हैं।

किसी परिसंपत्ति के निपटान पर होने वाले लाभ या हानि को बिक्री आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में शामिल हैं खुले संयंत्र और औजार जो कि उनके अपेक्षित उपयोगी जीवन और अनुमानित स्क्रैप मूल्य और साथ ही स्पेयर से संबंधित बट्टे राशि को निकालकर लागत पर बताए गए हैं, जिसके विरूद्ध जहाँ भी आवश्यक है क्षति प्रावधान दिए गए हैं, ताकि धीमी गति वाले एवं अप्रचलित मदों को उपलब्ध किया जा सके।

चालू पूँजी कार्य को लागत पर मूल्यांकित किया जाता है एवं इसमें मार्गस्थ उपकरण और स्थायी परिसंपत्तियों की लागत शामिल है जो रिपोर्टिंग तिथि को उनके उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं।

''गैर-चालू परिसंपत्ति'' के अंतर्गत ''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' अपनी वहन राशि पर निरंतर प्रयोग की बजाय मुख्यतया बिक्री लेनदेन से वसूली जाएगी एवं बिक्री को उच्च सम्भाव्य माना गया है। परिसंपत्ति जैसे कि आस्थगित कर संपत्ति, कर्मचारी लाभ से उत्पन्न संपत्ति, वित्तीय संपत्ति को छोड़कर ये अपनी वहन राशि और बिक्री मूल्य को घटाकर उचित मूल्य के निचले हिस्से में मापे जाते हैं जो कि विशेष रूप से इस आवश्यकता से मुक्त हैं। इसके अलावा, जहाँ प्रबंधन को अपेक्षित है कि उक्त परिसंपत्तियों का कोई भी हिस्सा तुलन पत्र की तिथि को एक वर्ष के अंदर संभवत: निपटाया जाएगा, तो इन्हें चालू परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

Exchange differences arising on the settlement of monetary items, and on retranslation of monetary items are included in the Statement of Profit and Loss for the period. Exchange differences arising on retranslation on non-monetary items carried at fair value are included in statement of profit and loss for the period except for differences arising on the retranslation of non-monetary items in respect of which gains and losses are recognised directly in other comprehensive income.

Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognised in the books of the Group.

1.C.3 (a) Property, plant and equipment

An item of property, plant and equipment is recognised as an asset if it is probable that future economic benefits associated with the item will flow to the Group and its cost can be measured reliably. This recognition principle is applied to the costs incurred initially to acquire an item of property, plant and equipment and also to costs incurred subsequently to add to, replace part of, or service it. All other repair and maintenance costs, including regular servicing, are recognised in the Statement of Profit and Loss as incurred. When a replacement occurs, the carrying amount of the replaced part is derecognised.

Property, plant and equipment are stated at cost, less accumulated depreciation and impairment losses. Cost includes all direct costs and expenditures incurred to bring the asset to its working condition and location for its intended use.

The gain or loss arising on disposal of an asset is determined as the difference between the sale proceeds and the carrying amount of the asset, and is recognised in the Statement of Profit and Loss.

Included in property, plant and equipment are loose plant and tools which are stated at cost less amounts written off related to their expected useful lives and estimated scrap value and also spares, against which impairment provisions are made where necessary to cover slow moving and obsolete items.

Capital work-in-progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not ready for their intended use at the reporting date.

"Assets classified as held for sale" is under "Non-current Asset" at their carrying amount, will be recovered principally through a sale transaction, rather than through continuing use and a sale is considered highly probable. They are measured at the lower of their carrying amount and fair value less cost to sell, except for asset such as Deferred Tax Asset, Assets arising from employee benefits, Financial Assets which are specifically excempt from this requirement. Further, where the management expects that any part of said assets is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' अपने शुद्ध पुनरांकित मूल्य पर ''गैर-चालू परिसंपत्ति'' के अंतर्गत वर्गीकृत की जाती हैं, क्योंकि ये परिसंपत्तियाँ आम सतत प्रचालनों से पहले ही अवकाश ले चुकी हैं एवं केवल बिक्री/नीलामी के लिए रखी गई हैं।

''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' तुलन पत्र में अन्य परिसंपत्तियों से पृथक रूप में प्रस्तुत की गई हैं। बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत देयताएँ तुलन पत्र में अन्य देयताओं से पृथक रूप में प्रस्तुत की गई हैं।

1.ग. 3 (ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यह्रास

मूल्यह्रास को सीधी रेखा पर बट्टा खाता के रूप में संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य पर प्रावधान किया जाता है। यह प्रभार संपत्ति की तारीख से प्रारम्भ किये जाते हैं, जब से इच्छित उपयोग के लिए उपलब्ध होती है तथा उनके अनुमानित उपयोगी आर्थिक जीवन पर लिया जाता है। सम्पत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन एवं अवशिष्ट मूल्य की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है एवं जब आवश्यकता होती है, संशोधन किया जाता है। उन सम्पत्तियों के संबंध में आगे कोई प्रभार नहीं दिया जाता है जो पूर्णतया अवलेखित हो चुकी है, परन्तु अभी भी उपयोग में है।

निर्माणाधीन परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास संपत्ति के अभीष्ट उपयोग के लिए प्रस्तुत होने पर शुरू होता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत को उनके उपयोगी जीवनकाल पर आबंटित करने हेतु उनके अवशिष्ट मूल्यों को छोड़कर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

प्रमुख श्रेणी की संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का अपेक्षित उपयोगी जीवन :

परिसंपत्ति का प्रकार	अनुमानित उपयोगी जीवन (वर्ष)
कार्यालय उपकरण	5
वाहन	8
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	10
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स	10
बिल्डिंग	60
एयर कंडिशनर्स	10
कम्प्यूटर्स	3
सर्वर्स	6
हॉट स्लैग संचालन के लिए प्रयुक्त प्लांट एवं मशीनरी	5
डोजर	7
एक्सकैवेटर 1.2 से 5 घन मी.	7
क्रेन	15
मैग्नेटिक सेपरेटर	15
उपर्युक्त परिसंपत्तियों को छोड़कर "प्लांट एवं मशीनरी" के अंतर्गत सभी परिसंपत्तियाँ	9.19
पाँच हजार रुपये से कम मूल्यवाली परिसंपत्तियाँ	100 %
सौर संयंत्र	10

"Assets classified as held for sale" is classified under "Non-current Asset" at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/ auction.

"Assets classified as held for sale" are presented separately from the other assets in the balance sheet. The liabilities classified as held for sale are presented separately from the other liabilities in the balance sheet.

1.C.3(b) Depreciation of property, plant and equipment

Depreciation is provided so as to write off, on a straight-line basis, the cost of property, plant and equipment to their residual value. These charges are commenced from the date the assets are available for their intended use and are spread over their estimated useful economic lives. The estimated useful lives of assets and residual values are reviewed regularly and, when necessary, revised. No further charge is provided in respect of assets that are fully written down but are still in use.

Depreciation on assets under construction commences only when the assets are ready for their intended use.

Depreciation is provided to allocate the costs of property, plant and equipment, net of their residual values, over their useful life as specified in Schedule II of the Companies Act, 2013.

The estimated useful lives for the main categories of property, plant and equipment are:

Type of Asset	Estimated Useful life (Years)
Office Equipment	5
Vehicles	8
Furniture and Fixtures	10
Partition and Cubicles	10
Building	60
Air Conditioners	10
Computers	3
Servers	6
Plant and Machinery used for hot slag handling	5
Dozer	7
Excavators 1.2 to 5 Cum	7
Cranes	15
Magnetic Separators	15
All assets under "Plant and Machinery" except assets mentioned above	9.19
Assets with value less than Rupees Five Thousand	100 %
Solar Plant	10

1.ग.3 (ग) अमूर्त संपत्तियां

सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्तियां जो अलग–अलग अधिगृहित की गई हैं, उन्हें संचित परिशोधन एवं संचित क्षीणता हानि को घटाकर लागत पर लिया जाता है। परिशोधन को अपने अनुमानित उपयोगी जीवन पर एक सीधी रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है। अनुमानित उपयोगी जीवन और परिशोधन विधि को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है, जिसमें किसी भावी आधार पर, अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को लिया जाता है।

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को 6 वर्ष के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है (बिना किसी अवशिष्ट मूल्य के)।

अमूर्त परिसंपत्ति निपटान पर गैर–स्वीकृति दी जाती है, या जब उपयोग या निपटान पर कोई भावी आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं रहता है। इसके अलावा, प्रबंधन अनुमान लगाती है कि अमूर्त परिसंपत्ति का उसके उपयोगी जीवनकाल के अंत में शून्य वहन लागत है अर्थात शून्य अवशिष्ट मूल्य है।

1.ग.4 गैर वित्तीय संपत्तियों की क्षीणता

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, समूह सुनिश्चित करने के लिए संपत्तियों, संयंत्र एवं उपकरणों की तथा अमूर्त संपत्तियों की वहन कीमत की समीक्षा करती है, क्या उन संपत्तियों की वहन कीमत निरंतर उपयोग के जरिए वसूलीयोग्य नहीं हो सकती है, का कोई संकेत तो नहीं है। यदि ऐसा कोई संकेत मिलता है, तो सम्पत्ति की वसूलीयोग्य कीमत की क्षीणता हानि (यदि कोई है) के निर्धारण हेतु समीक्षा की जाती है। जहाँ सम्पत्ति से नगद प्रभाव की सृष्टि नहीं होती है जो अन्य सम्पत्ति से स्वतंत्र है, समूह नगद सृष्टिकारी इकाई जिससे सम्पत्ति का संबंध है, की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाता है। अनिर्दिष्ट उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्ति की क्षीणता वार्षिक रूप से जांच की जाती है एवं जहाँ उसका कोई संकेत मिलता है, संपत्ति क्षीणता को प्राप्त कर सकती है।

वसूलीयोग्य राशि बिक्री मूल्य को घटाकर प्राप्त उचित मूल्य एवं उपयोग मूल्य में से अधिक वाली राशि होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने के लिए अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य से पूर्व कर छूट दर का उपयोग करते हुए छूट दी जाती है, जो राशि के समय आधारित मान के चालू बाजार आकलन एवं संपत्ति के विशिष्ट जोखिमों को प्रतिबिंबित करती है जिसके लिए भावी नकद प्रवाह के अनुमान का समायोजन नहीं किया गया है। क्षीणता हानि को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति की वहन कीमत वसूली योग्य राशि से अधिक हो।

जब कोई क्षीणता हानि तत्पश्चात व्युत्क्रमित होती है, तो परिसंपत्ति की वहन राशि (या नकद सृजन इकाई) अपनी वसूली योग्य राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ती है, पर इतना कि वर्धित वहन राशि उस वहन राशि से अधिक न हो, जो निर्धारित किया गया होता, अगर पूर्व के वर्षों में क्षीणता हानि परिसंपत्ति (या नकद सृजन इकाई) के लिए स्वीकृति नहीं दी गई होती। क्षीणता हानि की विपरीत स्थिति को तुरंत लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.5 सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश

सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश लागत पर किया जाता है। जहाँ नुकसान का संकेत दिखता है, निवेश की धारित राशि का आकलन किया जाता है एवं तुरंत उसे वसूलीयोग्य राशि में लिख लिया जाता है। सहायक कंपनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश के निपटान पर शुद्ध निपटान प्रक्रिया एवं धारित राशि के बीच का अंतर लाभ एवं हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

1.C.3 (c) Intangible Assets

Intangible assets with finite useful lives that are acquired separately are carried at cost less accumulated amortization and accumulated impairment losses. Amortization is recognised on a straight-line basis over their estimated useful lives. The estimated useful life and amortization method are reviewed at the end of each reporting period, with the effect of any changes in estimate being accounted for on a prospective basis.

Computer software is amortised over its estimated useful life of 6 years (without any residual value) on a straight line basis.

An intangible asset is de-recognised on disposal, or when no future economic benefits are expected from use or disposal. Further, the management estimates that the intangible assets are having zero carrying cost at the end of its useful life i.e. zero residual value.

1.C.4 Impairment of non-financial assets

At the end of each reporting period, the Group reviews the carrying amounts of its property, plant and equipment and intangible assets to determine whether there is any indication that the carrying amount of those assets may not be recoverable through continuing use. If any such indication exists, the recoverable amount of the asset is reviewed in order to determine the extent of impairment loss (if any). Where the asset does not generate cash flows that are independent from other assets, the Group estimates the recoverable amount of the cash generating unit to which the asset belongs. Intangible assets with an indefinite useful life are tested for impairment annually and whenever there is an indication, the asset may be impaired.

Recoverable amount is the higher of fair value less costs to sell and value in use. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the asset for which the estimates of future cash flows have not been adjusted. An impairment loss is recognised in the Statement of Profit and Loss as and when the carrying amount of an asset exceeds its recoverable amount.

Where an impairment loss subsequently reverses, the carrying amount of the asset (or cash generating unit) is increased to the revised estimate of its recoverable amount, but so that the increased carrying amount does not exceed the carrying amount that would have been determined had no impairment loss been recognised for the asset (or cash generating unit) in prior years. A reversal of an impairment loss is recognised in profit or loss immediately.

1.C.5 Investment in Subsidiaries and Joint venture

Investment in subsidiary and Joint venture are carried at cost. Where an indication of impairment exists, the carrying amount of the investment is assessed and written down immediately to its recoverable amount. On disposal of investments in subsidiary and joint venture, the difference between net disposal proceeds and carrying amounts are recognised in Statement of Profit and Loss.

1.ग.6 वित्तीय लेखपत्र

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को तब मान्यता दी जाती है जब समूह वित्तीय लेखपत्र के संविदागत प्रावधानों के लिए एक पार्टी बन जाता है। वित्तीय संपत्तियां एवं दायित्व प्रारम्भ में उचित मूल्य में मापे जाते हैं। लेनदेन की लागतें जो वित्तीय संपत्तियों और वित्तीय देयताओं (वित्तीय संपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के अलावा) के अधिग्रहण या निर्गम के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोपित हैं, उन्हें वित्तीय संपत्तियों या वित्तीय दायित्वों के प्रारम्भिक मान्यता पर मापे गए निष्पक्ष मूल्य से जोड़ा या घटाया जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के अधिग्रहण पर सीधे आरोप्य लेनदेन लागत को लाभ और हानि के विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ

I. परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को तदुपरांत परिशोधित लागत पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों के नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलत: बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

प्रारंभिक माप के पश्चात, ऐसी वित्तीय संपत्तियाँ तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि के प्रयोग द्वारा परिशोधित लागत पर मापी जाती हैं।

प्रभावी ब्याज विधि वित्तीय साधन की परिशोधित लागत के निर्धारण एवं संबंधित अवधि पर ब्याज आय या व्यय के आबंटन की विधि है। प्रभावी ब्याज वह दर है जो वित्तीय साधन के अपेक्षित जीवन या जहाँ उपयुक्त हो, कम अवधि के माध्यम से ठीक उतनी ही भावी नकद प्राप्ति या भुगतान की छूट देती है।

II. अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने या इन वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों को नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलत: बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

इन मानदंडों को पूरा करने वाली वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्रारंभ में उचित मूल्य और साथ में लेनदेन लागत पर मापी जाती हैं। ये तदुपरांत अन्य व्यापक आय में स्वीकृत पुन:मापन पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। तथापि, ब्याज आय, हानियाँ एवं उत्क्रमण तथा विदेशी मुद्रा लाभ एवं हानि की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में दी जाती है।

III. लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत या उचित मूल्य में नहीं मापी गई परिसंपत्ति लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ली जाती हैं।

1.C.6 Financial Instruments

Financial assets and financial liabilities are recognised when the Group becomes a party to the contractual provisions of the instrument. Financial assets and liabilities are initially measured at fair value. Transaction costs that are directly attributable to the acquisition or issue of financial assets and financial liabilities (other than financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss) are added to or deducted from the fair value measured on initial recognition of financial asset or financial liability. The transaction costs directly attributable to the acquisition of financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss are immediately recognised in the Statement of Profit and Loss.

a) Financial assets

I. Financial assets at amortised cost

Financial assets are subsequently measured at amortised cost if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows and the contractual terms of the financial assets give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

After initial measurement, such financial assets are subsequently measured at amortised cost using the Effective Interest Rate (EIR) method.

The effective interest method is a method of calculating the amortised cost of a financial instrument and of allocating interest income or expense over the relevant period. The effective interest rate is the rate that exactly discounts future cash receipts or payments through the expected life of the financial instrument, or where appropriate, a shorter period.

II. Financial assets measured at fair value through Other comprehensive income

Financial assets are measured at fair value through other comprehensive income if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows or to sell these financial assets and the contractual terms of the financial assets give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

Financial assets meeting these criteria are measured initially at fair value plus transaction costs. They are subsequently measured at fair value with any gains or losses arising on remeasurement recognised in other comprehensive income. However, the interest income, losses & reversals, and foreign exchange gains and losses are recognised in the Statement of Profit and Loss.

III. Financial assets measured at fair value through profit or loss

Financial asset not measured at amortised cost or at fair value through other comprehensive income is carried at fair value through profit or loss.

वित्तीय परिसंपत्ति की क्षीणता

अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए हानि भत्ते को अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत एवं उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए स्वीकृति दी जाती है।

जीवनभर के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को तब स्वीकृति दी जाती है जब वित्तीय साधनों पर क्रेडिट जोखिम में प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय साधन जिनके क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से नहीं बढ़े हैं, तो बारह महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को स्वीकृति दी जाती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का अमान्यता

समूह किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब स्वीकृति नहीं देता है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के अनुबंधित अधिकार खत्म हो जाते हैं या वित्तीय संपत्ति और साथ ही परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से किसी दूसरी संस्था को स्नानांतरित करता है। यदि समूह पर्याप्त रूप से स्वामित्व के सभी जोखिम एवं पुरस्कार को न तो स्थानांतरित करता है और न ही बरकरार रखता है एवं हस्तांतरित परिसंपत्ति का नियंत्रण जारी रखता है, तब समूह परिसंपत्तियों में बरकरार रखे अपने हित एवं उस राशि के लिए किसी संबंधित देनदारी जिसका भुगतान करना पड़ सकता है, को स्वीकृति देता है। यदि समूह किसी हस्तांतरित वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों एवं पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से बरकरार रखता है, तो समूह वित्तीय परिसंपत्ति की स्वीकृति जारी रखता है एवं प्राप्त कार्यवाहियों के सहवर्तित उधारी को भी स्वीकृति देता है।

ख) वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी लेखपत्र

वर्गीकरण

समूह द्वारा जारी वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी साधनों को निष्पादित अनुबंधित व्यवस्थाओं के सार एवं किसी वित्तीय देनदारी एवं इक्विटी साधन की परिभाषाओं के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है।

इक्विटी लेखपत्र

इक्विटी साधन एक संविदा है जो सभी देनदारियों को घटाने के बाद समूह की परिसंपत्तियों में अवशिष्ट ब्याज का साक्ष्य प्रस्तुत करता है। इक्विटी साधनों को प्रत्यक्ष जारी मूल्य को छोड़कर प्राप्त अर्जनों पर दर्ज किया जाता है।

वित्तीय देनदारियाँ

समूह की वित्तीय देनदारियों में व्यापार एवं अन्य देय तथा उधारी और साथ ही बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं जिन्हें प्रारंभ में लेनदेन मूल्य को छोड़कर, उचित मूल्य पर मापा जाता है एवं तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

वित्तीय देनदारियों की गैर-मान्यता

समूह वित्तीय देनदारियों को केवल तब गैर-मान्यता देता है, जब समूह के दायित्व पूरे हो जाते हैं, रद्द हो जाते हैं या वे समाप्त हो जाते हैं।

वित्तीय लेखपत्रों की क्षतिपूर्ति या समायोजन

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस समय क्षतिपूरित हो उठती हैं एवं शुद्ध राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती हैं, जब स्वीकृत राशियों की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य कोई अधिकार है एवं शुद्ध आधार पर निपटाने या परिसंपत्ति को प्राप्त करने एवं देनदारी निपटाने की कोई इच्छा है। कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार भावी गतिविधियों पर आकस्मिक नहीं होना चाहिए एवं व्यवसाय के सामान्य प्रचालन और प्रतिपक्ष की चूक, दिवालियापन, दिवाला की स्थिति में निश्चित रूप से लागू योग्य हो।

Impairment of financial assets

Loss allowance for expected credit losses is recognised for financial assets measured at amortised cost and fair value through other comprehensive income.

Loss allowance equal to the lifetime expected credit losses is recognised if the credit risk on the financial instruments has significantly increased since initial recognition. For financial instruments whose credit risk has not significantly increased since initial recognition, loss allowance equal to twelve months expected credit losses is recognised.

Derecognition of financial assets

The Group derecognises a financial asset only when the contractual rights to the cash flows from the asset expire, or it transfers the financial asset and substantially all risks and rewards of ownership of the asset to another entity. If the Group neither transfers nor retains substantially all the risks and rewards of ownership and continues to control the transferred asset, the Group recognizes its retained interest in the assets and an associated liability for amounts it may have to pay. If the Group retains substantially all the risks and rewards of ownership of a transferred financial asset, the Group continues to recognize the financial asset and also recognizes a collateralised borrowing of the proceeds received.

b) Financial liabilities and equity instruments

Classification

Financial liabilities and equity instruments issued by the Group are classified according to the substance of the contractual arrangements entered into and the definitions of a financial liability and an equity instrument.

Equity instruments

An equity instrument is any contract that evidences a residual interest in the assets of the Group after deducting all of its liabilities. Equity instruments are recorded at the proceeds received, net of direct issue costs.

Financial Liabilities

The Group's financial liabilities include Trade and other payables and borrowings including bank overdrafts are initially measured at fair value, net of transaction costs, and are subsequently measured at amortised cost, using the effective interest rate method.

Derecognition of financial liabilities

The Group derecognizes financial liabilities when, and only when, the Group's obligations are discharged, cancelled or they expire.

Offsetting financial instruments

Financial assets and liabilities are offset and the net amount reported in the Balance Sheet when there is a legally enforceable right to offset the recognised amounts and there is an intention to settle on a net basis or realize the asset and settle the liability simultaneously. The legally enforceable right must not be contingent on future events and must be enforceable in the normal course of business and in the event of default, insolvency or bankruptcy of the counterparty.

1.ग.7 नकद एवं नकद समतुल्य

नकद प्रवाह के विवरण में प्रस्तुत करने के प्रयोजन से नकद और नकद समतुल्य में हाथ में नकद, तीन महीने की मूल या उससे कम परिपक्वता वाले उच्च रूप से तरल निवेश जो ज्ञात नकद राशि में तुरंत परिवर्तन योग्य हैं, बैंक में नकद एवं बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं और जो मूल्य में गैर–उल्लेखनीय परिवर्तन जोखिम के अधीन हैं। बैंक ओवरड्राफ्ट को तुलनपत्र में चालू देनदारियों में उधारी के अंदर दिखाया गया है।

1.ग.8 माल सूची

मार्गस्थ सामग्री समेत व्यापारित स्टॉक लागत पर या अनुमानित शुद्ध वसूलीयोग्य लागत, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित होती है।

सहायक कंपनी के मामले में,

(i) अचल मालसूचियों को छोड़कर अन्य मालसूची अनुमानित शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, की लागत पर मूल्यांकित होती है। इस लागत में क्रय लागत एवं अन्य प्रत्यक्ष व्यय शामिल है, मगर ऐसी वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क छोड़कर है, जिसके लिए सेनवैट ऋण नियम 2004 के नियम 3(1) के अनुसार कंपनी सेनवैट क्रेडिट प्राप्त करने के योग्य है।

(ii) मालसूची की वो मदें जो तीन से अधिक वर्षों के लिए हटायी नहीं गई हैं, को गैर–चल मालसूची माना जाता है। गैर–चल मालसूची को वर्ष 2001-02 से प्रत्येक वर्ष लागत पर दस प्रतिशत घटाते हुए मूल्यांकित किया जाता है।

(iii) स्क्रैप युक्त/अनावश्यक स्टोर्स की मदें अनुमानित शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य, जो भी कम हो, की लागत पर मूल्यांकित होती है।

1.ग.9 राजस्व की मान्यता

निम्नलिखित मदों को छोड़ कर उपचय आधार पर राजस्व स्वीकार किया जाता है जो वास्तविक वसूली पर लेखाकृत किया जाता है, चूंकि ऐसी सामग्रियों की वसूली क्षमता लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार अनिश्चित है :

i) निष्पादन/विवादास्पद बकाये एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, हेतु विचाराधीन निर्णय।

ii) अतिदेय वसूलीयोग्य पर ब्याज जहां वसूली क्षमता अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्ताओं या ठेकेदारों पर निर्णीत हर्जाना।

iv) आयकर/बिक्री कर/वैट की पुन:प्राप्ति एवं इस पर ब्याज।

v) लाभांश आय की स्वीकृति दी जाती है जब भुगतान प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होता है।

बिक्री

i) उच्च समुद्री बिक्री (हाई सी सेल्स) की बुकिंग हाई सी सेल पत्र जारी करने की तिथि के आधार पर की जाती है। मूल्य के संबंध में, बिक्री यदि बुक की गई हो, तो अनुबंधित फारवर्ड मुद्रों दरों पर या फिर प्रावधानिक रूप से वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट मुद्रा दरों के आधार पर की जाती है, जहाँ फारवर्ड कवर नहीं लिया गया था, जिसमें सी एवं एफ/सीआईएफ मूल्य, मियादी ब्याज, तदुपरांत वित्तीय वर्ष में भुगतान की नियत तिथि को अंतिम समायोजन शामिल है।

1.C.7 Cash and cash equivalents

For the purpose of presentation in the statement of cash flows, cash and cash equivalents includes cash on hand, highly liquid investments with original maturities of three months or less that are readily convertible to known amounts of cash, cash at bank, and bank overdraft, which are subject to an insignificant risk of changes, in value. Bank overdrafts are shown within borrowings in current liabilities in the Balance Sheet.

1.C.8 Inventories

Stock in trade including material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less.

In case of subsidiary:

(i) Inventories other than non-moving inventories are valued at cost or estimated net realizable value, whichever is less. The cost includes purchase cost and other direct expenses but exclude excise duty on such goods where the compay is eligible to take cenvat credit in accordance with rule 3(1) of the Cenvat Credit Rules 2004.

(ii) The inventory items, which have not moved for more than three years, are considered as non-moving inventories. Non-moving inventories are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-02.

(iii) The scrapped/redundant store items are valued at cost or estimated net realizable value, whichever is lower.

1.C.9 Revenue recognition

Revenue is recognised on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordance with the provisions of the accounting standards:

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Dividend income is recognised when right to receive payment is established

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, परिवहन दस्तावेजों की तिथि के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में चालान के मूल्य के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। दरवाजे पर डिलीवरी के आधार पर की गई बिक्री के मामले में बिक्री बिल की तिथि पर बुक की जाती है।

iii) निर्यात के मामले में, शिपमेंट की तारीख के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, बिक्री अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों पर बुक किए जाने पर या सीमा शुल्क अनुमत दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख को एफईडीएआई दर पर बुक की जाती है जिसके बाद निर्यात की प्राप्ति की वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन किया जाता है।

सेवा प्रभार :

सरलीकरण पद्धति के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन हेतु एवं नीलामी, निविदाओं या किसी अन्य साधन द्वारा प्रिन्सिपल की ओर से विक्रय/क्रय के संचालन हेतु पारिश्रमिक को सेवा प्रभार के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

क) निम्नलिखित पर सेवा प्रभार को अनुबंधित दरों पर आय के रूप में खाते में लिया जाता है :

i. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से बिक्री आदेश/सुपुर्दगी आदेश के जारी करने पर निविदा/ऑक्शन बिक्री।

ii. ई–बिक्री को संतोषजनक पूरा करने पर।

(i) एवं (ii) के संबंध में, सेवा प्रभार प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक सुपुर्दगी के आधार पर समायोजन के साथ, यदि कोई है, नीलामी की बोली मूल्य पर लिया जाता है, यदि सेवा प्रभार प्रतिशत आधार पर भुगतानयोग्य है।

iii. गतिविधि के आधार पर सेवा ठेका के मामले में, गतिविधि के घटने पर।

iv. ई–प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा प्रभार तब बुक किया जाता है, जहाँ सेवा प्रभार गतिविधि की समाप्ति पर प्रिन्सिपल से संग्रह योग्य है।

(ख) बोलीदाताओं से एकत्रित ई–प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गतिविधि के सफलतापूर्वक संचालित होने पर हिसाब में लिया जाता है।

(ग) सुगमकर्ता के रूप में क्रय के संबध में प्रोद्भूत सेवा प्रभार बिल ऑफ लैडिंग/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद जैसे भी मामले हो, की तारीख के आधार पर संविदागत दर पर खाते में लिया जाता है। आयातीत सामग्रियों हेतु, वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को प्रचलित फॉरवर्ड कवर रेट पर या एफईडीएआई स्पॉट दर पर मूल्य सुनिश्चित किया जाता है। वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन किया जाता है। स्वदेशी सामग्रियों में मूल्य ठेकागत दर में वास्तविक भुगतान के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है।

(घ) सहायक कंपनी के मामले में, सेवा प्रभार स्क्रैप एवं अन्य मदों के प्रक्रियाकरण, गोदाम प्रबंधन के लिए अभिरक्षक सेवा एवं संबंधित इस्पात संयंत्रों एवं अन्य पक्षों के साथ रजामंद/प्रस्तावित दरों पर कंपनी द्वारा निष्पादित संपत्तियों के मूल्यांकन के संबंध में सेवा हेतु अर्जित आय को प्रस्तुत करता है।

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realisation of export proceeds.

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/ procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i. Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii. On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals, in case service charges are payable on percentage basis.

iii. On occurrence of event, in case of service contract on event basis.

iv. In case of e-Procurement Service charges are booked, where service charges are collectable from the Principal, on completion of event.

(b) e-Procurement transaction fees collected from bidders are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

(d) In case of subsidiary, service charges represent the income earned for processing of scrap and other items, custodian services for warehouse management and service related to valuation of assets done by the company at the rates agreed with/offered to the respective Steel Plants and other parties.

ई–नीलामी पंजीयन

विक्रेताओं से संग्रहित ई–नीलामी पंजीयन शुल्क चालू वर्ष के आय के रूप में विचार किया जाता है, यदि पंजीयन की वैधता एक वर्ष तक है। जीवन भर के पंजीयन के मामले में संग्रहित राशि पांच वर्षों में समान रूप से वितरित की जाती है।

क्रय

(i) आयातित सामग्रियों को बिल ऑफ लैडिंग (लदान पत्र) की तिथि के आधार पर क्रय के रूप में खाते में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, क्रय को वास्तविक धन प्रेषण के आधार पर बुक किया जाता है एवं जहाँ ऐसे प्रेषण वर्ष की समाप्ति पर बकाया रहते हैं, तब बुक किए जाने पर, अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों या वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट विनिमय दरों पर, यदि फारवर्ड कवर नहीं लिया गया है, जैसे मामले हो, के आधार पर क्रय को बुक किया जाता है। क्रय मूल्य में, सामग्री मूल्य के भाड़े, बीमा आदि एवं मियादी ब्याज और तत्पश्चात तदुपरांत वित्तीय वर्ष में वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन शामिल है।

(ii) देशी सामग्रियों के मामले में, क्रय को परिवहन कागजातों के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में बिलों के मूल्य के आधार पर बुक किया जाता है।

1.ग.10 उधार–लागत

अर्हक परिसंपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन में प्रत्यक्ष रूप से आरोप्य उधारी लागत, जो ऐसी परिसंपत्ति हैं जो अपने अभीष्ट उपयोग या विक्रय के लिए तैयार होने में पर्याप्त रूप से समय लेती हैं, को उनके अभीष्ट उपयोग या बिक्री के लिए पर्याप्त रूप से तैयार होने की अवधि तक इन परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा जाता है।

विशिष्ट उधारी के अस्थायी निवेश पर अर्जित अन्य आय जो अर्हक परिसंपत्तियों पर अपने व्यय को लम्बित करती है, पूँजीकरण के लिए योग्य उधारी लागत से घटायी जाती है।

सभी अन्य उधारी लागत को उस अवधि में लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है, जिनमें ये घटित होती हैं।

1.ग.11 कर्मचारी लाभ

(क) अल्पमियादी लाभ

अल्पमियादी कर्मचारी लाभ लेखांकन अवधि जिसमें कर्मचारियों द्वारा सेवा दी जाती है, में उनकी गैर–छूट प्राप्त राशि पर हिसाब में लिया जाता है एवं अवधि जिसमें कर्मचारी ने संबंधित सेवा दी है, के दौरान लाभ एवं हानि के विवरण में व्यय के रूप में स्वीकृति दी जाती है।

(ख) अवकाश नकदीकरण

अर्जित छुट्टी एवं रूपांतरित छुट्टी के लिए देयताएँ अवधि की समाप्ति जिसमें कर्मचारियों ने संबंधित सेवा दी है, के पश्चात 12 महीने के अंदर संपूर्ण रूप से निपटाया जाना अपेक्षित नहीं है। इसलिए ये निर्धारित यूनिट क्रेडिट पद्धति के प्रयोग से बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवाओं के संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भावी भुगतानों के वर्तमान मूल्य के रूप में मापी जाती हैं।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणाम का प्रयोग करते हुए लाभ पर छूट दिए गये हैं जिनमें संबंधित दायित्वों की शर्तों की अनुरूपी शर्तें हैं। बीमांकिक प्राक्कलनों में हुए अनुभव समायोजन एवं परिवर्तन के परिणामस्वरूप पुन:मापन को लाभ या हानि में मान्यता दी गई है। यह सुविधा भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा वित्तपोषित है।

E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

PURCHASES

(i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchases are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover is not taken, as the case may be. Purchase value includes material value, freight, insurance etc. and usuance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

(ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

1.C.10 Borrowing cost

Borrowing costs directly attributable to the acquisition, construction or production of qualifying assets, which are assets that necessarily take a substantial period of time to get ready for their intended use or sale, are added to the cost of those assets, until such time as the assets are substantially ready for their intended use or sale.

Other income earned on the temporary investment of specific borrowings pending their expenditure on qualifying assets is deducted from the borrowing costs eligible for capitalisation.

All other borrowing costs are recognised in profit or loss in the period in which they are incurred.

1.C.11 Employee benefits

(a) Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered by the employees and are recognised as an expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service.

(b) Leave encashment

The liabilities for earned leave and commuted leave are not expected to be settled wholly within 12 month after the end of the period in which the employees render related service. They are therefore measured as the present value of expected future payments to be made inrespect of services provided by employees up to the end of the reporting period based on actuarial valuation using the projected unit credit method.

The benefits are discounted using the market yield at the end of the reporting period that have terms of approximating to the terms of related obligations. Remeasurement as a result of experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in profit or loss.The facility is funded through LIC of india.

(ग) रोजगार के उपरांत दायित्व

परिभाषित योगदान योजना – भविष्य निधि

भविष्य निधि को आयकर अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रस्ट द्वारा प्रशासित किया जाता है और इस निधि में योगदान राजस्व में प्रभारित होता है। पेंशनरों के लाभ कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के माध्यम से सुरक्षित है।

परिभाषित लाभ योजना –

(क) सेवा ग्रेच्युटी

परिभाषित ग्रेच्युटी योजना के संबंध में तुलन पत्र में स्वीकृत देनदारी या परिसंपत्ति योजना संपत्ति के उचित मूल्य से कम किया हुआ, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान मूल्य है। परिभाषित लाभ दायित्वों को प्रति वर्ष अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके बीमांकक द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य, सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार के परिणाम के संदर्भ द्वारा अनुमानित भावी नगदी बहिर्वाहों को छोड़ कर निर्धारित किया जाता है, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों की अनुरूपी शर्तें है।

शुद्ध ब्याज लागत की गणना परिभाषित लाभ दायित्व और योजना संपत्तियों के उचित मूल्य के शुद्ध शेष पर छूट प्राप्त दर लागू करके की जाती है। लाभ और हानि के विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय में यह लागत शामिल है ।

अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक आकलनों में परिवर्तन से होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि उन समयावधि में माने जाते हैं, जिनमें वे अन्य व्यापक आय में सीधे घटते हैं। इक्विटी में बदलाव और तुलनपत्र के विवरण में प्रतिधारित आय में इन्हें रखा गया है।

संशोधन एवं कटौतियों के फलस्वरूप उत्पन्न परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में संशोधन पिछली सेवा लागत के रूप में तुरंत लाभ या हानि में पहचाने जाते हैं। ग्रेच्युटी दायित्व को भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप ग्रेच्युटी लाइफ एश्योरेंस योजना के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए समूह द्वारा बनाई गई एक अलग अपरिवर्तनीय ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

(ख) सेवानिवृत्ति उपरान्त चिकित्सा लाभ :

समूह अपने अवकाशप्राप्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के उपरान्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इन लाभों का अधिकार आमतौर पर सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में रत कर्मचारी और न्यूनतम सेवा अवधि की समाप्ति पर सशर्त है। परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए इस्तेमाल की गई उसी लेखा पद्धति के उपयोग से इन लाभों की अपेक्षित लागत रोजगार की अवधि में अर्जित की गई है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुन:मापन लाभ व हानि उत्पन्न होने वाली अवधि में अन्य व्यापक आय में प्रभारित या जमा किये जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए सृजित एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से निधि को प्रशासित किया जाता है।

1.ग.12 कराधान

वर्ष हेतु कर व्यय में शामिल है चालू एवं आस्थगित कर।

(c) Post-employment obligation

Defined Contribution Plan- Provident Fund

Provident Fund is administered by a Trust recognised by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioner's Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

Defined Benefit Plan-

(a) Service Gratuity

The liabilities or assets recognised in the Balance Sheet in respect of defined gratuity plan is the present value of the defined benefits obligation at the end of the reporting period less the fair value of plan assets. The defined benefits obligations are calculated annually by actuaries using projected unit credit method. The present value of defined benefits obligations is determined by discounting the estimated future cash outflows by reference to market yields at the end of the reporting period on Government bonds that are terms approximating to the terms of the related obligations.

The net interest cost is calculated by applying the discounted rate to the net balance of defined benefit obligation and the fair value of plan assets. This cost is included in employee benefit expense in the statement of profit and loss.

Remeasurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in the period in which they occur, directly in other comprehensive income. They are included in retained earnings in the statement of changes in equity and in the balance sheet.

Changes in the present value of defined benefit obligation resulting from amendments and curtailments are recognised immediately in profit or loss as past service cost. The Gratuity obligation is funded through Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Group for this purpose.

b. Post Retirement medical benefit

The Group provides post retirement healthcare benefits to their retirees. The entitlement to these benefits is usually conditional on the employee remaining in service up to the retirement age and the completion of minimum service period. The expected cost of these benefits is accrued over the period of employment using the same accounting methodology as used for defined benefit plans. Re-measurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are charged or credited in other comprehensive income in the period in which they arise. The fund is administered through a separate trust created for this purpose.

1.C.12 Taxation

Tax expense for the year comprises current and deferred tax.

(i) **चालू कर**

वर्तमान में भुगतानयोग्य कर वर्ष के करयोग्य लाभ पर आधारित है। करयोग्य लाभ वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ से अलग है जैसा कि लाभ और हानि के विवरण में दिया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय की सामग्रियों को छोड़ दिया जाता है जो अन्य वर्षों में करयोग्य या घाटवयोग्य है एवं आगे उन सामग्रियों को छोड़ा जाता है जो कभी करयोग्य या घाटवयोग्य नहीं है। वर्तमान कर के लिए समूह के दायित्व की गणना कर दरों या कर कानूनों के उपयोग से की जाती है जो देश में अधिनियमित हुए हैं या पर्याप्त रूप से अधिनियमित हुए हैं जहाँ समूह रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति तक संचालित है।

(ii) **आस्थगित कर**

आस्थगित कर वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि एवं कर योग्य लाभ के निर्धारण में प्रयुक्त अनुरूपी कर आधार के बीच के अंतर पर भुगतानयोग्य या वसूली योग्य के लिए अपेक्षित है एवं तुलन पत्र की देनदारी विधि के प्रयोग हेतु खाते में लिया जाता है। आस्थगित कर देयताएँ साधारणतया सभी करयोग्य अस्थायी अंतरों के लिए स्वीकृत हैं। इसके विपरित, आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ उस सीमा तक स्वीकृत हैं कि यह संभावना है कि भावी कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट आस्थगित कर परिसंपत्ति के रूप में केवल तब एवं उस सीमा तक स्वीकृत होती है, जब विश्वसनीय साक्ष्य हो कि समूह निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आय कर का भुगतान करेगा। ऐसी परिसंपत्ति की समीक्षा प्रत्येक तुलनपत्र की तिथि को की जाती है एवं मैट क्रेडिट परिसंपत्ति की वहन राशि उसी सीमा तक पुनरांकित होती है, जिसके लिए विश्वसनीय साक्ष्य नहीं रह गया है कि समूह निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आयकर का भुगतान करेगा।

आस्थगित कर परिसंपत्ति की वहन राशि की प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है एवं इस सीमा तक कम हो जाती है कि कोई संभावना नहीं रहे कि आस्थगित कर परिसंपत्ति के संपूर्ण या भाग के इस्तेमाल के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध हो पाएगा।

आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस सीमा तक क्षतिपूरित होती हैं जिससे वे वही कर प्राधिकारी द्वारा प्रभारित कर से संबंधित हैं एवं उस न्यायक्षेत्र के अधीन चालू कर परिसंपत्तियों एवं चालू कर देनदारियों को छोड़ने के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार है।

चालू एवं आस्थगित कर को लाभ एवं हानि के विवरण में व्यय या आय के रूप में स्वीकृति दी जाती है सिवाय उस स्थिति के, जब ये अन्य व्यापक आय में या प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में जोड़े गए या घटाए गए मदों से संबंधित हैं, इस मामले में कर को अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष रूप से इक्विटी में भी स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.13 प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ एवं आकस्मिक परिसंपत्तियाँ

प्रावधानों को तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है जब एक पिछली घटना के परिणाम स्वरूप समूह का एक वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होता है, जिसके परिणामस्वरूप अपेक्षित संसाधनों के बहिर्वाह से आर्थिक लाभ मिलते हैं जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है। प्रत्येक प्रावधान तुलन पत्र की तारीख में मौजूदा दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक व्यय के सर्वोत्तम अनुमान पर आधारित है। जब उपयुक्त होता है, तो प्रावधान छूट आधार पर मापा जाता है।

(i) Current tax

The tax currently payable is based on taxable profit for the year. Taxable profit differs from profit before tax for the year as reported in the Statement of Profit and Loss because it excludes items of income or expense that are taxable or deductible in other years and it further excludes items that are never taxable or deductible. The Group's liability for current tax is calculated using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted in the country where the Group operates by the end of the reporting period.

(ii) Deferred tax

Deferred tax is the tax expected to be payable or recoverable on differences between the carrying amounts of assets and liabilities in the financial statements and the corresponding tax bases used in the computation of taxable profit, and is accounted for using the balance sheet liability method. Deferred tax liabilities are generally recognised for all taxable temporary differences. In contrast, deferred tax assets are recognised to the extent that it is probable that future taxable profits will be available against which the deferred tax assets can be utilised.

Minimum Alternate Tax credit is recognised as deferred tax asset only when and to the extent there is convincing evidence that the Group will pay normal income tax during the specified period. Such asset is reviewed at each Balance Sheet date and the carrying amount of the MAT credit asset is written down to the extent there is no longer a convincing evidence to the effect that the Group will pay normal income tax during the specified period.

The carrying amount of deferred tax assets is reviewed at the end of each reporting period and reduced to the extent that it is no longer probable that sufficient taxable profits will be available to allow all or part of the deferred tax asset to be utilised.

Deferred tax assets and liabilities are offset to the extent that they relate to taxes levied by the same tax authority and there are legally enforceable rights to set off current tax assets and current tax liabilities within that jurisdiction.

Current and deferred tax are recognised as an expense or income in the Statement of Profit and Loss, except when they relate to items credited or debited either in other comprehensive income or directly in equity, in which case the tax is also recognised in other comprehensive income or directly in equity.

1.C.13 Provisions, contingent liabilities and contingent assets

Provisions are recognised in the Balance Sheet when the Group has a present obligation (legal or constructive) as a result of a past event, which is expected to result in an outflow of resources embodying economic benefits which can be reliably estimated. Each provision is based on the best estimate of the expenditure required to settle the present obligation at the Balance Sheet date. When appropriate, provisions are measured on a discounted basis.

संरचनात्मक जिम्मेदारी एक ऐसा दायित्व है जो एक संस्था के कार्यों से प्राप्त होता है जिसमें पिछले अभ्यास, प्रकाशित नीतियों या पर्याप्त रूप से एक विशिष्ट चालू बयान की एक स्थापित पद्धति से संस्था ने अन्य पार्टियों को संकेत दिया है कि वह कुछ जिम्मेदारियों को स्वीकार करेगी, परिणामस्वरूप संस्था ने उन अन्य पार्टियों के अंश के तौर पर एक वैध अपेक्षा का सृजन किया है कि वह उन जिम्मेदारियों को पूरा करेगी।

टिप्पणी के माध्यम से आकस्मिक देयता प्रकट की जाती है जिसका प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख में समीक्षा की जाती है और प्रबंधन के वर्तमान अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजन किया जाता है।

आकस्मिक परिसंपत्तियों को वित्तीय विवरण में स्वीकृति नहीं दी जाती है, परंतु प्रकट की जाती है, जब आर्थिक लाभ के अंत:प्रवाह की संभावना रहती है।

1.ग.14 सेगमेंट रिपोर्टिंग

इंड एएस 108 मानकों को उस तरीके में स्थापित करता है कि लोक व्यवसाय उद्यम प्रचालन क्षेत्रों एवं संबंधित प्रकटीकरण के बारे में जानकारी की रिपोर्ट करे। समूह व्यापारिक कार्यकलापों का काम करता है एवं ई–कॉमर्स सेवा–प्रदाता के रूप में भी कार्य करता है। इंड एस 108 में परिभाषित अनुसार 'प्रबंधन दृष्टिकोण' के आधार पर, मुख्य प्रचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) समूह के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करते हैं एवं प्रचालन सेगमेंट (क्षेत्रों) के विभिन्न निष्पादन सूचकों के विश्लेषण पर संसाधनों को आबंटित करते हैं। उपर्युक्त शर्तों के तहत, समूह ने विपणन और ई–कॉमर्स को दो प्राथमिक रिपोर्टयोग्य व्यवसाय क्षेत्र के रूप में पहचान की है। सेगमेंट से संबंधित राजस्व एवं पहचानयोग्य प्रचालन व्यय को सेगमेंट में पृथक रूप से पहचान योग्य मदों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। राजस्व एवं व्यय के शेष मद, जिन्हें विशिष्ट सेगमेंट के अंतर्गत विशेष रूप से आबंटित नहीं किया जा सकता है, को अनाबंटित के रूप में पृथक रूप से प्रकट किया गया है।

1.ग.15 महत्वपूर्ण लेखांकन अनुमान, प्राक्कलन एव निर्णय

इंड एएस की अनुरूपता में वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, आकलन एवं प्राक्कलन की आवश्यकता इस प्रकार पड़ती है कि लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग एवं वित्तीय विवरणों की तारीख को परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय, व्यय की सूचित राशियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों एवं देनदारियों के प्रकटन तथा रिर्पोटिंग अवधि की समाप्ति के दौरान प्रचालनों के परिणामों पर प्रभाव पड़े। हालांकि ये आकलन प्रबंधन द्वारा वर्तमान गतिविधियों एवं कार्यों की सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर किए जाते हैं, फिर भी वास्तविक परिणाम इन आकलनों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमान एवं अंतर्निहित धारणाएँ सतत आधार पर पुनरीक्षित होती हैं। लेखांकन अनुमानों में संशोधन को उस अवधि में मान्यता दी जाती है, जिसमें ये संशोधित हुए हैं एवं कोई भावी अवधि जो प्रभावित हुआ है।

अनुमान एवं धारणाएँ जिसमें अगले वित्तीय वर्ष के अंदर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की वहन राशि के भौतिक समायोजन का कारण बनने का महत्वपूर्ण जोखिम रहता है, उसके बारे में नीचे के अनुच्छेदों में चर्चा की गई है :

(i) उपयोगी आर्थिक जीवन एवं अन्य परिसंपत्तियों की हानि

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई) और अमूर्त परिसंपत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवन कई घटकों पर निर्भर रहता है, जिसमें शामिल है अप्रचलन के प्रभाव, परिसंपत्ति एवं अन्य आर्थिक कारकों का प्रयोग (जैसे कि ज्ञात प्रौद्योगिकीजनित उन्नति)।

Constructive obligation is an obligation that derives from an entity's actions whereby an established pattern of past practice, published policies or a sufficiently specific current statement, the entity has indicated to other parties that it will accept certain responsibilities; and as a result, the entity has created a valid expectation on the part of those other parties that it will discharge those responsibilities.

Contingent liabilities are disclosed by way of notes. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

Contingent assets are not recognised but disclosed in the financial statements when an inflow of economic benefits is probable.

1.C.14 Segment reporting

Ind AS 108 establishes standards for the way that public business enterprises report information about operating segments and related disclosures. The Group undertakes trading activities, and also acts as e-commerce service provider. Based on the 'management approach' as defined in Ind AS 108, the Chief Operating Decision Maker (CODM) evaluates Group's performance and allocates resources on an analysis of various performance indicators by operating segments. In terms of above the Group has identified Marketing and e-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. Revenue and identifiable operating expenses in relation to segments are categorised based on items that are individually identifiable to that segment. Rest of the items of revenue and expenses,which cannot be specifically allocated under specific segments, are separately disclosed as unallocated.

1.C.15 Critical accounting estimates, assumptions and judgments

The preparation of the financial statements in conformity with Ind AS requires management to make judgements, estimates and assumptions that affect the application of accounting policies and the reported amounts of assets, liabilities, income, expenses, and disclosures of contingent assets and liabilities at the date of the financial statements and the results of operations during the reporting period end. Although these estimates are based upon management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

Estimates and underlying assumptions are reviewed on an ongoing basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which the estimates are revised and in any future periods affected.

The estimates and assumptions that have a significant risk of causing a material adjustment to the carrying amounts of assets and liabilities within the next financial year are discussed in the paragraphs that follow.

(i) Useful economic lives and impairment of other assets

The estimated useful life of property, plant and equipment (PPE) and intangible asset is based on a number of factors including the effects of obsolescence, usage of the asset and other economic factors (such as known technological advances).

समूह प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत में पीपीई एवं अमूर्तों के उपयोगी जीवन की समीक्षा करती है एवं कोई भी परिवर्तन मूल्यह्रास दरों को भावी रूप से प्रभावित कर सकता है।

समूह अपनी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की संभावी क्षति की भी समीक्षा करती है कि क्या कोई ऐसी गतिविधि है या परिस्थितियों में ऐसा परिवर्तन है जो परिसंपत्तियों की वहन राशि की वसूली न हो पाने का संकेत देते हैं। संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की क्षति के आकलन में, लाभ में उल्लेखनीय घटाव लाने वाले कारकों जैसे कि समूह की व्यवसाय योजनाएँ एवं नियामक पर्यावरण में परिवर्तन को विवेचना में लिया जाता है।

(ii) आकस्मिकताएँ एवं वचनबद्धताएँ

व्यवसाय के सामान्य प्रचलन में, आकस्मिक देयताएँ मुकदमे, कराधान एवं समूह के विरूद्ध अन्य दावे से उत्पन्न हो सकती हैं। जहाँ निधियों का बहिर्भाव संभाव्य है एवं प्रत्येक मतभेद की विशिष्ट परिस्थितियों का प्रबंधन के आकलन एवं संबंधित बाहरी सलाह के आधार पर मतभेद के परिणाम का एक विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता है, तब प्रबंधन ऐसी देनदारी का सर्वोत्तम अनुमान प्रदान करती है। ऐसी देनदारियों को टिप्पणियों में प्रकट किया जाता है, परंतु वित्तीय विवरणों में नहीं दिए जाते हैं।

हालांकि कानूनी कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम के बारे में कोई आश्वासन नहीं मिल सकता है, परंतु समूह की वित्तीय स्थिति या लाभकारिता पर समूह इसके महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव की अपेक्षा नहीं करता है।

(iii) बीमांकिक मूल्यांकन

कर्मचारियों को परिभाषित लाभ दायित्व के बारे में समूह की देनदारी का निर्धारण स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है जिसमें लाभ एवं हानि के विवरण एवं अन्य व्यापक आय में स्वीकृति दी जाने वाली राशि का निर्धारण शामिल है। यह मूल्यांकन मुद्रा स्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति एवं अन्य संबंधित कारकों जैसे कि रोजगार बाजार में आपूर्ति एवं मांग कारकों को विचार में लेने के बाद निर्धारित धारणाओं पर निर्भर करता है।

(iv) उचित मूल्य मापन एवं मूल्यांकन पद्धतियाँ

समूह की कुछ परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को वित्तीय रिपोर्टिंग के प्रयोजन से उचित मूल्य पर मापा जाता है। किसी परिसंपत्ति या देनदारी के उचित मूल्य के आकलन में, समूह बाजार के अवलोकन योग्य डेटा का उसकी उपलब्ध सीमा में उपयोग करता है। जहाँ लेवल 1 निविष्टि उपलब्ध नहीं हैं, समूह वहाँ आवश्यक मूल्यांकन कार्य को पूरा करने के लिए तीसरे पक्ष के मूल्यांकक को नियोजित करता है। विभिन्न परिसंपत्तियों एवं देनदारियों के उचित मूल्य के निर्धारण में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीकों एवं निविष्टियों की सूचना वित्तीय विवरण की टिप्पणियों में प्रकट की गई है।

(v) आगे ली गई कर हानियों एवं उपयोग नहीं किए गए कर घटाव के लिए आस्थगित कर संपत्तियों की मान्यता

जिस सीमा तक आस्थगित कर परिसंपत्तियों को स्वीकृति दी जा सकती है, वह समूह की भावी कर योग्य आय की संभाव्यता के आकलन पर आधारित होती है, जिसके लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, किसी कानूनी या आर्थिक सीमाओं के प्रभाव के आकलन में महत्वपूर्ण निर्णय की आवश्यकता पड़ती है।

The Group reviews the useful life of PPE and intangibles at the end of each reporting date and any changes could affect the depreciation rates prospectively.

The Group also reviews its property, plant and equipment for possible impairment if there are events or changes in circumstances that indicate that the carrying value of the assets may not be recoverable. In assessing the property, plant and equipment for impairment, factors leading to significant reduction in profits, such as the Group's business plans and changes in regulatory environment are taken into consideration.

(ii) Contingencies and commitments

In the normal course of business, contingent liabilities may arise from litigation, taxation and other claims against the Group. Where an outflow of funds is believed to be probable and a reliable estimate of the outcome of the dispute can be made based on management's assessment of specific circumstances of each dispute and relevant external advice, management provides for its best estimate of the liability. Such liabilities are disclosed in the notes but are not provided for in the financial statements.

Although there can be no assurance regarding the final outcome of the legal proceedings, the Group does not expect them to have a materially adverse impact on the Group's financial position or profitability.

(iii) Actuarial Valuation

The determination of Group's liability towards defined benefit obligation to employees is made through independent actuarial valuation including determination of amounts to be recognised in the Statement of Profit and Loss and in other comprehensive income. Such valuation depend on assumptions determined after taking into account inflation, seniority, promotion and other relevant factors such as supply and demand factors in the employment market.

(iv) Fair Value measurements and valuation processes

Some of the Group's assets and liabilities are measured at fair value for financial reporting purposes. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Group uses market-observable data to the extent it is available. Where Level 1 inputs are not available, the Group engages third party valuers, where required, to perform the valuation. Information about the valuation techniques and inputs used in determining the fair value of various assets and liabilities are disclosed in the notes to the financial statements.

(v) Recognition of deferred tax assets for carried forward tax losses and unused tax credit

The extent to which deferred tax assets can be recognised is based on an assessment of the probability of the Group's future taxable income against which the deferred tax assets can be utilised. In addition significant judgement is required in assessing the impact of any legal or economic limits.

2 क. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

राशि लाख रु. में

विवरण	पूर्णस्वामित्व के भवन	कार्यालय उपकरण	कार्यालय के एयर कंडीशनर	फर्नीचर एवं फिक्सचर	कार्यालय के पार्टिशन्स एवं क्यूबिकल्स	ईडीपी उपकरण	संयंत्र एवं उपकरण	वाहन	कुल मूर्त परिसंपत्तियाँ
31 मार्च, 2016 को सकल ब्लॉक	384	109	37	150	105	189	6,149	159	7,282
संयोजन	10	4	4	21	8	38	1,374	91	1,550
निपटान	-	-	-	-	-	20	90	4	114
31मार्च, 2017 को सकल ब्लॉक	394	113	41	171	113	207	7,433	246	8,718
संयोजन	18	31	5	16	-	40	1,404	46	1,560
निपटान	-	-	-	-	20	5	23	1	49
31 मार्च, 2018 को सकल ब्लॉक	412	144	46	187	93	242	8,814	291	10,229
31 मार्च, 2016 को मूल्यह्रास	21	25	12	50	46	46	907	20	1,127
वर्ष में प्रभार	28	24	9	36	22	71	994	26	1,210
निपटान	-	-	-	-	-	21	15	2	38
31मार्च, 2017 को मूल्यह्रास	49	49	21	86	68	96	1,886	44	2,299
वर्ष में प्रभार	32	23	5	17	3	63	1,008	32	1,183
निपटान	-	-	-	-	15	4	5		24
31 मार्च, 2018 को मूल्यह्रास	81	72	26	103	56	155	2,889	76	3,458
31 मार्च, 2016 को निवल बही मूल्य	363	84	25	100	59	143	5,242	139	6,155
31 मार्च, 2017 को निवल बही मूल्य	345	64	20	85	45	111	5,547	202	6,419
31 मार्च, 2018 को निवल बही मूल्य	331	72	20	84	37	87	5,925	215	6,771

2 ख. प्रगति में पूँजी कार्य

	1 अप्रैल 2016 को मूल्य	संयोजन	विलोपन	31 मार्च 2017 को मूल्य	01 अप्रैल 2016 को मूल्यह्रास	संयोजन	समायोजन	31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य
पूँजी डब्ल्यूआईपी	414	232	428	218	0	0	0	0	218
कुल	414	232	428	218	0	0	0	0	218

	1 अप्रैल 2017 को मूल्य	संयोजन	विलोपन	31 मार्च 2018 को मूल्य	01 अप्रैल 2017 को मूल्यह्रास	संयोजन	समायोजन	31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य
									31,20188
पूँजी डब्ल्यूआईपी	218	1,044	218	1,044	0	0	0	0	1,044
कुल	218	1,044	218	1,044	0	0	0	0	1,044

राशि न्यू टाउन, कोलकाता में नए कार्यालय भवन के निर्माण बाबत एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को किए गए अग्रिम भुगतान को प्रस्तुत करती है।

2 ग. अमूर्त परिसंपत्ति

	1 अप्रैल 2016 को मूल्य	संयोजन	विलोपन	31 मार्च 2017 को मूल्य	01 अप्रैल 2016 को मूल्यह्रास	संयोजन	समायोजन	31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	14	147	0	161	3	3	0	6	155
विकास के अधीन अभूर्त परिसंपत्तियाँ	0	9	0	9	0	0	0	0	9
कुल	14	156	0	170	3	3	0	6	164

	1 अप्रैल 2017 को मूल्य	संयोजन	विलोपन	31 मार्च 2018 को मूल्य	01 अप्रैल 2017 को मूल्यह्रास	संयोजन	समायोजन	31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	161	5	0	166	6	56	0	62	104
विकास के अधीन अभूर्त परिसंपत्तियाँ	9	20	0	29	0	0	0	0	29
कुल	170	25	0	195	6	56	0	62	133

2 a. Property, Plant and Equipment

Amount in ₹ lakh

Particulars	Freehold Buildings	Office Equipment	Office Air Conditioner	Furniture and fixtures	Office Partition & Cubicles	EDP Equipments	Plant and Equipment	Vehicles	Total Tangible Assets
Gross Block as at March 31, 2016	384	109	37	150	105	189	6,149	159	7,282
Additions	10	4	4	21	8	38	1,374	91	1,550
Disposals	-	-	-	-	-	20	90	4	114
Gross Block as at March 31, 2017	394	113	41	171	113	207	7,433	246	8,718
Additions	18	31	5	16	-	40	1,404	46	1,560
Disposals	-	-	-	-	20	5	23	1	49
Gross Block as at March 31, 2018	412	144	46	187	93	242	8,814	291	10,229
Depreciation as at March 31, 2016	21	25	12	50	46	46	907	20	1,127
Charge for the year	28	24	9	36	22	71	994	26	1,210
Disposals	-	-	-	-	-	21	15	2	38
Depreciation as at March 31, 2017	49	49	21	86	68	96	1,886	44	2,299
Charge for the year	32	23	5	17	3	63	1,008	32	1,183
Disposals	-	-	-	-	15	4	5		24
Depreciation as at March 31, 2018	81	72	26	103	56	155	2,889	76	3,458
Net book value as at March 31, 2016	363	84	25	100	59	143	5,242	139	6,155
Net book value as at March 31, 2017	345	64	20	85	45	111	5,547	202	6,419
Net book value as at March 31, 2018	331	72	20	84	37	87	5,925	215	6,771

2 b. Capital Work in Progress

	Cost as at April 01,2016	Addition	Deletion	Cost as at at March 31,2017	Depriciation as at April 01,2016	Addition	Adjustment	Depriciation as at March 31,2017	Net Book Value as at March 31,2017
Capital WIP	414	232	428	218	0	0	0	0	218
Total	414	232	428	218	0	0	0	0	218

	Cost as at April 01,2017	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2018	Depriciation as at April 01,2017	Addition	Adjustment	Depriciation as at March 31,2018	Net Book Value as at March 31,2018
Capital WIP	218	1,044	218	1,044	0	0	0	0	1,044
Total	218	1,044	218	1,044	0	0	0	0	1,044

Amount includes advance payment made to NBCC(India) Limited towards construction of New Office Building at Newtown,Kolkata.

2 c. Intangible assets

	Cost as at April 01,2016	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2017	Depriciation as at April 01,2016	Addition	Adjustment	Depriciation as at March 31,2017	Net Book Value as at March 31,2017
Computer Software	14	147	0	161	3	3	0	6	155
Intangible Assests under Development	0	9	0	9	0	0	0	0	9
Total	14	156	0	170	3	3	0	6	164

	Cost as at April 01,2017	Addition	Deletion	Cost as at March 31,2018	Depriciation as at April 01,2017	Addition	Adjustment	Depriciation as at March 31,2018	Net Book Value as at March 31,2018
Computer Software	**161**	**5**	**0**	**166**	**6**	**56**	**0**	**62**	**104**
Intangible Assests under Development	9	20	0	29	0	0	0	0	29
Total	170	25	0	195	6	56	0	62	133

3. अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

राशि लाख ₹ मे

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	सुरक्षित जमा	109	123
(ख)	अन्य ऋण एवं अग्रिम कर्मचारियों को ऋण	487	558
(ग)	कर्मचारियों के ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	6	6
(घ)	12 महीने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ मियादी जमा	4,954	5
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**5,556**	**692**

3.1 मियादी जमा ओवरड्राफ्ट सुविधा एवं गारंटी के लिए मार्जिन हेतु बैंक के पास बंधक रखे हुए हैं।

3.2 सहायक कंपनी के मामले में, 3(घ) जमा में बैंक गारंटी एवं ओवरड्राफ्ट सुविधा के तहत इंडियन बैंक, आंध्रा बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बंधक रखी राशि ₹ 1980 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 ₹ 5821.63 लाख) शामिल है।

4. गैर-चालू कर परिसंपत्तियाँ

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
करों का अग्रिम भुगतान	67,821	63,155
घटाएं : कराधान के लिए प्रावधान	64,331	61,638
शुद्ध	3,490	1,517
गैर चालू कर परिसंपत्तियाँ	**3,490**	**1,517**

5. अन्य परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

विवरण (असुरक्षित, अच्छा माना गया)	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
(क) सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, बिक्री कर, पोर्ट ट्रस्ट आदि	296	308
(ख) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान लागत	723	-
(ग) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(क) पूर्व प्रदत्त व्यय	5	9
(ख) अन्य	1	11
(घ) सेवानिवृत्ति उपरांत लाभ परिसंपत्तियाँ	-	65
(ङ) भवन निर्माण के लिए अग्रिम	15	-
कुल अन्य परिसंपत्तियाँ	**1,040**	**393**

5.1 डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ से पट्टेयुक्त भूमि के अधिग्रहण बाबत किया गया भुगतान।

5.2 राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापत्तनम, दुर्गापुर एवं धुबड़ी में सहायक कंपनी के संयंत्र एवं भवन जिस भूमि पर स्थित हैं, न तो पूर्णस्वामित्व की और न ही पट्टायुक्त हैं। समूह ने सेवा अनुबंध के अंश के तौर पर जमींदारों से नि:शुल्क उपयोग का अधिकार प्राप्त किया है। समूह ने हालांकि एसएआईएल-बीएसपी से 29 दिसंबर 1988 से प्रभावी 33 वर्षों के स्थायी पट्टे पर पट्टायुक्त भूमि अर्जित किया है, जिस पर सहायक कंपनी का पंजीकृत कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है।

3. Other financial assets (Non Current)

Amount (₹ in lakh)

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Security deposits	109	123
(b)	Other loans and advances		
	Loans to employees	487	558
(c)	Interest accrued on loans to employees	6	6
(d)	Term Deposits with original maturity of more than 12 months	4,954	5
	Other financial assets	**5,556**	**692**

3.1 The term deposits are pledged with banks against over draft facility and margin for guarantee.

3.2 In case of subsidiary, the 3(d) deposit includes ₹ 1980 lakh (PY 2016-17 ₹ 5821.63 lakh) pledged with Indian Bank, Andhra Bank and Bank of Baroda against Bank Guarantee & Overdraft facility.

4 . Non-Current tax assets

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Advance payment of Taxes	67,821	63,155
Less: Provision for Taxation	64,331	61,638
Net	3,490	1,517
Non-Current tax assets	**3,490**	**1,517**

5 . Other assets (Non Current)

Particulars (Unsecured, considered good)	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
a) Advance with public bodies		
(a) Customs, Excise, Sales Tax ,Port Trusts etc.	296	308
(b) Prepaid Lease Payment Cost	723	-
(c) Other loans and advances		
(a) Prepaid expenses	5	9
(b) Others	1	11
(d) Post Retirement benefit assets	-	65
(e) Advance for Building Construction	15	-
Total Other assets	**1,040**	**393**

5.1 Amount paid towards acquisition of Leasehold Land from WBHIDCO.

5.2 The land on which the plant and building of the subsidiary company are situated at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro Vizag, Durgapur & Duburi are neither freehold nor leasehold. The group has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The group has however, acquired leasehold land from SAIL - BSP on perpetual lease of 33 years w.e.f. 29th December, 1988 on which the Registered Office Building of the subsidiary company has been constructed.

6 . आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

राशि (लाख ₹ में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
आस्थगित कर (देनदारियाँ)/परिसंपत्तियाँ		
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों के बही मूल्य एवं कर शेष के बीच अंतर पर	(269)	(208)
अन्य	(9)	(8)
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव	**(278)**	**(216)**
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
क्षतिपूरित अनुपस्थितियों, उपदान (ग्रेचुइटी) एवं अन्य कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	822	699
संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए भत्ते	18,588	29,509
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 40(क)(i), 43(ख) के अंतर्गत अस्वीकृति	1,644	1,281
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के बही शेष एवं कर शेष के बीच अंतर पर	7	0
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	2,225	0
वृद्धि दावे पर विक्रेता को देय दावे के लिए प्रावधान	81	77
सेवा कर पर ब्याज के लिए प्रावधान	13	13
क्षतिपूरित पर मांग के लिए प्रावधान	0	25
अनावशोषित व्यवसाय हानि	7,050	0
अन्य व्यापक आय के माध्यम से	231	317
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव	**30,661**	**31,921**
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**30,383**	**31,705**

7 . मालसूची

विवरण	31 मार्च 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) मार्गस्थ स्टॉक	-	7,074
(ख) लूज औजार समेत स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	324	252
(ग) गैर-चल मालसूची का स्टॉक	163	211
(घ) अप्रचलित मालसूची का स्टॉक	-	23
(ङ) स्टोर्स एवं स्पेयर्स – प्रतीक्षारत निपटान	26	4
(च) मालसूची में कमी – लम्बित समायोजन	-	-
(छ) मार्गस्थ वस्तुएँ	1	1
(ज) मुद्रण एवं लेखन सामग्री का स्टॉक	10	9
(झ) घटाएं: प्रावधान		
(1) गैर-चल मालसूची के स्टॉक के लिए	94	120
(2) स्टोर्स एवं स्पेयर्स के लिए – प्रतीक्षारत निपटान	14	-
(3) अप्रचलित मालसूची के लिए	-	15
कुल	**416**	**7,439**

6 . Deferred Tax Assests (Net)

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Deferred tax (liabilities) / assets:		
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities		
On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment & Intangible assets	(269)	(208)
Others	(9)	(8)
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities	**(278)**	**(216)**
Tax effect of items constituting deferred tax assets		
Provision for compensated absences, gratuity and other employee benefits	822	699
Allowance for doubtful debts / advances	18,588	29,509
Disallowances under Section 40(a)(i), 43B of the Income Tax Act, 1961	1,644	1,281
On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment	7	0
MAT credit Entitlement	2,225	0
Provision for claim payable to vendor against escalation claim	81	77
Provision for Interest on Service tax	13	13
Provision for Demand on Compensation	0	25
Unabsorbed business losses	7,050	0
Through Other Comprehensive Income	231	317
Tax effect of items constituting deferred tax assets	**30,661**	**31,921**
Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**30,383**	**31,705**

7 . Inventories

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Stock in transit	-	7,074
(b)	Stores and Spare parts including loose tools	324	252
(c)	Stock of Non-Moving inventory	163	211
(d)	Stock of Obsolete Inventory	-	23
(e)	Stores and Spares - Awaiting Disposal	26	4
(f)	Inventory Shortage-Pending Adjustment	-	-
(g)	Goods in Transit	1	1
(h)	Stock of Printing & Stationary	10	9
(i)	Less: Provision		
	(1) for stock of non-moving inventory	94	120
	(2) for stores & spares - awaiting disposal	14	-
	(3) for obsolete inventory	-	15
	Total	**416**	**7,439**

8 . व्यापार प्राप्य (चालू) राशि लाख ₹ मे

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
(क) सुरक्षित, अच्छा माना गया	3,49,738	3,15,842
(ख) असुरक्षित, अच्छा माना गया	48,415	58,246
(ग) असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	53,162	40,152
घटाएं : संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के लिए भत्ते (अपेक्षित ऋण हानि भत्ते)	53,162	40,152
कुल	**3,98,153**	**3,74,088**

8.1 व्यापार प्राप्य

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से अधिक समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	85,900	44,137
असुरक्षित, अच्छा माना गया	32,446	44,509
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	53,162	40,152
घटाएं : संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	53,162	40,152
	1,18,346	88,646
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से कम समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	2,63,839	2,71,705
असुरक्षित, अच्छा माना गया	15,968	13,737
	2,79,807	2,85,442
कुल	**3,98,153**	**3,74,088**

8.2: व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 के दौरान सोने के गहने के निर्यात पर ₹ 14782 लाख की राशि शामिल है। उक्त प्राप्य को एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अंतर्गत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा क्रय किया गया था। उक्त अनुबंध के अनुसार, एससीबी विदेशी खरीदारों पर एमएसटीसी द्वारा जारी बिलों का क्रय करेंगे एवं 95% राशि एमएसटीसी को भुगतान करेंगे और विदेशी खरीदार बिल की संबंधित नियत तिथियों को बिल के एवज में एससीबी को सीधे भुगतान करेंगे। उक्त निर्यात लेनदेन का आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एससीबी द्वारा बीमा भी किया गया था। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर–प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी से राशि का दावा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार किया। इसके बाद एससीबी ने प्राप्य को ऋण में परिवर्तित किया एवं डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल, मुंबई में एक मामला दर्ज किया। एससीबी के उक्त दावे के विरूद्ध डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों में एमएसटीसी मामले को चुनौती दे रही है। एससीबी ने वसूली नहीं हुए बकाये की उक्त राशि के लिए बीमा कंपनी के विरूद्ध एक मुकदमा भी दायर किया है, जिसे निपटाया जाना अभी शेष है। मामलों के लम्बित निपटान को देखते हुए एमएसटीसी उक्त प्राप्य (निर्यात बिल) के क्रय के विरूद्ध एससीबी द्वारा एमएसटीसी को दी गई राशि के लिए बिना समायोजित किए प्राप्य के रूप में राशि को दर्शित कर रही है, जो कि टिप्पणी सं. 20 के माध्यम से उधार (चालू) के रूप में पृथक रूप में बहियों में दर्शित है।

8.3: व्यापार प्राप्य को कंपनी के पास ग्राहकों द्वारा बंधक रखे स्टॉक द्वारा या बैंक गारंटी द्वारा या देनदारी द्वारा आमतौर पर सुरक्षित रखा जाता है, जहाँ सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं से एक के बाद एक व्यवस्था रहती है। अनुरूपी प्राप्यों के बही मूल्य की तुलना में ऐसे बंधक रखे स्टॉक की वसूली योग्य मूल्य में कोई महत्वपूर्ण क्षीणता रहने पर, अंतर आई राशि को 'असुरक्षित' के अंतर्गत दर्शाया गया है।

8.4(क): व्यापार प्राप्य में, लगभग साढ़े पाँच वर्ष पहले, अक्टूबर, 2012 तक पार्टी की सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति हेतु मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. से बकाया राशि ₹ 19544 लाख (पिछले वर्ष ₹ 19544 लाख) शामिल है। स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा संचालित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखी कच्ची सामग्री का शुद्ध वसूलीयोग्य मूल्य ₹ 6230 लाख आया है। मध्यस्थता निर्णय की शर्तों के अनुसार पार्टी ने भुगतान करने में चूक की है। वित्तीय लेनदारों ने कंपनी के विरूद्ध कॉर्पोरेट इन्सॉल्वेंसी रिजॉल्यूशन प्रोसेस शुरू करने के लिए एनसीएलटी में एक आवेदन दायर किया है। कंपनी के पास ₹ 10 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान पार्टी से ₹ 641 लाख की भी वसूली हुई है। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) के पास अपना दावा किया है। एमएसटीसी के दावे को लेनदारों की समिति के द्वारा सुरक्षित प्रचालनीय लेनदार के रूप में स्वीकार किया गया है। ₹ 1500 लाख का तदर्थ प्रावधान लेखा बहियों में प्रस्तुत किया गया है।

8 . Trade receivables (Current)

Amount in ₹ lakh

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Trade receivables			
(a)	Secured, considered good	3,49,738	3,15,842
(b)	Unsecured, considered good	48,415	58,246
(c)	Unsecured, considered doubtful	53,162	40,152
	Less: Allowance for Doubtful trade receivables (expected credit loss allowance)	53,162	40,152
	Total	**3,98,153**	**3,74,088**

8.1 Trade Receivables

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Trade Receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	85,900	44,137
Unsecured, Considered good	32,446	44,509
Unsecured, Considered Doubtful	53,162	40,152
Less: Provision for doubtful debts	53,162	40,152
	1,18,346	88,646
Trade Receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	2,63,839	2,71,705
Unsecured, Considered good	15,968	13,737
	2,79,807	2,85,442
Total	**3,98,153**	**3,74,088**

8.2: Trade Receivables include an amount of ₹14782 lakhs on account of export of gold jewellery during 2008-09. The said receivables were purchased by Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement . As per the said agreement, SCB would purchase the bills raised by MSTC on foreign buyers and pay 95% of the amount to MSTC and foreign buyers would be paying against the bills directly to SCB on respective due dates of the bills. The said export transactions were also insured by SCB with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from the foreign buyers, SCB claimed the amount from the insurance company. The Insurance company repudiated the claim of SCB. Thereafter SCB converted the receivables into debt and filed a case in Debt Recovery Tribunal, Mumbai. MSTC has been contesting the case in DRT and other forums against the said claim of SCB. SCB has also filed a suit against the insurance company for the said amount of unrealized dues which is yet to be disposed off. Pending disposal of the cases, MSTC has been showing the amount as receivables without adjusting the same against the amount paid by SCB to MSTC against purchase of the said receivables(export bills) which is being shown in books separately as Borrowing(Current) vide Note No. 20.

8.3: Trade receivables are generally secured either by way of stocks pledged by the customers with the Company or Bank Gurantees or by liability where there is back to back arrangement with the associate suppliers. In case there is a significant depletion in realizable value of such pledged stock against the book value of the corresponding receivables, the differential amount has been shown under 'Unsecured'.

8.4(a): Trade Receivables includes ₹ 19544 lakh (Previous Year ₹ 19544 lakh) due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd. for procurement and supply of materials to the party up to October, 2012, almost five and half years ago. As per the volumetric analysis conducted by independent inspection agency, the net realizable value of pledged raw materials comes to ₹ 6230 lakh. The party has defaulted in making the payment as per the terms of the Arbitration award. The financial creditors have filed an application in NCLT for initiation of Corporate Insolvency Resolution Process against the Company.The Company has security deposit of ₹ 10 lakh and has also recovered ₹ 641 lakh from the party during the financial year 2018-19. MSTC has filed its claim with the Resolution Professional (RP). MSTC's claim has been admitted by the Committee of Creditors as a secured operational creditor. An ad-hoc provision of ₹ 1500 lakh have been created in the books of accounts.

8.4(ख): व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. से ₹ 22124 लाख (पिछले वर्ष ₹ 22006 लाख) की बकाया राशि शामिल है। स्वतंत्र जाँच एजेंसी के माध्यम से निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार, बंधक रखे स्टॉक का वसूलीयोग्य मूल्य ₹ 2313.81 लाख है। पार्टी के झारसुगुडा यूनिट में अनुमापी आकलन एमएसटीसी द्वारा निष्पादित नहीं किया जा सका था। एनसीएलटी में वित्तीय लेनदारों द्वारा दर्ज किए गए दिवालियापन के मामले की स्वीकृति के अनुसार एमएसटीसी ने एनसीएलटी के अधीन इन्सॉल्वेन्सी रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष दावा किया है। कंपनी के पास ₹ 40 लाख का प्रतिभूति जमा है एवं वर्ष के दौरान पार्टी की ओर से ₹ 9206 लाख की सामग्री प्राप्त की गई एवं ₹ 9088 लाख की वसूली हुई थी। ₹ 3000 लाख का तदर्थ प्रावधान लेखा बहियों में प्रस्तुत किया गया है।

8.4(ग): व्यापार प्राप्य में मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से ₹ 11484 लाख (पिछले वर्ष ₹ 11937 लाख) की बकाया राशि शामिल है। बकाये की संपूर्ण राशि तीन वर्षों से अधिक समय के लिए अतिदेय है। समझौता शर्तों के अनुसार, एमएसटीसी केवल अग्रिम भुगतान के विरूद्ध पार्टी के लिए कच्ची सामग्री प्राप्त करेगी। अग्रिम भुगतान में से, पुराने प्राप्य के लिए 10% का समायोजन किया जाएगा एवं शेष 90% का एमएसटीसी द्वारा फिर से क्रय किया जाएगा। फिर से किए गए क्रय में से, 50% सामग्री जारी की जा रही है एवं शेष 50% बंधक रखे स्टॉक के रूप में रखी जाती है। इस प्रकार प्राप्त भुगतान के 90% के विरूद्ध, 50% सामग्री नए स्टॉक एवं शेष 50% पुराने स्टॉक के विरूद्ध जारी की जाती है। इस प्रकार पुरानी सामग्री को नई सामग्री से बदली जाएगी। इस प्रक्रिया में सुरक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आया है। परिणामस्वरूप, बंधक रखे स्टॉक का शुद्ध वसूली योग्य मूल्य दिनांक 31.03.2017 के अनुसार ₹ 6870 लाख से बढ़कर 31.03.2018 को ₹14185 लाख पहुँच गया है(स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार), जो कि बकाया शेष की तुलना में बहुत अधिक है। इसके मद्देनजर और साथ ही बाजार की बेहतर स्थिति के कारण, वर्तमान वर्ष में कोई प्रावधान किया जाना आवश्यक नहीं समझा गया था।

8.4(घ): व्यापार प्राप्य में सामग्री के क्रय एवं आपूर्ति के लिए मेसर्स ग्लोबल कोक लि. (जीसीएल) से ₹ 2831 लाख (पिछले वर्ष : ₹ 3031 लाख) की बकाया राशि शामिल है जो तीन वर्ष से अधिक पुरानी है। बकाये की पूरी राशि तीन वर्षों से अधिक के लिए अतिदेय है। पार्टी को एनसीएलटी के पास संदर्भित किया गया है एवं कंपनी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। पार्टी ने लेनदारों की समिति के अनुमोदन के साथ हाल ही में कार्य आधार पर अपना सिंधुदुर्ग प्लांट शुरु किया है। पार्टी अपने जामनगर संयंत्र के लिए कार्यनीतिक निवेशक की तलाश कर रही है, ताकि निर्दिष्ट कार्य-आधार पर इसे शुरू किया जा सके, जहाँ कंपनी की बंधक रखी सामग्री पड़ी हुई हैं। यह आशा की जाती है कि यह संयंत्र एक बार प्रचालन में आने पर बंधक रखी सामग्री की खपत द्वारा कंपनी की संपूर्ण बकाया राशि का ऋणशोधन हो पाएगा। इसके अलावा, रखे हुए स्टॉक स्वरूप की सुरक्षा गुणवत्ता में बाजार की प्रचलित उन्नत स्थिति के कारण उल्लेखनीय सुधार आया है, जिससे शुद्ध वसूली योग्य मूल्य 31.03.2017 के ₹ 1250 लाख से बढ़कर 31.03.2018 को ₹ 5311 लाख पहुँच गया है (स्वतंत्र जाँच एजेंसी द्वारा निष्पादित अनुमापी विश्लेषण के अनुसार) जो कि बकाया शेष से बहुत अधिक है। ₹1030 लाख की राशि पहले ही 31 मार्च 2017 तक के लिए प्रावधान किया गया है। इसके मद्देनजर एवं स्टॉक में पड़ी सामग्री की उन्नत बाजार-स्थिति के कारण वर्तमान वर्ष में कोई प्रावधान किया जाना आवश्यक नहीं समझा गया था।

8.5: व्यापार प्राप्य में सुगमीकरण माध्यम में किए गए व्यवसाय के लिए (प्रावधान छोड़कर) ₹ 293979 लाख की राशि शामिल है (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 275490 लाख)।

राशि लाख ₹ में

9 . नकद एवं नकद समतुल्य

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) हाथ में नकद	3	2
(ख) बैंक में शेष		
चालू खाता में	17,583	9,022
कुल	**17,586**	**9,024**

10 . नकद एवं नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
बैंक के पास निर्दिष्ट शेष		
(i) दावारहित लाभांश खाता में	99	86
(ii) 3 महीने से अधिक मगर 12 महीने से कम की मूल परिपक्वता के साथ जमा	37,795	39,774
कुल	**37,894**	**39,860**

10.1 उपर्युक्त जमा राशि में ओवरड्राफ्ट सुविधा के लिए बैंक में बंधक रखे ₹ 31,828 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 36,117 लाख) एवं गारंटी के विरुद्ध मार्जिन ₹ 955 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 में ₹ 953 लाख) शामिल है।

10.2 सहायक कंपनी के मामले में उपर्युक्त जमा राशि में इंडियन बैंक, आंध्रा बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बैंक गारंटी एवं ओवरड्राफ्ट सुविधा के विरूद्ध बंधक राशि ₹ 3844.09 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 ₹ 2.32 लाख) शामिल है।

8.4(b): Trade Receivables includes ₹ 22124 lakh (Previous Year ₹ 22006 lakh) due from M/s Concast Steel & Power Ltd. for procurement and supply of materials. As per the volumetric analysis carried out by independent inspection agency, the net realizable value of the pledged stock is ₹ 2313.81 lakh. Volumetric assessment at Jharsuguda unit of the party could not be performed by MSTC. Pursuant to admission of a case of insolvency filed by financial creditors in NCLT, MSTC has filed its claim before Insolvency Resolution Professional under NCLT. The Company has a security deposit of ₹ 40 lakh and during the year, procured materials on behalf of the party for ₹. 9206 lakhs and realization was ₹ 9088 lakh. An ad-hoc provision of ₹ 3000 lakhs have been created in the books of accounts.

8.4(c): Trade Receivable includes ₹ 11484 lakh (Previous year: ₹ 11937 lakh) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. Entire amount of outstanding is overdue for a period of more than three years. As per the settlement terms, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. Out of the advance payment, 10 % will be adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement will be made by MSTC. Out of the fresh procurement, 50% of material is being issued and balance 50% is kept as pledged stock. Thus against 90% of payment received, 50% of material is issued against fresh stock and balance 50% is issued against old stock, thereby replacing the old materials with the new one. In the process the quality of the security has improved significantly. As a result, net realizable value of the pledged stock has increased from ₹ 6870 lakh as on 31.03.2017 to ₹ 14185 lakh as on 31.03.2018 (as per the Volumetric Analysis carried out by independent inspection agency), which is much higher than the outstanding balance. In view of this and also due to improved market condition, no provision was considered necessary to be made in the current year.

8.4(d): Trade Receivables include ₹ 2831 lakh (Previous year: ₹ 3031 lakh) due from M/s Global Coke Ltd. (GCL) for procurement and supply of materials which are more than three years old. Entire amount of outstanding is overdue for more than three years. The party has been referred to NCLT and the Company has filed its claim before Resolution Professional. The party, with the approval of Committee of Creditors, has recently started their Sindhudurg plant on job work basis. The party is also looking for a strategic investor for its Jamnagar plant to start on job work basis where the Company's pledged materials are lying. It is expected that the entire dues of the Company will be liquidated by way of consumption of pledged materials once this plant becomes operational. Further, the quality of security in the form of stock lying has improved significantly due to prevailing improved market condition, that resulted in increase in net realizable value from ₹ 1250 lakh as on 31.03.2017 to ₹ 5311 lakh as on 31.03.2018 (as per the Volumetric Analysis carried out by independent inspection agency), which is much higher than the outstanding balance. An amount of ₹ 1030 lakh has already been provided for upto 31st March, 2017. In view of this and also due to improved market condition of the material in stock, no provision was considered necessary to be made in the current year.

8.5: Trade Receivables include ₹ 293979 lakh, against business done in facilitator mode(net of provision) (P.Y2016-17 ₹ 275490 lakh)

Amount in ₹ lakh

9 . Cash and Cash Equivalents

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Cash in hand	3	2
(b)	Balances with banks		
	In Current Account	17,583	9,022
	Total	**17,586**	**9,024**

10 . Bank balances other than Cash & Cash equivalents

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Earmarked Balances with banks		
	(i) In Unclaimed dividend account	99	86
	(ii) Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	37,795	39,774
	Total	**37,894**	**39,860**

10.1 The above deposits include ₹ 31828 lakh pledged with banks against over draft facility (P.Y. 2016-17 ₹ 36117 lakh). Margin against Guarantee ₹ 955 lakh (P.Y. 2016-17 ₹ 953 lakhs).

10.2 In case of subsidiary, the above deposits includes ₹ 3844.09 lakh (PY 2016-17 ₹ 2.32 lakh) pledged with Indian Bank, Andhra Bank and Bank of Baroda against Bank Guarantee and Overdraft facility.

11 . अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (चालू)

राशि लाख ₹ में

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	सुरक्षित जमा	3,526	5,136
(ख)	अन्य ऋण एवं अग्रिम		
	(1) कर्मचारियों को ऋण	69	81
	(2) कर्मचारियों को अग्रिम	54	55
	(3) विक्रेताओं / ठेकेदारों / तीसरे पक्ष से प्राप्य	54	978
	(4) दावे प्राप्य	-	45,081
	(3) अन्य अग्रिम	185	14
(ग)	निम्नोक्त पर प्रोद्‍भूत ब्याज		
	(1) मियादी जमा	1,288	697
	(2) कर्मचारियों को ऋण	1	1
		5,177	52,043
	घटाएं : खराब एवं संदिग्ध अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए भत्ते	-	45,081
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**5,177**	**6,962**
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों (चालू) का वर्गीकरण :		
	असुरक्षित, अच्छा माना गया	5,177	6,962
	संदिग्ध	-	45,081
	घटाएं : खराब एवं संदिग्ध वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए भत्ते	-	45,081
		5,177	**6,962**

12 . अन्य परिसंपत्तियाँ (चालू)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
	(1) सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, बिक्री कर, पोर्ट ट्रस्ट आदि	1,061	481
(ख)	पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान	7	0
(ग)	अन्य ऋण एवं अग्रिम		
	(क) कर्मचारियों को ऋण	144	153
	(ख) भूतपूर्व कर्मचारी (पीएफ में नियोक्ता का अंशदान)	-	45
	(ग) आपूर्तिकर्ता एवं सेवा प्रदाताओं को अग्रिम	52	51
	(घ) पूर्व प्रदत्त व्यय	139	149
	(ङ) अन्य	33	840
	कुल अन्य परिसंपत्तियाँ	**1,436**	**1,719**
	अन्य परिसंपत्तियों का वर्गीकरण		
	सुरक्षित अच्छा माना गया	84	74
	असुरक्षित अच्छा माना गया	1,352	1,645
	संदिग्ध	-	-
		1,436	**1,719**

11 . Other financial assets (Current)

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Security deposits	3,526	5,136
(b) Other loans and advances		
(1) Loans to employees	69	81
(2) Advances to employees	54	55
(3) Receivable from vendors / contractors / third party	54	978
(4) Claims Receivable	-	45,081
(3) Other Advances	185	14
(c) Interest accrued on		
(1) Term deposits	1,288	697
(2) Loans to employees	1	1
	5,177	52,043
Less: Allowances for bad & doubtful other financial assets	-	45,081
Other financial assets	**5,177**	**6,962**

Classification of other financial assets (Current):

Unsecured, considered good	5,177	6,962
Doubtful	-	45,081
Less: Allowance for bad and doubtful financial assets	-	45,081
	5,177	**6,962**

12 .Other assets (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Advance with public bodies		
(1) Customs, Excise, Sales Tax ,Port Trusts etc.	1,061	481
(b) Prepaid Lease Payments Cost	7	0
(c) Other loans and advances		
(a) Advances to employees	144	153
(b) Ex-employees (employer's PF contribution)	-	45
(c) Advances to suppliers and service providers	52	51
(d) Prepaid expenses	139	149
(e) Others	33	840
Total Other assets	**1,436**	**1,719**

Classification of other assets :

Secured, considered good	84	74
Unsecured, considered good	1,352	1,645
Doubtful	-	-
	1,436	**1,719**

13 - शेयर पूँजी

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
अधिकृत :		
₹ 10 प्रत्येक के 5,00,00,000 सामान्य शेयर	5,000	5,000
	5,000	**5,000**
निर्गत, अभिदत्त एवं पूर्ण प्रदत्त :		
₹ 10 प्रत्येक के 3,52,00,000 सामान्य शेयर	3,520	1,760
	3,520	**1,760**

13(क)(i) बकाये शेयरों के पुनर्मिलान का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार			31 मार्च, 2017 के अनुसार		
	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	मूल्य (₹ लाख)	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	मूल्य (₹ लाख)
प्रारंभिक शेयर बकाया	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
जोड़ें :						
बोनस शेयर जारी करना	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
अंतिम शेयर बकाया	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**

इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकार, अधिमान्य एवं प्रतिबंध।

13(क)(ii) कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के सामान्य शेयर (''इक्विटी शेयर'') है जिनका सममूल्य ₹ 10 प्रत्येक है। सामान्य शेयरों के प्रत्येक धारक (''इक्विटी शेयरधारक'') एक वोट प्रति शेयर का अधिकारी है एवं लाभांश पाने एवं अधिशेष में भाग लेने के अधिकारी हैं, यदि समापन की स्थिति उत्पन्न होती है।

13(क)(iii) वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 1:1 के अनुपात में 88,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

13(क)(iv) : 5% से अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारकों का विवरण :

शेयरधारक का नाम	31 मार्च 2018 के अनुसार		31 मार्च 2017 के अनुसार	
	धारित शेयरों की सं.	शेयरधारिता का %	धारित शेयरों की सं.	शेयरधारिता का %
भारत के राष्ट्रपति	31625600	89.85%	15812800	89.85%

14 . अन्य इक्विटी

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च 2018 के अनुसार	31 मार्च 2017 के अनुसार
पूंजी आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	3,416	3,416
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	-	-
अंतिम शेष	**3,416**	**3,416**
सामान्य आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	60,526	59,037
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	4,299	1,489
अंतिम शेष	**64,825**	**60,526**

13 - Share Capital

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Authorised:		
5,00,00,000 Ordinary Shares of ₹ 10 each	5,000	5,000
	5,000	**5,000**
Issued, Subscribed and fully paid up :		
3,52,00,000 Ordinary Shares of ₹ 10 each	3,520	1,760
	3,520	**1,760**

13(a)(i) Statement of Reconciliation of Shares Outstanding

Particulars	As at March 31, 2018			As at March 31, 2017		
	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Lakhs)	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Lakhs)
Opening Shares Outstanding	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
Add:						
Issue of Bonus Shares	1,76,00,000	10	1,760	88,00,000	10	880
Closing Shares Outstanding	**3,52,00,000**	**10**	**3,520**	**1,76,00,000**	**10**	**1,760**

Rights, preferences and restrictions attached to equity shares.

13(a)(ii) : The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹ 10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and is entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

13(a)(iii) : 66,00,000 bonus shares have been issued during F.Y. 2012-13 in the ratio of 3:1

88,00,000 bonus shares have been issued during F.Y. 2016-17 in the ratio of 1:1

13(a)(iv) : Details of shareholders holding more than 5% of share holding

Name of the Shareholder	As at 31st March 2018		As at 31st March 2017	
	No. of shares held	% of holding	No. of shares held	% of holding
President of India	31625600	89.85%	15812800	89.85%

Amount in ₹ lakh

14 .Other Equity

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Capital Reserve		
Opening balance	3,416	3,416
Add: Transfer from Retained Earnings	-	-
Closing Balance	**3,416**	**3,416**
General Reserve		
Opening balance	60,526	59,037
Add: Transfer from Retained Earnings	4,299	1,489
Closing Balance	**64,825**	**60,526**

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक शेष	3,008	2,172
जोड़ें : वर्ष के लिए लाभ	7,722	7,984
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	(331)	(574)
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 15-16	-	1,804
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 16-17	2,499	-
घटाएं : अंतरिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 16-17	-	1,672
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 15-16 (अंतिम पर)	-	368
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतिम पर)	385	-
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतरिम पर)	-	361
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 17-18 (अंतरिम पर)	124	-
घटाएं : बोनस शेयर जारी किया जाना	1,760	880
घटाएं : सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	4,299	1,489
अंतिम शेष	1,332	3,008
कुल अन्य इक्विटी	**69,573**	**66,950**

15 . व्यापार प्राप्य (गैर चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
असुरक्षित,अच्छा मना गया	44	5
कुल व्यापार प्राप्य	**44**	**5**

16 . व्यापार देय (गैर चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
आपूर्तियों एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	26	26
कुल व्यापार देय	**26**	**26**

17 . अन्य वित्तीय देनदारियाँ (गैर–चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
ईएफबीएस योजना के अधीन देनदारी	94	68
कुल अन्य वित्तीय देनदारी	**94**	**68**

Amount in ₹ lakhs

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Retained Earnings		
Opening balance	3,008	2,172
Add: Profit for the year	7,722	7,984
Other Comprehensive income for the year	(331)	(574)
Less: Final Dividend: FY 15-16	-	1,804
Less: Final Dividend: FY 16-17	2,499	-
Less: Interim Dividend FY 16-17	-	1,672
Less: Dividend Distribution Tax: FY 15-16 (on final)	-	368
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on final)	385	-
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on interim)	-	361
Less: Dividend Distribution Tax: FY 17-18 (on interim)	124	-
Less: Issue of Bonus Shares	1,760	880
Less: Transfer to General Reserve	4,299	1,489
Closing Balance	1,332	3,008
Total Other Equity	**69,573**	**66,950**

15 . Trade Receivables (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Trade Receivables		
Unsecured, considered good	44	5
Total Trade Receivables	**44**	**5**

16 .Trade payables (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	26	26
Total trade payables	**26**	**26**

17 . Other financial liabilities (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Liability under EFBS Scheme	94	68
Total other financial liabilities	**94**	**68**

18. प्रावधान (गैर चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(1) परिभाषित लाभ दायित्व		
(i) कर्मचारी परिवार लाभ योजना	612	496
(ii) उपदान (ग्रेचुइटी)	2,856	401
(2) सेवानिवृत्ति लाभ दायित्व		
(i) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ	2,429	2,767
(ii) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ में अंशदान	167	222
(iii) कर्मचारी बंदोबस्ती लाभ योजना	36	38
(3) अन्य कर्मचारी लाभ		
(i) अवकाश नकदीकरण लाभ	2,551	2,334
(ii) लम्बी सेवा के पुरस्कार	2	2
(ख) अन्य प्रावधान		
वर्धित दावा के लिए विक्रेता को देय दावा	280	269
कुल प्रावधान	**8,933**	**6,529**

19 . अन्य देनदारियाँ (गैर चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(i) ग्राहकों से अग्रिम	577	408
(ii) अन्य	160	160
कुल अन्य देनदारियाँ	**737**	**568**

20. उधार (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
क. **सुरक्षित उधार**		
बैंकों से मांग पर देय योग्य		
(i) कार्यवाही पूंजी मांग ऋण #	41,860	31,557
(ii) एफडीआर पर ग्रहणाधिकार (लियन) के विरूद्ध ओवरड्राफ्ट*	20,396	12,916
कुल सुरक्षित उधार	**62,256**	**44,473**
ख. **असुरक्षित उधार**		
मांग पर देय योग्य		
बैंकों से	14,362	24,362
कुल असुरक्षित उधार	**14,362**	**24,362**
कुल उधार	**76,618**	**68,835**

18 - Provisions (Non Current)

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Provision for employee benefits		
(1) Defined benefit Obligations		
(i) Employees Family Benefit Scheme	612	496
(ii) Gratuity	2,856	401
(2) Retirement Benefit Obligations		
(i) Post Retirement Medical Benefit	2,429	2,767
(ii) Contributory Post Retirement Medical Benefit	167	222
(iii) Employees Settlement Benefit Scheme	36	38
(3) Other employee benefits		
(i) Leave Encashment Benefit	2,551	2,334
(ii) Long Service Awards	2	2
(b) Other Provisions		
Claim Payable to vendor for escalation claim	280	269
Total Provisions	**8,933**	**6,529**

19 . Other liabilities (Non Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(i) Advance from customers	577	408
(ii) Others	160	160
Total Other liabilities	**737**	**568**

20. Borrowings (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
A. Secured Borrowings		
Repayable on Demand from Banks		
(i) Working Capital Demand Loans#	41,860	31,557
(ii) Overdraft against lien on FDR*	20,396	12,916
Total Secured Borrowings	**62,256**	**44,473**
B. Unsecured Borrowings		
Repayable on Demand		
From Banks	14,362	24,362
Total Unsecured Borrowings	**14,362**	**24,362**
Total Borrowings	**76,618**	**68,835**

क) इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) से ₹ 138 लाख का ऋण (19.9.2011 से पड़ा हुआ) यह राशि बैंक द्वारा अपने दावे की प्रतिरक्षा में भुगतान किए गए कानूनी शुल्क को प्रस्तुत करती है जिस पर कंपनी ने बैंक पर एक विरोध दायर किया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरूद्ध ₹ 3,656 लाख के लिए कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है (जिसमें एलसी मूल्य के ऋण बाबत ₹ 2,798 लाख एवं कानूनी व्यय बाबत ऋण के रूप में ₹ 858 लाख शामिल है)

ख) उपरोक्त राशि प्राप्य क्रय अनुबंध के तहत 2008-09 के दौरान सोने के गहनों के लिए निर्यात बिलों के क्रय बाबत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा एमएसटीसी को भुगतान किए गए ₹ 14,362 लाख को प्रस्तुत करता है। उक्त अनुबंध के अंतर्गत, एससीबी निर्यात बिलों के मूल्य का 95% भुगतान एमएसटीसी को करेगी एवं विदेशी खरीदार बिल का भुगतान बिल की संबंधित नियत तिथियों को सीधे एससीबी को करेंगे। ये लेनदेन आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एक बीमा नीति के माध्यम से एससीबी द्वारा सुरक्षित रखे गए थे। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी के पास दावा जमा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार दिया। इसके पश्चात, एससीबी ने प्राप्य को ऋण में रूपांतरित किया एवं एमएसटीसी से राशि के लिए दावा किया और वर्ष 2012 में डीआरटी, मुंबई में एक मामला दायर किया। तदुपरांत एससीबी ने बीमा कंपनी के विरूद्ध बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया है जिसका निपटारा होना अभी शेष है। एमएसटीसी डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों में एससीबी के दावे को चुनौती दे रही है। मामले के लम्बित निपटान को देखते हुए एमएसटीसी ने बेहतर प्रस्तुतीकरण हेतु टिप्पणी सं. 9 के अंतर्गत उधार एवं प्राप्य के रूप में एक साथ राशि को दर्शाया है। इंड एएस 37 के अनुसार उपरोक्त दावा राशि पर एससीबी द्वारा दावा किए गए ब्याज के लिए, आकस्मिक देनदारियों के रूप में उपरोक्त प्रकटन किए गए हैं।

चालू परिसंपत्तियों के विरूद्ध सुरक्षित

* एफडीआर वर्तमान वर्ष पर लियन द्वारा सुरक्षित ₹ 31,828 लाख, पिछला वर्ष ₹ 36,117 लाख

21 . व्यापार देय (चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
आपूर्ति एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	2,54,731	2,53,031
- मजदूरी एवं वेतन प्रोद्भूत*	5,651	2,937
कुल व्यापार देय	**2,60,382**	**2,55,968**

*इसमें कर्मचारी पेंशन लाभ, योजना के तहत लम्बित अनुमोदन हेतु प्रावधान बाबत ₹ 1,582 लाख (पिछले वर्ष 2016-17 ₹ 1,322 लाख) एवं 01.01.2017 से देय कर्मचारियों के मजदूरी संशोधन बाबत ₹ 1,077 लाख (पिछले वर्ष ₹ 270 लाख) शामिल है।

22 . अन्य वित्तीय देनदारियाँ (चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) ब्याज देय		
(i) उधार पर ब्याज प्रोद्भूत मगर देय नहीं	7,889	7,889
(ii) उधार पर ब्याज प्रोद्भूत एवं देय	7	10
(ख) दावारहित लाभांश	99	86
(ग) अन्य देनदारियों के लिए लेनदार		
(1) सुरक्षित जमा राशि/ईएमडी	38,881	60,480
(2) ग्राहकों से प्राप्त जमा राशि	38,463	12,444
(3) ईएफबीएस के अंतर्गत जमा	132	74
(4) ईएफबीएस जमा योजनाओं के अंतर्गत देय	31	22
(5) अन्य	67	47
कुल अन्य वित्तीय देनदारियाँ	**85,569**	**81,052**

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹138 lakh: (lying since 19.9.2011)This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lakh (which includes ₹ 2798 lakh towards debit of LC value & ₹ 858 lakh as debit towards legal expenses).

b) The above amount represents ₹14362 Lakh on account of payment by Standard Chartered Bank(SCB) to MSTC towards purchase of exports bills for gold jewellery during 2008-09, under a Receivable Purchase Agreement. Under the said agreement SCB would be paying 95% of the value of export bills to MSTC and foreign buyers would be paying for the bill directly to SCB on respective due dates of the bills. The same transactions were covered by SCB through an insurance policy with ICICI Lombard General Insurance Company. On non-receipt of proceeds from foreign buyers, SCB submitted claims with the insurance company.The Insurance company repudiated the claim of SCB. There after, SCB converted the receivables into loan, claimed the amount from MSTC and filed a case in DRT, Mumbai in 2012. Subsequently SCB also filed a suit in Bombay High Court against the insurance company which is yet to be disposed off. MSTC has been contesting the claim of SCB in DRT and other forums. Pending disposal of the cases, MSTC has shown the amount simultaneously as Borrowing and Receivables under Note No 9 for better presentation. Appropriate disclosure has been made as contingent liabilities for the interest claimed by SCB on the above mentioned amount of claim as per Ind AS 37."

Secured against Current Assets .

* Secured by lien on FDR current year ₹ 31828 lakh, preivious year ₹ 36117 lakh.

Amount in ₹ lakh

21 . Trade payables (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	2,54,731	2,53,031
- Accrued wages and salaries*	5,651	2,937
Total trade payables	**2,60,382**	**2,55,968**

* Includes ₹1582 lakh (previous year 2016-17 ₹ 1322 lakh) towards provision for pension benefit of employees, pending approval of the scheme and ₹ 1077 lakh (prev year ₹ 270 lakh) towards wage revision of the employees due from 01.01.2017.

22 . Other financial liabilities (Current)

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a) Interest payable		
(i) Interest accrued but not due on borrowings	7,889	7,889
(ii) Interest accrued and due on borrowings	7	10
(b) Unclaimed dividends	99	86
(c) Creditors for other liabilities		
(1) Security deposits/EMD	38,881	60,480
(2) Deposits received from customers	38,463	12,444
(3) Deposit under EFBS	132	74
(4) Payable under EFBS Deposit schemes	31	22
(5) Others	67	47
Total other financial liabilities	**85,569**	**81,052**

23 . प्रावधान (चालू)

राशि लाख ₹ में

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(1) परिभाषित लाभ दायित्व		
(i) कर्मचारी परिवार लाभ योजना	155	112
(2) सेवानिवृत्ति लाभ दायित्व		
(i) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ	57	50
(ii) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ में अंशदान	7	5
(iii) कर्मचारी बंदोबस्ती लाभ योजना	3	3
(3) अन्य कर्मचारी लाभ		
(i) अवकाश नकदीकरण लाभ	142	94
(ii) लम्बी सेवा के पुरस्कार	1	2
(iii) मजदूरी संशोधन	943	3,552
(iv) गैर-कार्यपालकों को देय अतिरिक्त संसाधन अर्जन योजना	65	75
(v) कार्य-निष्पादन संबंधित भूगतान	142	270
(vi) पेंशन योजना	443	291
(ख) अन्य प्रावधान*	169	226
कुल प्रावधान	**2,127**	**4,680**

*सहायक कंपनी के मामले में, अन्य प्रावधान में एमवीआई द्वारा जारी किए गए दुर्घटना दावा, मांग आदि शामिल है।

24 . अन्य देनदारियाँ (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(i) वैधानिक देय		
(क) बिक्री कर एवं वैट देय	-	251
(ख) सेवा कर एवं जीएसटी देय	1,360	600
(ग) स्रोत पर कर कटौती एवं एकत्रित	770	387
(घ) भविष्य निधि एवं पेंशन	208	139
(ङ) अन्य	2	30
(ii) ग्राहकों से अग्रिम	318	237
कुल अन्य देनदारियाँ	**2,658**	**1,644**

25 . बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	259	264
(ख) बिक्री के लिए धारित परिसंपत्ति के साथ संबंधित देनदारियाँ	25	7

(1) बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्ति उनके पुनरांकित मूल्य पर ''चालू परिसंपत्तियों'' के अंतर्गत वर्गीकृत की गई है, क्योंकि ये परिसंपत्तियाँ आम जारी प्रचालनों से पहले ही समाप्त हो चुकी हैं एवं केवल बिक्री/नीलामी के लिए रखी हुई हैं। इसके अलावा, जब प्रबंधन अपेक्षा करता है कि उक्त परिसंपत्तियों का कोई भी हिस्सा तुलनपत्र के तिथि के एक वर्ष के अंदर संभवत निपटाया जाएगा पुनरांकित किया जाएगा, तो उसे चालू परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(2) विक्रेता द्वारा जमा करायी गई, बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्ति का भौतिक मूल्य सामग्री के नहीं उठाए जाने तक बिक्री के लिए रखी परिसंपत्ति से संबंधित देनदारी के रूप में ली गई है।

Amount in ₹ lakh

23 . Provisions (Current)

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Provision for employee benefits		
	(1) Defined benefit Obligations		
	(i) Employee Family Benefit Scheme	155	112
	(2) Retirement Benefit Obligations		
	(i) Post Retirement Medical Benefit	57	50
	(ii) Contributory Post Retirement Medical Benefit	7	5
	(iii) Employees Settlement Benefit Scheme	3	3
	(3) Other employee benefits		
	(i) Leave Encashment Benefit	142	94
	(ii) Long Service Awards	1	2
	(iii) Wage Revision	943	3,552
	(iv) Additional Resource Generation Scheme payable to Non-executives	65	75
	(v) Prerformance Related Pay	142	270
	(vi) Pension Scheme	443	291
(b)	Other Provisions*	169	226
	Total Provisions	**2,127**	**4,680**

* Other Provisions includes accident claim, demand raised by MVI, etc. in case of subsidiary company.

24 . Other liabilities (Current)

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(i)	Statutory Dues		
	(a) Sales tax and VAT payable	-	251
	(b) Service Tax & GST payable	1,360	600
	(c) Tax deducted and collected at source	770	387
	(d) Provident Fund and Pension	208	139
	(e) Others	2	30
(ii)	Advance from customers	318	237
	Total Other liabilities	**2,658**	**1,644**

25 . Assets classified as held for sale

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	Property, Plant and Equipment	259	264
(b)	Liabilities associated with asset held for sale	25	7

(1) Asset classified as held for sale is classified under "Current Assets" at their written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale / auction. Further, where management expects that any part of the said assets is likely to be disposed off/ written off within one year of the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

(2) The material value of asset classified as held for sale deposited by the vendor has been covered under liabilities associated with asset held for sale till the lifting of material.

26 . प्रचालनों से राजस्व

राशि लाख ₹ में

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) वस्तुओं की बिक्री	1,56,524	1,19,550
(ख) सेवा प्रभार	27,562	20,280
(ग) अन्य प्रचालन राजस्व	10,540	3,039
(घ) स्क्रैप एवं अन्य मदों का प्रक्रियाकरण	31,710	30,860
(ङ) वेयरहाउस प्रबंधन के लिए अभिरक्षण सेवाएँ	183	157
(च) परिसंपत्तियों के मूल्यांकन से संबंधित सेवा	21	36
प्रचालन से कुल राजस्व	**2,26,540**	**1,73,922**

(क) वर्ष के दौरान, ई–नीलामी पंजीकरण बाबत ₹ 608 लाख की राशि (पिछले वर्ष ₹. 346 लाख)एकत्रित की गई। वर्तमान वर्ष के कुल संग्रह में से ₹ 487 लाख की राशि (पिछले वर्ष ₹ 276 लाख) देनदारियों में रखी गई है जो तदुपरांत चार वर्षों में वितरित की जाएगी क्योंकि संबंधित पंजीकरण जीवन भर के लिए वैध है। दिनांक 31.03.2018 के अनुसार, संचित अवितरित शेष ₹ 895 लाख (पिछले वर्ष ₹ 645 लाख) है। शेष राशि जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष तक के लिए वैध है, को वर्तमान वर्ष के दौरान आय के रूप में हिसाब में लिया गया है।

(ख) अन्य प्रचालन राजस्व में ग्राहकों से ब्याज बाबत ₹ 9,673 लाख भी शामिल है। (पिछले वर्ष ₹ 2,424 लाख)

(ग) सेवा प्रभार एवं ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती ₹ 1,806 लाख (पिछले वर्ष ₹ 2,129 लाख) है।

27 . अन्य आय

विवरण		वर्तमान वर्ष 31.03.2018		पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) ब्याज आय				
(1) एफडीआर पर ब्याज	2,673		4,401	
(2) कर्मचारी अग्रिमों पर ब्याज	39	2,712	41	4,442
(ख) देनदारी पुनरांकित की गई		2,817		-
(ग) प्रावधान जो आवश्यक नहीं रहा, पुनरांकित किया गया		47,182		2,978
(घ) सब–असेम्बली की बिक्री		0		18
(ङ) परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ		5		6
(च) तरलीकृत क्षतियाँ एवं अन्य वसूली		20		20
(छ) विविध आय		39		303
कुल अन्य आय		**52,775**		**7,767**

27.1 बैंक जमा पर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती ₹ 189 लाख (पिछले वर्ष ₹ 345 लाख) है।

28 . स्टॉक–इन–ट्रेड का क्रय

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) स्टॉक–इन–ट्रेड का क्रय	1,47,896	1,24,247
(ख) लैन्सिंग ट्यूब्स	41	43
(ग) ऑक्सीजन एवं एसीटिलीन	362	470
(घ) लुब्रिकेन्ट्स	149	151
(ङ) डीजल एवं गैसोलीन	2,334	2,106
(च) स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	1,032	1,141
(छ) जल, विद्युत, ईंधन	114	103
कुल	**1,51,928**	**1,28,261**

Amount in ₹ lakhs

26 . Revenue from operations

	Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a)	Sale of Goods	1,56,524	1,19,550
(b)	Service Charges	27,562	20,280
(c)	Other Operating Revenues	10,540	3,039
(d)	Processing of scrap & other items	31,710	30,860
(e)	Custodian Services for Warehouse Management	183	157
(f)	Service related to valuation of assets	21	36
	Total Revenue from Operations	**2,26,540**	**1,73,922**

(a) During the year, an amount of ₹ 608 lakh (previous year ₹ 346 lakh) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 487 lakh (previous year ₹ 276 lakh) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since related registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2018 is ₹ 895 lakh (previous year ₹ 645 lakh). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues also include Interest from customers ₹ 9673 lakh (previous yr. ₹ 2424 lakh).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹ 1806 lakhs (previous year ₹ 2,129 lakh).

27 . Other income

	Particulars		Current year 31.03.2018		Previous year 31.03.2017
(a)	Interest income				
	(1) Interest on FDR	2,673		4,401	
	(2) Interest on Employee Advances	39	2,712	41	4,442
(b)	Liability written back		2,817		-
(c)	Provision no longer required written back		47,182		2,978
(d)	Sale of Sub-assemblies		0		18
(e)	Profit on Sale of Assets		5		6
(f)	Liquidated damages and other recoveries		20		20
(g)	Miscellaneous income		39		303
	Total Other Income		**52,775**		**7,767**

27.1 Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 189 lakh (previous year ₹ 345 lakh).

28 . Purchases of Stock-in-Trade

	Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a)	Purchases of Stock-in-Trade	1,47,896	1,24,247
(b)	Lancing Tubes	41	43
(c)	Oxygen & Acetylene	362	470
(d)	Lubricants	149	151
(e)	Diesel & Gasolene	2,334	2,106
(f)	Stores & Spare Parts	1,032	1,141
(g)	Water, Power, Fuel	114	103
	Total	**1,51,928**	**1,28,261**

29 . कर्मचारी लाभ व्यय

राशि लाख ₹ में

	विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क)	वेतन एवं मजदूरी, बोनस समेत	15,346	12,212
(ख)	भविष्य एवं अन्य निधियों में अंशदान		
	(1) भविष्य निधि	4,005	1,105
(ग)	कर्मचारी कल्याण व्यय	1,798	1,598
	कुल कर्मचारी लाभ व्यय	**21,149**	**14,915**

(I) कोलकाता के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में, इस्पात मंत्रालय के आदेशानुसार, कार्यपालक कर्मचारियों का वेतन संशोधन दिनांक 01.04.1999 से प्रभावी हुआ था। इसका प्रभाव ₹ 1,574 लाख है जो उपर्युक्त में शामिल है।

(II) दिनांक 29/03/2018 की राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1420 (ङ) के अनुसार ग्रेच्युटी की उच्चतम सीमा को ₹ 10 लाख से बढ़ाकर ₹ 20 लाख किया गया है। इस परिवर्तन के बाबत ₹ 702 लाख की राशि को विगत सेवा लागत के रूप में स्वीकृति दी गई है। सहायक कंपनी के मामले में विगत सेवा लागत के रूप में ₹ 1789 लाख के परिवर्तन के प्रभाव को लाभ एवं हानि खाता में स्वीकृति दी गई है।

30 . वित्त लागत

विवरण	वर्तमान वर्ष 31.03.2018	पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
ब्याज व्यय		
(1) अल्पकालिक उधारों पर ब्याज	1,933	5,008
(2) ग्राहकों को भुगतान किया गया ब्याज	4,803	1,758
(3) ईएफबीएस जमा राशियों के खाते पर ब्याज	-	6
कुल वित्त लागत	**6,736**	**6,772**

Amount in ₹ lakh

29 . Employee Benefit Expense

	Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
(a)	Salaries and wages, including bonus	15,346	12,212
(b)	Contribution to provident and other funds		
	(1) Provident Fund	4,005	1,105
(c)	Staff welfare expenses	1,798	1,598
	Total Employee Benefit Expense	**21,149**	**14,915**

(I) In pursuant to Ministry of Steel's Order , complying the directive of Hon'ble High Court of Kolkata, pay correction of Executive employees was effected w.e.f. 01.04.1999. The impact of this is ₹ 1574 lakh which is included in the above.

(II) As per Gazette Notification S.O 1420(E) dated 29/03/2018 the ceiling of Gratuity has been enhanced from ₹ 10 lakh to ₹ 20 Lakh. ₹ 702 lakh towards the impact of this change has been recognised as Past Service Cost. In case of subsidiary, the impact of the change has been shown as Past Service Cost of ₹ 1789 lakh and is being recognised in the Profit and Loss Account.

30 . Finance costs

Particulars	Current year 31.03.2018	Previous year 31.03.2017
Interest expense		
(1) Interest on Short term borrowings	1,933	5,008
(2) Interest Paid to Customers	4,803	1,758
(3) Interest on account of EFBS Deposits	-	6
Total finance costs	**6,736**	**6,772**

31 . अन्य व्यय

राशि लाख ₹ मे

विवरण		वर्तमान वर्ष 31.03.2018		पूर्ववर्ती वर्ष 31.03.2017
(क) मरम्मत एवं रखरखाव		985		893
(ख) ईडीपी व्यय		150		271
(ग) बीमा शुल्क		104		65
(घ) किराया		366		343
(ङ) दर एवं कर		225		648
(च) बैंक शुल्क		1,801		1,072
(छ) यात्रा व्यय		459		460
(ज) विदेशी यात्रा व्यय		8		11
(झ) गाड़ी भाड़ा शुल्क		123		122
(ञ) बैठक एवं सम्मेलन		110		183
(ट) प्रशिक्षण		48		15
(ठ) निदेशक का बैठक शुल्क		3		2
(ड) सांविधिक लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक				
(i) लेखा परीक्षा शुल्क	8		8	
(ii) कर लेखा परीक्षा शुल्क	1		1	
(iii) फुटकर व्यय	8	17	5	14
(ढ) टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम		48		49
(ण) बिजली		119		119
(त) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		64		76
(थ) मनोरंजन		22		20
(द) टेलीफोन शुल्क		55		62
(ध) विज्ञापन		102		178
(न) कानूनी व्यय		138		173
(प) परामर्श शुल्क		111		119
(फ) आंतरिक लेखापरीक्षा शुल्क		2		2
(ब) फुटकर व्यय (आंतरिक लेखापरीक्षक)		4		4
(भ) विविध व्यय		239		324
(म) कर्मचारी नियुक्ति व्यय		28		2
(य) समाचारपत्र, पुस्तक एवं पत्रिकाएँ		5		3
(कक) निगमित सामाजिक दायित्व (टिप्पणी सं.43 देखें)		278		147
(कख) नीलामी निविदा व्यय		53		51
(कग) बाहरी एजेंसी / किराये पर उपकरण के जरिए सेवा लागत		12,670		11,946
(कघ) प्रचालन कार्यों के लिए जनशक्ति किराये पर लेना		540		323
(कङ) सुरक्षा सेवाएं		353		206
(कच) अभिरक्षण सेवाओं के लिए व्यय		174		106
(कछ) देय दावा के लिए प्रावधान		11		11
(कज) स्वच्छ भारत उपकर		16		66
(कझ) मूल्यांकन सेवाओं के लिए व्यय		6		6
(कञ) खराब ऋण बट्टे में डाला गया		45,941		2,418
(कट) खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों/ऋण के लिए भत्ते		13,881		3,122
(कठ) स्टॉक यार्ड व्यय		10		0
(कड) भाड़ा		67		41
(कढ) प्लॉट किराया		7		-
कुल अन्य व्यय		**79,343**		**23,673**

Amount in ₹ lakh

31 . Other expenses

	Particulars		Current year 31.03.2018		Previous year 31.03.2017
(a)	Repairs and Maintainance		985		893
(b)	EDP Expenses		150		271
(c)	Insurance charges		104		65
(d)	Rent		366		343
(e)	Rates and taxes		225		648
(f)	Bank Charges		1,801		1,072
(g)	Travelling Expenses		459		460
(h)	Foreign Travelling Expenses		8		11
(i)	Car Hire Charges		123		122
(j)	Meeting and Conference		110		183
(k)	Training		48		15
(l)	Directors' Sitting Fees		3		2
(m)	Statutory Auditors' Remuneration				
	(i) Audit Fees	8		8	
	(ii) Tax Audit Fees	1		1	
	(iii) Out-of-Pocket Expenses	8	17	5	14
(n)	Telex, Postage and Telegram		48		49
(o)	Electricity		119		119
(p)	Printing and Stationery		64		76
(q)	Entertainment		22		20
(r)	Telephone Charges		55		62
(s)	Advertisement		102		178
(t)	Legal Expenses		138		173
(u)	Consultancy Charges		111		119
(v)	Internal Audit fees		2		2
(w)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)		4		4
(x)	Miscellaneous Expenses		239		324
(y)	Staff Recruitment Expenses		28		2
(z)	Newspaper, Books and Periodicals		5		3
(aa)	Corporate Social Responsibility (Refer Note No - 43)		278		147
(ab)	Auction Tender Expenses		53		51
(ac)	Cost of services through outside agency/Equipment rent		12,670		11,946
(ad)	Hiring of manpower for operational activities		540		323
(ae)	Security Services		353		206
(af)	Expenses for Custodian Services		174		106
(ag)	Provision for claim payable		11		11
(ah)	Swachh Bharat Cess		16		66
(ai)	Expenses for Valuation Services		6		6
(aj)	Bad Debts Written off		45,941		2,418
(ak)	Allowance for Bad and Doubtful Advances/Debts		13,881		3,122
(al)	Stock Yard Expenses		10		0
(am)	Freight		67		41
(an)	Plot Rent		7		-
	Total Other Expenses		**79,343**		**23,673**

32. अपवादिक मदें

Exceptional Items

राशि लाख ₹ में

विवरण **Particulars**	वर्तमान वर्ष **31.03.2018**	पूर्ववर्ती वर्ष **31.03.2017**
क्षतिपूर्ति पर मांग के लिए प्रावधान Provision for Demand on Compensation	-	5
कुल **Total**	**-**	**5**

अपवादिक मदों के लिए स्पष्टीकरण

Explanation to Exceptional Items

उपरोक्त दर्शित अपवादिक मद की राशि मोटर एक्सिडेंट क्लेस ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) के आदेशानुसार शिकायतकर्ता को देय ब्याज के संबंध में है।

The amount of exceptional item shown above is in respect of interest payable to the claimant as per the order of Motor Accident Claims Tribunal (MACT).

टिप्पणी 33 (क). : 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए प्रारंभिक स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं अंतिम स्टॉक का विवरण

Note 33 (a). Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2018

(विगत वर्ष) / (मात्रा '000 एमटी)/ (₹ लाख में)

(Previous Year) / (Qty '000 MT) / (Amount ₹ in lakh)

सामग्री का विवरण **Description of material**	शुरुआती स्टॉक **Opening Stock**		क्रय **Purchases**		विक्रय **Sales**		अंतिम स्टॉक **Closing Stock**	
	मात्रा **Qty**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty**	मूल्य **Value**	मात्रा **Qty**	मूल्य **Value**
कच्चा तेल Crude Oil	-	-	-	-	-	-	-	-
	-	-	(1,170)	(34,620)	(1,170)	(34,974)	-	-
कोक /कोल Coke / Coal	104	7,074	2,533	1,37,306	2,637	1,45,847	-	-
	(40)	(1,529)	(2,291)	(89,552)	(2,227)	(84,292)	(104)	(7,074)
पाइप्स एवं ट्यूब्स Pipes & Tubes	-	-	31	7,574	31	7,622	-	-
	-	-	-	-	-	-	-	-
आयरण ओर Iron Ore	-	-	63	3,027	63	3,072	-	-
	-	-	-	-	-	-	-	-
				1,47,907		1,56,541		
				(1,24,172)		(1,19,266)		
जोड़ : अंतिम बिल समायोजन एवं अन्य प्रत्यक्ष व्यय				(11)		(17)		
Add : Final Bill Adj. & Other Direct Expenses				(75)		(284)		
				1,47,896		**1,56,524**		
				(1,24,247)		**(1,19,550)**		

टिप्पणी 33(ख): उपरोक्त के अलावा कंपनी ने फेसिलिटेटर (सुगमकर्ता) के रूप में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सामग्री का भी क्रय किया है:

Note 33 (b). In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below:

(विगत वर्ष) / (मात्रा '000 एमटी)/ (₹ लाख में)

(Previous Year) / (Qty '000 MT) / (Amount ₹ in lakh)

सामग्री का विवरण **Description of material**	मात्रा **Qty**	खरीद मूल्य **Purchase Value**	अर्जित सेवा प्रभार **Service Charges Earned**
एच आर क्वॉयल H R Coil	10	4,766	45
	(1)	(313)	(3)
कोक / कोल Coke / Coal	1,650	1,32,223	1,847
	(1,052)	(77,891)	(1,603)
बिलेट्स Billets	25	7,797	77
	(53)	(12,785)	(139)
नेप्था Naptha	109	33,972	378
	(267)	(79,880)	(873)
लौह अयस्क / पेलेट Iron Ore / Pellete	12,222	3,17,029	3,848
	(3,884)	(49,076)	(819)
मैंगनीज अयस्क Manganese Ore	55	6,633	66
	(3)	(546)	(9)
डीआरआई DRI	318	12,531	168
	(25)	(3,709)	(56)
विविध सामग्रियां Misc Items	1,625	21,543	295
	(116)	(42,639)	(477)
टीएमटी बार TMT Bar	290	1,27,258	1,194
	(85)	(32,756)	(309)
क्रोम अयस्क Chrome Ore	23	2,550	25
	(127)	(9,272)	(114)
चैनल Channel	-	-	-
	(63)	(21,865)	(206)
विद्युत उपकरण Electrical Equipment	-	1,62,547	1,475
	-	(4,786)	(74)
कुल Total	**16,327**	**8,28,849**	**9,418**
	(5,676)	**(3,35,518)**	**(4,682)**

(विगत वर्ष)(₹ लाख में)

टिप्पणी 33(ग). इंड एएस 108 के अनुसार सेगमेंट–वार रिपोर्टिंग :

इंड एएस 108 के अनुसार, समूह ने मार्केटिंग, ई–कॉमर्स एवं स्क्रैप रिकवरी व सम्बद्ध कार्यों को अपने तीन प्राथमिक रिपोर्ट योग्य व्यवसाय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। कोई द्वितीयक सेगमेंट नहीं है।

विवरण	मार्केटिंग	ई–कॉमर्स	अन्य (अनावंटित)	स्क्रैप रिकवरी व सम्बद्ध कार्य	कुल
कुल राजस्व	2,26,275	19,006	51	33,983	2,79,315
	(1,32,610)	(16,188)	(66)	(32,825)	(1,81,689)
कुल व्यय	2,23,320	256	11,299	32,725	2,67,600
	(1,31,991)	(332)	(7,810)	(29,208)	(1,69,341)
कर पूर्व लाभ/(हानि)	2,955	18,750	(11,248)	1,258	11,715
	(619)	(15,856)	(-7,744)	(3,617)	(12,348)
कर व्यय					3,993
					(4,364)
वर्ष के लिए (–) लाभ/हानि					**7,722**
					(7,984)

समूह के व्यवसाय में प्रयुक्त परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को किसी भी रिपोर्ट योग्य सेगमेंट या खंड में चिह्नित नहीं किया गया है, क्योंकि ये खंडों के मध्य अंतर–परिवर्तन के रूप में प्रयोग किए गए हैं। इसलिए प्रबंधन को विश्वास है कि परिसंपत्तियों एवं देनदारियों से संबंधित खंड का प्रकटन व्यवहारयोग्य नहीं है।

प्रमुख ग्राहकों के बारे में सूचना

संस्था के राजस्व के 10 प्रतिशत या अधिक की राशि वाले एकल बाह्य ग्राहक के साथ लेनदेन से प्राप्त राजस्व नीचे दिए गए हैं :

(₹ लाख में)

प्रमुख ग्राहक (10% से अधिक राजस्व रखने वाले ग्राहक)	**2017-18**	**2016-17**
कुल राजस्व	1,54,356	1,00,083
ग्राहक की सं.	3	3
कुल राजस्व का %	68	58
उत्पाद खंड	विपणन एवं स्क्रैप रिकवरी व सम्बद्ध कार्य	विपणन एवं स्क्रैप रिकवरी व सम्बद्ध कार्य

(₹ लाख में)

34 (क) विदेशी मुद्रा में व्यय :

विवरण	2017-18	2016 - 2017
सामानों का आयात	2,25,300	1,92,243
यात्रा खर्च एवं अन्य	3	8
कुल	**2,25,303**	**1,92,251**

34 (ख) विदेशी मुद्रा में आय :

विवरण	2017-18	2016 - 2017
ई–नीलामी पंजीयन शुल्क	1	1
कुल	**1**	**1**

(Previous Year) (Amount ₹ in lakh)

Note 33(c). Segmental Reporting as per IndAS 108:

In terms of IndAS 108 the Group has identified Marketing, E-Commerce and Scrap Recovery & Allied Jobs as its three Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

Particulars	Marketing	E-Commerce	Others (unallocated)	Scrap Recovery & Allied Jobs	Total
Total revenue	2,26,275	19,006	51	33,983	2,79,315
	(1,32,610)	(16,188)	(66)	(32,825)	(1,81,689)
Total expenses	2,23,320	256	11,299	32,725	2,67,600
	(1,31,991)	(332)	(7,810)	(29,208)	(1,69,341)
Profit/(Loss) before Tax)	2,955	18,750	(11,248)	1,258	11,715
	(619)	(15,856)	(- 7,744)	(3,617)	(12,348)
Tax expenses					3,993
					(4,364)
Profit/(Loss) for the year					**7,722**
					(7,984)

Assets and liabilities used in the Group's business are not identified to any of the reportable segments,as these are used interchangably between the segments. Hence the Management believes, that it is currently not practicable to provide segment disclosure related to assets and liabilities.

Information about major customers

The revenues from tranactions with a single external customer amounting to 10 per cent or more of the entity's revenues are given below:-

(Amount in ₹ lakh)

Major Customer (Customer having more than 10% revenue)	2017-18	2016-17
Total Revenue	1,54,356	1,00,083
No. of Customers	3	3
% of Total Revenue	68	58
Product Segment	Marketing and Scrap Recovery & Allied Jobs	Marketing and Scrap Recovery & Allied Jobs

(Amount in ₹ lakh)

34 (a) Expenditure incurred in Foreign Currency :

Particulars	2017-18	2016 - 2017
Import of Goods	2,25,300	1,92,243
Travelling Expenses & others	3	8
Total	**2,25,303**	**1,92,251**

34 (b) Earnings in Foreign Currency :

Particulars	2017-18	2016 - 2017
E auction Registration fees	1	1
Total	**1**	**1**

35 . आकस्मिक देनदारियाँ एवं प्रतिबद्धताएँ

(₹ लाख में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(क)	**आकस्मिक देनदारियाँ**		
	बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	4,214	4,834
	मुद्रा मामले	14,522	16,729
	पंचाट	30	44
	आय कर	706	529
	सेवा कर	9,562	9,301
	कंपनी के विरूद्ध दावे ऋण के रूप में स्वीकृत नहीं	60	73
	बकाया बैंक गारंटी	14	64
	कुल	**29,108**	**31,574**
(ख)	प्रतिबद्धताएँ		
	1 न्यू टाउन, कोलकाता में नये कार्यालय भवन का निर्माण	2,651	-
	2 ठेके की अनुमानित राशि पूँजी खाते पर निष्पादन किया जाना है एवं प्रदान नहीं किया गया (अग्रिम छोड़कर)	436	159
	कुल	**3,087**	**159**

36 . सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम

एमएसएमई की देय राशि (टिप्पणी सं. 21 में प्रकट किए अनुसार) ऐसे उपक्रमों की चिह्नित सीमा तक है। कंपनी ने सामान्यतया एमएसएमई इकाइयों को नियत समय में भुगतान किया है एवं ब्याज या अतिदेय भुगतान के लिए पार्टियों से कोई दावा नहीं है। कंपनी सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एमएसएमई) आदेश 2012 के लिए सार्वजनिक क्रय नीति के दिशानिर्देशों का पालन कर रही है।

37. कर व्यय

(i) लाभ एवं हानि विवरण में आय कर की मान्यता

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(1) चालू कर		
- वर्ष के लिए	2,758	4,451
- पूर्व के वर्षों के लिए	-	59
(2) आस्थगित कर	1,235	(146)
चालू वर्ष में कुल आयकर व्यय की मान्यता	**3,993**	**4,364**

35 . Contingent Liabilities & Commitments (Amount in ₹ lakh)

	Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(a)	**Contingent Liabilities**		
	Sales Tax & Customs	4,214	4,834
	Money Suits	14,522	16,729
	Arbitration	30	44
	Income Tax	706	529
	Service Tax	9,562	9,301
	Claims against the company not acknowledged as debt	60	73
	Outstanding Bank Guarantees	14	64
	Total	**29,108**	**31,574**
(b)	**Commitments**		
	1 Construction of New Office Building at New Town, Kolkata	2,651	-
	2 Estimated amounts of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances)	436	159
	Total	**3,087**	**159**

36 . Micro Small And Medium Enterprises

The amount due to MSME (as disclosed in note no 21) is to the extent such undertakings have been identified. The company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment. The company is following the guidelines of Public Procurement Policy for Micro & Small Enterprises (MSMEs) Order 2012.

37. Tax Expenses

(i) Income Tax Recognised in the Statement of Profit and Loss

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
(1) Current Tax		
- For the year	2,758	4,451
- For earlier years	-	59
(2) Deferred Tax	1,235	(146)
Total income tax expense recognised in the current year	**3,993**	**4,364**

(ii) वर्ष के लिए आय कर व्यय को लाभ (हानि) के लेखाकरण में निम्नानुसार सामंजस्य किया जा सकता है : (₹ लाख में)

	विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
(1)	वर्ष के लिए कर पूर्व लाभ	11,846	12,395
(2)	आय कर व्यय की गणना 34.608 % पर (2016-17: 34.608 %)	4,100	4,290
(3)	व्यय का प्रभाव जो करयोग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य नहीं है	(7177)	82
(4)	आय का प्रभाव जो कर से मुक्त है	27	(54)
(5)	व्यय का प्रभाव जो करयोग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य है	(7)	(13)
(6)	अग्रेनीत व्यवसाय हानि	7,050	-
(7)	पूर्व वर्षों के चालू कर के संबंध में समायोजन	-	59
		3,993	**4,364**

उपर्युक्त के मिलान में वर्ष 2017-18 एवं 2016-17 के लिए प्रयुक्त कर दर भारतीय कर कानून के अंतर्गत कर योग्य लाभों पर भारत में निगमित संस्थाओं द्वारा देय 34.608% की निगमित कर दर है (30% के साथ अधिकर 12% की दर से एवं शिक्षा प्रभार 3 % की दर से)। वित्तीय वर्ष 2017-18 की आस्थगित कर गणना के लिए, वित्तीय वर्ष 2018-19 के संबंध में 34.944% की आय कर दर (30% के साथ 12% अधिकर एवं 4% की दर से शिक्षा प्रभार) को विवेचित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्रभावी कर दर है 33.708% (वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु 35.208%)।

होल्डिंग कंपनी के मामले में, व्यवसाय हानि एवं मूल्यह्रास बाबत कुल ₹ 20178 लाख की अग्रेनीत राशि है। तथापि, होल्डिंग कंपनी के पास ₹ 2225 लाख की एमएटी देनदारी है जिसके लिए होल्डिंग कंपनी के पास अगले आकलन वर्षों में उन वर्षों के लिए आय पर देय कर के विरूद्ध क्रेडिट पाने का अधिकार है। होल्डिंग कंपनी को लगता है कि आनेवाले वर्षों में पर्याप्त लाभ प्राप्त होगा जो न केवल अग्रेनीत हानि को क्षतिपूरित करेगा, बल्कि कर योग्य लाभ प्राप्त होगा। इसी अनुसार, आस्थगित कर परिसंपत्तियों को अग्रेनीत व्यवसाय हानि,मूल्यह्रास एवं एमएटी क्रेडिट अधिकार के लिए मान्यता दी गई है।

(iii) आस्थगित कर में बदलाव

विवरण	31 मार्च, 2017 के अनुसार	वर्ष के लिए प्रभार (क्रेडिट)	31 मार्च, 2018 के अनुसार
लाभ या हानि के माध्यम से			
आस्थगित कर देनदारियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ	216	62	278
	216	**62**	**278**
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अन्य	-	7	7
अन्य व्यय के बाबत प्रावधान	1,980	486	2,466
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए भत्ते	13,907	4,681	18,588
संदिग्ध प्राप्य दावे के लिए भत्ते	15,602	(15,602)	-
विक्रेता वर्धन के लिए प्रावधान	13	68	81
अनावशोषित व्यवसाय हानि	-	7,050	7,050
अन्य	102	(89)	13
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	-	2,225	2,225
शुद्ध आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**31,604**	**(1,174)**	**30,430**
कुल आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**31,388**	**(1,236)**	**30,152**
अन्य व्यापक आय के माध्यम से			
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ			
परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन	317	(86)	231
सकल आस्थगित कर (देनदारी)/परिसंपत्ति	**31,705**	**(1,322)**	**30,383**

(ii) The income tax expense for the year can be reconciled to the accounting profit (loss) as follows: Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Profit before tax for the year	11,846	12,395
Income tax expense calculated at 34.608 % (2016-17: 34.608 %)	4,100	4,290
Effect of expenses that are not deductible in determining taxable profit	(7177)	82
Effect of income that is exempt from tax	27	(54)
Effect of expenses that are deductible in determining taxable profit	(7)	(13)
Carry Forward of Business Loss	7,050	-
Adjustment in respect of current tax of prior years	-	59
	3,993	**4,364**

The tax rate used for the year 2017-18 and 2016-17 in the reconciliations above is the corporate tax rate of 34.608% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 3 %) payable by corporate entities in India on taxable profits under the Indian tax law. For Deferred Tax calculation of financial year 2017-18, income tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %) pertaining to financial year 2018-19 has been considered.The effective tax rates for F.Y. 2017-18 is 33.708% (For P.Y. 2016-17 is 35.208%)

There is carry forward of business loss and depreciation agrregating to ₹ 20178 lakh in case of holding company. However the holding company has a MAT liability of ₹ 2225 lakh for which holding company is entitled to credit in next assessment years against tax payable on income for those years.The Holding Company feels that it will earn sufficient profit in coming years,not only to offset the carry forward loss but also will have taxable profit. Accordingly, deferred tax assets has been recognised for carry forward of business loss,depreciation and MAT credit entitlement.

(iii) Movement in Deferred Tax

Particulars	As at March 31, 2017	Charge/ (credit) for the Year	As at March 31, 2018
Through Profit or Loss			
Deferred Tax Liabilities			
Property, Plant & Equipment and Intangible Assets	216	62	278
	216	**62**	**278**
Deferred Tax Assets			
Property, Plant & Equipment and Others	-	7	7
Provison against other expenses	1,980	486	2,466
Allowances for Doubtful Debts & Advances	13,907	4,681	18,588
Allowances for Doubtful Claims Receivable	15,602	(15,602)	-
Provision for Vendor Escalation	13	68	81
Unabsorbed business losses	-	7,050	7,050
Others	102	(89)	13
MAT credit entitlement	-	2,225	2,225
Net Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**31,604**	**(1,174)**	**30,430**
Total Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**31,388**	**(1,236)**	**30,152**
Through Other Comprehensive Income			
Deferred Tax Assets			
Remeasurement of Defined Benefit Plan	317	(86)	231
Gross Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**31,705**	**(1,322)**	**30,383**

38 . प्रति शेयर आय

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार
वर्ष के लिए लाभ	7,722.00	7,984.00
शेयरधारकों को आरोप्य लाभ	7,722.00	7,984.00
मूल ईपीएस के लिए शेयरों की भारित औसत सं. *	3,52,00,000	3,52,00,000
सामान्य शेयरों का आम मूल्य (₹)	10.00	10.00
प्रति शेयर मूल/मिश्रित आय (₹ प्रति शेयर)	22	23

* वर्ष 2017-18 के दौरान 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के कारण पुन:व्यक्त किए गए।

39 . वित्तीय लेखपत्र पर प्रकटन

यह प्रभाग समूह के वित्तीय साधनों के महत्व का अवलोकन प्रस्तुत करता है एवं वित्तीय साधनों से संलग्न तुलनपत्र के सामानों पर अतिरिक्त सूचना प्रदान करता है। महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के साथ मान्यता के लिए मानदंड,वित्तीय संपत्ति, वित्तीय देयता एवं इक्विटी साधन की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में मापन के आधार एवं आय और व्यय को जिस आधार पर मान्यता दी गई है, का विवरण समेकित वित्तीय विवरणियों की टिप्पणियों में प्रकट किए गए हैं।

(1) वित्तीय लेखपत्र की श्रेणियाँ

निम्नलिखित तालिका वर्ष के अंत में प्रत्येक श्रेणी की वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देनदारियों की अग्रेनीत राशि एवं उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। उचित मूल्य अग्रेनीत मूल्य के समकक्ष है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ	31 मार्च, 2018 के अनुसार	31 मार्च, 2017 के अनुसार	जिस पर मापे गए
	(₹ लाख में)	(₹ लाख में)	
व्यापार प्राप्य	3,98,197	3,74,093	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	10,733	7,654	परिशोधित लागत
नकद एवं नकद समकक्ष	17,586	9,024	परिशोधित लागत
अन्य बैंक शेष	37,894	47,217	परिशोधित लागत
निवेश	880	263	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**4,65,290**	**4,38,251**	
वित्तीय देनदारियाँ			
उधार	76,618	68,835	परिशोधित लागत
व्यापार देय	2,60,408	2,55,994	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	86,306	81,621	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय देनदारियाँ	**4,23,332**	**4,06,450**	

(2) पूंजी प्रबंधन

समूह यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करता है कि समूह ऋण और इक्विटी शेष के अनुकूलन के माध्यम से शेयरधारकों के रिटर्न को अधिकतम करते हुए जारी रहता है। समूह किसी भी बाहरी रूप से नियोजित पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है।

(3) वित्तीय जोखिम प्रबंधन के उद्देश्य

समूह के कॉर्पोरेट ट्रेजरी कार्य व्यापार के लिए सेवाएं प्रदान करता है, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक पहुंच का समन्वय, समूह के संचालन से जुड़े वित्तीय जोखिमों का प्रबंधन और निगरानी करता है। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (जैसे-मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम), क्रेडिट जोखिम और तरलता जोखिम शामिल है। नीतियों और उपस्थिति सीमाओं के अनुपालन की निरंतर आधार पर आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा समीक्षा की जाती है। समूह अव्यवहार्य के प्रयोजनों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधनों समेत वित्तीय साधनों में शामिल नहीं होता है और न ही व्यापार करता है।

(क) बाजार जोखिम

समूह की गतिविधियां, मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को प्रदर्शित करती है। मामले के आधार पर, विनिमय दर जोखिम का बचाव करने के लिए समूह फॉरवर्ड विदेशी मुद्रा अनुबंधों को अपनाता है।

38 . Earnings per Share

Amount in ₹ lakh

Particulars	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017
Profit for the year	7,722.00	7,984.00
Profit attributable to Shareholders	7,722.00	7,984.00
Weighted average No. of Shares for Basic EPS*	3,52,00,000	3,52,00,000
Nominal value of Ordinary Shares (₹)	10.00	10.00
Basic/Diluted Earnings per Share (₹ Per Share)	22	23

* Restated due to issue of bonus shares during 2017-18 in the ratio of 1:1.

39 . Disclosures on financial instruments

This section gives an overview of the significance of financial instruments for the Group and provides additional information on balance sheet items that contain financial instruments.The details of significant accounting policies, including the criteria for recognition, the basis of measurement and the basis on which income and expenses are recognized, in respect of each class of financial asset, financial liability and equity instrument are disclosed in note to the consolidated financial statements.

(1) Categories of Financial Instruments

The following table presents carrying amount and fair value of each category of financial assets and liabilities as at the year end.Carrying value is equivalent to the fair value.

Financial assets	As at March 31, 2018	As at March 31, 2017	Measured at
	(₹ In lakh)	(₹ In lakh)	
Trade Receivables	3,98,197	3,74,093	Amortised cost
Other Financial Assets	10,733	7,654	Amortised cost
Cash and Cash Equivalents	17,586	9,024	Amortised cost
Other Bank Balances	37,894	47,217	Amortised cost
Investments	880	263	Amortised cost
Total Financial Assets	**4,65,290**	**4,38,251**	
Financial Liabilities			
Borrowings	76,618	68,835	Amortised cost
Trade Payables	2,60,408	2,55,994	Amortised cost
Other Financial Liabilities	86,306	81,621	Amortised cost
Total Financial Liabilities	**4,23,332**	**4,06,450**	

(2) Capital Management

The Group manages its capital to ensure that the Group is able to continue as going concern while maximising the return to shareholders through the optimisation of the debt and equity balance.The Group is not subject to any externally imposed capital requirements.

(3) Financial risk management objectives

The Group's Corporate Treasury function provides services to the business, co-ordinates access to domestic and international financial markets , monitors and manages the fianancial risks relating to the operations of the Group . These risks include market risk (like- currency risk, interest rate risk and other price risk), credit risk and liquidity risk. Compliance with policies and exposure limits is reviewed by the internal auditors on a continuous basis. The Group does not enter into or trade in financial instruments, including derivative financial instruments, for speculative purposes.

(a) Market Risk

The Group's activities exposes it, primarily to the financial risks of changes in foreign currency exchange rates. On a case to case basis, the Group enters into Forward foreign exchange contracts to hedge the exchange rate risk.

(i) ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

"वर्तमान में समूह ने अपने अधिकतम ऋण को एमसीएलआर के आधार पर परिवर्तित किया है, इसलिए दर अनुबंध अवधि के लिए आम तौर पर एक वर्ष के लिए स्थिर है। ओवरड्राफ्ट सुविधा पर आगे के ब्याज सावधि जमा के ब्याज के साथ जुड़ा हुआ हे, जो आम तौर पर एक वर्ष के लिए निर्दिष्ट है।"

(ii) विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

समूह का विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आयात देयताओं के कारण होता है। लेनदेन ग्राहकों के साथ एक के बाद एक के आधार पर है। लाभ और हानि अगर हो तो ग्राहक को उपलब्ध कराया जाता है। ग्राहकों के साथ चर्चा कर संबंधित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को बचाने के लिए कभी-कभी फॉरवार्ड कवर लिया जाता है। जहां भी विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव हो, ग्राहकों द्वारा उनके साथ समझौता के अनुसार वहन किया जाता है, विदेशी मुद्रा लाभ / हानि को समूह की पुस्तकों में मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) साख (क्रेडिट) जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटरपार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप समूह को नुकसान होता है। समूह ने जहां उपयुक्त हो, चूक से वित्तीय नुकसान के जोखिम को कम करने के एक साधन के रूप में केवल ऋणयोग्य काउंटर पार्टी के साथ काम करने की नीति अपनाई है, समूह केवल ऐसी संस्थाओं से लेनदेन करता है, जो उपलब्ध एजेंसियों द्वारा रेट किए गए हैं और अगर उपलब्ध नहीं है तो समूह अपने प्रमुख ग्राहकों को रेट करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वित्तीय जानकारी और अपने पिछले रिकॉर्ड का उपयोग करता है। समूह के जोखिम और उसके प्रतिपक्षों की क्रेडिट रेटिंग पर नजर रखी जाती है और निष्कर्ष निकाले गए लेनदेन का एकत्रित मूल्य अनुमोदित काउंटरपार्टी में प्रसारित किया जाता है। क्रेडिट एक्सपोजर को काउंटरपार्टी की सीमाओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो वरिष्ठ प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा की जाती है और उन्हें अनुमोदित किया जाता है।

(ग) तरलता (लिक्विडिटी) जोखिम प्रबंधन

समूह लगातार भविष्य की और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और दायित्वों की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करने पर्याप्त भंडार, बैंकिंग सुविधाएं और आरक्षित उधार सुविधा बनाए रखने के तरलता जोखिम का प्रबंध करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च , 2018 एवं 31मार्च, 2017 के अनुसार अनुमानित ब्याज भुगतान सहित वित्तीय देनदारियों की संविदागत छूट रहित नकद दायित्वों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

वित्तीय देयताएं	31 मार्च 2018 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि	ठेकागत नकद प्रवाह	1 वर्ष से कम	1 - 5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में
उधार	76,618	76,618	76,618	-	-
व्यापार देय	2,60,408	2,60,408	2,60,382	26	-
अन्य वित्तीय देयताएं	86,306	86,306	86,186	83	37
	3,46,714	**3,46,714**	**3,46,568**	**109**	**37**

वित्तीय देयताएं	31 मार्च 2017 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि	ठेकागत नकद प्रवाह	1 वर्ष से कम	1 - 5 वर्ष के बीच	5 वर्ष से अधिक
	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में	₹ लाख में
उधार	68,835	68,835	68,835	-	-
व्यापार देय	2,55,994	2,55,994	2,55,968	26	-
अन्य वित्तीय देयताएं	81,621	81,621	81,529	61	31
	3,37,615	**3,37,615**	**3,37,497**	**87**	**31**

(i) Interest rate risk management

"At present Group has converted maximum of its loan to MCLR based, hence the rate is firm for a contract period usually for a year. Further Interest on Overdraft facility is linked with interest of Fixed deposits, which are usually firm for one year."

(ii) Foreign Currency risk management

The foreign currency exposure of the Group is due to import liabilities. Transactions are on back to back basis with customers . The gain and loss if any is passed on to the customers. Some times forward cover is taken to hedge the related foreign currency exposure in terms of discussion with the customers.Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Group.

(b) Credit risk management

Credit risk refers to the risk that a counterparty will default on its contractual obligations resulting in fianacial loss to the Group. The Group has adopted a policy of only dealing with creditworthy counterparties , where appropriate, as a means of mitigating the risk of financial loss from defaults. The Group only transact with entities that are rated by agencies where available and if not available , the Group uses other publicly available financial information and its own past records to rate its major customers. The Group's exposure and the credit ratings of its counterparties are monitored and the aggregated value of transactions concluded is spread amongst approved counterparties . Credit exposure is controlled by counterparty limits that are reviewed and approved by the Senior Management Committee.

(c) Liquidity risk management

The Group manages liquidity risk by maintaining adequate reserves, banking facilities and reserve borrowing facilities, by continuously monitoring forecast and actual cash flows,and by matching the maturity profiles of financial assets and liablities.

The table below provides details regarding the contractual undiscounted cash obligations of financial liabilities including estimated interest payments as at 31st March 2018 & 31st March 2017.

Financial Liabilities	**As at March 31, 2018**				
	Carrying amount	**Contractual cash flows**	**less than 1 year**	**between 1 - 5 years**	**More than 5 years**
	₹ In lakhs	₹ In lakhs	₹ In lakhs	₹ In lakhs	₹ In lakhs
Borrowings	76,618	76,618	76,618	-	-
Trade payables	2,60,408	2,60,408	2,60,382	26	-
Other financial liabilities	86,306	86,306	86,186	83	37
	3,46,714	**3,46,714**	**3,46,568**	**109**	**37**

Financial Liabilities	**As at March 31, 2017**				
	Carrying amount	**Contractual cash flows**	**less than 1 year**	**between 1 - 5 years**	**More than 5 years**
	₹ In lakhs	**₹ In lakhs**	**₹ In lakhs**	**₹ In lakhs**	**₹ In lakhs**
Borrowings	68,835	68,835	68,835	-	-
Trade payables	2,55,994	2,55,994	2,55,968	26	-
Other financial liabilities	81,621	81,621	81,529	61	31
	3,37,615	**3,37,615**	**3,37,497**	**87**	**31**

40 . संबंधित पार्टी के लेनदेन

(क) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक को क्षतिपूरण

		पारिश्रमिक लाभ (लाख ₹ में)			
विवरण	संबंधित पार्टी का स्वरूप/संबंध	अल्पकालिक लाभ	नियुक्ति उपरान्त लाभ	अन्य दीर्घावधि लाभ	कुल
31 मार्च, 2018 के रूप में वर्तमान वर्ष					
श्री बमबहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	42	10	9	61
श्री ए.के. बसु	निदेशक (वित्त)	40	10	4	54
श्रीमती भानु कुमार (12.10.2017)	निदेशक (वाणिज्य)	12	9	7	28
श्री एस.के. राय	कंपनी सचिव	30	1	-	31
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	1*	-	-	1
श्री टी.वी. मुरलीवल्लवन	स्वतंत्र निदेशक	2*			2
श्री राजीव भट्टाचार्य	प्रबंध निदेशक	40	8	1	49
श्री सतदल मित्र	मुख्य वित्तीय अधिकारी	31	2	-	33
श्री अशोक मिश्रा	कंपनी सचिव	13	-	1	14
31 मार्च, 2017 के रूप में पूर्ववर्ती वर्ष					
श्री बमबहादुर सिंह (01.06.2016 से 31.03.2017 तक)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	36	3	-	39
श्री बमबहादुर सिंह (01.04.2016 से 31.05.2016 तक)	निदेशक (वाणिज्य)				
श्री एस. के. त्रिपाठी (01.04.2016.से 31.05.2016 तक)	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	29	1	-	30
श्री ए. के. बसु	निदेशक (वित्त)	40	2	-	42
श्री एस. के. राय	कंपनी सचिव	28	1	-	29
श्री अजय कुमार गोयल	स्वतंत्र निदेशक	2*	-	-	2
श्री राजीव भट्टाचार्य	प्रबंध निदेशक	26	-	1	27
श्री सतदल मित्रा	मुख्य वित्तीय अधिकारी	21	1	2	24
श्री अशोक मिश्रा	कंपनी सचिव	2	-	-	2

टिप्पणी : *यह निदेशक के बैठक शुल्क का सूचक है।

(क) चूंकि कंपनी द्वारा निदेशकों को सीमित दूरी के लिए निजी इस्तेमाल हेतु कार की सुविधा दी जाती है इसलिए ऐसी सुविधा को लाभ/परिलाभ विवेचित नहीं किया गया है।

(ख) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान आधार पर निष्पादन संबंधी भुगतान शामिल है।

(ख) महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ लेनदेन (50:50 संयुक्त उद्यम)

(₹ लाख में)

विवरण	2017-18	2016-17
संयुक्त उद्यम में निवेश	750	310
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए प्राप्त राशि	8	7
निदेशक की नियुक्ति के लिए जमा राशि का भुगतान	1	-
निदेशक की नियुक्ति के लिए जमा राशि वापस ली गई	1	-

40 . Related Party Transaction

(a) Compensation to Key Managerial Personnel

Particulars	Nature of related party / relationship	Remuneration (₹ in lakhs) Short Term Benefits	Post Employment Benefits	Other Long Term Benefits	Total
Current Year as at March 31st,2018					
"Sri Bambahadur Singh"	Chairman cum Managing Director	42	10	9	61
Sri A.K. Basu	Director (Finance)	40	10	4	54
Smt Bhanu Kumar (from 12.10.2017)	Director (Commercial)	12	9	7	28
Sri S.K. Ray	Company Secretary	30	1	-	31
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	1*	-	-	1
Sri T. V. Muralivallabhan	Independent Director	2*			2
Sri Rajib Bhattacharya	Managing Director	40	8	1	49
Sri Satadal Mitra	Chief Financial Officer	31	2	-	33
Sri Ashok Mishra	Company Secretary	13	-	1	14
Previous Year as at March 31st March 2017					
Sri Bambahadur Singh (From 01.06.2016-31.03.2017)	Chairman cum Managing Director	36	3	-	39
Sri Bambahadur Singh (From 01.04.2016-31.05.2016)	Director (Commercial)				
Sh. S.K. Tripathi (From 01.04.2016.-31.05.2016)	Chairman cum Managing Director	29	1	-	30
Sri A.K. Basu	Director (Finance)	40	2	-	42
Sri S.K. Ray	Company Secretary	28	1	-	29
Sri Ajay Kumar Goyal	Independent Director	2*	-	-	2
Sri Rajib Bhattacharya	Managing Director	26	-	1	27
Sri Satadal Mitra	Chief Financial Officer	21	1	2	24
Sri Ashok Mishra	Company Secretary	2	-	-	2

Note : * It indicate Directors Sitting Fees.

(a) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the company to the Directors, such facility has not been considered as benefit/perquisite.

(b) The above includes Performance related pay on actual payment basis.

(b) Transaction with Mahindra MSTC Recycling Private Limited (50:50 Joint Venture)

(₹ in lakh)

Particulars	2017-18	2016-17
Investment in Joint Venture	750	310
Amount received towards reimbursement of expenditure	8	7
Deposit for Appointment of Director paid	1	-
Deposit for Appointment of Director received back	1	-

41 . कर्मचारी लाभ

परिभाषित योगदान योजनाएं

1. भविष्य निधि

मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 12% समूह द्वारा भविष्य निधि न्यास में योगदान दिया गया।

2. अवकाश नकदीकरण लाभ

सहायक कंपनी के मामले में, अलगाव पर योग्य कर्मचारियों को देय है, जो 300 दिनों (उपार्जित अवकाश एवं अर्द्ध-भुगतान अवकाश संयुक्त) तक सीमित होगा एवं 300 दिनों की सीमा की गणना के लिए डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार अर्द्ध-भुगतान अवकाश (एचपीएल) परिकलित नहीं होगा। संचित उपार्जित अवकाश के लिए भी नकदीकरण एक कैलेंडर वर्ष में एक बार में 30 दिनों तक की अनुमति दी जाएगी।

3. सेवानिवृत्ति उपरांत बंदोबस्ती लाभ

सहायक कंपनी के मामले में, यह सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारियों को उनके घोषित होम टाउन पर निपटारे के लिए देय है।

4. कर्मचारी परिवार लाभ योजना

"सहायक कंपनी के मामले में, मृत कर्मचारी के सेवा निवर्त्तन की अनुमानित तिथि तक निर्धारित जमा के स्थान पर कर्मचारी के कानूनी उत्तराधिकारी अलग हो चुके विकलांग कर्मचारी को मासिक भुगतान।"

5. दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार

सहायक कंपनी के मामले में, न्यूनतम 25 वर्षों की सेवा देने और सेवा निवर्त्तन पर भी देय है।

परिभाषित लाभ योजनाएं

1. उपदान (ग्रैच्युटी) :

"ग्रैच्युटी 15 दिनों के भुगतान की दर से पृथक रूप से पात्र कर्मचारियों के लिए प्रत्येक पूर्ण वर्ष की सेवा के लिए देय है, जो न्यूनतम 5 वर्ष की अवधि एवं 30 वर्ष तक सतत सेवा प्रदान करते हैं। 30 वर्ष से अधिक के प्रत्येक पूर्ण सेवा वर्ष के लिए कर्मचारी द्वारा एक महीने की अंतिम आहरित मजदूरी की दर पर ग्रैच्युटी की गणना की जाती है। कर्मचारी को देय अधिकतम ग्रैच्युटी ₹ 20 लाख है। ग्रैच्युटी को भारत के एलआईसी के साथ वित्त पोषित किया जाता है। मार्च 2018 तक कंपनी भारत की एलआईसी द्वारा की गई मांग के आधार पर हर साल प्रीमियम के रूप में फंड में योगदान करती है जो प्रीमियम के भुगतान के आधार पर ग्रैच्युटी के रूप में हिसाब में लिया जाता है। इसके अलावा, इंड एएस 19 के अनुसार कंपनी ने ग्रैच्युटी फंड का बीमांकिक मूल्यांकन किया है।"

2. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ :

सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति या पत्नी के लिए एक चिकित्सा लाभ है। सदस्यों को बीमा कंपनी के मेडिक्लेम बीमा के माध्यम से कवर किया जाएगा। मेडिक्लेम बीमा पॉलिसी के तहत उल्लिखित अस्पताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी के लिए चिकित्सा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त घरेलू चिकित्सा में किए गए खर्चों को भी निर्धारित सीमा के अनुसार प्रतिपूर्ति की जाती है। लाभ इस उदेश्य के लिए एक अलग ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है। कंपनी इसके लिए कॉर्पस प्रदान करती है। किसी भी कमी को कंपनी द्वारा मुआवजा दिया जा रहा है। वित्त वर्ष 2015-16 तक कंपनी निजी आकलन के आधार पर फंड में योगदान करती थी। वित्त वर्ष 2016-17 से, पहली बार बीमांकिक मूल्यांकन किया गया है एवं इसी अनुसार खाता बहियों में देनदारी प्रदान की गई है।

3. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं के लिए अंशदायी योजना (घरेलू) :

सहायक कंपनी के मामले में, कार्यपालकों के लिए सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं के लिए अंशदायी योजना (घरेलू) के अंतर्गत सम्मिलित पृथक हो चुके कार्यपालकों को चिकित्सा सुविधाओं (घरेलू) का भुगतान।

निवेश जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता का वर्तमान मूल्य एक छूट दर का उपयोग करके गणना किया जाता है जो कि सरकारी बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार के परिणामों के संदर्भ से निर्धारित होता है। अन्य परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए, ऐसे बॉण्ड के लिए एक गहन बाजार होने पर उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉण्ड पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की उपज के संदर्भ में छूट की दर निर्धारित की जाती है, यदि योजना संपत्ति पर रिटर्न इस दर से कम है, तो यह एक योजना को घाटा योग्य बनाएगा। वर्तमान में, भारत की योजना के लिए, इसमें सरकारी प्रतिभूतियों और अन्य ऋण साधनों में निवेश का अपेक्षाकृत संतुलित मिश्रण है, इसके अलावा, विदेशी योजना में इक्विटी प्रतिभूतियों, ऋण साधनों और रियल एस्टेट में अपेक्षाकृत संतुलित निवेश है। योजना देनदारियों की दीर्घकालिक प्रकृति के कारण, विदेशी बोर्ड फंड इसे उचित मानता है कि योजना संपत्तियों का एक उचित हिस्सा इक्विटी प्रतिभूतियों और रियल एस्टेट में फंड द्वारा उत्पन्न रिटर्न का लाभ उठाने के लिए निवेश किया जाना चाहिए।
ब्याज जोखिम	बांड की ब्याज दर में कमी से योजना की देनदारी बढ़ जाएगी। हालांकि, आंशिक रूप से योजना के ऋण निवेश पर रिटर्न में वृद्धि द्वारा इसकी भरपाई की जाएगी।
दीर्घायु जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना योजना के प्रतिभागियों की मृत्यु दर का सबसे अच्छा अनुमान के अनुसार उनके रोजगार के दौरान और बाद में की जाती है। योजना प्रतिभागियों की जीवन प्रत्याशा में वृद्धि से योजना की देयता बढ़ जाएगी।
वेतन जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयताएं के वर्तमान मूल्य की गणना योजना के प्रतिभागियों के भविष्य के वेतन के संदर्भ द्वारा की जाती है। ऐसे में योजना प्रतिभागियों के वेतन में वृद्धि से योजना की देनदारी बढ़ेगी।

41 . Employee Benefits

Defined Contribution Plans

1. Providend Fund

12% of Basic pay and dearness allowance contributed to the providend fund trust by the Group.

2. Leave Encashment Benefit

In case of subsidiary, it is payable on separation to eligibile employees, shall be limited to 300 days (Earned Leave and Half-Pay Leave combined), and HPL shall not be commuted as per DPE Guidelines for calculation of 300 days limit. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calender year.

3. Post Retirement Settlement Benefit

In case of subsidiary, it is payable to retiring employees for settlement at their declared home town.

4. Employee Family Benefit Scheme

"In case of subsidiary, monthly payment to disabled separated employees / legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the notional date of superannuation of deceased employees."

5. Long Term Service Award

In case of subsidiary, it is payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on superannuation.

Defined Benefits Plans

1. Gratuity:

"The Gratuity is payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 20 lakh.The Gratuity is funded with LIC of India. Till March'18 the Company contributed in the fund every year as premium on the basis of demand raised by LIC of India which was accounted as Gratuity on the basis of payment of premium. In addition, the company has done actuarial valuation of Gratuity Fund in accordance with Ind AS 19."

2. Post Retirement Medical Benefit:

The Post Retirement Medical Benefit is a medical benefit to the superannuated employees and their spouse. The members will be covered through Mediclaim Insurance admitted of the Insurance Company. This is available to superannuated employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy.In addition to this expenses incurred in domicilliary treatment is also reimbursed as per prescribed ceiling.The benefits are funded through a separate trust formed for this purpose.The Company provides the corpus for this. Deficit if any is being compensated by the company.Till F.Y 2015-16, the company used to contribute to the fund based on own estimates. From F.Y 2016-17, first time actuarial valuation has been done and accordingly liability has been provided in the books of accounts.

3. Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary):

In case of subsidiary, the payment of medical facilities (Domiciliary) to the separated executives as covered under contributary scheme for post retirement medical facilities (domiciliary) for executives.

Investment risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated using a discount rate which is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on government bonds. For other defined benefit plans, the discount rate is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on high quality corporate bonds when there is a deep market for such bonds; if the return on plan asset is below this rate, it will create a plan deficit. Currently, for the plan in India, it has a relatively balanced mix of investments in government securities, and other debt instruments. Further, the overseas plan has a relatively balanced investment in equity securities, debt instruments and real estates. Due to the long-term nature of the plan liabilities, the board of the overseas Fund considers it appropriate that a reasonable portion of the plan assets should be invested in equity securities and in real estate to leverage the return generated by the fund.
Interest risk	A decrease in the bond interest rate will increase the plan liability; however, this will be partially offset by an increase in the return on the plan's debt investments.
Longevity risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the best estimate of the mortality of plan participants both during and after their employment. An increase in the life expectancy of the plan participants will increase the plan's liability.
Salary risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the future salaries of plan participants. As such, an increase in the salary of the plan participants will increase the plan's liability.

(क) कंपनी ने परिभाषित योगदान योजनाओं के तहत वर्ष के लिए लाभ और हानि के विवरण में ₹ **1492** लाख की राशि (पिछले वर्ष **2016-17** ₹ **1175** लाख) व्यय को मान्यता दी है।

लाभ (योगदान)	चालू वर्ष **31.03.2018** (₹ लाख में)	विगत वर्ष **31.03.2017** (₹ लाख में)
भविष्य निधि एवं अन्य	1,492	1,175
कुल	**1,492**	**1,175**

(ख) कंपनी सेवानिवृत्ति उपरांत परिभाषित लाभ योजनाओं को निम्नानुसार संचालित करती है :

i. वित्त पोषित

क. उपदान (ग्रैच्युटी)

ख. सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना

ii. गैर-वित्त पोषित:

क. सहायक कंपनी के मामले में, सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना गैर-वित्त पोषित है।

ग. **ग्रैच्युटी योजना का विवरण निम्नानुसार है :**

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु **31 मार्च, 2018**	समाप्त वर्ष हेतु **31 मार्च, 2017**
1. धारणाएँ		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
ख. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अनुमानित दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
ग. वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	8.00%	8.00%
सहायक कंपनी के मामले में, वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	गैर-कार्यपालक - पहले वर्ष के लिए 10% और इसके बाद 6% कार्यपालक- पहले वर्ष के लिए 10% और इसके बाद 5%	गैर-कार्यपालक - पहले वर्ष के लिए 10% और इसके बाद 6% कार्यपालक- पहले वर्ष के लिए 10% और इसके बाद 5%

2. ग्रैच्युटी के अंतर्गत परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में स्वीकृत राशि निम्नानुसार है:

	समाप्त वर्ष हेतु **31 मार्च, 2018**	समाप्त वर्ष हेतु **31 मार्च, 2017**
	लाख ₹ में	लाख ₹ में
क. वर्तमान सेवा लागत	2,586	104
ख. सेवा लागत	2,586	104
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	9	87
घ. लाभ व हानि में स्वीकृत लागत	**2,595**	**191**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / परिसंपत्ति पर पुनर्माप		
क. डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	386	(166)
ख. डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(24)	305
ग. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	362	139
घ. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न छूट दर की तुलना में (अधिक)/कम	(22)	9
ङ. ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ)/हानि	340	148
च. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	**340**	**148**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय इंड एएस 19 के अंतर्गत बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वित्तीय वर्ष 2017-18 से प्रभावी लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' वाले मदों में सम्मिलित है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देनदारी का पुनर्माप अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।

(a) The company has recognised an amount of ₹ 1492 lakh in Statement of Profit and Loss for the year (2016-2017 : ₹ 1175 lakh) as expenses under defined contribution plans.

Benefit (Contribution to)	Current Year 31.03.2018	Previous Year 31.03.2017
	(₹ in Lakh)	(₹ in Lakh)
Provident Fund & others	1,492	1,175
Total	**1,492**	**1,175**

(b) The company operates post retirement defined benefit plans as follows :

i. Funded:

a. Gratuity.

b. Post Retirement Medical Benefit Scheme.

ii. Unfunded:

a. In case of subsidiary, Post Retirement Medical Benefit Scheme is unfunded.

(c) Details of the Gratuity Plan are as follows :

Description	For the year ended March, 31st 2018	For the year ended March, 31st 2017
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.40%	6.90%
b. Estimated rate of return on plan assets (per annum)	7.40%	6.90%
c. Rate of escalation in salary (per annum)	8.00%	8.00%
In case of subsidiary, rate of escalation in salary (per annum)	"Non-Executive-10% for the first year and 6% thereafter Executive-10% for first year and 5% thereafter	Non-Executive-10% for the first year and 6% thereafter Executive-10% for first year and 5% thereafter

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit palns under Gratuity are as follows:

	For the year ended March, 31st 2018	For the year ended March, 31st 2017
	(₹ In lakh)	(₹ In lakh)
a. Current service cost	2,586	104
b. Service Cost	2,586	104
c. Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	9	87
d. Cost recognized in P&L	**2,595**	**191**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
a. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	386	(166)
b. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	(24)	305
c. Actuarial (gain)/loss arising during period	362	139
d. Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(22)	9
e. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	340	148
f. (Income)/Cost recognized in OCI	**340**	**148**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss w.e.f F.Y 2017-18 on the basis of actuarial valuation under IND AS 19.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5(क) परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

		समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ लाख में	समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ लाख में
क.	वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	5,931	5,883
ख.	वर्तमान सेवा लागत	94	104
ग.	डीबीओ पर ब्याज लागत	390	437
घ.	पिछली सेवा लागत – योजना संशोधन	2,491	-
ङ.	वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	(24)	305
च.	अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	386	(166)
छ.	योजना परिसंपत्ति से लाभ का भुगतान	(556)	(632)
ज.	**अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व**	**8,712**	**5,931**

5(ख) **योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में संचलन निम्नानुसार है**

		समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ लाख में	समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2017 के अनुसार ₹ लाख में
क.	पूर्वावधि की समाप्ति पर परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	5,595	3,647
ख.	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	381	350
ग.	नियोक्ता अंशदान	413	2,239
घ.	छूट दर से अधिक / (कम) पर योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न	22	(9)
ङ.	लाभ का भुगतान	(556)	(632)
च.	**चालू अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य**	**5,855**	**5,595**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाली संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छूट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च, 2018 ₹ लाख में	31 मार्च, 2017 ₹ लाख में
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(430)	(316)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	8,282	5,616
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	473	350
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	9,186	6,281

वेतन वृद्धि दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च, 2018 ₹ लाख में	31 मार्च, 2017 ₹ लाख में
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	327	66
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	9,039	5,998
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(343)	(81)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	8,369	5,850

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है, क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक–दूसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएँ सह–संबंधित हो सकती हैं।

8. सुग्राही विश्लेषण को तैयार करने में प्रयुक्त विधियों और धारणाओं में पूर्व के वर्षों से कोई परिवर्तन नहीं है।

5(a). Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows

		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Obligation as at the beginning of the year	5,931	5,883
b.	Current Service Cost	94	104
c.	Interest Cost on DBO	390	437
d.	Past Service Cost- Plan Ammendment	2,491	-
e.	Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(24)	305
f.	Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	386	(166)
g.	Benefits paid from plan asset	(556)	(632)
h.	**Closing defined benefit Obligation**	**8,712**	**5,931**

5(b). Movements in the fair value of the plan assets are as follows

		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Fair value of the assets at the end of prior period	5,595	3,647
b.	Interest Income on plan assets	381	350
c.	Employer Contributions	413	2,239
d.	Return on plan assets greater/(lesser) than discount rate	22	(9)
e.	Benefits paid	(556)	(632)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**5,855**	**5,595**

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analyses below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

Effect of a 1% change in discount rate	**March, 31st 2018 ₹ In lakh**	**March, 31st 2017 ₹ In lakh**
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(430)	(316)
(ii) closing balance of obligation	8,282	5,616
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	473	350
(ii) closing balance of obligation	9,186	6,281

Effect of a 1% change in salary esclation rate	**March, 31st 2018 ₹ In lakh**	**March, 31st 2017 ₹ In lakh**
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	327	66
(ii) closing balance of obligation	9,039	5,998
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	(343)	(81)
(ii) closing balance of obligation	8,369	5,850

7. The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.

8.There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years

(घ) सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना का विवरण :

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017
1. धारणाएँ		
(क) छूट दर (प्रति वर्ष)	7.40%	6.90%
(ख) चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	5.00%	5.00%

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में स्वीकृत राशियाँ निम्नानुसार हैं:

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
(क) वर्तमान सेवा लागत	88	102
(ख) सेवा लागत	-	-
(ग) शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	173	151
(घ) लाभ व हानि में स्वीकृत लागत	**261**	**253**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता / परिसंपत्ति पर पुनः मापन		
(ङ) डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	343	361
(च) डीबीओ धारणाओं में परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ) / हानि	(246)	364
(छ) अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ) / हानि	97	725
(ज) छूट दर से (अधिक)/ कम पर योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न	(57)	(4)
(झ) ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ) / हानि	40	721
(ञ) शुद्ध परिसंपत्तियों पर सीमा के लिए समायोजन	-	-
(ट) ओसीआई में स्वीकृत (आय) / लागत	**40**	**721**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय 'कर्मचारी लाभ व्यय' अनुरूपी मदों में सम्मिलित है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुनर्माप अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।

5. परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
(क) वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	3,309	2,403
(ख) वर्तमान सेवा लागत	88	102
(ग) ब्याज लागत	223	183
(घ) वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	(246)	363
(ङ) अनुभव समायोजन से उत्पन्न बीमांकिक लाभ एवं हानि	344	361
(च) कंपनी द्वारा सीधे भुगतान दिये गए लाभ	(144)	(104)
(छ) अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**3,574**	**3,308**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाली संबंधित धारणाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के अनुसार नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

(d) Details of the Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows

Description		For the year ended March, 31st 2018	For the year ended March, 31st 2017
1.	Assumptions		
a.	Discount rate (per annum)	7.40%	6.90%
b.	Medical Inflation (per annum)	5.00%	5.00%

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows:

Description		For the year ended March, 31st 2018 ₹ In lakh	For the year ended March, 31st 2017 ₹ In lakh
a.	Current service cost	88	102
b.	Service Cost	-	-
c.	Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	173	151
d.	**Cost recognized in P&L**	**261**	**253**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:			
e.	Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	343	361
f.	Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	(246)	364
g.	Actuarial (gain)/loss arising during period	97	725
h.	Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(57)	(4)
i.	Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	40	721
j.	Adjustments for limit on net assets	-	-
k.	**(Income)/Cost recognized in OCI**	**40**	**721**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follow

		For the year ended March, 31st 2018 (₹ In lakh)	For the year ended March, 31st 2017 (₹ In lakh)
a.	Obligation as at the beginning of the year	3,309	2,403
b.	Current Service Cost	88	102
c.	Interest Cost	223	183
d.	Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(246)	363
e.	Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	344	361
f.	Benefits paid directly by the Company	(144)	(104)
g.	**Closing defined benefit Obligation**	**3,574**	**3,308**

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analyses below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
छूट दर में **1%** परिवर्तन का प्रभाव		
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(422)	(417)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	3,152	2,891
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	519	519
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	4,093	3,827
चिकित्सा स्फीति दर में **1%** परिवर्तन का प्रभाव		
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	451	445
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	4,025	3,753
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(369)	(360)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	3,205	2,948

7. उपर्युक्त प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक दूसरे के अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएँ सह–संबंधित हो सकती हैं।

8. सुग्राही विश्लेषण तैयार करने में प्रयुक्त विधियों एवं धारणाओं में पूर्व के वर्षों से कोई परिवर्तन नहीं है।

(ङ) सहायक कंपनी के मामले में, सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं (घरेलू) के लिए अंशदायी योजना का विवरण निम्नानुसार है :

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
1. धारणाएँ		
क. छूट दर प्रति वर्ष	7.40%	6.90%
ख. चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	प्रयोज्य नहीं	प्रयोज्य नहीं

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं (घरेलू) के लिए अंशदायी योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में स्वीकृत राशि :

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2018 (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2017 (₹ लाख में)
क) चालू सेवा लागत	8.10	7.93
ख) सेवा लागत	8.10	7.93
ग) शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	15.52	15.33
घ) (लाभ)/हानि को तुरंत स्वीकार किया जाना – अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजना	-	-
ङ) लाभ एवं हानि में स्वीकृत लागत	**23.62**	**23.26**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुन:मापन :		
क. डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(60.94)	(12.94)
ख. डीबीओ धारणा परिवर्तन बीमांकिक (लाभ)/हानि	(10.82)	22.01
ग. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	(71.76)	9.07
घ. ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ)/हानि	(71.76)	9.07
ङ. ओसीआई में स्वीकृत के कारण (आय)/लागत	**(71.76)**	**9.07**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय लाभ और हानि के स्टैंडएलोन विवरण में, कर्मचारी लाभ व्यय के अनुरूपी मद में शामिल है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुन:मापन अन्य व्यापक आय में शामिल है।

	For the year ended March, 31st 2018 (₹ In lakh)	For the year ended March, 31st 2017 (₹ In lakh)
Effect of a 1% change in discount rate		
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(422)	(417)
(ii) closing balance of obligation	3,152	2,891
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	519	519
(ii) closing balance of obligation	4,093	3,827
Effect of a 1% change in medical inflation rate		
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	451	445
(ii) closing balance of obligation	4,025	3,753
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	(369)	(360)
(ii) closing balance of obligation	3,205	2,948

7. **The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.**
8. **There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years.**

(e) In case of subsidiary, details of the Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) are as follows :

Description	For the year ended March, 31st 2018 (₹ In lakh)	For the year ended March, 31st 2017 (₹ In lakh)
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.40%	6.90%
b. Medical Inflation (per annum)	Not Applicable	Not Applicable

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) are as follows:

Description	For the year ended March, 31st 2018 (₹ In lakh)	For the year ended March, 31st 2017 (₹ In lakh)
a. Current service cost	8.10	7.93
b. Service Cost	8.10	7.93
c. Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	15.52	15.33
d. Immediate recognition of (gains)/losses-other long term employee benefit plans	-	-
e. Cost recognized in P&L	**23.62**	**23.26**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
a. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	(60.94)	(12.94)
b. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	(10.82)	22.01
c. Actuarial (gain)/loss arising during period	(71.76)	9.07
d. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	(71.76)	9.07
e. (Income)/Cost recognized in OCI	**(71.76)**	**9.07**

3. **The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss.**
4. **The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.**

5. **परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है**

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2018** (₹ लाख में)	समाप्त वर्ष के लिए **31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
क. वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	(227.22)	(198.21)
ख. चालू सेवा लागत	(8.10)	(7.93)
ग. ब्याज लागत	(15.52)	(15.33)
घ. अनुभव समायोजन से उत्पन्न बिमांकिक लाभ एवं हानि	-	-
ङ. कंपनी द्वारा सीधे भुगतान दिए गए लाभ	4.61	3.32
च. ओसीआई में स्वीकृत राशि	71.76	(9.07)
छ. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**(174.47)**	**(227.22)**

6. **परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएँ छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाली संबंधित धारणाओं के सुसंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।**

छूट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	**31 मार्च 2018** (₹ लाख में)	**31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत चालू सेवा एवं ब्याज लागत	(18.91)	(24.24)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	(193.38)	(251.46)
कमी		
(i) एकीकृत चालू सेवा एवं ब्याज लागत	22.72	29.15
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	(151.75)	(198.07)

चिकित्सा स्फीति दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	**31 मार्च 2018** (₹ लाख में)	**31 मार्च, 2017** (₹ लाख में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत चालू सेवा एवं ब्याज लागत	प्रयोज्य नहीं	प्रयोज्य नहीं
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	-	-
कमी		
(i) एकीकृत चालू सेवा एवं ब्याज लागत	प्रयोज्य नहीं	प्रयोज्य नहीं
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	-	-

7. **उपर्युक्त प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषित लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक–दूसरे से अलगाव में घटेगा क्योंकि कुछ घटनाएँ सह–संबंधित हो सकती हैं।**

8. **सुग्राही विश्लेषण तैयार करने में प्रयुक्त विधियों एवं धारणाओं में पूर्व के वर्षों से कोई परिवर्तन नहीं है।**

42 . व्यापार निवेश का विवरण

₹ लाख में

निगमित निकाय का नाम	शोयरों की संख्या **2018**	**2017**	मूल्य **2018**	**2017**	क्या मूल्य पर व्यक्त है
50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश, अनुद्धृत पूर्णतः प्रदत					
महिन्द्र एमएसटीसी रीसाइकलिंग प्राइवेट लिमिटेड					
(अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रत्येक)	10600000	3100000	1060	310	हाँ

(1) वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान, ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना हेतु एमएसटीसी लिमिटेड एवं महिंद्रा इंटरट्रेड लिमिटेड ने महिंद्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक 50:50 संयुक्त उद्यम की स्थापना की है।

5. **Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows**

Description	For the year ended March, 31st 2018 (₹ In lakh)	For the year ended March, 31st 2017 (₹ In lakh)
a. Obligation as at the beginning of the year	(227.22)	(198.21)
b. Current Service Cost	(8.10)	(7.93)
c. Interest Cost	(15.52)	(15.33)
d. Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	-	-
e. Benefits paid directly by the Company	4.61	3.32
f. Amounts recognized in OCI	71.76	(9.07)
g. Closing defined benefit Obligation	**(174.47)**	**(227.22)**

6. **Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.**

Effect of a 1% change in discount rate	March, 31st 2018 (₹ In lakh)	March, 31st 2017 (₹ In lakh)
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(18.91)	(24.24)
(ii) closing balance of obligation	(193.38)	(251.46)
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	22.72	29.15
(ii) closing balance of obligation	(151.75)	(198.07)

Effect of a 1% change in medical inflation rate	March, 31st 2018 (₹ In lakh)	March, 31st 2017 (₹ In lakh)
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	Not Applicable	Not Applicable
(ii) closing balance of obligation	-	-
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	Not Applicable	Not Applicable
(ii) closing balance of obligation	-	-

7. **The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.**

8. **There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years.**

Amount in ₹ lakh

42 . Details of Trade Investments

Name of the Body Corporate	No. of Shares 2018	No. of Shares 2017	Amount 2018	Amount 2017	Whether stated at Cost
Investement in 50:50 Joint Venture Company, Unquoted, Fully paid up					
Mahindra MSTC Recycling Private Limited (Face Value ₹10/- each)	10600000	3100000	1060	310	Yes

(1) During F.Y. 2016-17 MSTC Limited and Mahindra Intertrade Ltd have formed a 50:50 Joint Venture Company named Mahindra MSTC Recycling Private Ltd for setting up of Auto shredding plant.

(2) वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, एमएसटीसी लिमिटेड ने महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड में इक्विटी योगदान बाबत ₹ 75000000 का निवेश किया है (पिछले वर्ष ₹ 31000000)।

(3) वित्तीय वर्ष 2017-18 तक संयुक्त उद्यम कंपनी को ₹ 360 लाख का नुकसान उठाना पड़ा है। ₹ 880 लाख तक पहुंचने के लिए निवेश राशि से 50% हानि कम हो गई है।

43. निगमित सामाजिक दायित्व गतिविधियों पर किए गए व्यय

(क) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के अनुसार,वर्ष के दौरान समूह द्वारा व्यय किए जाने के लिए आवश्यक सकल राशि ₹ 277 लाख।

(ख) समूह ने सीएसआर व्यय पर ₹ 278 लाख (पिछले वर्ष ₹ 157 लाख) खर्च किया है।

विवरण	2017-18	2016-17
किसी परिसंपत्ति का निर्माण / नवीकरण	129	46
टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण	40	45
ट्यूब वेल	69	8
अन्य	40	58
	278	**157**

उपर्युक्त आँकड़े टिप्पणी सं. 31(कक) में पृथक रूप से प्रकट किए गए हैं।

44. व्यापार प्राप्यों, व्यापार देय एवं अग्रिमों की शेष राशि में पुष्टि / पुनर्मिलान एवं परिणामी समायोजन यदि कोई है, के अधीन शेष राशि शामिल है। पुनर्मिलान निरंतर आधार पर किया गया है। प्रावधान जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, किए गये हैं।

45. अनुरूपी पिछले वर्ष के आँकड़ों को तुलना योग्य बनाने के लिए जहाँ भी आवश्यक हुए हैं, पुनर्व्यवस्थित/पुनर्वगीकृत किए गए हैं।

46. होल्डिंग कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जुलाई, 2018 को आयोजित अपनी 281 वीं बैठक में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के संबंध में इक्विटी शेयर पूँजी पर 74% की दर पर अंतिम लाभांश का प्रस्ताव दिया है जो निर्दिष्ट तिथि को ₹ 3520 लाख है। लाभांश का भुगतान वार्षिक साधारण बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अधीन है। यदि अनुमोदित होता है, तो इससे ₹ 535 लाख के लाभांश वितरण कर समेत ₹ 3140 लाख का नकद बहिर्वाह होगा।

47. समेकित वित्तीय विवरण होल्डिंग कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा जारी करने हेतु दिनांक 27 जुलाई, 2018 को अनुमोदित किए गए थे।

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड

(सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला)
साझेदार
एम नं. : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन - 03102901

दिनांक :27.07.2018
स्थान : कोलकाता

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(2) During F.Y. 2017-18 MSTC Limited have invested ₹ 75000000 towards equity contribution in Mahindra MSTC Recycling Private Limited. (Previous Year ₹ 31000000)

(3) Upto F.Y. 2017-18, the Joint Venture Company has incurred loss of ₹ 360 lakh. 50% of the loss has been decreased from the Investment amount to arrive at ₹ 880 lakh.

43 . Expenditure incurred on Corporate Social Responsibility Activities

a. In accordance to Section 135 of the Companies Act 2013, gross amount required to be spent by the group during the year- ₹ 277 lakh.

b. The group has incurred ₹ 278 lakh (Previous Year ₹ 157 lakh) as CSR expenditure.

Particulars	2017-18	2016-17
Construction/ Rennovation of any asset	129	46
Construction of Toilet Blocks	40	45
Tube Wells	69	8
other	40	58
	278	**157**

Above figures are disclosed separetly in note no 31(aa).

44. Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances includes balances subject to confirmation/reconciliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions,wherever considered necessary, have been made.

45. The figures for the corresponding previous years have been regrouped/reclassified wherever necessary to make them comparable.

46. The Board of Directors of the Holding Company in its 281st Meeting held on 27th July 2018, has proposed a final dividend in respect of year ending 31st March 2018, @74% on equity share capital which is ₹ 3520 lakh as on date.The payment of dividend is subject to approval of shareholders at annual general meeting.If approved it will result in cash outflow of ₹3140 lakh inclusive of dividend distribution tax of ₹ 535 lakh.

47. The Consolidated Finanacial Statements were approved for issue by the Board of Directors of the Holding Company on 27th July 2018.

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

For MSTC LIMITED

(CA Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M. No : 057170

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(A K Basu)
DIRECTOR
(FINANCE)
(DIN- 03102901)

Dated : 27.07.2018
Place Kolkata

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
(FINANCE & ACCOUNTS)

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

प्रपत्र एओसी -1

(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 को साथ पठित धारा 129 की उप धारा (3) के प्रथम प्रावधान के तहत)

सहायिकाएं या सहयोगी कंपनियों अथवा संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं का ब्यौरा

भाग क सहायिकाएं

(प्रत्येक सहायक कंपनियों के संबंध में सूचना लाख ₹ में प्रस्तुत की जानी चाहिए)

1.	संख्या	1
2.	सहायक कंपनी का नाम :	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
3.	तारीख जब से सहायक कंपनी अधिगृहित की गई थी	1979-80
4.	सम्बद्ध सहायक कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि यदि होल्डिंग कम्पनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग है।	2017-18 2017-18
5.	विदेशी सहायक कंपनी के मामले में वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा एवं विनिमय दर	लागू नहीं
6.	शेयर पूंजी :	₹ 3200
7.	आरक्षित एवं अधिशेष :	₹ 15378
8.	कुल परिसम्पतियां :	₹ 36066
9.	कुल दायित्व :	₹ 36066
10.	निवेश	शून्य
11.	टर्नओवर	₹ 34030
12.	कराधान पूर्व लाभ	₹ 1304
13.	कराधान का प्रावधान	₹ 497
14.	कराधान उपरान्त लाभ :	₹ 807
15.	प्रस्तावित लाभांश :	लागू नहीं
16.	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत में)	100%

Form AOC-1

(Pursuant to first proviso to sub-section (3) of section 129 read with rule 5 of Companies (Accounts) Rules, 2014)

Statement containing salient features of the financial statement of subsidiaries or associate companies or joint ventures

Part A Subsidiaries

(Information in respect of each subsidiary to be presented with amounts in ₹ lakh)

1.	Number	1
2.	Name of the subsidiary	Ferro Scrap Nigam Limited
3.	The date since when subsidiary was acquired	1979-80
4.	Reporting period for the subsidiary concerned, if different from the holding company's reporting period.	2017-18
5.	Reporting currency and Exchange rate as on the last date of the relevant Financial year in the case of foreign subsidiaries.	Not Applicable
6.	Share capital	₹ 3200
7.	Reserves and surplus	₹ 15378
8.	Total assets	₹ 36066
9.	Total Liabilities	₹ 36066
10.	Investments	Nil
11.	Turnover	₹ 34030
12.	Profit before taxation	₹ 1304
13.	Provision for taxation	₹ 497
14.	Profit after taxation	₹ 807
15.	Proposed Dividend	Not Applicable
16.	Extent of shareholding (in percentage)	100%

भाग ख सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम

सहयोगी कंपनी एवं संयुक्त उद्यम से सम्बद्ध कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के तहत विवरण

सहयोगी या संयुक्त उद्यमों का नाम	महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्रा. लि.
1. अद्यतन लेखा परीक्षित तुलनपत्र की तारीख	31.03.2018
2. सहयोगी या संयुक्त उद्यम जिस तारीख को जुड़े या अधिग्रहित हुए थे	16.12.2016
3. साल के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोगी एवं संयुक्त के शेयर	प्रत्येक का ₹ 10 अंकित मूल्य
सं.	106 लाख
एवं सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम में में निवेश की राशि	₹ 1060 लाख
होल्डिंग (नियंत्रक) की सीमा (प्रतिशत में)	50%
4. महत्वपूर्ण प्रभाव का वर्णन	शेयरधारिता के कारण महत्वपूर्ण प्रभाव
5. सहयोगी/संयुक्त उद्यम के समेकित न होने का कारण	लागू नहीं
6. नवीनतम लेखा परीक्षित तुलनपत्र के अनुसार शेयरधारिता के कारण शुद्ध मूल्य	₹ 880 लाख
7. वर्ष के लिए लाभ या हानि	
i. समेकन पर विचार किया गया	50% शेयर ₹131 लाख
ii. समेकन पर विचार नहीं किया गया	

Part B Associates and Joint Ventures

Statement pursuant to Section 129(3) of the Companies Act, 2013 related to Associate Companies and Joint Ventures

Name of Associates or Joint Ventures	Mahindra MSTC Recycling Pvt Ltd
1. Latest audited Balance Sheet Date	31.03.2018
2. Date on which the Associate or Joint Venture was associated or acquired	16.12.2016
3. Shares of Associates or Joint Ventures held by the Company on the year end	Face Value of ₹ 10/- each
No.	106 lakh
Amount of Investment in Associates or Joint Venture	₹ 1060 lakh
Extent of Holding (in percentage)	50%
4. Description of how there is significant influence	Significance influence due to share holding
5. Reason why the associate / joint venture is not consolidated	Not Applicable
6. Net worth attributable to shareholding as per latest audited Balance Sheet	₹ 880 lakh
7. Profit or Loss for the year	
i. Considered in Consolidation	50% share ₹ 131 lakh
ii. Not Considered in Consolidation	

हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138E

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड
For MSTC LIMITED

सीए नीरज कुमार झुनझुनवाला
साझेदार
एम नं. : 057170

CA Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M. No : 057170

(बी.बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन - 03212787

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
DIN- 03212787

(ए.के. बसु)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन- 03102901

(A K Basu)
DIRECTOR FINANCE
DIN- 03102901

दिनांक : 27.07.2018
स्थान : कोलकाता

Dated : 27.07.2018
Place : Kolkata

(आर.के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
(वित्त एवं लेखा)

(R K Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
(FINANCE & ACCOUNTS)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

टिप्पणियाँ / Notes

टिप्पणियाँ / Notes

टिप्पणियाँ / Notes

टिप्पणियाँ / Notes

फील्ड कार्यालय :

भोपाल
पहली मंजिल, तिलहान संघ भवन, 1 अरेरा हिल्स म्पोलाईफड बिल्डिंग भोपाल-462004 (मध्य प्रदेश)
दूरभाष : (0755) 2552241 / (0755) 2570664
फैक्स : (0755) - 4075720
ई-मेल : mstcbhopal@mstcindia.co.in
GSTIN : 23AACCM0021E1ZF

तिरुपति
एमएसटीसी लिमिटेड, 14 - 279A, द्वितीय तल, राघवेन्द्रनगर, तिरुपति- 517501
दूरभाष : (+91) 08143143879
ई-मेल : osdtirupati@mstcindia.co.in

लखनऊ
द्वितीय तल, सेंटर कोर्ट बिल्डिंग, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ - 226001, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522- 2236396, 4244702, 4240445
ई-मेल : mstclko@mstcindia.co.in
GSTIN : 09AACCM0021E1Z5

भुवनेश्वर
तोशाली प्लाजा, तृतीय तल, कक्ष सं. टीपी-बी /1-03 और 08, सत्य नगर, भुवनेश्वर - 751 007
दूरभाष : (0674)- 2571699
ई-मेल : mstcbbr@mstcindia.co.in
GSTIN : 21AACCM0021E1ZJ

तिरुवनंतपुरम
प्रथम तल, वन केन्द्रीय पुस्तकालय भवन, केरल वन मुख्यालय, वज़हुथाकॉड, तिरुवनंतपुरम 695014
दूरभाष : 0471-2529137
ई-मेल : mstctvm@mstcindia.co.in
GSTIN : 32AACCM0021E1ZG

विजयवाड़ा
एमएसटीसी लिमिटेड, # डी सं. 7-130, प्रथम तल, बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज बिल्डिंग, पोरांकी, विजयवाड़ा - 521 137
दूरभाष : 0866-2581331
ई-मेल : gnjayakumar@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

रायपुर
एमएसटीसी लिमिटेड, हॉल सं. 6 और 7, तीसरी मंजिल, उद्योग भवन, तेलीबंधा, रिंग रोड 1, रायपुर 492006
दूरभाष : 0771-2432481
ई-मेल : mstcrpr@mstcindia.co.in
GSTIN : 22AACCM0021E1ZH

जयपुर
सीएफ/02, प्रथम तल,नेहरु प्लेस परिसर, टोंक रोड जयपुर, पिन 302015
दूरभाष : 0141-2742208
ई-मेल : umesh@mstcindia.co.in
GSTIN : 08AACCM0021E1Z7

रांची
एमएसटीसी लिमिटेड, बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज, सेक्टर-2, धुर्व, रांची-834004, झारखंड
दूरभाष : 0651-2443396
ई-मेल : mstcrnc@mstcindia.co.in
GSTIN : 20AACCM0021E1ZL

चंडीगढ़
एमएसटीसी लिमिटेड टेलीफोन एक्सचेंज बिल्डिंग, द्वितीय तल, सेक्टर-5, पंचकुला-134109
दूरभाष : 0172-2584921
ई-मेल : sbanduni@mstcindia.co.in
GSTIN : 06AACCM0021E1ZB

गुवाहाटी
एमएसटीसी लिमिटेड बीएसएनएल एक्सचेंज बिल्डिंग, बेलतोला वशिष्ठ रोड, वायरलेस गुवाहाटी, असम-781038
दूरभाष : 0361-2221199
ई-मेल : mstcghy@mstcindia.co.in
GSTIN : 18AACCM0021E1Z6

Field Offices :

Bhopal
1st Floor, Tilhan Sangh Bhawan,1 Arera Hills MPOLIFED Building Bhopal-462004 (Madhya Pradesh)
Tel. : (0755) 2552241 / (0755) 2570664
Fax : (0755) - 4075720
E-mail : mstcbhopal@mstcindia.co.in
GSTIN : 23AACCM0021E1ZF

Tirupati
MSTC LIMITED, 14 - 279A, 2nd Floor, Raghavendranagar, Tirupati-517501
Tel. : (+91) 08143143879
E-mail : osdtirupati@mstcindia.co.in

Lucknow
2nd Floor, Centre Court Building, Park Road, Hazratganj, Lucknow - 226001, Uttar Pradesh
Tel. : 0522- 2236396, 4244702, 4240445
E-mail : mstclko@mstcindia.co.in
GSTIN : 09AACCM0021E1Z5

Bhubaneswar
Toshali Plaza, 3rd Floor, Room No.TP-B/1-03 & 08, Satya Nagar, Bhubaneswar - 751 007
Tel. : (0674)- 2571699
E-mail : mstcbbr@mstcindia.co.in
GSTIN : 21AACCM0021E1ZJ

Trivandrum
First Floor, Forest Central Library Building, Kerala Forest Head Quarters, Vazhuthacaud, Trivandrum 695014
Tel. : 0471-2529137
E-mail : mstctvm@mstcindia.co.in
GSTIN : 32AACCM0021E1ZG

Vijayawada
MSTC LIMITED # D. No. 7-130, 1st Floor, BSNL Telephone Exchange Building, Poranki Vijayawada - 521 137
Tel. : 0866-2581331
E-mail : gnjayakumar@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

Raipur
MSTC LIMITED, Hall No 6 & 7, 3rd floor, Udyog Bhawan, Telibandha, Ring Road 1 , Raipur, 492006
Tel. : 0771-2432481
E-mail : mstcrpr@mstcindia.co.in
GSTIN : 22AACCM0021E1ZH

Jaipur
CF/02, First Floor, Nehru place Complex, Tonk road Jaipur. PIN: 302015
Tel. : 0141-2742208
E-mail : umesh@mstcindia.co.in
GSTIN : 08AACCM0021E1Z7

Ranchi
MSTC Limited, BSNL Telephone Exchange, Sec-2, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand
Tel. : 0651-2443396
E-mail : mstcrnc@mstcindia.co.in
GSTIN : 20AACCM0021E1ZL

Chandigarh
MSTC Limited Telephone Exchange Building, 2nd Floor, Sector-5, Panchkula-134109
Tel. : 0172-2584921
E-mail : sbanduni@mstcindia.co.in
GSTIN : 06AACCM0021E1ZB

Guwahati
MSTC LIMITED BSNL Exchange Building, Beltola Basistha Road, Wireless Guwahati, ASSAM-781038
Tel. : 0361-2221199
E-mail : mstcghy@mstcindia.co.in
GSTIN : 18AACCM0021E1Z6

एम एस टी सी लिमिटेड
MSTC LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)

पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय :
225-सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020.
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287 8547, 22874178
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E1Z4
उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय (उ. क्षे. का.)
30/31A जीवन विकास बिल्डिंग, प्रथम तल, आसफ अली रोड (हमदर्द के विपरीत)
नई दिल्ली - 110 002
दूरभाष : 011-23214201, 011-23213945
फैक्स : (011) 23216713
ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in
GSTIN : 07AACCM0021E1Z9
दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय (द. क्षे. का.)
इस्पात भवन, तीसरी मंजिल, नं. 5, कोडांबक्कम हाई रोड, चेन्नई - 600 034
दूरभाष : 044 28285000
फैक्स : (044) 2522 0091
ई-मेल : mstcsro@mstcindia.co.in
GSTIN : 33AACCM0021E1ZE
पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय (पू. क्षे. का.)
225-F, ए.जे.सी. बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964,2287-7557/0568/7716/9627/7568
फैक्स : (+91-33) 2287-4915
ई-मेल : mstcero@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E2Z3
पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय (प. क्षे. का.)
607-608 रहेजा सेंटर, नरिमन प्वाइंट, मुंबई - 400 021
दूरभाष : (022) 2288 6261 / 2288 5924
ई-ऑक्शन रजिस्ट्रेशन पूछताछ के लिए मिस अर्चना (एएम), दूरभाष : 022-22886268
फैक्स : (022) 2284 5130
ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in
GSTIN : 27AACCM0021E1Z7
शाखा कार्यालय :
बैंगलोर
एमएसटीसी लिमिटेड, 19/5 एवं 19/6, तृतीय तल, करीम टावर, कनिंघम रोड, बैंगलोर- 52
दूरभाष : (080) 2225 6367, 2226 0054, 22266417
फैक्स : (080) 2225 6367
ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in
GSTIN : 29AACCM0021E1Z3
विशाखापत्तनम
छठा तल, 'जीवन प्रकाश', एलआईसी बिल्डिंग, जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530004
दूरभाष : (0891) 274 6948, 270 1066
फैक्स : (0891) 274 7053
ई-मेल : mstcvzg@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6
बड़ोदरा
21,कमलांजलि अपार्टमेंट, द्वितीय तल, ट्यूब कंपनी के विपरीत, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, बड़ोदरा -390 020
दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 629
फैक्स : (0265) 235 1636
ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in
GSTIN : 24AACCM0021E1ZD
हैदराबाद
एमएसटीसी लिमिटेड, 5-9-13, 7वें तल, तारामंडल कॉम्प्लेक्स, सैफाबाद, सहारा मंजिल और सम्राट कॉम्प्लेक्स के बीच, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष : (040) 23301039
फैक्स : (040) - 23301049
ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in
GSTIN : 36AACCM0021E1Z8

Registered & Head Office :
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020.
Tel. : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91-33) 2287 8547, 22874178
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E1Z4
Northern Regional Office (NRO)
30/31A Jeevan Vikas Building, 1st Floor, Asaf Ali Road (opp. Hamdard), New Delhi - 110 002
Tel. : 011-23214201, 011-23213945
Fax : (011) 23216713
E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in
GSTIN : 07AACCM0021E1Z9
Southern Regional Office (SRO)
ISPAT Bhavan, 3rd Floor, No.5, Kodambakkam High Road, Chennai - 600 034
Tel. : 044 28285000
Fax : (044) 2522 0091
E-mail : mstcsro@mstcindia.co.in
GSTIN : 33AACCM0021E1ZE
Eastern Regional Office (ERO)
225-F, A.J.C Bose Road, Kolkata - 700 020
Tel. : (+91-33) 2290-0964,2287-7557/0568/7716/9627/7568
Fax : (+91-33) 2287-4915
E-mail : mstcero@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E2Z3
Western Regional Office (WRO)
607-608 Raheja Centre, Nariman Point, Mumbai - 400 021
Tel. : (022) 2288 6261 / 2288 5924
For e-Auction Registration Enquiry - Ms. Archana (AM), Tel: 022-22886268
Fax : (022) 2284 5130
E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in
GSTIN : 27AACCM0021E1Z7

Branch Offices :
Bengaluru
MSTC Limited, 19/5 & 19/6, 3rd Floor, Kareem Tower, Cunningham Road, Bengaluru- 52
Tel. : (080) 2225 6367, 2226 0054, 22266417
Fax : (080) 2225 6367
E-mail : mstcblr@mstcindia.co.in
GSTIN : 29AACCM0021E1Z3
Visakhapatnam
6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building, Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530004
Tel. : (0891) 274 6948, 270 1066
Fax : (0891) 274 7053
E-mail : mstcvzg@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6
Vadodara
21,Kamalanjali Apartment, 2nd Floor, Opp.Tube Company, Old Padra Road, Akota, Vadodara-390 020
Tel. : (0265) 2339 672, 2310 629
Fax : (0265) 235 1636
E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in
GSTIN : 24AACCM0021E1ZD
Hyderabad
MSTC Ltd., No. 5-9-13, 7th Floor, Taramandal Complex, Saifabad, Between Sahara Manzil And Samrat Complex, Hyderabad, Telangana 500004
Tel. : (040) 23301039
Fax : (040) - 23301049
E-mail : hyd@mstcindia.co.in
GSTIN : 36AACCM0021E1Z8

MSTC's Offices

- New Delhi
- Mumbai
- Kolkata
- Chennai
- Bangalore
- Visakhapatnam
- Vadodara
- Hyderabad
- Bhopal
- Trivandrum
- Lucknow
- Jaipur
- Bhubaneswar
- Raipur
- Guwahati
- Ranchi
- Chandigarh
- Tirupati
- Vijayawada

एम एस टी सी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED (A Govt. of India Enterprise)

225C, A.J.C. Bose Road, Kolkata - 700 020, India
Phone : 91-33-2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 7716 / 9627 / 7568
website : www.mstcindia.co.in ▪ www.mstcecommerce.com
CIN : U27320WB1964GOI026211

Inter Publicity